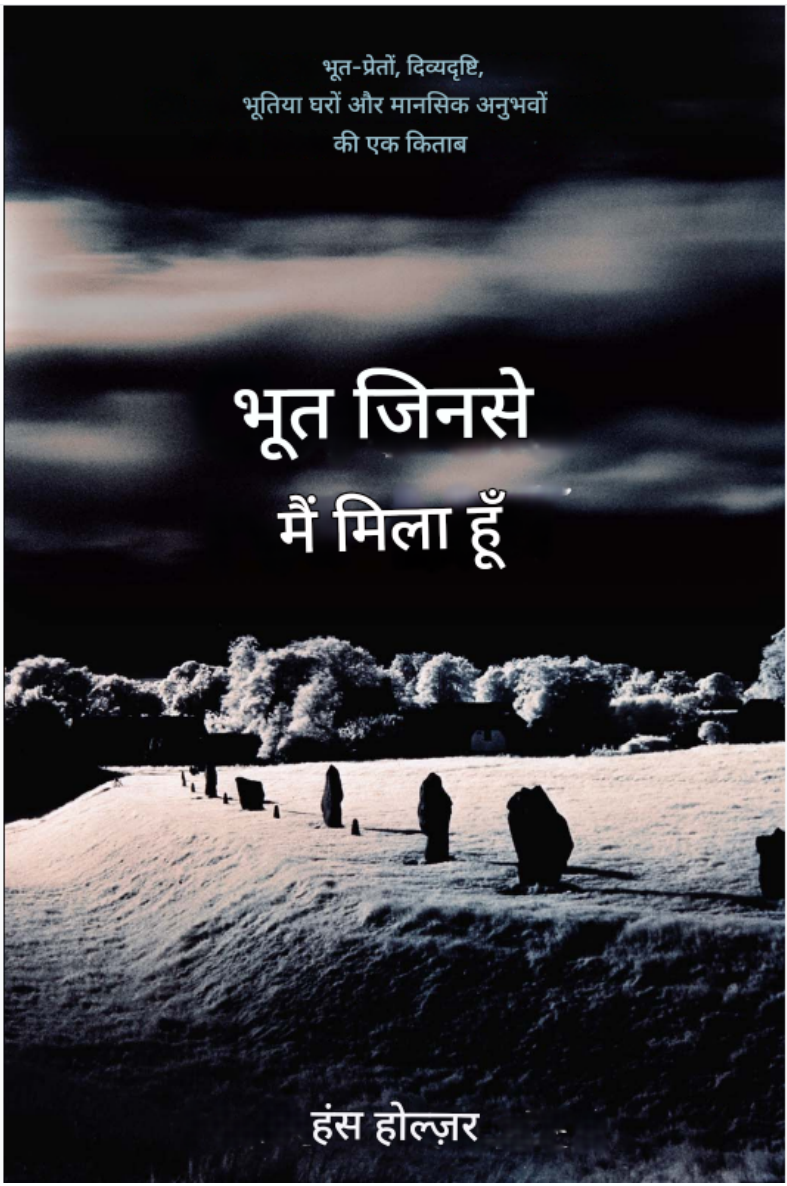
भूत-प्रेतों, दिव्यदृष्टि,
भूतिया घरों और मानसिक अनुभवों
की एक किताब
भूत जिनसे
मैं मिला हूँ
हंस होल्ज़र

भूत जिनसे मैं मिला हूँ

हंस होल्ज़र

फॉल रिवर प्रेस

FALL RIVER PRESS
New York
An Imprint of Sterling Publishing
387 Park Avenue South
New York, NY 10016

फॉल रिवर प्रेस और इसका विशिष्ट फॉल रिवर प्रेस लोगो, बार्न्स एंड नोबल, इंक. के पंजीकृत ट्रेडमार्क हैं।
© 2005, 1965 एस्पेरा एड एस्ट्रा, इंक. द्वारा।
कवर फोटो © ग्रीनहाफ फोटोग्राफी/कॉर्बिस
कवर डिजाइन: जो ओबारोव्स्की
सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना इस प्रकाशन का कोई भी भाग पुनरुत्पादित, किसी पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत या किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से, इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या अन्य किसी भी प्रकार से प्रसारित नहीं किया जा सकता है।
ISBN 978-1-4351-4138-4 (ई-पुस्तक)
1 3 5 7 9 10 8 6 4 2
कस्टम एडिशन, विशेष बिक्री और प्रीमियम एवं कॉर्पोरेट खरीदारी के बारे में जानकारी के लिए, कृपया स्टर्लिंग स्पेशल सेल्स से 800-805-5489 पर या specialsales@sterlingpublishing.com पर संपर्क करें।
www.sterlingpublishing.com

मेरी पत्नी कैथरीन को, जिन्होंने मेरी बहुत मदद की है, और दोनों दुनियाओं में हमारे दोस्तों को…

अंतर्वस्तु

द घोस्ट हंटर रिटर्न्स

सम्मोहन का दौर जारी रहता है

जब भूत शिकारी की मुलाकात भूत से होती है

टाउनहाउस का भूत

स्टैमफोर्ड हिल के भूत

मिडवेस्ट की पुकार

वेदी पर भूत

दबे हुए खनिकों का मामला

दक्षिणी हवेली के भूत

एक भूत का आखिरी आश्रय

द ऑक्टागन घोस्ट्स

खोए हुए सिर का मामला

आर्डमोर बुलेवार्ड के भूत

भूत, भूत, सबके पास भूत होते हैं

द घोस्ट गोज़ ईस्ट, या इंग्लैंड में अमेरिकी भूत-प्रेत की खोज

सॉस्टन हॉल की धूसर महिला

भूतिया मोटरसाइकिल कार्यशाला

प्रेतवाधित भिक्षुओं से सामना

नेल ग्विन और कैवेलियर का भूत

समरसेट, डोरसेट, विल्टशायर—वे भूत जो कभी चलना बंद नहीं करते

स्ट्रिप-टीज़ भूत

हॉल प्लेस के भूत

स्कॉटिश भूत जैसा कुछ नहीं है

भूत और सुकून

भूतिया स्विट्जरलैंड
एक भूत की डायरी
जुमेल हवेली के भूत
न्यूयॉर्क भूतों से भरा पड़ा है
इस सबका क्या मतलब है?

भूत शिकारी की वापसी

जब मेरी पहली किताब, घोस्ट हंटर, प्रकाशित हुई, तो मैंने कई टेलीविजन और रेडियो कार्यक्रमों में अतिथि के रूप में उपस्थित होकर, कभी-कभी विभिन्न भूतिया स्थानों पर मेरे द्वारा ली गई तस्वीरों के साथ, इसकी बिक्री में मदद की।

शुरुआत में मुझे सिर्फ़ स्थानीय इंटरव्यू कार्यक्रमों में ही बुलाया जाता था, जो घोस्ट हंटर को अपने नियमित क्लब महिलाओं, उत्पाद बेचने वालों, नई फ़िल्म का प्रचार करने आए फ़िल्म सितारों और ऐसे ही सस्ते मनोरंजन से हटकर एक अच्छा विकल्प मानते थे। उन्हें आश्चर्य हुआ कि दर्शकों को मैं पसंद आया और मुझे बार-बार बुलाया जाने लगा। ज़ाहिर है, मुझे कोई पैसे नहीं देता था।

अमेरिका में, टीवी इंटरव्यू कार्यक्रमों के लिए भुगतान नहीं किया जाता, इस सिद्धांत पर कि एक हाथ दूसरे को धोता है। हालांकि, कुछ अपवाद भी थे। उदाहरण के लिए, पिट्सबर्ग में, जॉन रीड किंग और वेस्टिंगहाउस ने हमेशा मुझे राजा जैसा महसूस कराया। उन्होंने मुझे कार्यक्रम के सबसे अच्छे हिस्से में चुना, मेरे सभी खर्चों का भुगतान

किया, और कुल मिलाकर "अतिथि" शब्द को उसके मूल अर्थ में समझा।
जैसे-जैसे किताब के पाठक बढ़ते गए, चिट्ठियों का तांता लग गया। कुछ चिट्ठियाँ उन लोगों की थीं जिनके मन में कई सवाल थे—वे सवाल जो मेरी किताब ने उनके लिए फिर से खोल दिए थे। भले ही पति या पत्नी उनसे नाराज़ थे, फिर भी कई महिलाएं आगे आईं और उन्होंने अपने मानसिक अनुभवों के बारे में मुझे लिखकर बताया और स्पष्टीकरण मांगा।
मैंने हमेशा इन पत्रों का जवाब देने की कोशिश की, और मैं अक्सर लेखकों के घर जाकर उनसे बात करता था। कभी-कभी मुझे कोई गंभीर समस्या महसूस होती थी और मैं उस पर कार्रवाई करता था। कभी-कभी मुझे आत्म-धोखा या बीमारी का पता चलता था। मैंने हमेशा मददगार होने के साथ-साथ ईमानदार रहने की कोशिश की। मेरा फोन अजीब समय पर बजने लगा, और विदेशी चिट्ठियाँ घरेलू चिट्ठियों के साथ मिलने लगीं। अक्टूबर 1963 से लेकर 1964 की गर्मियों तक, 'घोस्ट हंटर' की हज़ारों प्रतियाँ बिक गईं। नतीजतन, मानसिक जांच और भूत-प्रेत अब केवल सनकी लोगों की चर्चा का विषय नहीं रह गए थे, न ही ये ऐसी बातें थीं जिनका ज़िक्र सभ्य समाज में नहीं किया जाता था। इसके विपरीत, एक व्याख्याता के रूप में मेरा करियर तेज़ी से बढ़ने लगा। मैंने विद्वान संगठनों, कॉलेजों, महिला क्लबों और यहाँ तक कि चर्चों में भी भाषण दिए। कुछ श्रोता निश्चित रूप से हँसने या जिज्ञासावश आते थे, लेकिन बहुत कम ही ऐसे थे जो विषय से प्रभावित हुए बिना वापस जाते थे। कम से कम मुझसे तो नहीं।
अर्ल विल्सन जैसे सिंडिकेटेड स्तंभकारों ने भूतों की जांच और उन्हें मुक्त करने (और लोगों को भूतों से मुक्ति दिलाने) के मेरे काम के बारे में ढेर सारी सामग्री लिखी। विल्सन ने इसे व्यंग्यात्मक ढंग से लिखा, लेकिन वे अपने तरीके से गंभीर थे।
स्थानीय टेलीविजन से ही राष्ट्रीय टेलीविजन का जन्म हुआ, और जल्द ही माइक डगलस, स्टीव एलन, आर्ट लिंकलेटर और जॉनी कार्सन जैसे लोगों ने मुझे अपने कैमरों के सामने आने के लिए आमंत्रित किया। स्टीव एलन विशेष रूप से सीधे-सादे तरीके से पेश आते थे और नतीजा यह होता था कि भूत-प्रेतों की एक के बाद एक तस्वीरें दिखाए और समझाए जाने पर दर्शक शांत हो जाते थे। मैं भी सीधे-सादे तरीके से पेश आता था, और परिणाम असाधारण रूप से अच्छा रहा। आर्ट लिंकलेटर सतर्क रहते हुए पेश आते थे, यह कहते हुए कि वे भूतों में पहले से विश्वास नहीं करते, लेकिन उनके पास कई ऐसे प्रायोजक थे जो आसानी से प्रभावित हो जाते थे। लिंकलेटर के दर्शकों ने शो में मेरी

पहली उपस्थिति के बाद पांच महीनों तक मुझे सैकड़ों पत्र लिखे, जिनमें जानकारी, संकट में मदद और टेलीविजन पर मुझे और अधिक देखने की गुहार लगाई गई थी। एक बार जॉनी कार्सन के शो में गैबोर बहनों में से एक मेहमान के तौर पर आई थीं। हमने जादू-टोने पर चर्चा की और उन्होंने पूछा कि क्या उनके जीवन में घटी कुछ अजीब घटनाओं के कारण कहीं वह खुद तो चुड़ैल नहीं हैं। मैंने उन्हें आश्वस्त किया कि जहाँ तक मुझे पता है, वह चुड़ैल नहीं हैं और स्नेहपूर्वक आशा जताई कि वह बीच में टोकना बंद कर देंगी। कार्सन के निर्माताओं से पहले से तय समझौते के अनुसार, मैंने उन्हें न्यूयॉर्क के राय में स्थित एक भूतिया घर में मेरे साथ चलने और मेरी जाँच में सहायता करने के लिए आमंत्रित किया, जिसका प्रसारण उनके कार्यक्रम में किया जाना था। उन्होंने तुरंत चुनौती स्वीकार कर ली और मैंने घर में रहने वालों को उस महान व्यक्ति के आगमन के लिए तैयार किया।

दुर्भाग्यवश, यह आयोजन कभी साकार नहीं हो सका, क्योंकि कार्सन के निर्माताओं ने इस परियोजना को रद्द करने का निर्णय लिया।

लगभग सौ बार टेलीविजन और रेडियो पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के बाद मुझे एहसास हुआ कि मैं अपनी खुद की एक श्रृंखला बनाकर मानसिक ज्ञान के क्षेत्र में सबसे अच्छी सेवा कर सकता हूं, और मैंने खुद को इस लक्ष्य के लिए समर्पित कर दिया। इस बीच, दफ्तर में चिट्ठियाँ बढ़ती ही जा रही थीं। बहुत सारी चिट्ठियाँ उन लोगों की थीं जो अदृश्य शक्तियों से बुरी तरह परेशान थे। मेरी मदद करना महज़ जिज्ञासा का मामला नहीं था, बल्कि जीवन-मरण का मामला था। जब भी कोई घर न्यूयॉर्क के पास होता, मैं जाकर मदद करता। मैंने अपने खर्च पर कैलिफ़ोर्निया की यात्रा का इंतज़ाम किया, ताकि उस परेशान महिला की मदद कर सकूँ जो उस भूतिया घर में और नहीं रह सकती थी जिसे वह कभी अपना घर कहती थी। मुझे हर उस मामले के लिए दर्जनों अच्छे मामलों की जाँच को ठुकराना या टालना पड़ता था जिसमें मैं तुरंत शामिल हो सकता था।

यह पुस्तक मेरी पहली पुस्तक के प्रकाशन के बाद भूत शिकारी के रूप में मेरे कुछ अनुभवों का वर्णन करती है। इस दौरान एक लेखक और शोधकर्ता के रूप में मेरे जीवन में काफी बदलाव आए। मैं अब वह अनजान व्यक्ति नहीं था जिसे खुद को समझाना पड़ता था। लोग हमेशा मेरा नाम या मेरा सही उपनाम याद नहीं रखते थे, लेकिन चाहे वे मुझे "भूतों वाला आदमी", "भूतों का पीछा करने वाला" या "भूतों से बात करने वाला

आदमी" कहें—वे हमेशा मेरा चेहरा पहचान लेते थे।
फिर भी, मुझे समर्थकों की एक फौज मिल गई। बेशक, वे उतने प्रत्यक्ष नहीं हैं जितने कि वे लोग जो कभी-कभी मुझे सड़क पर रोककर पूछते हैं, "क्या मैंने आपको टीवी पर नहीं देखा है?"—लेकिन वे ही हैं जो वास्तव में मेरी सबसे अधिक सराहना करते हैं।
श्रीमती एथेल जॉनसन मेयर्स और अन्य कुशल माध्यमों की मदद से, मैंने जिन भूतों को उनकी पुरानी भावनात्मक कैद से मुक्त कराया, उन्होंने कृतज्ञता के भाव से मुझसे जुड़ गए, और वे समय-समय पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आयोजित होने वाले séances या बैठकों में "प्रकट" होते हैं।
सच में, मेरे कुछ सबसे अच्छे भूत दोस्त हैं।

सम्मोहन की अवस्था बनी रहती है

मुझे लगता है कि यह काफी आश्चर्यजनक है कि मेरी पहली किताब, घोस्ट हंटर, पढ़ने वाले किसी भी व्यक्ति से मुझे एक भी नकारात्मक पत्र नहीं मिला। दूसरी ओर, लगातार शिकायतें आती रहीं, और कुछ मामलों में, मेरे द्वारा वर्णित भूतिया घरों में रहने वाले लोग मुझे पत्र लिखते हैं या फोन करते हैं और उन स्थानों पर अपने अजीबोगरीब अनुभवों के बारे में बताते हैं।
मेरे पसंदीदा मामलों में से एक क्लिंटन कोर्ट का मामला था, जो न्यूयॉर्क के नाट्य क्षेत्र के ठीक बीच में स्थित था। बूढ़ा मूर, नाविक, और गवर्नर क्लिंटन के पुराने गाड़ी घर की घुमावदार सीढ़ियों से गिरकर मरने वाली छोटी बच्ची का भूत, दोनों की अपनी एक अलग ही खूबसूरती थी।

इसलिए, जनवरी 1964 की एक ठंडी सुबह जब मैंने टेलीफोन उठाया और एक मधुर महिला की आवाज़ सुनी, तो मुझे बहुत खुशी हुई। उस महिला ने बताया कि क्लिंटन कोर्ट के ऊपरी तल के अपार्टमेंट में किराए पर रहने वाले लोगों की वह दोस्त और अक्सर आने-जाने वाली मेहमान थी। मैंने उस महिला से, जिसका नाम एलिस मोंट्रेइल था, अपने अनुभव को लिखकर बताने का अनुरोध किया। एक या दो सप्ताह बाद उसने ऐसा किया:

1959 से 1963 तक वहां रहने वाले लोग डैनी ब्राउन और फ्रैंक [डॉक्टर] बेनर थे। साथ ही श्री बेनर की मां भी, जो छियासी वर्ष की हैं। कई बार जब श्रीमती बेनर बरामदे में जातीं, तो सामने का दरवाजा बंद हो जाता और वह घर के बाहर ही रह जातीं। जैसा कि आप जानते हैं, यह बरामदा पत्थर की सीढ़ियों के ऊपर है। बरामदा तीन तरफ से ढका हुआ है, इसलिए हवा के झोंके से दरवाजा बंद होने की कोई संभावना नहीं है। साथ ही, दरवाजा कभी बंद नहीं होता था, लेकिन जब भी वह इसे खोलने की कोशिश करतीं, तो वह हमेशा बंद ही होता था। मेरे पास दो कुत्ते हैं, एक टॉय पूडल और एक यॉर्कशायर टेरियर। ये कुत्ते पूरे देश में घूम चुके हैं और हर उस व्यक्ति से मिलने जाते हैं जिससे मैं मिलता हूं। वे किसी भी चीज से घबराते या डरते नहीं हैं। जब मैं गवर्नर क्लिंटन के घर जाता था, तो मैं हमेशा फुटपाथ पर ही उनकी पट्टियां खोल देता था और वे पीछे की ओर दौड़ जाते थे। श्रीमती बेनर के पास एक पूडल है और मेरे कुत्ते हमेशा उनके साथ खेलने के लिए उत्सुक रहते थे। जब वे सीढ़ियों के नीचे पहुँचते, तो ऐसा लगता जैसे उन पर ब्रेक लग गए हों। सीढ़ियों के ऊपर कोई भी हो, वे ऊपर नहीं जाते। मुझे उन्हें गोद में उठाकर ले जाना पड़ता था। जब जाने का समय होता, तो वे बरामदे में जाने से डरते, क्योंकि उन्हें पता था कि उन्हें उन सीढ़ियों से नीचे उतरना है। मैं नीचे जाता, दूर हट जाता, उन्हें बुलाता, और वे नीचे उतरना शुरू कर देते। आधे रास्ते में वे मुड़कर वापस ऊपर घर में भाग जाते। यह शायद मामूली बात लगे, लेकिन अगर आप इन कुत्तों को जानते, तो आपको पता होता कि उनकी ज़िंदगी का मकसद सिर्फ़ सैर पर जाना है। जब मैं उन्हें बाहर जाने के लिए मना नहीं पाता, तो कुछ बहुत अजीब होता है। एक बार जब मिस्टर बेनर बीमार थे, तो मैं रात भर वहीं रुका। जिस सामने वाले दरवाज़े का मैंने पहले ज़िक्र किया था, मैंने उसे खुद बंद कर लिया था। सुबह न सिर्फ़ वह खुला था, बल्कि दरवाज़ा खुला पड़ा था। मुझे पता है मैंने उसे बंद किया था, क्योंकि मैं नीचे सोफे पर सोया था, और मैं किसी अनजान बिस्तर पर खुले दरवाज़े के साथ सोना नहीं चाहता

था। (आपने वह मोहल्ला देखा ही होगा!) उस दरवाज़े को लेकर मुझे बहुत मज़ाक उड़ाया गया। अगर माँ एक-दो बार बाहर से बाहर लॉक हो जातीं, तो हम इस पर ध्यान नहीं देते, लेकिन ऐसा हर बार होता था जब वह बरामदे में कदम रखती थीं। श्रीमती बेनर अब ओहायो में अपने रिश्तेदारों के साथ रहती हैं, लेकिन उनके बेटे और श्री ब्राउन न्यूयॉर्क में रहते हैं।

घोस्ट हंटर, या यूं कहें कि यह किताब, एथेल जॉनसन मेयर्स और उनके जैसी अन्य लोगों की अमूल्य सहायता के बिना लिखी ही नहीं जा सकती थी। श्रीमती मेयर्स ने मेरी हर ज़रूरत में मदद की और इस किताब में वर्णित कई भूतिया घरों में मेरे साथ गईं। उनका हमेशा मेरे साथ रहना संभव नहीं था, आंशिक रूप से इसलिए कि न्यूयॉर्क से दूरी बहुत ज़्यादा है और हमारे खर्चों का भुगतान करने वाली कोई संस्था नहीं है; और आंशिक रूप से इसलिए कि भूतिया घटनाओं के प्रत्यक्षदर्शी कभी-कभी स्वयं माध्यम होते हैं और वे वैसी ही परिस्थितियाँ बना सकते हैं जैसी उनके अनुभव के दौरान हुई थीं, जिससे यह संभावना बनी रहती है कि मेरे सामने वह रहस्यमयी घटना फिर से घटित हो सकती है। अन्य मामलों में मुझे भूतिया घटना स्थल के आस-पास रहने वाले मानसिक विशेषज्ञों की मदद मिली, लेकिन एथेल मेयर्स की तरह काम कोई नहीं करता।

हालांकि वे एक वॉयस टीचर के रूप में व्यस्त करियर बिता रही थीं, फिर भी वे समय-समय पर अनुशंसित व्यक्तियों के साथ निजी बैठकों के लिए तैयार हो जाती थीं, जैसा कि सभी महान माध्यम समय-समय पर करते आए हैं। कभी-कभी मैं भूत-प्रेत से संबंधित मुलाकातों के अलावा भी उनकी सेवाएं लेता था, जब मुझे लगता था कि कुछ महत्वपूर्ण लोगों को उनकी असाधारण शक्तियों से अवगत कराया जाना चाहिए। ऐसा ही एक मौका 5 मार्च, 1964 को आया, जब हम जनसंपर्क विशेषज्ञ टैम नोयेस के आलीशान घर पर एकत्रित हुए। वहां न्यूयॉर्क जर्नल-अमेरिकन की ऐन स्टाइनर्ट, हिल्टन-इंटरनेशनल होटल्स के बेन कैरुथर्स, न्यूयॉर्क के सैवॉय-हिल्टन होटल की तत्कालीन जनसंपर्क निदेशक गेल बेनेडिक्ट, एक महिला जिनका नाम केवल बी ए. बताया गया, जिनसे मैं पहले कभी नहीं मिला था और न ही उनके बारे में सुना था, और टोनी नाम का एक उतना ही अनजान व्यक्ति भी उपस्थित थे।

यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि एथेल मेयर्स श्रीमती नोयेस या मिस बेनेडिक्ट, मेरी पत्नी और मुझसे छोड़कर किसी और से कभी नहीं मिली थीं; वहाँ ज़्यादा बातचीत करने या उपस्थित लोगों की पहचान के बारे में कोई सुराग पाने का अवसर नहीं था। नए

आने वालों को श्रीमती मेयर्स की उपस्थिति में अपना नाम बताने से भी सावधानीपूर्वक रोका गया था।
गहरी समाधि में, श्रीमती मेयर्स का नियंत्रण अल्बर्ट के हाथ में आ गया, जैसा कि उसने पहले भी कई बार किया था। हम प्रियजनों से कुछ परिचित अभिवादनों के लिए तैयार थे, जैसा कि अक्सर इन "खुली बैठकों" में होता है। मुझे आश्चर्य हुआ जब अल्बर्ट ने कहा कि उनके साथ दूसरी दुनिया में कोई है जो बी नाम की किसी महिला से बात करना चाहता है। जिस महिला का उपनाम मुझे नहीं पता था, वह ध्यान से बैठ गई। तभी, श्रीमती मेयर्स के समाधि में डूबे होठों से एक धीमी लेकिन स्पष्ट आवाज आई और उन्होंने कहा, "मैरियन... मैरियन।"
बीया ए. काफी घबराई हुई लग रही थी, लेकिन उसने पहले तो कोई जवाब नहीं दिया। फिर "मैरियन" ने बताया कि मार्गरेट उसके साथ थी और बच्चा भी वहीं मौजूद था। सेन्स के बाद, मैंने उस महिला से इन नामों के बारे में पूछा। उसने तुरंत पुष्टि की कि मार्गरेट और बच्चा वास्तव में उसके करीबी परिवार के सदस्य थे, जिनमें से एक का हाल ही में निधन हो गया था। ज़ाहिर है, माध्यम को यह बात पता नहीं हो सकती थी।
जैसे-जैसे बैठक आगे बढ़ी, एक और आत्मा ने माध्यम से बोलना शुरू किया। यह स्पष्ट था कि कोई और बोल रहा था, क्योंकि आवाज़, स्वर और यहाँ तक कि चेहरे के हाव-भाव भी "मैरियन" से बिल्कुल अलग थे। "यह माँ हैं," आगंतुक ने कहा, और बेन कैरुथर्स उत्सुकता से हर शब्द सुनने के लिए आगे झुक गए। जाहिर है, उन्होंने बोलने वाले को पहचान लिया था।
उनके बीच बातचीत हुई और आगंतुक ने बताया कि "भाई जॉर्ज" उसके साथ था। बाद में श्री कारुथर्स ने पुष्टि की कि उनका एक भाई था जिसका नाम जॉर्ज था और जिसका कुछ समय पहले देहांत हो गया था। उन्हें पूरा यकीन था कि उन्होंने अपनी माँ की आवाज़ सुनी थी। श्रीमती मेयर्स की श्री कारुथर्स से पहले कभी मुलाकात नहीं हुई थी और न ही उन्हें उनके दिवंगत भाई जॉर्ज के बारे में कोई जानकारी थी।
अंत में, अल्बर्ट वापस लौटे और उन्होंने उस "माध्यम" का कार्यभार संभाला, जिसे वे अक्सर "इंस्ट्रूमेंट" कहते हैं। उन्होंने हंसमुख लहजे में कहा, "आपकी किताब के टेलीविजन रूपांतरण को लेकर कुछ हलचल जरूर होगी।"
मुझे इससे ज़्यादा खुशी किसी और चीज़ से नहीं हो सकती थी, लेकिन तब तक ऐसा कुछ भी नहीं हुआ था जिससे मुझे इस तरह की किसी परियोजना का ज़रा सा भी

आभास होता। फिर भी, अगली सुबह मुझे एक ऐसे व्यक्ति का फ़ोन आया जो ठीक इसी विचार में रुचि रखता था। सच है, यह योजना साकार नहीं हुई, लेकिन अल्बर्ट ने ऐसा होने की कोई बात कही भी नहीं थी।

मेरे घनिष्ठ मित्रों में से एक न्यूयॉर्क डेली न्यूज़ के दिवंगत स्तंभकार डेंटन वॉकर थे, जिनके रॉकलैंड काउंटी स्थित भूतिया घर को मैंने भूत-प्रेत से मुक्त करने में मदद की थी। 1960 की गर्मियों में, मैसाचुसेट्स के प्रोविंसटाउन में उनके द्वारा वर्षों पहले लिखे गए एक नाटक के पुनरुद्धार में भाग लेने के दौरान, जब मुझे उनकी असामयिक मृत्यु की खबर मिली, तो मुझे गहरा सदमा लगा। जैसे ही मुझे मौका मिला, मैंने एक प्रेतात्मा से संपर्क करने का आयोजन किया ताकि यह पता चल सके कि क्या मेरे दिवंगत मित्र ने भौतिक संसार में कुछ अनसुलझे मुद्दे तो नहीं छोड़ दिए हैं। यह जानते हुए कि उनका परिवार उनसे काफी अलग-थलग था, और उनके जीवन के अंतिम वर्षों में उनका "परिवार" उनकी सहायक कोनी सोलोयानिस और उनके "मुखिया" जॉनी टी. से मिलकर बना था, मुझे यह सुनकर स्वाभाविक रूप से बहुत आश्चर्य हुआ कि जॉनी को रॉकलैंड काउंटी का घर या कोई अन्य महत्वपूर्ण संपत्ति विरासत में नहीं मिली थी। यह प्रेतात्माओं से संपर्क करने का प्रयास यह पता लगाने के लिए किया गया था कि क्या डेंटन मौजूदा स्थिति से खुश थे, और मैंने श्रीमती मेयर्स को इससे अधिक कुछ नहीं बताया कि 7 सितंबर, 1960 को एक बैठक होगी।

हम न्यूयॉर्क में ईस्ट फोर्टी-सिक्स्थ स्ट्रीट पर स्थित जॉनी टी. के अपार्टमेंट में गए, जो डेंटन के पुराने अपार्टमेंट के ठीक बगल में था।

एक नरम कुर्सी पर बैठी एथेल मेयर्स को पहली बार किसी की उपस्थिति का आभास हुआ। "क्रेबिल... या कुछ ऐसा ही..." उसने बुदबुदाया। मुझे बाद में पता चला कि डेंटन के बचपन के घर का नाम कैराबेल था।

मैंने उन्हें डेंटन वॉकर द्वारा जॉनी को दी गई घड़ी दी। श्रीमती मेयर्स ने जैसे ही उस धातु को छुआ, उन्हें ज़ोर से खांसी आने लगी।

मेरी आंखों को क्या हो गया है? ऐसा लग रहा है जैसे किसी ने मेरी आंख पर चोट मार दी हो।

“पिछले कुछ सालों में डैंटन को ठीक से दिखाई भी नहीं दे रहा था,” जॉनी ने कहा।

श्रीमती मेयर्स ने चारों ओर देखा। जॉनी टी. के अलावा, कॉनी सोलोयानिस, एक प्रचारक अनीता बी. और गॉर्डन वी. भी उपस्थित थे, ये दोनों दिवंगत डैंटन वॉकर के मित्र

थे। लेकिन श्रीमती मेयर्स ने अपना सिर श्री सोलोयानिस की ओर घुमाया।
“कॉनी... जाँच करती है।”
बाद में, कोनी सोलोयानिस ने पुष्टि की कि वॉकर अपने अंतिम क्षणों में कुछ चेक पर हस्ताक्षर करने के लिए बहुत कमजोर थे और इस बात को लेकर चिंतित थे। अब श्रीमती मेयर्स गहरी बेहोशी की हालत में चली गईं। एक पल के लिए सन्नाटा छा गया, और हम सब एक-दूसरे की सांसें सुन पा रहे थे, जैसे किसी ऐसे व्यक्ति के आने का इंतज़ार कर रहे हों जिसे हम सब अच्छी तरह जानते थे। इस तरह, मौके पर ही पहचान संभव हो सकेगी।
एथेल मेयर्स को बोलने में कठिनाई हो रही थी। उनके चेहरे पर सिकुड़न के भाव आ गए, और अचानक मुझे एहसास हुआ कि उनका चेहरा मेरे दिवंगत मित्र डेंटन के चेहरे की विशेषताओं से बहुत मिलता-जुलता है।
“त्स्क, त्स्क…”
यह काफी हद तक उस खास तरह की आवाज जैसी लग रही थी जो वॉकर किसी से बात करते समय निकालना पसंद करता था।
“मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता... दर्द तो चला गया... उन्होंने बत्ती क्यों बंद कर दी?! मैं मरा नहीं था। उन्हें बत्ती बंद करने की क्या ज़रूरत थी? मुझे जानना है! जब मैं यहाँ आया था तब मैं मरा नहीं था। मुझे जानना ही होगा। सब कुछ उल्टा हो रहा है। अभी भी दर्द हो रहा है। मुझे देखना अच्छा नहीं लगता। ये अजीब है... बहुत ही हास्यास्पद।” मुझे याद आया कि “हास्यास्पद”, एक असामान्य शब्द, डेंटन के पसंदीदा भावों में से एक था। वह सम्मोहित माध्यम अब पूरी तरह से मेरे दिवंगत मित्र के नियंत्रण में थी।
मेरे दोस्त कांच की तरह हैं, कटोरे में रहने वाली मछली कांच के घर में रहती है।
मैंने उनसे पूछा कि क्या उनका कोई ऐसा काम बाकी है जिसके बारे में वे हमें बताना चाहते हैं। “वसीयत की एक प्रतिरूप... पाँच साल पहले बदल दी गई थी...”
अचानक वह प्राणी बहुत उत्तेजित हो गया। कुछ व्यवस्थाओं पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए, वह हमसे और पूछताछ करने से पहले ही खिसक गया।
1 दिसंबर को हमने एक बार फिर संपर्क करने की कोशिश की। एक बार फिर डेंटन ने कागजात और वसीयत के बारे में बात की, लेकिन विवरण इतने निजी थे कि मैं उन्हें यहां प्रकट नहीं कर सकता।
फिर, 9 दिसंबर को, डेंटन ने एथेल मेयर्स के माध्यम से संपर्क किया और अपनी आंख

की समस्या और बोलने में कठिनाई के बारे में बताया। मुझे याद था कि उनकी मृत्यु स्ट्रोक से हुई थी और वास्तव में, मृत्यु से पहले उन्हें बोलने में कठिनाई थी। उन्हें इस बात से परेशानी थी कि उनके दो भरोसेमंद दोस्तों को संपत्ति में हिस्सा नहीं मिला था।
बाद में मुझे पता चला कि जॉनी ने वारिसों से सुलह कर ली थी, और उसके बाद से मुझे एक छोटी सी बात के अलावा कुछ और पता नहीं चला। एक पीतल का घड़ा, जिस पर दिवंगत डेंटन वॉकर के घर के भूत ने अपने भारी अंगूठे का निशान बनाया था, उसे मनोविकृति परीक्षण के लिए इंग्लैंड भेजा गया था। यह घटना 1952 में हुई थी। कई वर्षों बाद, मैं आखिरकार अपने अच्छे दोस्त माइकल बेंटाइन से दोबारा मिल पाया, और उन्होंने वह घड़ा मुझे लौटा दिया, जहाँ वह अब भी है। मुझे नहीं पता कि डेंटन चाहते थे कि यह घड़ा जॉनी टी. के पास रहे या मेरे पास, लेकिन बेहतर दावे के अभाव में, मैं इसे उसी तरह सहेज कर रखूँगा जैसे मैंने अपने अच्छे और उदार मित्र डेंटन वॉकर की याद को सहेज कर रखा है।
एथेल मेयर्स की तरह ही मानसिक रूप से प्रतिभाशाली, लेकिन उनसे अलग, न्यूयॉर्क शहर की बेटी रिट्टर प्रत्यक्ष समाधि माध्यम थीं, न कि प्रत्यक्ष समाधि माध्यम। वर्षों से मैंने उनके साथ कई बार समाधि ली और कुछ भूतिया घरों की यात्राओं में भी उन्हें अपने साथ ले गया। वह मेरे साथ टेलीविजन और रेडियो पर भी दिखाई दीं और निःसंदेह एक बहुत ही कुशल माध्यम थीं।
उनकी क्षमताओं की पुष्टि करने वाली और साथ ही साथ परलोक पर प्रकाश डालने वाली प्रचुर सामग्री में से, मैं केवल थोड़ी सी सामग्री का चयन कर पाया हूँ।
10 मई, 1963 को, मेरी पत्नी कैथरीन और मेरी उपस्थिति में, बेट्टी अपनी विशेष प्रकार की "चलती हुई समाधि" में चली गई, जिसमें वह परलोक से आने वाले संदेशों को प्राप्त करती और देती थी। हालाँकि वह कैथरीन के परिवार के बारे में कुछ भी नहीं जानती थी, फिर भी उसने फेडोर (मेरी पत्नी का भाई), मारिया (उसकी दादी), 'ए' अक्षर से शुरू होने वाले एक व्यक्ति (उसके पिता, अलेक्जेंडर), रोज़ (उसकी इकलौती बहन) और अनाटोल (उसका सौतेला भाई) का ज़िक्र किया।
उन्होंने मिस्टर ज़िम्मरमैन का भी ज़िक्र किया। डर्क ज़िम्मरमैन पिट्सबर्ग के एक टेलीविजन निर्माता हैं जिनसे मेरा अक्सर संपर्क रहता है।
लेकिन मैं अकेली नहीं थी जिसे बेट्टी के संदेश और भविष्यवाणियाँ दिलचस्प लगती थीं। उसने वर्षों से मेरे लिए जो भी भविष्यवाणियाँ की थीं, उनमें से कई सच हो चुकी हैं।

लेकिन वे निजी बातें हैं, कभी-कभी बहुत असाधारण नहीं होतीं, फिर भी मेरे लिए वे उसकी दिव्य दृष्टि की प्रतिभा के संकेत थे।

अन्य कुशल ज्योतिषियों की तरह, बेट्टी को भी गुज़ारा चलाने के लिए पेशेवर बनना पड़ा। वह केवल उन्हीं लोगों से मिलती थीं जिनकी सिफ़ारिश उनके दोस्तों या मेरे जैसे शोधकर्ताओं ने की होती थी, और वह अपने समय के लिए उनसे बहुत मामूली शुल्क लेती थीं। विभिन्न शोध संस्थाओं ने भी उनकी सेवाओं का लाभ उठाया।

न्यूयॉर्क के जैक्सन हाइट्स की श्रीमती वाल्टर हैनली, अमेरिकन सोसाइटी फॉर साइकिक रिसर्च से संबंधित एक समूह की सदस्य थीं, जो सोसाइटी के नेताओं में से एक एलन मैकरॉबर्ट्स के संरक्षण में बेट्टी के साथ बैठी थीं।

उनका बयान इस प्रकार है:

1952 की सर्दियों में हममें से आठ-दस लोग हर हफ्ते श्रीमती रिट्टर (तब बेट्टी रोजर्स) से मिलते थे। वसंत ऋतु के आरंभ में एक शाम, श्रीमती रिट्टर गहरी समाधि से बाहर आने के बाद बोलीं कि उन्हें बताया गया है कि आगामी लॉटरी में उनके पास जीतने वाला टिकट होगा। एक-दो महीने बाद हमें यह सुनकर आश्चर्य नहीं हुआ कि उनके पास जीतने वाला टिकट था और उनकी भविष्यवाणी सच हो गई थी।

एक अन्य बैठक में, जैसा कि बैठक में उपस्थित एक वैज्ञानिक ने मुझे बताया, निम्नलिखित घटना घटी। उन्होंने कुछ महीने पहले एक पैकेट खरीदा था, उसे अपने घर की अलमारी में रख दिया था और लगभग भूल ही गए थे। उस शाम उन्हें याद आया, तो वे उसे बिना खोले ही बैठक में ले आए और श्रीमती रिटर से समाधि की अवस्था में जाने और फिर उसके अंदर की सामग्री का वर्णन करने के लिए कहा। चूंकि उन्होंने खरीद के बाद से डिब्बा खोला ही नहीं था, इसलिए उन्हें उसकी सामग्री के बारे में अस्पष्ट रूप से ही याद था।

समाधि से बाहर आते हुए, श्रीमती रिट्टर उठ बैठीं और आश्चर्य से बोलीं कि वह अभी-अभी मिस्र से आई हैं। उन्होंने भूमिगत कब्रों का वर्णन किया—एक विशाल स्थान जहाँ दीवारों पर चारों ओर ममी रखी हुई थीं। फिर उन्होंने दो आदमियों को एक छोटा सा बक्सा लिए अपनी ओर आते देखा। उन्हें इस पर आश्चर्य हुआ और उन्हें यह बात अजीब लगी कि इतने छोटे बक्से को उठाने के लिए दो आदमियों की ज़रूरत पड़ रही है। वे बार-बार कह रहे थे, "बक्से को याद रखना। बक्से को याद रखना।"

अंदर उसने दो रंगों वाली एक छोटी ममी देखी, जिसका उसने वर्णन किया; उसने ममी

के नाम के अक्षर भी देखे, और नीचे उस व्यक्ति का नाम भी देखा जिसने इसे तराशा था।
इसके बाद बॉक्स को खोला गया और श्रीमती रिट्टर द्वारा दिए गए सभी विवरण सही पाए गए।
संयोगवश, प्रतियोगिता में जीतने वाले घोड़े का नाम "हाई स्पिरिट्स" था!
एक अन्य अवसर पर, बेट्टी रिट्टर ने श्री और श्रीमती हैरी सी. ब्रिकर के साथ एक निजी बैठक आयोजित की, जो मानसिक अनुसंधान के दो सतर्क छात्र थे।
यह उस प्रेतात्माओं से संपर्क करने के सत्र की रिपोर्ट है:
24 जनवरी, 1951 को सुबह 8:30 बजे श्री और श्रीमती हैरी सी. ब्रिकर की उपस्थिति में बेट्टी रिट्टर के साथ हुई बैठक के अंश।
प्रार्थना करते समय, श्रीमती रिट्टर ने एक W और एक E लिखा, और उनके बीच एक छोटा सा पेड़ बनाया। उन्होंने Frank शब्द और L अक्षर भी लिखा। प्रार्थना समाप्त होने के बाद, उन्होंने कहा:
“जब प्रार्थना के दौरान मेरे मन में कोई बात आती है, तो मैं उसे लिख लेता हूँ ताकि भूल न जाऊँ। [एच.सी.बी. से] मैंने आपको मेज पर बैठकर योजनाएँ बनाते देखा। डब्ल्यू. और ई. कौन हैं? फ्रैंक और एल. कौन हैं?”
इस बैठक से कुछ समय पहले, मैंने कनेक्टिकट में अपने ग्रीष्मकालीन आवास के लिए वृक्षारोपण की योजना बनाने में काफी समय बिताया था—इन योजनाओं में मुख्य रूप से कई पेड़ लगाना शामिल था। पेड़ की स्वतः बन रही आकृति पर ध्यान दें। फ्रैंक और एएल (श्रीमती रोजर्स ने एएल को एल लिखा)—ये दो पुरुष हैं जो वृक्षारोपण में हमारी मदद करने वाले हैं। "यह बहुत अजीब लगता है, लेकिन मुझे बार-बार घोड़े का सिर दिखाई दे रहा है।"
मेरे बहनोई, जिनका लगभग एक साल पहले देहांत हो गया, जब पश्चिम से हमारे साथ रहने आए थे, तो अपने साथ एक घुड़दौड़ के घोड़े के सिर की नक्काशी लेकर आए थे, जिस पर उन्हें बहुत गर्व था। वे अक्सर इसका ज़िक्र करते थे और इस पर खूब चुटकुले सुनाते थे। उन्होंने आते ही इसे अपने कमरे में टांग दिया था, और यह आज भी दीवार पर टंगा हुआ है।
“मुझे एक आदमी दिखाई देता है, बहुत मजबूत और चौड़े कंधों वाला। मुझे अपने कंधे भी चौड़े होते हुए महसूस होते हैं। वह लंबा नहीं, बल्कि छोटा है। मुझे ऐसा लगता है कि

वह बहुत ताकतवर रहा होगा। [अचानक] मैं अभी भी वैसी ही हूँ! यह वह कह रहा है, मैं नहीं! ... वह मेसोनिक चिन्ह दिखा रहा है... वह दो उंगलियां इस तरह उठाए हुए है [तर्जनी और मध्यमा उंगलियों को अलग-अलग करके हाथ ऊपर उठाते हुए]। मुझे संख्या 2 दिखाई देती है। वह लगातार मुस्कुराता रहता है, और बार-बार 'हैरी! हैरी!' कहकर पुकारता रहता है।"

मेरे बहनोई कद में छोटे और चौड़े थे। वे बहुत बलवान थे और इस बात पर उन्हें गर्व था। वे मेसन और श्राइनर थे और इस बात पर भी उन्हें गर्व था। वे हंसी-मजाक के शौकीन थे और हमेशा मुस्कुराते रहते थे। मेरा नाम हैरी है। अंक 2 और दो उंगलियां शायद यह दर्शाती हैं कि वे हमारे बेटे के साथ हैं, जिसकी मृत्यु उनसे एक महीने पहले हुई थी।

श्रीमती ब्रिकर: "उनका हमसे क्या संबंध है?"

बेट्टी रिट्टर: "उसने कहा, 'श्विस्टर।' क्या वह तुम्हारा भाई था? [मेरी पत्नी से]"

वह मेरी पत्नी का भाई था।

"मुझे लेटा हुआ अक्षर 'अ' दिखाई दे रहा है। यह एक बुरी स्थिति है। मुझे यहाँ दर्द हो रहा है [पेट पकड़ते हुए]। उसके लिए कोई अच्छी खबर नहीं है। क्या वह बच्ची है? मुझे अंक 'तीन' दिखाई दे रहा है।"

श्रीमती ब्रिकर: "क्या वह कभी ठीक हो पाएगी?"

बेट्टी हिटर: "नहीं, वह कभी नहीं मरेगी। बेहतर यही होगा कि वह इस दुनिया से चली जाए।"

एलिस हमारी भतीजी है, तीन साल की बच्ची। डॉक्टर के पास जाने के बाद ही हमें पता चला कि पिछले पांच हफ्तों से उसे दस्त हो रहे थे। डॉक्टरों का कहना है कि वह तंत्रिका संबंधी बीमारी से बुरी तरह बीमार है और कभी ठीक नहीं हो पाएगी।

"जिस बलवान व्यक्ति की मैंने बात की थी—उसके बगल में मुझे एक हृदय दिखाई देता है।"

मेरे बहनोई को दिल की बीमारी थी और दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई।

"उसके बगल में मुझे अक्षर R भी दिखाई देता है।"

संभवतः उनकी बहन रोज़, जिनकी भी मृत्यु हो चुकी है।

मुझे H और L अक्षर दिखाई दे रहे हैं।

मेरी पत्नी के भाई हेनरी और चचेरे भाई लियोपोल्ड का हाल ही में कुछ ही हफ्तों के अंतराल में निधन हो गया। वे और मेरे बहनोई जीवन भर काफी करीबी रहे थे। इन दोनों

नामों के पहले अक्षरों की समानता पर ध्यान दें।
“मुझे वह बलवान व्यक्ति फिर से दिखाई देता है, और उसके बगल में मुझे बहुत सारे जूते और अक्षर S दिखाई देता है। क्या यह दूसरा व्यक्ति जूते बनाता था? क्या वह जूता विक्रेता था?”
अक्षर S शायद मेरी पत्नी के चाचा शेप के नाम का प्रतीक है, जो अपने जीवनकाल में खेल के जूते बनाते थे। उनका निधन लगभग दो साल पहले हो गया था। वे और मेरे साले घनिष्ठ मित्र थे।
"मुझे एक बहुत ही युवा दिखने वाला व्यक्ति दिखाई देता है, मैं उसे न्यूयॉर्क शहर से आने-जाने के लिए कार चलाते हुए देखता हूं।"
श्रीमती ब्रिकर: "उसने क्या किया?"
मुझे कई किताबें दिखाई दे रही हैं—उन्होंने काफी अध्ययन किया था।
श्रीमती ब्रिकर: "वह कौन सा विषय पढ़ रहा था?"
बेट्टी रिट्टर: [“आत्मा” से]: “कृपया मुझे बताइए… कृपया… [हमसे]: कोई बात नहीं। वह मुझे बाद में बता देगा। अगर मैं ज़्यादा कोशिश करती हूँ, तो मैं तनावग्रस्त हो जाती हूँ, और यह अच्छा नहीं है। मुझे शांत रहना चाहिए… [बाद में] वह मेरे लिए एक किताब खोल रहा है और मुझे एक तस्वीर दिखा रहा है। यह एक कंकाल की तस्वीर है। क्या वह डॉक्टर था?… और अब वह मुझे डॉक्टर का प्रतीक दिखा रहा है—साँप, आप जानते हैं… अब मुझे संख्या 8 दिखाई दे रही है।”
हमारा बेटा डॉक्टर होने के बावजूद काफी युवा दिखता था। उसने इक्कीस साल की उम्र में डॉक्टर की उपाधि प्राप्त की और चौबीस साल की उम्र में उसकी मृत्यु हो गई। वह दुबला-पतला और दिखने में लड़का जैसा था। वह न्यूयॉर्क शहर और कनेक्टिकट के बीच अक्सर गाड़ी चलाता था, आमतौर पर सप्ताह में दो या तीन बार। उसकी मृत्यु अगस्त के आठवें महीने में हुई।

प्रस्तुत किया गया,
हैरी सी. ब्रिकर।

मिस के पी., जिनका पूरा नाम मुझे ज्ञात है और जो न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में रहती थीं, ने मुझे बेट्टी रिट्टर के साथ बिताए एक घंटे की उल्लेखनीय सफलता के बारे में बताया:
मई 1960 में मैंने बेट्टी रिट्टर से निजी तौर पर ज्योतिषीय मार्गदर्शन प्राप्त किया; उस

समय मैं अपने बेटे को लेकर बहुत चिंतित थी, जिससे एक साल से अधिक समय से कोई संपर्क नहीं हुआ था और मुझे उसके ठिकाने का कोई पता नहीं था। श्रीमती रिट्टर ने मई के आरंभिक भाग में, उस समय ज्योतिषीय मार्गदर्शन के दौरान मुझसे कहा कि मैं उसे कुछ महीनों में देखूंगी, उससे अचानक मुलाकात होगी और उसे देखकर मुझे बहुत आश्चर्य होगा, क्योंकि उसे मेरी मदद की सख्त जरूरत है और वह मुझसे संपर्क करने में शर्म महसूस करेगा।

कुछ महीनों बाद, अगस्त में, मुझे अप्रत्यक्ष रूप से उसके बारे में और उसके ठिकाने के बारे में जानकारी मिली और मैं सचमुच हैरान रह गया। वह किसी मुसीबत में फंस गया था और मैं उससे मिलने गया। इसी दौरान श्रीमती रिट्टर ने गर्ट्रूड जी नाम की एक महिला का जिक्र किया। मैंने उनसे कहा कि मैं इस नाम की किसी महिला को नहीं जानता, लेकिन बाद में पता चला कि वह मेरे बेटे की वकील थीं।

मैंने इस महिला के बारे में पहले कभी नहीं सुना था, फिर भी नाम बिल्कुल सही था। बेट्टी रिट्टर ने मुझे यह भी बताया था कि मैं अपने बेटे को न्यूयॉर्क शहर में मैकडॉगल स्ट्रीट या 8वीं स्ट्रीट के आसपास कहीं देखूंगा, और यह बात भी सही साबित हुई। उन्होंने मुझे यह भी बताया कि "A" अक्षर से शुरू होने वाला कोई व्यक्ति बीमार या मुसीबत में है (यह "A" अक्षर मेरे नियोक्ता का प्रतीक था); और यह कि कोई अधेड़ उम्र का व्यक्ति, जो आत्माओं की दुनिया में है (उनके पति का पांच साल पहले देहांत हो गया था और वे लगभग 50 वर्ष के थे), एक उंगली उठा रहा था, जो इस बात का संकेत था कि आत्माओं की दुनिया से यह बुलावा आया है कि "A" अक्षर से शुरू होने वाले इस व्यक्ति को एक दिन, एक महीने, एक साल बाद बुलाया जा रहा है, और लगभग एक साल बाद, मई 1961 में, मेरे इस नियोक्ता का देहांत हो गया।

दक्षिण अमेरिका की मेरी एक मित्र, जिसे जब मैं पहली बार उससे मिली थी तब मानसिक अनुसंधान के विषय में बहुत कम जानकारी थी, अंततः मेरे द्वारा उसे बताए गए कार्यों से इतनी मोहित हो गई कि उसने स्वयं इन सच्चाइयों का परीक्षण करने का निर्णय लिया।

मोनिका आर. की उम्र लगभग पच्चीस वर्ष थी और वह न्यूयॉर्क के जैक्सन हाइट्स में रहती थी। जब वह बेट्टी रिट्टर से मिलने गई, तब मुझे उसकी निजी परिस्थितियों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मैं उससे सामाजिक तौर पर केवल कुछ ही बार मिली थी और मैंने कभी भी उसके परिवार या निजी जीवन के बारे में उससे बात नहीं की थी।

बेट्टी रिट्टर से मिलने के बाद, उन्होंने 20 नवंबर, 1963 को मुझसे संपर्क किया:
जैसा कि आपने अनुरोध किया था, मैं आपको श्रीमती बेट्टी रिट्टर से हुई अपनी मुलाकात के बारे में लिख रही हूँ। उन्होंने बातचीत की शुरुआत एक ऐसे व्यक्ति के बारे में बात करके की, जिसे हृदय रोग था और जो परलोक में है। एल मेरे पिता थे, जिनका वास्तव में हृदय रोग के कारण निधन हो गया था। फिर उन्होंने मेरे और मेरे पति जी के बीच हुए अलगाव का जिक्र किया। मेरे पहले पति का नाम जी से शुरू होता था। उन्होंने मेरी दादी का भी जिक्र किया, जिनका नाम एस से शुरू होता था। यह भी सच है। शुरुआत में उन्होंने जे का जिक्र किया। मैंने स्पष्टीकरण मांगा, और अंत में श्रीमती रिट्टर ने जोस का जिक्र किया, जो इस जीवन में एक व्यक्ति हैं और वास्तव में मेरे जीजा हैं।
फिर असली झटका तो पी से लगा। दरअसल मेरे दूसरे पति का नाम डोमिंगो था, लेकिन मैं हमेशा उन्हें "पेपे" कहकर बुलाती थी और यह उपनाम चल पड़ा और उनके परिवार समेत सभी लोग उन्हें "पेपे" ही कहने लगे। मुझे लिखे उनके सभी पत्रों पर "पेपे" के हस्ताक्षर हैं। संदेश यह था:
“हिम्मत मत हारो, मैं तुम्हारे साथ हूँ और तुम्हारा मार्गदर्शन कर रहा हूँ।” फिर अक्षर M को P के साथ दिखाया गया, जिसका अर्थ “मोडेस्टो” हो सकता है, जो दुर्घटना में पेपे के साथ मौजूद दूसरा युवक था।
इंग्लैंड में जन्मे जॉन मायर्स अपनी विशेष विशेषज्ञता, यानी मानसिक फोटोग्राफी में, असाधारण थे। इस धनी उद्योगपति और परोपकारी व्यक्ति को नास्तिकों के कटाक्षों का सामना करने की उतनी ही आवश्यकता थी, जितनी जैक बेनी के शब्दों में, "एक हिरण को टोपी टांगने के लिए डंडे की आवश्यकता होती है।" फिर भी, मेरे आग्रह पर, वे कभी-कभी अत्यंत कठिन परीक्षण स्थितियों में मानसिक फोटोग्राफी के प्रयोगों के लिए अपनी उपस्थिति और मानसिक क्षमता का योगदान देने के लिए तैयार हो जाते थे।
अप्रैल 1964 में मैंने जॉन मायर्स से पैट डेविस सहित कुछ लोगों के एक छोटे समूह के लाभ के लिए ऐसा ही एक और प्रयोग करने का अनुरोध किया, जिनमें यूनाइटेड प्रेस की संपादक और रिपोर्टर भी शामिल थीं। मैंने उनसे प्रयोग के दौरान फोटोग्राफिक पेपर को संभालने का काम स्वयं करने को कहा। न तो जॉन मायर्स और न ही मैंने कभी पेपर, डेवलपिंग लिक्विड या प्रयोग से संबंधित किसी भी अन्य चीज़ को छुआ।
जब मायर्स रोशनी से भरे कमरे में मौजूद थे, तो कागजों पर चेहरे और आकृतियाँ दिखाई देने लगीं। कुछ मिनट बाद, जब हमने मायर्स के कमरे से बाहर होने पर, कागजों के उसी

समूह के साथ प्रयोग दोहराया, तो कुछ नहीं हुआ। कागज खाली थे और खाली ही रहे। सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने के लिए उनका कुछ गज की दूरी के भीतर मौजूद होना स्पष्ट रूप से आवश्यक है। वकील जैकब गेरस्टीन ने इस घटना को देखा और उनका बयान इस प्रकार है:

शनिवार, 25 अप्रैल, 1964 को शाम लगभग 5 बजे, मैं डॉ. मायर्स के अनुरोध पर उनसे सटन प्लेस साउथ स्थित उनके अपार्टमेंट में मिला। इस अवसर पर मैडिसन एवेन्यू के दंत चिकित्सक डॉ. एस. ए. बेल, उनकी एक महिला मित्र (जिनका नाम मुझे याद नहीं है) और मिस ली पर्किन्स भी उपस्थित थीं।

डॉ. मायर्स ने अन्य व्यक्तियों की उपस्थिति में मुझे निम्नलिखित बातें बताईं। डॉ. बेल और दोनों महिलाओं ने उसी दोपहर पहले फोर्टीथर्ड स्ट्रीट और लेक्सिंगटन एवेन्यू स्थित विलोबी-पीयरलेस फोटोग्राफिक शॉप से फोटोग्राफिक पेपर के तीन पैकेट खरीदे थे। डॉ. मायर्स ने आगे बताया कि हालांकि वह तीनों के साथ दुकान गए थे, लेकिन उन्होंने पैकेटों को छुआ तक नहीं था और न ही उन्होंने खरीदारी के लिए दुकान का चयन किया था। डॉ. बेल और दोनों महिलाओं ने इन कथनों की पुष्टि की। डॉ. बेल ने आगे बताया कि उन्होंने और महिलाओं ने पैकेटों पर अपने हस्ताक्षर किए थे; पैकेट खुले नहीं थे और खरीदारी के समय से ही वे उनके पास थे।

डॉ. बेल ने बताया कि वे उस शाम डॉ. मायर्स द्वारा निर्धारित प्रदर्शन में शामिल नहीं हो पा रहे हैं और उन्होंने मुझसे पैकेटों के संबंध में सुझाव देने को कहा। मैंने डॉ. मायर्स से पूछा कि क्या उनके पास कोई बड़ा लिफाफा और स्टेपलिंग मशीन है। डॉ. मायर्स ने उन्हें उपलब्ध करा दिया। फिर मैंने डॉ. बेल से तीनों पैकेटों को लिफाफे में रखने को कहा। ऐसा करने से पहले, मैंने प्रत्येक पैकेट की जांच की। उन पर तीन बार नाम के पहले अक्षर लिखे हुए थे। डॉ. बेल ने मुझे बताया कि उन्होंने और महिलाओं ने पैकेट खरीदते समय उन पर अपने नाम के पहले अक्षर चिपकाए थे। मैं उनकी स्थिति की पुष्टि कर सकता हूं और कह सकता हूं कि बड़े लिफाफे में रखते समय कोई भी पैकेट खोला नहीं गया था। फिर मैंने लिफाफे को स्टेपल किया और उस पर स्कॉच टेप चिपकाया। इसके बाद मैंने डॉ. बेल और महिलाओं से लिफाफे के फ्लैप और फ्लैप के जोड़ पर अपने नाम के पहले अक्षर चिपकाने को कहा।

उस शाम लगभग 8 बजे, मैं डॉ. मायर्स के अपार्टमेंट में लगभग 20 अन्य लोगों के साथ शामिल हुआ। अन्य लोगों की उपस्थिति में, मैंने स्वयं बड़ा लिफाफा खोला। मैंने उसकी

बहुत बारीकी से जांच की और पुष्टि की कि उसे खोला या उसके साथ छेड़छाड़ नहीं की गई थी।
मेहमानों के सामने ही यह सब हुआ। सबसे पहले, तीनों पैकेट निकाले गए। उन्हें डाइनिंग टेबल पर रख दिया गया, जिसके बगल में तरल पदार्थ से भरे तीन बड़े, उथले धातु के बर्तन रखे थे। मैंने इन सभी बातों का ध्यान रखा।
डॉ. मायर्स ने अतिथियों में से एक, मिस डेविस को आगे आने का अनुरोध किया। मुझे स्वयं पता है कि मिस डेविस अपने जीवन में डॉ. मायर्स से पहले कभी नहीं मिली थीं, क्योंकि हम दोनों का परिचय हैंस होल्ज़र ने एक ही समय पर कराया था। मैंने मिस डेविस से यह भी पूछा कि क्या वह डॉ. मायर्स से कभी मिली थीं, और उन्होंने कहा कि उस शाम तक नहीं मिली थीं।
डॉ. मायर्स ने मिस डेविस से तीन पैकेटों में से अपनी पसंद का पैकेट चुनने और उसे खोलने का अनुरोध किया। उनके द्वारा पैकेट चुनने के बाद और पैकेट खुलने से पहले, मेरे सहित कई लोगों ने उसकी बारीकी से जांच की। पैकेट पूरी तरह से सीलबंद था और उस पर तीन अक्षरों के शुरुआती अक्षर अंकित थे। वहां मौजूद मिस पर्किन्स ने उन शुरुआती अक्षरों को अपना और डॉ. बेल तथा उनके मित्र का बताया।
डॉ. मायर्स ने मिस डेविस से अनुरोध किया कि वे अपने द्वारा चुने गए पैकेट को खोलें, उसमें से अलग-अलग शीट निकालें और उन्हें तीन बर्तनों में से पहले बर्तन में डुबो दें। उन्होंने एक-एक करके ऐसा किया।
वहाँ मौजूद सभी लोगों के आश्चर्य के बीच, और मैं फिर से दोहराता हूँ कि यह सभी मेहमानों के सामने हुआ, विभिन्न पन्नों पर व्यक्तियों और वस्तुओं की तस्वीरों से बनी आकृतियाँ दिखाई देने लगीं। इनमें से एक तस्वीर स्पष्ट रूप से स्वर्गीय फ्रैंक नैवरोथ की है। मैं यह बात इसलिए जानता हूँ क्योंकि मैं श्री नैवरोथ को जानता था और उनके निधन से पहले उनसे कई बार मिला था।
एक और तस्वीर जो हमें मिली, वह एक युवा लड़की की थी, जिसकी पहचान एक अतिथि ने अपनी भतीजी से की, जिसका लगभग पाँच या छह साल पहले निधन हो गया था। तीसरी तस्वीर दिवंगत सांसद एडॉल्फ सबाथ की हूबहू मिलती-जुलती थी।
निःसंदेह, दुनिया भर में कई अन्य प्रतिभाशाली माध्यम मौजूद हैं, और मैं उन्हें खोजने के लिए बेहद उत्सुक हूं। वैसे, माध्यमों को इस बेहद कठिन कार्य में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए, और लंदन स्थित ब्रिटिश कॉलेज ऑफ साइकिक साइंस ही एकमात्र ऐसा

संस्थान है जहां यह कार्य विश्वसनीय और वैज्ञानिक आधार पर किया जाता रहा है। अमेरिका में, अभी तक हमें ऐसा कोई संस्थान स्थापित नहीं करना है। अमेरिकन सोसाइटी ऑफ साइकिक रिसर्च, एडगर केसी फाउंडेशन और पैरासाइकोलॉजी फाउंडेशन द्वारा दिलचस्प कार्य किया गया है, लेकिन ब्रिटिश कॉलेज के स्तर का कोई संस्थान नहीं है।
मेरे अपने समूह, अलौकिक घटनाओं की जांच समिति के पास, कार्यक्रम को सबसे बुनियादी रूप में भी संचालित करने के लिए न तो कर्मचारी थे और न ही धन। सौभाग्य से, एथेल मेयर्स, बेट्टी रिटर्स, जॉन मायर्स और अन्य लोगों ने हमें पर्दे के पीछे की दुनिया को समझने में मदद की।

जब भूत शिकारी की मुलाकात भूत से होती है

हर शोधकर्ता के जीवन में एक ऐसा समय आता है जब वह किसी ऐसी चीज़ का व्यक्तिगत अनुभव करना चाहता है जिससे वह अब तक केवल दूसरों के माध्यम से ही जुड़ा रहा हो। ध्यान रहे, मुझे तथाकथित भूतों के अस्तित्व पर कई साल पहले ही इस बात का पूरा यकीन हो गया था, वह भी केवल उन सबूतों के आधार पर जो मुझे और दूसरों को विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त हुए थे। आख़िरकार, बहुत कम लोग इस बात पर संदेह करते हैं कि अंटार्कटिका का अस्तित्व है, भले ही वे स्वयं कभी वहाँ न गए हों; जबकि अन्य लोग वहाँ जा चुके हैं और इस तथ्य की रिपोर्ट कर चुके हैं।

विज्ञान में अवलोकन की गुणवत्ता और अवलोकनकर्ता की गुणवत्ता उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी कि स्वयं अवलोकन किए गए तथ्य। मुझे यह सवाल बार-बार सुनकर चिढ़ होती है, "क्या आप भूतों पर विश्वास करते हैं?" विश्वास का इससे कोई लेना-देना नहीं है।

मैं तथ्यों पर आधारित कार्य करता हूँ। अवलोकन करते समय राय देना हानिकारक होता है, तथ्य सामने आने के बाद ही यह लाभकारी होता है।

समय बीतने के साथ, अलौकिक और रहस्यमयी चीज़ों में मेरी गहरी, लेकिन कुछ हद तक तटस्थ और आलोचनात्मक रुचि ने कई रोचक सामग्री प्रदान की। मैंने झूठी बातों को सच्ची लगने वाली बातों से अलग करना सीखा और फिर उसी दृष्टिकोण से इस सामग्री की पुष्टि की, जैसा मैं विशुद्ध ऐतिहासिक शोध करते समय अपनाता हूँ। कभी-कभी मैं लाइब्रेरियन से कहता हूँ कि मैं बस यही कर रहा हूँ, क्योंकि भूतों से जुड़े कथनों की सत्यता की जाँच करना किसी रूढ़िवादी लाइब्रेरियन से हमेशा सहयोग नहीं दिलाता! किशोरावस्था में इस विषय पर एक तकनीकी पुस्तक पढ़ने से लेकर आज तक, मैंने कई ऐसे लोगों से बात की है जिन्हें छठी इंद्रिय का अनुभव हुआ है और मैंने उनके अनुभवों का मूल्यांकन करना सीख लिया है।

जब मैंने 1960 और 1961 में पैरासाइकोलॉजी फाउंडेशन के लिए अपना प्रारंभिक सर्वेक्षण किया था, तो मैंने एक विशेष रूप से तैयार की गई प्रश्नावली का उपयोग किया था जिसने मुझे अपने गवाहों की प्रकृति, उनके मूड और प्रेरणाओं और मामलों के बारे में अन्य प्रासंगिक तथ्यों को निर्धारित करने में मदद की थी।

मैं आज भी अपनी सभी जांचों में "गहन साक्षात्कार" की तकनीक का इस्तेमाल करता हूं, और सिर्फ कहानियां सुनाने से काम नहीं चलेगा। जब मैं किसी के अनुभवों की रिपोर्ट करता हूं, तो आप निश्चिंत रह सकते हैं कि मैंने कहानी स्वीकार करने से पहले उस व्यक्ति की पृष्ठभूमि की जांच की है और अन्य विवरणों की भी पुष्टि की है।

इसी प्रकार, किसी व्यक्ति की गवाही को मात्र इसलिए खारिज नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि वह अटपटी लगती है या प्रचलित मान्यताओं के अनुरूप नहीं है। यह एक आम गलती है जो रूढ़िवादी वैज्ञानिक परामनोवैज्ञानिक विषयों से निपटते समय करते हैं। जब तक कोई व्यक्ति किसी घटना के घटित होने के समय स्वयं उपस्थित न हो, या उसके पास कुछ ऐसे ठोस तथ्य न हों जो किसी व्यक्ति के सत्य बोलने वाले गवाह के रूप में उसके महत्व को कम कर सकें, तब तक उसके पास संदेह करने का कोई वैज्ञानिक

आधार नहीं है। यदि केवल संदेह करना ही विज्ञान होता, तो दुनिया के पास रेडियो, टेलीविजन, अंतरिक्ष यात्रा और प्रगति के लगभग सभी अन्य असामान्य संकेत न होते, क्योंकि मानव जाति की इन सभी उपलब्धियों पर एक समय विज्ञान और विद्वानों के अधिक रूढ़िवादी वर्ग द्वारा संदेह किया गया था और उन्हें असंभव बताकर चुनौती दी गई थी।

मैं यह कहना चाहता हूँ कि परोक्ष जानकारी प्रत्यक्ष अनुभवों जितनी ही सटीक और मान्य हो सकती है, और विज्ञान की कई स्वीकृत शाखाओं में जानकारी और ज्ञान प्राप्त करने का यही एकमात्र तरीका है। ऐतिहासिक शोधकर्ता पूरी तरह से दूसरों की रिपोर्टों, यहाँ तक कि उनकी राय पर भी निर्भर रहते हैं; आधुनिक विज्ञान या ज्ञान की शायद ही कोई ऐसी शाखा हो जहाँ स्वीकृत विद्वानों की गवाही और कथन, वर्तमान विश्वास, दृढ़ विश्वास, दृष्टिकोण—चाहे वैज्ञानिक चिंतन को किसी भी समय जो भी नाम दिया जाए —की संरचना का एक महत्वपूर्ण और अभिन्न अंग न हो।

मनोवैज्ञानिक अनुसंधान में, हमारी जानकारी का मुख्य स्रोत लोगों के अवलोकन होते हैं। यही वह आधार है जिस पर बुनियादी सिद्धांत निर्मित होते हैं। इसके अतिरिक्त, वैज्ञानिक भागीदारी के दो प्रकार हैं: प्रयोगशाला प्रयोग और स्वत:स्फूर्त घटनाएँ। ड्यूक विश्वविद्यालय के डॉ. जोसेफ राइन ने कई वर्षों तक प्रयोगशाला में प्रयोग किए और निश्चित रूप से एक गैर-भौतिक दुनिया के अस्तित्व को सिद्ध किया, जिसे डॉ. राइन "मन की दुनिया" कहते हैं। उन्होंने कार्ड परीक्षणों में अनुक्रमों के "अनुमान" को निर्धारित करने में "साई" कारकों की वास्तविकता को पर्याप्त रूप से सिद्ध किया, और प्रायोगिक पासों के गिरने से पता चला कि मन उनके प्रवाह को प्रभावित कर सकता है। लेकिन पूर्वज्ञान, पूर्वसूचना, प्रेत-दर्शन, पदचिन्हों से लेकर मानव रूपों के वास्तविक साकार होने तक की भौतिक अभिव्यक्तियाँ जैसे व्यापक मानवीय अनुभव प्रयोगशाला की सीमाओं के भीतर इच्छा से सफलतापूर्वक उत्पन्न नहीं किए जा सकते, क्योंकि इसके लिए एक वास्तविक, वास्तविक आपात स्थिति की उपस्थिति आवश्यक है—एक भावनात्मक कारक जो प्रयोगशाला में मौजूद नहीं होता। यही वह बिंदु है जिसे कुछ रूढ़िवादी वैज्ञानिक समझने में विफल रहते हैं।

बेशक, हर मान्य वैज्ञानिक तथ्य को इच्छानुसार दोहराया नहीं जा सकता। आकाश में दिखने वाली कुछ अद्भुत घटनाएं, तारों का टकराना या अन्य विशिष्ट व्यवहार, प्रयोगशाला में दोहराए नहीं जा सकते; फिर भी, वे अत्यंत महत्वपूर्ण मान्य वैज्ञानिक

तथ्य हैं।
प्रत्यक्ष रूप से देखी जा सकने वाली घटनाओं के दूसरे वर्ग को स्वतःस्फूर्त कहा जाता है क्योंकि वे अनियोजित होती हैं और कोई हमेशा यह नहीं जान सकता कि वे कब और कहाँ घटित होंगी, या यहाँ तक कि वे क्यों घटित होती हैं। किसी भूतिया घर में पूरी रात बैठे रहने से शायद ही कभी पीठ में अकड़न के अलावा कुछ और महसूस होगा, जब तक कि कोई मेरी तरह किसी ट्रान्स माध्यम का उपयोग न करे।
फिर भी, कोई व्यक्ति किसी ऐसे घर में प्रवेश कर सकता है जिसमें अलौकिक शक्तियां निहित हों और अप्रत्याशित रूप से कुछ ऐसा घटित हो जाए जो असाधारण हो।
भूत-प्रेत खोजकर्ता होने के नाते, मैं ऐसे अनुभवों को हमेशा एक बोनस मानता हूँ, इनकी अपेक्षा तो नहीं करता, लेकिन अगर ये मुझे मिल जाएँ तो मुझे खुशी होती है। वर्षों तक मुझे दूसरों के अनुभवों से ही संतोष करना पड़ा, लेकिन समय बीतने के साथ-साथ मैंने अपने भीतर एक सूक्ष्म परिवर्तन महसूस किया। स्पष्ट रूप से, मानसिक शक्तियों वाले लोगों के साथ इतना अधिक समय बिताने से मेरी अपनी छिपी हुई शक्तियाँ भी इतनी विकसित हो गईं कि मुझे मानसिक जगत के प्रत्यक्ष अनुभव होने लगे। ध्यान रहे, केवल इसलिए कि मैं कभी-कभी कुछ अजीबोगरीब सुनता या देखता हूँ, मैंने दूसरों के अनुभवों को गंभीरता से लेना बंद नहीं किया है। मैं कोई माध्यम नहीं हूँ। लेकिन मुझे विश्वास है कि हम सभी के भीतर एक उभरती हुई मानसिक क्षमता होती है, जो जन्मजात होती है और समय के साथ विकसित हो सकती है। कुछ लोगों में यह क्षमता दूसरों से अधिक होती है, लेकिन मुझे यह एक खोई हुई या दबी हुई क्षमता लगती है जिस पर ध्यान देना चाहिए।
जैसा कि मैंने अपने रेडियो और टेलीविजन श्रोताओं को बार-बार बताया है, वास्तव में दुनिया में कुछ भी अलौकिक नहीं है - केवल मानव व्यक्तित्व के कुछ ऐसे पहलू हैं जिन्हें अभी तक पूरी तरह से समझा नहीं गया है और जिनका आगे और अधिक अन्वेषण किया जाना चाहिए।
समय-समय पर मैंने अंधेरे कमरों में सफेद रंग की आकृतियाँ देखी हैं, जहाँ एक माध्यम ने मुझे बताया है कि उसने एक आकृति देखी थी। इसमें से कितना केवल एक अनुमान था और कितना वस्तुनिष्ठ सत्य था, यह कहना कठिन है।
अच्छी रोशनी में किसी प्रेत के दर्शन का मेरा पहला अनुभव तब हुआ जब मैं कमरे में बिल्कुल अकेला था। कई साल पहले, मैं और मेरे पिता न्यूयॉर्क के रिवरसाइड ड्राइव पर

एक इमारत की उन्नीसवीं मंजिल पर स्थित दो कमरों वाले पेंटहाउस अपार्टमेंट में रहते थे। दोनों कमरों के बीच का दरवाजा बंद रहता था, और प्रवेश द्वार के साथ-साथ छत का दरवाजा भी रात में हमेशा बंद रखा जाता था। स्वाभाविक रूप से कोई भी मेरे कमरे में नहीं आ सकता था।

क्योंकि मुझे कभी-कभी निम्न रक्तचाप और माइग्रेन का सिरदर्द होता है, इसलिए मैं सोते समय अपना सिर कई तकियों पर रखता हूँ। एक रात, नींद में मेरा सिर तकिए से फिसलकर बिस्तर से नीचे लटक गया। अगर मैं कुछ पल से ज़्यादा देर तक इसी स्थिति में रहता, तो मुझे माइग्रेन का गंभीर दौरा पड़ जाता और मैं एक हफ्ते तक बिस्तर पर पड़ा रहता।

अचानक मेरी नींद खुली और मैंने महसूस किया कि एक कोमल हाथ मेरे सिर को वापस तकिए पर रख रहा है। कमरा काफी रोशन था क्योंकि कई खिड़कियों से चांद की रोशनी अंदर आ रही थी—लगभग पूरी दीवार ही खिड़कियों से बनी थी। ऊपर देखते ही मैंने अपने बिस्तर के पास अपनी दिवंगत मां की सफेद गाउन में लिपटी आकृति देखी, जिनका कई साल पहले देहांत हो गया था। होश में आने में मुझे कुछ पल लगे और जब तक मैं पूरी तरह से होश में आई, तब तक वह हवा में गायब हो चुकी थीं। लेकिन मुझे यकीन है कि मैंने क्या देखा। यह सपना नहीं था। सपने परछाई नहीं बनाते, और मेरी मां ने ठीक यही किया! जाहिर है, जब उन्हें भावनात्मक रूप से इसकी जरूरत थी, तब वह मेरे पास आई थीं।

भूत से मेरा पहला शारीरिक सामना 1962 में हुआ, जब मैं और मेरी पत्नी कनेक्टिकट में भूत-प्रेत की खोज में गए थे। जब मैं अपनी अच्छी दोस्त, मानसिक शक्तियों वाली एथेल जॉनसन मेयर्स के साथ कनेक्टिकट के घने जंगलों में स्थित 1,700 फीट ऊंचे पहाड़ की चोटी पर गया, तो मुझे उम्मीद से कहीं अधिक अनुभव हुआ।

मैंने न केवल एक भूतिया घर की जांच की, बल्कि मैं "दादी थर्स्टन" से भी प्रभावित हुआ, जिनका निधन अठारहवीं शताब्दी में हुआ था, लेकिन माउंट रीगा के ऊपर स्थित 1754 के घर में उनकी उपस्थिति आज भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

न्यू इंग्लैंड के लगभग दुर्गम हिस्से में स्थित यह लकड़ी की संरचना कभी वेंटवर्थ परिवार की थी, लेकिन बाद में सॉटेल परिवार की हो गई। उन्होंने अपने इस भूतिया मेहमान को सहजता से स्वीकार कर लिया।

कई बार जब कोई दिखाई नहीं देता था तब भी कदमों की आहट सुनाई देती थी, दरवाजा

अपने आप खुल जाता था, कुत्ता बेवजह घबरा जाता था, और एक बार जब एक आदमी ट्रे में कुछ पेय पदार्थ लाने गया तो वे सब बिना किसी कारण के गिर गए। शायद दादी थर्स्टन, जो कट्टरपंथी थीं, पेय पदार्थों को पसंद नहीं करती थीं।

बहरहाल, हम रात करीब 10 बजे इस सुरम्य, मोमबत्ती और मिट्टी के तेल से रोशन घर (यहाँ बिजली या टेलीफोन नहीं था!) पहुँचे। घर का सबसे पुराना हिस्सा, जिसे "करघा कक्ष" कहा जाता था, उस समय अतिथि कक्ष था। वहाँ ठहरी एक महिला ने रात में करघे के चलने की आवाज़ स्पष्ट रूप से सुनी थी—हालाँकि वहाँ कोई नहीं था।

जैसे ही मैं छोटे से घर के मुख्य कमरे में दाखिल हुआ और चिमनी के सामने खड़ा हुआ, अचानक मुझे किसी ने मेरी कोहनी खींची। यह स्पष्ट था, एक मजबूत, लेकिन कोमल खिंचाव। मैं पीछे मुड़ा। मेरे पीछे या मेरे आस-पास कोई नहीं था। मैंने इस बारे में घर के मालिक से बात की।

उसने सिर हिलाया। ओह, हाँ, उन सभी को उस जगह पर अलग-अलग समय पर कोहनी से खींचा गया था। ऐसा लगता है जैसे दादी थर्स्टन को इतने सालों बाद आखिरकार ध्यान चाहिए था!

आधी रात को हम और भी आगे जंगल में, घने जंगलों के बीचोंबीच स्थित एक भारतीय चट्टान की ओर बढ़े। पहाड़ों की रात की खामोशी में, मुझे फुसफुसाती हुई आवाज़ें साफ सुनाई दे रही थीं। आखिरकार मैंने चट्टान के ऊपर एक सफ़ेद आकृति देखी।

एथेल मेयर्स ने उस भारतीय की आत्मा से संपर्क किया, जिसे कथित तौर पर श्वेत बसने वालों ने तब मार डाला था जब उसने अठारहवीं शताब्दी में अपना खोया हुआ घर वापस पाने की कोशिश की थी, उस समय उस क्षेत्र में अभी भी भारतीय रहते थे। एक संक्षिप्त séance के बाद, श्वेत आकृति विलीन हो गई, और आवाजें धीरे-धीरे कम होती गईं, यहाँ तक कि वे झाड़ियों में मेंढक की हल्की टर्राहट से अलग नहीं पहचानी जा सकीं।

एथेल मेयर्स के चेहरे पर एक अलग ही चमक थी। अपनी अच्छी सेवाओं के फलस्वरूप वह बेचैन महिला अब मुक्त थी।

टाउनहाउस का भूत

इस मामले की सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि इसने मेरी पत्नी को भौतिक घटनाओं की वास्तविकताओं से परिचित कराया, ठीक उसी तरह जैसे दादी थर्स्टन के बेचैन भूत ने मुझे पहली बार प्रत्यक्ष अनुभव कराया था।

बेशक, यह इस मामले की सबसे महत्वपूर्ण बात नहीं है—भूत देखने की सूचना देने वाले व्यक्ति बेहद विश्वसनीय थे और उनकी अवलोकन क्षमता बहुत तीव्र थी। इसी कारण वे प्रचार के लिए भी उत्सुक नहीं थे, और इसीलिए मैं टाउन हाउस का वास्तविक स्थान नहीं बता रहा हूँ। लेकिन इस मामले से संबंधित सभी नाम और अन्य बातें सच हैं।

नवंबर 1963 में, मुझे न्यूयॉर्क के ग्रीनविच विलेज में एक बहुत पुराने घर के एक हिस्से में रहने वाली श्रीमती जेन ब्रायंट बार्टेल का एक ज़रूरी फोन आया। मैंने उनसे अपने अनुभवों को एक संक्षिप्त रिपोर्ट में लिखने के लिए कहा, जो अगली सुबह मुझे प्राप्त हुई:

मैं अपने पति और कुत्ते के साथ लोअर फिफ्थ एवेन्यू के पास एक पुराने हवेलीनुमा घर में रहती हूँ, जो कभी ओपेरा गायिका लिलियन नॉर्डिका का 20वीं सदी की शुरुआत का टाउन हाउस हुआ करता था। मैंने यह भी सुना है कि एक समय यह घर थॉमस फॉर्च्यून रयान परिवार के स्वामित्व में था। अपनी विशिष्टता के अलावा, इस घर के बगल में मार्क ट्वेन का एक पुराना निवास और कवयित्री एम्मा लाजरस का पारिवारिक घर भी है। मैं सबसे ऊपरी मंजिल पर रहती हूँ, जो बैंगनी रंग के भव्य युग में नौकरों का क्वार्टर हुआ करता था। जिस दिन से मैंने यहाँ रहना शुरू किया है, अपार्टमेंट के अनोखे आकर्षण के बावजूद, मुझे यहाँ कुछ अंधकारमय और रहस्यमय सा, कुछ बेचैनी का सा एहसास होता है।

अब, मैं इस अस्पष्ट, लेकिन सर्वव्यापी गुण को केवल महसूस ही नहीं करता, बल्कि जानता हूँ। संक्षेप में, यह ज्ञान पाँच वर्षों के निवास के दौरान निम्नलिखित बातों पर आधारित है:

1. किसी चीज़ के गिरने की आवाज़ (अक्सर काफी तेज़) जिसकी जाँच करने पर कुछ नहीं मिलता। और हमेशा, हमेशा, कदमों की आहट, कभी धीमी, कभी दबे पांव, लेकिन हमेशा सुनाई देने वाली और अचानक रुक जाने वाली, जिसके बाद कमरे में हल्की सरसराहट सुनाई देती है जो किसी और की मौजूदगी का संकेत देती है।
2. एक शाम, हाल ही में खाली हुई खाने की मेज पर एक छोटा, सूखा अंगूर दिखाई दिया, जो मिठाई की थाली के ठीक बीच में करीने से रखा हुआ था, जबकि उस थाली में रखी हुई मिठाई कुछ ही क्षण पहले पूरी तरह से खा ली गई थी।
3. एक सफाईकर्मी महिला का डर, जब उसने सफेद कपड़ों में एक महिला को एक छोटे से कमरे से तेज़ी से गुज़रते देखा। महिला ने पहले मुझे ही समझा, जब तक कि उसने मुझे अपार्टमेंट के दूसरे हिस्से में नहीं पाया। इसी कमरे में सुबह ढाई और तीन बजे के आसपास कुछ हलचल की अस्पष्ट आवाज़ें आती रहती थीं, जो मेरे तनावग्रस्त मन के लिए बहुत ज़्यादा थीं; ऐसा लगता था मानो कोई प्रत्यक्ष उपस्थिति मेरे बिस्तर के पास आकर मुझे नींद से जगा रही हो।
4. डेढ़ साल पहले हमने जिस कुत्ते को खो दिया था, उसकी बेचैन हरकतें, जो स्पष्ट रूप से खाली जगह में घूरता था और फिर सावधानीपूर्वक किसी चीज या किसी व्यक्ति का पीछा करते हुए कमरे से बाहर निकल जाता था।
5. एक नया कुत्ता उन चीजों पर तीव्र प्रतिक्रिया दे रहा है जिन्हें मेरी भौतिक दृष्टि भेद नहीं सकती। दो सप्ताह पहले, यह अत्यंत संवेदनशील और बुद्धिमान पिल्ला सुबह तड़के एक खाली कुर्सी की ओर आकर्षित हुआ, जहाँ उसने ज़ोर से सूंघा, अपना सिर उठाया, अपने कान पीछे किए और तुरंत पीछे हट गया।
6. कुछ शाम पहले, मैं और मेरे पति शांति से बातें कर रहे थे, तभी अचानक उस पिल्ले से एक अजीब सी आवाज़ आई जो उस अशांत और परेशान करने वाले छोटे कमरे की ओर मुंह करके लेटा हुआ था। हमने हैरानी से देखा कि उसका मुंह चौड़ा खुला हुआ था, और उसके गले से आधी चीख और आधी कराह जैसी आवाज़ें निकल रही थीं, और वह साफ तौर पर किसी (या किसी चीज़) की गतिविधियों पर नज़र रख रही थी।
जब हम जांच करने के लिए उठे, तो वह धीरे से कमरे में दाखिल हुई, मेरे बिस्तर पर रखे तकियों को जोर से सूंघा और वापस चली गई।
कुछ और भी चीजें हैं जिन्हें मैं यहां सूचीबद्ध करने का प्रयास नहीं करूंगा - छोटी-छोटी चीजें, फिर भी वे मानसिक ताने-बाने में समग्र रूपांकन को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाती हैं।
पेशे से मैं एक अभिनेत्री और लेखिका हूँ—और साथ ही एक उत्साही शौकिया पुरातत्वविद भी। मुझमें एक अजीब सा आकर्षण है जो लोगों को बेझिझक मेरी ओर देखने के लिए मजबूर करता है और अक्सर बिल्कुल अजनबी लोगों को भी बिना मांगे मुझसे अपने दिल की बातें कहने के लिए खींच लाता है। कुछ समय से मुझे यह एहसास हो रहा है कि मुझमें भविष्य देखने की मानसिक क्षमता है और मैं कई तरह की विचित्र छोटी-छोटी घटनाओं को महसूस कर सकती हूँ जिन्हें सामान्य लोग महज़ "संयोग" कहकर नज़रअंदाज़ कर देते हैं।
मैं और मेरे पति रहने के लिए दूसरी जगह ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जब तक ऐसी कोई जगह नहीं मिल जाती, हमें मदद की जरूरत है।
मेरी पत्नी और मैं नवंबर 1963 में बार्टेल के घर गए और हमने पाया कि यह एक आकर्षक, रहस्यमय विक्टोरियन अपार्टमेंट था, जो त्रुटिहीन स्वाद के साथ सुसज्जित था और एक ऐसी कालातीतता से ओतप्रोत था जो इसकी अस्त-व्यस्त स्थिति को झुठलाती थी।
हमें कॉन्टेसा नाम की उस बड़ी, भूरे रंग की "पिल्ले" ने बहुत ही हार्दिक स्वागत किया। वह एक बेहद चंचल कुतिया थी और यह सोचना मुश्किल था कि वह अज्ञात के भय से फर्श पर जम कर लेट सकती थी।
वहाँ मौजूद श्री बार्टेल एक बड़े रेस्तरां श्रृंखला के प्रबंधक थे। वे अपनी पत्नी की तरह भावुक तो नहीं थे, लेकिन घर के विचित्र वातावरण से वे भी प्रभावित हुए थे।
मैंने श्रीमती बार्टेल से पूछा, "क्या आपके पत्र में कुछ और भी है जो आपने मुझे नहीं बताया है?"
उन्होंने कहा, "मेरे चेहरे और बांहों पर अक्सर हल्के से उंगलियां फेरी जाती रही हैं।"
"आपका मतलब है, किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा हल्का सा स्पर्श किया जाना जिसे आप देख नहीं सकते थे?"
उसने सिर हिलाया।
"बड़े कमरे में - एक बैठक कक्ष है जो एक बड़े भोजन कक्ष में खुलता है - उस बड़े कमरे में मैंने ऐसी गंधें महसूस की हैं जिनका मैं कभी उपयोग नहीं करती," श्रीमती बार्टेल ने आगे कहा, "और निश्चित रूप से मैंने एक व्यक्ति की परछाई देखी थी, और हमेशा बिना किसी स्पष्टीकरण के उन कदमों की आहट सुनाई देती थी।"

“बिल्कुल,” मैंने कहा और अपार्टमेंट में घूमने लगा। शयनकक्ष बाकी दो कमरों से एक दीवार से अलग था, और उसमें प्रवेश करने के लिए साझा गलियारे से होकर जाना पड़ता था। स्पष्ट रूप से यह अपार्टमेंट कभी नौकरों का रहने का स्थान रहा होगा, जैसा कि उन्नीसवीं शताब्दी में टाउन हाउस की ऊपरी मंजिलों के अपार्टमेंट में आम तौर पर होता था। साथ ही, मुझे यह भी दृढ़ता से महसूस हुआ कि इसमें संरचनात्मक परिवर्तन हुए थे, और शायद दीवार हटा दी गई थी और दरवाजों की व्यवस्था बदल दी गई थी। बाद में, श्रीमती बार्टेल ने इसकी पुष्टि की।
मैंने सुझाव दिया, "चलिए बैठते हैं और आपके अनुभवों पर एक बार फिर से चर्चा करते हैं। और कृपया शुरुआत से शुरू करें।"
काले बालों और चमकीली आंखों वाली एक जीवंत युवती श्रीमती बार्टेल ने एक पल के लिए सोचा, मानो वह अपनी यादों को उचित क्रम में व्यवस्थित कर रही हो।
“यह सब पांच साल पहले अक्टूबर में शुरू हुआ, जब हम इस अपार्टमेंट में रहने आए। मुझे यहां रहते हुए दो हफ्ते भी नहीं हुए थे कि मुझे पता चला कि एक खास किताब थी जिसे मैं खरीदना चाहता था और वह सैमुअल वेइसर नाम के एक पुस्तक विक्रेता के पास थी, जो रहस्यमय घटनाओं पर आधारित किताबों के विशेषज्ञ थे। मैंने दुकान पर फोन किया और पूछा कि क्या उनके पास वह किताब है, तो उन्होंने कहा कि नहीं, लेकिन इसे मंगवाने में कुछ ही दिन लगेंगे।”
कुछ दिनों बाद उसने मुझे फोन किया और कहा, ‘क्या आप आ सकती हैं? मेरे पास वह किताब है जो आप चाहती थीं।’ उस दिन मैं नहीं आ सकी और उसने किताब पहुंचाने के लिए एक डिलीवरी बॉय भेजने की पेशकश की। मैंने दरवाजा खोला तो देखा कि एक बेहद बिखरे बालों वाला, पीला पड़ा हुआ, कांपता हुआ छोटा सा लड़का मेरी किताब लेकर बाहर खड़ा था। बिना नमस्कार किए उसने पूछा, ‘मैडम, क्या इस घर में भूत-प्रेत हैं?’ मैंने हैरानी से उसकी तरफ देखा और कहा, ‘आप ऐसा क्यों पूछ रहे हैं?’ उसने कहा, ‘क्योंकि कोई सीढ़ियों पर मेरा पीछा कर रहा था!’
“यहाँ आए हुए मुझे दो हफ्ते हो चुके थे और मुझे लगातार कदमों की आहट सुनाई दे रही थी। मैंने अपने पति को बताया तो उन्होंने मुझे हद से ज्यादा कल्पनाशील बताया। एक अनजान व्यक्ति द्वारा इन सब बातों की पुष्टि करना मेरे लिए बहुत बड़ा झटका था।”
"जब से मैं यहाँ रह रही हूँ, मुझे कदमों की आहट सुनाई देती रही है। वे गलियारे से आते हैं और उस छोटे से कमरे के छोटे से दरवाजे पर रुक जाते हैं। मैं आमतौर पर उसी कमरे

में सोती हूँ, क्योंकि मेरे पति थोड़ा खर्राटे लेते हैं और इससे मुझे घबराहट होती है।"
मैं देर रात तक पढ़ता रहता हूँ। हर सुबह 2:30 या 3:00 बजे, सोफे के पीछे लगातार हलचल होती रहती है और मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। कभी-कभी मैं कहता हूँ, 'भगवान के लिए, भगवान आपका भला करे, कृपया मैं बहुत थक गया हूँ, मुझे थोड़ी नींद चाहिए,' और फिर यह रुक जाता है; यह हमेशा रुक जाता है।
"क्या हमेशा एक ही समय पर?" मैंने पूछा।
"हां, रात के 2:30 से 3:00 बजे के बीच। साथ ही, यहां आने के पहले ही हफ्ते मैं बहुत बीमार पड़ गई थी, और इस अपार्टमेंट में आने के बाद से मैं अपनी जिंदगी में पहले कभी इतनी बीमार नहीं पड़ी। इस जगह पर मैं लगभग कभी पूरी तरह से ठीक नहीं हुई।"
"हम यहाँ लगभग दो सप्ताह से थे और खिड़कियों पर पर्दे नहीं थे, हमें उन्हें बनवाने का मौका ही नहीं मिला था, और वह चाँदनी रात बहुत तेज़ थी। मैं सोफे पर लेटी हुई थी और सोने ही वाली थी। अपार्टमेंट में बिल्कुल भी रोशनी नहीं थी, और मैं अपनी बाईं ओर करवट लेने के लिए तैयार थी, ताकि दीवार की ओर मुँह कर सकूँ। जैसे ही मैंने करवट ली और सोने ही वाली थी, एक विशाल काली परछाई उस दीवार के आर-पार चली गई और मैं चीख पड़ी। मेरा कुत्ता लगभग छत तक उछल पड़ा, मेरे पति अपने कमरे से दौड़कर बाहर आए और मैं वहाँ काँपती हुई बैठी थी। मेरे पति ने ज़ोर देकर कहा कि मैंने बाहर पेड़ों का प्रतिबिंब देखा था, लेकिन पेड़ तीसरी मंज़िल पर ही खत्म हो जाते हैं और वह पेड़ तो हो ही नहीं सकता था।"
"फिर ऐसी आवाजें आती हैं मानो इस अपार्टमेंट में चीजें चकनाचूर हो गई हों। मैं चारों ओर देखती हूँ और सोचती हूँ कि मुझे वेजवुड की कोई कलाकृति, इत्र की बोतल या कुछ और टूटा हुआ मिलेगा, लेकिन किसी चीज को छुआ तक नहीं गया है, किसी चीज को छेड़ा नहीं गया है, कुछ भी टूटा नहीं है।"
मैंने पूछा, "क्या आपको कभी किसी इंसान की मौजूदगी का एहसास होता है?"
"मुख्यतः इस छोटे से कमरे में। ऐसे अनगिनत मौके आए हैं जब मैं सोने ही वाला था। अनगिनत बार मैं वहाँ लेटा रहा और अचानक एक ऐसी उपस्थिति को महसूस किया, अनुभव किया और सुना, जिसने मुझे जगाए रखा और, ज़ाहिर है, वहाँ देखने के लिए कुछ भी नहीं था।"
"जब यह सिलसिला काफी देर तक चलता रहता है तो मैं सारी बत्तियां जलाकर सोता हूं।"

"और कुछ?"
“कई बार मैं रसोई में होती और अचानक पीछे मुड़कर देखती क्योंकि मुझे लगता था कि मेरे पीछे कोई है। बेशक, वहाँ कोई नहीं होता था। मैंने इस बारे में अपनी एक दोस्त से बात की जो बहुत सहज ज्ञान वाली इंसान है। उसका चेहरा एकदम पीला पड़ गया और उसने कहा, 'ठीक है, मैं तुम्हें डराना नहीं चाहती थी, जेन, लेकिन अब मैं तुम्हें बता रही हूँ।'
“तुम्हें याद है जब मैं तुमसे मिलने आई थी। हम बातें कर रहे थे और तुम मुझे कुछ दिखाने वाली थीं और कमरे से बाहर चली गई थीं, लेकिन मुझे पता ही नहीं चला कि तुम चली गई हो। मैं वहाँ खड़ी कुछ पढ़ रही थी तभी मुझे लगा कि मैंने तुम्हें ठीक अपने पीछे सुना है और मैं मुड़कर बोली, “जैन, यह बहुत दिलचस्प है।” बेशक उस समय तुम बेडरूम में थीं।”
मैंने पूछा, "वह व्यक्ति कौन था?"
मेरी एक बहुत करीबी दोस्त, श्रीमती मैरी डाइटच; वह ईस्ट साइड में 1950 के दशक के मध्य में रहती हैं। उन्होंने बताया कि अपार्टमेंट में ऐसा कई बार हो चुका है, जब मैं कमरे से बाहर जाता हूँ और वह किसी काम में व्यस्त होती हैं और सोचती हैं कि मैं वापस आ गया हूँ और बोलना शुरू कर देती हैं, जबकि वास्तव में वहाँ कोई नहीं होता।
मैंने रसोई के दरवाजे की ओर इशारा करते हुए पूछा, "उस समय का क्या जब तुम्हारी नौकरानी ने एक सफेद रंग की आकृति देखी थी?"
“दोपहर में सफाई करने वाली आती है। वह बहुत ही आकर्षक महिला है। हम दोनों के बीच बहुत अच्छी दोस्ती हो गई और हम एक-दूसरे को बहुत पसंद करने लगे। हम हर समय बातें करते रहते थे; कुछ दिनों तो सफाई से ज्यादा बातें हो जाती थीं।”
“एक दोपहर मैं एक छोटी सी रसोई में थी, वह बाथरूम में थी, और हम आपस में बातें कर रहे थे, तभी डोरोथी बाथरूम से बाहर आई और मुझे कुछ बताने के लिए उस कमरे में जाने लगी, लेकिन बात करते-करते अचानक रुक गई। मैंने रसोई से अपना सिर बाहर निकाला और पूछा, ‘तो, तुम क्या कहना चाहती थी?’ वह पूरी तरह से हैरान होकर मुड़ी और बोली, ‘श्रीमती बार्टेल, क्या आप अभी उस कमरे से निकली हैं?’ मैंने कहा, ‘नहीं, मैं नहीं निकली।’ उसने कहा, ‘आप तो पूरी रात रसोई में ही थीं?’ मैंने कहा, ‘हाँ, हाँ।’”
“उसने अपना सिर हिलाया। ‘मैंने अभी-अभी वहाँ से एक सफेद कपड़े पहनी महिला को जाते हुए देखा!’ मैंने सफेद ब्लाउज पहना हुआ था, गर्मी का मौसम था, इसलिए

उसने सोचा कि वह मैं ही हूँ।"
मैंने पूछा, "क्या आपके पति ने कभी कुछ सुना?"
"उसे बस कदमों की आहट सुनाई देती है। कदमों की आहट हर समय आती रहती है, सुबह-सुबह, दोपहर-शाम, रात-शाम—मैं हमेशा उस लंबे गलियारे में दौड़कर जाती हूँ और पूछती हूँ, 'कौन है?' और ज़ाहिर है, वहाँ कोई नहीं होता।"
"क्या ये किसी पुरुष के पदचिह्न हैं या किसी महिला के?"
"मैं आपको यह नहीं बता सकता, वे संकोची हैं, बहुत संकोची और बहुत हल्के हैं, बहुत धीरे-धीरे चल रहे हैं।"
"एक बहुत ही अजीब रविवार की शाम थी। हमने जल्दी खाना खा लिया और फिर टीवी देखने के लिए बेडरूम में चले गए। बाद में मुझे याद आया कि बर्तन मेज पर रखे थे, तो मैं उन्हें धोने के लिए अंदर आई। हमने एक बहुत ही स्वादिष्ट मिठाई खाई थी, जिसे हमने प्लेट में लगभग पूरा चाट लिया था, कुछ बचा ही नहीं था। फिर भी, मेरी प्लेट के ठीक बीच में, बिलकुल सटीक रूप से, एक छोटा सूखा अंगूर पड़ा था। हमारे घर में अंगूर थे ही नहीं।"
मैंने पूछा, "आपने आखिरी बार कोई असामान्य चीज कब देखी या सुनी थी?"
"खैर, सबसे हाल की घटनाएँ पिछले हफ्ते और उससे लगभग एक हफ्ते पहले घटीं। मैं आपको सबसे पहले वाली घटना के बारे में बताता हूँ। मैं सो रहा था और बिना किसी कारण के गहरी नींद से जाग गया। मैं बिस्तर पर एकदम सीधा बैठ गया और चारों ओर देखा और बहुत घबरा गया। मैं बिस्तर से उठा और पानी का गिलास लेने के लिए रसोई में आया। मेरी कुतिया कॉन्टेसा भी मेरे पीछे-पीछे आ गई। मैंने रसोई की बत्ती जलाई—सुबह के लगभग 3:30 या 4:00 बज रहे थे—और चारों ओर देख रहा था, तभी मुझे एक हलचल सुनाई दी। कॉन्टेसा एक नीली कुर्सी पर बैठी थी, वह एकदम सीधी होकर एक तरफ बैठ गई और कुर्सी को सूंघा और टकटकी लगाकर देखा, फिर पीछे हट गई।"
"तुम्हारा मतलब है, मानो उसने किसी को देखा हो?"
"जैसे उसने उस कुर्सी पर किसी आकृति को बैठे हुए देखा हो। मैं जल्दी से बिस्तर पर वापस चला गया। जब मैं अपने बिस्तर पर लेटा, तो मेरे तकिए और चादरें बर्फ की तरह ठंडी थीं।"
"रात में एक खास जगह पर, बिस्तर के पास कदमों की आहट सुनाई दी?"
"दिन के समय और हॉल में अक्सर कदमों की आहट सुनाई देती है, और मैंने यह

सुनिश्चित करने के लिए बहुत प्रयास किया कि घर में कोई नहीं है, क्योंकि यह एक पुरानी इमारत है और दीवारें पतली हैं और कई बार नीचे वाले अपार्टमेंट से कदमों की आहट सुनाई देती है। लेकिन इन समयों पर बगल वाले घर में कोई नहीं था, नीचे वाले दोनों अपार्टमेंट में भी कोई नहीं था।"

"जब आपने और आपके पति ने कदमों की आहट सुनी, तो क्या वे दोनों एक ही दिशा से आती हुई प्रतीत हुईं?"

"हां, ऐसा लगता है कि वे इसी इलाके से, गलियारे के उस पार से आ रहे हैं।"

"श्रीमती बार्टेल, एक और सवाल," मैंने कहा। "क्या इस घर में आने से पहले आपको अपने शुरुआती वर्षों में कभी कोई मानसिक अनुभव हुए थे?"

"जब मैं नौ साल की छोटी बच्ची थी, तब मैं वाशिंगटन, डी.सी. में रहती थी। एक दिन मैं अपने माता-पिता के साथ माउंट वर्नोन गई; यह हमारी वहाँ की पहली यात्रा थी। माँ और पिताजी ने मार्था और जॉर्ज वाशिंगटन का मकबरा नहीं देखा था। बारिश शुरू हो गई और हमने 'रसोईघर' में शरण ली, जिससे हम विशाल मैदान में बुरी तरह से रास्ता भटक गए।

बारिश रुक गई और हम घाट से कब्रों की ओर चल पड़े। उन दिनों कब्रों पर कोई निशान नहीं होते थे। हम बुरी तरह से रास्ता भटक गए, तभी अचानक मैंने खुद को कहते सुना, 'मुझे पता है कि यह कहाँ है, बस मेरे पीछे आओ।' और ज़ाहिर है, मुझ पर सब हँसे; ज़्यादातर बच्चे ऐसे बयान देने पर हँसे ही जाते हैं।

"खैर, मैं उन्हें सीधे कब्र तक ले गया, और मैं इस जीवन में कभी वहां नहीं गया था।"

उस शाम जब हम निकले, तो मुझे उम्मीद थी कि मैंने घर को शांत कर दिया था। मैं खाली कमरे की ओर मुड़ी और चुपचाप उस अदृश्य आगंतुक से बात की, उसे बताया कि जीवित लोगों को अकेला छोड़ दे और उसकी दुनिया अब शारीरिक इच्छाओं की दुनिया नहीं रही। कभी-कभी इससे काम बन जाता है, कभी-कभी नहीं।

एक दिन बाद, श्रीमती बार्टेल का फ़ोन फिर से आया। कदमों की आहट अभी भी सुनाई दे रही थी। क्या मैं फिर से आ सकती हूँ? इस बार मैंने अपनी पसंदीदा माध्यम, एथेल जॉनसन मेयर्स को साथ लाने का फैसला किया।

27 नवंबर को, हम अब तक परिचित हो चुकी पुरानी सीढ़ियों से चढ़कर पुराने टाउन हाउस की सबसे ऊपरी मंजिल पर पहुंचे।

वहाँ पहुँचने पर, श्रीमती मेयर्स, जिन्हें उस शाम की हमारी योजनाओं का कोई आभास

नहीं था, ने कहा कि उन्हें अपार्टमेंट में बहुत चहल-पहल महसूस हो रही है। ठीक उसी समय, जब हम सभी अंधेरे कमरे में चुपचाप बैठे थे—बार्टेल परिवार, एथेल, मेरी पत्नी और मैं, और बार्टेल परिवार के एक मित्र श्री रॉकफेलर—तभी मेरी पत्नी की कुर्सी के बगल में रखी एक छोटी सी मेज अचानक उछल पड़ी। वह न तो बहुत ऊँची उछली और न ही बहुत दूर, लेकिन उस समय मेरी पत्नी की नज़र उस पर थी, और उन्होंने कहा कि वह अपने आप ऐसे हिली जैसे किसी अदृश्य शक्ति ने उसे छुआ हो।
श्रीमती मेयर्स ने वातावरण में ईर्ष्या की भावना को महसूस किया और कहा, "मुझे बहुत बुरा लगा; हमारे बीच सोफे पर कोई बैठा है।"
उन्हें लगभग तुरंत ही एक महिला की उपस्थिति का एहसास हुआ। उन्होंने आगे कहा, "वह कहीं जाना चाहती है, उसे बहुत जल्दी है। लेकिन अपार्टमेंट में बदलाव कर दिया गया है, और अब वह महिला जा नहीं सकती।"
मुझे ऐसा लगता है कि पियानो वाला क्षेत्र यहाँ की गतिविधियों का केंद्र है।
"सही," श्रीमती बार्टेल ने सिर हिलाया।
"मैं खुद को एक बहुत ही युवा व्यक्ति और एक गर्भपात हुए बच्चे के रूप में महसूस करती हूं, जिसके अवशेष कभी यहां मौजूद थे।"
मैंने उन्नीसवीं सदी की नौकरानी और उस समय के कठोर नियमों के बारे में सोचा, और उस दौर के फैशनेबल टाउन हाउसों में चुपचाप किए जाने वाले कई प्रेम प्रसंगों के बारे में भी सोचा।
एथेल मेयर्स अब दिव्य दृष्टि और समाधि के बीच की अवस्था में थीं।
“मैलिसन,” उसने धीरे से कहा, “रेनी, या रेनी। तीसरा व्यक्ति बच्चा है। यहाँ तीखी गंध आ रही है।”
फ्रेड बार्टेल ने भी उस गंध को महसूस किया, और मेरी पत्नी ने भी इसकी पुष्टि की। मुझे स्वयं वह गंध महसूस नहीं हुई।
“एक खूबसूरत गोरी युवती, बड़ी नीली आँखों और छोटी नाक वाली... रेनी...”
अब समाधि की अवस्था अधिक स्पष्ट होने लगी थी।
“उन्होंने इसे मेरी उंगली में पहना दिया... अंगूठी... श्रीमती जॉन जे. मैलिसन। मेरा जन्म यहीं हुआ था... उनतीस वर्ष... सोलह मार्च, अठारह सौ अड़तालीस... मेरे पति कहाँ हैं?”
मैंने धीरे से पूछा, "उसका नाम क्या है?"

“हेनरी… हेनरी मैकडरमॉट,” सम्मोहित माध्यम ने उत्तर दिया।
“क्या वह अभी यहाँ है?”
“नहीं, नहीं... मैंने उसे पिछले दो सालों में देखा था, अब और नहीं।”
“बच्चे के बारे में क्या?”
"नहीं - नहीं!"
मैंने यह पता लगाने की कोशिश करने का फैसला किया कि क्या उसे पता है कि उसके साथ हुई त्रासदी किस वर्ष में हुई थी।
“संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति कौन हैं?”
उन्होंने उसे मार डाला।
"किसको?"
“अब्राहम।”
“अब राष्ट्रपति कौन हैं?”
“एंड्रयू जॉनसन।”
अचानक, वह प्राणी दूसरे आदमी के बारे में बोलने लगा।
"अब जॉन मेरे साथ खेलने आता है, मैं उसके पास नहीं जा सकता।"
मैंने उससे दृढ़तापूर्वक आग्रह किया कि वह मुझे इस जॉन के बारे में बताए।
“वह गया, लेकिन कभी वापस नहीं आया। मैंने तुमसे झूठ बोला था, एक बच्ची थी, लेकिन वह मर गई। मुझे यहाँ बहुत अच्छा लगता है। मैं उस नन्ही बच्ची के साथ खेल सकती हूँ। मैंने एक नन्ही बच्ची को खो दिया।”
आपके पति क्या काम करते थे?
“उन्होंने गहने बनाए। उन्होंने मेरी अंगूठी बनाई।”
“उसकी दुकान कहाँ थी?”
“तेईस…तेईस…तेईस…” वह उस क्षण पूरी तरह से खोई हुई सी लग रही थी।
“तुम्हारे पिता क्या करते थे?”
“रेस्तरां को आपूर्ति करें…”
"तुम यहां क्यों हो?"
“पापा को पता नहीं था… वो खिड़की पर खून से लथपथ खड़ा है… मैंने झूठ बोला, मैं उन्नीस साल की हूँ, उनतीस साल की नहीं… अब मेरी शादी हो चुकी है और अंगूठी भी है… पापा ने मेरी बात पर विश्वास नहीं किया… जॉन चला गया… वे उसे ले गए,

अब्राहम उसे ले गया, उन्होंने उसे मार डाला…"
इस क्षण भावनाओं ने सम्मोहित माध्यम पर हावी होकर उसे वश में कर लिया और वह सत्ता उससे विमुख हो गई, जिससे माध्यम क्षण भर के लिए बेजान हो गया। हालांकि, कुछ ही क्षणों में अल्बर्ट ने नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया और अपनी हमेशा की तरह स्पष्ट आवाज में घोषणा की कि सब ठीक है।
उन्होंने बताया, "शादी से पहले गर्भपात हो गया था, और पिता इस रिश्ते को मंजूरी नहीं दे रहे थे। लेकिन फिर भी उनकी शादी हो गई।"
"छोटी बच्ची की मृत्यु हो गई। उसने पहले बच्चे का गर्भपात करा दिया था; उसके दो बच्चे थे; माँ और बच्चा दोनों प्रसव के दौरान मर गए। पति युद्ध में मारा गया। रीनी का असली नाम आइरीन है, लेकिन मैलिसन नाम सही है। आइरीन की माँ की भी प्रसव के दौरान मृत्यु हो गई थी; उनके चार बड़ी बेटियाँ और तीन लड़के थे।"
"मैकडरमॉट नाम के बारे में क्या ख्याल है?"
"यह पूरी तरह सही नहीं है।"
इतना कहकर उन्होंने हमें "वाद्य यंत्र" छोड़ने के लिए कहा क्योंकि साढ़े दस बज चुके थे और वह स्पष्ट रूप से थकी हुई लग रही थी।
अगले दिन, 28 नवंबर को, मुझे श्रीमती बार्टेल का फोन आया।
किसी तरह वह सही नाम से प्रभावित हुई। उसे लगा कि यह मैकडरमॉट नहीं, बल्कि मैकडेविट है। लेकिन वह निश्चित नहीं थी।
29 नवंबर को उसने फिर फोन किया और ठंड लगने की शिकायत की, लेकिन उसे पिछली बार भूत को दिए गए मेरे विदाई भाषण की याद आ गई और उसने विनम्रता से उसे चले जाने के लिए कहा। ठंड लगना जल्दी ही बंद हो गया।
हमेशा की तरह, मैंने इस तरह से प्राप्त कुछ सामग्रियों की पुष्टि करने का प्रयास किया। गृहयुद्ध काल विशेष रूप से कठिन है क्योंकि कई अभिलेख अब उपलब्ध नहीं हैं। मुझे उपलब्ध कुछ स्रोतों, जैसे कि ट्रो की नगर निर्देशिकाओं और व्यावसायिक सूचियों में श्री मैलिसन का नाम नहीं मिला। लेकिन मुझे हेनरी मैकडरमॉट का नाम मिला जो 1868 में पास ही में, 203 वेस्ट नाइनटीन्थ स्ट्रीट पर रहते थे।
मैंने बाद में श्रीमती बार्टेल से कई बार संपर्क किया, लेकिन हर बार स्थिति नियंत्रण में ही रही। कभी-कभार, कॉन्टेसा किसी ऐसी चीज़ को सूंघती या महसूस करती जिसे केवल वही देख या महसूस कर सकती थी, लेकिन किसी ने भी सफेद कपड़ों में किसी महिला

को नहीं देखा, और टाउन हाउस में शांति का माहौल छा गया।
संभवतः उस युवा नौकरानी को अपने दोनों पुरुषों के साथ उस दुनिया में शांति मिल गई होगी जहां इन चीजों को इतनी शाब्दिक रूप से नहीं लिया जाता है।

स्टैमफोर्ड हिल के भूत

फोन पर आवाज ने प्रसन्नता से कहा, "श्रीमान होल्ज़र, मैंने आपकी किताबें पढ़ी हैं और इसीलिए मैं आपको फोन कर रहा हूँ। हमारे घर में एक भूत है।"
आश्चर्यचकित होने के बजाय, मैंने कागज और पेंसिल ली और, ठीक उसी तरह जैसे कोई किराने की दुकान का क्लर्क टेलीफोन पर ऑर्डर लिखता है, रिपोर्ट का विवरण लिखना शुरू कर दिया।
रॉबर्ट कोवान एक ऐसे सज्जन व्यक्ति थे जिनका जीवन के प्रति बहुत संतुलित दृष्टिकोण था। वे एक कलाकार थे और न्यूयॉर्क शहर की एक प्रमुख विज्ञापन एजेंसी में काम करते थे। उनकी रुचियां कला, संगीत, रंगमंच, इतिहास और अन्य कई क्षेत्रों में थीं। लेकिन भूतों में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं थी, कम से कम तब तक तो नहीं जब तक वे और उनकी अभिनेत्री पत्नी डोरोथी स्टैमफोर्ड हिल स्थित 1780 हाउस में रहने नहीं चले गए। इस घर का नाम इस प्रकार रखा गया था, और इसका कारण बहुत ही सरल था: क्योंकि यह उसी वर्ष बनाया गया था।
श्री कोवान ने बताया कि उन्हें लगा कि मुझे उनका घर देखना अच्छा लगेगा, हालाँकि कोवान परिवार अपने घर में बिना किराया दिए मेहमान की मौजूदगी को लेकर ज़्यादा चिंतित नहीं था। कभी-कभी यह थोड़ा परेशान करने वाला था, लेकिन उससे भी ज़्यादा,

भूत क्या चाहता है और वह कौन है, इस जिज्ञासा ने बॉब कोवान को भूत खोजकर्ता को फोन करने के लिए प्रेरित किया था।
मैंने कहा, "श्रीमान कोवान, क्या आप अपने अनुभवों को लिखकर रख सकते हैं, ताकि मैं उन्हें अपनी फाइलों में रख सकूँ?"
मुझे लिखित रिपोर्ट रखना पसंद है (यदि संभव हो तो प्रथम पुरुष में), ताकि बाद में समान मामले सामने आने पर मैं उनका संदर्भ ले सकूं, जैसा कि अक्सर होता है।
“बिल्कुल नहीं,” बॉब कोवान ने कहा, “मुझे आपके लिए इसे लिख देने में खुशी होगी।”
अगली सुबह मुझे उनकी रिपोर्ट मिली, साथ ही 1780 के मकान का संक्षिप्त इतिहास भी मिला।
पिछले साढ़े नौ वर्षों में इस घर में रहते हुए मुझे और मेरी पत्नी को जो अनुभव हुए हैं, उनका संक्षिप्त विवरण यहाँ दिया गया है। मैं अपने अनुभवों से शुरुआत करूँगा क्योंकि मेरे अनुभव काफी सरल हैं।
यहां रहने के दौरान, लगभग हर हफ्ते (लगभग एक बार) मुझे दिन हो या रात, कभी-कभी कुछ ऐसी हलचलें दिखाई देती हैं जिन्हें मैं पहचान नहीं पाता। अक्सर, मैं अपने बैठक कक्ष में बैठा होता हूँ और जो कुछ भी हिलता हुआ दिखाई देता है, वह मुझे बैठक कक्ष में ही लगता है। कभी-कभी, और वह भी देर रात को जब मैं अकेला जाग रहा होता हूँ, मुझे एक सुंदर लेकिन अनजाना संगीत सुनाई देता है, मानो कोई पूरा ऑर्केस्ट्रा बजा रहा हो, जैसे घर के किसी दूसरे हिस्से में रेडियो चल रहा हो।
मुझे याद है कि मैंने इसे सिर्फ ऊपर वाले कमरे में सुना था, और वो भी तब जब मैं सोने चला गया था। जब मैं उठा, तो मैंने कमरे का दरवाजा खोलकर देखा कि कहीं गलती से रेडियो चालू तो नहीं रह गया था, लेकिन ऐसा नहीं था।
अंत में, अक्सर मुझे घर की संरचना में बिना किसी तार्किक कारण के तरह-तरह की खटखटाहट और धमाकों की आवाजें सुनाई देती हैं। दो हफ्ते पहले एक बहुत ज़ोरदार धमाका हुआ था। ऐसा लगा जैसे ऊपर का कोई दरवाज़ा अपने कब्ज़े से निकल गया हो, लेकिन हमेशा की तरह, वहाँ कुछ भी गड़बड़ नहीं था।
मेरी पत्नी डोरोथी को लगभग पाँच साल पहले दो बेहद सजीव अनुभव हुए। एक घटना रसोई में, या यूँ कहें कि रसोई की खिड़की के बाहर घटी। वह शाम को सिंक के पास खड़ी थी और अचानक खिड़की से बाहर देखा तो उसे एक चेहरा घूरता हुआ दिखाई दिया। चेहरा गहरा था, पर किसी अश्वेत व्यक्ति का नहीं, शायद किसी भारतीय का; वह

चेहरा बेहद घृणास्पद और क्रूर था।
पहले तो उसे लगा कि शीशे में कोई धुंधली परछाई है, लेकिन गौर से देखने पर पता चला कि एक चेहरा सीधे उसकी ओर घूर रहा है। उसे बस एक चेहरा ही दिखाई दिया और जैसा उसे याद है, वह पारदर्शी सा लग रहा था। चेहरा गायब नहीं हुआ, बल्कि वह खुद गायब हो गई!
गर्मी की एक दोपहर, मेरी पत्नी पीछे के कमरे में झपकी ले रही थी और नींद और जागने के बीच की अवस्था में थी जब उसने खिड़की के ठीक बाहर पुरुषों की आवाज़ें और बगीचे में काम करने की आवाज़ें सुनीं—रेत और औजारों की आवाज़। उसने यह देखने के लिए जागने की कोशिश की कि वे कौन हो सकते हैं, लेकिन वह उठ नहीं सकी।
उस समय तक, हमने लॉन और फूलों की क्यारियों की देखभाल के लिए केवल एक ही आदमी को काम पर रखा था। लगभग एक साल बाद ही हमने एक दल को काम पर रखा जो सप्ताह में एक बार आकर काम करता था, और हम अक्सर सोचते हैं कि क्या यह पूर्वाभास का अनुभव था। मेरी पत्नी को हमेशा घर के पिछले हिस्से के बाहर एक अजीब सी बेचैनी महसूस होती रही है और आज भी कभी-कभी उसे बाहर पुरुषों की आवाज़ें सुनाई देती हैं और वह सभी खिड़कियों से बाहर देखती है लेकिन उसे कोई दिखाई नहीं देता।
उसने भी मेरी तरह ही आंखों के कोने से कुछ अजीबोगरीब चीजें देखने और रात में मधुर संगीत सुनने का अनुभव किया है। उसने घर की आवाज़ों पर ध्यान नहीं दिया क्योंकि बहुत समय पहले मैंने उससे कहा था कि "सभी पुराने घरों में अजीबोगरीब संरचनात्मक आवाज़ें होती हैं"... जो कि काफी हद तक सच है।
हमारे यहाँ रहने से पहले, इस घर में लगभग 25 वर्षों तक क्लेटन रिच परिवार रहता था, जिसमें पाँच सदस्य थे। श्री रिच का निधन उनके यहाँ रहने के अंतिम समय में हुआ। जब हमने इसे खरीदा, तब तक उनके तीनों बच्चे शादी करके कहीं और चले गए थे।
उससे लगभग एक साल पहले तक श्रीमती डेविड काउल्स यहाँ रहती थीं। उन्होंने श्री फ्रेडरिक किन्बल के साथ मिलकर अधिकांश जीर्णोद्धार कार्य किया था।
1927 या 1928 तक, यह घर 1780 से वीड परिवार के पास था। इस वंश की आखिरी सदस्य दो बहनें थीं जो एक-दूसरे से नफरत करती थीं और केवल एक बहन के पति के माध्यम से ही आपस में बात करती थीं। उन्होंने घर को दो हिस्सों में बांट लिया था और दो अलग-अलग दरवाजों का इस्तेमाल करती थीं, एक मुख्य सामने वाले दरवाजे से

सीढ़ियों वाले हॉल में जाती थी और दूसरी "कॉफ़िन डोर" से बैठक कक्ष में जाती थी। श्री कोवान ने आगे कहा कि वे घर बेच रहे हैं - भूतों की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए कि वे वापस शहर जाना चाहते हैं। मैंने उन्हें भरोसा दिलाया कि हम जल्द से जल्द आ जाएँगे।

इससे पहले कि हम ऐसा करने की व्यवस्था कर पाते, मुझे कोवान परिवार से एक और संदेश मिला। 9 फरवरी, 1964 को बॉब कोवान ने लिखा कि उन्होंने नीचे से गाने की आवाज़ बहुत स्पष्ट रूप से सुनी, और फिर से संगीत सुनाई दिया।

हालांकि, मेरी पत्नी और मैं अगले सप्ताह ही स्टैमफोर्ड हिल गए। कोवान परिवार ने उस रविवार शाम को हमारे लिए खाना तैयार रखने और हमें स्टेशन से लेने की पेशकश की, क्योंकि रात में रास्ता न जानने वाला कोई भी व्यक्ति घर नहीं ढूंढ पाता था।

शाम के लगभग छह बजे हमारी न्यू हेवन ट्रेन वहाँ पहुँची। बॉब कोवान ने वही स्कॉटिश बेरेट पहनी हुई थी जो उन्होंने हमें तुरंत पहचानने के लिए पहनने को कहा था। घर एक घुमावदार सड़क के अंत में था जो लगभग दस मिनट तक जंगल और छायादार गलियों से होकर गुजरती थी। दरवाजे के ऊपर बना अमेरिकी चील का निशान और 1780 की तारीख, ज़मीन पर छाने वाली शाम के बावजूद, साफ़ दिखाई दे रही थी। घर तीन मंज़िला था, और कोवान परिवार रसोई के बगल वाले बड़े कमरे को अपने भोजन कक्ष के रूप में इस्तेमाल करता था, जिसे तहखाना या भूतल कहा जा सकता है।

उन्होंने इसे अठारहवीं शताब्दी की अमेरिकी प्राचीन वस्तुओं से बेहद आकर्षक ढंग से सजाया था, और चिमनी ने कमरे में ऐसी गर्माहट भर दी थी जो हलचल भरे न्यूयॉर्क से मीलों दूर प्रतीत होती थी।

अगली मंजिल पर लिविंग रूम और उसके बगल में एक छोटा सा बैठक कक्ष था। इन दोनों कमरों में बनी चिमनी एक-दूसरे से जुड़ी हुई थी। गलियारे के आगे मास्टर बेडरूम और बॉब का रंगीन सा कमरा था। ऊपर की मंजिल पर दो अतिथि कक्ष थे, और एक छोटी सी अटारी थी जहाँ छत में बने एक छेद और सीढ़ी के ज़रिए ही पहुँचा जा सकता था। अमेरिकी क्रांति के दौरान बना यह घर एक जंगल से घिरी ढलान पर स्थित है, जिसके कारण इसका मूल नाम वुडपेकर रिज फार्म था।

कई साल पहले, घर का जीर्णोद्धार पूरा होने के बाद, अंग्रेजी फर्नीचर और बागवानी विशेषज्ञ हेरोल्ड डोनाल्डसन एबरलिन ने इसके बारे में लिखा था:

चट्टानी चोटियों, पत्थरों से भरे चारागाहों और हवा से उबड़-खाबड़ समुद्र की सतह जैसी

तीखी टूटी-फूटी ढलानों के साथ, इस क्षेत्र की स्थलाकृतिक स्थितियों ने स्वाभाविक रूप से घरेलू वास्तुकला को प्रभावित किया है। केवल दो उदाहरणों के तौर पर, इस क्षेत्र के घरों को कई अचानक ढलान वाली पहाड़ियों और सर्वव्यापी ग्रेनाइट पत्थरों के उपयोग के अनुरूप ढलना पड़ा है। वुडपेकर रिज फार्म स्थित घर की विशिष्टता का एक हिस्सा इस बात में निहित है कि यह एक विशिष्ट घर बने बिना इन सभी स्थितियों को पूरा करता है।

सामुदायिक अस्तित्व से पहले, आसपास के पूरे क्षेत्र का नाम वुडपेकर रिज था, जो सुनने में काफी सुहावना लगता था। इसी नाम की स्मृति को जीवित रखने के लिए वुडपेकर रिज फार्म का नाम भी इसी प्रकार रखा गया। परंपरा के अनुसार, वुडपेकर रिज फार्म की सीमा में आने वाली भूमि कभी पुराने भारतीय सरदार पोनस के निजी शिकारगाह का हिस्सा हुआ करती थी।

पुराने पोनस शायद थोड़े रहस्यमय और अस्पष्ट प्रतीत होते हों, जैसा कि ऐसे बीते समय के सरदारों के साथ अक्सर होता है। हालाँकि, ऑगस्टस वीड, जिन्होंने 1780 में इस घर का निर्माण कराया था, बहुत ही ठोस और वास्तविक व्यक्ति थे। और उक्त ऑगस्टस एक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व थे।

जब उन्होंने नींव रखी और इमारत का ढांचा तैयार करवाया, तब भी देश पर युद्ध के बादल छाए हुए थे। फिर भी, आत्मविश्वास से भरे और दूरदर्शी होकर, उन्होंने न केवल ग्रामीण परिवेश की भावना को दर्शाने वाला एक मजबूत और सुव्यवस्थित घर बनाया, बल्कि ऐसा लगता है कि उन्होंने उसमें अपने सशक्त और स्वतंत्र व्यक्तित्व की झलक भी डाली।

ऐसा कहा जाता है कि ऑगस्टस एक इतने प्रसिद्ध किसान थे और अपने खेतों की स्थिति पर इतना उचित गर्व करते थे कि वे अपने भूसे में पाए जाने वाले प्रत्येक डेज़ी फूल के लिए एक डॉलर का इनाम देने की खुली घोषणा करने से भी नहीं डरते थे।

लगभग सन् 1825 में, उस समय प्रचलित धारणाओं के अनुरूप घर का कुछ हद तक पुनर्निर्माण किया गया। कोई बहुत व्यापक या भव्य पुनर्निर्माण नहीं किया गया, लेकिन उस समय किए गए कार्य के स्पष्ट निशान नव-ग्रीक शैली की बारीकियों में आज भी दिखाई देते हैं, जो घर के बाहर और अंदर दोनों जगह मौजूद हैं।

इस बात की कोई संभावना नहीं है कि अटारी की "पेट के बल लेटने वाली" खिड़कियाँ इसी समय की हों और मूल छत को ऊँचा करने या उसकी ढलान में कुछ बदलाव का

संकेत देती हों। ये "पेट के बल लेटने वाली" खिड़कियाँ—जिन्हें यह नाम इसलिए दिया गया था क्योंकि ये दीवार में काफी नीचे थीं और इनकी चौखटें फर्श के स्तर के बहुत करीब थीं, जिससे बाहर देखने के लिए लगभग पेट के बल लेटना पड़ता था—नव-ग्रीक काल में अटारी के कमरों को रोशन करने का एक लोकप्रिय तरीका थीं। और यह वाकई आश्चर्यजनक है कि इनसे कितनी रोशनी आती है, और वह रोशनी कितनी सुखद होती है।

हाल ही में हुए नवीनीकरण से वुडपेकर फार्महाउस को जो सुंदरता और आराम का वर्तमान स्वरूप मिला है, उससे इस स्थान की उस अनूठी विशेषता पर कोई असर नहीं पड़ा है जो पीढ़ियों से चली आ रही है, जब से मेहनती ऑगस्टस वीड ने पहली बार यहाँ अपना निवास स्थान बनाया था। संरचना पर शुरुआत से ही मौजूद अठारहवीं शताब्दी की विशेषताओं को पहचानने के लिए गहन जांच की आवश्यकता नहीं है—ढांचे की मजबूत लकड़ियाँ, टिकाऊ बीम और जोड़, चौड़े फर्श के तख्ते और विशाल चिमनियां। 1825 में हुए जीर्णोद्धार के निशानों को देखने के लिए भी बारीकी से जांच की आवश्यकता नहीं है।

स्तंभों, खंभों, आवरणों और अन्य विशेषताओं की शैलियाँ स्पष्ट रूप से उनकी उत्पत्ति का वर्णन करती हैं।

बगीचे का स्वरूप भी पर्यावरण के प्रति उसी सहानुभूतिपूर्ण समझ को दर्शाता है, जो उस प्रकार के घर के लिए विशेष रूप से उपयुक्त है जिसके लिए यह प्राकृतिक परिवेश प्रदान करता है। प्राचीन कुएँ का आवरण, बकाइन की झाड़ियाँ, स्वीटब्रियर, अगस्त लिली और पुराने फार्महाउस के प्रांगण के अन्य निवासी अपने लंबे समय से अभ्यस्त स्थानों पर बने रहने दिए गए हैं।

अपने इस अधिकार की मान्यता के बदले में, वे उस आत्मसंतुष्टता और सौम्य संतोष के माहौल में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं जो पूरे स्थान पर व्याप्त है।

नीचे एक बेहद सुखद रात्रिभोज के बाद, कैथरीन और मैं ऊपर के बड़े से बैठक कक्ष में कोवान परिवार के साथ शामिल हुए। हम चुपचाप बैठ गए और आशा करने लगे कि हमें कुछ संगीतमय सुनने को मिलेगा।

जैसे-जैसे ग्रामीण परिवेश की शांति धीरे-धीरे हम पर छाने लगी, मुझे दूर से आती धुंधली संगीतमय ध्वनियाँ सुनाई देने लगीं, मानो कोई पानी के अंदर या बहुत दूर से रेडियो चला रहा हो। जाँच करने पर पता चला कि आस-पास कोई घर या खड़ी कार नहीं थी जिसका

रेडियो इस ध्वनि का कारण हो सकता था।
कुछ देर बाद हम उठे और कमरे का जायज़ा लिया। हम चुपचाप खड़े होकर फर्नीचर की तारीफ़ कर रहे थे, तभी मेरी पत्नी और मैंने, और ज़ाहिर है कोवान परिवार ने भी, ऊपर से कदमों की आहट सुनी।
वे आवाज़ें दृढ़ और मजबूत थीं और उन्हें किसी और चीज़ से भ्रमित नहीं किया जा सकता था, जैसे कि अटारी में बैठी गिलहरी या कोई अन्य सामान्य शोर। न ही यह किसी पुराने घर के धंसने की आवाज़ थी।
“क्या तुमने वो सुना?” मैंने लगभग अनावश्यक रूप से कहा।
“हम सबने इसे सुना,” मेरी पत्नी ने कहा और मेरी तरफ देखा।
“मैं किस बात का इंतज़ार कर रहा हूँ?” मैंने जवाब दिया, और जितनी तेज़ी से आप घोस्ट हंटर कह सकते हैं, मैं सीढ़ियों से ऊपर चढ़कर उस कमरे में पहुँच गया जहाँ कदमों की आवाज़ सुनाई दी थी। कमरा पूरी तरह अंधेरा था। मैंने स्विच ऑन किया। वहाँ कोई नहीं था। उस समय घर में कोई और नहीं था, और सभी खिड़कियाँ बंद थीं। हमने ऊपर उस छोटे कमरे में इकट्ठा होने का फैसला किया जो उस कमरे के बगल में था जहाँ मैंने कदमों की आवाज़ सुनी थी। कारण यह था कि श्रीमती कोवान ने उस कमरे में एक बहुत ही असामान्य घटना का अनुभव किया था।
"यह बिजली की तरह था," उसने कहा, "एक तेज रोशनी अचानक आई और चली गई।"
मैंने कमरे का ध्यानपूर्वक निरीक्षण किया। खिड़कियाँ इस प्रकार व्यवस्थित थीं कि गुजरती कारों की रोशनी से परावर्तन की कोई संभावना नहीं थी। दोनों खिड़कियाँ, जो एक-दूसरे से काफी दूर और अलग-अलग दीवारों पर थीं, एकमात्र सड़क से दूर, अंधेरे ग्रामीण इलाके में खुलती थीं।
कैथरीन और मैं सोफे पर बैठ गए, और कोवान परिवार कुर्सियों पर बैठ गया। हम लगभग बीस मिनट तक चुपचाप बैठे रहे, सीढ़ियों से छनकर आ रही थोड़ी सी रोशनी के अलावा कोई और रोशनी नहीं थी। बहुत अंधेरा था, सोने के लिए तो पर्याप्त अंधेरा था, लेकिन लिखने के लिए पर्याप्त रोशनी नहीं थी।
जब मैं उस छोटे से कमरे की पिछली दीवार की ओर देख रहा था और उन कदमों की आहट के बारे में सोच रहा था जो मैंने अभी-अभी इतनी स्पष्ट रूप से सुनी थी, तभी मुझे अपने सामने वाले कोने में एक तेज़ सफ़ेद रोशनी दिखाई दी। वह चमकी और बहुत तेज़ी

से गायब हो गई, इतनी तेज़ी से कि मेरी पत्नी, जिसका सिर उस समय दूसरी ओर मुड़ा हुआ था, उसे देख नहीं पाई। लेकिन डोरोथी कोवान ने उसे देखा और कहा, "देखो, फिर से वही है। बिल्कुल वैसा ही जैसा मैंने देखा था।"
हालांकि यह क्षणिक था, मैं यह देख पाया कि प्रकाश ने सामने वाली दीवार पर छाया डाली, इसलिए यह मतिभ्रम तो नहीं हो सकता था।
मैंने श्रीमती मेयर्स को घर लाना ही बेहतर समझा, और हम जल्द ही न्यूयॉर्क वापस चले गए। जब हम श्रीमती मेयर्स को माध्यम बनाकर अपनी वापसी की तैयारी कर रहे थे, तभी मुझे बॉब कोवान का एक ज़रूरी फोन आया।
“जब से आप और कैथी हमारे घर आए हैं, तब से कुछ और घटनाएँ घटी हैं जिनमें आपको दिलचस्पी होगी। डॉटी और मैंने दोनों ने घर में खटखटाहट सुनी है, लेकिन हमारे पूछे गए सवालों का कोई सीधा जवाब नहीं मिला। शनिवार, 29 फरवरी को, मैं अपने स्टूडियो में झपकी ले रहा था, तभी ऊपर वाले कमरे में कदमों की आहट से मेरी नींद खुल गई... वही कमरा जिसमें हम सब पिछले रविवार को बैठे थे।”
“सबसे दिलचस्प घटना गुरुवार, 27 फरवरी की शाम को हुई। मैं रेलवे स्टेशन से अकेले घर लौट रहा था। डॉटी अभी भी न्यूयॉर्क में थी। जैसे ही मैं घर के पास पहुँचा, मैंने देखा कि मुख्य मंजिल के बेडरूम में और ऊपर की मंजिल पर स्थित सिलाई कक्ष में भी बत्ती जल रही थी, जिस कमरे का इस्तेमाल डॉटी अभ्यास के लिए भी करती है। मुझे लगा कि डॉटी ने बत्तियाँ जलती छोड़ दी होंगी। मैं घर के आगे से होते हुए गैरेज तक गया, गाड़ी खड़ी की और फिर वापस घर आया तो देखा कि ऊपर की मंजिल की बत्ती बंद थी।
“मैं घर में दाखिल हुआ और देखा कि कुत्ते शांत थे (मुझे देखकर थोड़े उत्तेजित तो हुए थे, लेकिन इससे यह बिल्कुल भी संकेत नहीं मिल रहा था कि घर में कोई और भी है)। मैं ऊपर गया और पाया कि बेडरूम की बत्ती भी बंद थी। मैंने पूरे घर की जाँच की और मुझे इस बात का कोई संकेत नहीं मिला कि अभी-अभी कोई वहाँ था... और मुझे पूरा यकीन है कि कोई था ही नहीं।”

रविवार, 15 मार्च को, हम फिर से शाम ढलते समय 1780 हाउस पहुंचे। नीचे के कमरे में हमारा स्वादिष्ट भोजन इंतजार कर रहा था, फिर हम घर के ऊपरी हिस्से में चले गए। हम उस बड़े से बैठक कक्ष में बैठ गए जहाँ से संगीत सुनाई दे रहा था, और जहाँ हम उस

समय खड़े थे जब हमने ऊपर से अजीबोगरीब कदमों की आहट सुनी थी।
“मुझे सफेद पोशाक में एक महिला का आभास हो रहा है,” एथेल ने अचानक कहा।
“उसके बाल काले हैं और माथा ऊंचा है। वह कद में छोटी है।”
बॉब कोवान ने सोच-समझकर कहा, "मैं थोड़ी देर पहले अटारी में कुछ ढूंढ रहा था, और देखो मुझे क्या मिला - एक जैकेट जो एक छोटी कद की महिला या लड़की को फिट आएगी।"
उसने हमें जो कपड़ा दिखाया, वह काफी बदबूदार लग रहा था। अटारी में कई ऐसी चीजें थीं जो घर के किसी पुराने मालिक की रही होंगी—काफी पुराने समय के।
कुछ ही क्षण बाद, एथेल मेयर्स में समाधि की अवस्था में जाने के विशिष्ट लक्षण दिखाई देने लगे। हमने सारी बत्तियाँ बुझा दीं, केवल एक ही रोशनी जल रही थी।
पहले तो माध्यम के होठों से केवल अस्पष्ट ध्वनियाँ निकलीं। मैंने उसे प्रोत्साहित करने के लिए कहा, "तुम बोल सकती हो, तुम दोस्तों के बीच हो।" फिर वे ध्वनियाँ रोने में बदल गईं।
मैंने हमेशा की तरह ऐसे मौकों पर पूछा, "आपका नाम क्या है?" हंसी गूंजी—यह हंसी बच्ची जैसी थी या पागलपन भरी, यह कहना मुश्किल था।
अचानक, वह तीखी आवाज में गाने लगी।
“तुम बोल सकती हो, तुम बोल सकती हो,” मैं उस सत्ता को बार-बार आश्वस्त करता रहा। अंततः ऐसा लगा कि उसने माध्यम पर कुछ हद तक नियंत्रण पा लिया है।
"आपसे बात करके खुशी हुई," उसने धीमी आवाज़ में कहा।
"आपका क्या नाम है?"
मुझे जवाब स्पष्ट रूप से समझने से पहले कई बार पूछना पड़ा।
“लूसी।”
"मुझे बताओ, लूसी, क्या तुम यहीं रहती हो?"
"भगवान आपके साथ हो।"
क्या आप इसी घर में रहते हैं?
"मेरा घ।"
यह कौन सा वर्ष है?
वह प्राणी एक पल के लिए झिझका, फिर डोरोथी की ओर मुड़ा और बोला, "मैं तुम्हें पसंद करता हूँ।"

मैंने उससे सवाल करना जारी रखा।
"आपकी आयु कितनी है?"
"बूढ़ी औरत।"
“कितनी उम्र है?”
"भगवान आपके साथ हो।"
बातचीत सौहार्दपूर्ण थी, लेकिन जब मैंने उससे पूछा, "आपके पति का नाम क्या है?" तो भूतनी ऐसे पीछे हट गई मानो मैंने कोई भयानक शब्द बोल दिया हो।
“तुमने क्या कहा?” वह लगभग चिल्लाई, उसकी आवाज़ भावनाओं से कांप रही थी।
“मेरा कोई पति नहीं है—भगवान तुम्हारा भला करे—तुम क्या कह रही थी?” उसने दोहराया, फिर रोने लगी। “पति, पति,” वह बार-बार कहती रही मानो यह एक ऐसा विचार हो जिसे वह सहन नहीं कर सकती हो।
तो फिर आपका कोई पति नहीं था?
"हाँ मैंने किया।"
“आपका नाम फिर से?”
“लूसी... सुंदर दिन... वह कहाँ है? सुंदर दिन... वह प्यारा सा लड़का, उसने मुझसे कहा था, तालाब में देखो और तुम्हें मेरा चेहरा दिखाई देगा।”
“वह कौन है?” मैंने दोहराया।
लेकिन उस भूत ने मेरी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। जाहिर तौर पर वह अपनी ही यादों में खोई हुई थी।
“मैंने एक आवाज सुनी, लूसी, लूसी—सुंदर—हाय—वे उसे बाहर ले गए—उन्होंने उसे जमीन में ठंडा लिटा दिया…”
मैं जानना चाहता था, “वह कौन सा साल था?”
“साल, साल?” उसने दोहराया। “अभी, अभी!”
“इस देश पर अब किसका शासन है?”
"क्यों, जिसने इसे जब्त किया।"
“शासन कौन करता है?”
“वे उन्हें बाहर ले गए… हमारे देश के रक्षक। जनरल वाशिंगटन।”
“उनकी मृत्यु कब हुई?”
"बस अब।"

मैंने उससे और सवाल पूछने की कोशिश की, लेकिन वह फिर से अपने पति के बारे में सोचने लगी।
“मैं यहीं रहना चाहती हूँ—मैं पूल के पास इंतज़ार करती हूँ—देखो, वह वहाँ है!” वह फिर से उत्साहित हो रही थी।
मैं अब यहीं रहना चाहती हूँ, हमेशा के लिए, सदा के लिए—शांति से विश्राम करो—वह हमेशा मेरे साथ है।
मैंने लगभग सहज भाव से पूछा, "आपकी मृत्यु को कितना समय हो गया है?"
प्रतिक्रिया कुछ हद तक शत्रुतापूर्ण थी।
मैं मरा नहीं हूँ—कभी नहीं—ऑल सेंट्स!
मैंने उससे विनती की कि वह अपने प्रियजन को पुकार कर उनसे मिल जाए और इस तरह इस घर से मुक्त हो जाए। लेकिन भूत ने मेरी बात नहीं मानी।
“मैंने जो कहा है उसका खंडन करो—”
मैंने अब पूछा, "आप इस घर में कैसे आए?"
“पिताजी—मैं यहीं पैदा हुआ हूँ।”
क्या यह तुम्हारे पिता का घर था?
"हाँ।"
“उसका नाम क्या था?” मैंने पूछा, लेकिन लूसी की बेचैन आत्मा अब शांत हो रही थी, और अल्बर्ट, जो माध्यम का नियंत्रण था, ने कमान संभाल ली। उसकी स्पष्ट और सटीक आवाज़ ने हमें बताया कि एथेल को मुक्त करने का समय आ गया है।
“लूसी नाम की इस महिला के बारे में क्या?” मैंने पूछा। कभी-कभी नियंत्रण अतिरिक्त जानकारी भी दे देता है।
“वह उसका पति नहीं था... उसकी शादी से पहले ही उसकी हत्या कर दी गई थी,” अल्बर्ट ने कहा।
इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि पति के बारे में मेरे सवाल ने लूसी को भावनाओं के उथल-पुथल में डाल दिया।
कुछ ही देर में एथेल मेयर्स अपने पुराने रूप में लौट आई, और हमेशा की तरह, उसे कुछ भी याद नहीं था कि उसके सम्मोहित होंठों से क्या निकला था।
इसके कुछ समय बाद ही मैं और मेरी पत्नी यूरोप चले गए।
वापस आते ही मैंने बॉब कोवान को फोन किया। स्टैमफोर्ड हिल में सब कैसा चल रहा

है? शांति है? बिल्कुल नहीं।
“जून में,” बॉब ने याद करते हुए बताया, “डॉटी और मैं एक दोस्त, एक महिला हेयर ड्रेसर, जो संयोग से मानसिक शक्तियों से ग्रस्त थी, के साथ घर पर थे। हम मजे के लिए, गंभीरता से नहीं, ओइजा बोर्ड से खेल रहे थे। अचानक, रविवार की दोपहर की शांति घर के बाहर सीढ़ियों पर भारी कदमों की आहट से भंग हो गई। हमने जल्दी से ओइजा बोर्ड को छिपा दिया, क्योंकि हम नहीं चाहते थे कि घर का कोई संभावित खरीदार हमें इस अजीबोगरीब काम में लगा हुआ देखे। हमें यकीन था कि कोई घर देखने आ रहा है। लेकिन दरवाजे पर पहुँचते ही कदम अचानक रुक गए। मैंने दरवाजा खोला, और बाहर कोई नहीं था।”
मैंने टिप्पणी की, "इस तरह से घर बेचना मुश्किल है। और कुछ?"
“हाँ, जुलाई में हमारे घर एक मेहमान आई थीं, बहुत ही संतुलित स्वभाव की, बेवजह की बातें सोचने वाली नहीं। ऊपर अचानक ज़ोरदार आवाज़ हुई, और जब मैं सिलाई वाले कमरे में भागी, तो कोने में रखा कपड़ा कमरे के बीचोंबीच पड़ा था, मानो किसी ने उसे वहाँ फेंक दिया हो! हमारी मेहमान मार्गरेट ने भी बाथरूम में किसी के गुनगुनाने की आवाज़ सुनी, हालाँकि उस समय वहाँ कोई नहीं था। फिर नवंबर में, जब घर में सिर्फ़ हम दोनों ही थे, तो नीचे किसी ने दरवाज़ा खटखटाया। हमने फिर देखा, लेकिन बाहर कोई नहीं था। एक शाम जब मैं 'जहाज़' वाले कमरे में थी और डॉटी बेडरूम में, तो हमें सीढ़ियों से नीचे आते कदमों की आहट सुनाई दी।”
"चूंकि हम दोनों में से कोई भी इन चीजों का कारण नहीं था और दरवाजा बंद था, इसलिए केवल एक भूत ही उन सीढ़ियों से नीचे उतर सकता था।"
“लेकिन सबसे डरावना अनुभव,” डोरोथी कोवान ने बीच में ही कहा, “तब हुआ जब मैं नीचे सो रही थी और जागने पर बिना लाइट जलाए बाथरूम जाना चाहती थी, ताकि बॉब न जाग जाए। टटोलते हुए वापस बिस्तर पर जाते समय, अचानक मैंने खुद को ऊपर की मंजिल पर नीले कमरे में पाया, जहाँ अंधेरे में चलना काफी मुश्किल था। मुझे ऐसा लगा जैसे कोई मुझे जबरदस्ती उस कमरे में ले जा रहा हो।”
मैंने काफी कुछ सुन लिया था, और 15 दिसंबर को हम एथेल जॉनसन मेयर्स को घर ले गए ताकि उसके भीतर मौजूद बेचैन आत्माओं से एक बार फिर बातचीत कर सकें। जल्द ही हम सभी पहली मंजिल पर बने जहाज के आकार के कमरे में बैठ गए, और एथेल समाधि की अवस्था में जाने लगी।

“यहाँ एक बच्चे का ताबूत है,” उसने धीरे से कहा। “बिल्कुल नवजात शिशु के ताबूत जैसा।”

हमारे पीछे लगी पुरानी घड़ी लगातार जोर-जोर से टिक-टिक कर रही थी।

“मुझे किसी के मैगी को पुकारने की आवाज़ सुनाई दे रही है,” एथेल ने कहा, “मार्गरेट।”

क्या आपको कोई दिखाई दे रहा है?

“एक महिला, लगभग पाँच फुट दो इंच लंबी, लंबी पोशाक पहने हुए, जिसके पीछे बड़ा सा घेरा है। बाल खुले हुए हैं, बीच से मांग निकाली हुई है और दोनों तरफ गुंथे हुए हैं। वहाँ एक और युवती है... लॉरी... बहुत सुंदर चेहरा है, लेकिन बहुत उदास है... वह तुम्हें देख रही है, हैंस...”

मैंने धीमी आवाज़ में पूछा, "वह क्या चाहती है?"

“भूरे घुंघराले बालों वाला एक युवक, जिसने कलाई पर कसी हुई सफेद शर्ट पहनी हुई थी, और उसके ऊपर हल्के भूरे रंग की जैकेट थी, लेकिन उसके ऊपर कोई कोट नहीं था...”

मैंने उससे पूछा कि वह क्या चाहता है और यहाँ क्यों आया है। इससे वह माध्यम थोड़ा विचलित हो गया।

“कुएं की तलहटी,” वह बुदबुदाई, “कुएं की तलहटी में पत्थर।”

बॉब कोवान अपनी जगह से हटकर ताबूत के दरवाजे से दूर कमरे के दूसरी तरफ चले गए। उन्होंने शिकायत की कि उन्हें पहले वाली जगह पर ठंड लग रही थी, हालांकि वहां न तो कोई दरवाजा खुला था और न ही कोई खिड़की, जिससे उन्हें ऐसा महसूस होता।

“किसी ने उसके कंधे पर एक छड़ी रखी हुई थी,” माध्यम ने अब कहा, “एक बूढ़ा आदमी गहरे रंग की पतलून और भारी मोजे पहने हुए था। उसके बाल भूरे और थोड़े लंबे थे; उसके पास वह छड़ी थी।”

मैंने उससे इसका कारण पता लगाने को कहा।

“उसे ले जाओ,” एथेल ने जवाब दिया। “वह कहता है, ‘उसे ले जाओ!’”

लेकिन वह निर्दोष था, वह कुएँ पर गया था। कुएँ में कौन है? जिसे मैंने कुएँ में धकेला था, उसे... जिसे मैंने गलती से कुएँ में धकेल दिया था...

एथेल अब पूरी तरह से सम्मोहित हो चुकी थी और ऐसा लग रहा था मानो वह बूढ़ा व्यक्ति उसके माध्यम से बोल रहा हो।

मैंने पूछा, “आपका नाम क्या है?”
“वह दुखी थी,” आवाज ने जवाब दिया, “वह इस बात से दुखी थी कि मैंने ऐसा किया।”
"आपका क्या नाम है?"
"इससे तुम्हारा कोई लेना-देना नहीं है।"
"मैं आपकी कैसे मदद कर सकता हूँ?"
“वे सब यहाँ हैं... मुझ पर आरोप लगा रहे हैं... मैं उसे हमेशा कुएँ के पास देखती हूँ।”
“क्या इस कुएं में किसी की मौत हुई थी?” बाहर, लगभग बीस गज की दूरी पर, कुआँ था, जो अब रात की ठंडी हवा में शांत और स्थिर था।
“जिसको मैंने गलत समझा था। मुझे शांति मिलती है, मुझे वह मिल जाता है, मैं उसे फिर से जोड़ देता हूँ।”
“वह कौन सा वर्ष था?”
"अब इससे तुम्हें कोई फर्क नहीं पड़ता... मैं खुद को माफ नहीं कर सकता... मैंने गलती की, मैंने गलती की... मुझे हमेशा उसका चेहरा मेरी तरफ देखता हुआ दिखाई देता है।"
मैंने पूछा, "क्या आप अभी इसी घर में हैं?"
“मैं और कहाँ हो सकता हूँ और तुमसे बात कर सकता हूँ?” भूत ने पलटकर पूछा।
मैंने धीमी आवाज़ में कहा, "यह अब तुम्हारा घर नहीं है।"
“हाँ, बिल्कुल,” भूत ने दृढ़ता से उत्तर दिया। “यह युवक यहाँ केवल मुझे देखने और मेरा उपहास करने के लिए रुका है। यह मेरा ही होगा। मुझे केवल उस मांस की परवाह है जिसे मैं फिर से हड्डी पर चढ़ा सकूँ और मैं उसे जीवन की उमंग और उस स्त्री के भरपूर प्रेम से परिपूर्ण करूँगा जिसने मेरे दुराचार के कारण पीड़ा सहन की।”
मैंने विषय बदलने के लिए पूछा, "क्या आपकी बेटी यहीं दफ़न है?" धीमी आवाज़ में, उस रहस्यमयी आवाज़ ने कहा, "हाँ।"
लेकिन उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि उन्हें अंतिम विश्राम के लिए कहाँ दफनाया गया था - या शायद उतना अंतिम नहीं।
इस समय भूत को एहसास हुआ कि वह अपने शरीर में नहीं है, और जैसे-जैसे मैंने उसे प्रक्रिया समझाई, वह धीरे-धीरे शांत होता गया। पहले तो उसे लगा कि वह अपने शरीर में है और इसका इस्तेमाल करके वह जिसे मारा था उसे फिर से जीवित कर सकता है। मैं उससे बार-बार पूछता रहा कि वह कौन है। अंत में, धीमी फुसफुसाहट में उसने जवाब दिया, "सैमुअल।"

और लॉरी?
“मेरी बेटी... ओह, वह यहाँ है, वह आदमी जिसके साथ मैंने अन्याय किया था... मार्गरेट, मार्गरेट!” अब वह भय से बहुत घबराया हुआ लग रहा था।
बड़ी घड़ी बजने लगी। भूत को किसी तरह लगा कि यह उसके लिए संकेत है।
“फैसला, फैसला... लॉरी... वे मुझ पर मुस्कुरा रहे हैं। मैंने हत्या की है। उसने मेरा हाथ पकड़ लिया है! जिसे मैंने चोट पहुंचाई है।”
लेकिन सैमुअल के लिए यह उत्साह असहनीय साबित हुआ। अचानक, वह गायब हो गया, और कुछ ही समय बाद, एथेल के शरीर में एक बिल्कुल अलग व्यक्तित्व ने प्रवेश कर लिया। वह लॉरी था।
“कृपया उसे माफ कर दीजिए,” उसने विनती की, “मैंने उसे माफ कर दिया है।”
आवाज मीठी और लड़की जैसी थी।
“सैमुअल कौन है?”
"मेरे दादा।"
"आपका सरनेम क्या है?"
“लॉरी हो-हो-...काश मुझे यही नाम मिल जाता।”
लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकी।
वह मुझे अपने प्रियतम का नाम भी नहीं बता सकीं, जिनकी हत्या उनके दादा ने की थी। उन्होंने बताया कि घर में उस नाम का जिक्र करना मना था, इसलिए अब उन्हें वह नाम याद रखने में कठिनाई होती है।
मैंने पूछा, “तुम्हारी माँ का नाम क्या है?”
“मार्गरेट।”
"आपका जन्म किस वर्ष में हुआ था?"
हिचकिचाते हुए आवाज ने कहा, "सत्रह सौ छप्पन।"
“यह कौन सा वर्ष है?”
“सत्रह सौ चौहत्तर में। हमने उन्हें सत्रह सौ चौहत्तर में दफनाया।”
"चर्च में?"
“नहीं, दादाजी इसे सहन नहीं कर सके। हमने उन्हें उत्तर की पहाड़ी पर दफनाया। हमने पूरी रात अपनी उंगलियों से खुदाई की।”
"दादाजी को मत बताना कि हमने इसे कहाँ रखा है।"

“यह यहाँ से कितनी दूर है?”
"लार्क पक्षी की सीधी उड़ान से ज्यादा कुछ नहीं।"
क्या कब्र पर कोई निशान लगा है?
"अरे नहीं।"
“तुम्हारे पिता को क्या हुआ?”
“अब घर पर नहीं, चला गया।”
मैंने लॉरी को समझाया कि घर जल्द ही बिक जाएगा, और उसे इसमें दखल नहीं देना चाहिए। कोवान परिवार को ऐसा लग रहा था कि उनके भूत किसी तरह सभी खरीदारों को दूर रख रहे हैं, भले ही पहली नज़र में यह बात अविश्वसनीय लगे। लेकिन वैसे भी, सभी मनोवैज्ञानिक शोध काफी असामान्य होते हैं, तो भला कौन कह सकता है कि क्या असंभव है?
लॉरी ने वादा किया कि वह दखल नहीं देगी और "उनके" घर के नए मालिक को स्वीकार कर लेगी। वह चली गई और फिर से अपने दादाजी के पापों की क्षमा मांग ली। फिर मैंने एथेल के नियंत्रक अल्बर्ट से माध्यम का नियंत्रण अपने हाथ में लेने को कहा। इसके बाद मैंने उससे इस पूरे मामले के बारे में पूछताछ की।
उन्होंने कहा, “पिताजी को यहाँ से बहुत दूर दफनाया गया है, लेकिन बाकी सभी को यहीं आसपास दफनाया गया है। सत्रह सौ सतहत्तर के दौरान... दादाजी को क्षमा मिलने के बाद ही यहाँ लाया गया। शव को यहाँ से निकालकर ईसाई रीति-रिवाज के अनुसार दफनाया गया।”
मैंने पूछा, "कब्र का पत्थर कहाँ है?"
“एक सफेद इमारत के पश्चिम में,” अल्बर्ट ने अपने सटीक, थोड़े लहजे वाले लहजे में उत्तर दिया, “इसी ज़मीन पर। कब्र का पत्थर टूटकर ज़मीन के पास पड़ा है। ऊपर का हिस्सा बदमाशों ने तोड़-फोड़ दिया है। बूढ़ा आदमी जा चुका है, युवक उसे हाथ पकड़कर ले गया है।”
उस युवक का नाम क्या था?
उसने उसे बेंजामिन कहकर पुकारा।
“क्या उसकी मौत कुएं में हुई थी?”
“यह सही है। पहाड़ी पर स्थित कब्र के अलावा उनकी कोई और कब्र नहीं है।”
क्या इस घर में अशांति फैलाने वाला व्यक्ति बूढ़ा ही है?

"वही मुख्य व्यक्ति है जो अपने गुंडों को लेकर उस युवक की तलाश में आता है।"
"लूसी कौन है?" मैंने पूछा, मेरा इशारा उस लड़की की ओर था जिसने पिछली बार वसंत ऋतु के अंत में आयोजित प्रेतात्माओं से संपर्क करने के सत्र में हमसे बात की थी।
“लॉरी, तुम इसी लड़की की बात कर रहे थे। उसका असली नाम लूसी है। दोनों एक ही व्यक्ति हैं।”
"क्या वास्तव में उसकी शादी उस युवक से नहीं हुई थी?"
“अपने तरीके से, वह ऐसी ही थी। लेकिन वे इसे स्वीकार नहीं करते थे। धार्मिक विचारों में मतभेद थे... लेकिन फिलहाल बेहतर होगा कि हम इस माध्यम को छोड़ दें।”
मैंने सिर हिलाया, और एक-दो क्षणों के भीतर एथेल वापस सामान्य हो गई, और वह इस बात से बहुत हैरान थी कि जब वह समाधि की अवस्था में थी तब क्या हुआ था।
मैंने बॉब कोवान से पूछा, "आप इन तारीखों को उस परंपरा से कैसे मिलाते हैं जिसके अनुसार यह घर सत्रह सौ अस्सी में बनाया गया था?"
उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
“यह महज एक परंपरा है। हमारे पास वास्तविक तिथि का कोई प्रमाण नहीं है।”
हम ऊपर स्थित सिलाई कक्ष में गए जहाँ हाल ही में ये घटनाएँ घटी थीं, और हम सब भारी लकड़ी की मेज के चारों ओर बैठ गए। एथेल लगभग तुरंत ही फिर से समाधि में चली गई। वह एक ही बार में दो बार समाधि में जाना बहुत कम ही जानती है।
अब लगभग अंधेरे में गूंज रही आवाज स्पष्ट रूप से एक पुरुष की थी, और वह बहुत ही प्रभावशाली आवाज थी।
मैंने पूछा, “तुम कौन हो?”
“सार्जेंट-मेजर…” इसके बाद कोई नाम नहीं बताया गया। मैंने पूछा कि वह इस घर में क्यों हैं।
"कुछ सुखद यादें हैं।"
"आपका नाम?"
“सार्जेंट-मेजर हार्म।”
"पहला नाम?"
इसे देने के बजाय, उन्होंने समझाया कि वह कभी इस घर के मालिक थे और "मित्र थे, शत्रु नहीं।" मैंने बॉब कोवान की ओर देखा, जो पुराने रिकॉर्ड में संपत्ति के सभी मालिकों को जानते थे, और बॉब ने अपना सिर हिलाया। कोई नुकसान नहीं।

“मैं जब चाहूँ तब आती हूँ। मैं जानबूझकर परेशान नहीं करती। लेकिन मैं जाऊँगी,” नए आगंतुक ने कहा, “मैं उसे अपने साथ ले जाऊँगी; आप उसे फिर कभी नहीं देखेंगे। अब मैं उससे संतुष्ट हूँ। वह भी मुझसे संतुष्ट है।”

मैंने पूछा, "तुम इस दुनिया से कैसे गुजरे?"

“युद्ध के मैदान पर। पोटोमैक नदी के किनारे... सत्रह सौ छिहत्तर।”

मैंने पूछा, “आप किस रेजिमेंट में थे?”

“यॉर्क. . . . आठ. . . . मैं पैदल सैनिक था . . . अठारहवीं रेजिमेंट . . .”

“कौन सी सेना?”

“वेन… वेन…”

“आपका कमांडिंग जनरल कौन था?”

“ब्रोडेरिक।”

“आपकी रेजिमेंट का कर्नल कौन था?”

“वेन, वेन।”

“आप सार्जेंट-मेजर थे?”

“सार्जेंट मेजर, अठारहवीं रेजिमेंट, पैदल सेना।”

“आपकी तैनाती कहाँ थी?”

“न्यूयॉर्क।”

“न्यूयॉर्क में कहाँ?”

“चैम्प्लेन।”

"क्या आप फिर से अपने रेजिमेंट कमांडर से पूछ रहे हैं?"

“ब्रॉडेरिक।” फिर उन्होंने भावुक होकर कहा, “पोटोमैक की पहली लड़ाई में गोलीबारी के दौरान मेरी मृत्यु हो गई।”

“तुम्हें कहाँ दफनाया गया है?”

फोर्ट टिकोंडेरोगा, न्यूयॉर्क।

मुझे आश्चर्य हुआ कि पोटोमैक नदी के किनारे लड़ रहे एक सैनिक को न्यूयॉर्क के उत्तरी हिस्से में कैसे दफनाया जा सकता है। लेकिन मुझे यह स्वीकार करना होगा कि "पोटोमैक" शब्द मेरे मुंह से इतनी धीमी आवाज़ में निकला था कि शायद मैं गलत था।

“आपकी मृत्यु की तिथि क्या है?”

“सत्रह सौ छिहत्तर।”

फिर, जैसे-जैसे आवाज़ अस्पष्ट होती गई, उसने कहा, "मैं अब जा रहा हूँ, लेकिन मैं तुम्हें उन लोगों से बचाऊँगा जो... जो भूखे हैं..." आवाज़ धीरे-धीरे शांत हो गई।
कुछ क्षण बाद, एथेल हल्के सिरदर्द के साथ समाधि से बाहर आई, लेकिन बाकी सब कुछ पहले जैसा ही था। हमेशा की तरह, उसे कुछ भी याद नहीं था कि समाधि की अवस्था में उसके मुंह से क्या निकला था।
हम कुछ समय बाद ही न्यूयॉर्क लौट आए, इस उम्मीद के साथ कि कोवान परिवार में सब कुछ शांत रहेगा, और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि 1780 हाउस में जल्द ही एक नया जागीरदार नियुक्त हो जाएगा।
मुझे भी वह रहस्यमयी संगीत सुनाई दिया, हालाँकि मुझे यकीन है कि इसका उन औपनिवेशिक भूतों से कोई संबंध नहीं है जिन्हें हम प्रकट करने में सक्षम थे। मैंने जो संगीत सुना वह दूर से आती रेडियो की आवाज़ जैसा लग रहा था, जबकि वास्तव में वह रेडियो नहीं था, क्योंकि आस-पास कोई घर नहीं है जहाँ से वह आवाज़ सुनाई दे सके। बैठक में कुछ क्षणों के लिए मुझे जो आवाज़ सुनाई दी, वह ऐसा लग रहा था जैसे कोई पूरा सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा इस सदी के अंत के आसपास लोकप्रिय संगीत बजा रहा हो। लोगों की भावनाओं की कई परतों से ओतप्रोत पुराने घर अक्सर वातावरण के हिस्से के रूप में संगीत और अन्य ध्वनियों को भी आत्मसात कर लेते हैं।
सार्जेंट-मेजर के बारे में क्या?
मैंने रेजिमेंट के रिकॉर्ड जाँचे। हार्म नाम का कोई सैनिक नहीं मिला, लेकिन हारमोन नाम के कई अधिकारी (और सैनिक) ज़रूर मिले। मैंने अपने टेप दोबारा जाँचे। भूत ने बहुत धीरे से "हार्म" नाम बोला था। वह हारमोन भी बोल सकता था। या शायद वह अपनी पहचान छिपा रहा था, जैसा कि वे कभी-कभी करते हैं।
लेकिन फिर मुझे एक बेहद दिलचस्प बात पता चली। कनेक्टिकट राज्य के दस्तावेज़ों में बेंजामिन हारमोन जूनियर लेफ्टिनेंट का ज़िक्र है, जो 1776 में एक स्थानीय रेजिमेंट में थे। मारे गए युवक की पहचान "बेंजामिन" के रूप में हुई थी। अचानक हमें हारम या हारमोन नाम का एक और भूत नज़र आता है, जो स्पष्ट रूप से एक वृद्ध व्यक्तित्व है। क्या वह मारे गए युवक का पिता था?
1780 हाउस का रिकॉर्ड तो यही है कि यह 1780 में बना था। लेकिन क्या उस जगह पर कोई दूसरी इमारत नहीं हो सकती थी? क्या 1780 हाउस किसी छोटे मकान का ही रूपांतरण था जिसका कोई लिखित रिकॉर्ड नहीं है?

हम इसे न तो साबित कर सकते हैं और न ही खंडन कर सकते हैं।
हालांकि, यह सच है कि चर्चाधीन समय में जनरल "मैड" एंथोनी वेन न्यूयॉर्क क्षेत्र में क्रांतिकारी सैनिकों के प्रभारी थे।
बहरहाल, यह सब ज्ञान आमतौर पर एक महिला आवाज प्रशिक्षक के पास नहीं होता है, और एथेल मेयर्स एक माध्यम होने के अलावा एक महिला आवाज प्रशिक्षक भी थीं।

मिडवेस्ट की पुकार

कुछ लोगों को लगता है कि मध्यपश्चिम के साधारण से इलाके में भूतों और प्रेतवाधित घरों का विचार ठीक नहीं बैठता। उनका मानना है कि भूत तो अंग्रेजी किलों और ज़्यादा से ज़्यादा न्यू इंग्लैंड की हवेलियों में ही पाए जाते हैं। लेकिन मध्यपश्चिम में—सचमुच! फिर भी, देश के हृदय के रूप में जाने जाने वाले सुनहरे गेहूं उत्पादक क्षेत्र से पत्रों, फोन कॉलों और यहां तक कि आगंतुकों का निरंतर प्रवाह बना हुआ है और अभी भी है। इसका मक्का से भी कोई लेना-देना नहीं है। डब्यूक और ओशकोश में जिन लोगों को मानसिक अनुभव होते हैं, वे ज़रूरी नहीं कि वही हों जिन्हें न्यूयॉर्कवासी इतने असभ्य तरीके से "गंवार" कहते हैं। कुछ बेहतरीन और सबसे समझदार दिमाग वाले लोग हमारे देश के मध्य भागों में ही पैदा हुए और पले-बढ़े हैं।
आर्ट लिंकलेटर के कार्यक्रम में मेरी उपस्थिति के बाद, मुझे ढेरों शिकायतें मिलीं। लोग मेरी किताब चाहते थे, और कई अन्य लोग बस मुझे अपने भूतों के बारे में बताना चाहते थे।
जॉयस सौले नाम की एक महिला ने मुझे जैक्सन, मिशिगन से पत्र लिखकर बताया कि

उन्हें अक्सर एक अदृश्य शक्ति का आभास होता था और अजीबोगरीब आवाजें सुनाई देती थीं; श्रीमती जोसेफिन यॉन्कर नाम की एक महिला साल्ट लेक सिटी के एक भूतिया घर में रहती थीं, जहाँ उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति का भूत देखा था जिसकी हत्या उसी कमरे में हुई थी जहाँ वह मौजूद थीं; विचिटा, कंसास की श्रीमती सैंड्रा स्टोवर ने मुझे अपनी माँ के बारे में बताया, जिनके भूत से उनका कई बार सामना हुआ था; कुछ पत्र सचमुच मार्मिक हैं और उनमें ईमानदारी और सच्चाई झलकती है। स्वाभाविक रूप से, मैं किसी भी अंतिम निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले हर मामले की पूरी तरह से जाँच करता हूँ।

कुछ पत्र ऐसे भी थे जिनका कोई खास महत्व नहीं था, या फिर ऐसे परेशान लोगों के मामले थे जिन्हें किसी परमानसिक विशेषज्ञ की बजाय एक अच्छे मनोचिकित्सक की ज़रूरत थी। लेकिन ऐसे पत्र आश्चर्यजनक रूप से कम थे। फिर, कुछ पत्र ऐसे भी थे जो लगभग हास्यास्पद रूप से सरल थे।

इलिनोइस के शिकागो निवासी एंथनी क्लिमास ने शिकायत की कि उनके घर में "दरवाजे पर दस्तक दी जा रही थी, छत पर जोर-जोर से पीटा जा रहा था, दरवाजे पर दस्तक दी जा रही थी और उन्हें नाम लेकर पुकारा जा रहा था।"

मुझे प्राप्त अधिकांश पत्रों में शायद सबसे विशिष्ट बात यह थी कि इलिनोइस के डेकाटूर की श्रीमती मथिल्डा अल्टर ने अपने भूतिया घर के बारे में लगभग संयमित तरीके से लिखा था:

जब मैं बच्चा था, मेरी माँ और हम पाँच बच्चे मिसौरी चले गए, जो राष्ट्रपति ट्रूमैन के गृहनगर लामार से मात्र नौ मील दूर था। लामार में ही एक ऐसा घर था जिसके दरवाज़े और खिड़कियाँ बंद करके कोई भी अंदर नहीं रह सकता था। लोग उस घर से डरते थे और कोई उसमें रहने तक को तैयार नहीं था।

जिस घर में हम रहने आए थे, उसके बारे में कहा जाता था कि वह भूतिया घर है। एक शाम हम सब रसोई में कोयले के चूल्हे के पास बैठे थे, शाम का समय था और कोई भी दीपक नहीं जल रहा था जिससे हल्की रोशनी के अलावा कोई और प्रकाश हो। घर के सामने वाली दीवार पर एक "खिड़की" दिखाई दी, जहाँ से लालटेन लेकर गुजरने वाले किसी व्यक्ति का होना असंभव था।

यह परछाई घूमती रही और हमारी रसोई की चारों दीवारों पर दिखाई दी। हमारे बड़े भाई बाहर देखने गए कि यह क्या है, लेकिन वहाँ कुछ भी दिखाई नहीं दिया। फिर हम ऊपर

सो गए और कई रातों को लड़कों के कमरे से हमारे कमरे से होते हुए सीढ़ियों के ऊपर तक, हमारे बिस्तरों के पास से हीथरब्लूम पेटीकोट की सरसराहट की आवाज़ आती और फिर वह आवाज़ धीरे-धीरे गायब हो जाती।

मुझे कभी समझ नहीं आया कि ये सब क्या था। फिर एक दोपहर मेरी बड़ी बहन और माँ रसोई में सिलाई कर रही थीं, तभी रसोई के ऊपर लड़कों के कमरे के फर्श पर एक ज़ोरदार आवाज़ आई, जैसे कोई चीज़ गिर गई हो, जैसे कोई अलमारी या वार्डरोब। माँ और बहन जल्दी से ऊपर गईं यह देखने के लिए कि आवाज़ किस बात की है, लेकिन सब कुछ अपनी जगह पर था। कोई भी चीज़ अपनी जगह से हटी हुई नहीं थी।

फिर एक रात मेरा बड़ा भाई शाम को जल्दी सो गया और लगभग एक घंटे बाद, उसके शयनकक्ष के फर्श से रसोई की ओर एक आवाज़ आई, जैसे कोई रसोई की कुर्सी को शयनकक्ष के फर्श पर आगे-पीछे खिसका रहा हो। खैर, उसके कमरे में कोई कुर्सी नहीं थी, और फर्श पर दीवार से दीवार तक कालीन भी बिछा हुआ था, इसलिए हम जानते थे कि यह नींद में उठा हुआ मेरा भाई नहीं था, लेकिन माँ ने ऊपर जाकर देखा कि क्या उन्हें कुछ दिखाई देता है।

कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है।

फिर जब स्कूल शुरू हुआ तो मैं और मेरा सबसे छोटा भाई रसोई की मेज पर पढ़ाई करते थे और मेरी माँ और बहन मुर्गियों के लिए अगले दिन के नाश्ते के लिए मक्का छीलने के लिए गोदाम में जाती थीं। जब वे नीचे थीं, तो मैंने और मेरे भाई ने सीढ़ियों में एक आवाज़ सुनी, जैसे कोई छड़ी के सहारे नीचे आ रहा हो।

मैंने लैंप उठाया और मैं और मेरा भाई सीढ़ियों के मोड़ पर गए और वहाँ एक बूढ़े, लंबी मूंछों वाले आदमी की आकृति खड़ी थी जिसके हाथ में एक छड़ी थी, जिसने हमें बहुत डरा दिया, क्योंकि मैं आठ साल का था और मेरा भाई ग्यारह साल का था, और वह बूढ़ा आदमी हमें घूर रहा था!

हम जल्दी से कुछ सीढ़ियाँ उतरकर चिल्लाते हुए भुट्टे के गोदाम की ओर भागे ताकि माँ और बहन को बता सकें। माँ जल्दी से घर की ओर दौड़ीं यह देखने के लिए कि बूढ़ा आदमी कैसा दिखता है, लेकिन वह गायब हो चुका था।

मां ने हमारे पड़ोसी को बताया, जिसने हमें इन चीजों के होने की आशंका जताई थी, और उन्होंने मां और मेरे बड़े भाइयों को बताया कि एक बूढ़े फेरीवाले की हत्या उसी कमरे में कर दी गई थी जिसमें मेरे बड़े भाई सोते थे और उसके शव को अटारी में रख

दिया गया था और उसका फेरीवाला का थैला हमारे घर के पीछे बहने वाली छोटी नदी के किनारे मिला था, साथ ही उसके कुछ कपड़े भी।
हम वहां दो साल तक रहे लेकिन आखिरी एपिसोड के तुरंत बाद हमने हार मान ली और वहां से चले गए।
नोट: मैं आपको यह भी बताना भूल गया था कि बेडरूम के फर्श पर खून का एक बड़ा धब्बा था, जो दोनों तरफ से लगभग तीन फीट व्यास का था, और यही वह जगह थी जहाँ हत्या की गई थी। हमें कभी पता नहीं चला कि इस घर में रहने वाले उन लोगों का क्या हुआ जिन्होंने यह काम किया था, लेकिन हमने उस धब्बे को ढकने के लिए फर्श पर दीवार से दीवार तक एक फटा हुआ कालीन बिछा दिया और यहीं से ये अजीबोगरीब आवाजें लगातार आने लगीं।
मुझे उम्मीद है कि मेरी कहानी से आप बोर नहीं हुए होंगे, लेकिन मैं आपको वहां घटी घटनाओं की सच्चाई बता रहा हूं।
नहीं, उसने मुझे बिल्कुल भी बोर नहीं किया था। सटीक और भावहीन गवाही देते हुए, उसने एक ऐसी कहानी सुनाई थी जिसकी समानताएं दुनिया के कई हिस्सों में मिलती हैं।
आयोवा के एल्केडर की श्रीमती हेरोल्ड शुल्टे ने लिखा:
मुझे इस तरह के कई अनुभव हुए हैं। एक बार घोर अंधेरी रात में, सुबह 3 बजे, जब मैं एक चौराहे पर रुकने के लिए गाड़ी चला रहा था, तब मुझे एक महिला का भूत दिखाई दिया। वह एक ग्रामीण कब्रिस्तान के ठीक सामने राजमार्ग के किनारे चल रही थी, और मैं तुरंत समझ गया कि वह क्या है।
मैं लगभग 200 फीट आगे जाकर एक और चौराहे पर पहुँचा, फिर गाड़ी घुमाकर वापस आया, लेकिन वह फिर भी चलती रही, मुझे बिल्कुल भी नहीं देखा। मैंने उसे अपनी गाड़ी की तेज़ रोशनी में दो बार देखा। यह मेरा अब तक का सबसे चौंकाने वाला अनुभव था, हालाँकि पहले भी ऐसे अनुभव हुए हैं। इन सब बातों से मुझे यह सोचने पर मजबूर होना पड़ता है कि क्या मैं भी कुछ लोगों की तरह मानसिक रूप से सक्षम हो सकता हूँ।
श्रीमती शुल्टे को आश्चर्य करने की आवश्यकता नहीं है। भूत को केवल एक माध्यम ही देख सकता था। हालांकि, प्रचलित अंधविश्वास के विपरीत, कब्रिस्तान आमतौर पर भूतों से मुक्त होते हैं, फिर भी यह संभावना बनी रहती है कि मृत्यु से भ्रमित कोई व्यक्ति खुद को ऐसी कब्र में पाए जिसके लिए वह तैयार नहीं थी, और उसका पहला और सबसे

प्रबल विचार तुरंत वहां से "दूर चले जाना" होगा।
अमेरिका की आबादी में मानसिक शक्तियों में गहरी दिलचस्पी है, जो देखने में जितनी लगती है उससे कहीं ज़्यादा गहरी है। हालांकि, घोस्ट हंटर के आने के बाद से लोग आगे आकर अपने अनुभवों के बारे में बात करने लगे हैं।
मिसौरी के इंडिपेंडेंस शहर से यह खुशनुमा संदेश आया:
हमने आपको पत्र लिखने का निर्णय लिया है। हम तीन लोग हैं। हमने एक ध्यान समूह से शुरुआत की थी। एक दिन मेज पर बैठे हुए, हममें से दो लोगों ने एक पुरुष की आत्मा देखी; हमने इतना तो देख लिया कि वह एक पूर्ण पुरुष का रूप था, लगभग 6 फीट लंबा। हम कुछ विशेषताएं पहचान सके, लेकिन सभी नहीं।
एक बार हमने लगभग पाँच फीट लंबी एक महिला की आत्मा देखी। हम उसके चेहरे के हाव-भाव भी पहचान सके। दोनों बार ये आत्माएँ बिना कुछ बोले गायब हो गईं। हमने ठंडी हवा का झोंका महसूस किया और अजीब गंधें सूंघीं। हमने एक अंधेरे कमरे में चांदी जैसी रोशनी की लकीरें देखीं।
हम तीन गृहिणियां हैं और इस विषय में हमें बहुत कम जानकारी है। श्रीमती डोना जॉनसन, श्रीमती एडिथ टेट, श्रीमती मैरी वर्थ।
कैलिफोर्निया के जीन लुंडहोम, जो तंत्र विद्या के अध्येता हैं, की बदौलत मुझे विस्कॉन्सिन के सुपीरियर में एक प्रेतवाधित घर के बारे में पता चला। गवाह समुदाय में प्रतिष्ठित पेशेवर नर्स थी। उनका बयान इस प्रकार है:
हम सन् 1909 में इस घर में रहने आए थे। हमने इसे चर्च से किराए पर लिया था, जो इसे पादरी के निवास के रूप में इस्तेमाल करता था। हमने देखा कि ऊपर, पीछे के स्टोररूम में एक अजीब सी गंध आ रही थी। पिताजी ने फर्श उखाड़ दिया, उन्हें लगा कि शायद फर्श के नीचे मरे हुए चूहे या गिलहरी हों। मेरी बहन ने फर्श को हाइलेक्स आदि से रगड़कर साफ किया, उन्हें लगा कि शायद कुछ गिर गया हो।
हमें कुछ भी नहीं मिला और हम इस घटना की व्याख्या कभी नहीं कर सके।
एक रात, जब माँ बगल वाले कमरे में बिस्तर पर लेटी थीं, तभी एक आदमी अंदर आया और बिस्तर के पास खड़ा होकर उन्हें घूरने लगा। माँ बहुत डर गईं। पादरी की पत्नी ने माँ को बताया था कि वह घर मनहूस है, लेकिन कारण नहीं बताया था। माँ ने हमें इसके बारे में तब तक नहीं बताया जब तक हम बड़े नहीं हो गए। विलियम पेन नाम का एक आदमी कभी उस घर में रहता था। कहा जाता है कि उसकी बेटी बिल्कुल मेरे जैसी

दिखती थी। माँ ने बताया कि कुछ देर बाद वह प्रेत अचानक गायब हो गया।
एक रात जब हम बच्चे रसोई की मेज पर बैठे थे, तभी हमें सीढ़ियों से किसी के धीरे-धीरे नीचे आने की आहट सुनाई दी। दरवाज़े का हैंडल घूमा और दरवाज़ा खुलने लगा। हम घर से बाहर भागे और गली में जाकर उन लोगों से मिले जो चर्च में थे।
बाद में, हमारे वहां से चले जाने के बाद, उस घर को अस्पताल को नर्सों के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में बेच दिया गया। संयोगवश, मैंने वहां प्रशिक्षण ले रही एक लड़की को बताया कि हम वहां रहते थे। उसने बताया कि उसे नर्सिंग स्कूल से निकाल दिया गया था क्योंकि अधिकारियों का कहना था कि जब वह घर लौटी और उसने इस खास कमरे में एक आदमी को देखने की सूचना दी, तो वह नशे में थी।
अक्सर हमें सभी सीढ़ियों पर कदमों की आहट सुनाई देती थी: ऊपर से नीचे और तहखाने से नीचे तक। खिड़कियों पर होने वाली खटखटाहट को माँ ने पेड़ों की शाखाओं के खिड़की से टकराने की आवाज़ बताया। हालाँकि, पेड़ घर के इतने करीब नहीं थे कि उन्हें छू सकें।

हिल्डुर लुंडहोम।

मिसौरी के सेंट लुइस की श्रीमती चार्ल्स ई. वोफोर्ड में अमेरिकी मूलनिवासी वंश का काफी अंश था।
मेरी दादी (जिन्होंने मुझे पाला-पोसा) चेरोकी इंडियन और आयरिश मूल की थीं, और वो इसे "दूसरी दृष्टि" कहा करती थीं। मैं उनसे बहुत प्यार करती थी, लेकिन मानती हूँ कि उनके साथ रहना थोड़ा मुश्किल था। हमारी एक छोटी सी कहासुनी हो गई थी। उनका देहांत हो गया और मुझे माफ़ी मांगने का मौका भी नहीं मिला। अंतिम संस्कार के बाद वाली रात मैं जाग गई तो देखा कि वो मेरे बिस्तर के पास खड़ी हैं। मैंने कहा, "माँ, आप यहाँ क्या कर रही हैं? आप तो मर चुकी हैं!" वो मुस्कुराईं। मैं रो पड़ी। "ओह, मुझे बहुत अफ़सोस है। मैंने जो कहा वो मेरा मतलब नहीं था। मैं आपसे बहुत प्यार करती थी।" "मुझे पता है तुमने किया, बेटा, अब इसके लिए दुखी मत हो। मैं भी तुमसे प्यार करती थी।" और इतना कहकर वह चली गई। आज तक मुझे यकीन है कि मैंने उसे सचमुच देखा था, लेकिन कौन साबित कर सकता है कि यह महज़ एक बहुत ही साफ़ और जीवंत सपना था? मुझे लगता है उसका एक अंश आज भी उस घर में मौजूद है। कभी-कभी ऊपर से कदमों की आहट और फर्नीचर के खिसकने की आवाज़ सुनाई देती थी। लेकिन इसे मेरी माँ, मैं और माँ के दो कुत्तों के अलावा किसी ने नहीं सुना, और वे तो

बस इसे सुनकर पागल हो जाते थे।
श्रीमती वोफ़ोर्ड को कई बार मानसिक शक्तियों से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ा, जिनमें प्रेत-दर्शन से लेकर पूर्वाभास तक शामिल थे। नौ अलग-अलग मौकों पर उन्होंने किसी के मरने या मर जाने की भविष्यवाणी की थी।
मुझे पता था कि मेरे सौतेले पिता की एक दुर्घटना में मृत्यु हो जाएगी। मैं उनकी पत्नी से फोन पर बात कर रहा था। मेरे मन में यह ख्याल आया, "पापा की दुर्घटना में मृत्यु हो जाएगी।" मैंने घड़ी पर नज़र डाली। शाम के 5:15 बज रहे थे। शाम 5:20 बजे मेरा फोन पूरी तरह से खराब हो गया और रात 9:00 बजे तक बंद रहा। नौ बजे घंटी बजी—पापा के दोस्तों में से एक का फोन था...
"मेरे पास तुम्हारे लिए बुरी खबर है, डॉट।"
“पापा की पांच सौ पंद्रह साल की उम्र में एक दुर्घटना में मौत हो गई थी, है ना?”
“जी हाँ! भगवान के नाम पर, आपको कैसे पता चला?”
मुझे नहीं पता मुझे कैसे पता चला... बस पता चल गया।
क्या किसी ने आपको बताया था?
“नहीं। यह विचार मुझे उसी समय आया। मैं पूरी शाम यहीं बैठकर आपके फोन का इंतजार कर रहा था।”
जिन लोगों ने मुझे अपने मानसिक अनुभवों के बारे में लिखा, वे किसी भी तरह से कुंवारी या बूढ़ी औरतें नहीं थीं जो बीते दिनों को धुंधली यादों में खोई हुई थीं। इंडियाना के फोर्ट वेन की कैंडी बॉसेलमैन केवल सत्रह वर्ष की थीं। उन्होंने लिखा:
मुझमें एक जन्मजात प्रतिभा है, लेकिन यह अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुई है। हमारे परिवार में यह हमेशा से रही है। मेरी माँ बहुत ही संवेदनशील हैं और किसी की मृत्यु से पहले उन्हें दरवाजे पर दस्तक या खिड़की पर कीलों से ठकने जैसी आवाजें सुनाई देती हैं। मेरी दादी के देहांत के समय मुझे एक पूर्वसूचना मिली थी। मैंने उनकी चीख तब सुनी जब वह शहर के दूसरे छोर पर थीं, और उनके दफनाने के तीन दिन बाद घर में फूलों की खुशबू महसूस की। कभी-कभी कोई मेरे पीछे-पीछे सीढ़ियों से नीचे आता है...
इंडियानापोलिस, इंडियाना के क्लिफोर्ड स्टील तो और भी छोटे थे। सोलह वर्ष की आयु के ये प्रतिभाशाली और लगभग विलक्षण बच्चे अपनी माँ के साथ इंडियानापोलिस की मेरी पिछली यात्रा के दौरान मुझसे मिलने आए थे।
उन्होंने परिचय देते हुए कहा, “मुझे अपने पिता की मृत्यु के बारे में उसी समय पता चल

गया था जब यह घटना हमारे पारिवारिक वाहन में लगभग पाँच मील दूर घटी थी। श्रीमती रूबी वॉन, जो वहाँ उपस्थित थीं, इस बात की पुष्टि कर सकती हैं।"

स्पष्टतः, युवा क्लिफोर्ड में कई प्रकार की मानसिक क्षमताएँ हैं। उसने धीरे से कहा, "जब राष्ट्रपति कैनेडी चुने गए थे, तब मैंने माँ से कहा था कि पद पर रहते हुए उनकी हत्या कर दी जाएगी।" श्रीमती स्टील ने सहमति में सिर हिलाया। उन्होंने आगे बताया कि यह 1960 की बात है, और इस घटना ने उन्हें बेहद भयभीत कर दिया था। जब क्लिफोर्ड केवल चार वर्ष का था, तब उसने एक "सफेद आकृति" देखने की शिकायत की थी जिसे कोई और नहीं देख पा रहा था।

1962 में, परिवार ओहियो के बेलमोंट में एक घर में रहता था, जो कई वर्षों से जॉन फ्रॉले की संपत्ति और घर था। बुजुर्ग की इच्छा के विरुद्ध, परिवार ने उन्हें थर्ड स्ट्रीट स्थित उनके घर से निकालकर एक नर्सिंग होम में भर्ती करा दिया, जहाँ अंततः उनका निधन हो गया। उनकी इस बात से स्पष्ट होता है कि वे वहाँ अत्यंत दुखी थे, क्योंकि अपनी बढ़ती उम्र और खराब स्वास्थ्य के बावजूद वे एक बार नर्सिंग होम से पैदल ही चले गए थे।

श्रीमती स्टील और उनके छोटे बेटे के घर में आने के कुछ ही समय बाद, उन्होंने एक अजीब सी मौजूदगी का एहसास किया। घर में कोई भी मौजूद न होने के बावजूद, घर की सजावटी चीज़ें टूटी-फूटी पाई गईं, और रात में दरवाजे अंदर से खुल जाते थे। ऐसा लगता था कि श्री फ्रॉले वास्तव में कभी गए ही नहीं थे।

इसके बाद स्टील परिवार इंडियानापोलिस में एक और घर में रहने लगा, जहाँ उन्हें गलियारे में कदमों की आहट साफ सुनाई देती थी। एक बार उन्होंने देखा कि दरवाजा अंदर से बंद है और उन्हें तहखाने से रेंगकर अंदर जाना पड़ा, हालाँकि उस समय घर में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जो ऐसा कर सकता था। लिफ्ट का शाफ्ट भी बंद था, और कदमों की आहट हमेशा शाफ्ट पर आकर रुक जाती थी। क्लिफोर्ड का मानना है कि घर का पिछला मालिक शाफ्ट में गिर गया और वहीं उसकी मौत हो गई।

एक्रोन, ओहियो की श्रीमती एडिथ ओ'ब्रायन का भी अज्ञात से सामना हुआ था, जो कि मेरे लिए उतना अज्ञात नहीं था, क्योंकि मैंने इसके बारे में कमोबेश एक ही पैटर्न में हजारों बार सुना था। उन्होंने लिखा:

कई साल पहले, मैं एक पुराने पारिवारिक मित्र के घर में कमरों में रहता था, जो लगभग दृष्टिहीन थे। हर रात, सोने से पहले मैं श्री हेनरी को बाइबल का एक अध्याय पढ़कर

सुनाता था। उस शाम जब हम बैठक कक्ष में बैठे थे और मैं वही अध्याय पढ़ रहा था, तभी रसोई के दरवाजे से भारी कदमों की आहट सुनाई दी और बैठक कक्ष के दरवाजे पर आकर रुक गई।

कहने की जरूरत नहीं है, मैं बहुत डरी हुई थी क्योंकि मैंने घंटों पहले सभी दरवाजे अच्छी तरह से बंद कर दिए थे, और घर में मेरे और मिस्टर हेनरी के अलावा कोई नहीं था। मैं कुछ बोल नहीं पाई, लेकिन श्री हेनरी ने मेरी तरफ देखा और कहा, "एडिथ, मुझे लगा कि हम घर में अकेले हैं।" मैंने पुलिस को बुलाया, जो आई और घर की अच्छी तरह से जाँच की, लेकिन उन्हें कुछ भी अस्त-व्यस्त नहीं मिला और घर में हमारे अलावा कोई नहीं था—कोई भी दरवाजा खुला नहीं था। अगली ही रात, श्री हेनरी के कमरे में रखी एक भारी ओक की मेज उनके बिस्तर पर पड़ी थी जब वे सोने गए। चूंकि श्री हेनरी लगभग अंधे थे, इसलिए मैं हमेशा उनके कमरे में जाने से पहले उनका बिस्तर खोल देती थी और सब कुछ ठीक था—भारी मेज अपनी जगह पर थी। इसके बाद, श्री हेनरी ने कहा, "इस घर में जल्द ही कुछ न कुछ घटित होगा। माँ की मृत्यु से ठीक पहले, ठीक इसी तरह के कदमों की आवाज सुनाई दी थी और एक दर्पण ऊपर से नीचे तक टूट गया था।" कुछ ही दिनों में, श्री हेनरी की मृत्यु हो गई।

मिल्ड्रेड ईस्टमैन ओहियो के विलोबी में रहती थीं, जो उन उदास ब्रिटिश किलों से बिलकुल अलग था जहाँ भूतों का वास माना जाता है। मृतकों या मरणासन्न लोगों के प्रेत-दर्शन उनके लिए कोई नई बात नहीं थी।

अठारह साल की उम्र से ही मुझे परलोक से कुछ दर्शन होते रहे हैं। मैं पुराने बैठक कक्ष के पीछे वाले कमरे में पियानो बजा रहा था, तभी मेरा ध्यान खुले दरवाजे की ओर गया। मैंने पियानो बजाना जारी रखा, लेकिन चारों ओर देखा तो एक छोटी कद की महिला वहाँ खड़ी थी, जिसने एक फूला हुआ गाउन पहना था, उसके हाथ गाउन की फुलरनेस पर क्रॉस किए हुए थे और उसके काले बाल बीच से बँधे हुए थे।

फिर मैंने देखा कि मुझे उसके आर-पार क्रिसमस ट्री दिखाई दे रहा था, और मैं चिंतित हो गया, और वह दृश्य गायब हो गया। तीन दिन बाद मेरी चाची मृत पाई गईं, और उनके सामान में एक पुरानी डैगरेओटाइप तस्वीर मिली, और वह बिल्कुल वही छोटी महिला थी जिसे मैंने अपने सपने में देखा था। वह मेरी चाची की माँ थीं।

एक बार फिर, जब मेरी माँ अस्पताल में बहुत बीमार थीं, मैं सुबह 7:30 बजे उठा, बिस्तर पर बैठ गया और यह देखकर आश्चर्यचकित रह गया कि बंद कमरे के दरवाजे पर

एक दूधिया सफेद रंग की आयताकार आकृति आ रही है। उसमें मेरी माँ प्रकट हुईं। उन्होंने वही कपड़े पहने थे जो मुझे याद थे; उन्होंने अपनी स्कर्ट खींची और अपनी टोपी को इस तरह छुआ जैसे कह रही हों कि मैं जा रही हूँ, मैं जा रही हूँ। मैंने कुछ देर तक यह देखा, फिर मैंने ज़ोर से कहा, "हाँ, माँ, आप इस दुनिया से चली गई हैं, मुझे यकीन है, और मुझे यही बताना चाहती हैं।"

उन्होंने एक घंटे बाद मुझे फोन करके बताया कि यही वह समय था जब वास्तव में उनका निधन हो गया।

श्रीमती एच. जे. वेइडमैन पेंसिल्वेनिया के डुक्वेस्ने में रहती थीं। उनके परिवार के सदस्यों को जीवन भर "ईएसपी" (विशेष दृष्टि और संवेदनशीलता) की समस्या रही और वे इसे पूरी तरह से सामान्य और अपने दैनिक जीवन का हिस्सा मानते थे।

एक रात पिताजी और मैं देर तक जाग रहे थे, तभी सुबह 4:00 बजे हमने रसोई के दरवाजे पर अपने दोस्त बिल श्मिट की आकृति देखी। पिताजी ने कहा, "बिल श्मिट का अभी निधन हो गया है," और ठीक सुबह 4:00 बजे, बिल का हमारे घर से लगभग दो मील दूर एक अस्पताल में निधन हो गया। तब हमें एहसास हुआ कि हमारे साथ कुछ "अलग" हो रहा है। पिताजी का निधन एक साल पहले हो गया था, लेकिन तब से वे कई बार हमारे घर आए हैं। हमारे लैंप अपने आप जलते-बुझते हैं, दरवाजे खुलते-बंद होते हैं; हमारा कुत्ता, जो पिताजी से बहुत प्यार करता था, अचानक उठकर अपनी पूंछ हिलाने लगता है, जैसा कि वह पिताजी के घर आने पर करता था। मेरे बेटे, थाड और क्रिस्टी, और पड़ोस का एक लड़का, माइक, उस समय यहीं मौजूद थे जब यह सब हुआ।

पिताजी हमारे सभी बेटों में इतनी दिलचस्पी लेते थे कि हमें लगता है कि वह अभी भी ऐसा कर रहे हैं।

भूत-प्रेत कुछ लोगों के लिए रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होते हैं, जो बिना किसी डर या चिंता के अपनी अलौकिक शक्तियों का इस्तेमाल करते हैं। बेशक, वे अपने अनुभवों के बारे में बताने वाले लोगों के प्रति सतर्क रहते हैं। बहुत से लोग ऐसी बातों का उपहास करते हैं जिन्हें वे समझ नहीं पाते, या जिन्हें वे किसी भी परिस्थिति में सच नहीं मानना चाहते, खासकर तब जब उनका जीवन दर्शन किसी भी रूप में परलोक में दृढ़ अविश्वास पर आधारित हो।

पेंसिल्वेनिया के पिट्सबर्ग की जेन डेम्पसी ने लिखा कि वह जीवन भर मानसिक दुनिया

के साथ रहीं।
1947 में मेरा एक बहुत गंभीर ऑपरेशन हुआ। ऑपरेशन से पहले, मेरी चाची, जिनका कई साल पहले निधन हो गया था, मुझे दर्शन दिए और कहा, “जेन, तुम्हारा एक बहुत गंभीर ऑपरेशन होने वाला है। ऑपरेशन के दौरान मैं कुछ देर तुम्हारे साथ रहूंगी, लेकिन ज्यादा देर नहीं रुक सकती। तुम्हें बहुत तकलीफ होगी, और सभी डॉक्टर सोचेंगे कि तुम मर रही हो, लेकिन तुम नहीं मरोगी।” ऑपरेशन नौ घंटे तक चला। सब कुछ वैसा ही हुआ जैसा उन्होंने कहा था।
1953 में मेरे पिता मुझे दर्शन दिए। अक्टूबर 1963 में, जब मेरी बहन बीमार पड़ी थी, तब मेरे बहनोई मुझे दर्शन दिए और कहा कि वह मेरी बहन को लेने आए हैं, जो उनकी पत्नी थी।
कई साल पहले मुझे ऐसा लगा कि मुझे अपनी एक सहेली से संपर्क करना चाहिए, जिससे मैं सालों से नहीं मिली थी। चूंकि मैं बहरी हूँ, इसलिए मैंने अपनी बेटी से उसे फोन करवाया। कुछ दिनों बाद ही उसका निधन हो गया। मुझे पता था कि उसके पास कुछ किताबें थीं जो मुझे चाहिए थीं। मैंने अपनी बेटी से उन लोगों से संपर्क करने को कहा जो उसकी चीजें हटा रहे थे। मेरी बेटी ने उस महिला से, जिससे हम कभी नहीं मिले थे, कहा, "मैं श्रीमती राल्स्टन की किताबें खरीदना चाहती हूँ।" महिला ने कहा, "माफ़ कीजिए, लेकिन मैं उनकी किताबों के साथ कुछ नहीं कर सकती। मुझे जेन बेडनार्ड्स नाम की एक महिला को ढूंढना होगा।" मेरी बेटी ने कहा, "यह मेरी माँ का मायके का नाम है।" महिला ने कहा, "ये सारी किताबें ले लीजिए, क्योंकि श्रीमती राल्स्टन मुझे दर्शन दे चुकी हैं और नहीं चाहतीं कि ये किताबें किसी और के पास जाएं।"
इस प्रकार श्रीमती डेम्पसी को उनकी पुस्तकें मिल गईं, और एक और मामला मानसिक अनुसंधान के विशाल इतिहास में दर्ज हो गया।
पेंसिल्वेनिया के वेस्ट एलिजाबेथ से श्रीमती हेलेन टोसी का एक पत्र आया, जिसमें उन्होंने बताया कि उन्हें एक भूत के बारे में "एक समस्या" थी।
हम सबने उसे कई साल पहले घर में देखा था, एक आदमी जो घर में रहता था और खदान में काम करते समय एक दुर्घटना में मारा गया था। मेरी दोनों बहनें एक रात बिस्तर पर थीं, जब वे जाग गईं तो उन्होंने उसे देवदार की पेटी पर बैठे देखा, और अचानक वह दालान में गायब हो गया। हमें रात में तहखाने में और रसोई में, जब हम बिस्तर पर होते हैं, तो तेज़ आवाज़ें सुनाई देती हैं। मुझे नहीं पता कि आगे क्या होगा।

उस आदमी की हत्या लगभग चालीस साल पहले, काम पर जाने के तुरंत बाद कर दी गई थी। उसका नाम मिस्टर फ्राइडे था। मुझे आज भी उसके कदमों की आहट सुनाई देती है।

और यही सिलसिला चलता रहता है। भले ही इंग्लैंड के हवेलीनुमा घर पेंसिल्वेनिया की कोयला खदानों से ज़्यादा ऐतिहासिक हों, लेकिन भूत तो अब भी विचरण करते हैं। परलोक में सारी सीमाएँ धुंधली हैं।

लेकिन मिडवेस्ट की पुकार के और भी पहलू हैं। कुछ क्षेत्रों में, जहाँ यह मायने रखता है, मानसिक मामलों में गहरी रुचि है। उदाहरण के लिए, जॉन जे. स्ट्रैडर जैसे लोग, जिनके पूर्वजों ने सिनसिनाटी शहर की स्थापना में योगदान दिया था और जो उस नदी किनारे बसे शहर के प्रमुख और प्रतिष्ठित नागरिकों में से एक थे। जैक स्ट्रैडर छठी इंद्रिय की घटनाओं में अपनी रुचि के बारे में किसी भी समझदार व्यक्ति से खुशी-खुशी चर्चा करते थे जो सुनने को तैयार होता था।

उन्हें इस बात पर कोई शर्म नहीं थी, जबकि आज भी कई प्रभावशाली लोगों को शर्म आती है। मुझे याद है जब मैं और मेरी पत्नी सिनसिनाटी में स्ट्रैडर परिवार के मेहमान थे। एक डिनर पार्टी में स्थानीय विश्वविद्यालय के अध्यक्ष ने मुझसे कुछ तीखे सवाल पूछे। श्री स्ट्रैडर ने उन्हें मुझसे दूर, मेज के उस पार बिठा दिया था, और डेढ़ घंटे तक हम सिर्फ जीवित रहने के वैज्ञानिक प्रमाणों के बारे में ही बात करते रहे। मुझे बिल्कुल याद नहीं कि उस शाम मैंने मिठाई में क्या खाया था, लेकिन मुझे याद है कि डॉ. लैंगसम बहुत प्रभावित हुए थे।

स्ट्रैडर परिवार से हमारी पहली मुलाकात बेहद असामान्य परिस्थितियों में हुई थी। मुझे क्रॉस्ली ब्रॉडकास्टिंग स्टेशनों पर रूथ लियोन्स के टेलीविजन शो में आने के लिए कहा गया था। मैं अभी-अभी कैलिफोर्निया से लौटा था, जहाँ मैंने आर्ट लिंकलेटर और स्टीव एलन के कार्यक्रमों सहित कई अन्य कार्यक्रमों में भाग लिया था। हालाँकि, 17 जनवरी को रूथ लियोन्स का पत्र पाकर मैं स्तब्ध रह गया, जिसमें उस चतुर टीवी हस्ती ने हमारी मुलाकात रद्द कर दी थी:

मुझे खेद है कि मैं आपकी पुस्तक 'घोस्ट हंटर' पर साक्षात्कार नहीं कर सकता, क्योंकि इससे काफी विवाद उत्पन्न हो सकता है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप अपने विश्वास में पूर्णतः निष्ठावान हैं, लेकिन मुझे डर है कि मुझे 'पैरासाइकोलॉजी' विषय पर पक्ष और विपक्ष दोनों तरह के ढेरों पत्र प्राप्त होंगे, जिन्हें हमारे कई दर्शकों के लिए समझना बहुत

कठिन होगा।
मुझे यह स्वीकार करना होगा कि मैंने मिस लायंस को एक तीखा पत्र लिखा था जिसमें मैंने उन्हें कई अन्य बातों के साथ-साथ यह भी बताया था कि उन्हें अपने श्रोताओं की बुद्धिमत्ता को कम नहीं आंकना चाहिए।
जब जैक स्ट्रैडर को लायंस की घटना के बारे में पता चला, तो वह इतना क्रोधित हुआ कि उसने व्यक्तिगत रूप से मेरी पत्नी और मेरे लिए सिनसिनाटी की यात्रा की व्यवस्था की, जिसमें टेलीविजन, रेडियो और प्रेस कवरेज की पूरी व्यवस्था थी, जो मुझे मूल रूप से मिलने वाली कवरेज से कहीं अधिक थी।
इसके अलावा, जैक और जोन स्ट्रैडर और उनकी बेटी जैकी से मिलने पर, हमने खुद को गहरे सहानुभूति रखने वाले लेकिन साथ ही समझदारी से आलोचना करने वाले लोगों के एक समूह में पाया, जिन्होंने पहले ही स्वचालित लेखन और मानसिक फोटोग्राफी जैसी मानसिक प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया था।
स्ट्रैडर परिवार का पैतृक घर रहस्यमयी घटनाओं से अछूता नहीं था। ऊपर के उस कमरे में, जहाँ श्री स्ट्रैडर की माताजी ने अपने अंतिम कष्टदायी क्षण बिताए थे, कभी-कभी कुछ अनसुनी आवाज़ें सुनाई देती थीं, जैसे कि दरवाज़े खटखटाने और कदमों की आहट, खासकर सुबह के शुरुआती घंटों में। जनवरी 1964 की एक शाम को, स्ट्रैडर परिवार एक आधुनिक और उन्नत प्लानचेट (मधुमक्खी पकड़ने का यंत्र) का उपयोग कर रहा था, जिसमें श्रीमती स्ट्रैडर द्वारा प्राप्त प्रत्यक्ष मानसिक संकेतों को शामिल करने की महत्वपूर्ण सुविधा भी थी, क्योंकि वह एक माध्यम थीं। उनकी बेटी शाम को बाहर गई हुई थी, और स्ट्रैडर परिवार, अपनी आदत के अनुसार, उसके लौटने का इंतजार कर रहा था।
लगभग 12:30 बजे, दरवाजे की घंटी बजी जिससे पता चला कि हमारी बेटी अपने साथी के साथ पार्टी से सुरक्षित घर लौट आई है। मैं दरवाजा खोलने गया और जैसे ही दोनों युवक दरवाजा बंद करके अंदर आए, चिमनी के चिमटे अपनी सामान्य जगह से उठकर लगभग तीन फीट दूर फर्श पर जा गिरे।
जैक्लीन जानती थी कि कोई दैवीय शक्ति ही इसका हल है, इसलिए आँखों में चमक लिए वह अगले कमरे की ओर बढ़ी जहाँ हम सब इकट्ठा थे और बोली, "थोड़ा धीरे चलो, आज रात माहौल बहुत गर्म है!" उस नौजवान को कोई स्पष्टीकरण नहीं मिला... और वह फिर कभी वापस नहीं आया।

मेरा मानना है कि अतिरिक्त ऊर्जा... ही वह वजह थी जिससे आग के चिमटे को हवा में उठाकर उछाला जा सका। मेरा यह भी मानना है कि इस "प्रदर्शन" का कारण हमारे अदृश्य मित्रों द्वारा हमारे उत्कृष्ट संपर्क में बाधा डालने या उसे भंग करने के विरोध में किया गया विद्रोह था। हालांकि, यह सिर्फ मेरा सिद्धांत है।
आपके आने से पहले मैं चिमटे को मजबूती से बांध दूंगा—बस एहतियात के तौर पर! खैर, मुझे तो वो चिमटा नज़र नहीं आया, लेकिन मैंने बगल वाले कमरे में जैक स्ट्रैडर की एक तस्वीर खींची, जिसमें वो ऑर्गन बजा रहे थे, जिस पर वो माहिर थे। उसमें वो ज़रूर दिख गया। बात ये है कि चिमटा और उसका डिब्बा ऑर्गन से कई गज दूर थे और मेरी खींची हुई तस्वीर में उनका होना नामुमकिन था। फिर भी, वो ऑर्गन पर ही दिख रहे हैं। मेरा कैमरा डबल-एक्सपोज़र से पूरी तरह सुरक्षित है। वाकई, अनदेखे दोस्तों ने मेरा बड़े ही शानदार तरीके से स्वागत किया।

वेदी पर भूत

मैंने कुछ समय से पिट्सबर्ग के पास एक चर्च में एक भूतिया पादरी के बारे में अफवाहें सुनी थीं, और जब मैं 1963 की वसंत ऋतु में स्टेशन KDKA-TV पर जॉन रीड किंग शो में आया, तो प्रसारण के बाद क्रू के एक सदस्य ने मेरे पास आकर मुझे बताया कि उसे भूतों के बारे में सुनना कितना अच्छा लगता है।
“क्या आपने कभी एम—— में उस भूतिया चर्च का दौरा किया है?” उसने पूछा, और मेरी स्वाभाविक जिज्ञासा जागृत हो गई। पिट्सबर्ग में एक भूत, और मैं उससे नहीं मिला? ऐसा तो हो ही नहीं सकता। लेकिन मेरा प्रवास समाप्त हो चुका था और मुझे

न्यूयॉर्क लौटना था।
फिर भी, एम—— की रहस्यमय शख्सियत मेरे दिमाग में छाई हुई थी। जब मैं सितंबर 1963 में पिट्सबर्ग लौटा, तो मैंने उस मामले को सुलझाने का पक्का इरादा कर लिया था।
स्टेशन KDKA के जिम सीगर और उनके रिपोर्टर जॉन स्टीवर्ट की मदद से, हमने एक कार, एक बेहतरीन पोर्टेबल टेप रिकॉर्डर और फोटोग्राफर जिम स्टार्क का इंतजाम किया। मेरे प्रसारण के तुरंत बाद, हम मिलवेल के लिए रवाना हो गए।
शायद किस्मत ने ही हमें नतीजे तक पहुँचाने की इच्छा जताई थी, क्योंकि जिस पहले पेट्रोल पंप पर हम रुके, वहाँ के कर्मचारी ने हमें भूतिया चर्च का रास्ता बता दिया। चर्च का नाम और उसके वर्तमान पादरी का नाम उनकी अपनी इच्छा से गुप्त रखा गया है, लेकिन कहानी सच है।
भूतिया चर्च एक भव्य रोमनस्क शैली की पत्थर की इमारत है, जिसका निर्माण शताब्दी के मोड़ पर पिट्सबर्ग नदी के किनारे एक ऊँची पहाड़ी पर किया गया था। यह एक स्कूल और पादरी के निवास से जुड़ा हुआ है और साफ-सुथरा और सुव्यवस्थित दिखता है; इसमें भूतिया या रहस्यमय जैसा कुछ भी नहीं है।
जब मैंने पादरी के निवास की घंटी बजाई, तो स्वेटर और पैंट पहने एक हट्टे-कट्टे, प्रभावशाली व्यक्ति ने दरवाजा खोला। मैंने उनसे चर्च के इतिहास के बारे में बात करने का अनुरोध किया। जाहिर है, उनमें असाधारण बुद्धिमत्ता थी, क्योंकि वे तुरंत समझ गए कि मैं क्या जानना चाहता हूँ।
“मैं एक पुजारी हूँ,” उन्होंने दृढ़ता से, स्लाविक लहजे में कहा। उनके साधारण कपड़ों को देखकर मैं थोड़ा चौंक गया, लेकिन उन्होंने समझाया कि पुजारियों को भी कभी-कभी आराम करने की अनुमति होती है। फादर एक्स, जैसा कि हम उन्हें बुलाएँगे, लगभग पैंतालीस या पचास वर्ष के सुशिक्षित और मृदुभाषी व्यक्ति थे, और उन्होंने सहजता से स्वीकार किया कि उन्होंने “आत्माओं” के बारे में अफवाहें सुनी थीं, लेकिन वास्तव में उनमें कोई सच्चाई नहीं थी। दरअसल, उन्होंने कहा, इस बारे में बात करने के लिए उनके वरिष्ठ, फादर एच.
कुछ देर बाद, फादर एच. को बुलाया गया और मुझे इस विषय के "विशेषज्ञ" के रूप में उनसे मिलवाया गया। जब फादर एच. को पता चला कि मैं एक परामानसिक विज्ञानी हूँ और उनके भूत में रुचि रखता हूँ, तो वे उत्तेजित हो गए। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, "मुझे

कुछ नहीं कहना है," और विनम्रतापूर्वक हमें बाहर जाने का इशारा किया। मैंने उनकी बात अनसुनी कर दी।

इसके बजाय, मैंने उनके चर्च में भूत-प्रेत की अफवाहों की पुष्टि या खंडन करने का अनुरोध जारी रखा। जाहिर है, फादर एच. असामान्य चीजों से डरते थे। कई पादरी ऐसा नहीं करते और वे उन चीजों के बारे में खुलकर चर्चा करते हैं जिनके अस्तित्व के बारे में वे जानते हैं। लेकिन फादर एच. एक बार एक अन्य लेखक, लुई एडमिक से मिले थे, और जाहिर तौर पर इस मुलाकात ने उन्हें मेरे जैसे अन्य सभी लेखकों से निराश कर दिया था।

ऐसा लगता है कि एडमिक, जो खुद भी एक क्रोएशियाई थे, ने अपनी एक किताब में वेदी पर भूत की कहानी का ज़िक्र किया था—और वो भी गंभीरता से—जो एडमिक जैसे नास्तिक के लिए वाकई एक बड़ी बात थी। फादर एच. ने प्रकाशन के लिए कुछ नहीं कहा।

“नहीं, नहीं, नहीं—कुछ नहीं। मैं आपको आशीर्वाद देता हूँ। अलविदा।” उन्होंने विधिपूर्वक झुककर हमारा प्रस्थान करने का इंतज़ार किया। लेकिन मैंने मुड़कर सहायक पादरी फादर एक्स को देखकर मुस्कुरा दिया।

“क्या हम चर्च देख सकते हैं?” मैंने कहा और इंतज़ार किया। वे मना तो कर ही नहीं सकते थे। फादर एच. समझ गए कि हम तुरंत नहीं जाएंगे और उन्होंने मान लिया कि उनके सहायक पादरी हमसे बात करेंगे।

“बहुत खूब। लेकिन मेरे बिना!” उसने आखिरकार कहा और चला गया। फादर एक्स को बस इतना ही चाहिए था। अब मैदान साफ था। धीरे से उसने एक सिगरेट जलाई और कहा, “जानते हो, मैंने खुद अपने गृह देश क्रोएशिया में दो साल तक पैरासाइकोलॉजी का अध्ययन किया है।”

उनके पहले आगमन के बाद, फादर एक्स के बारे में मुझे कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं लगा। जब हम प्रांगण से होते हुए गिरजाघर की ओर चल रहे थे, तो हम मानसिक अनुसंधान के गुणों पर एक जीवंत चर्चा में मशगूल हो गए। फादर एक्स हमें वेदी के द्वार से अंदर ले गए, और हमने अर्ध-अंधेरे में चमकती हुई सफेद और सुनहरी वेदी को राफेल की पुनर्जागरणकालीन पेंटिंग में से किसी एक दृश्य की तरह उभरते हुए देखा।

इस गिरजाघर में कुछ बहुत ही अनोखी बात थी। एक तो यह एक विशिष्ट यूरोपीय, स्लाव शैली से प्रभावित इमारत थी और इसे देखकर ऐसा लगता था मानो आप अपने से

भिन्न जातीय समूह के बीच में हों। विशाल मुख्य हॉल एक बालकनी पर समाप्त होता था, जिस पर एक पुराने ज़माने का, यानी बिना बिजली या स्वचालित, ऑर्गन प्रमुख स्थान पर रखा हुआ था। इसमें कोई संदेह नहीं कि इस गिरजाघर में होने वाली प्रार्थना सभाएँ भव्य और भावनात्मक रूप से संतोषजनक अनुभव प्रदान करती थीं।
हम वेदी के और करीब गए, जिसके दोनों ओर एक विशाल, भारी मोमबत्ती जल रही थी, जिसे यूरोपीय लोग 'शाश्वत प्रकाश' कहते हैं। "इस चित्र को देखिए," फादर एक्स ने कहा और वेदी के पीछे, भीतरी गुंबद के पूरे हिस्से को ढकने वाले घुमावदार भित्तिचित्र की ओर इशारा किया। चित्र में क्रोएशिया के मूल निवासी अपनी पारंपरिक वेशभूषा में थे, और क्रोएशियाई लोगों का एक समूह अपने चर्च का मॉडल प्रस्तुत कर रहा था। इन पारंपरिक दृश्यों को चटख रंगों और एक मनमोहक, आदिम शैली में चित्रित किया गया था जो कहीं और नहीं मिलती। मैंने चित्रकार के बारे में पूछा। पुजारी ने कहा, "मैक्सिम ह्लात्का," और मैंने तुरंत उस नाम को पहचान लिया, जो कुछ साल पहले दिवंगत हुए एक प्रसिद्ध युगोस्लाव कलाकार का नाम था। ये भित्तिचित्र शताब्दी के आरंभिक भाग में बनाए गए थे।
जब हम वेदी की सीढ़ियों पर खड़े होकर उसकी प्रशंसा कर रहे थे और वहां के अनुभवों को महसूस कर रहे थे, तो फादर एक्स ने शायद फिर से मेरे मन की बात जान ली, क्योंकि उन्होंने बिना किसी झिझक के कहा, "हाँ, यही वह स्थान है जहाँ 'आत्माओं को देखा गया था'।"
मुझे इस बात में कोई संदेह नहीं था कि हमारे सहायक पादरी इस घटना की सच्चाई के बारे में पूरी तरह से आश्वस्त थे।
मैंने पूछा, "आखिर हुआ क्या था?"
“कुछ समय पहले, फादर एच. और चित्रकार ह्लाटका, वे यहाँ वेदी के पास थे। ह्लाटका वेदी का चित्र बना रहा था और फादर एच. उसे देखने के लिए यहाँ थे। अचानक, ह्लाटका ने फादर का हाथ पकड़ा और बड़े उत्साह से बोला, ‘देखिए, फादर—यह व्यक्ति—चर्च में, वेदी के सामने कोई है!’”
“फादर एच. को पता था कि चर्च पूरी तरह से बंद है और इमारत में केवल वे और पेंटर ही मौजूद हैं। वहाँ कोई और व्यक्ति हो ही नहीं सकता। ‘कहाँ? कौन?’ उन्होंने कहा और गौर से देखा। उन्हें कुछ भी दिखाई नहीं दिया। ह्लाटका ने ज़ोर देकर कहा कि उसने अभी-अभी एक आदमी को वेदी के पास से गुज़रते हुए देखा और वह अचानक गायब हो गया।

वे बाईं ओर जल रही रोशनी के पास पहुँचे और अचानक ठंड का अनुभव किया। इतना ही नहीं, रोशनी भी बुझी हुई थी।"

"इस रोशनी को बुझाने के लिए इसके ठीक ऊपर किसी शक्तिशाली ब्लोअर या पंखे के अलावा किसी और चीज़ का इस्तेमाल करना नामुमकिन है। कांच से घिरी और धातु से ढकी ये शक्तिशाली मोमबत्तियाँ हवा और सामान्य हवा के झोंकों या इंसानी साँसों का सामना करने के लिए बनी हैं। सज्जनों, केवल किसी असाधारण शक्ति का होना ही इस रोशनी को बुझा सकता था।"

फादर एक्स थोड़ी देर रुके। उनकी बताई कहानी से मैं बहुत प्रभावित हुआ, और मुझे तुरंत समझ आ गया कि फादर एच हमसे क्यों दूर रहना चाहते थे। बिना देखे वे भला किसी आत्मा की उपस्थिति का दावा कैसे कर सकते थे? नामुमकिन। हमने कुछ तस्वीरें लीं और धीरे-धीरे बाहर निकलने की ओर चल दिए।

अब फादर एक्स का मेरे प्रति रवैया नरम हो गया और उन्होंने अपने बचपन का एक अनुभव सुनाया। ऐसा लगता है कि जब वे अपने गृह नगर क्रोएशिया में धर्मशास्त्र का अध्ययन कर रहे थे, तब वे लगभग एक दर्जन युवा छात्रों के एक समूह के बीच रहते थे, जो उनके जैसी मानसिक विद्या के प्रति रुचि नहीं रखते थे—बल्कि, वे उनका उपहास करते थे।

लेकिन उनके रूममेट एक युवक ने इस विषय को गंभीरता से लिया, इतनी गंभीरता से कि उन्होंने एक समझौता कर लिया—जो भी पहले मरेगा, वह दूसरे को सूचित करेगा। कुछ समय बाद, फादर एक्स, एक गर्म दोपहर में सोते हुए अचानक जाग गए। उन्हें पता चल गया था कि उनके मित्र की उसी क्षण मृत्यु हो गई है, क्योंकि उन्होंने उसे अपने बिस्तर के पास एक कुर्सी पर बैठे, हंसते और उन्हें हाथ हिलाते हुए देखा था। यह महज़ एक सपना नहीं था, बल्कि एक जीवंत और प्रभावशाली अनुभव था। फादर एक्स उस समय सो नहीं रहे थे; उस अनुभव ने वास्तव में उन्हें जगा दिया था।

उसने अपनी घड़ी देखी; दोपहर के ठीक तीन बज रहे थे। उसने जल्दी से अपने दोस्त के बारे में जानकारी जुटाई। कुछ ही घंटों में उसे वही पता चल गया जिसका उसे पहले से ही शक था—उसके दोस्त की एक दुर्घटना में ठीक उसी समय मौत हो गई थी जब उसने उसे सेमिनरी में उसके कमरे में देखा था!

मैंने कहा, "तो फिर तुम भविष्य देख सकते हो।"

फादर एक्स ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मैं कई मानसिक रूप से विक्षिप्त मामलों को

जानता हूँ। इटली में एक नन थी, जिसने अपने वरिष्ठों को यह बताने के लिए कि वह अब नरक में है, चर्च के दरवाजे पर अपने हाथों के निशान छोड़ दिए थे।"
फादर एक्स ने शांत स्वर में और एक ऐसे व्यक्ति के आत्मविश्वास के साथ बात की जो अपने विषय को अच्छी तरह जानता हो। "ये बातें तो हैं, लेकिन हम क्या कर सकते हैं? हम इन्हें आसानी से स्वीकार नहीं कर सकते।"
अचानक मेरे मन में एक विचार आया। क्या उसे इस बात का कोई अंदाजा था कि वेदी पर मौजूद भूत कौन था? फादर एक्स ने सिर हिलाया।
मैंने आगे कहा, "मुझे बताओ, क्या चर्च में किसी की हिंसक मौत हुई थी?"
फिर से, नकारात्मक उत्तर।
मैंने कहा, "यह अजीब बात है। क्या इस चर्च से पहले इस जगह पर कोई और इमारत थी?"
"नहीं," फादर एक्स ने बेपरवाही से कहा।
मैंने जवाब दिया, "यह तो और भी अजीब है, क्योंकि मेरे शोध से पता चलता है कि उन्नीसवीं शताब्दी में यहां एक पुजारी थे, और उन्हीं का भूत देखा गया है।"
पिता एक्स ने बड़ी मुश्किल से अपनी बात कही।
"दरअसल," उन्होंने अब कहा, "आप सही कह रहे हैं। इस जगह पर पहले एक लकड़ी का गिरजाघर था। वर्तमान पत्थर की इमारत लगभग उन्नीस सौ एक की है। फादर रानजिंगर ने लकड़ी का गिरजाघर बनवाया था।"
"क्या यह लगभग अठारह सौ पचासी के आसपास था?" मैंने पूछा। मेरे नोट्स में यही लिखा था।
"शायद सही है," पादरी ने कहा, और अब मेरी जानकारी पर उन्हें कोई आश्चर्य नहीं हुआ।
"फादर, उस लकड़ी के गिरजाघर का क्या हुआ?" मैंने पूछा, और यहाँ मुझे कोई जवाब नहीं मिला, क्योंकि मेरी खोजबीन से मुझे इसके बारे में और कुछ पता नहीं चला।
"ओह, वह तो जलकर राख हो गया। पूरी तरह से। नहीं, किसी को चोट नहीं आई, लेकिन चर्च पूरी तरह से नष्ट हो गया।"
ऐसा प्रतीत होता है कि फादर रानज़िंगर का प्रिय लकड़ी का गिरजाघर आग की लपटों में जल गया, और अपने अनुयायियों के साथ बिताए पंद्रह वर्षों ने उनके मन में गहरी भावनात्मक छाप और लगाव पैदा कर दिया होगा। क्या यह संभव नहीं है कि इमारत के

प्रति फादर रानज़िंगर का लगाव पत्थर की इमारत के पूरा होते ही उस पर स्थानांतरित हो गया हो?
क्या वेदी के सामने उन दोनों आदमियों ने उसी का भूत देखा था? जब तक वह दोबारा प्रकट नहीं होता, तब तक हम नहीं जान पाएंगे, लेकिन भूत हो या न हो, पिट्सबर्ग का भूतिया चर्च विश्राम और प्रार्थना करने के लिए एक सुंदर स्थान है।

दबे हुए खनिकों का मामला

अगस्त 1963 के उत्तरार्ध में, संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रत्येक समाचार पत्र में पेंसिल्वेनिया के हेज़लटन में हुई एक खदान की गुफा ढहने की घटना का दिन-प्रतिदिन का विवरण प्रकाशित हो रहा था। डेविड फेलिन और हेनरी थ्रोन नामक दो व्यक्ति ढही हुई खदान की शाफ्ट के तल में चौदह दिनों तक जीवित रहे और अंततः एक विशेष रूप से खोदी गई सुरंग के माध्यम से उन्हें बचाया गया।
28 अगस्त को फेलिन ने एसोसिएटेड प्रेस को एक साक्षात्कार दिया, जिसमें उन्होंने कहा:
अब वे मुझे यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि वे सब चीजें मतिभ्रम थीं, कि हमने यह सब कल्पना की थी।
हमने ऐसा नहीं किया। हमारा दिमाग हमें धोखा नहीं दे रहा था। मैं जीवन भर एक व्यावहारिक और दृढ़ निश्चयी कोयला खनिक रहा हूँ। खदान में मेरा दिमाग बिल्कुल साफ था। और आज भी साफ है।
हमने वही देखा जो हम कह रहे हैं। ये सब बातें घटीं। मैं इन्हें समझा नहीं सकता। मुझे तो

यह सोचने से भी डर लगता है कि इसका क्या कारण हो सकता है।
उदाहरण के लिए, चौथे या पाँचवें दिन, हमने यह दरवाज़ा देखा, हालाँकि ऊपर से या हमारे हेलमेट से कोई रोशनी नहीं आ रही थी। दरवाज़ा तेज़ नीली रोशनी से ढका हुआ था। यह बहुत स्पष्ट था, सूर्य की रोशनी से भी बेहतर।
दो साधारण से दिखने वाले आदमियों ने, जो खनिक नहीं थे, दरवाजा खोला। दूसरी तरफ हमें संगमरमर की खूबसूरत सीढ़ियाँ दिखाई दीं। कुछ देर तक ये सीढ़ियाँ दिखती रहीं और फिर दिखना बंद हो गईं। हमने कुछ और चीजें देखीं जिन्हें मैं बयान नहीं कर सकता।
एक बात तो मुझे हमेशा से पक्की पता थी। मुझे पूरा यकीन था कि हम बाहर निकल जाएंगे, चाहे मुझे खुद ही हमें बाहर निकालना पड़े।
पहले ही दिन एक अजीब घटना घटी। हम [हेनरी थ्रोन और लुई बोवा] उस सुबह खदान में उतरे हुए अभी पांच मिनट भी नहीं हुए थे कि मेरे पेट में थोड़ी गड़बड़ महसूस होने लगी।
मैंने कहा, "चलो एक घंटे के लिए बाहर चलते हैं।"
लेकिन लड़कों ने मुझे रुकने और पहले कुछ काम निपटाने के लिए मना लिया।
तो हम सुरंग के तल पर, 300 फीट से भी अधिक नीचे, वहीं रुके रहे। लुई एक तरफ था और मैं और हैंक दूसरी तरफ।
लुई ने बग्गी (एक छोटी गाड़ी जो पटरियों पर कोयला ऊपर तक ले जाती है) के लिए बजर दबाने के लिए हाथ बढ़ाया। उसने बजर दबाया और पीछे हट गया। फिर यह घटना घटी।
अचानक सब कुछ नीचे गिरने लगा—लकड़ी, कोयला, पत्थर। सारा सामान हमारे और लुई के बीच से तेज़ी से नीचे आ रहा था। फिर लगभग आधे मिनट के लिए शांति छा गई। फिर से वही सब कुछ शुरू हो गया। यह सिलसिला कुछ देर तक रुक-रुक कर चलता रहा।
हम वहां बैठे रहे, अंधेरे में और भी सरसराहट सुनने के लिए अपनी पूरी कोशिश करते रहे। हम लगभग 6 फीट लंबे, 5 फीट चौड़े और लगभग 3 फीट ऊंचे उस स्थान पर दीवार के सहारे 14 से 16 घंटे तक बैठे रहे।
आपने मुझसे उन अजीब चीजों के बारे में पूछा जो हैंक ने देखी थीं। सच कहूँ तो मैंने उससे कहीं ज़्यादा अजीब चीजें देखी थीं। लेकिन मुझे उस बारे में बात करना मुश्किल

लगता है।
मुझे पूरा यकीन है कि हमने जो देखा, वो सच था। हम उन्हें कल्पना नहीं कर रहे थे। ऊपर मौजूद लोगों से संपर्क होने से पहले भी, हमें बीच-बीच में रोशनी दिख रही थी। वरना नीचे हमने जो काम किया, उसे कैसे समझा जा सकता है? हम सारा काम अंधेरे में तो नहीं कर सकते थे।
मुझे सचमुच डर तब लगा जब हमने बिजली के खंभों जैसे कपड़े पहने दो आदमियों को देखा। मुझसे यह मत पूछो कि ऐसे आदमी नीचे क्या कर रहे थे। लेकिन मैंने उन्हें देखा था।
हैंक ने मुझसे दो-तीन बार कहा कि मैं उन आदमियों से थोड़ी रोशनी मांग लूँ। यह सोचकर मैं बुरी तरह डर गई। मुझे लगा कि यह हमारे बस की बात नहीं है, हमें इस बारे में बात भी नहीं करनी चाहिए और न ही कुछ करना चाहिए।
लेकिन हैंक ने ऐसा नहीं किया। हैंक ने उन आदमियों से कहा, "अरे यार, क्या तुम हमें कुछ रोशनी दिखा सकते हो?"
उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, और कुछ देर बाद वे हमें फिर कभी नहीं दिखे।
खैर, मृत्यु के करीब पहुंचे लोगों द्वारा समय-समय पर इसी तरह के विवरण दिए गए हैं; आर्थर फोर्ड एक बार अस्पताल में इसी स्थिति में थे, और उन्होंने दरवाजे और उसे संचालित करने वाले लोगों का सजीव वर्णन किया, इससे पहले कि वे एक बार फिर इस दुनिया में लौट सकें।
क्या डेविड फेलिन को जीवन के दूसरे पहलू, अदृश्य जगत, मानसिक शक्तियों की दुनिया की झलक मिली थी? शायद मिली हो। शायद ये शक्तियां उन्हें सतह पर लौटने में मदद कर रही थीं। एक टेलीविजन साक्षात्कार में फेलिन ने यह भी दावा किया कि उन लोगों ने उन्हें एक संदेश दिया था, लेकिन वे उस पर चर्चा नहीं कर सकते थे।
लगभग इसी समय, गाय डे मैगियो नाम के एक मिल मजदूर को फेलिन और उसके साथ आए अलौकिक प्राणियों का दर्शन हुआ और उसने फेलिन के बोले हुए शब्द भी सुने। यह अनुभव इतना सजीव था कि उसने लोगों को इसके बारे में बताने का भरसक प्रयास किया। यह घटना स्थल से कई मील दूर थी और फेलिन के बचाए जाने के बाद ही इसकी पुष्टि हो सकी। क्या दोनों व्यक्ति एक ही अलौकिक तरंगदैर्ध्य से जुड़े थे?
स्थानीय मनोचिकित्सकों ने फेलिन को यह समझाने की पूरी कोशिश की कि उसे मतिभ्रम हुआ था। लेकिन फेलिन अपने अनुभव को लेकर आश्वस्त था। और मैं भी।

मैंने दोनों खनिकों को पिट्सबर्ग टेलीविजन पर मेरे साथ आने के लिए मनाने की कोशिश की। उन्होंने मना कर दिया। उन्हें हंसी का पात्र बनने का डर था। फिर घटना की बरसी पर फिलाडेल्फिया संडे बुलेटिन के एक रिपोर्टर ने उनका साक्षात्कार लिया।
हाँ, यह सच था कि डेविड फेलिन ने संगमरमर की सुंदर सीढ़ियों वाला एक दरवाज़ा देखा था, लेकिन वहाँ कुछ लोग भी थे, जो देखने में इंसान लग रहे थे, और सीढ़ियों से ऊपर-नीचे आ-जा रहे थे। फिर भी, किसी तरह वह और हैंक थ्रोन उस दरवाज़े से अंदर जाने से डर रहे थे।
“क्या आपने देखा कि दरवाजे के दूसरी तरफ क्या था?” रिपोर्टर ने पूछा।
“दूर-दूर तक फैला एक खूबसूरत बगीचा। फूल यहाँ धरती से कहीं अधिक सुंदर थे, घास कहीं अधिक हरी थी। मुझे पता था कि यह कोई खास जगह है।”
क्या उस आदमी ने दरवाजा खुला रखा था?
"नहीं," हैंक ने उसे रोकने के लिए चिल्लाया, लेकिन दरवाजा जोर से बंद हो गया।
"फिर क्या हुआ?"
“हैंक को गुस्सा आ गया। उसने कहा: ‘मुझे वो हथौड़ा दो। मैं वो दरवाजा खोल दूंगा।’ हथौड़ा मेरे पास ही पड़ा था, और मैंने उसे बस उसे दे दिया। उसने उसे लिया और दरवाजे की ओर दौड़ा, फिर उस पर हथौड़ा चला दिया। तभी उसके हाथ की एक हड्डी टूट गई। और उसके दाहिने गाल पर चोट लग गई।”
दरवाजे को क्या हुआ?
"वह गायब हो गया, और रोशनी चली गई।"
“कौन सी रोशनी? वह कैसी दिखती थी?”
"यह नीली रोशनी थी, दिन के उजाले जैसी नहीं।"
"क्या आप और हैंक दोनों ने यह दरवाजा और रोशनी देखी थी?"
“हाँ। पोप जॉन भी। लेकिन हैंक को नहीं पता था कि यह पोप जॉन हैं, जब तक हम अस्पताल नहीं पहुँचे और पादरी मेरे लिए पोप जॉन की तस्वीर वाली एक किताब नहीं लाए।” (पोप जॉन XXIII का निधन 3 जून, 1963 को हुआ था।)
चलिए शुरुआत से शुरू करते हैं।
“मैं यहाँ बैठा था, और हैंक ठीक वैसे ही बैठा था जैसे तुम बैठे हो [उसकी ओर मुँह करके]। वह बार-बार मेरे कंधे के ऊपर से देख रहा था। एक बार मैंने ऊपर देखा तो वहाँ पोप जॉन थे। उन्होंने अपनी बाहें बाँध रखी थीं और बस हमारी ओर देख रहे थे। उन्होंने

कुछ नहीं कहा।"
"क्या आपने और हैंक ने उससे बात की?"
मैं पूछता, 'क्या हमारा दोस्त अभी भी वहीं है?' या 'आज हमारा दोस्त कैसा है?' हैंक मुस्कुराता और कहता कि वह अभी भी वहीं है।
"क्या आपने उन्हें यह नहीं बताया था कि यह पोप जॉन हैं?"
मुझे लगा कि हैंक एक प्रोटेस्टेंट है, और वैसे भी वह उसे नहीं जानता होगा।
"तो फिर उसे कैसे पता चला?"
"जब वे हमें अस्पताल ले गए, तो मेरे पादरी ने मुझे एक किताब दी जिस पर पोप की तस्वीर थी। और हैंक ने किताब की ओर इशारा करते हुए कहा, 'अरे, ये वही आदमी है जिसे हमने देखा था, डेव।'"
"क्या आपने और हैंक ने उनसे मिलते समय इन चीजों पर चर्चा की थी?"
"नहीं, ज्यादा नहीं। जब हमने सीढ़ियों पर उन लोगों को देखा तो मैंने उससे कहा कि हम किसी चीज़ में फंस गए हैं। मैंने उस खदान को, जहाँ हम फंसे थे, 'आत्माओं का कब्रिस्तान' नाम दिया था। और मैंने उससे कहा कि हम आत्माओं के कब्रिस्तान में आ गए हैं।"
बाद में रिपोर्टर ने थ्रोन से बात की, जिसने बताया कि उसने दरवाजा, सीढ़ियाँ और पोप जॉन को देखा था। पोप जॉन XXIII उस समय आध्यात्मिक रूप से परदे के दूसरी ओर थे, जब दो दबे हुए खनिकों ने उनका दर्शन देखा था।
लंदन साइकिक न्यूज़ ने भी इस कहानी को उठाया और इसे प्रमुखता से प्रकाशित किया। उन्होंने इसे इस शीर्षक से छापा:
दफन खनिक
डरता नहीं है
अब और मरना नहीं चाहता
वे यह देखने के बाद नहीं कि उन्हें कहाँ जाना होगा।

दक्षिणी हवेली के भूत

दक्षिण के मेज़बान की तरह विनम्र और दक्षिणी भूतों की तरह रंगीन कोई नहीं। कभी-कभी सच और मनगढ़ंत बातों में फर्क करना मुश्किल हो जाता है, लेकिन मैंने दक्षिण के कुछ घरों में मौजूद तथ्यों का पता लगाने के लिए मैग्नोलिया की खुशबू से भरे पर्दे को चीर दिया है, जो कि असलियत का एक छोटा सा हिस्सा ही है, क्योंकि दक्षिण की त्रासदी, भले ही न्यू इंग्लैंड की हिंसा या बीहड़ पश्चिम की तुलना में कम गंभीर हो, ने कई रहस्यमय पात्रों को जन्म दिया है।

मेरी पत्नी और मैंने मई 1963 में वर्जीनिया के चार्लोट्सविले क्षेत्र में और अगले वर्ष अप्रैल में उत्तरी कैरोलिना में समय बिताया।

दोनों ही मौकों पर हम इतने भाग्यशाली थे कि हम "सही" लोगों को जानते थे, इसलिए हमारा हर जगह खुले हाथों से स्वागत किया गया और - एक भूत शिकारी के लिए इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण - खुले दरवाजे और रहस्य बताए गए।

उदाहरण के तौर पर, वर्जीनिया के कैसल हिल को ही ले लीजिए। वहां का भूत भले ही आम भूतों की श्रेणी में न आता हो, लेकिन उसकी मौजूदगी की पुष्टि हो चुकी थी और गवाहों के नाम ज्ञात थे। वह घर अपने आप में भव्य था और अपनी तरह का इकलौता था।

उस समय यह कर्नल क्लार्क लॉरेंस का निवास स्थान था, और इसका एक रोचक इतिहास है। मैं कर्नल द्वारा मुझे दी गई जानकारी से उद्धृत कर रहा हूँ:

कैसल हिल की जागीर 1741 में डॉ. थॉमस वॉकर के अधिकार में आ गई, जब उन्होंने निकोलस मेरिवेदर की विधवा से विवाह किया। उस समय इसमें 15,000 एकड़ भूमि शामिल थी और यह इंग्लैंड के राजा जॉर्ज द्वितीय द्वारा अनुदान के रूप में दी गई थी। डॉ. वॉकर के पुत्र फ्रांसिस की पुत्री, मिस जूडिथ पेज वॉकर, जिनसे उन्हें कैसल हिल विरासत में मिली थी, ने विलियम कैबेल राइव्स से विवाह किया, जिससे कैसल हिल राइव्स परिवार के स्वामित्व में आ गया। यह संपत्ति सितंबर 1947 में कर्नल और श्रीमती

क्लार्क जे. लॉरेंस द्वारा खरीदे जाने तक राइव्स परिवार के पास ही रही। वर्तमान में यह संपत्ति 1,183 एकड़ में फैली हुई है।

यह घर असल में दो मकान हैं: पहला, जिसे 1765 में डॉ. थॉमस वॉकर ने बनवाया था, लकड़ी के तख्तों से बना एक ढांचा है, जो एक कमरे जितना गहरा और डेढ़ मंजिल ऊंचा है, और अठारहवीं सदी के आकर्षण और मजबूती को दर्शाता है। इसकी छह गोल खिड़कियां और ठोस पत्थर की ईंटों से बने फर्श वाला एक छोटा बरामदा, जो डॉ. वॉकर द्वारा पहले बनवाई गई एक इमारत का हिस्सा है, पुराने बॉलिंग ग्रीन से होते हुए वालनट माउंटेन की ओर खुलता है, जो इस संपत्ति का हिस्सा है और दक्षिण-पश्चिम पर्वत श्रृंखला का ही विस्तार है।

इसका प्रवेश कक्ष घर की पूरी लंबाई में फैला हुआ है और इसके दोनों ओर देवदार की लकड़ी से बने विशाल कमरे हैं।

उस समय घर का अग्रभाग उत्तर दिशा की ओर था। 1820 में जूडिथ पेज वॉकर और उनके पति, सीनेटर विलियम कैबेल राइव्स, जो दो बार फ्रांस में मंत्री रह चुके थे, ने बारह फुट ऊंची छतों और सुंदर आंतरिक साज-सज्जा के साथ ईंटों से बना औपचारिक विस्तार करवाया। 1840 में उन्होंने लॉजिया के साथ एक मंजिला पंख जोड़े।

1820 में निर्मित संरचना ने हवेली के सामने के हिस्से को दक्षिण की ओर कर दिया, और रेतघड़ी के आकार के लॉन और प्रवेश द्वार के चारों ओर लगी झाड़ियाँ श्रीमती राइव्स द्वारा लगाई और नियोजित की गई थीं और इनमें स्पष्ट रूप से फ्रांसीसी प्रभाव दिखाई देता है।

कैसल हिल में ही मेजर जैक जौएट ने लुइसा कोर्ट हाउस से शार्लोट्सविले तक की अपनी प्रसिद्ध "तेज़ रफ़्तार" यात्रा को रोक दिया था। वे वर्जीनिया के तत्कालीन गवर्नर थॉमस जेफरसन और वहां एकत्रित विधानमंडल के सदस्यों को यह चेतावनी देने जा रहे थे कि जनरल टार्लेटन और उनके ब्रिटिश सैनिक उन्हें पकड़ने आ रहे हैं।

कैसल हिल के पास जौएट का घोड़ा थक गया। डॉ. वॉकर ने उसे कैसल हिल के सबसे तेज़ घोड़ों में से एक पर फिर से बिठाया और उसे शुभ यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

अगली सुबह, 4 जून, 1781 को तड़के, टार्लेटन और उसके सैनिक कैसल हिल पहुंचे और नाश्ते की मांग की। डॉ. वॉकर के तेज़ मिंट जूलप्स और जानबूझकर देर से परोसे गए नाश्ते ने जेफरसन को भागने का मौका दिया। इस तरह के मादक आतिथ्य के नशे में टार्लेटन काफी नरम पड़ गया और उसने और डॉ. वॉकर ने बैठक के दरवाजे पर खड़े

होकर अपने अर्दली की लंबाई नापी।
यह सैनिक ब्रिटिश सेना का सबसे लंबा व्यक्ति था और उसकी लंबाई छह फीट नौ इंच और एक चौथाई इंच थी। डॉ. वॉकर द्वारा बनाया गया निशान आज भी पुराने दरवाजे के चौखट पर दिखाई देता है, जो अब घर के पुराने हिस्से को 1820 के सीढ़ी वाले हॉल से जोड़ता है।
यह पुराना घर कई रोचक यादों से भरा है। युवा जेफरसन ने पुराने बैठक कक्ष में अपने से भी कम उम्र के मैडिसन के नृत्य के लिए वायलिन बजाया था। जनरल वाशिंगटन, जनरल लाफायेट, डॉली मैडिसन और बाद के वर्षों में एंड्रयू जैक्सन, मार्टिन वान ब्यूरेन और जॉन टायलर ने कैसल हिल का दौरा किया था।
यह लंबे समय तक लेखिका एमिली राइव्स का घर था, जो वहां अपने कलाकार पति, प्रिंस पियरे ट्रौबेट्ज़कोय के साथ रहती थीं।
एक खास शयनकक्ष, जिसे गुलाबी शयनकक्ष के नाम से जाना जाता था, में ठहरने वाले मेहमानों को समय-समय पर भूत दिखाई देता था। 1930 के दशक में, लेखक जूलियन ग्रीन, जो अलौकिक शक्तियों में विश्वास नहीं रखते थे, उस प्रेतवाधित कमरे में सोए। अगली सुबह, उन्होंने अपना सामान पैक किया और वहां से चले गए, जिससे उनका लंबा प्रवास अचानक समाप्त हो गया।
राजकुमारी ट्रौबेट्ज़कोय, जिन्हें परिसर में स्थित निजी कब्रिस्तान में दफनाया गया है, ने बताया कि उन्हें उस प्रेतवाधित महिला से जुड़ी एक विशेष प्रकार की सुगंध आती थी। कहानी के अनुसार, वह उन लोगों के सामने प्रकट होती है जिन्हें वह पसंद नहीं करती और उन्हें चले जाने के लिए कहती है। हालांकि, जिन्हें वह पसंद करती है, उन्हें उसके शयनकक्ष में रहने की अनुमति थी।
मैंने कर्नल लॉरेंस से पूछा कि क्या उन्हें खुद कैसल हिल में कोई असामान्य अनुभव हुआ था। उन्होंने सिर हिलाकर मना कर दिया। या तो वे मानसिक शक्तियों से ग्रस्त नहीं थे, या वे इस बारे में बात करना पसंद नहीं करते थे।
दक्षिण के लोग चाहें तो बड़ी विनम्रता से नकारात्मक बातें कह सकते हैं, और हालांकि कर्नल को हाल ही में दक्षिण में आए थे, फिर भी वे किसी भी अन्य दक्षिणी हवेली के मालिक की तरह ही बन गए थे। लेकिन उन्होंने यह स्वीकार किया कि पिंक रूम में सोने वाले लोग आम तौर पर बिना किसी स्पष्ट कारण के बेचैन और परेशान रहते थे, क्योंकि अपनी शांत, सौम्य सुंदरता के साथ वह कमरा निश्चित रूप से सबसे सुंदर और

आरामदायक कमरों में से एक था जिसमें वे कभी रहे थे। इसमें स्पष्ट रूप से एक स्त्रीत्व का आकर्षण था, और कर्नल ने इसे ठीक उसी रूप में रखने का फैसला किया था। कैसल हिल से कुछ ही दूरी पर अमेरिका के सबसे प्रतिष्ठित ऐतिहासिक स्थलों में से एक है, वह कंट्री हाउस जो कभी राष्ट्रपति मोनरो का था, जहां वे और थॉमस जेफरसन अक्सर अनौपचारिक बातचीत करते थे और महत्वपूर्ण निर्णय भी लेते थे। दिखने में साधारण सा यह घर अब निजी स्वामित्व में है, लेकिन कुछ निश्चित समय पर आगंतुकों के लिए खुला रहता है।

कुछ अज्ञात कारणों से, फोटोग्राफी को बुरा माना जाता था, और जानकार लोगों ने मुझे साफ-साफ कह दिया था कि मैं कोई भी तस्वीर लेने की कोशिश न करूं। साथ ही, मैं निजी तौर पर भी वहां नहीं जा सका, क्योंकि ऐश लॉन (जैसा कि उस घर का नाम था) के वर्तमान मालिकों को "भूत" शब्द बिल्कुल भी पसंद नहीं था।

वहाँ होने वाली रहस्यमयी घटनाओं का केंद्र एक लकड़ी की झूला कुर्सी थी, जिसके बारे में कहा जाता था कि वह बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के अपने आप हिलती थी। इतिहासकार वर्जीनिया क्लाउड ने कुछ पल के लिए गाइड का ध्यान भटकाया, और मैंने कुर्सी की कई तस्वीरें खींचीं। मुझे तो वह कुर्सी हिलती हुई नहीं दिखी, लेकिन कोई भी स्वाभिमानी भूत अगर हर घंटे एक पेशेवर संग्रहालय गाइड की बातें सुनता रहे तो वह जंगल की ओर भाग जाएगा।

अपने करियर के बाद के दौर में जब मोनरो एक बड़े घर में चले गए, तब भी यह उनका पसंदीदा घर था। यहाँ वे "सब कुछ से दूर" हो सकते थे और अपने मित्र जेफरसन के मोंटीसेलो में कुछ ही मील की दूरी पर होने के कारण, सचमुच आराम कर सकते थे। क्या किसी ने कभी उस भूतिया कुर्सी को हिलते हुए देखा है? इलाके की निवासी श्रीमती जोसेफ मैसी, जिनकी मां कभी उस घर और बगीचों की मालिक थीं, ने इस बारे में बहुत जोर देकर कहा:

“मैं यह बात सबको बता सकता हूँ, और मुझे इसके बारे में किसी को पता चलने पर कोई आपत्ति नहीं है, मैंने अपने बेडरूम में रखी रॉकिंग चेयर को एक बार नहीं बल्कि बार-बार ऐसे हिलते हुए देखा है जैसे उसमें कोई बैठा हो। मेरे भाई जॉन ने भी इसे देखा है। अगर हम उसे छूते थे, तो वह हिलना बंद कर देती थी।”

होरेस बर्र कला के विशेषज्ञ होने के साथ-साथ एक संग्राहक भी थे। वर्जीनिया के शार्लोट्सविले में स्थित उनका घर कलाकृतियों और उत्तम फर्नीचर से लबालब भरा हुआ

था। कैर्सग्रोव नामक यह विशाल ग्रामीण इलाका लकड़ी का बना हुआ था, जिसका सबसे पुराना हिस्सा कम से कम डेढ़ सौ साल पुराना है। संपत्ति खरीदने के कुछ ही समय बाद, लगभग 1956 में, बर्र परिवार को एहसास हुआ कि उनके घर में कुछ गड़बड़ है।

वह जगह भूतिया थी।

घर के सबसे पुराने हिस्से में, ठीक बीचोंबीच, उन्हें एक भूत के "आह भरने" की आवाजें सुनाई देती रहती थीं।

श्रीमती हेलेन बर्र ने अभी-अभी एक बच्चे को जन्म दिया था, तभी उन्होंने पहली बार उस रहस्यमयी आवाज़ के बारे में बताया। हर सुबह 3:45 बजे उन्हें एक ऐसी महिला की दुख भरी आह सुनाई देती थी जिसे कोई देख नहीं सकता था। पहले तो केवल उन्हें ही यह आवाज़ सुनाई देती थी, लेकिन एक दिन उन्होंने अपने पति को जगाया और उनसे आग्रह किया कि वे भीतरी दीवार के पास उस जगह पर उनके साथ चलें। तब उन्हें भी वह आवाज़ सुनाई दी।

बर्र की जिज्ञासा जागी और उसने घर के बारे में कुछ पूछताछ की। पिछले मालिक, जिनका नाम मैकक्यू था, की मृत्यु हो चुकी थी, लेकिन उनकी वफादार नर्स अभी भी जीवित थीं। उन्होंने बताया कि लगभग 1910 की एक भयानक सुबह क्या हुआ था। उस समय मैकक्यू की बेटी अपने छोटे बच्चे के साथ घर पर ही थी। उसे लगने लगा कि बच्चा सामान्य नहीं होगा, और प्रसवोत्तर अवसाद के कारण उसने जहर खा लिया। नर्स ने बर्र को बताया कि ठीक सुबह 3:45 बजे पिता की नींद खुली और उसने अपनी बेटी की अंतिम साँसें सुनीं। जब तक वह घर के दूसरे हिस्से में स्थित उसके कमरे तक पहुँचा, तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी।

यह वही मरणासन्न कराह थी जो बर्र दंपति सुन रहे थे। हालांकि, जब स्पष्टीकरण दे दिया गया और घर में हो रही आवाज़ के कारणों पर चर्चा हो गई, तो भूत का कुछ हाल हो गया। बर्र दंपति ने फिर कभी वह आवाज़ नहीं सुनी, लेकिन भूतों के मामले में कुछ भी निश्चित नहीं कहा जा सकता।

यह इलाका भूतिया कहानियों से भरा हुआ था। इनमें से कई कहानियों की वैज्ञानिक जांच से भी कोई ठोस प्रमाण नहीं मिल पाता। लेकिन कभी-कभी कोई कहानी इतनी सच्ची लगती है और उसमें शामिल लोग इतने ईमानदार और निर्दयी होते हैं कि मुझे लगता है कि उनका ज़िक्र यहाँ ज़रूर होना चाहिए। इस कहानी के लिए, और अन्य

अमूल्य सहयोग के लिए, मैं वर्जीनिया क्लाउड का आभारी हूँ, जो पुस्तकालयाध्यक्ष और लेखिका थीं और चार्लोट्सविले में रहती थीं।

कैसल हिल से कुछ ही दूरी पर, एक साधारण से घर में, एक परिवार रहता था जिसकी एक दस साल की बेटी थी। एक रात, जब बच्ची को अपने ऊपर वाले कमरे में सो जाना चाहिए था, तो माँ ने उसे तब जगा हुआ पाया जब वह खुद सोने जा रही थी।

“तुम सो क्यों नहीं रही हो?” माँ ने सख्ती से पूछा। छोटी बच्ची ने कमरे के एक कोने की ओर इशारा करते हुए जवाब दिया, “मैं कोने में बिस्तर पर लेटे उस छोटे बूढ़े आदमी को देख रही थी।”

मां ने जोर देकर कहा कि कोने में कोई बिस्तर नहीं था, और बेटी ने भी उतनी ही दृढ़ता से जोर देकर कहा कि बूढ़ा आदमी वहीं था और वह बहुत छोटा कद का था और उसकी दाढ़ी बहुत सफेद थी।

इन सब बातों से माता-पिता इतने परेशान हो गए कि उन्होंने अपने घर के इतिहास की छानबीन शुरू कर दी। उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि पिछले किराएदारों के साथ उनके दादाजी उनकी मृत्यु तक रहते थे। जिस कमरे में अब उनकी बेटी सो रही है, वह उनका ही कमरा था, और पलंग बिल्कुल वैसा ही था जैसा बच्ची ने बताया था। उस बूढ़े व्यक्ति की दाढ़ी बहुत सफेद थी और उनकी लंबाई भी ज्यादा नहीं थी। हालांकि, बच्ची के जन्म से बहुत पहले ही उनका देहांत हो चुका था!

कुछ लोग वाशिंगटन, डी.सी. को न तो उत्तरी और न ही दक्षिणी मानते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से यह वास्तव में एक दक्षिणी शहर है।

देश की राजधानी की हमारी यात्रा का मुख्य उद्देश्य ऑक्टागन को देखना था, लेकिन मैंने एक और भूतिया घर के बारे में पढ़ा था और इस मामले की जांच करने का फैसला किया।

21 अप्रैल, 1963 को बोस्टन संडे ग्लोब में निक रोपर द्वारा हस्ताक्षरित एक कहानी प्रकाशित हुई जिसका शीर्षक था, "मैं एक भूतिया घर में रहता था।" कहानी के साथ चार तस्वीरें भी थीं जिनमें श्री रोपर, उनकी बहन ऐनी, एक गलियारे में पुलिस और जॉर्जटाउन में स्थित प्रसिद्ध पुराने जॉर्जियाई हवेली, जिसे हैल्सियन हाउस के नाम से जाना जाता है, का बाहरी दृश्य दिखाया गया था।

श्री रोपर, जिनका परिवार छह महीने पहले ही इस विशाल हवेली में रहने आया था, भूतों

में विश्वास नहीं करते थे। श्री रोपर सीनियर एक रियल एस्टेट ब्रोकर थे, जिन्होंने पहले घर किराए पर लिया था और फिर उसे जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय को बेच दिया था, जो बाद में इसका मालिक बन गया, हालांकि रोपर परिवार अभी भी उसमें रहता था।
युवा रोपर ने यह स्पष्ट कर दिया कि प्रेतवाधित चीजों के प्रति उनका नया उत्साह रोपर परिवार के बाकी सदस्यों द्वारा साझा नहीं किया गया था:
पिताजी का संदेह बरकरार रहा। लेकिन लाख कोशिश करने के बावजूद, वे भी अटारी में सुनाई देने वाले कदमों की आहट, सीढ़ियों पर ऊपर-नीचे दौड़ने वाली आवाज़, बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के अपने आप चालू और बंद होने वाली बत्तियाँ, अपने आप खुलने और बंद होने वाले दरवाजे, रहस्यमय तरीके से पानी से भर जाने वाली राखदानियाँ, तहखाने की पहेली और गिरे हुए दर्पण की विचित्र घटना—और बगीचे में सुनाई देने वाली आवाज़—को समझा नहीं सकते थे।
मेरी इक्कीस वर्षीय बहन ऐनी और अपार्टमेंट नंबर 1214 में साथ रहने वाली तीन महिलाएं भी मानती हैं कि उन्होंने भी अजीबोगरीब आवाज़ें सुनी हैं। लड़कियों का कहना है कि हर गुरुवार को सुबह 1 से 2 बजे के बीच उन्हें ऊपर अटारी में धीमी-धीमी कदमों की आहट सुनाई देती है। वह "भूत" हमेशा तय समय पर आता है।
कोरिन मिशेल पूल ने 9 अगस्त, 1959 के संडे स्टार में हैल्सियन हाउस के बारे में लिखते हुए रिपोर्ट किया:
शायद हैल्सियन हाउस के निर्माता बेंजामिन स्टोडर्ट का भूत कभी-कभार रहस्यमय तरीके से दरवाजों के खुलने और बंद होने के लिए जिम्मेदार है, और कोई यह सोचना पसंद करता है कि यह बीसवीं सदी के मालिक अल्बर्ट क्लेमेंस का भूत है, जो कभी-कभी ऊपरी मंजिलों में खड़खड़ाहट करता है।
इस घर में पैंतालीस कमरे हैं, साथ ही कई छोटे-छोटे कोने और गलियारे भी हैं।
बेशक, रोपर परिवार, जिसमें निक भी शामिल थे, को इस कहानी पर ज़रा भी विश्वास नहीं हुआ। लेकिन जल्द ही उन्हें पता चल गया कि भूतों को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। निक ने ग्लोब अखबार में लिखा:
दो-तीन मौकों पर मेरी मां मैरी, रसोई में कॉफी बनाते समय, किसी को सीढ़ियों से नीचे भागते हुए सुनती थीं।
मुझे पूरा यकीन था कि मैंने ही चाय बनाई है, इसलिए उसने एक कप चाय डाली और इंतज़ार करने लगी। जब मैं नहीं आई, तो वह मुझे पुकारते हुए ऊपर आई। मैं अभी भी

अपने कमरे में थी और बाहर नहीं निकली थी।
रात दर रात, मुझे अपने कमरे के ऊपर अटारी में कदमों की आहट सुनाई देती है, कभी-कभी मेरी फ्रेंच खिड़की के बाहर आग से बचने वाली सीढ़ी पर भी। वे धीरे-धीरे चलते हैं, फिर अचानक रुक जाते हैं। पहली बार जब ऐसा हुआ, तो मुझे लगा कि कोई घुसपैठिया हो सकता है, इसलिए मैं चुपके से अटारी में देखने गया। बत्ती जल रही थी, लेकिन वहाँ कोई नहीं था। अटारी से बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता मेरे शयनकक्ष से होकर जाता था। मैंने जलती हुई बत्ती को बिजली की गड़बड़ी समझकर नज़रअंदाज़ कर दिया (हालाँकि स्विच बिल्कुल ठीक काम कर रहा था) और कदमों की आहट को पुराने घर की सामान्य चरमराहट मान लिया।
निक रोपर अब भी यह मानने को तैयार नहीं था कि घर में भूत-प्रेत का साया है। एक बार उसने तहखाने में बत्तियाँ जलती हुई देखीं और ऐसा लगा जैसे किसी अदृश्य शक्ति ने वहाँ अपना साया डाल दिया हो। जब उसने चिल्लाकर पूछा, "कौन है वहाँ?" तो बत्ती अपने आप बुझ गई।
एक बार फिर, रहस्यमय कदमों की आहट से उसकी नींद खुली और उसने खुद को अपने बिस्तर के ऊपर तैरता हुआ पाया। उसके कमरे की खिड़की पूरी तरह खुली हुई थी, जबकि उसे अच्छी तरह याद था कि सोने से पहले उसने खिड़की बंद कर रखी थी। अदृश्य हाथों ने उसे धीरे से वापस बिस्तर पर लिटा दिया, लेकिन इस भयानक अनुभव ने अलौकिक शक्तियों के प्रति उसके दृष्टिकोण को पूरी तरह बदल दिया।
रात के समय सुनाई देने वाली तरह-तरह की आवाज़ें, जिन्हें पूरा परिवार सुनता था, घर में तनाव को और बढ़ा रही थीं। जब उनकी अनुपस्थिति में एक भारी दर्पण अपने लोहे के खंभे से अपने आप गिर गया और शीशे के बीचोंबीच एक काला X का निशान दिखाई दिया, तो रोपर परिवार का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। लेकिन वे क्या कर सकते थे?
जो वे कर सकते थे, उन्होंने नहीं किया। यानी, उन रहस्यमय व्यक्तित्वों से निपटने और उनकी इच्छाओं का पता लगाने के लिए मुझ जैसे किसी व्यक्ति की मदद नहीं ली। मैंने अगस्त 1963 में ही अपनी सेवाएं निःशुल्क और गोपनीय रूप से देने की पेशकश की थी। श्री रोपर सीनियर ने मुझसे मिलने या इस मामले पर चर्चा करने से भी इनकार कर दिया।
वॉशिंगटन की लंबे समय से निवासी रहीं एलेनोर बॉमगार्डनर, जिन्हें उनके दोस्त "लेडी"

के नाम से जानते थे, ने व्यवस्था करने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। लेकिन उन्होंने मुझे हैल्सियन हाउस के बारे में कुछ पृष्ठभूमि जानकारी दिलाने में कामयाबी हासिल की। उन्होंने अपने एक विशेषज्ञ मित्र से मुझे आवश्यक सभी डेटा जुटाने के लिए कहा। ये रहे वे डेटा:

24 अगस्त, 1961 को बोमन जेफ्रीज़ ने लिखा:

जॉर्जटाउन के भव्य भवनों में से एक, हैल्सियन हाउस को जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय ने खरीद लिया है। यह सौदा विश्वविद्यालय के रियल एस्टेट ब्रोकर जॉर्ज एस. रोपर द्वारा करवाया गया था, जिन्होंने श्रीमती कोंड्रुप ग्रे और उनकी बेटी श्रीमती एच. ई. कोंड्रुप से लगभग 250,000 डॉलर में यह घर खरीदा।

हैल्सियन हाउस, जो शहर के निचले हिस्से में 3400 प्रॉस्पेक्ट स्ट्रीट पर स्थित है, का निर्माण 1783 में बेंजामिन स्टोडर्ट द्वारा किया गया था, जो देश के पहले नौसेना सचिव और संघीय शहर के 18 "मालिकों" में से एक थे।

यह हवेली उतनी ही भव्य है जितनी उस पक्षी की पौराणिक कथा जिससे इसका नाम लिया गया है। हैल्सियन पक्षी के बारे में प्रचलित मान्यता यह थी कि शीतकालीन संक्रांति के समय समुद्र पर अपने घोंसले में तैरते हुए यह पक्षी प्रजनन करता था, जिससे जादुई रूप से उस समय पानी विशेष रूप से शांत हो जाता था। इसीलिए इसे हैल्सियन क्वाइट्यूड, "हैल्सियन डेज़" और हैल्सियन हाउस कहा जाता है, जो सचिव स्टोडर्ट द्वारा उपयुक्त रूप से चुना गया नाम है।

घर की मूल जॉर्जियाई संरचना ईंटों से बनी फ्लेमिश बॉन्ड शैली की थी, जिसमें इसके दो मंजिला पंखों में सुंदर समरूपता थी, और शीर्ष पर एक विधवा का चबूतरा था।

सुंदर मुख्य द्वार—सात खंडों वाला एक रोशनदान, जिसके दोनों ओर खांचेदार स्तंभ हैं और ऊपर एक गोल मेहराब और कीस्टोन है—नदी की ओर खुलता था और पीछे प्रॉस्पेक्ट स्ट्रीट थी। मूल मुखौटा अब सड़क से दिखाई नहीं देता (सर्दियों में की ब्रिज पार करते समय इसकी एक झलक ही दिखती है), लेकिन यह अपने मूल स्वरूप में ही बना हुआ है। मुख्य द्वार से पोटोमैक नदी की ओर फैला हुआ एक भव्य उद्यान है, जिसे मेजर ल'एनफैंट की योजना के अनुसार बनाया गया था।

विस्टेरिया और बॉक्सवुड यहाँ की शान हैं, साथ ही काले-हरे मैगनोलिया, पुराने रोडोडेंड्रोन, काई से ढकी ईंट की दीवारें और रास्ते, और हर जगह फैली आइवी लताएँ भी। यह बगीचा मानो शाश्वत है, दूर दीवारों से घिरा हुआ और चौंतीसवीं स्ट्रीट से काफी

ऊपर स्थित है। समय-समय पर मालिकों ने इसमें स्विमिंग पूल, छतें, फव्वारे और ग्रीक शैली के स्तंभ जोड़े और हटाए हैं; लेकिन आइवी, बॉक्सवुड और मैगनोलिया की गहरी चमकदार हरी पत्तियाँ आज भी बेहद खूबसूरत हैं।

बीसवीं सदी की शुरुआत में, बेहद सनकी अल्बर्ट क्लेमेंस ने बहुत कम कीमत पर हैल्सियन हाउस खरीदा। बिजली के कट्टर विरोधी क्लेमेंस ने घर में बिजली लगवाने से साफ इनकार कर दिया। अन्य बदलावों के अलावा, उन्होंने मुख्य द्वार के सामने वाली बालकनी पर एक बड़ी सी सिगार की दुकान में बैठे भारतीय की मूर्ति स्थापित करवाई। कहा जाता है कि उन्हें घर के एक चैपल के नीचे दफनाया गया था। उनकी आत्मा रात में लंबी गलियों में घूमती है।

जॉर्जटाउन दूसरा विश्वविद्यालय है जिसके पास हैल्सियन हाउस का स्वामित्व था। क्लेमेंस ने इसे हार्वर्ड को वसीयत में दे दिया था और 1943 में विश्वविद्यालय ने इसे स्वीडन के पूर्व राजदूत फ्रेडरिक स्टर्लिंग को बेच दिया। श्री क्लेमेंस के विरोध से अप्रभावित होने के कारण, उन्होंने तुरंत बिजली की व्यवस्था करवा दी।

जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय की योजना इस ऐतिहासिक मकान को, भूतों सहित, स्नातकोत्तर विद्यालय के विदेश सेवा विभाग और विदेशी भाषा एवं भाषाविज्ञान संस्थान की महिला छात्राओं के लिए छात्रावास में बदलने की है। 60 महिलाओं के लिए अपार्टमेंट बनाए जाएंगे।

13 सितंबर, 1963—जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में फोन करने पर मुझे पता चला कि ज़ोनिंग नियमों के कारण, वे हैल्सियन हाउस को महिला छात्रों के लिए छात्रावास में परिवर्तित नहीं कर सके; हालांकि, इसे पुरुषों और महिलाओं के लिए अपार्टमेंट में परिवर्तित कर दिया गया है।

यदि आप इस घर के बारे में चर्चा करना चाहते हैं या इसे देखने जाना चाहते हैं, तो मेरा सुझाव है कि आप जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय, सैंतीसवीं और ओ स्ट्रीट एनडब्ल्यू, वाशिंगटन 7, डी.सी. में जॉर्ज एस. रोपर से संपर्क करें, क्योंकि वे विश्वविद्यालय के लिए निवेश संपत्तियों का प्रबंधन करते हैं।

यह चेतावनी देना व्यर्थ था क्योंकि श्री रोपर सीनियर पहले ही मेरी मदद, सलाह और यहां तक कि संक्षिप्त मुलाकात से भी इनकार कर चुके थे। जब मैंने उनके बेटे निक का पता पूछा, जिसने बोस्टन ग्लोब में लेख लिखा था—या कम से कम उस पर हस्ताक्षर किए थे—तो मुझे बताया गया, "मेरा बेटा निकोलस अब वाशिंगटन में नहीं रहता है।"

लेकिन भूत खोजकर्ता इतनी आसानी से निराश होने वाला नहीं था। चूंकि हम पहले से ही शहर में थे, मैंने घर पर फोन करके कुछ मिनटों के लिए उसे देखने की अनुमति मांगने की कोशिश की, ठीक वैसे ही जैसे कोई वैज्ञानिक ऐसी परिस्थितियों में मांगता। मैं रोपर परिवार से संपर्क नहीं कर सका।

कैथरीन और मैंने दक्षिणी आतिथ्य सत्कार के बारे में बहुत कुछ सुना और अनुभव किया था, इसलिए हमने जोखिम उठाने का फैसला किया। हमें पूरा विश्वास था कि रोपर परिवार कम से कम हमें दस-पंद्रह मिनट का समय तो दे ही देगा। वह रात काफी ठंडी थी और हमें एहसास हुआ कि हम शहर के केंद्र से बहुत दूर हैं—इस तथ्य ने वापसी में हमें काफी निराश किया, क्योंकि टैक्सी कहीं भी नहीं मिल रही थीं।

जब मैंने हैल्सियन हाउस की घंटी बजाई, तो लगभग 15 साल के एक युवक ने द्वार खोला। वह रोपर परिवार का चचेरा भाई था और बहुत ही मिलनसार था। मैंने उसे अपने आने की सूचना न देने का कारण बताया और उसने मेरी पत्नी और मुझे घर के अंदर आने के लिए कहा। हमने कुछ देर डॉ. जोसेफ राइन और पैरासाइकोलॉजी के बारे में बात की, फिर वह युवक हमें घर के अंदर ले गया और हमें घर दिखाने लगा। हम रसोई के पास से गुजरे, जहाँ उसने हमें अपनी चाची, श्रीमती मैरी रोपर से मिलवाया।

मैंने हमारी अचानक यात्रा के लिए माफी मांगी और पूछा कि क्या हमें न्यूयॉर्क वापस उड़ान भरने से पहले घर के ऐतिहासिक हिस्से को देखने का सौभाग्य मिल सकता है। पूरी दुनिया में ऐसे अनुरोध का सम्मान किया जाता, भले ही हमारी यात्रा अप्रत्याशित थी। और पुराने ज़माने में, जब श्री बेल इतने भाग्यशाली नहीं हुए थे, लोग बिना टेलीफोन पर सूचना दिए एक-दूसरे से मिलने जाते थे।

श्रीमती रोपर ने लगभग हमें घर से बाहर निकाल दिया, और उनके पति के आने से ही एक शर्मनाक स्थिति टल गई।

मुझे तुरंत यह स्पष्ट हो गया कि श्रीमती रोपर अत्यधिक घबराहट से पीड़ित थीं, जिसका कारण निस्संदेह घर में होने वाली भूतिया घटनाएं थीं, जिन्होंने क्षण भर के लिए उनके जन्मजात अच्छे शिष्टाचार को छीन लिया था।

श्री रोपर सीनियर ने शांत भाव से समझाया कि उनका घर उनका किला है और वे भूत-प्रेत की घटनाओं पर चर्चा नहीं करना चाहते। उन्होंने मुझे अंततः मैरीलैंड के व्हीटन में अपने बेटे का पता दिया, लेकिन युवा रोपर ने भूत-प्रेत की घटनाओं के बारे में न तो पुष्टि की और न ही खंडन किया, हालांकि मैंने उन्हें कई बार पत्र लिखे। निस्संदेह, उन्होंने इस

बारे में चुप रहना ही बेहतर समझा।
वाशिंगटन के एक मनोचिकित्सक, जिनसे मेरी मुलाकात मशहूर मानसिक विशेषज्ञ जीन डिक्सन के माध्यम से हुई थी, ने भी हमें युवा रोपर की अलौकिक शक्तियों में असामान्य रुचि के बारे में बताया, लेकिन उनके विचार में रोपर की कल्पना कुछ ज़्यादा ही थी। मैं रोपर की बात को पूरी तरह सच मान लेता हूँ। खैर, जो कोई भी यह जानना चाहता है कि क्या भूतिया बेन और बर्ट अभी भी हैल्सियन हाउस के गलियारों और कमरों में घूमते हैं, उन्हें बस ऊपर जाकर देखना चाहिए। मुझे यकीन है कि भूतों को कोई आपत्ति नहीं होगी, लेकिन रोपर दंपति को शायद होगी।
मेरी सहानुभूति तो निश्चित रूप से भूतों के साथ है।

एक भूत का आखिरी आश्रय

वर्जीनिया के चार्लोट्सविले के पास, क्रांतिकारी दिनों के दौरान निर्मित एक फार्महाउस खड़ा है, जो बाद में मैरी डब्ल्यू के स्वामित्व में था, जिन्होंने कुछ साल पहले ड्यूक विश्वविद्यालय में प्रोफेसर राइन के काम में क्षणिक रुचि दिखाई थी।
उनकी मानसिक क्षमताओं को स्वीकार किया गया, लेकिन उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उन्होंने कुछ समय से स्वचालित लेखन नहीं किया है, और अब उनकी इसमें कोई खास रुचि भी नहीं है। बाद में मुझे एहसास हुआ कि उनकी घटती रुचि का संबंध उस घर में घटी घटनाओं से अवश्य ही होगा जिसे हम विकहम कहेंगे, क्योंकि मालिक के अनुरोध के सम्मान में फिलहाल उसका असली नाम गुप्त रखना आवश्यक है।
वर्जीनिया क्लाउड मार्गदर्शक और भविष्यवक्ता के रूप में साथ आई थीं, और लेखक

बूटन हर्नडन भी उस विषय को देखने के लिए साथ आए थे जिसे वे हमेशा से ही बेहद दिलचस्प मानते थे। इस प्रकार, मई की एक सुहावनी सुबह, दो कारों का काफिला विकहम की ओर रवाना हुआ, जब प्रकृति की भव्यता ने हमारे गंतव्य के गंभीर विषय को झुठला दिया।

वहाँ पहुँचने पर, मेरी पत्नी कैथरीन और मैं मैरी डब्ल्यू के साथ बैठ गए ताकि वह हमें उस प्रेतवाधित घर में अपने अनुभवों के बारे में बता सकें। उनके बताने के बाद ही वर्जीनिया क्लाउड घर में दाखिल हुईं।

घर का सबसे पुराना हिस्सा, जो बाकी हिस्सों से काफी कुशलता से जुड़ा हुआ था, उसमें एक हॉल या मुख्य कमरा और एक छोटा बेडरूम था, जहाँ एक संकरी घुमावदार सीढ़ी से पहुँचा जा सकता था।

सन् 1781 से अस्तित्व में आया यह हिस्सा, श्रीमती डब्ल्यू द्वारा सन् 1951 में घर और जमीन खरीदने के समय से ही कुछ रहस्यमय घटनाओं का केंद्र रहा है। क्या इससे पहले के मालिकों को भी ऐसे अनुभव हुए थे, यह पता नहीं लगाया जा सका है।

श्रीमती डब्ल्यू ने हमें एक घटना सुनाई। उस समय भावनात्मक रूप से उत्तेजित, वह नीचे के एक छोटे से सटे कमरे में थीं, जिसे एक छोटे से होम बार में बदल दिया गया था, तभी उन्होंने मुख्य कमरे में कदमों की आहट और घुड़सवारी के कपड़ों जैसी सरसराहट सुनी; उन्होंने आवाज़ लगाई, लेकिन वह जानती थीं कि यह उनके पति नहीं थे। कदमों की आहट जारी रही; कोई कमरे में इधर-उधर चल रहा था। श्रीमती डब्ल्यू ने खिड़की से बाहर देखा और अपने पूरे परिवार को खलिहान के पास, लगभग बीस गज की दूरी पर बाहर देखा।

इससे वह और भी ज्यादा घबरा गई और मुख्य कमरे में चली गई। वहां कोई नहीं था। लेकिन अजीब बात यह थी कि उसकी मौजूदगी में भी कदमों की आहट जारी रही, दरवाजे तक पहुंची और फिर कमरे के दूसरी ओर सीढ़ियों की तरफ वापस चली गई, जहां ऊपर पुराने कमरे की ओर जाने वाले चबूतरे पर अचानक रुक गई।

पिछले मालिक, जिनका नाम ड्यूवेल था, ने मैरी डब्ल्यू को बताया था कि जब घर में उनकी पूर्ववर्ती, श्रीमती अर्ली की मृत्यु हुई थी, तो एक अजीब सी आवाज आई थी जैसे कोई सीढ़ियों से नीचे गिर रहा हो।

दो साल बाद, 1953 में, श्रीमती डब्ल्यू की दो बेटियाँ, जिनकी उम्र उस समय बारह और नौ वर्ष थी, ऊपर के कमरे में खेल रही थीं, जबकि उनके माता-पिता मुख्य घर से अलग

पास की एक झोपड़ी में कुछ मेहमानों का मनोरंजन कर रहे थे। रात के 10 बजे थे, जब लड़कियों ने नीचे खाली घर में किसी के चलने की आहट सुनी। उन्होंने आवाज़ लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। उन्हें लगा कि यह उनके माता-पिता का कोई दोस्त होगा, लेकिन बाद में जाँच करने पर पता चला कि कोई भी एक पल के लिए भी पार्टी छोड़कर मुख्य घर नहीं लौटा था।

लगभग सन् 1960-61 में, श्रीमती डब्ल्यू ने उसी स्थान पर फिर से वही जानी-पहचानी पदचाप सुनी। पदचाप शुरू होती, फिर रुकती, फिर से शुरू हो जाती। हालाँकि श्रीमती डब्ल्यू ने अपनी कुछ मानसिक क्षमताओं को स्वीकार किया, लेकिन उनकी स्वचालित लेखन शैली से घर से जुड़े किसी भी व्यक्ति का पता नहीं चला, सिवाय शायद रेबेका नाम की एक दासी के, जिसने दावा किया था कि उसे भारतीयों ने पकड़ लिया था और उसकी जीभ काट दी थी। उसे अर्ली परिवार के बेटों ने पाया और वह उनकी नौकरानी बन गई; श्रीमती डब्ल्यू ने रॉबर्ट नाम के एक मार्गदर्शक या नियंत्रक होने का भी दावा किया।

यह जगह कई वर्षों से विवाद में थी, और यहाँ तीन पारिवारिक कब्रिस्तान हैं। घर का निर्माण रिचर्ड ड्यूरेट ने 1781 में करवाया था। 1938 से पहले, श्रीमती डब्ल्यू के स्वामित्व में आने से पहले, जब चिमनी का पुनर्निर्माण किया गया था, तब एक शिलालेख मिला जिसमें बताया गया था कि पास की बैरक से हेसियन सैनिक कैदियों ने 1781 में चिमनी बनाने में मदद की थी। पास की बैरकों में तीन हजार कैदियों को रखा गया था। उनमें से कुछ बाद में वहीं रुक गए और स्थानीय महिलाओं से शादी कर ली। इस बारे में वर्जीनिया क्लाउड की मौजूदगी में कोई चर्चा नहीं हुई, जो मैरी डब्ल्यू और मेरे सामने आते ही अर्ध-बेहोशी की हालत में चली गईं। उन्होंने एक अल्बर्ट या अल्फ्रेड को सफेद कमीज, बूट और पतलून पहने हुए, लेकिन वर्दी में नहीं, घर में घसीटते हुए देखा; शायद वह कोई घायल हेसियन था जो खाली घर में घुस रहा था, जिसे ब्रिटिश सैनिकों ने यहाँ तक खदेड़ दिया था। "ब्रिटिश सैनिक दूर हैं... यहाँ पास में कुछ जला था।" इस समय, मैरी डब्ल्यू और मुझे दोनों को धुएँ की गंध आई।

वर्जीनिया क्लाउड की गवाही से अलग, हम दोनों ने प्रवेश द्वार पर हल्की सी दस्तक सुनी, दो छोटी-छोटी खटखटाहट।

सीढ़ियों के पास अपनी कुर्सी पर बैठी वर्जीनिया कांपने लगी। “भूत अपनी माँ को याद करता है और उसे पुकारता है, लेकिन वह अब यहाँ नहीं है... बस एक स्मृति बनकर रह

गई है; शायद उसकी मृत्यु यहीं हुई होगी, क्योंकि मैंने उसे फिर कभी जाते हुए नहीं देखा। उसकी बांह पर धातु से चोट के निशान हैं, शायद किसी गोले से।"
मैरी डब्ल्यू ने अपने जीवन में एक दुखद घटना झेली थी। उनके पति केनेथ ने उसी घर में आत्महत्या कर ली थी जहाँ हम गए थे। मुझे ऐसा लगा कि तंत्र-मंत्र में मैरी की रुचि इसी घटना से जुड़ी हुई थी, और शायद वह सोचती थीं कि वे प्रेतवाधित कदमों की आहट वास्तव में उनके दिवंगत पति की बेचैन हलचलें थीं, उसी कमरे में जिसे वह अपना घर कहते थे।
लेकिन ये शोर और गड़बड़ियाँ मैरी के घर में रहने के समय से भी कहीं पुरानी हैं। सोची-समझी आत्महत्या से भूत-प्रेत शायद ही कभी पैदा होते हैं। मुझे पूरा यकीन है कि विकहम में दिखने वाला भूत मैरी का पति नहीं, बल्कि हेसियन सेना का वह भगोड़ा था जो पीछा कर रहे अंग्रेजों से बचने के लिए शरण लेना चाहता था।

अष्टकोण भूत

सन् 1800 में कर्नल जॉन टैलो ने अपना आलीशान घर बनवाया था। डॉ. विलियम थॉर्नटन द्वारा डिज़ाइन की गई यह भव्य इमारत, अपने आकार के कारण अब अष्टभुज के नाम से जानी जाती है। यह वाशिंगटन के एक पॉश इलाके में स्थित है और आज भी वहीं है, लेकिन उस समय इसमें अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स के कार्यालय और प्रदर्शनी स्थल थे। आजकल यह अमेरिकन आर्किटेक्चरल फाउंडेशन का संग्रहालय है।
1800 के दशक के आरंभ में कर्नल की बेटी एक अजनबी के साथ भाग गई और बाद में

घर लौटकर माफी मांगी। अपने कठोर पिता से उसे माफी नहीं मिली और हताशा में उसने हवेली की घुमावदार सीढ़ियों की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। वह सीढ़ियों के आधार के पास एक जगह पर गिरी, और यहीं से हवेली में वर्षों से दर्ज की गई रहस्यमय घटनाओं की एक श्रृंखला शुरू हुई।

लाइफ पत्रिका ने 1962 में भूतिया हवेली पर एक लेख में बताया कि कुछ आगंतुकों का दावा है कि उन्होंने उस स्थान पर एक छाया देखी है जहां लड़की गिरी थी, जबकि अन्य अज्ञात कारणों से उस स्थान को पार करने से इनकार करते हैं; कुछ अन्य लोगों ने गिरने वाली लड़की की चीख सुनी है।

अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स जर्नल के जुलाई 1959 के अंक में कर्मचारी जेम्स साइप्रस के लंबे सेवाकाल का संक्षिप्त विवरण दिया गया है। हालांकि उन्होंने खुद कभी कोई भूत नहीं देखा, लेकिन वे बताते हैं कि एक बार जब उनकी पत्नी बीमार थीं, तो डॉक्टर ने 150 साल पुराने कपड़े पहने एक व्यक्ति को घुमावदार सीढ़ियों से नीचे आते देखा। जब डॉक्टर उस अजनबी को हैरानी से देख रहे थे, तो वह अचानक हवा में गायब हो गया।

संस्थान के निदेशक जे. डब्ल्यू. रैंकिन के साथ कुछ पत्राचार के बाद, मेरी पत्नी और मैं आखिरकार 17 मई, 1963 को वाशिंगटन के लिए रवाना हुए। वह एक सुहावना दिन था और राजधानी की व्यस्त सड़कों में से एक से कुछ दूरी पर स्थित खूबसूरत जॉर्जियाई हवेली एक अधिक शांत अतीत की यात्रा का वादा करती थी।

श्री रैंकिन ने हमारा बड़े चाव से स्वागत किया और हमें घर दिखाया, जो उस समय सौभाग्यवश पर्यटकों और अन्य आगंतुकों से खाली था। उन्होंने ही हमें अष्टभुज के बारे में कुछ पृष्ठभूमि जानकारी दी, जिसका उद्धरण मैं यहाँ दे रहा हूँ:

व्हाइट हाउस और ऑक्टागन एक तरह से संबंधित हैं। दोनों का संबंध राष्ट्रीय राजधानी में सरकार की शुरुआत से है; व्हाइट हाउस का निर्माण पहले शुरू हुआ था लेकिन ऑक्टागन का निर्माण पहले पूरा हुआ। दोनों राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास रहे हैं। सन् 1797 की शुरुआत में, वर्जीनिया के माउंट एयरी के कर्नल जॉन टायलो को एक टाउन हाउस की आवश्यकता महसूस हुई। माउंट एयरी लगभग तीन हजार एकड़ का एक शानदार बागान था, जहाँ कर्नल कई गतिविधियों के साथ-साथ घोड़ों का पालन-पोषण और उनकी दौड़ भी करते थे, लेकिन उस शुरुआती दौर में ही शहर की पुकार महसूस होने लगी थी; कर्नल की पसंद फिलाडेल्फिया थी, लेकिन उनके मित्र जनरल

वाशिंगटन ने नई राष्ट्रीय राजधानी के भविष्य का एक शानदार चित्रण प्रस्तुत किया और उन्हें उस समय के शहरी परिवेश से बहुत दूर स्थित ऑक्टागन का निर्माण करने के लिए राजी कर लिया।

कैपिटल भवन के लिए आयोजित प्रतियोगिता के विजेता डॉ. विलियम थॉर्नटन, कर्नल टायलो द्वारा स्वाभाविक रूप से चुने गए वास्तुकार थे।

19 अप्रैल, 1797 को कर्नल टायलो ने गुस्तावस डब्ल्यू. स्कॉट से 1,000 डॉलर में वाशिंगटन के नए भूखंड में स्क्वायर 170 का लॉट 8 खरीदा। गुस्तावस डब्ल्यू. स्कॉट उन पहले खरीदारों में से एक थे जिन्होंने 21 नवंबर, 1796 को सरकार से यह भूखंड खरीदा था। हालांकि, जैसा कि 1813 के रेखाचित्र से पता चलता है, यह स्थान देखने में सुनसान ग्रामीण इलाके में था, लेकिन शहर की सड़कों का नक्शा निश्चित रूप से बन चुका था, और न्यूयॉर्क एवेन्यू और अठारहवीं स्ट्रीट का कोना उसी स्थान पर था जहाँ वह आज है।

प्लॉट प्लान को देखकर स्पष्ट है कि कर्नल टायलो के घर का अनूठा आकार इन दोनों सड़कों के जंक्शन पर बने कोण से प्राप्त हुआ था। हालांकि इस हवेली को हमेशा से इसी नाम से जाना जाता रहा है, लेकिन डॉ. थॉर्नटन का इसे अष्टकोणीय बनाने का कोई इरादा नहीं रहा होगा; घर का आकार सड़क के अग्रभागों के अनुसार ही बना था।

इस इमारत का निर्माण कार्य 1798 में शुरू हुआ और जनरल वाशिंगटन के समय-समय पर निरीक्षण के तहत प्रगति हुई, जो 1800 में इसके पूरा होने से पहले ही इस दुनिया से चले गए। यह हवेली तुरंत ही आधिकारिक और अनौपचारिक सामाजिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में स्थापित हो गई। इसके मेहमाननवाज प्रवेश द्वार से मैडिसन, जेफरसन, मोनरो, एडम्स, जैक्सन, डेकाटूर, पोर्टर, वेबस्टर, क्ले, लाफायेट, वॉन स्टुबेन, कैलहौन, रैंडोल्फ, वैन रेनसेलेर और उनकी पत्नियां गुजरीं।

हालाँकि, 1812 के युद्ध के मंडराते ही सामाजिक गतिविधियाँ भुला दी गईं और अंततः इसने नए राष्ट्र की राजधानी को अपनी चपेट में ले लिया। 24 अगस्त, 1814 को, अंग्रेजों ने व्हाइट हाउस को आग से झुलसे खंडहर में बदल दिया। श्रीमती टायलो की दूरदर्शिता, जिसमें उन्होंने फ्रांसीसी मंत्री को उनके देश के ध्वज के साथ अतिथि के रूप में ठहराया था, ने संभवतः ऑक्टागन को इसी तरह के भाग्य से बचा लिया।

कहा जाता है कि कर्नल टायलो ने माउंट एयरी से एक दूत भेजा था, जिसमें राष्ट्रपति मैडिसन को हवेली का उपयोग करने की पेशकश की गई थी, और मैडिसन परिवार 8

सितंबर, 1814 को वहां रहने चला गया।
एक वर्ष से अधिक समय तक डॉली मैडिसन ने ऑक्टागन की मेज़बान के रूप में अपना दबदबा बनाए रखा। प्रवेश द्वार के ठीक ऊपर स्थित टावर कक्ष में राष्ट्रपति मैडिसन ने अपना अध्ययन कक्ष स्थापित किया और यहीं उन्होंने 17 फरवरी, 1815 को घेंट संधि पर हस्ताक्षर किए, जिससे ग्रेट ब्रिटेन के साथ शांति स्थापित हुई जो आज तक कायम है।
1855 में श्रीमती जॉन टायलो की मृत्यु के बाद, ऑक्टागन अब परिवार का टाउन हाउस नहीं रहा। वाशिंगटन के उस हिस्से ने कुछ समय के लिए अपना आवासीय स्वरूप खो दिया और भव्य पुरानी हवेली जीर्ण-शीर्ण होने लगी।
1865 में इसका उपयोग लड़कियों के स्कूल के रूप में किया जाता था। 1866 से 1879 तक सरकार ने इसे जलविज्ञान कार्यालय के उपयोग के लिए किराए पर लिया। कार्यालय के रूप में और बाद में स्टूडियो आवास के रूप में, ऑक्टागन ने लगभग 1885 तक सेवा की, जब इसे टायलो वारिसों द्वारा एक कार्यवाहक को सौंप दिया गया। अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स के लंबे समय तक सचिव रहे ग्लेन ब्राउन ने 1889 में सुझाव दिया था कि यह घर इंस्टीट्यूट के लिए एक उपयुक्त मुख्यालय बन सकता है।
जब वास्तुकारों ने इमारत का जीर्णोद्धार शुरू किया, तब उसमें दस अफ्रीकी-अमेरिकी परिवार रह रहे थे। शानदार पुराने ड्राइंग रूम में चार फुट गहरा कूड़ा भरा हुआ था। पूरा अंदरूनी भाग मैला था, चिमनियां बंद थीं, खिड़कियां टूटी हुई थीं, लेकिन एक सदी पहले बनी इस इमारत को टायलो परिवार के योग्य बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी गई थी, और यह आज भी समय और उपेक्षा के बावजूद मजबूती से खड़ी है।
चमत्कारिक रूप से, प्रसिद्ध सीढ़ी के पतले बलस्टर आज भी अपनी जगह पर डटे हुए हैं, निस्संदेह इस तथ्य से कि प्रत्येक पाँचवाँ बलस्टर लोहे का है और रेलिंग और कैरिज से मजबूती से जुड़ा हुआ है। ड्राइंग रूम और डाइनिंग रूम में लगे कोएड स्टोन के मेंटलपीस, जिन पर गहरी नक्काशी की गई है, उन पर भी कोई खरोंच या निशान नहीं है। इन्हें 1799 में लंदन से लाया गया था और इन पर निर्माता का नाम और वही तारीख अंकित है।
1 जनवरी, 1899 को संस्थान ने पुनर्निर्मित हवेली, उसके अस्तबल, धुआंगृह और बगीचे का औपचारिक रूप से अधिकार प्राप्त कर लिया।

घर के बारे में बस इतना ही। मुझे कर्मचारियों का साक्षात्कार लेने की पूरी छूट दी गई थी, और मैंने ऐसा ही किया। उनमें से कुछ श्वेत थे, कुछ अश्वेत; सभी ने उच्च स्तर की बुद्धिमत्ता और गरिमा का प्रदर्शन किया, जो अक्सर पुराने दक्षिणी अमेरिका में देखने को मिलती है।

मैंने कर्मचारियों द्वारा व्यक्तिगत रूप से दिए गए बयानों को सावधानीपूर्वक सारणीबद्ध किया और विश्वसनीयता और संभावित खामियों के लिए उनमें से प्रत्येक के रिकॉर्ड की जांच की। कोई खामी नहीं मिली।

इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि कोई भी भूतों को देखने या सुनने के दावे के लिए उत्सुक नहीं था, और न ही कोई प्रचार या सार्वजनिक ध्यान आकर्षित करने की चाह रखता था, मैं इन वृत्तांतों को केवल संतुलित व्यक्तियों के सम्मानजनक अनुभवों के रूप में ही देख सकता हूं।

उस समय इमारत की देखरेख अल्ब्रिक एच. क्ले नाम के एक तीस वर्षीय अधिकारी के हाथ में थी, जो अधीक्षक पद पर कार्यरत थे। अष्टभुज के संग्रहालय वाले हिस्से की देखरेख, जो अमेरिकी वास्तुकार संस्थान के कार्यालयों के विशाल परिसर से अलग था, श्रीमती बेल्मा मे की देखरेख में थी, जो इसकी क्यूरेटर थीं। उनकी सहायता के लिए पोर्टर और नौकरानियों का एक दल मौजूद था, क्योंकि अष्टभुज के सबसे पुराने हिस्से में कभी-कभी औपचारिक रात्रिभोज या पार्टियां आयोजित की जाती थीं।

श्रीमती मे को मतिभ्रम या भूत-प्रेत की कहानियों पर विश्वास नहीं था, और उन्होंने बड़ी सहजता से मुझे इमारत में अपने अनुभवों के बारे में बताया। उनके अधिकांश वृत्तांत हाल ही के थे।

श्रीमती मे ने देखा कि लॉबी की सभी खिड़कियाँ कसकर बंद होने के बावजूद बड़ा झूमर अपने आप झूल रहा था; उन्होंने इस अजीब घटना का जिक्र एक सहकर्मी से किया। उन्होंने कुछ अजीबोगरीब आवाजें भी सुनीं, जिनका कोई कारण समझ में नहीं आया, और ये आवाजें ज्यादातर शनिवार को आती थीं। एक बार, श्रीमती मे, पोर्टर एलन और ब्रैडली के साथ, सबसे ऊपरी मंजिल पर, जो लंबे समय से जनता के लिए बंद थी, धूल में इंसानी पैरों के निशान पाए। उन्हें वे निशान ऐसे लगे जैसे कोई पैर की उंगलियों पर खड़ा होकर फर्श पर दबे पांव चल रहा हो। कर्नल टायलो की बेटी ने वहीं से छलांग लगाई थी।

जब कोई पार्टी नहीं होती थी तब भी श्रीमती मे को अक्सर इमारत में खाना पकाने की

गंध आती थी। उन्हें पहली मंजिल की सीढ़ियों पर ठंडक भी महसूस होती थी।
केयरटेकर मैथ्यू ने बताया कि जब वह सीढ़ियों से ऊपर चढ़ता था, तो उसे अक्सर ऐसा महसूस होता था जैसे कोई उसके पीछे चल रहा हो, खासकर दूसरी मंजिल पर।
पार्टियों में मदद करने वाली एथेल विल्सन ने क्लोकरूम में "ठंड लगने" की सूचना दी।
सन् 1962 की वसंत ऋतु में पोर्टर एलन भूतल पर एक बैठक की तैयारी कर रहे थे, तभी उन्हें ऊपर से "भारी फर्नीचर को घसीटने जैसी" आवाजें सुनाई दीं। मार्च 1963 में, उन्होंने और उनके सहयोगी ने सीढ़ियों को "ऐसे हिलते हुए देखा जैसे कोई उन पर चल रहा हो, लेकिन वहां कोई नहीं था।" यह घटना सुबह 9:30 बजे घटी।
पोर्टर ब्रैडली ने कराहने की आवाज़ें सुनने की सूचना दी, लेकिन आवाज़ की दिशा का पता लगाना मुश्किल था। उन्होंने कई बार कदमों की आहट भी सुनी।
भवन प्रबंधन के प्रभारी एलरिक एच. क्ले, 1962 की वसंत ऋतु में एक शाम अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ गाड़ी से जा रहे थे, तभी उन्होंने देखा कि इमारत की बत्तियाँ जल रही हैं। परिवार को गाड़ी में छोड़कर, वे पीछे के दरवाजे से बंद इमारत में दाखिल हुए और पाया कि सब कुछ ठीक से बंद था। हालांकि, बत्तियाँ जलने के अलावा, उन्होंने यह भी देखा कि जिस जगह 1800 के दशक में लड़की की गिरकर मौत हुई थी, वहाँ कालीन का किनारा ऊपर उठा हुआ था।
क्ले भूतों पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए वह ऊपर चला गया; वहाँ कोई नहीं था, इसलिए उसने लाइटें बंद कर दीं, कालीन को वापस अपनी जगह पर रख दिया और नीचे तहखाने में चला गया जहाँ लाइट के नियंत्रण हैं।
ठीक उसी क्षण, ऊपर की मुख्य मंजिल पर (जिसे वह अभी-अभी छोड़कर आया था) उसने किसी को ड्राइंग रूम से दरवाजे तक जाते और वापस आते हुए सुना। चूंकि उसने अभी-अभी सभी दरवाजे जांच लिए थे और जानता था कि वे मजबूती से बंद हैं, इसलिए वह इतना घबरा गया कि स्विच दबाते समय उसे लगभग बिजली का झटका लग गया। कदम भारी थे और निश्चित रूप से किसी पुरुष के थे।
फरवरी 1963 में इमारत में एक देर रात पार्टी चल रही थी। सबके चले जाने के बाद, क्ले इस बात से आश्वस्त होकर घर चला गया कि पीछे के दरवाजे की चाबी सिर्फ उसी के पास है। ऑक्टागन की बनावट ऐसी है कि कोई भी निरीक्षण से छिप नहीं सकता, इसलिए किसी मेहमान का शरारत करते हुए वहीं रुक जाना नामुमकिन था।
सुबह 3:00 बजे पुलिस ने क्ले को फोन करके बताया कि ऑक्टागन की सभी बत्तियाँ

जल रही हैं और इमारत का ताला खुला हुआ है। नियंत्रक श्री वोवर्टन ने जाँच की और पुलिस के साथ इमारत में जाकर सभी बत्तियाँ फिर से बंद कर दीं। पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में सब कुछ फिर से बंद कर दिया गया।

हालांकि, सुबह 7:00 बजे वे एक बार फिर ऑक्टागन में लौटे, लेकिन दरवाजा खुला हुआ था और बत्तियाँ फिर से जल रही थीं। लेकिन चाबी सिर्फ क्ले के पास थी!

मैंने कहा, "श्रीमान क्ले, इन सभी अजीब अनुभवों के बाद, क्या आप भूतों पर विश्वास करते हैं?"

“नहीं, मैं नहीं मानता,” क्ले ने कहा और थोड़ी असहजता से हँस पड़ा। वह उत्कृष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाला व्यक्ति था और अलौकिक शक्तियों को स्वीकार करने का विचार उसे बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता था। लेकिन बात यही थी।

"तो फिर आप पिछले कुछ वर्षों की घटनाओं की व्याख्या कैसे करेंगे?"

“मुझे नहीं पता,” उसने कहा और कंधे उचका दिए। “मेरे पास उनके लिए कोई तर्कसंगत स्पष्टीकरण नहीं है। लेकिन वे निश्चित रूप से हुए थे।”

सुनी गई गवाही से मुझे यह विश्वास हो गया कि ऑक्टागन में दो भूत थे, जो चरमराते पुराने फर्श पर बेचैनी से चक्कर लगा रहे थे, और बाहर की वास्तविक दुनिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए एक-दूसरे से होड़ कर रहे थे।

कर्नल टायलो की आत्महत्या करने वाली बेटी के नाजुक कदमों की आहट थी, जो उन सैरगाहों को फिर से दोहरा रही थी जिनका उसने आनंद लिया था लेकिन बहुत ही कम समय के लिए; और पिता के भारी, अपराधबोध से भरे कदम थे, जो खुद को उन बंधनों से मुक्त नहीं कर पा रहे थे जो उन्हें उनके घर और उस त्रासदी से बांधते हैं जिसने घर और उनके जीवन दोनों को अंधकारमय कर दिया था।

खोए हुए सिर का मामला

दक्षिण के सबसे प्रसिद्ध भूतों में से एक रेल कंडक्टर जो बाल्डविन थे। जो और उनकी लालटेन की कहानी मुझे पता थी; लाइफ पत्रिका ने तो उत्तरी कैरोलिना के विलमिंगटन के पास रेल पटरी की एक तस्वीर छापकर इसे विशेष महत्व दिया था, जिसमें एक हरे रंग की लालटेन बड़े ही रहस्यमय ढंग से सजी हुई थी, जिसे संभवतः किसी प्रेत के हाथों में झूला हुआ माना जा रहा था।

फिर 1964 की शुरुआत में एक दिन, यह किंवदंती हकीकत बन गई जब मुझे बिल मिचम का एक पत्र मिला, जो दक्षिण पूर्वी उत्तरी कैरोलिना बीच एसोसिएशन के कार्यकारी सचिव थे। यह एसोसिएशन विलमिंगटन के आसपास के प्रमुख रिसॉर्ट होटलों द्वारा स्थापित एक जनसंपर्क कार्यालय था। श्री मिचम ने प्रस्ताव दिया कि मैं जो बाल्डविन के भूत को देखूं और वैज्ञानिक रूप से यह समझाने की कोशिश करूं कि प्रसिद्ध "मैको लाइट" क्या थी या क्या है।

इसके अलावा, श्री मिचम ने मेरी जांच पूरी होने के बाद इस विषय पर एक व्याख्यान आयोजित करने की व्यवस्था की, जिसे बीच एसोसिएशन और विलमिंगटन कॉलेज ने संयुक्त रूप से प्रायोजित किया। उन्होंने कैथरीन और मेरे लिए भव्य स्वागत का वादा किया और उन्होंने ऐसा ही किया।

भूत-प्रेत की खोज के इतिहास में शायद ही कभी किसी पैरासाइकोलॉजिस्ट का इतना भव्य स्वागत हुआ हो और प्रेस, टेलीविजन और रेडियो द्वारा उसे इतनी व्यापक कवरेज मिली हो, और यदि जो बाल्डविन का भूत अपने निजी भूत-प्रेत शिकारी की ओर निर्देशित इस सारी प्रसिद्धि का आनंद ले रहा था, तो उसका इसमें हार्दिक स्वागत था। अगर जो बाल्डविन न होते, तो रेलवे ट्रैक का वह मोड़, जिसे मैको स्टेशन (विलमिंगटन से कुछ मील दूर) के नाम से जाना जाता था, एक बेहद साधारण और भद्दा पुल होता। जब मैंने मई 1964 में इसकी पड़ताल की और वहां से निकला, तब तक यह स्थान लगभग एक राष्ट्रीय तीर्थस्थल का दर्जा हासिल कर चुका था और पर्यटक समूह हर समय, खासकर रात में, जो बाल्डविन की रहस्यमयी रोशनी को देखने के लिए आते रहते थे।

बिल मिचम ने यह सुनिश्चित किया था कि दुनिया को जो बाल्डविन के बिना सिर वाले भूत और हैंस होल्ज़र द्वारा उसकी तलाश के बारे में पता चले, और विलमिंगटन में बिताए गए हमारे एक सप्ताह के दौरान एक या दूसरे प्रकार की कम से कम अठहत्तर अलग-अलग समाचार कहानियां छपीं।

विलमिंगटन अभियान की योजना बनाने से पहले ही, मुझे स्थानीय मनोवैज्ञानिक घटनाओं के छात्र विलियम एडवर्ड कॉक्स जूनियर से एक दोस्ताना पत्र और "द मैको घोस्ट लाइट" नामक एक पांडुलिपि प्राप्त हुई। श्री कॉक्स ने उस विचित्र प्रकाश का अवलोकन करने में काफी समय बिताया था, और मैं उनके शब्दों को उद्धृत करता हूँ:
उत्तरी कैरोलिना के विलमिंगटन के आसपास प्रचलित एक पसंदीदा "भूतिया कहानी" "जो बाल्डविन की भूतिया रोशनी" की है, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह रात में उत्तरी कैरोलिना के मैको के पास, विलमिंगटन से बारह मील पश्चिम में अटलांटिक कोस्ट लाइन रेलमार्ग पर दिखाई देती है।
30 जून से 1 जुलाई, 1949 तक, इस लेखक ने इस घटना की जांच में काफी समय व्यतीत किया। इसका उद्देश्य परीक्षण परिस्थितियों में प्रकाश के व्यवहार की सटीक जांच करना था, ताकि इसकी सटीक प्रकृति का पता लगाया जा सके।
जो बाल्डविन की भूतिया रोशनी की किंवदंती के 1867 में जन्म लेने के कुछ समय बाद से ही इस रोशनी को देखा जा रहा है। इसका आधिकारिक उल्लेख "द स्टोरी ऑफ द कोस्ट लाइन, 1830-1948" नामक एक पुस्तिका में मिलता है। इसके सामान्य वर्णन में, यह एक 25-वॉट की बिजली की बत्ती जैसी दिखती है जो पटरियों के साथ-साथ धीरे-धीरे प्रेक्षक की ओर बढ़ती है। प्रेक्षक के लिए इसे देखने का सबसे अच्छा स्थान स्वयं पटरी पर वह बिंदु है जहाँ पटरियाँ, उस बिंदु पर दोहरी होकर, अमेरिकी राजमार्ग 74-76 और अमेरिकी राजमार्ग 19 के बीच एक जोड़ने वाली सड़क की शाखा से मिलती हैं।
प्रचलित व्याख्या यह है कि दुर्घटना में सिर कटने से मारे गए कंडक्टर बाल्डविन अपने सिर की तलाश में रात्रिकालीन सैर पर निकलते हैं।
रात्रि प्रकाश की उत्पत्ति के लिए प्रस्तुत विभिन्न "प्राकृतिक" सिद्धांतों का परीक्षण करने के बाद, श्री कॉक्स ने स्वीकार किया:
हालांकि आम राय यही है कि ये रोशनी किसी दुर्लभ कारण से उत्पन्न होती हैं, जैसे कि अलौकिक घटनाएँ, "इग्निस फैटस" (अचानक होने वाली जादुई शक्तियाँ), लेकिन मैको के आसपास के निवासियों की राय इस पर्यवेक्षक द्वारा काफी भिन्न पाई गई। मोबिल सर्विस स्टेशन के मालिक ने कोई स्पष्ट राय नहीं दी, और एक स्थानीय ग्राहक ने कहा कि उसने "कभी ऐसी रोशनी नहीं देखी।" इलाके के एक किसान को पूरा यकीन था कि यह गाड़ियों की हेडलाइट्स के कारण है, लेकिन उन्होंने उन रोशनी के बारे में

कोई राय नहीं दी जो गाड़ियों के आने से पहले वहाँ आम तौर पर देखी जाती थीं।
विलेट सर्विस स्टेशन की मालकिन, श्रीमती सी. एल. बेंटन, दृढ़ता से आश्वस्त थीं कि यह "अलौकिक उत्पत्ति" का था, और मैको में पर्यवेक्षकों को ऑटोमोबाइल हेडलाइट्स का अजीबोगरीब दिखना कमोबेश एक आकस्मिक संयोग ही होना चाहिए।
उन्होंने कहा कि उनके पिता "60 साल पहले वहां पास में लकड़ी के चूल्हे में लकड़ी भरते समय इसे अक्सर देखते थे।"
“मैको लाइट”, या मूल प्रकाश, की उत्पत्ति और प्रकृति का बुनियादी प्रश्न अभी तक पूरी तरह से अनुत्तरित है। यहाँ प्रस्तुत निष्कर्ष, जो पूरी तरह से सामान्य कारणों से प्राप्त हुए हैं, उन्हें सुदूर अतीत में (या वर्तमान समय में भी) किसी अलौकिक उत्पत्ति के प्रकाश के अस्तित्व को नकारने के रूप में सटीक रूप से नहीं माना जा सकता है।
इस घटना की निर्विवाद विलक्षणता, जो एक ऐसे स्थान पर घटित होती है जहाँ ऑटोमोबाइल द्वारा समान घटना को उत्पन्न करना इतनी आसानी से संभव है, इसे रहस्यमय "भूल गए रहस्यों के दायरे" में धकेल देती है।
श्री कॉक्स द्वारा 1949 में उस स्थान पर किए गए परिश्रमपूर्ण प्रयोग का यही परिणाम निकला।
घोस्ट हंटर (और मिसेज़ घोस्ट हंटर) के आगमन की खबर इलाके के अखबारों में खूब छपी। खबरों की भरमार में से एक उदाहरण शार्लोट ऑब्जर्वर में छपी खबर थी:

क्या स्पूक हंटर ओल्ड जो को भूत-प्रेत से मुक्त कर सकता है?

साउथ ईस्टर्न नॉर्थ कैरोलिना बीच एसोसिएशन ने शनिवार को ओल्ड जो बाल्डविन के भूत का अध्ययन करने के लिए एक प्रमुख पैरासाइकोलॉजिस्ट को आमंत्रित किया।
एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक बिल मिचम ने कहा कि उन्होंने न्यूयॉर्क के हैंस होल्ज़र को ओल्ड जो से संबंधित भूतिया कहानियों को या तो साबित करने या खंडन करने के लिए कहा है।
होलज़र 1 मई से अपना अध्ययन शुरू करेंगे।
जो बाल्डविन द्वारा झूठे संकेतों से ट्रेनों को रोकने और गर्मियों की अंधेरी रातों में अपनी लालटेन लहराने की कहानियां 1867 में उनकी मृत्यु के बाद से दोहराई जाती रही हैं।
विलमिंगटन, मैनचेस्टर और ऑगस्टा रेलरोड में कंडक्टर के रूप में कार्यरत बाल्डविन, अपनी मृत्यु की रात ट्रेन के पिछले डिब्बे में यात्रा कर रहे थे। डिब्बा अलग हो गया और बाल्डविन ने पीछे आ रही यात्री ट्रेन को संकेत देने के प्रयास में एक लालटेन उठा ली।

लेकिन इंजीनियर सिग्नल को देख नहीं पाया। परिणामस्वरूप हुए हादसे में बाल्डविन का सिर धड़ से अलग हो गया।
दुर्घटना के एक प्रत्यक्षदर्शी ने बाद में बताया कि सिग्नल लालटेन पटरियों से कुछ दूरी पर जा गिरी थी, लेकिन उसके बाद वह कुछ समय तक तेज रोशनी से जलती रही।
दुर्घटना के तुरंत बाद, ब्रंसविक काउंटी के मैको स्टेशन पर रेलवे ट्रैक के किनारे एक रहस्यमय रोशनी देखे जाने की खबरें आईं।
मैको स्टेशन पर रेलकर्मियों द्वारा दो लालटेन, एक हरी और एक लाल, का उपयोग किया गया है ताकि इंजीनियर जो बाल्डविन की रोशनी से भ्रमित या धोखा न खाएं।
विलमिंगटन स्टार-न्यूज़ की महिला संपादक थेरेसा थॉमस ने इस विषय में अधिक गंभीरता से मदद की, क्योंकि उन्हें वर्षों से मानसिक शक्तियों में रुचि थी और संभवतः वे स्वयं भी कुछ हद तक संवेदनशील थीं। 8 अप्रैल, 1964 को उन्होंने अपने पाठकों से पूछा:

क्या आपने कभी मैको लाइट देखी है?

क्या आपने कभी ओल्ड जो बाल्डविन को देखा है? या उनकी रोशनी को? जहाँ तक हमें पता है, किसी ने भी खुद जो को नहीं देखा है।
लेकिन अगर आपने मैको में रेलवे ट्रैक के किनारे उसकी लालटेन को झूलते हुए देखा है, तो आप हैंस होल्ज़र, घोस्ट हंटर, की बहुत मदद कर सकते हैं, जो 29 अप्रैल को विलमिंगटन में होंगे।
या तो आप अपने अनुभव को लिखकर हमें भेज दें, या फिर हमें फोन करके इसके बारे में बताएं।
फिर, मिस थॉमस ने आगे कहा कि नारीवादी दृष्टिकोण ने वैज्ञानिक बाधा को थोड़ा तोड़ दिया:
श्री होल्ज़र की पत्नी भी उतनी ही दिलचस्प हैं जितनी कि वे खुद। वह एक चित्रकार हैं और रूस की महान कैथरीन की परपोती हैं। श्रीमती होल्ज़र का जन्म इतालवी आल्प्स में स्थित टायरॉल के मेरान में एक भूतिया महल में काउंटेस कैथरीन बुक्सहोवेडेन के रूप में हुआ था। और वह भूतिया घरों के चित्र बनाती हैं।
मेरी यात्रा में अभी तीन सप्ताह बाकी थे, लेकिन विलमिंगटन में प्रचार-प्रसार की प्रक्रिया पहले से ही तेजी से चल रही थी।
थेरेसा थॉमस की भूतिया घटनाओं के प्रत्यक्षदर्शियों के लिए की गई अपील का तुरंत

असर दिखा। पहली बार प्रतिष्ठित लोगों ने इस मामले को गंभीरता से लिया, और जिन लोगों ने प्रकाश देखा था, उन्होंने खुलकर अपनी बात कही। मिस थॉमस ने अपना उत्साह नहीं छिपाया। 12 अप्रैल को उन्होंने लिखा:

ऐसा लगता है कि बहुत से लोगों ने मैको में ओल्ड जो बाल्डविन की प्रतिभा को देखा है और उनमें से अधिकांश इसके बारे में बात करने के लिए इच्छुक - बल्कि उत्सुक - हैं।

सबसे पहले फोन करने वालों में 211 ऑरेंज स्ट्रीट की श्रीमती लैरी मूर भी थीं, जिन्होंने कहा कि उन्होंने साल के अलग-अलग मौसमों में तीन या चार बार रोशनी देखी थी। पहली बार यह एक बादल भरी, धुंध वाली सर्दियों की रात थी और फिर गर्मियों में, फिर से धुंध छाई हुई थी। उसने प्रकाश का वर्णन "नीली-पीली लौ जैसा" किया। वह और उसके साथी पगडंडी पर चलते रहे और जैसे-जैसे वे पुल के पास पहुँचते गए, प्रकाश करीब आता गया। जब वे पुल के केंद्र में पहुँचे, जहाँ प्रकाश लगभग 10 फीट दूर था, तो वह गायब हो गया।

राइट्सविले बीच के 6 शियरवॉटर ड्राइव की निवासी श्रीमती थेल्मा डॉटरी का कहना है कि उन्होंने इसे एक धुंध भरी बसंत की रात में देखा था। शाम के लगभग 7 या 8 बजे थे और लाल रंग की रोशनी घुटने की ऊंचाई पर झूलती हुई दिखाई दी।

ऑस्ट्रिया के वियना की मूल निवासी और 172 कॉलोनियल सर्कल की निवासी श्रीमती मार्गरेट जैक्सन ने लगभग सात साल पहले एक धुंधली रात में इसे देखा था। वह कई अन्य लोगों के साथ थीं और उन सभी ने एक "चमकीली रोशनी" देखी, जो स्थिर और दूर थी लेकिन हमेशा उनसे एक ही दूरी पर आगे थी।

220 फाइफर एवेन्यू की निवासी डिक्सी रैम्बो ने इसे शुक्रवार की सुबह लगभग 1 बजे देखा। उनका कहना है कि उस समय "घोर अंधेरा" था और दूर से पटरी पर एक लाल बिंदु जैसी रोशनी दिखाई दी, पास आने पर वह पीली-सफेद हो गई, और फिर और करीब आने पर वह लाल और सफेद रंग का मिश्रण थी।

उन्हें याद है कि उन्होंने और उनके साथियों ने उसे पटरी के बाईं ओर आते देखा और जैसे-जैसे वह करीब आता गया, पटरी पर उसकी परछाई लगभग उन तक पहुँचने लगी। लगभग 10 फीट की दूरी पर उसने अपनी दिशा बदल दी और जैसे ही वे उसकी ओर बढ़े, वह गायब हो गया। एक बार ऐसा लगा जैसे वह पटरी पार कर गया हो। उन्होंने बताया कि उन्होंने उसे पाँच-छह बार देखा।

ग्रेस स्ट्रीट के 406 नंबर पर रहने वाली नर्स श्रीमती मार्विन क्लार्क बताती हैं कि उन्होंने

और उनके पति ने 15 साल पहले एक रोशनी देखी थी। यह लगभग आधी रात का समय था, बादल छाए हुए थे और बारिश हो रही थी। वे रेलवे ट्रैक के बीच में खड़े थे और "ऐसा लग रहा था जैसे कोई ट्रेन पूरी रफ्तार से आ रही हो और उस पर रोशनी हो।" श्रीमती क्लार्क ने प्रकाश का वर्णन करते हुए कहा कि यह "ट्रेन की बत्ती के रंग" जैसा था।

“हमने अपनी छोटी बच्ची को उठाया और भागे। हम सभी ने हमेशा कारों की परछाईं देखी है, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि वह मैको लाइट ही थी।”

कैरोलिना बीच की श्रीमती लासे वी. डेल के पास भी सुनाने के लिए एक कहानी है। ऐसा लगता है कि वह और उनके पति एक रात फेयेटविले से देर से घर लौटे थे। उन्होंने लिखा: “जैसे ही हम कट-ऑफ से निकलकर 74-76 राजमार्ग पर आगे बढ़े, मुझे जो अनुभव हुआ, उसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगी…” वह आगे लिखती हैं, “अचानक सड़क पर हमारी ओर एक तेज रोशनी दिखाई दी, पहले तो मुझे लगा कि यह कोई कार है। लेकिन फिर मैंने सोचा कि अगर कार है भी तो उसमें सिर्फ एक ही बत्ती होगी। वह लगातार हमारी ओर बढ़ती रही।”

“तब मुझे लगा कि यह एक ट्रेन है, फिर भी मुझे कुछ सुनाई नहीं दिया, और जितनी अचानक यह प्रकट हुई थी उतनी ही अचानक गायब भी हो गई। मैं कह सकता हूँ कि यह एक बहुत ही अजीब अनुभव था। मैंने इसके बारे में कई बार सोचा है। मैंने इसके कई संस्करण सुने हैं, लेकिन ऐसा पहले कभी नहीं सुना।”

तीन दिन बाद, मिस थॉमस ने एक और पूरा कॉलम उन लोगों को समर्पित किया जिन्होंने उस भूतिया रोशनी को देखा था।

स्नीड्स फेरी की श्रीमती मार्जोरी एच. राइज़र ने लिखा: “मैंने तीन बार प्रकाश देखा है। आखिरी और सबसे महत्वपूर्ण घटना लगभग डेढ़ साल पहले हुई थी। मेरे पति, तीन छोटे बेटे और कैंप लेज्यून स्थित संयुक्त राज्य नौसेना अस्पताल का एक सैनिक मेरे साथ थे और हम सभी ने एक ही चीज़ देखी। रात के लगभग 10:30 बजे थे और हम एक खेल खेलकर लौट रहे थे। हमने मैको जाने का फैसला किया क्योंकि हम बहुत पास थे और हमारे साथ मौजूद युवक को हमारी कहानी पर विश्वास नहीं हो रहा था।”

आसमान में बादल छाए हुए थे और हल्की धुंध छाई हुई थी। हमने कार को पटरी के किनारे खड़ा किया और वाकई पटरी के नीचे रोशनी दिखाई दी। मैं अपने बेटों के साथ कार में ही बैठी रही, और मेरे पति और पुलिसकर्मी रोशनी की ओर पटरी पर पैदल चले

गए।
“रोशनी कभी धीमी होती तो कभी बहुत तेज हो जाती थी। दोनों आदमी शायद एक चौथाई मील तक पगडंडी पर चले और फिर लौट आए। उन्होंने कहा कि रोशनी उनके आगे ही रही, लेकिन मेरे बेटों और मैंने रोशनी को उनके और हमारे बीच देखा।”
"ऐसा लग रहा था मानो रोशनी लगभग उस जगह तक आएगी जहां हमने गाड़ी खड़ी की थी और फिर लड़खड़ाते हुए पटरी पर आगे बढ़ जाएगी और गायब हो जाएगी। एक पल में वह फिर से दिखाई देगी और यही प्रक्रिया बार-बार दोहराएगी।"
“जब हम वहां लगभग एक घंटे तक रहे और जाने लगे, तो विलमिंगटन की ओर जाती हुई एक ट्रेन पास आई। रोशनी हमसे थोड़ी दूरी पर थी। जैसे ही ट्रेन रोशनी के पास से गुजरी, वह ऊपर उठी और ट्रेन के ऊपर मंडराने लगी। जैसे ही रोशनी बहुत तेज हुई, हम ट्रेन का ऊपरी हिस्सा साफ देख सकते थे।”
"ट्रेन के गुजरने तक वह उसके ऊपर मंडराता रहा, फिर पटरी के पास नीचे गायब हो गया और अंत में ऐसा लगा जैसे किसी ने उसे जंगल में फेंक दिया हो।"
"जैसे ही हम ट्रैक से दूर जाने लगे, ट्रैक पर रोशनी वापस आ गई और वह पहले की तरह ही ट्रैक पर आगे-पीछे लहराने लगी।"
और चिट्ठियाँ लगातार आती रहीं। 22 अप्रैल को, मेरे इस क्षेत्र में जल्द ही आने के बारे में आधे कॉलम के बाद, मिस थॉमस ने एक युवक का पत्र छापा जिसने कुछ दिलचस्प तस्वीरें ली थीं:
वह जे. एवरेट हगिन्स हैं, जिनका पता 412 मार्केट स्ट्रीट, विलमिंगटन है। यह पत्र बिल मिचम को संबोधित है और इसमें लिखा है: "मैंने आपके 'भूत सर्वेक्षण' पर लिखे लेखों को रुचिपूर्वक पढ़ा, खासकर इसलिए क्योंकि मैंने दो सप्ताह से भी कम समय पहले मैको लाइट देखी थी और वास्तव में ओल्ड जो को कैमरे में कैद करने में सक्षम था।"
“1 और 2 अप्रैल की रात को, मैं और मेरा एक सहपाठी रोशनी देखने की उम्मीद में मैको स्टेशन गए। शुक्रवार, 1 अप्रैल को हमें कुछ भी दिखाई नहीं दिया, लेकिन शनिवार को, जब थोड़ा अंधेरा था, तो हमें अधिक सफलता मिली। लगभग 10:30 बजे हमने हमसे लगभग 100 गज दूर पटरी पर एक पीली रोशनी देखी (यह दूरी केवल एक अनुमान है)। ऐसा लग रहा था कि वह पटरी से लगभग 10 फीट ऊपर थी और कुछ देर तक धीरे-धीरे हमारी ओर बढ़ती हुई दिखाई दी, फिर वापस चली गई और गायब हो गई।”

"वह रोशनी संभवतः लगातार तीन बार दिखाई दी, जिसकी अवधि मेरे अनुमान के अनुसार लगभग तीस सेकंड तक रही।"
मैंने अपने कैमरे से दो टाइम एक्सपोज़र लेने की कोशिश की। दुर्भाग्य से मेरे पास ट्राइपॉड नहीं था, इसलिए मुझे कैमरा हाथों में पकड़ना पड़ा, जिससे साफ़ तस्वीरें लेना असंभव हो गया। तस्वीरें बहुत शानदार नहीं हैं—रंगीन ट्रांसपेरेंसी पर बस एक छोटा सा धब्बा दिख रहा है—लेकिन तस्वीरें तो हैं। अगर आप चाहें तो मैं इनकी कुछ प्रतियां बनवा सकता हूँ।
मेरे दोस्तों ने उस रोशनी के बारे में मेरा मज़ाक उड़ाया था, इसलिए मैंने उनके संदेह को दूर करने के लिए कुछ विवरण नोट किए। हाईवे 74 पर पश्चिम की ओर जा रही कारों की हेडलाइट्स दूर से दिखाई दे रही थीं, और निस्संदेह कई लोग जो ओल्ड जो को देख रहे हैं, वे केवल इन्हीं लाइटों को देख रहे हैं। हालाँकि, ओल्ड जो को कई तरीकों से पहचाना जा सकता था। सबसे पहले, उस रोशनी का रंग कारों की हेडलाइट्स की तुलना में अधिक पीला था।
“दूसरा, हेडलाइट्स के विपरीत जो धीरे-धीरे तेज होती जाती हैं और फिर अचानक गायब हो जाती हैं, मैको लाइट धीरे-धीरे तेज होती जाती और फिर धीरे-धीरे फीकी पड़ जाती। तीसरा, मैको लाइट रेल पर एक ऐसा प्रतिबिंब उत्पन्न करती थी जो हेडलाइट्स की विशेषता नहीं थी।”
“इससे भी अधिक रोचक बात यह थी कि पटरियों पर परावर्तन केवल पटरी के अपेक्षाकृत छोटे हिस्से पर ही दिखाई दिया। परावर्तन को देखकर हम यह बता सकते थे कि प्रकाश पटरियों पर आगे-पीछे गति कर रहा था। यह हमेशा पटरियों के ठीक ऊपर ही बना रहा।”
"मैंने वह रोशनी इससे पहले एक बार 1956 में देखी थी। वह एक ठंडी सर्दियों की रात थी, और रोशनी पहले से कहीं अधिक तेज थी।"
जैसे-जैसे हमारे आगमन का दिन नजदीक आता गया, प्रेस की गतिविधियाँ और भी तेज़ होती गईं। 26 अप्रैल को अर्नोल्ड किर्क ने विलमिंगटन स्टार-न्यूज़ में लिखा:
अमेरिकी राजमार्ग 74 से कुछ मील पश्चिम में विलमिंगटन के पास एक छोटे से खुले मैदान में बसा ब्रंसविक काउंटी का यह छोटा सा गांव, उत्तरी कैरोलिना की "भूतों की राजधानी" के रूप में तेजी से ख्याति प्राप्त कर रहा है।
इसके कुछ दर्जन निवासी, जिनमें से अधिकांश मध्यम आय वर्ग के किसान हैं, अचानक

अपनी कभी शांतिपूर्ण रहने वाली रातों को दर्जनों वाहनों के बीच खलल में पाते हैं, जो प्रसिद्ध "मैको लाइट" को देखने के लिए सुविधाजनक स्थानों की होड़ में लगे रहते हैं। मैको के "भूत" कहे जाने वाले प्रकाशमान और वृद्ध जो बाल्डविन की किंवदंती लंबे समय से ज्ञात है, लेकिन इसकी लोकप्रियता हाल के महीनों में ही तीव्र हुई है।
पोर्ट सिटी में होल्ज़र का स्वागत करने के लिए विस्तृत योजनाएँ पहले ही बनाई जा चुकी हैं। न्यू हनोवर और ब्रंसविक काउंटी के सभी कस्बों के मेयरों के साथ-साथ दोनों काउंटी के काउंटी कमिश्नरों ने बुधवार शाम 7:43 बजे न्यू हनोवर काउंटी हवाई अड्डे पर उपस्थित रहने की सहमति दी है, जब "भूत शिकारी" का विमान पहुंचेगा।
हवाई अड्डे पर लालटेनें—प्रसिद्ध परा मनोविज्ञान विशेषज्ञ का स्वागत करने के लिए 1,000 हाई स्कूल के छात्र भी मौजूद रहेंगे, जो अपने साथ जलती हुई लालटेनें लेकर आएंगे! ये लालटेनें शहर द्वारा कई साल पहले खरीदी गई थीं ताकि सर्दियों के तूफानी महीनों के दौरान पेड़ों और पौधों को गर्मी मिल सके।
इस आयोजन की रौनक बढ़ाने के लिए न्यू हनोवर हाई स्कूल के वरिष्ठ अंग्रेजी कक्षा के छात्रों द्वारा लिखित "द बैलाड ऑफ ओल्ड जो बाल्डविन" का पहली बार सार्वजनिक प्रदर्शन किया जाएगा।
स्वागत समारोह इतना भव्य था कि ओल्ड जो बाल्डविन भी खुद को सम्मानित महसूस करते। थोड़ी देर बाद, हमने चुपके से मैको जाने की कोशिश की ताकि उस भूतिया जगह की एक झलक देख सकें। लेकिन नतीजे निराशाजनक रहे।
बात सिर्फ इतनी नहीं थी कि भूत दिखाई ही नहीं दिया, बल्कि जो दिखाई दिया वह बेहद भयावह था। विलमिंगटन स्टार ने इसका सारांश इस प्रकार दिया:
अनिच्छुक ओल्ड जो बाल्डविन ने बुधवार रात को अपने सबसे बड़े श्रोता समूह के सामने प्रदर्शन करने से इनकार करके अपने अलौकिक विशेषाधिकार का प्रयोग किया।
ब्रंसविक काउंटी के इस छोटे से गांव के केंद्र के पास रेलवे ट्रैक के किनारे छोटे-छोटे समूहों में इकट्ठे होकर, अनुमानित 250 लोग प्रसिद्ध "मैको लाइट" की एक झलक पाने की उम्मीद में घने अंधेरे में टकटकी लगाए देख रहे थे।
लेकिन रोशनी में जरा सी भी झिलमिलाहट नहीं थी।
होलज़र द्वारा बाल्डविन की भयावह मृत्यु के स्थल पर घोषित यात्रा से मैको के कुछ दर्जन निवासियों को कोई राहत नहीं मिली। रात दस बजे तक, संकरी मैको सड़क के दोनों ओर दर्जनों कारें खड़ी हो गईं और रोमांच की तलाश में निकले कई किशोर रेलवे

ट्रैक पर उमड़ पड़े।
अगर जो बाल्डविन ने वहां आने का फैसला किया होता, तो निस्संदेह उनका प्रदर्शन कम से कम एक मील तक ट्रैक पर अंधेरे में खोजबीन कर रही दर्जनों टॉर्च और बैटरी से चलने वाली लालटेन की रोशनी में गुम हो गया होता।
कई बार टॉर्च और लालटेन को "मैको लाइट" समझ लिया गया, जिससे यह उम्मीद जगी कि रहस्यमय चमक जल्द ही दिखाई देगी।
ट्रैक का एक बड़ा हिस्सा जीप और एक छोटी विदेशी कार की हेडलाइट्स से जगमगा रहा था, जो ट्रैक के दोनों किनारों पर तेजी से आगे-पीछे दौड़ रही थीं। एक छोटी लड़की ने उस समय चिंताजनक स्थिति पैदा कर दी जब उसने एक जुगनू को "मैको लाइट" समझ लिया और इतनी तीखी चीख मारी कि घोर अंधेरे में गूंज उठी।
बुधवार रात को मैको में होलज़र की यात्रा मुख्य रूप से उन फोटोग्राफरों और पत्रकारों के लाभ के लिए थी, जो उस रात पहले न्यू हनोवर काउंटी हवाई अड्डे पर प्रसिद्ध पैरासाइकोलॉजिस्ट से मिले थे।
चौराहे पर उनकी दूसरी यात्रा को एक कड़े रहस्य के रूप में रखा जाएगा, इस उम्मीद में कि "भूत शिकारी" शरारती तत्वों और चंचल किशोरों द्वारा बाधित हुए बिना प्रकाश की अपनी जांच करने में सक्षम होगा।
जल्द ही मुझे एहसास हो गया कि हमारे लिए अकेले रेलवे ट्रैक पर जाना असंभव होगा। भीड़ हमारा पीछा कर रही थी और उस जगह पर हमेशा भीड़ मौजूद रहती थी, जिससे मेरे मन में यह संदेह पैदा हुआ कि जब हम उनके इलाके में आए थे तो वे लोग काम के मूड में नहीं थे। जाहिर है, हम उनमें से कुछ लोगों के लिए काफी समय से हुई सबसे रोमांचक घटना थे।
अंततः, निर्धारित प्रेस कॉन्फ्रेंस का दिन आ गया, और सुबह दस बजे, समुद्र तट पर स्थित ब्लॉकेड रनर होटल में लगाए गए क्लीग लाइट्स और माइक्रोफोन के सामने, मैंने उन लोगों से आमने-सामने बात करना शुरू किया जो मुझे जो बाल्डविन के भूत के साथ अपने अनुभवों के बारे में बताने आए थे।
जिन लोगों ने मिस थॉमस को पत्र लिखकर अपनी मूल कहानियों की पुष्टि की थी, उनके अलावा कुछ ऐसे लोग भी सामने आए जो पहले ऐसा नहीं कर पाए थे। इनमें से एक थे विलियम मैकगर्ट, जो एक बीमा अधिकारी थे। उन्होंने प्रकाश को "चमकता हुआ" बताया, मानो वह अपने आप जलता-बुझता रहता हो और लोहे की पटरियों पर पूरी तरह

से प्रतिबिंबित होता हो। लेकिन उन्होंने मुझे बताया कि पूरब की ओर देखने पर यह दिखाई नहीं देता, केवल मैको स्टेशन की ओर देखने पर ही दिखाई देता है।
मार्गरेट ब्रेमर ने अपनी पहले बताई गई कहानी में यह जोड़ते हुए कहा कि उन्हें वह रोशनी "मिट्टी के तेल के लालटेन की तरह आगे-पीछे झूलती हुई" दिखाई दी।
उनके पति, श्री ब्रेमर, कुछ भी कहने की योजना नहीं बना रहे थे, लेकिन मैंने उन्हें मना लिया। आखिरकार उन्होंने स्वीकार किया कि बारह साल पहले, जब उनकी कार पटरी के ऊपर खड़ी थी, तो उन्होंने अपनी ओर आती हुई एक रोशनी देखी। वह दीपक की तरह टिमटिमा रही थी और पास आने पर तेज हो गई। बाद में उन्होंने कहा, "कुछ अजीब सा हुआ—अचानक हवा का एक झोंका सा आया, मानो विलमिंगटन से कोई ट्रेन आ रही हो।"
“क्या वहाँ कोई था?” मैंने सावधानी से पूछा।
“नहीं, बिलकुल नहीं। अगर ट्रेन आने की उम्मीद होती तो हम कार को पटरी के उस पार नहीं रखते।”
श्रीमती लौरा कॉलिन्स आगे आईं और मुझे उस घटना के बारे में बताया जब वह एक ऐसे लड़के के साथ पुल पर थीं जो भूतों पर विश्वास नहीं करता था, यहाँ तक कि जो बाल्डविन के भूतों पर भी नहीं। जब प्रकाश प्रकट हुआ, तो उसने उसका उपहास उड़ाया और उसे परावर्तन बताकर समझाने की कोशिश की। लड़के से छह फीट दूर, प्रकाश अचानक गायब हो गया और उसके पीछे फिर से प्रकट हुआ—मानो उसे नीचा दिखाने के लिए! श्रीमती कॉलिन्स और अन्य लोगों ने देखा कि धुंध भरे मौसम में प्रकाश अधिक स्पष्ट दिखाई देता था।
गवाहों की कतार में अगला नाम विलमिंगटन की श्रीमती एलिजाबेथ फिंच का आया, जिन्होंने ठीक एक दिन पहले ही अपनी मूल गवाही दी थी।
“मुझे वह रोशनी कई बार दिखाई दी,” उन्होंने उस रोशनी के बारे में कहा, “मुझे वह लालटेन जैसी लगी। दो साल पहले, हम अपनी कार में रेलवे ट्रैक के दूसरी तरफ खड़े थे—हम ट्रेन का इंतज़ार कर रहे थे—तभी मुझे दोनों तरफ से दो तेज़ रोशनी दिखाई दीं। वह सर्दियों की शाम थी, लेकिन मुझे अचानक बहुत गर्मी लगने लगी। कार के सामने एक लाल लकीर दिखाई दी, और फिर मैंने एक आदमी की धुंधली आकृति देखी जो लालटेन लिए चल रहा था और उसे हिला रहा था। ध्यान रहे, वह सिर्फ़ एक धुंधली आकृति थी,” श्रीमती फिंच ने ज़ोर देकर कहा, “और उसका सिर भी था… वह चलता

रहा, फिर अचानक रेलवे ट्रैक के अंदर गायब हो गया।"

"क्या आपको पहले कभी मानसिक अनुभव हुए हैं, श्रीमती फिंच?" मैं जानना चाहती थी।

"हां, जब हम मेसनबोरो में एक घर में रहते थे, तो मुझे अजीब आवाजें, कदमों की आहट, यहां तक कि कहीं से भी आवाजें सुनाई देती थीं - बाद में मुझे बताया गया कि वह घर भूतिया था।"

मैंने श्रीमती फिंच को धन्यवाद दिया, और सोचने लगा कि क्या स्थानीय किंवदंती ने उनके अवचेतन मन पर इतना गहरा प्रभाव डाला था कि उन्होंने वास्तव में वही देखा जो सभी ने कहा था कि वहां था - या क्या उन्होंने वास्तव में एक आदमी की आकृति देखी थी।

मुझे उसकी कहानी पर शक करने का कोई कारण नहीं था। वह मुझे एक शांत, बुद्धिमान व्यक्ति लगी जो सनसनी फैलाने के लिए आसानी से कोई मनगढ़ंत कहानी नहीं बनाएगी। नहीं, मैंने तय किया, श्रीमती फिंच शायद उन गिने-चुने लोगों में से एक थीं जिन्होंने प्रकाश से कहीं अधिक देखा था।

"मैं आपको बताता हूँ कि यह कोई साधारण चीज़ क्यों नहीं हो सकती," मेरे अगले सूचनादाता श्री ट्रसल ने कहा। "सात साल पहले, जब मैंने एक नम रात में, जहाँ मैं खड़ा था, वहाँ से लगभग एक मील दूर एक रोशनी देखी, तो मैंने उसकी तीव्र गति को महसूस किया। वह तेज़ी से गायब हो गई, आगे-पीछे होती रही मानो किसी चीज़ की ओर ध्यान आकर्षित कर रही हो। वह पटरी से तीन फुट ऊपर थी, लगभग उतनी ऊँचाई पर जहाँ एक आदमी का हाथ हो सकता है।"

"पहले तो यह पीलापन लिए हुए सफेद लग रहा था; जब मैं पास आया तो यह गुलाबी रंग का दिखने लगा। भला किसी आम कार की हेडलाइट इस तरह आगे-पीछे तो नहीं हिलती, है ना?"

मैं इस बात से सहमत था कि किसी ऑटोमोबाइल की हेडलाइट का इस तरह से असामान्य व्यवहार करना अत्यंत असंभव था।

श्रीमती मिरियम मूर ने इसे तीन बार देखा, हमेशा धुंध भरी, उमस वाली रातों में। उन्होंने कहा, "जब मैं उस जगह पर पहुँची तो मेरे कानों में एक अजीब सी झनझनाहट सुनाई दी।" उन्हें पूरा यकीन था कि उन्होंने जो देखा वह एक लैंप था जो धीरे-धीरे झूल रहा था। अचानक, बिना किसी कारण के उन्हें पसीना आने लगा। मैंने पाया कि वह एक

मानसिक रूप से संवेदनशील महिला थीं, और उन्होंने कई बार अपने परिवार के कई सदस्यों की मृत्यु की भविष्यवाणी की थी।

ई. एस. स्किपर अपने जीवन के सुनहरे वर्षों में एक चुस्त-दुरुस्त, लेकिन जोशीले और बेहद सतर्क व्यक्ति थे। वे अटलांटिक कोस्ट लाइन पर माल ढुलाई का काम करते थे और मैको लाइट ट्रेन को देखते हुए बड़े हुए थे, ठीक वैसे ही जैसे नियाग्रा के बच्चे नियाग्रा फॉल्स को देखते हुए बड़े होते हैं।

“मैंने इसे सैकड़ों बार देखा है,” उसने बताया। “मैंने इसे ट्रेनों को रोकने के लिए इशारा करते देखा है—यह बिल्कुल रेल की लालटेन की तरह हिलता था। एक बार मैंने अपनी बंदूक ली और उसकी ओर चल पड़ा। जैसे-जैसे मैं पास पहुँचा, रोशनी इतनी तेज़ हो गई कि मैं मुश्किल से देख पा रहा था। अचानक, वह पटरियों के दाहिनी ओर स्थित पुराने कैथोलिक कब्रिस्तान में गायब हो गया।”

मैंने पूछा, "कब्रिस्तान?" क्योंकि मैंने इस इलाके में किसी कब्रिस्तान के बारे में नहीं सुना था।

श्रीमान स्किपर को पूरा यकीन था कि वहाँ कुछ था। मैंने तुरंत इसकी जाँच करने का वादा किया। मैंने कहा, "चूँकि आप प्रकाश के इतने करीब आ गए थे, श्रीमान स्किपर, तो शायद आप मुझे बता सकते हैं कि वह नज़दीक से कैसा दिखता था।"

"ओह, मैं उससे भी ज़्यादा करीब पहुँच गया था—1929 की बात है, मुझे अच्छी तरह याद है। सुबह के दो बजे थे। मैं उससे छह फुट की दूरी तक पहुँच गया था।"

"आपने क्या देखा?"

“मैंने एक लौ देखी। मेरा मतलब है, प्रकाश के बीचोंबीच, स्पष्ट रूप से, एक लौ जल रही थी।”

“लालटेन की तरह?”

“लालटेन की तरह।”

मैंने श्री स्किपर को धन्यवाद दिया और अपने अंतिम गवाह, संपादक थॉमस की ओर मुड़ने ही वाला था कि श्रीमती ई. आर. रिच, जिन्होंने पहले ही अखबार में अपना बयान दे दिया था, ने एक और मिनट मांगा, जो मैंने सहर्ष उन्हें दे दिया।

श्रीमती रिच ने कहा, “दस साल पहले, एक शाम हम ट्रैक पर थे। मेरा बेटा रॉबर्ट मेरे साथ कार में था, और मेरा बड़ा बेटा रोशनी देखने के लिए ट्रैक पर चला गया। अचानक कार के सामने एक नहीं बल्कि दो रोशनी दिखाई दीं। वे गोल थीं और उनसे रोशनी

निकल रही थी, और वे चमक रही थीं—एक पल के लिए वे वहीं ठहरीं, फिर एक चली गई, दूसरी वहीं रह गई। उस पल मेरे पैर ठंडे पड़ गए और मुझे बहुत अजीब सा महसूस हुआ।''

मैंने कहा, "मिस थॉमस, क्या आप इस ढेर सारी जानकारी में अपने अनुभव भी जोड़ेंगी?"

“बेशक,'' स्टार-न्यूज़ की महिला संपादक ने जवाब दिया। “हम तीन महिला पत्रकार थीं, जिन्होंने कुछ हफ़्ते पहले पुल पर जाकर कुछ भी न देखने का फैसला किया था।''

"मैं क्षमा चाहता हूँ?"

"हमने यह तय कर लिया था कि हम जो बाल्डविन के भूत को मिल रही तमाम पब्लिसिटी से प्रभावित नहीं होंगे।"

"क्या हुआ?"

“जब हम ट्रैक पर पहुँचे, तो कुत्ते भौंक रहे थे मानो वातावरण में किसी चीज़ से परेशान हों। हमने ट्रैक के समानांतर चलने वाली कच्ची सड़क पर गाड़ी खड़ी की और इंतज़ार करने लगे। थोड़ी देर बाद, रोशनी दिखाई दी। उसमें पीली चमक थी। फिर अचानक, रात के आकाश में दो रोशनी दिखाई दीं, एक दूसरी से बड़ी, जो झूल रही थीं।''

कुछ देर बाद बत्तियाँ लाल रंग की हो गईं। उनका गाड़ियों की बत्तियों से कोई संबंध नहीं था। पहले तो मुझे लगा कि कोई ट्रेन हमारी तरफ आ रही है, बत्तियाँ इतनी तेज़ दिखाई दे रही थीं। फिर अचानक ही बत्तियाँ गायब हो गईं। एक बत्ती पटरी के बाईं ओर एक चाप बनाते हुए घास में जा गिरी।

"ठीक वैसे ही जैसे उन पुरानी कहानियों में बताया गया है कि जो की लालटेन ने किया था, है ना?"

"ऐसा लगता तो है, हालांकि इस पर विश्वास करना मुश्किल है।"

आपने और क्या देखा?

मुझे ऐसा महसूस हुआ कि मैं अकेला नहीं हूँ।

और बस यही है। सामूहिक उन्माद? स्व-सम्मोहन? सुझाव? क्या ये सभी लोग एक जैसी कहानियां गढ़ सकते हैं?

मैको लाइट अपने विशिष्ट पहलुओं में अद्वितीय थी, लेकिन अन्य प्रकाश भी उन स्थानों पर देखे गए हैं जहाँ दुखद घटनाएँ घटी हैं। कोलोराडो में केंद्रित ऊर्जा या प्रकाश के गोलों के रूप में प्रकट होने वाली प्रेतों की रिपोर्टें हैं। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि मानव

व्यक्तित्व ऊर्जा का एक रूप है जिसे नष्ट नहीं किया जा सकता, केवल रूपांतरित किया जा सकता है। ट्रेन की आवाज़ सुनने वाला व्यक्ति, कई लोगों द्वारा अनुभव की गई मानसिक ठंडक, प्रकाश के भीतर की लौ, अखबार बेचने वाली महिलाओं द्वारा स्पष्ट रूप से पहचाने गए दो प्रकाश—संभवतः जो की लालटेन और तेज़ी से आती ट्रेन की हेडलाइट—ये सभी मिलकर एक मामले की ओर इशारा करते हैं।

उस शाम, बोगडेन हॉल में, लगभग पाँच सौ लोगों की भीड़ के सामने, मैंने यह दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कि मैको स्टेशन की पटरी वास्तव में प्रेतवाधित है। मैंने समझाया कि अचानक हुई मृत्यु के सदमे के कारण जो बाल्डविन की आत्मा त्रासदी स्थल पर ही अटक गई होगी और बार-बार अंतिम क्षणों को दोहरा रही होगी।

मुझे नहीं लगता कि हम यहाँ किसी ऐसी "आध्यात्मिक छाप" की बात कर रहे हैं जो वातावरण में दर्ज हो और जिसका अपना कोई अस्तित्व न हो। यह प्रेत अलग-अलग लोगों के साथ अलग-अलग तरह से व्यवहार करता है और मुझे तो यह एक सच्चा भूत लगता है, जो जीवित लोगों से संवाद करने का प्रयास तो कर सकता है, लेकिन अपनी स्थिति या अपने प्रयासों की निरर्थकता से पूरी तरह अवगत नहीं है।

मैं इस घटना की सत्यता के प्रति आश्वस्त था और अभी भी हूं, और अन्य क्षेत्रों में देखी गई अन्य "बुनाई वाली रोशनी" से इसकी तुलना करने पर, मैं केवल यही निष्कर्ष निकाल सकता हूं कि मूल लोककथा सही दिशा में है, सिवाय इसके कि जो संभवतः अपना सिर नहीं ढूंढ रहा है - बल्कि वह एक काल्पनिक ट्रेन को अपनी अलग हुई कार से टकराने से रोकने की कोशिश कर रहा है, जो निश्चित रूप से अब केवल उसके विचार जगत में मौजूद है।

और जब तक कोई जो को यह नहीं बता देता कि अब सब ठीक है, तब तक वह अपनी रोशनी लहराता रहेगा। मैंने ऐसे मौकों के लिए सही शब्द कहने की कोशिश की, लेकिन मेरी पसंदीदा माध्यम, श्रीमती एथेल मेयर्स, मेरे साथ नहीं थीं, इस वजह से मैं थोड़ा असमर्थ रहा; साथ ही, विलमिंगटन के लोगों को यह विचार पसंद नहीं आया कि उनके शहर का भूत स्वर्ग सिधार जाए और पुलिया एक साधारण रेल पटरी बनकर रह जाए। लेकिन इसके आस-पास रहने वाले लोगों को इससे कोई आपत्ति नहीं होती। वे जो बाल्डविन और उनके कुछ अटपटे प्रशंसकों के बिना भी आराम से रह सकते हैं।

अचानक मेरे मन में यह विचार आया कि हमारे पास इस बात का कोई सबूत नहीं है कि इस इलाके में कभी कोई जो बाल्डविन नाम का व्यक्ति सचमुच मौजूद था। अगली

सुबह मैं विलमिंगटन पब्लिक लाइब्रेरी गया और सौ साल पहले के इस इलाके से संबंधित फाइलों और ऐतिहासिक स्रोतों की छानबीन शुरू कर दी। बिल मिचम और मैंने 1866 से लेकर अब तक के सभी अखबार पढ़ने शुरू किए, लेकिन कुछ देर बाद हमने पढ़ना बंद कर दिया। इसके बजाय, मुझे एक अंतर्ज्ञान हुआ, जो अंततः सही साबित हुआ। अगर जो बाल्डविन रेलगाड़ी में ट्रेनमैन जैसे इतने खतरनाक काम के लिए शारीरिक रूप से फिट थे, तो वे किसी न किसी समय सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए भी पर्याप्त रूप से स्वस्थ रहे होंगे।

मैंने 1867 से लेकर पीछे तक के रेजिमेंटल रिकॉर्ड्स की खोज शुरू की। अंततः मुझे 1901 में प्रकाशित 'नॉर्थ कैरोलिना रेजिमेंट्स' नामक पुस्तक के खंड V, पृष्ठ 602 में निम्नलिखित प्रविष्टि मिली:

जोसेफ बाल्डविन, कंपनी एफ, 26वीं नॉर्थ कैरोलिना रेजिमेंट, जांघ में गंभीर रूप से घायल। गेटिसबर्ग की लड़ाई। 1 जुलाई, 1863।

उस इलाके में, या यूं कहें कि पूरे राज्य में, जोसेफ बाल्डविन का नाम दर्ज होने वाला वह एकमात्र व्यक्ति था।

मैंने पुराने कैथोलिक कब्रिस्तान के बारे में भी पूछताछ की। यह वास्तव में रेलवे ट्रैक के पास ही था, लेकिन कई वर्षों से इसका उपयोग नहीं हो रहा था। केवल बुजुर्ग ही इसे याद करते थे। बाल्डविन शायद कैथोलिक थे, जैसे कि उस क्षेत्र के कई निवासी थे। समय की कमी के कारण मैं जीर्ण-शीर्ण कब्रों के बीच जो बाल्डविन के नाम वाली कब्र को नहीं ढूंढ पाया।

लेकिन इसे ढूंढना और यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या जो बाल्डविन का पूरा शरीर किसी पवित्र भूमि में दफन है!

आर्डमोर बुलेवार्ड के भूत

आर्डमोर बुलेवार्ड लॉस एंजिल्स के एक बेहद प्रतिष्ठित और खूबसूरत इलाके में स्थित था। यह एक चौड़ी सड़क थी, जो फूलों से भरपूर रूप से सजी हुई थी, और इसके दोनों ओर उत्तर और दक्षिण दिशा में कई मील की दूरी तक भव्य घर बने हुए थे।
यहां रहने वाले लोग भूत-प्रेत की कहानियों पर विश्वास नहीं करते हैं, और अगर उनके साथ कुछ अजीबोगरीब घटना घटित होती है, तो वे चाहेंगे कि उनके नाम गुप्त रखे जाएं। चूंकि यही एकमात्र शर्त थी जिसके तहत मुझे विचाराधीन घर में प्रवेश मिल सकता था, इसलिए मैंने अनिच्छा से सहमति दे दी, हालांकि इस मामले से जुड़े सभी लोगों के नाम और पते मुझे और अमेरिकन सोसाइटी फॉर साइकिक रिसर्च को ज्ञात हैं, जिसका प्रतिनिधित्व मेरे द्वारा की गई जांच में कैलिफोर्निया की प्रमुख श्रीमती जॉर्ज केर्न ने किया था।
यह सब मेरी जानकारी के बिना ही शुरू हुआ जब मैं दिसंबर 1963 में लॉस एंजिल्स के लिंडेन थिएटर से प्रसारित होने वाले एक टेलीविजन कार्यक्रम में पैनलिस्ट था।
कुछ समय बाद, मुझे हेलेन एल. नाम की एक महिला का पत्र मिला। उन्होंने लिखा:
मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूँ कि मैंने वह शो देखा जिसमें आप दिखाई दिए थे। दरअसल, मैं एक भूतिया घर में रहती हूँ और मुझे मदद की सख्त जरूरत है।
आधी रात को जब मैं बाथरूम जाने के लिए उठा, तो मुझे भयानक हाथापाई और लड़ाई की आवाजें सुनाई दीं! पिछली रात मैं बिस्तर पर लेटा हुआ सिगरेट पी रहा था। लगभग 9:30 बज रहे थे और मैं अपनी किताब में पूरी तरह डूबा हुआ था। अचानक, मेरे दाहिनी ओर लगभग दो फीट की दूरी पर, शैम्पेन की बोतल का कॉर्क जोर से खुला और फिर मुझे शैम्पेन को गिलास में डालते हुए सुनाई दिया! मैंने कुछ देखा नहीं, लेकिन सब कुछ सुना, और सबसे भयानक बात यह है कि यह सब मेरे ठीक बगल में हुआ।
जैसे ही मुझे हेलेन एल. का दूसरा पत्र मिला, मैंने तुरंत उसे फोन किया।
उसकी मदद करने के लिए लॉस एंजिल्स जाने की तत्काल कोई संभावना नहीं थी, लेकिन मैं व्यक्तिगत संपर्क स्थापित करना चाहता था और शायद इस प्रक्रिया में उसके व्यक्तित्व के बारे में बेहतर जानकारी प्राप्त करना चाहता था।
मुझे लगा कि मिस एल. की शैक्षणिक पृष्ठभूमि अच्छी है; उनकी आवाज़ में कोई अतिशयोक्ति नहीं थी और वह बिल्कुल भी भावुक नहीं थीं। वह इस पूरी बात से थोड़ी शर्मिंदा लग रही थीं और उन्होंने मुझसे अपना नाम और पता गुप्त रखने की विनती की। मैंने उन्हें समझाया कि दुर्भाग्यवश, लॉस एंजिल्स की यात्रा के लिए तुरंत कोई संस्था

उपलब्ध नहीं है, और न ही अभी तक कोई टेलीविजन श्रृंखला है जो अपने शोध के तहत ऐसी यात्रा का खर्च उठा सके।
इसलिए, मुझे खुद ही धनराशि जुटानी पड़ी, और एक लेखक के पास पर्याप्त धनराशि कभी नहीं होती।
जैसे ही मौका मिलता, मैं तुरंत चला जाता—जैसे कोई भाषण देने का कार्यक्रम या टेलीविजन पर आने का कार्यक्रम जो मुझे तटीय क्षेत्र में ले जाता। इस बीच, क्या वह घर में होने वाली किसी भी नई घटना के बारे में मुझे पत्र लिख सकती थी? साथ ही, क्या वह मुझे अपने घर में घटी अजीबोगरीब घटनाओं का सिलसिलेवार ब्यौरा दे सकती थी?
23 जनवरी को, उस महिला ने मेरी बात मान ली। इस बार उसका पत्र थोड़ा शांत लग रहा था; शायद मेरे उससे मिलने आने के वादे ने उसके मन को शांत करने में मदद की थी।
जैसे ही मैंने उससे पूछा, उसने शुरू से बोलना शुरू कर दिया:
मेरी माँ ने लगभग अड़तीस साल पहले हमारा घर खरीदा था। जब हम उसमें रहने आए, तब वह घर अभी-अभी बनकर तैयार हुआ था। मेरी माँ कुछ साल पहले विधवा हो गई थीं और वह मेरी दो बहनों और मुझे मध्य पश्चिम से कैलिफोर्निया ले आईं क्योंकि हम अपने पीछे छोड़ी गई भीषण सर्दियों के कारण हमेशा बीमार रहते थे।
हमारे यहाँ आने के लगभग दो साल बाद, दुर्भाग्यवश हमने अपना लगभग सब कुछ खो दिया। तब मेरी माँ ने हमारा घर फर्नीचर सहित किराए पर दे दिया और हम कहीं और रहने लगे। उन्होंने आठ या नौ साल की अवधि में पाँच अलग-अलग किरायेदारों को घर किराए पर दिया।
एक तेल व्यापारी था जिसकी एक जवान पत्नी और बच्चा था। मेरी माँ उसे एक बड़े, क्रूर और चिड़चिड़े स्वभाव वाले व्यक्ति के रूप में वर्णित करती हैं।
जब ये लोग यहाँ रह रहे थे, तब हमारे पड़ोसियों ने मेरी माँ को फोन किया और बताया कि पिछली रात हमारे घर में बहुत भयंकर झगड़ा हुआ था और उसमें चार और लोग शामिल थे। उन्होंने बताया कि उन्हें फर्नीचर टूटने की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं और वे लगभग पुलिस को फोन करने ही वाले थे।
फर्नीचर के टूटने की बात बिल्कुल सच थी—जैसा कि मेरी माँ को तब पता चला जब वे वहाँ से चले गए।
घर के पीछे दो शयनकक्ष और एक छोटा कमरा है जिसे हम अध्ययन कक्ष के रूप में

उपयोग करते हैं। इन तीनों कमरों में फ्रेंच दरवाजे हैं और फिर जालीदार दरवाजे हैं जो एक अच्छे आकार के आँगन में खुलते हैं।
वापस आने के तुरंत बाद चीजें शुरू नहीं हुईं। कुछ समय तक शांति रही, लेकिन फिर सब कुछ शुरू हो गया।
मुझे सबसे पहले जो याद है, वह तब की बात है जब मैं लगभग उन्नीस या बीस साल की थी। सब लोग सो चुके थे, मेरी बहन बाहर गई हुई थी, और मैं अपने कमरे में चिट्ठी लिख रही थी। अचानक मेरे बंद फ्रेंच दरवाज़े ज़ोर से हिलने लगे, मानो कोई अंदर आने की बेताब कोशिश कर रहा हो। संयोग से, उसी दोपहर हमने अपने बाहरी आँगन के फर्श पर पेंट करवाया था। मैं अगली सुबह वहाँ जाकर पेंट पर पैरों के निशान देखने के लिए बेताब थी। वहाँ कोई निशान नहीं थे। एक खरोंच तक नहीं थी।
मैंने अपनी उंगली को नए रंगे हुए आँगन के फर्श पर छुआ और थोड़ा सा रंग मेरी उंगलियों पर चिपक गया।
हमें बीच-बीच में लाइट का स्विच दबाने की आवाज भी सुनाई देती थी, और कमरे में कोई नहीं होता था!
कभी-कभी सुबह मेरी माँ मुझसे पूछती थीं कि मैं रात को उनके शयनकक्ष के दरवाजे पर क्यों दस्तक दे रही थी। मैंने कभी उनके दरवाजे पर दस्तक नहीं दी थी और अब उन्हें यह बात पता है क्योंकि यह भी कभी-कभार होने वाली एक आम बात है। रात को देर से, शयनकक्ष के दरवाजे पर तीन बार दस्तक देना। मेरी शादी द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुई थी और युद्ध के बाद मैं और मेरे पति तीन साल तक यहाँ रहे। मेरा वैवाहिक जीवन बहुत दुखी रहा और अंततः हम अलग हो गए और मैंने तलाक ले लिया।
एक रात, जब मेरी शादी हो चुकी थी, मेरी माँ और बहन मध्य पश्चिम में रिश्तेदारों से मिलने गई थीं।
मैं घर में बिल्कुल अकेली थी, क्योंकि मेरे पति कुछ देर के लिए बाहर गए हुए थे। मैंने घर के पिछले हिस्से की ओर जाने वाले सभी दरवाज़े बंद कर दिए थे, जैसा कि मैं हमेशा अकेले होने पर करती थी। रात के लगभग 9:00 बज रहे थे। अचानक मैंने किसी को कपड़े धोने के कमरे से बैठक वाले कमरे की ओर जाने वाले दरवाज़े का हैंडल धीरे-धीरे घुमाते हुए सुना। फिर वह रुक जाता और कुछ मिनट बाद फिर से कोशिश करता, हैंडल को बार-बार घुमाता रहता!
मेरे पति एक घंटे से भी कम समय में घर आ गए और हम दोनों ने मिलकर पूरे घर की

तलाशी ली। हर खिड़की पर कुंडी लगी थी, हर दरवाजा बंद था।
फिर बाद में, एक आदमी था जिसके साथ मेरा लंबे समय तक लगातार मेलजोल रहा। हम लगभग ग्यारह साल पहले मिले थे और मुझे अच्छी तरह याद है कि जब हम बाहर घूमने जाते थे और वह रात में मुझे मेरे घर के दरवाजे तक छोड़ने आता था, तो हम दोनों को घर के अंदर से कदमों की तेज आवाज सुनाई देती थी, मानो कोई हमसे मिलने के लिए दरवाजे की ओर दौड़ रहा हो!
फिर, कई बार हफ़्तों तक, हर रात जब मैं बिस्तर पर बैठकर पढ़ रही होती थी, तो मेरे फर्नीचर पर खटखटाहट शुरू हो जाती थी। "वह" घूम-घूम कर मेरे सारे फर्नीचर पर खटखटाता, आमतौर पर एक बार में दो या तीन बार। मैं इससे इतनी तंग आ जाती थी कि चिल्लाकर कहती, "निकल जाओ और मुझे अकेला छोड़ दो!" लेकिन इससे कोई फ़ायदा नहीं होता था क्योंकि "वह" हमेशा वापस आ जाता था।
जब मैं पांच साल पहले तक बिना बत्ती जलाए सोता था, तो तीन बार मेरा दम घुटकर मरने का खतरा मंडरा चुका था।
मैं हमेशा अपनी बाईं करवट सोता हूँ—लेकिन किसी अजीब कारण से मैं धीरे-धीरे जाग जाता था और पेट के बल लेटा हुआ साँस लेने के लिए बेताब रहता था।
ऐसा लग रहा था जैसे किसी चीज ने मुझे जकड़ लिया हो, जिससे मैं अपने शरीर का कोई भी हिस्सा हिला नहीं पा रही थी और अपना चेहरा तकिए में दबाती जा रही थी! मैं चीखने और उससे लड़ने की पूरी कोशिश करती, लेकिन मैं बिल्कुल बेबस थी। ठीक उसी समय जब मुझे लगा कि मैं अब और बर्दाश्त नहीं कर सकती और दम घुटकर मर रही हूँ—तभी मुझे धीरे-धीरे छुड़ाया जाता!
लेकिन हर बार ऐसा होने पर—यह मुझे थोड़ी देर और घुटन महसूस कराता था। मुझे लगता था कि मैं इसे दोबारा कभी नहीं झेल पाऊँगी, और इसलिए तब से मैं रात को बत्ती जलाकर ही सोती हूँ।
मेरी माँ के साथ भी एक बार ऐसा ही हुआ था जब वह मुझसे पहले उस कमरे में रहती थीं। हालाँकि, उन्होंने मुझे अपने अनुभव के बारे में कभी नहीं बताया, जब तक कि मैंने उन्हें अपने अनुभव के बारे में नहीं बताया।
मेरे ठीक बगल में, बिना किसी को दिखे, शैम्पेन की बोतल का कॉर्क खुलने और उसमें से तरल पदार्थ (यहां तक कि बुलबुले भी निकले) गिरने की घटना पिछले साल लगभग छह सप्ताह के अंतराल पर तीन बार हुई।

वह घटना भी मेरे बेडरूम में हुई थी; एक बार मेरी मां के बेडरूम में भी ऐसा ही हुआ था। पिछले साल मार्च या अप्रैल में, एक शाम करीब 10 बजे जब मैं घर लौटी, तो मेरे दाहिने कान में एक तेज़ सीटी जैसी आवाज़ गूंजी। आवाज़ इतनी तेज़ थी कि मानो कोई धमाका हुआ हो। जैसे ही मैंने सामने का दरवाज़ा खोला और घर के अंधेरे में कदम रखा, मेरे दाहिने कान में सीटी की आवाज़ शुरू हो गई। मैं चीखी और रसोई की ओर भागी, और जब मैंने बत्ती जलाई तो आवाज़ बंद हो गई। सीटी की आवाज़ किसी सैन्य मार्च की शुरुआत जैसी लग रही थी, लेकिन उसमें बस कुछ ही सुर थे।

कभी-कभी रात में हमारे घर के बाहर सीटी की आवाज सुनाई देती है—लेकिन यह एक अलग धुन होती है और ऐसा लगता है जैसे यह हमें बुला रही हो।

मेरी मां ने ऐसी खबरें सुनी हैं कि जब वह रात को बिस्तर पर सो रही थीं, तब उनकी ड्रेसिंग टेबल को इधर-उधर खिसकाया गया था। पिछले साल ऐसा दो बार हुआ था। रसोई में आने वाली आवाज़ें मुझे रात में जगा देती हैं। ऐसा लगता है जैसे कोई चीज़ इधर-उधर हिल रही हो, केतली को छुआ जा रहा हो और अलमारियां खोली जा रही हों।

लगभग तीन साल पहले एक रात, मैं आधी रात के करीब बाथरूम जाने के लिए उठा। जब मैं बाथरूम में था, तो मुझे लिविंग रूम में ज़ोर-ज़ोर से और साफ़-साफ़ एक भयानक लड़ाई सुनाई दी। यह बिना शब्दों वाली और हताश करने वाली लड़ाई थी!

मुझे नहीं पता कि मुझे लिविंग रूम का दरवाजा खोलने की हिम्मत कैसे मिली, लेकिन मैंने खोल दिया। अंदर घना अंधेरा था—मुझे कुछ भी दिखाई नहीं दिया और जैसे ही मैंने दरवाजा खोला, लड़ाई तुरंत रुक गई!

कुछ महीनों बाद, रात में मेरी माँ, बहन और मैं अपने बेडरूम के फ्रेंच दरवाज़े के ठीक बाहर हो रही एक भयानक लड़ाई की आवाज़ से जाग गए। ऐसा लग रहा था मानो हमारे आँगन के फर्नीचर की हर एक लकड़ी को दो लोग तोड़ रहे हों, जो एक-दूसरे से बेतहाशा लेकिन बिना कुछ बोले लड़ रहे थे। यह लड़ाई कुछ ही मिनटों तक चली।

हम बाहर नहीं गए, लेकिन अगली सुबह गए। आँगन में रखे हमारे किसी भी फर्नीचर को छुआ तक नहीं गया था, सब कुछ अपनी जगह पर था और हमेशा की तरह सुंदर दिख रहा था। फिर भी हम सब उस भयानक शोर से जाग गए थे—और ऐसा लग रहा था जैसे हमारे आँगन में सब कुछ पूरी तरह से नष्ट हो गया हो।

यह मनहूस भूत तो हमारे घर के पीछे वाले आंगन में, हमारे ड्राइववे और फुटपाथ पर भी घूमता रहता है।

कई बार जब हमारे रिश्तेदार कुछ दिनों के लिए हमारे घर पर रुके हैं, तो मेरी माँ और बहन हमारे डबल गैराज में आँगन में रखी कुर्सियों पर सोई हैं। वे हमेशा रात में गैराज के दरवाजे तक भारी कदमों की आहट से जाग जाती थीं और उसके बाद उन्हें कुछ सुनाई नहीं देता था। कभी भी ऐसी कोई आहट नहीं सुनाई देती थी जिससे लगे कि कोई "चीज़" दूर जा रही है! मैं यह भी बताना चाहूँगा कि किसी घुसपैठिए के लिए हमारे पिछवाड़े में घुसना लगभग नामुमकिन है। चारों ओर ऊँची बाड़ और ड्राइववे के पार एक स्टील का गेट लगा हुआ है।

कई साल पहले जब मैं ड्राइंग रूम में सोफे पर टीवी देखते-देखते सो गया था, तो रात करीब 11 बजे मेरी नींद खुली और मैंने टीवी बंद कर दिया। फिर मैंने अंगड़ाई ली और अपने बेडरूम की ओर जा ही रहा था कि मुझे एक आवाज़ सुनाई दी जो बहुत स्पष्ट और ज़ोर से, लेकिन धीरे-धीरे कह रही थी—"अरे हाय—हाय—हाय—तुम्हें जाना होगा—जाना होगा—जाना होगा!"

पिछले महीने मुझे हर रात बैठक में कदमों की आहट सुनाई देती थी, यहां तक कि उस कमरे से निकलने के सिर्फ पांच मिनट बाद ही।

मैंने खाली घर के अंदर से आने वाली पदचाप के अनुभव की पुष्टि करने का फैसला किया। हेलेन ने जिस युवक, विलियम एच., का जिक्र किया था, वह एक रसायनज्ञ था और व्यावहारिक स्वभाव का था।

"कई बार जब मैं हेलेन के घर लौटकर घर में दाखिल हुई, तो मुझे ऐसा लगा जैसे कोई कदमों की आहट हमें स्वागत करने के लिए पास आ रही हो। मैंने जाँच की और हेलेन को भी यकीन दिलाया कि वहाँ कोई नहीं था। मैं इसका कारण तो नहीं बता सकती, लेकिन मैंने वो आवाजें जरूर सुनीं।"

मैंने हेलेन एल. को प्रोत्साहित किया था कि वह मुझे किसी भी तरह की रहस्यमय घटना के बारे में सूचित करे, और मुझे ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। 3 फरवरी, 1964 को उसने मुझे एक जरूरी पत्र लिखा:

28 फरवरी को रात करीब 11:30 बजे मैं पानी का गिलास लेने के लिए बाथरूम गया। जैसे ही मैंने लाइट जलाई और बाथरूम का दरवाजा खोला, मुझे एक तेज, कर्कश, जंग लगी आवाज सुनाई दी। ऐसा लग रहा था जैसे किसी हॉरर फिल्म में सुनाई देने वाले भारी ओक के दरवाजे की आवाज हो! मैंने दरवाजे के ऊपर और नीचे लगे बोल्ट्स को देखा, उनमें कोई खराबी नहीं थी; दरवाजा छूने में उतना ही हल्का था और हमेशा की

तरह आसानी से खुल रहा था।
संयोगवश, जब दरवाजे से वो भयानक आवाजें आ रही थीं, तो मेरी माँ की नींद भी खुल गई। उन्होंने भी वो आवाजें सुनी थीं।
शुक्रवार की रात, 31 जनवरी को, मैं घर के पीछे वाले हिस्से में स्थित उस छोटे से कमरे में था जिसे हम स्टडी रूम कहते हैं।
अचानक मुझे बाहर कदमों की आहट सुनाई दी, कमरे की खिड़कियों के ठीक बगल में फुटपाथ पर चलने की आवाज बहुत स्पष्ट थी और फिर अचानक वे आवाजें हमेशा की तरह बंद हो गईं - बाहर!
ये निश्चित रूप से एक आदमी के कदमों की आहट है, और मैं कहूंगा कि ये उस आदमी के कदमों की आहट है जिसे ठीक-ठीक पता है कि वह कहाँ जा रहा है! हमेशा एक ही लयबद्ध गति से चलते हैं, और फिर अचानक रुक जाते हैं!
मैंने मिस एल. से पूछा कि क्या इस घर में कभी किसी की मृत्यु हुई है, चाहे हिंसा से हो या सामान्य कारणों से। उन्होंने उत्तर दिया, "जहाँ तक हमें पता है, आज तक किसी की मृत्यु नहीं हुई है।"
मैंने वादा किया कि मैं जल्द ही एक माध्यम के साथ घर जाने की व्यवस्था करूँगी। इस बीच, मिस एल चाहती थीं कि मैं उनकी माँ और बहन के बारे में सब कुछ जानूँ:
घर पर मेरी बहन जन्म के समय लगी चोट के कारण मानसिक रूप से विकलांग है। साथ ही, मेरी माँ 80 वर्ष की हैं, गठिया से पीड़ित हैं, उनके हाथ-पैर खराब हैं और उन्हें हृदय रोग जैसी जटिलता भी है।
कल रात, 2 फरवरी को, मैं बिस्तर पर लेटकर पढ़ रहा था। रात के लगभग 10:30 बज रहे थे। अचानक ऐसा लगा जैसे किसी ने मेरे बेडरूम के दरवाजे पर ज़ोर से टक्कर मारी हो।
चूंकि मुझे बहन की मानसिक विकलांगता के बारे में पहली बार पता चला था, इसलिए स्वाभाविक रूप से मैंने इन विचित्र घटनाओं को अंजाम देने में उसकी भूमिका पर सवाल उठाया। यह जानते हुए कि भूत-प्रेत की घटनाओं के मामले में मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति अक्सर यौवन से पहले के बच्चे जैसा ही व्यवहार करता है, मेरे मन में यह विचार आया कि शायद वह लड़की ही उस प्रेतवाधित घर में कुछ रहस्यमय क्रियाओं को अंजाम देने के लिए आवश्यक शक्ति प्रदान कर रही हो।
मैंने बड़ी चतुराई से हेलेन एल. को इस संभावना का सुझाव दिया, लेकिन उन्होंने ऐसी

किसी भी संभावना को खारिज कर दिया:
उसकी एकाग्रता शक्ति कमजोर है और उसका तंत्रिका तंत्र लगभग अव्यवस्थित है।
आपको यह भी ध्यान रखना होगा कि इस घर में हर वह दरवाजा जो दूसरे कमरे में जाता है, बंद रहता है। केवल एक ही दरवाजा है जिसे हम बंद नहीं करते, और वह है रसोई से कपड़े धोने के कमरे की ओर जाने वाला दरवाजा।
वह उन घटनाओं को अंजाम नहीं दे सकती जो मेरे कुछ अन्य दोस्तों ने भी तब देखी हैं जब मेरी बहन मिनेसोटा में रिश्तेदारों से मिलने के लिए 3,000 मील से अधिक दूर गई हुई थी।
एक बात जो मैंने आपको नहीं बताई, वो ये है कि मुझे लगता है कि मुझे अपनी माँ की एक आदत विरासत में मिली है। हम दोनों सपने देखते हैं जो सच होते हैं—और ऐसा हमने अपनी पूरी ज़िंदगी किया है। इनमें से कई सपने मुझसे या मेरे करीबियों से बिल्कुल भी संबंधित नहीं होते, लेकिन वे हमेशा सच होते हैं।
एक रात मैंने सपना देखा कि मुझे एक भूत दिखाई दिया जो हमारे घर में मंडरा रहा है। मैं बिस्तर पर था और वह मेरी देवदार की पेटी पर बैठा मुझे घूर रहा था। उसने कुछ प्राचीन यूनानी शैली के कपड़े पहने हुए थे—उसके बाल घुंघराले थे—उसके चेहरे पर एक भयानक शरारती भाव था और उसकी आँखें बहुत ही विचित्र थीं। उसकी आँखें किनारों से ऊपर की ओर झुकी हुई थीं, लेकिन वह एशियाई नहीं था। उसकी आँखें गहरी और बहुत चमकदार थीं, लेकिन उसका चेहरा फूला हुआ लग रहा था—उसकी त्वचा अस्वस्थ और पीली सफेद थी—और वह बहुत मोटा था। वह एक लंबा-चौड़ा युवक था। वह बिल्कुल भी बुद्धिमान नहीं लग रहा था, वास्तव में उसके चेहरे के भाव तो बिल्कुल मूर्खतापूर्ण थे! अब—क्या आप इससे कुछ समझ सकते हैं?
मामला धीरे-धीरे साफ होने लगा। एक बात तो यह थी कि हेलेन एल. मेरी बात समझ नहीं पाई थीं, खासकर उनकी मानसिक रूप से विकलांग बहन के बारे में। मैंने कभी भी जानबूझकर धोखाधड़ी का सुझाव नहीं दिया था। हालांकि, जब हेलेन ने मुझे बताया कि लॉस एंजिल्स से उनकी अनुपस्थिति में भी भूतिया घटनाएं लगातार होती रहीं, तो इस संभावना पर पर्दा पड़ने लगा कि उनकी ऊर्जा का इस्तेमाल भूत ने किया होगा। भूत-प्रेत दूर रहकर काम नहीं करते।
फिर भी, हेलेन के जीवन में पहले हुई दिव्य दृष्टि और पूर्वसूचक सपनों की घटनाओं ने मुझे इस बिंदु पर यह स्पष्ट कर दिया कि वह स्वयं ही माध्यम होनी चाहिए, या कम से

कम उन माध्यमों में से एक होनी चाहिए, जो अभिव्यक्तियों के लिए आवश्यक शक्ति प्रदान करती है।
उसके उस अजीब सपने ने, जिसमें उसने कथित भूत को देखा था, मुझे उलझन में डाल दिया। क्या वह कोई अभिनेता हो सकता है? लॉस एंजिल्स में, जहाँ अजीब आदतों वाले नौजवानों की भरमार है, वहाँ यूनानी पोशाक इतनी असामान्य नहीं थी।
जैसे ही मैंने कैलिफोर्निया की अपनी आगामी यात्रा की तैयारी शुरू की, मैं उन अन्य गवाहों के बारे में सोच रहा था जिन्होंने उन अजीबोगरीब कदमों की आहट और अन्य आवाज़ों को सुना होगा। हेलेन एल. ने मुझे बताया था कि उनके कई दोस्तों ने इन चीजों का अनुभव किया था, लेकिन वे इस बारे में बात करने से हिचकिचा रहे थे:
मेरे जीवन में केवल एक ही बार ऐसा हुआ था जब मुझे खुशी हुई कि यहाँ का यह मनहूस भूत अपना साया दिखाने आया। मेरी एक करीबी सहेली थी जिसके साथ मैं कई सालों तक काम करती थी। कुछ साल बाद मैंने उससे अपने विश्वास में कहा कि हमारे घर में भूत-प्रेत का साया है। वह हँसी और बोली कि भूत जैसी कोई चीज नहीं होती, और मैं तो बस अपनी कल्पना का शिकार हूँ। मैंने उससे बहस नहीं की क्योंकि मुझे पता था कि इसका कोई फायदा नहीं।
लगभग एक महीने बाद, एक रविवार दोपहर को उसने मुझे फोन किया और पूछा कि क्या वह मुझसे मिलने आ सकती है। वह शाम करीब 4 बजे आई, और मैंने उसके लिए एक कप कॉफी बनाई और उसे अपने बेडरूम में ले गई। वह मेरे बेडरूम की कुर्सी पर बैठी बड़बड़ा रही थी और मैं अपने बिस्तर पर बैठकर कॉफी पी रही थी। अभी भी दिन का उजाला था। अचानक, एक भूत लिविंग रूम से मेरे बेडरूम के दरवाजे तक चलने और धमकने लगा और रुक गया। मार्गरेट ने मेरी तरफ चमकती हुई नज़रों से देखा और बोली, "हेलेन, मुझे लगा था कि तुमने कहा था कि तुम बिल्कुल अकेली हो - आखिर यह कौन हो सकता है?" मैंने कहा, "मार्गरेट, मैं यहाँ बिल्कुल अकेली हूँ - इस घर में तुम्हारे और मेरे अलावा कोई भी जीवित व्यक्ति नहीं है, और जो तुम सुन रही हो, वह मेरी कल्पना है!"
वह इस घर से जितनी जल्दी हो सके बाहर निकलना चाहती थी, यहां तक कि लिविंग रूम से भी बाहर नहीं निकली, बल्कि मेरे फ्रेंच दरवाजों से बाहर निकल गई जो आंगन की ओर खुलते थे और उसके बाद मैंने उसे आखिरी बार देखा था।
23 फरवरी को हेलेन एल. ने फिर से लिखा। घर में कुछ और गड़बड़ियाँ हुई थीं, और वह

उन्हें थोड़ा और शांत भाव से देख पा रही थीं, शायद इसलिए क्योंकि मैंने उन्हें आश्वासन दिया था कि मैं जल्द ही इस परेशानी को हमेशा के लिए दूर करने की कोशिश करूंगा। दो-तीन हफ्ते पहले जब मैंने आपको आखिरी बार लिखा था, तब से लगभग पूरे एक हफ्ते तक मुझे अपने बेडरूम से सटे स्टडी रूम में किसी के चलने-फिरने की आवाज़ सुनाई देती रही; कभी-कभी तो स्टडी रूम से बाहर निकलकर दरवाज़ा बंद करके बिस्तर पर लेटकर पढ़ने के 5-10 मिनट के अंदर ही मुझे ये दबी-दबी आवाज़ें सुनाई देती रहती थीं। इस बार चलने की आवाज़ धीमी होती थी और वो फर्नीचर से टकराता रहता था; आजकल तो मुझे अक्सर किसी के ज़ोर से मेरे बेडरूम की ओर जाने वाले स्टडी रूम के दरवाज़े पर धक्का मारने से नींद खुल जाती है। ऐसा कई बार ठीक रात 11:30 बजे हुआ है, लेकिन कभी-कभी रात 8:30 बजे भी हुआ है। मैं इसे बस इतना ही कह सकता हूँ कि कोई मुझसे उस दरवाज़े को बंद करने और ताला लगाने के लिए बहुत नाराज़ है और विरोध में हिंसक प्रतिक्रिया दे रहा है।

ऐसा लग रहा था मानो दरवाजा तोड़ दिया जाएगा। फिर "वह" बेडरूम की दीवारों पर ज़ोर-ज़ोर से दस्तक देने लगा, दो ज़ोरदार दस्तकें।

लॉस एंजिल्स पहुंचने से एक सप्ताह पहले, मुझे हेलेन का एक और संदेश मिला। 9 अप्रैल को उसने लिखा:

पिछले शनिवार की रात मैं लगभग आधी रात को घर लौटा और हमेशा की तरह अपनी किताब लेकर बिस्तर पर लेट गया। मैं बस सोने ही वाला था कि तभी मेरे सिर के ठीक ऊपर एक ज़ोरदार कोड़ा पड़ा! अगली रात जब मैं बिस्तर पर बैठकर पढ़ने की कोशिश कर रहा था, तभी किसी ने मेरे बिस्तर के तख्ते पर ज़ोर से मारा।

मैंने आपको बाहर भारी कदमों की आहट के बारे में बताया था, लेकिन जो बात मैं आपको बताना भूल गया, वह यह है कि मेरी माँ और बहन दोनों ही हर कुछ देर में सुबह 3:00 से 4:00 बजे के बीच एक महिला के तेज़-तेज़ जूतों की आवाज़ से जाग जाती हैं, जो हमारे ड्राइववे पर तेज़ी से आती है और घर के पीछे वाले गेट पर रुक जाती है! पिछली बार ऐसा दो हफ्ते से भी कम समय पहले हुआ था।

मुझे आश्चर्य होता है कि जब पड़ोसी उसे सुनते हैं तो वे क्या सोचते होंगे!

मैं 16 अप्रैल को लॉस एंजिल्स पहुंचा और तुरंत हेलेन एल. को फोन किया। हमने अगले दिन एक संक्षिप्त प्रारंभिक मुलाकात तय की। इस बीच मैं एक अच्छे माध्यम की तलाश करूंगा। सही व्यक्ति मिल जाने पर, मैं उसके साथ वापस आऊंगा और भूत

भगाने की प्रक्रिया शुरू हो सकेगी।
लॉस एंजिल्स में अमेरिकन सोसाइटी फॉर साइकिक रिसर्च की शाखा में दिए गए मेरे व्याख्यान के बाद की संक्षिप्त मुलाकात काफी सार्थक रही, क्योंकि इससे मुझे हेलेन एल. को थोड़ा बेहतर तरीके से जानने का मौका मिला और मैं उनकी कुछ रिपोर्टों की दोबारा जांच कर सकी। आर्डमोर बुलेवार्ड स्थित घर उतना ही आरामदायक और सुंदर था जितना कि उसके मालिक ने बताया था, और मैं कभी कल्पना भी नहीं कर सकती थी कि इसका एक भयावह इतिहास है।
भूतिया घरों के साथ कभी-कभी ऐसा ही होता है; वे देखने में भूतिया नहीं लगते!
अलौकिक अनुभूति के अध्ययन में गहरी रुचि रखने वाले एक कार्यकारी अधिकारी डिक सिमोंटन मेरे साथ घर तक आए। वे भी कठिन परिस्थितियों में मिस एल के स्पष्ट रूप से शांत स्वभाव से प्रभावित हुए।
सौभाग्य से, मुझे एक उपयुक्त माध्यम या कम से कम एक भविष्यवक्ता की तलाश में ज्यादा दूर नहीं जाना पड़ा। कैलिफोर्निया की अपनी यात्रा से कई महीने पहले, मुझे श्रीमती मैक्सिन बेल का एक पत्र मिला था, जिन्होंने मुझे एक स्थानीय टेलीविजन शो में देखा था:
मैं एक निष्ठावान माध्यम हूँ और आपके शोध एवं प्रयोगों के लिए अपनी प्रतिभाएँ प्रदान करने के लिए तत्पर हूँ। पिछले 20 वर्षों से मैं गंभीर समस्याओं से जूझ रहे व्यक्तियों के लिए काम कर रहा हूँ। आज तक मेरा सामना किसी भूत-प्रेत जैसी घटना से नहीं हुआ है, क्योंकि मेरा कार्य आध्यात्मिक रूप से अधिक उन्मुख है। मुझे कार्य करने के लिए गहरी समाधि की भी आवश्यकता नहीं है, क्योंकि मैं अत्यंत संवेदनशील हूँ।
मैं लगभग 40 वर्ष की एक महिला हूँ, जिसे 1938 से ही भविष्य देखने की अद्भुत क्षमता प्राप्त है। मैंने प्रेतबाधा के सबसे गंभीर मामलों और कुछ भूतिया मकानों से जुड़े मामलों पर भी काम किया है। आपकी किसी भी प्रकार से सेवा करके मुझे अत्यंत प्रसन्नता होगी।
मैंने श्रीमती बेल को फोन किया और उनसे अगले दिन घर के सामने मिलने के लिए कहा। समय दोपहर 3:00 बजे का था और यह कैलिफोर्निया की उन खूबसूरत दोपहरों में से एक थी, जिन्हें भूत की मौजूदगी से जोड़ना मुश्किल था।
ज़ाहिर है, श्रीमती बेल को घर के इतिहास की छानबीन करने या वर्तमान मालिक को जानने का कोई मौका नहीं मिला। मैंने उनसे कोने पर मिलने को कहा, लेकिन न तो नाम

बताया और न ही कोई अन्य जानकारी दी।
जल्द ही वह बैठक कक्ष में हेलेन एल., मेरे, अमेरिकन सोसाइटी फॉर साइकिक रिसर्च की श्रीमती जॉर्ज केर्न और उनके एक सहयोगी श्री जी. के सामने बैठ गईं, जो कुछ हद तक मानसिक क्षमताओं से ग्रस्त थे।
उस घर ने उन पर गहरा प्रभाव डाला। उन्होंने कहा, "इस घर में प्रवेश करते ही मुझे ठंडक महसूस हुई। यहां दो लोग हैं—मेरा मतलब भूतों से है—एक अधेड़ उम्र का पुरुष है और एक युवती जिसकी दम घुटने से मृत्यु हो गई।"
मुझे तुरंत हेलेन एल. की वह रिपोर्ट याद आ गई जिसमें उन्होंने बताया था कि कैसे अदृश्य हाथों ने उन्हें कई बार दम घोंटकर मारने की कोशिश की थी!
“ये दोनों एक-दूसरे को ढूंढ रहे हैं,” पेशे से इंजीनियर श्री जी ने आगे कहा। “बच्ची लगभग दस या बारह साल की है, या तो लड़की है या लड़का है जिसमें लड़कियों जैसे लक्षण हैं। यह बच्ची खोई हुई है और मदद मांग रही है। उसमें चंचलता है, वह कुछ करना चाहती है, वह कहती है, ‘मैं चाहती हूँ…’”
श्री जी अब जोर-जोर से सांस ले रहे थे, मानो वे उस युवा भूत का रूप धारण कर रहे हों।
“यह बच्ची शायद थोड़ी बड़ी है,” उसने अंत में कहा, “शायद पंद्रह साल तक। वह बहुत घबराई हुई है... अनकहे भावों के कारण रो रही है... यह बच्ची इसी घर में रहती थी, लेकिन यहाँ उसने दुख भरे दिन भी देखे थे, बहुत ज़्यादा अनुशासन था। मुझे लगता है कि दोनों लोगों की मृत्यु लगभग एक ही समय में हुई थी। मेरा अनुमान है कि कम से कम पंद्रह से बीस साल पहले।”
मैंने इंजीनियर को धन्यवाद दिया और श्रीमती बेल की ओर मुड़ी, जो चुपचाप घर की "रीडिंग" देख रही थीं।
अंत में उन्होंने कहा, "मैं कभी भी दूसरे माध्यम की छाप में दखल नहीं देती, लेकिन अगर उन्होंने अपनी बात पूरी कर ली है, तो मैं अपनी छाप भी जोड़ना चाहूंगी।"
मैंने उसे आगे बढ़ने के लिए सिर हिलाकर इशारा किया।
“1934 में यहाँ फिलिप स्टेंगल की मृत्यु हो गई थी,” उसने कहना शुरू किया। मैंने हेलेन एल. की ओर देखा। नाम मेरे दिमाग में नहीं आया। लेकिन उसकी माँ को उनके सभी किरायेदारों के नाम याद नहीं थे। किरायेदारों की संख्या काफी थी।
“दस साल पहले यहाँ एक व्यक्ति की हत्या हुई थी,” श्रीमती बेल ने आगे कहा। “नहीं —उन्नीस सौ अड़तालीस में। वहाँ ज़बरदस्त झगड़े हुए थे। दो आदमी थे, जिनमें से एक

का नाम हॉवर्ड था। बाहर ड्राइववे में झगड़ा हुआ था। पड़ोसियों ने भी सुना था। दो लोग यहाँ आए, उनके बीच ज़बरदस्त झगड़ा हुआ और एक की हत्या कर दी गई। पेट में गोली लगी थी। शव को गाड़ी में डाल दिया गया। उनमें से एक इस घर में रह रहा है, लेकिन घर में एक और व्यक्ति भी है। मुझे लगता है कि अचानक हिंसा हुई और पैसे का मामला था। एक महिला भाग गई। बहुत सारा पैसा दांव पर लगा था। यहाँ दो लोग थे, हालाँकि घर महिला के पास था। झगड़ा पैसे को लेकर हुई गलतफहमी के कारण हुआ था।''

मैं दंग रह गया। अगर श्रीमती बेल ने हेलेन एल. के पत्र मुझे पढ़कर नहीं सुनाए होते या यहाँ आने से पहले उनसे बात नहीं की होती, तो उन्हें इनमें से कई बातों की जानकारी नहीं हो सकती थी। झगड़े का वर्णन और पड़ोसियों का रवैया बिलकुल वैसा ही था जैसा हेलेन एल. ने मुझे बताया था।

मैंने घर की मालकिन की ओर देखा जो सुनी हुई बातों से कुछ स्तब्ध होकर बैठी थी।

''अच्छा,'' उसने आखिरकार मुझसे कहा, ''दो तरह की कदमों की आवाजें हैं—घर के पीछे वाली आवाजें किसी पुरुष की लगती हैं, जबकि सामने वाली आवाजें निश्चित रूप से किसी बच्चे के कदमों जैसी हैं, बहुत तेज। सुबह तीन-चार बजे के आसपास जो कदमों की आवाजें सुनाई देती हैं, वो भी शायद किसी महिला की हैं। मुझे यकीन है कि सीटी बजाने वाले की आवाज किसी पुरुष की है।''

उस झगड़े से जुड़े तथ्य क्या थे?

मेरे आने के बाद से हेलेन एल. ने इस मामले की और अधिक जांच की थी।

''यहाँ झगड़ा हुआ था,'' उसने धीमी आवाज़ में कहा। ''यहाँ एक तेल व्यापारी रहता था, उसकी शादी एक बहुत छोटी उम्र की महिला से हुई थी और उनका एक बच्चा था। वह कहीं चला गया और उसका एक दोस्त घर आया। यहाँ ज़बरदस्त झगड़ा हुआ।''

''आपने जो वे विचित्र शब्द सुने थे, उनके बारे में क्या?'' मैंने मिस एल से पूछा।

"आपका मतलब है, 'हाय, हाय, हाय, तुम्हें जाना होगा, जाना होगा, जाना होगा!' - ये तो बिल्कुल ब्रिटिश लहजे में बोले गए थे।"

या फिर बनावटी ब्रिटिश लहजा?

"शायद।"

हम उस शयनकक्ष की ओर बढ़े जहाँ बहुत शोरगुल मचा हुआ था। श्रीमती बेल बिस्तर के सामने खड़ी थीं और हम सब उनके चारों ओर घेरा बनाकर खड़े हो गए। मैंने उस आत्मा

को जाने के लिए कहा, एक अनुष्ठान के माध्यम से जिसे बचाव घेरा कहा जाता है, एक मौखिक भूत-प्रेत भगाने की विधि, जो आमतौर पर कारगर होती है। हालांकि, कुछ अपवाद भी होते हैं।

फिर मैंने अपने सुपर आइकॉन्टा बी कैमरे से कुछ तस्वीरें खींचीं। यह कैमरा विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए शटर और ट्रांसपोर्ट सिस्टम के कारण डबल-एक्सपोज़र से सुरक्षित था। मैंने एग्फा रिकॉर्ड फिल्म का इस्तेमाल किया और कृत्रिम रोशनी का प्रयोग नहीं किया। फ्रेंच खिड़कियों से पर्याप्त रोशनी आ रही थी। मुझे आश्चर्य हुआ कि दो तस्वीरों में ऐसी आकृतियाँ दिखाई दीं जो नंगी आँखों से नहीं दिखती थीं, कम से कम मेरी आँखों से तो नहीं। इनमें से एक तस्वीर में एक युवा और दुबली-पतली महिला खिड़की के पास खड़ी दिखाई दे रही है, जिसने पारदर्शी गाउन जैसा कुछ पहना हुआ है। जाहिर है, भूत हमें यह बताना चाहता था कि वह हमें देख रही है। मैंने बाद में इस तस्वीर को बड़ा करके टेलीविजन पर दिखाया।

उस आंकड़े के बारे में कोई संदेह नहीं था, और मैंने उसे वहां नहीं रखा था।

हम बैठक कक्ष में वापस आए और विदा ली। मुझे पूरा यकीन था कि वह बुरी शक्ति या तो दूर हो गई थी या कम से कम हिल गई थी। कभी-कभी काम पूरा करने के लिए एक और मुलाकात ज़रूरी होती है, लेकिन मैं और ज़्यादा देर नहीं रुक सकता था।

मैंने अभी न्यूयॉर्क की धरती पर कदम भी नहीं रखा था कि हेलेन एल. का एक पत्र आ गया:

मैंने आपको पहले इसलिए नहीं लिखा क्योंकि मैं यह सुनिश्चित करना चाहती थी कि वह चीज़ पूरी तरह से चली गई है, और मुझे लगता है कि वह पूरी तरह से नहीं गई है। मैं मन, शरीर और आत्मा की भयानक थकान से पीड़ित हूँ—और मेरा मन करता है कि मैं रोती रहूँ, रोती रहूँ और रुकूँ ही नहीं! जिस शनिवार की रात आप यहाँ थे, मैं रात लगभग 11:30 बजे उठी और रसोई में गई, तभी मुझे भोजन कक्ष से रसोई के झूलते हुए दरवाजे की ओर भारी कदमों की आहट सुनाई दी। कहने की ज़रूरत नहीं है, मैं वहाँ से तुरंत निकल गई।

17 मई को, हेलेन एल. ने आखिरकार मुझे कुछ ऐसे प्रमाण लिखकर भेजे जिनकी मैंने उनसे मांग की थी। मैं जानना चाहता था कि क्या मैक्सिन बेल द्वारा प्राप्त की गई किसी और सामग्री की जाँच की जा सकती है, और यदि हाँ, तो उसके क्या परिणाम होंगे: जब मिस बेल यहाँ थीं, तो उन्होंने बताया कि उनके सामने एक दयालु, सफ़ेद बालों वाले

व्यक्ति खड़े थे, जिनकी वर्षों पहले मेरे शयनकक्ष में दिल का दौरा पड़ने से अचानक मृत्यु हो गई थी। उन्हें मृत्यु की उम्मीद नहीं थी और उनके कई अधूरे काम थे। बाद में मेरी माँ से बात करने पर उन्हें लगा कि वह एक ऐसे व्यक्ति थे जो उनके यहाँ किराएदार थे और उन्होंने दूसरी शादी की थी, एक बहुत छोटी उम्र की महिला से। उन्होंने बताया कि वह हृदय रोग से पीड़ित थे और एक से अधिक व्यवसायों के मालिक थे, जिनमें एक रेलवे भी शामिल था, और वह बेहद व्यस्त व्यक्ति थे। उनकी दूसरी पत्नी से एक छोटी बेटी थी और वह काफी हंसमुख और प्रसन्न थे—और उन्हें पूरा विश्वास था कि वह पहले हुए दिल के दौरे से उबर चुके हैं।

फिर भी उनकी मृत्यु अचानक हुई और मेरी माँ को हमेशा यही लगता था कि उनकी मृत्यु इसी घर में हुई थी, हालाँकि उनकी पत्नी ने इस बात से इनकार किया। इसके बावजूद, मेरी माँ ने उन्हें किराएदारी के समझौते से मुक्त कर दिया। वे सफ़ेद बालों वाले, बेहद प्रतिष्ठित दिखने वाले व्यक्ति थे।

अब उस हत्या के बारे में बात करते हैं जिसका जिक्र मिस बेल ने किया था और उस भयानक झगड़े के बारे में जिसकी सूचना हमारे पड़ोसियों ने मेरी मां को दी थी।

मिस बेल ने जो कहा था, वह सही था कि झगड़ा घर के पीछे ड्राइववे पर शुरू हुआ था। दरअसल, हमारा पड़ोसी बाहर आया और पूछा कि क्या हो रहा है। जिस आदमी से उसने पूछा, जिसे वह नहीं जानता था (शायद उस समय हमारे किराएदार का कोई मेहमान था), उसने कहा, "कुछ नहीं," और उसे अपना कार्ड दिया जिस पर इसी गली का पता लिखा था। फिर भी झगड़ा दोबारा शुरू हो गया और यह बहुत भयानक था—फर्नीचर टूट गया, वगैरह। पड़ोसियों ने पुलिस को नहीं बुलाया क्योंकि वे इसमें शामिल नहीं होना चाहते थे। मेरी माँ ने बताया कि वह किराएदार एक बड़ा, हट्टा-कट्टा दिखने वाला आदमी था, जिसकी एक जवान औरत से शादी हुई थी और उनकी एक छोटी बेटी भी थी।

पड़ोसियों के अनुसार, पत्नी और बच्चा यहाँ नहीं थे। वे सप्ताहांत में रिश्तेदारों से मिलने गए हुए थे।

मेरी मां ने मुझे यह भी बताया कि उनके घर बदलने के बाद उन्हें हमारे फर्श पर खून के धब्बे मिले थे।

कुछ समय तक मुझे आर्डमोर स्थित उस रहस्यमयी पते से कोई खबर नहीं मिली। फिर 4 जुलाई की तारीख वाला एक पत्र आया। यह कोई उत्साहवर्धक संदेश नहीं था, लेकिन

इसमें दुखद खबर थी कि हेलेन एल. को एक बार फिर कदमों की आहट, धमक, हलचल और अन्य भूतिया घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है।
मैंने समझाया कि मुझे लगता है कि उसकी अपनी माध्यम बनने की शक्तियों ने ही इन चमत्कारी घटनाओं को संभव बनाया है और इन चमत्कारों के प्रति उसका डर शायद उन चीजों को वापस ला सकता है जिन्हें दूर भगा दिया गया था। चिंता का स्वभाव ही ऐसा है कि यह अलौकिक शक्तियों के द्वार खोल सकती है, जबकि मजबूत दिल वाले लोग इसे हमेशा के लिए बंद रख सकते हैं।
मैंने यह भी संकेत दिया कि उसकी अपनी भावनात्मक स्थिति अलौकिक घटनाओं के लिए अत्यंत अनुकूल थी। निराशाएँ, भले ही अवचेतन हों, ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न कर सकती हैं जिनमें इस प्रकार की घटनाएँ पनपती हैं।
लेकिन हेलेन एल. इसे स्वीकार नहीं कर सकीं।
उन्होंने कहा, "चाहे यहां कोई भी रहे, वे हमेशा वापस आएंगे," और उन्होंने उस दिन का इंतजार किया जब वह घर बेच देंगी।
जिस चीज़ की ज़रूरत थी, वह बस एक छोटी सी बात थी—यह दृढ़ विश्वास कि "उन्हें" भगाया जा सकता है, और वे कभी वापस नहीं लौटेंगे। लेकिन, इस आशंका से कि क्या वह अलौकिक शक्ति सचमुच चली गई है, हेलेन एल. ने बंद दरवाजे को अपने लिए एक घूमने वाले दरवाजे में बदल दिया था।

भूत, भूत, सबके पास भूत होते हैं

इस समय तक मैं और मेरी पत्नी आत्माओं की खोज की भावना से इतने ओतप्रोत हो

चुके थे कि हम हर चीज को अपने नजरिए से देखने लगे थे।
मैं कहता, "उस पुराने घर को देखो। कितना प्यारा है ना?"
मैं तो बस नज़ारे की तारीफ़ कर रहा था। लेकिन कैथरीन का चेहरा गंभीर हो जाता था।
"मुझे आश्चर्य होता है कि क्या इसमें कोई भूत है," वह कहती थी, लेकिन निश्चित रूप से हमें कभी पता नहीं चलेगा, क्योंकि हम पुराने घरों में रहने वाले लोगों से यह नहीं पूछते कि क्या दीमक की तरह उनके घरों में भी भूत हैं।
अजीबोगरीब चीजों के साथ रहते हुए, हम उस पेशे से जुड़ी सहज प्रतिक्रियाओं के आदी हो जाते हैं। कुछ दिन पहले, मेरे अध्ययन कक्ष में लगी उन्नीसवीं सदी की न्यू इंग्लैंड की घड़ी रुक गई।
"घड़ी रुक गई है, प्रिये," मैंने बड़े ही सहज भाव से कहा, मानो उसे चाबी भरने के लिए तैयार हो रही हो।
“मुझे आश्चर्य है कि किसकी मृत्यु हुई?” कैथरीन ने झट से पूछा। हमारे जानने वालों में से किसी की भी मृत्यु नहीं हुई थी। लेकिन मुस्कुराते हुए हमें एहसास हुआ कि मानसिक अनुसंधान हमारे रोजमर्रा के जीवन का कितना अहम हिस्सा बन चुका है।
सड़क पर लोग मुझे रोककर अपनी भूत-प्रेत की कहानियां सुनाते थे। अगर मुझे लगता कि उनकी कहानी में कुछ ऐसा है जिस पर गौर करने की जरूरत है, तो मैं उन्हें अपना असली नाम लिखकर देने के लिए कहता था। बहुत कम लोगों ने ऐसा किया, लेकिन जिन्होंने मुझे लिखा, उनके मामले में तुरंत कार्रवाई हुई, चाहे जैसे भी हो। मेरा फ़ोन नंबर लिस्ट में था। कुछ सालों तक वह अनलिस्टेड फ़ोन था और मुझे इस बात पर बहुत गर्व महसूस होता था। सोचिए, उन संभ्रांत लोगों में से होना जो इतने लोकप्रिय हैं कि वे अपना फ़ोन नंबर आम जनता को बताना नहीं चाहते।
फिर मैं इस झंझट से छुटकारा पाना चाहता था और अपना नंबर दोबारा लिस्ट करवाना चाहता था। क्यों? क्योंकि कोई मुझे ढूंढ ही नहीं पा रहा था। लोग सोचने लगे थे कि कहीं मैं खुद ही गायब तो नहीं हो गया। टेलीफोन कंपनी ने कहा कि यह बस ऐसे ही हो सकता है—मतलब हमारे नंबर को दोबारा लिस्ट करना।
तब से मुझे हमेशा अपने टेलीफोन बिल के चेक पर अदृश्य स्याही से हस्ताक्षर करने का मन करता है।
जांच के योग्य इतने सारे प्रामाणिक मामले हैं कि मैं उन सभी पर कार्रवाई नहीं कर सकता। कुछ ऐसी रिपोर्टें भी हैं जिनमें मूल गवाहों से साक्षात्कार करना असंभव हो

सकता है क्योंकि वे अब जीवित नहीं हैं, न्यूयॉर्क से बहुत दूर हैं, या कई कारणों से अनुपलब्ध हैं। फिर भी, मेरे सूत्रों द्वारा दी गई कुछ गवाहियाँ इतनी ठोस थीं कि मुझे लगा कि मुझे इनमें से कुछ मामलों को यहाँ शामिल करना चाहिए, भले ही मैं स्वयं उन घटनाओं के समय वहाँ उपस्थित नहीं था। इसके बजाय, मैं उन लोगों की मानसिक स्थिति, विश्वसनीयता और सामान्य सत्यता की पुष्टि करता हूँ जिन्होंने ये अनुभव किए हैं।

इन मामलों में मैंने भूत की बजाय गवाहों की जांच की है और गवाहियों के आधार पर मुझे इन घटनाओं पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है।

मुझे एनक्रैम पोल्टरजिस्ट की कहानी न्यूयॉर्क राज्य के एक घर के मालिक ने बताई, जिसे वह बेचना चाहता था। इसलिए उसने मुझसे कहा कि जब तक वह घर बेच न दे, मैं वहां न जाऊं। भला मैं इस तरह के सख्त इनकार को कैसे ठुकरा सकता था?

हालांकि, रिपोर्ट चाहे जितनी भी उपयोगी हो, यहाँ प्रस्तुत है—और मैं यह बताना चाहूंगा कि इसी तरह की एक घटना की जांच मैंने 1964 की गर्मियों में स्विट्जरलैंड के एक फार्महाउस में की थी। इसके बारे में बाद में बात करेंगे।

हर्बर्ट रॉकफेलर एक सभ्य और सुरुचिपूर्ण युवक थे और तंत्र-मंत्र में विश्वास नहीं करते थे। फिर भी, संयोगवश एक भूतिया घर के मालिक बनने के बाद, वे सोचने लगे। मतलब, देखने में तो यह संयोग ही था।

चार साल पहले, जब वह न्यूयॉर्क के कोलंबिया काउंटी से गुज़र रहे थे, तो वे एंक्रैम नामक एक छोटे से कस्बे में रुके। वे एक ग्रामीण घर की तलाश में थे और किसी ने उन्हें कस्बे के बाहरी इलाके में स्थित एक पुराने भेड़ फार्महाउस के बारे में बताया। उस घर को पीढ़ियों से "कभी पसीना नहीं आने वाला" कहा जाता था क्योंकि घर की स्थिति ऐसी थी कि गर्मी के सबसे गर्म दिनों में भी वहाँ हमेशा ठंडी हवा चलती रहती थी।

घर वाकई पुराना था, क्योंकि 1790 के नक्शे में इसका जिक्र मिलता है। श्री रॉकफेलर ने घर को देखते ही उस पर मोहित हो गए। साथ ही, उन्हें लगा कि शायद इसमें कुछ रहस्यमय बात छिपी हुई है।

जल्द ही वह इसका मालिक बन गया, लेकिन शुरू से ही उसे एहसास हो गया था कि उस जगह में कुछ अजीब बात है।

एक रात वह रसोई में बर्तन धो रहा था, जबकि घर में मौजूद एकमात्र दूसरा व्यक्ति, उसका मित्र चार्ल्स एस., इमारत के दूसरे हिस्से में था जहाँ दोनों एक-दूसरे की आवाज़

नहीं सुन सकते थे। रसोई में पेंट्री के बगल में एक खिड़की थी, और उस खिड़की से घर के पास पहाड़ी पर बनी एक दीवार दिखाई देती थी, जो लगभग एक गज ऊँची थी और पुराने घर के चारों ओर फैली हुई थी।

अचानक रॉकफेलर को पेंट्री की बाहरी दीवार पर "किसी भारी लाठी से तख्ते पर ज़ोर से मारने जैसी" आवाज़ सुनाई दी। यह आवाज़ कुछ देर तक आती रही। इसी समय चार्ल्स एस. रसोई में आए और उन्होंने भी वही आवाज़ सुनी। रॉकफेलर ने इस अजीब आवाज़ के स्रोत का पता लगाने का फैसला किया, क्योंकि रसोई की खिड़की के बाहर कोई दिखाई नहीं दे रहा था। वे रसोई से सटे बैठक कक्ष में गए, तभी तहखाने से आती हुई एक तेज़, सिसकने जैसी आवाज़ सुनकर वे वहीं रुक गए।

उस अजीब सी आवाज़ का पीछा करते हुए, वह खुद को तहखाने में जाने वाली पुरानी सीढ़ी के पास पाया। चिमनी और दीवार के बीच उसे लगभग 3 फीट चौड़ा एक गड्ढा दिखाई दिया। उसने उसमें थोड़ा सा खोदा, लेकिन कुछ नहीं मिला। मौका मिलते ही और गहराई तक खोदने का वादा करते हुए, उसका ध्यान बाथरूम की खिड़की से आती खटखटाहट की आवाज़ पर गया। अब भी आश्वस्त था कि इन रहस्यमयी आवाज़ों का कोई प्राकृतिक कारण ज़रूर होगा, इसलिए रॉकफेलर ने घुसपैठिए को पकड़ने के लिए तुरंत कार्रवाई करने का फैसला किया। झट से उसने बाथरूम का दरवाज़ा खोल दिया। खिड़की और बैठक से पर्याप्त रोशनी आ रही थी जिससे सब कुछ ठीक से दिखाई दे रहा था।

उन्हें आश्चर्य हुआ जब उन्होंने बाथरूम की खिड़की के बाहर एक भारी लकड़ी की छड़ी को अत्यंत बल से नीचे आते और स्क्रीन से टकराते देखा। छड़ी को पकड़ने वाला कोई हाथ नहीं था। कुछ क्षण बाद, यह घटना रुक गई। पतझड़ का मौसम था और घर के उस हिस्से में, जहाँ बाथरूम था, बर्फ जमी हुई थी। रॉकफेलर दौड़कर बाहर गए और बर्फ में देखा। वहाँ किसी के भी पैरों के निशान नहीं थे।

इसी बीच, चिमनी से लगातार सिसकने की आवाज़ आ रही थी। उसकी माँ समेत तीन लोगों ने इसे साफ़ सुना और इस पर टिप्पणी की। किसी के पास इसका कोई तर्कसंगत कारण नहीं था।

कई महीने बीत गए। एक शाम चार्ल्स एस. और श्री रॉकफेलर अंगीठी के सामने बैठे बातें कर रहे थे। घनिष्ठ मित्रों के बीच होने वाली दोस्ताना बहस चल रही थी। अचानक कोने में चुपचाप पड़ी झाड़ू की सरसराहट से बातचीत रुक गई, जो अब तक किसी का

ध्यान खींचे बिना वहीं पड़ी थी, लेकिन अचानक किसी तरह उड़कर रॉकफेलर के हाथों में आ गिरी। रॉकफेलर ने उसे पकड़ा और नीचे रख दिया। दोनों एक पल के लिए चुपचाप एक-दूसरे को देखते रहे, फिर चार्ल्स ने गहरी सांस ली और कहा, "हमें इसके बारे में किसी को नहीं बताना चाहिए।"

श्री रॉकफेलर घर बेचने के बारे में सोचने लगे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उन्होंने जो भूतिया घटनाएँ देखी थीं, वे सामान्य तर्क से क्यों नहीं समझ आ रही थीं। क्या उस पुराने, क्रांति-पूर्व घर में अब भी कोई रहस्यमयी सपना जी रहा था, कोई ऐसा व्यक्ति जिसे पीट-पीटकर मार डाला गया था और जिसका शव चिमनी में ठूंस दिया गया था? कुछ भूत-प्रेत की कहानियाँ ऐसी गतिविधियों का नतीजा होती हैं जिनका भूतों से कोई लेना-देना नहीं होता, जैसे कि टेलीविजन पर मेरा काम। इसी तरह मुझे "टीवी स्टूडियो के भूत" के बारे में पता चला।

मैं पिट्सबर्ग के स्टेशन KDKA-TV पर कम से कम सात या आठ बार आ चुका हूँ, लेकिन मुझे हाल ही तक पता नहीं था कि स्टेशन की इमारत में ही एक भूत देखा गया है। अगर स्टेशन के प्रोग्राम मैनेजर बॉब नोवाक की सचिव जोआन ओ. न होतीं, जो भूत-प्रेत की खोज करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए दिलचस्प कहानियों पर पैनी नज़र रखती थीं, तो मुझे कलाकार जूलियन ड्रोब के दुखद और विचित्र मामले के बारे में पता ही नहीं चलता, जिनकी मई 1963 में पचास वर्ष की आयु में अचानक दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई थी। वे अपने पीछे व्यक्तिगत और टेलीविजन से संबंधित कई अधूरे काम और एक ऐसा कार्यालय छोड़ गए थे जिसके केवल दो पैनल ही पूरे हुए थे। उनका आधिकारिक पद स्टेशन के सुविधा निदेशक का था, लेकिन उनके कर्तव्य कलात्मक थे और वास्तव में वे कलाकृति, सेट आदि के पर्यवेक्षक थे। 1963 की शुरुआत में, जब उन्होंने आधुनिक स्टूडियो भवन की मुख्य मंजिल से कुछ दूरी पर स्थित अपने छोटे से कार्यालय को सजाना शुरू किया, तो उनके एक साथी अधिकारी ने सजावट को पूरा करने में उनकी पूर्णतावादी धीमी गति पर टिप्पणी की।

“जूलियन, अगर तुमने यह काम पूरा नहीं किया तो,” उन्होंने हंसते हुए कहा, “यह काम तुम्हें खत्म कर देगा।” आज उन्हें पछतावा होता है कि उन्होंने वे भविष्यवाणीय शब्द क्यों कहे, क्योंकि जूलियन ड्रोब वास्तव में सबसे पहले खत्म हो गए।

ड्रोब को दफनाए जाने के कुछ ही समय बाद, स्टेशन पर काम करने वाले दो कुलियों ने उनके कार्यालय में बत्तियाँ जलती हुई देखीं। अजीब बात यह थी कि उन्हें पूरा यकीन था

कि उन्होंने बत्तियाँ बुझाई थीं। एक बार फिर, जब वे अंदर आए तो उन्होंने देखा कि उनकी मेज पर रखे कागज़ अपने आप हिलने-डुलने लगे, मानो किसी अदृश्य शक्ति ने उन्हें छुआ हो।

कार्यालय से भागते समय दोनों कुली इतनी तेज़ी से कभी नहीं भागे थे। इसके बाद, भूत भगाने की रस्म अदा की गई और अगली सुबह कमरे में अजीबोगरीब मोमबत्तियाँ मिलीं। एक मेहनती और जिम्मेदार व्यक्ति, जूलियन ड्रोब को अपनी अचानक मृत्यु के कारण स्टेशन में उत्पन्न हुई समस्याओं से शायद गहरा दुख हुआ होगा—और उन्होंने अपनी ओर से कुछ मदद करने की कोशिश भी की होगी। लेकिन हम निश्चित रूप से कभी नहीं जान पाएंगे।

मुझे पक्का नहीं पता कि अगली रिपोर्ट अमेरिकी भूतों की श्रेणी में आती है या आयरिश भूतों की, क्योंकि यह आयरलैंड में एक आयरिश व्यक्ति के साथ घटी थी, हालाँकि मुझे उसके बारे में पहली बार तब पता चला जब वह न्यूयॉर्क शहर में रहता था। मेरे सेल्टिक मित्र का जीवन में कुछ समय बाद एक और रहस्यमय अनुभव हुआ जब वह हमारे दक्षिणी आयरलैंड से गुज़रा। मुझे उसके भूतिया अनुभवों को इस अध्याय में शामिल करने में कोई हिचक नहीं है। वह "वह आदमी है जो उच्च-वर्गीय भूतों से मिलता है।" चार्ल्स मैकगार्वे अधेड़ उम्र के एक व्यक्ति थे, जो मृदुभाषी थे और उनकी बोली में आयरिश लहजे की झलक थी, जो कोई आश्चर्य की बात नहीं थी, क्योंकि उनका जन्म आयरलैंड में ही हुआ था। वे मैनहट्टन के होटल ट्यूडर में आराम से रहते थे और प्रबंधन सलाहकार के रूप में अपना करियर बना रहे थे।

जब मैकगार्बी लगभग नौ या दस साल का लड़का था, तब वह उत्तरी आयरलैंड के काउंटी डोनेगल में स्थित अपने पैतृक गांव रोथमुलन में रहता था। पास ही में एक विशेष रूप से दिलचस्प खंडहर किला था, जिसे स्थानीय रूप से "मैक स्वाइन का किला" के नाम से जाना जाता था, जिसका नाम सूअरों के बजाय "स्विनी" से संबंधित था। इस पुराने किले में एक गोलाकार सीढ़ी वाला एक टावर था, लेकिन समय के साथ पहली मंजिल के ऊपर की सीढ़ियाँ नष्ट हो गई थीं। हालाँकि टावर और ऊँचा था और घुमावदार सीढ़ियों के निशान अभी भी मौजूद थे, लेकिन पहली मंजिल के ऊपर की असली सीढ़ियाँ बहुत पहले ही गायब हो चुकी थीं। एक दिन, मैकगार्बी और उसका लगभग हमउम्र दोस्त, लड़कों की तरह, पुराने किले में घूमने निकल पड़े। वह अक्सर अपनी सूझबूझ और साहस से उन गायब सीढ़ियों के बावजूद ऊपर तक पहुँचने में

कामयाब हो जाता था। लेकिन इस बार, उसका दोस्त पहली मंजिल से आगे उसके साथ जाने से इनकार कर दिया और डरकर वहीं रुक गया जहाँ सीढ़ियाँ खत्म होती थीं। मैकगार्बी खुशी-खुशी ऊपर की ओर बढ़ता रहा, इस बात से अनजान कि अब वह बिल्कुल अकेला था।

थोड़ी दूर आगे जाकर, उसे अचानक अठारहवीं सदी की महंगी पोशाक पहने एक महिला के लिए रास्ता बनाना पड़ा, जो कि न के बराबर सीढ़ियों से नीचे आ रही थी। इस आगंतुक में कुछ भी असामान्य न समझते हुए, उसने दीवार की ओर एक तरफ हटने की कोशिश की। यह सोचकर कि उसका दोस्त कहीं नीचे से ऊपर आ रहा है, उसने चिल्लाकर कहा, "महिला के लिए रास्ता बनाओ।" नीचे, ऊपर देखते हुए, दूसरे लड़के को कुछ नहीं दिखा। कोई महिला नीचे नहीं आ रही थी। मैकगार्बी का मानना है कि यह इंग्लैंड की एलिजाबेथ प्रथम हो सकती हैं, जो लॉर्ड ओ'नील से मिलने आती थीं, जिनका यह महल था।

उन्हें अच्छी तरह याद है कि कैसे उन्हें लगा था कि रास्ते में आने के लिए वह नेक महिला उन पर जमकर चिल्लाएगी।

मैकगार्वे के जीवन का दूसरा विचित्र अनुभव बहुत बाद में घटित हुआ, जब उन्हें व्यापारिक उद्देश्य से बर्मिंघम, अलबामा भेजा गया। जिस होटल में वे ठहरे, वह उन्हें बहुत महंगा लगा, इसलिए उन्होंने निजी आवास की तलाश शुरू कर दी। शहर से लगभग पाँच मील दूर, एक रियल एस्टेट एजेंट के माध्यम से उन्हें एक ऐसा घर मिला जो उनके उद्देश्य के लिए उपयुक्त प्रतीत हुआ और साथ ही बेहद सस्ता भी था। आश्चर्य की बात यह थी कि इस दो मंजिला घर का भूतल पूरी तरह से बंद था, फर्नीचर और खिड़कियाँ ढकी हुई थीं, मानो लंबे समय से उपयोग में न हो। किराये के एजेंट ने उन्हें आश्वासन दिया कि भूतल उपलब्ध नहीं है, लेकिन दूसरी मंजिल उपलब्ध है। इसलिए मैकगार्वे ने उसे ले लिया और उसमें रहने लगे। ऊपरी मंजिल तक जाने वाली सीढ़ी भूतल के बैठक कक्ष से शुरू होती थी।

पहले दिन तो कुछ खास नहीं हुआ, लेकिन दूसरी रात करीब 1 बजे नीचे से आ रही आवाजों और संगीत की वजह से उसकी नींद खुल गई।

“ये तो अजीब बात है,” उसने मन ही मन कहा। “मुझे पता ही नहीं था कि मेरे नीचे लोग रहते हैं। लगता है किराए पर देने वाले एजेंट ने नीचे का हिस्सा ही किराए पर दे दिया है।” इतने शोर के कारण उसे नींद नहीं आ रही थी, इसलिए वह उठा और सीढ़ियों से

नीचे उतरने लगा। जो नज़ारा उसकी आँखों के सामने था, वह वाकई अद्भुत था।
पूरा बैठक कक्ष झूमरों की रोशनी से जगमगा रहा था, सारा फर्नीचर खुला हुआ था, पर्दे साफ दिखाई दे रहे थे और पार्टी पूरे जोश में चल रही थी। खुश लोगों से भरा कमरा वाल्ट्ज की धुन पर नाच रहा था और कमरे में आवाज़ें गूंज रही थीं।
सभी लोग औपचारिक पोशाक में थे, लेकिन, जैसा कि मैकगार्बी ने बाद में याद किया, उनके कपड़े थोड़े अजीब, कुछ हद तक पुराने जमाने के लग रहे थे, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं, शायद उस समय से दस साल पहले के थे जब यह घटना घटी थी।
जैसे ही मैकगार्बी बेहतर ढंग से देखने के लिए सीढ़ियों से कुछ और कदम नीचे उतरे, पार्टी में मौजूद लोगों में से एक ने उनकी ओर देखा, और पल भर में पूरा दृश्य हवा में गायब हो गया!
फिर से, बैठक कक्ष अंधेरा और खाली था, केवल ढके हुए फर्नीचर और बंधे हुए पर्दे ही दिखाई दे रहे थे। मैकगार्बी ने अपनी आँखें मलीं, लेकिन वह आकृति गायब हो चुकी थी।
अगली शाम, बेहद हैरान मैकगार्बी ने मन ही मन कहा, "यह ज़रूर एक सपना रहा होगा।" लेकिन फिर, आधी रात को संगीत की आवाज़ से उनकी नींद खुल गई और वे सीढ़ियों से नीचे उतरे, तो उन्होंने देखा कि वही पार्टी पूरे जोश में चल रही थी।
जब कुछ ही समय बाद तीसरी बार प्रेतवाधित नर्तक उसके सामने प्रकट हुए, तो मैकगार्बी किराये के एजेंट से मिलने गया और उसे अपने द्वारा देखी गई घटना के बारे में बताया।
रियल एस्टेट कारोबारियों को भूतों से कोई मतलब नहीं होता। एजेंट ने मैकगार्बी पर पागल होने का आरोप लगाया, और जब यह आरोप साबित नहीं हुआ, तो नशे में होने का आरोप लगाया। लेकिन, ज़ाहिर है, मैकगार्बी न तो पागल था और न ही शराबी। बिना कोई और स्पष्टीकरण दिए, एजेंट ने उसका किरायानामा रद्द कर दिया, और मैकगार्बी ने रहने के लिए दूसरी जगह ढूंढनी शुरू कर दी।
उसने पड़ोस में घर के बारे में पूछताछ की, लेकिन कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं मिला जिसे इसके बारे में कुछ पता हो।
लेकिन एक बात तो तय है—मैकगार्वे के भूत हमेशा उस सदी के सबसे फैशनेबल कपड़ों में सजे-धजे होते हैं।
मीना लाउटेरर अत्यंत ईमानदार और अवलोकन की तीव्र बौद्धिक प्रतिभा वाली व्यक्ति थीं।

वह एक मॉडल और उपन्यासकार थीं, और उन्हें तंत्र-मंत्र में विशेष रुचि थी, मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि उनके साथ कई ऐसी घटनाएं घटी थीं जिन्हें संकीर्ण तर्क के दायरे में समझाना असंभव था। उनकी कई दिव्य दृष्टि की घटनाओं में से, शायद "स्वप्न पुरुष" से जुड़ी यह घटना सबसे उल्लेखनीय थी, क्योंकि इसमें उन्होंने कई असामान्य विवरण देखे थे।

“कुछ समय पहले न्यूयॉर्क में एक रात, जब मैं बिस्तर पर थी, नींद और पूरी तरह जागने के बीच की अवस्था में,” उसने कहा, “मैंने एक चेहरा इतनी स्पष्टता से देखा जैसे कोई स्क्रीन पर तस्वीर देखता है। मैंने इसे अपने मन की आंखों से देखा, क्योंकि मेरी आंखें बंद थीं। यह पहला अनुभव है जो मुझे याद है, जिसमें मैंने अपने मन में एक ऐसा चेहरा देखा जिसे मैंने पहले कभी नहीं देखा था।”

लगभग छह सप्ताह बाद, मुझे दक्षिण अमेरिका के कोलंबिया जाने का निमंत्रण मिला; मैं टर्बो में एक केले के बागान में रुका, जो उरुबा की खाड़ी में एक द्वीप या प्रायद्वीप पर बसा एक छोटा सा पिछड़ा कस्बा है। वहाँ रहने वाले अधिकांश लोग भागे हुए गुलामों और भारतीय जनजातियों के वंशज हैं। मुख्य भूमि से आस-पास के छोटे द्वीपों के समूह तक परिवहन नाव या डोंगी द्वारा होता है। बागान मुख्य भूमि पर हवाई अड्डे के पास स्थित था, और सीमा शुल्क कार्यालय भी वहीं था।

“एक रविवार दोपहर मैं अपने अमेरिकी मेज़बान और अपने कोलंबियाई दोस्त के साथ शहर गया। जब हम सीवेज नालियों से घिरी गंदी सड़कों से गुज़र रहे थे और टिन की छतों वाली झोपड़ियों और वहाँ के लोगों को देख रहे थे, तो मैंने सोचा: यही दुनिया का छोर है।”

रविवार का दिन बाज़ार जैसा लग रहा था; सड़कें लोगों से भरी हुई थीं, जिनमें ज़्यादातर दो रंगों के लोग थे - काले और लाल चमड़ी वाले। जब हम एक दवा की दुकान के पास से एक-एक करके चल रहे थे, तभी एक लंबा, सुंदर और अच्छे कपड़े पहने युवक ने मेरा ध्यान खींचा। वह मुझे और मेरे साथियों की तरह ही वहाँ बेमेल लग रहा था। मेरे ठीक सामने से गुज़रने पर भी उसने मेरी तरफ नहीं देखा। यह मुझे अजीब लगा। दक्षिण अमेरिकी पुरुष हमेशा महिलाओं को बड़ी बेबाकी से देखते हैं।

"साथ ही, वह जाना-पहचाना लग रहा था, और मुझे एहसास हुआ कि यह वही चेहरा था जिसे मैंने कुछ हफ़्ते पहले न्यूयॉर्क में अपने मन में देखा था!"

अगले दिन हमें हमारे पड़ोसी, सीमा शुल्क के कप्तान ने कॉकटेल पार्टी में आमंत्रित

किया। उन्होंने बताया कि एक युवा पायलट हर महीने लगभग उसी समय आता है, टर्बो में रात भर रुकता है और फिर अपने नियमित मार्ग से अन्य गांवों की ओर रवाना हो जाता है। वह गांव के गंदे होटल में ठहरने के बजाय हमेशा अपने सैनिकों के साथ ही ठहरता है। उन्होंने बताया कि वह युवक कोलंबिया के एक राज्य के गवर्नर का बेटा है और अभी-अभी कार्टाजेना से आया है, जो उसकी छोटी एयरलाइन का मुख्य कार्यालय है।

“वह उस युवक को बाहर लाया और हमसे उसका परिचय कराया। यह वही युवक था जिसे मैंने गाँव में देखा था! मैंने उससे पूछा कि क्या वह सचमुच सोमवार सुबह आया था और बाद में उसने बिना किसी संदेह के साबित कर दिया कि वह रविवार दोपहर को टर्बो में नहीं था, जब मैंने उसे देखा था। सोमवार को भी उसने वही कपड़े पहने थे जो मैंने उसे रविवार को अपने सपने में पहने हुए देखा था।”

मुझे नहीं पता कि मैंने उसे तब क्यों देखा जब वह वहां नहीं था। बाद में उसने मुझसे शादी करने के लिए कहा, लेकिन मैंने मना कर दिया।

"जब मैं और मेरे साथी बाद में कार्तगेना गए, तो हमने जाँच की और तथ्यों की दोबारा पुष्टि की - जब मैंने उसे देखा था, तब वह मीलों दूर था!"

जीवित और मृत हमेशा उतने अलग नहीं होते जितना आप सोचते हैं। उदाहरण के लिए, उस बेचैन विज्ञापन अधिकारी का मामला लें, जिसने आत्महत्या करने के बाद भी अपनी पसंदीदा मार्टिनी पीने की जिद जारी रखी।

यह सब तब शुरू हुआ जब मेरे दोस्त और भूत-प्रेतों के शौकीन, न्यूयॉर्क डेली न्यूज के दिवंगत स्तंभकार डेंटन वॉकर ने निम्नलिखित रोचक लेख प्रकाशित किया:

वेस्ट 56वीं स्ट्रीट पर एक भूत का साया मंडरा रहा है, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह मैडिसन एवेन्यू के एक पूर्व विज्ञापन अधिकारी का भूत है, जो शराब के नशे में बर्बाद हो गया था। वह भोर से पहले इमारत की दीवारों पर विज्ञापन के नारे लिखकर और अपने पुराने पसंदीदा रेस्तरां के बार पर एक खाली मार्टिनी का गिलास छोड़कर अपनी उपस्थिति का आभास कराता है।

मुझे उस रेस्टोरेंट को ढूंढने में ज्यादा समय नहीं लगा, जो दा विंची नाम का एक आलीशान भोजनालय निकला। मैंने मालिक से बात करके वहाँ एक प्रेतात्माओं से संपर्क करने का कार्यक्रम तय किया, ताकि पता चल सके कि हमारे शराब पीने की आदत को परेशान करने वाली चीज़ क्या थी।

दा विंची के मालिक बहुत सहयोगी थे। आखिर क्यों नहीं? अगर यह जगह इतनी अच्छी है कि मरे हुए लोग भी यहाँ आना चाहते हैं, तो जीवित लोगों को भी तो आना चाहिए। और जाहिर तौर पर यह कोई शोर मचाने वाला भूत नहीं था, बल्कि एक हंसमुख और विनोदी स्वभाव का भूत था।

मैंने एथेल मेयर्स को फोन किया। वह साथ आने के लिए तैयार हो गईं, हालाँकि मैंने उन्हें हमारे गंतव्य के बारे में कुछ नहीं बताया था। हम देर रात मिले, जब डिनर के लिए आए मेहमान और देर रात तक शराब पीने वाले भी जा चुके थे, और दा विंची बार लगभग खाली था। बचे हुए कुछ लोगों को मैंने यह कहकर भगा दिया कि वह जगह भूतिया है। यह जानने का इंतज़ार करने के बजाय कि क्या सच में भूतिया है, वे जल्दी से वहाँ से चले गए।

उस लंबे कमरे में, चांदी की छड़ी और शांत स्वभाव वाले प्रख्यात ब्रॉडवे निर्देशक हेरोल्ड क्लुरमैन मौजूद थे, जिन्हें भूतों में ज़रा भी दिलचस्पी नहीं थी; और उनकी मंगेतर और बाद में पत्नी, अभिनेत्री जुलीन कॉम्पटन, जिन्हें भूतों में बहुत दिलचस्पी थी, खासकर तब से जब उन्होंने उस विज्ञापन व्यवसायी का भूत उस अपार्टमेंट में देखा था जो कभी उनका था और अब उनका हो गया था। उन्होंने बताया कि वह एक पल यहाँ थे, अगले ही पल गायब हो गए।

मैंने उसे आश्वस्त करते हुए कहा, भूत ऐसे ही होते हैं।

अफसोस, वह उसे अच्छी तरह जानती थी—जब वह जीवित था—और उसे लगा कि अब वह उसकी जो भी मदद कर सकती है, खुशी से करेगी। आखिर उस आदमी को आराम की जरूरत थी। जाहिर तौर पर उसने पूरी तरह होश में न रहते हुए आत्महत्या की थी, और यही अक्सर भूत-प्रेत के कारण होता है—जब भूत, एक तरह से, मृत अवस्था में जाग उठता है और उसे यह पसंद नहीं आता!

बत्तियाँ बुझा दी गईं और हम कमरे के एक कोने में लंबी मेज के पीछे बैठ गए। मैं श्रीमती मेयर्स के बगल में बैठी थी। कुछ ही मिनटों में, वह गहरी समाधि में चली गईं, अपने आसपास की हर बात से बेखबर। इस पूर्ण वियोग की अवस्था में, आध्यात्मिक व्यक्ति अपनी वाणी और शरीर को एक निराकार सत्ता को सौंप देता है, और यह उसी सत्ता का व्यक्तित्व होता है जो माध्यम के ज़रिए बोलता है। इसकी जाँच करना आसान है: यदि इस तरह से प्राप्त जानकारी वहाँ मौजूद सभी लोगों, विशेषकर आध्यात्मिक व्यक्ति को, अज्ञात हो, और सामान्य न होकर व्यक्तिगत प्रकृति की हो और बिना किसी परेशानी के

प्राप्त हो जाए, तो यह एक वास्तविक संवाद है।
श्रीमती मेयर्स जैसे ही गहरी समाधि में गईं, हमारे मित्र ने उनका स्थान ले लिया। श्रीमती मेयर्स की मधुर आवाज़ से बिल्कुल अलग, कर्कश स्वर में उन्होंने पेय की माँग की—कोई भी पेय—और जब तक उनका पेय नहीं लाया गया, तब तक किसी भी विषय पर बात करने से इनकार कर दिया। हमने माध्यम के हाथों में गिलास देने का दिखावा किया, लेकिन स्पष्ट रूप से भूत अपनी सूंघने की शक्ति का भी उपयोग कर रहा था, क्योंकि उसने तुरंत चिल्लाकर कहा कि गिलास खाली है!
इसके साथ ही, वह मेज को बड़े हिंसक ढंग से हिलाने लगा और लगातार अपनी ड्रिंक पर अड़ा रहा। याद रहे, श्रीमती मेयर्स को यह नहीं बताया गया था कि भूत शराबी था या यह उसकी पसंदीदा जगह थी। आखिरकार हमने श्रीमती मेयर्स के सामने एक मार्टिनी रख दी (जो खुद शराब नहीं पीती थीं और यह देखकर भयभीत हो जातीं)। भूत थोड़ा शांत हुआ, इतना कि मैं कुछ सवाल पूछ सका। जब मैंने यह बात उठाई कि उसने आत्महत्या कर ली थी, तो वह "एलन, एलन" कहकर रोने लगा और मैंने जल्दी से मिस कॉम्पटन के चेहरे की ओर देखा कि क्या इसका कोई मतलब है। मतलब था। बाद में, उन्होंने मुझे बताया कि भूत ने धरती पर अपना आखिरी दिन अपने सबसे करीबी दोस्त एलन के साथ शराब पीते हुए बिताया था।
इन जांचों में सामान्य तौर पर जैसा होता है, संपर्क स्थापित होने के बाद, मैं बेचैन व्यक्ति से कहता हूं कि उसे चले जाना चाहिए और उस व्यापक क्षितिज पर जाना चाहिए जिसे ड्यूक विश्वविद्यालय के डॉ. जोसेफ राइन ने "मन की दुनिया" कहा था, वह क्षितिज जहां मानवीय स्मृति स्थान और समय की सीमाओं से परे, और निश्चित रूप से, भौतिक शरीर की सीमाओं से परे भी जीवित रहती है।
फिर मैंने श्रीमती मेयर्स को उनके "शराबी" सम्मोहन से जगाने की प्रक्रिया शुरू की, जबकि दा विंची के वेटर और कर्मचारी पीछे के दरवाजे के पीछे खड़े होकर विस्मय से देख रहे थे।
“मैं कहाँ हूँ? हिचकी!” मेरी ज्योतिषी महिला ने कहा और सचमुच आश्चर्यचकित दिखी। भूत-प्रेत शिकारी के रूप में मेरे लंबे करियर में यह पहली बार था कि कोई भूत के नशे में चूर हो गया था। लेकिन सच तो यह था कि श्रीमती मेयर्स को बहुत बड़ा हैंगओवर था।

भूत पूरब की ओर जाता है, या एक अमेरिकी इंग्लैंड में भूत की तलाश करता है

जब से मैंने रेने क्लेयर की अतुलनीय व्यंग्यपूर्ण फिल्म, द घोस्ट गोज वेस्ट देखी है, तब से मैं उन ब्रिटिश भूतों के बारे में सोचता रहता हूं।

क्या वे सचमुच यात्रा करते हैं? बिलकुल नहीं। जैसा कि मेरे पाठक अब तक समझ चुके होंगे, भूत अपने सांसारिक निवास से बंधे होते हैं और पुराने भवन के साथ किसी नए देश में नहीं जा सकते। हालाँकि, उस फिल्म में जो कल्पना थी, वह अब मेरे लिए एक कड़वी सच्चाई थी।

इंग्लैंड में भूत-प्रेत तो बहुत हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि ब्रिटेन में प्रति व्यक्ति भूतों की संख्या अमेरिका से ज़्यादा है। बात बस इतनी है कि परंपरा के अनुसार इस विषय को ज़्यादा सम्मान दिया जाता है और इसे एक सामान्य बात माना जाता है, न कि कोई ऐसी अजीबोगरीब बात जिसे स्वीकार न किया जाए। फिर भी, इंग्लैंड को ही भूतों का गढ़ माना जाता है, और मैंने खुद यह देखने का फैसला किया कि ब्रिटेन के भूतिया किलों और घरों के बारे में कही जाने वाली बातें सच हैं या नहीं।

ब्रिटिश ट्रैवल एसोसिएशन के विलियम होल्टन की मदद से और, ज़ाहिर है, ब्रिटिश भूतिया स्थलों पर मेरे अपने व्यापक संग्रह की बदौलत, मैंने पत्रों के माध्यम से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना शुरू किया। मैंने लगभग पचहत्तर ऐसे स्थानों को पत्र लिखे जहाँ भूत होने की प्रामाणिकता थी और वहाँ जाने की अनुमति माँगी। मैंने उनसे विशिष्ट जानकारी, गवाहों और अपनी विशेष प्रकार की जाँच से जुड़ी सभी ज़रूरी चीज़ों के बारे में पूछा। कुछ ने मुझे जवाब दिया और अपने घर में मेरा स्वागत किया; कुछ सामाजिक कारणों से मुझसे नहीं मिल सके; और कुछ ने तो जवाब ही नहीं दिया।

मुझे जल्द ही एहसास हुआ कि भूत-प्रेतों के बारे में बात करने की इच्छा आम भूत-प्रेत की कहानियों को सुनाने की इच्छा जितनी प्रबल नहीं होती। अंग्रेज लोग कभी-कभी

अंकल रेजिनाल्ड के भूत के बारे में बात करने में थोड़ा संकोच करते हैं, क्योंकि भूत आमतौर पर किसी न किसी मुसीबत में फंसा होता है, और परिवार की प्रकृति ऐसी होती है कि वे इस बारे में चर्चा करना पसंद नहीं करते।

अंततः, मैं उन कई स्थानों पर वापस जाना चाहता हूँ जहाँ मैं और मेरी पत्नी गए थे और उनमें से प्रत्येक पर वृत्तचित्र फिल्मों की एक श्रृंखला बनाना चाहता हूँ, इस तरह से कि भूतिया घटनाओं के सबसे अनिच्छुक गवाह भी उन्हें बताने में संकोच न करें। साथ ही, उनके प्रयासों के लिए उन्हें उचित राशि का भुगतान करना चाहता हूँ, क्योंकि ब्रिटेन के कई आलीशान घरों को आलीशान बने रहने के लिए इसकी आवश्यकता है।

विशेष रूप से, राजशाही इस पैरासाइकोलॉजिस्ट को किसी भी शाही संपत्ति पर जाने की अनुमति न देने पर अड़ी हुई थी। मुझे मैकबेथ के दिनों की याद आने लगी, जब कम से कम समाज में भूतों का कुछ सम्मान तो होता था। 29 दिसंबर, 1963 के न्यूयॉर्क डेली न्यूज़ में इंग्लैंड के सैंड्रिंघम से एक "विशेष" रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी, जिसमें देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित उस शाही निवास में मंडराने वाले भूत के बारे में बताया गया था:

सैंड्रिंघम के भूत ने उस भव्य हवेली में बेचैनी का माहौल पैदा कर दिया था। अब तक, शाही कमरों और गलियारों में भूत का सामना नहीं हुआ है, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह कर्मचारियों के क्वार्टरों में मंडराता रहता है।

जब गलियारों में कोई नहीं चल रहा होता है तब भी खोखले कदमों की आहट सुनाई देती है, दरवाजों के हैंडल चुपके से घुमाए जाते हैं और दरवाजे खुल जाते हैं लेकिन अंदर या बाहर कोई नहीं होता, लाइटें बिना किसी के हाथ लगाए अपने आप चालू और बंद हो जाती हैं—ये कुछ ऐसी भयावह चीजें हैं जो घटित होती हैं।

अब तक सबसे ज्यादा भूतिया असर दूसरी मंजिल पर सार्जेंट फुटमैन के गलियारे में देखा गया है, और कोई भी नौकरानी वहां अकेले सफाई और झाड़-पोंछ करने नहीं जाती। एक फुटमैन ने अपने कमरे में सोने से इनकार कर दिया, यह कहते हुए कि कूड़े के लिए रखा एक बड़ा कागज़ का थैला उसकी आंखों के सामने "सांस लेता और छोड़ता" था। डरे हुए उस आदमी ने कसम खाकर कहा कि वह थैले को सांस लेते हुए सुन सकता था, उसे देख तो सकता ही था।

अन्य विचित्र घटनाओं में क्रिसमस कार्डों का एक दीवार से दूसरी दीवार पर स्थानांतरित होना और बिस्तर की चादरें गायब हो जाना शामिल हैं, जबकि बिस्तर ठीक से बिछा

हुआ था। हर मामले में, कमरे में रहने वाले व्यक्ति ने दरवाजा बंद करके चाबी अपने साथ ले ली थी।

सैंड्रिंघम में भूत-प्रेत का प्रकोप, जो केवल एक साल पहले शुरू हुआ था, क्रिसमस की पूर्व संध्या पर शुरू होता प्रतीत होता है और छह से आठ सप्ताह तक जारी रहता है। जब भी घर में कोई दुर्घटना होती है, जैसे कि कोई बर्तन या प्लेट टूट जाना, या नीचे के कमरे में कुछ ऐसा गड़बड़ हो जाता है जिसे आसानी से समझाया नहीं जा सकता, तो कर्मचारियों का यह कहना आम बात है: "अरे, फिर से वही भूत!" किसी भी तेज धमाके या धमाके को, जिसका कारण स्पष्ट न हो, भूत से ही जोड़ा जाता है।

घर के नौकरों के बीच भूत भगाने के लिए किसी स्थानीय पादरी को बुलाने की बात चल रही है, लेकिन अधिकांश पादरी इसे मज़ाक बताकर टालने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, अगर यह भूत किसी का लिहाज़ नहीं करता और शाही गलियारों तक अपना आतंक फैलाता है, तो कुछ कड़ा कदम उठाना पड़ेगा।

मैंने कुछ मिनटों के लिए घर जाने की अनुमति के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया। 15 जुलाई, 1964 को मुझे निजी कोष के सहायक संरक्षक ने जवाब दिया। आपका पत्र मेरे लिए थोड़ा आश्चर्यजनक था, क्योंकि मुझे व्यक्तिगत रूप से इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि घर में भूत हैं। हालांकि, मैंने इस मामले की जांच की है और मुझे पता चला है कि घर का निर्माण 1870 में ही हुआ था और वहां भूतों को देखे जाने का कोई पुख्ता सबूत नहीं है।

इस बात को ध्यान में रखते हुए, ऐसा महसूस होता है कि प्रस्तावित यात्रा आपके समय की बर्बादी होगी, और मुझे आपको तदनुसार पत्र लिखने का निर्देश दिया गया है। खैर, ज़ाहिर है, मैं भूतों पर भी अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहता, इसलिए मैंने केवल अपने द्वारा शोध की गई रिपोर्टों का हवाला देते हुए जवाब दिया। इस बार, सरकारी खजाने ने थोड़ी कम बात की:

सैंड्रिंघम हाउस देखने के आपके अनुरोध पर आगे विचार किया गया है: जिस क्षेत्र का आपने उल्लेख किया है, सार्जेंट फुटमैन कॉरिडोर, वह निश्चित रूप से मुख्य भवन के भीतर ही है।

सैंड्रिंघम, जो महारानी का निजी निवास है, में जाने की अनुमति बहुत कम दी जाती है, और मुझे खेद है कि आपके मामले में अपवाद बनाना संभव नहीं हो पाया है।

मेरी निराशा को और बढ़ाने के लिए, नॉरफ़ॉक के फेकेनहैम में सैंड्रिंघम से कुछ ही दूरी

पर स्थित रेन्हम हॉल की ब्राउन लेडी भी भूत-प्रेत की खोज में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रही थी।

रेन्हम हॉल नामक घर के मालिक मार्क्वेस टाउनसेंड ऑफ रेन्हम जाहिर तौर पर उससे तंग आ चुके थे, क्योंकि हॉल में ठहरने वाले लोगों ने न केवल उसे सैकड़ों बार देखा था, बल्कि 1936 में उसकी तस्वीर भी खींची गई थी और उसकी तस्वीर कुछ प्रमुख पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई थी।

अगर आपने नहीं सुना है तो बता दें कि ब्राउन लेडी, राजनेता रॉबर्ट वालपोल की बहन लेडी डॉली वालपोल की आत्मा है। 1726 में रेन्हम हॉल के ऊपरी तल पर, जहां परिवार ने उन्हें जीवन के अंतिम कुछ वर्षों के लिए बंद कर रखा था, उनकी मृत्यु "मानसिक रूप से अस्वस्थ" होने के कारण हुई थी।

मेरी साधारण यात्रा की गुज़ारिश को सिरे से ठुकरा दिया गया, जबकि मैंने ब्राउन लेडी को भगा देने का वादा भी किया था। मार्क्विस ने लिखा, "रेन्हम हॉल आम जनता के लिए खुला नहीं है," और बात वहीं खत्म हो गई। लेकिन भूतों के लिए तो वह ज़रूर खुला था।

फिर हंटिंगडनशायर के होलीवेल स्थित फेरी बोट इन में एक भूतनी की कहानी थी। उसका नाम जूलियट टूसली था। लगभग नौ सौ साल पहले वह काफी शरारती और सनकी महिला थी, और कहा जाता है कि वह लगभग उसी जगह के नीचे दफन है जहाँ अब एक पियानो रखा है। ऐसा माना जाता है कि प्रेमी से झगड़े के बाद उसने वहीं आत्महत्या कर ली थी और कई लोगों ने नियमित अंतराल पर उसकी भूतनी को देखा है।

सच हो या न हो, मैं इस मामले की जांच करना चाहता था और मैंने सराय के मालिक से संपर्क किया। मुझे श्री डी. फॉरेस्ट से जवाब मिला, जो पुरानी सराय के वर्तमान मालिक हैं:

हालांकि मैं रहस्यवाद के प्रति आपके उत्साह की सराहना करता हूं, लेकिन मुझे स्वयं इसमें जरा भी रुचि नहीं है और न ही मुझे इस बात में कोई दिलचस्पी है कि यहां भूत है या नहीं। इसलिए, मुझे आपको सूचित करना होगा कि मैं आपको प्रेस या टीवी की सहायता से या उसके बिना भी यहां अपना शोध करने की अनुमति नहीं दूंगा।

मुझे खेद है कि आप एक दिलचस्प व्यक्ति हैं और मैं आपसे मिल नहीं पाऊंगा।

ज़ाहिर है, मिस्टर फॉरेस्ट की मेहमाननवाज़ी की भावना परा मनोविज्ञानियों के स्तर तक

नहीं पहुँची, या शायद उन्होंने सोचा होगा कि भूत ज़्यादा शराब नहीं पीते, तो क्यों परेशान हों? खैर, अगर जूलियट में भूतों को महसूस करने की कोई क्षमता थी, तो उसने उसके बाद से मिस्टर फॉरेस्ट को बुरी तरह से परेशान किया।
सोचिए, उससे उसका टेलीफोन छीन लिया जाए।
फिर लंदन के ठीक बीचोंबीच एक बेहद दिलचस्प जांच को पूरा करने का वह असफल प्रयास हुआ। मेरे अच्छे मित्र, बैरन एडम कोनोपका की पैनी नजर की बदौलत, मेरी मुलाकात श्री डोनाल्ड डब्ल्यू से हुई, जो इंग्लैंड में रहने वाले एक अमेरिकी संपादक थे और अपने परिवार के साथ रीजेंट्स पार्क में एक शानदार पुराने घर में रहते थे, जो कि शानदार पुराने घरों से भरा इलाका है।
जब मैंने अप्रैल 1964 में परिवार का साक्षात्कार लिया, तो वे एक भूतिया घर में रहने के विचार से बेहद आकर्षित थे।
"मैंने इस कमरे में कदमों की आहट सुनी है," श्री डब्ल्यू ने बताया, जब हम अपेक्षाकृत संकरे घर की दूसरी मंजिल पर स्थित आरामदायक बैठक कक्ष में बैठे थे।
यह इमारत वास्तुकार जॉन नैश की रचना थी और 1820 के दशक की है, जब यह इलाका लंदन का सबसे फैशनेबल हिस्सा हुआ करता था, जैसा कि वास्तव में आज भी है। ऐसा लगता है कि यहाँ साठ वर्षों से अधिक समय से एक भूत के होने की खबरें आती रही हैं।
“हां, मैंने वो कदमों की आहट सुनी है,” श्री डब्ल्यू ने दोहराया, “और नीचे दूसरे कमरे में मेरे बेटे ने भी उन्हें सुना था। एक बार तो जिस कमरे में हम हैं उसका दरवाजा अपने आप खुल गया था।”
“क्या यह अपने आप में ही ऐसा कर सकता है?” मैंने पूछा।
“अपने आप। मैंने इसे अपनी आँखों से देखा।”
मैंने दरवाजे की जांच की। वह आसानी से नहीं हिल रहा था और किसी के धक्का दिए बिना अपने आप नहीं खुल सकता था।
क्या किसी और ने भी भूत की आवाज सुनी?
“सफाई करने वाली महिला ने किया। मुझे लगता है कि भूत हमेशा यहाँ नए किरायेदारों का स्वागत करता है। मुझे लगता है कि यह काफी पुराना भूत है।”
श्री डब्ल्यू. अत्यंत शांत और समझदार व्यक्ति थे, उन्हें आसानी से यह विश्वास नहीं होता था कि अलौकिक घटनाओं का भी कोई आधार हो सकता है। लेकिन यह सब

उनके अपने घर में घट रहा था।
“आप जानते हैं,” उन्होंने आगे कहा, “इस घर के बारे में एक और अजीब बात है। हाल के युद्ध के वर्षों के दौरान, युद्ध मंत्रालय बिल्कुल बगल में था, इसलिए स्वाभाविक रूप से हम बमों का मुख्य निशाना थे। उन सभी वर्षों की हवाई बमबारी में, लगभग पूरा इलाका कभी न कभी बमबारी की चपेट में आया। हमारा घर ही एकमात्र ऐसा है जिस पर खरोंच तक नहीं आई। ऐसा लगता है जैसे भूत अपने लोगों की रक्षा कर रहा है।”
मैं मुस्कुराया और श्रीमती डब्ल्यू से बात करने लगा, जो अभी-अभी हमारे साथ शामिल हुई थीं।
“भूत से मेरा एक बेहद प्रभावशाली सामना हुआ,” उसने बताया। “यह रात के अंधेरे में हुआ था, और मुझे सुबह चार बजे एक दोस्त को अस्पताल ले जाना पड़ा। ज़ाहिर है, मैंने अंधेरे में कपड़े पहने, और ऐसा करते समय, मुझे कमरे में किसी की मौजूदगी का एहसास हुआ, हालाँकि उस समय मैं बिल्कुल अकेली थी। जब मैं एक घंटे बाद घर लौटी, तो वहाँ कुछ भी नहीं था और न ही कोई था।”
मैंने डब्ल्यू परिवार को उनके आतिथ्य के लिए धन्यवाद दिया और न्यूयॉर्क के लिए रवाना हो गया। हमने तय किया कि हम गर्मियों में एक अच्छे माध्यम के साथ लौटेंगे ताकि पता चल सके कि भूत क्या चाहता है।
जब मैंने सितंबर 1964 में डोनाल्ड डब्ल्यू को फोन किया, तो उन्हें हमारी योजनाएँ याद आ गईं। मैंने एक उपयुक्त ट्रान्स मीडियम (सहायक महिला) को बुलाया, हमेशा की तरह उसे अपनी योजनाओं के बारे में कुछ नहीं बताया और सेन्स के गुरुवार का इंतजार किया। बुधवार रात मुझे डोनाल्ड डब्ल्यू का एक विशेष पत्र मिला।
मुझे आपको यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मैंने प्रेतात्माओं से संपर्क करने के अपने विचार बदल दिए हैं। मैंने इसे न करने का फैसला किया है। इसका एक मुख्य कारण यह है कि इससे मेरे छोटे बेटे को बहुत दुख होगा, जिसे पहले ही इसके बारे में पता चल गया है, और अब मैंने भूत-प्रेतों या आत्माओं से जुड़ी किसी भी चीज़ को रद्द करने का पक्का इरादा कर लिया है। सच कहूँ तो, हम वैसे भी एक संशयवादी परिवार हैं।
सौभाग्य से, कई भूतिया घर बेसब्री से हमारे आने का इंतज़ार कर रहे थे। नक्शा हाथ में लेकर, मैंने अपनी यात्राओं की योजना इस तरह बनाई कि हम ज़्यादा से ज़्यादा जगहों को देख सकें। हार्पर-एलिस कारों की मदद से, हमने आने वाले हफ्तों में अपने "भूतों

की सफारी" के लिए एक शानदार कार्यक्रम तैयार कर लिया।
श्री एलिस ने न केवल हमारे मार्ग का निरीक्षण किया, बल्कि उन्होंने हमें ब्राउन नाम का एक बेहतरीन ड्राइवर भी दिया, जो ड्राइवरों में एक दुर्लभ व्यक्ति था, एक सच्चा पेशेवर। श्री ब्राउन ने कभी भी किसी काम में दखल नहीं दिया, फिर भी जरूरत पड़ने पर वे हमेशा मौजूद रहते थे और हमें ब्रिटेन की कुछ सबसे खतरनाक सड़कों से सुरक्षित रूप से पार कराया।
इंग्लैंड में अपने प्रवास के दूसरे दिन, हम व्हाइट हाउस क्लब में अपने आरामदायक अपार्टमेंट में सोने चले गए, इस बात से आश्वस्त होकर कि आखिरकार अंग्रेजी भूतों का मामला ठीक ही था।
कल हमारा सामना पहली बार अधोलोक के निवासियों, यानी यूनाइटेड किंगडम डिवीजन के निवासियों से होगा।

सॉस्टन हॉल की धूसर महिला

सॉस्टन हॉल इंग्लैंड के मशहूर विश्वविद्यालय शहर कैम्ब्रिज से कुछ मील दक्षिण में स्थित है और लंदन से यहाँ पहुँचने में लगभग ढाई घंटे लगते हैं। जब मुझे पता चला कि विश्वसनीय गवाहों ने इस पुराने हवेलीनुमा घर में भूत देखा है, तो मैंने मालिक, कैप्टन हडलस्टन से मिलने के लिए संपर्क किया। कैप्टन के भतीजे, मेजर ए. सी. आयर ने जवाब में लिखा कि वे हमें पाकर बहुत प्रसन्न होंगे। कई ब्रिटिश हवेलीनुमा घरों की तरह, सॉस्टन हॉल भी कुछ निश्चित समय पर जनता के लिए खुला रहता था और ज़ाहिर है, मैं उस दिन जाने से बचना चाहता था जब पर्यटकों की भीड़ हमारी खोज में बाधा डालती।

हालाँकि मैं आमतौर पर भूत-प्रेत से जुड़ी जानकारियों से बचता हूँ और जब भी किसी भूतिया घर में जाता हूँ तो उससे सीधे बात करना पसंद करता हूँ, फिर भी मैं वहाँ जाने से पहले उसके बारे में थोड़ी जानकारी लेना चाहता हूँ। इससे मुझे यह बेहतर ढंग से समझ आ जाता है कि वहाँ का माहौल, यादगार चीज़ें और ऐसी ही अन्य चीज़ें कैसी होंगी। एक प्रशिक्षित इतिहासकार होने के नाते, मुझे अंग्रेज़ी इतिहास को समझने में कोई परेशानी नहीं होती। जब शांत स्वभाव वाले श्री ब्राउन द्वारा चलाई जा रही कार सुरम्य ग्रामीण इलाके से धीरे-धीरे गुजर रही थी, तब मैंने मेजर द्वारा आगंतुकों के लिए तैयार की गई छोटी पुस्तिकाओं में से एक को उठाया, ताकि मैं सॉस्टन हॉल के इतिहास से परिचित हो सकूं। पुस्तिका में लिखा था:

सॉस्टन हॉल 400 वर्षों से अधिक समय से हडलस्टन परिवार का निवास स्थान रहा है और कैम्ब्रिजशायर के कुछ गिने-चुने पुराने पत्थर से बने जागीर घरों में से एक होने के लिए उल्लेखनीय है। 1553 में एडवर्ड VI बीमार थे और महत्वाकांक्षी ड्यूक ऑफ नॉर्थम्बरलैंड के पूर्ण प्रभुत्व में थे। राजा की मृत्यु हो चुकी थी, जब उनकी सौतेली बहन, राजकुमारी मैरी, जो बाद में रानी मैरी ट्यूडर बनीं, नॉरफ़ॉक में रह रही थीं, को उनके नाम से एक संदेश मिला, जिसमें उनसे आने का अनुरोध किया गया था। मैरी तुरंत लंदन के लिए रवाना हुईं और होडेसडन में उन्हें पता चला कि यह संदेश एक जाल था। वापस लौटते समय, उन्होंने सॉस्टन के तत्कालीन जागीरदार जॉन हडलस्टन के आतिथ्य को स्वीकार किया और हॉल में रात बिताई। हालांकि, रात के दौरान, कैम्ब्रिज से ड्यूक के समर्थकों को जब पता चला कि वह वहां हैं, तो उन्होंने उन्हें पकड़ने का प्रयास किया। जॉन हडलस्टन ने उन्हें एक दूधवाली के वेश में भेस बदलकर समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया।

जब हम सॉस्टन हॉल पहुँचे, तब तक चार बज चुके थे, चाय के लिए थोड़ा देर हो चुकी थी, लेकिन हमारे मेहमाननवाज मेज़बान, हडलस्टन परिवार ने खास तौर पर हमारे लिए चाय तैयार रखी थी, और वह वाकई एक स्वादिष्ट अंग्रेज़ी चाय थी। अब तक रोशनी उतनी तेज़ नहीं थी जितनी मुझे अपने कैमरे के लिए चाहिए थी। लेकिन मैं कभी भी कृत्रिम रोशनी का इस्तेमाल नहीं करता, केवल उपलब्ध प्राकृतिक रोशनी का ही उपयोग करता हूँ।

हम सीढ़ियों से ऊपर चढ़ने लगे और श्रीमती हडलस्टन ने हमें घर के खजानों के बारे में बताया। हमने उनकी प्रशंसा की, लेकिन भव्य ग्रेट हॉल से जल्दी से गुजर गए, जिसमें

महारानी मैरी ट्यूडर का शानदार चित्र लगा था, ड्राइंग रूम में एक पूर्ण रूप से बजने योग्य हार्पसीकोर्ड था, मानो महारानी मैरी अभी उसे बजाने वाली हों, और लिटिल गैलरी और पैनल वाले बेडरूम से आगे बढ़कर टेपेस्ट्री बेडरूम में पहुँच गए, जिसे यह नाम इसलिए दिया गया था क्योंकि इसकी दीवारों पर राजा सोलोमन के जीवन को दर्शाने वाली फ्लेमिश टेपेस्ट्री लगी हुई थीं। इस कमरे में एक चारपाई वाला पलंग था, जिस पर कहा जाता है कि महारानी मैरी 1553 के उन अंधकारमय दिनों में सोई थीं, जब वह अपनी जान बचाने के लिए भाग रही थीं। पलंग के दाहिनी ओर एक छोटी संगमरमर की चिमनी थी और दीवार के नीचे एक ओक का दरवाजा था जो एक गलियारे में खुलता था, जो अंततः पुजारी के छिपने के स्थान तक जाता था। मुझे लगता है कि ये संबंध कुछ महत्व रखते हैं यदि भूत महारानी मैरी का था, जो कैथोलिक थीं।

जब मैंने अपनी परीक्षा शुरू की, तब हम चार खंभों वाले तंबू के सामने खड़े थे।

"श्रीमती हडलस्टन, मुझे बताइए, यहाँ होने वाली भूतिया घटनाओं के बारे में तथ्य क्या हैं?"

श्रीमती हडलस्टन, जो मध्यम आयु वर्ग की एक मृदुभाषी और सुव्यवस्थित महिला थीं, ने दोस्ताना मुस्कान बिखेरी। "ऐसा लगता है कि जिस कमरे में हम खड़े हैं, उसमें हमेशा कुछ न कुछ घटित होता रहता है। प्रचलित कहानी यह है कि आधी रात को अचानक दरवाजे पर तीन धीमी दस्तकें सुनाई देती हैं, और दरवाजा धीरे से खुलता है और एक भूरे रंग के वस्त्र पहने महिला धीरे-धीरे कमरे में आती है और उस पर्दे में गायब हो जाती है। बहुत से लोग इस कमरे में सो चुके हैं और उनके साथ घटी विभिन्न घटनाओं की कई अलग-अलग कहानियां प्रचलित हैं।"

"किस तरह की चीजें?"

"एक लड़की रात में बहुत डरकर जाग गई, क्योंकि उसने अपने बगल में बिस्तर पर किसी के बहुत जोर से सांस लेने की आवाज सुनी।"

"उसने क्या किया, चीखी?"

नहीं, वह बस बिस्तर के नीचे रेंगकर चली गई और उस सब के बारे में भूलने की कोशिश करने लगी।

"मैं इन परिस्थितियों में उसे दोष नहीं दे सकती। क्या इस बिस्तर पर किसी और को भी परेशानी हुई थी?"

"दरअसल, इस कमरे में एक युवक सो रहा था, और जब वह सोने गया तो उसकी

तबीयत कुछ ठीक नहीं थी। अगली सुबह जब वह नाश्ते के लिए नीचे आया, तो उसने कहा, 'आपको पता है कि मैं कल रात बिल्कुल ठीक था, आपको मुझसे मिलने आने की ज़रूरत नहीं थी।' तो मैंने कहा, 'लेकिन मैं नहीं आया।' उसने ज़िद करते हुए कहा, 'अरे नहीं, आप आए थे; आपने तीन बार दरवाज़ा खटखटाया, और कुंडी भी खड़खड़ाई, और मैं बुरी तरह डर गया, और बार-बार कहता रहा, "अंदर आओ, अंदर आओ," लेकिन कुछ नहीं हुआ, और अचानक मुझे बहुत ज़्यादा डर लगने लगा, इसलिए मैं बिस्तर के नीचे दुबक गया और सब कुछ भूलने की कोशिश की।'"

मैंने कहा, "लगता है ये आदत बन जाती है, वो बिस्तर के नीचे वाले हिस्से में सोने की आदत। वैसे भी, ये बहुत बड़ा बिस्तर है।"

"खैर, उसने जोर देकर कहा, 'यह तुम ही रही होगी; तुम मुझसे मिलने आई होगी,' लेकिन मैंने उससे कहा, 'नहीं, मुझे माफ करना। मैं तुम्हारे पास कभी नहीं आई; तुम इतने बीमार नहीं थे।' बात यहीं खत्म हो गई।"

"यह घटना कितने समय पहले घटी थी?"

"चार वर्ष पहले।"

क्या आपने कभी खुद कुछ असामान्य सुना या देखा है?

"जब मेरी शादी हुई और मैं दुल्हन बनकर यहाँ आई, तो मुझे एक बहुत ही मधुर संगीत सुनाई दिया, जो स्पिनेट या वर्जिनल वाद्य यंत्र जैसा था। मैंने अपने पति से पूछा कि यह कौन है? उन्होंने कहा कि उन्हें तो कुछ सुनाई ही नहीं दिया, यह सब बकवास है। लेकिन अगली रात और फिर थोड़ी देर बाद मुझे वही संगीत फिर सुनाई दिया। वह मुझे बार-बार यही कहते रहे कि यह सब बकवास है। इसलिए मुझे बहुत खुशी हुई जब लगभग एक महीने बाद एक मेहमान नाश्ते के लिए आया और बोला, 'मुझे बताइए, यह कौन सा संगीत है जो मुझे बार-बार सुनाई दे रहा है?'"

आपको क्या लगता है कि यह वाद्य यंत्र कौन बजा रहा है?

"आम राय यही है कि यह स्वयं महारानी मैरी ट्यूडर हैं।"

"तुम्हारा मतलब उसकी आत्मा से है?"

"जी हाँ। बेशक, आप जानते हैं कि वह इसी बिस्तर पर सोती थी और इस घर से उसे बहुत लगाव था। लेकिन मुझे लगता है कि यह वही है, क्योंकि वह वर्जिनल नृत्य में बहुत अच्छी थी, वास्तव में वह इतनी अच्छी थी कि उसके पिता, हेनरी अष्टम, ने उसे बचपन में ही नर्सरी से बुलवाकर फ्लेमिश राजदूतों के लिए नृत्य करवाया था जब वे यहाँ आए

थे।"
"और आपको यकीन है कि आपने संगीत सुना?"
"बिल्कुल। यह बिल्कुल स्पष्ट था।"
"क्या इस कमरे में किसी और को भी मानसिक अनुभव हुए हैं?"
"हाँ, बिल्कुल; सच में काफी सारे," श्रीमती हडलस्टन ने अपने विशिष्ट अंग्रेज़ अंदाज़ में कहा। उनके लिए, भूत होना परिवार में किसी मशहूर अभिनेता या राजनेता से कमतर नहीं था। इंग्लैंड में, भूतों पर विश्वास करने वाले को तिरछी नज़रों से देखने की ज़रूरत नहीं है। यह काफी सम्मानजनक बात है।
"एक दिन मैं घर के चारों ओर एक बड़े समूह को घुमा रही थी, और जब हम इस कमरे में थे, अचानक एक बूढ़ी औरत आगे बढ़ी और बोली, 'आप जानते हैं, मैं इस घर को आपसे बहुत पहले से जानती हूँ! दरअसल, मैं यहाँ एक युवा लड़की के रूप में काम करती थी, एक घरेलू नौकरानी के तौर पर। एक बार मैं आग की देखभाल करते हुए घुटनों के बल बैठी थी, और अचानक मुझे बहुत ठंड लगी, मैंने ऊपर देखा, और मैंने देखा कि दरवाजा धीरे-धीरे खुल रहा है और एक धूसर आकृति कमरे में तेजी से गुजरी और वहाँ लगे पर्दे में गायब हो गई। मैं इतनी डर गई कि मैंने खुद को कमरे से बाहर फेंक दिया और सीढ़ियों के ऊपर से नीचे तक सिर के बल गिर पड़ी और मुझे इतनी बुरी तरह चोट लगी कि मैंने आज तक इस घर में वापस आने की हिम्मत नहीं की है।'"
मैंने कहा, "यह तो काफी दिलचस्प कहानी है। क्या आपने इसकी जाँच की?"
"हाँ। देखिए, जब आप ऊपर होते हैं तो सीढ़ियों का निचला हिस्सा दिखाई नहीं देता, इसलिए उसने जिस तरह से चीजों को याद किया होगा वह बिल्कुल सही रहा होगा, क्योंकि जब हमने चक्कर पूरा कर लिया और सीढ़ियों के निचले हिस्से में पहुँच गए, तो वह अचानक चिल्लाई, 'ओह, यही वह जगह है, मुझे याद है, यहीं मैं गिरी थी!'"
"और क्या ऐसी कोई जगह थी?"
"हां, था।"
"क्या हाल ही में यहां कोई घटना घटी है?"
कुछ समय पहले, प्रसिद्ध मानसिक चिकित्सक टॉम कॉर्बेट इसी पलंग पर सोए थे। उन्होंने बताया कि रात भर हर घंटे कोई प्रेत उनके ऊपर झुका रहता था। उनकी अलार्म घड़ी, जिसे उन्होंने सात बजे के लिए सेट किया था, एक, दो, तीन, चार, पांच और छह बजे बजी। हर बार जब अलार्म बजता था, तो वह प्रेत उनके ऊपर झुका रहता था। श्री

कॉर्बेट को ऐसा लगा जैसे वह भूत एक आंख वाले रात्रि चौकीदार का था, और उसका नाम उन्हें कटलैस या कट्रेस जैसा लगा।
"क्या यह बात आपको समझ में आई?"
“खैर, मुझे लगा कि इसका सीधा सा मतलब है कि वह अपने साथ एक कटार लिए हुए है, लेकिन टॉम कॉर्बेट ने जोर देकर कहा कि यह एक नाम है। श्री कॉर्बेट के जाने के बाद मैंने पूछताछ की, और मुझे आश्चर्य हुआ कि गाँव में कट्रेस नाम का एक आदमी रहता था। मैंने उसके बारे में कभी नहीं सुना था। लेकिन जिन लोगों ने मेरे लिए शोध किया, उन्होंने कहा, 'इसका रात के चौकीदार से कोई संबंध नहीं हो सकता, क्योंकि वह अभी-अभी लंदन से आया है।'
लगभग एक महीने बाद, यहाँ का बटलर स्थानीय पब में एक अजनबी के बगल में खड़ा था और उसने पूछा, ‘आपका नाम क्या है?’ अजनबी ने जवाब दिया, ‘ओह, मेरा नाम कट्रेस है, और मैं अभी कुछ समय पहले ही यहाँ आया हूँ।’ बटलर को आश्चर्य हुआ कि वह इस सुनसान जगह पर क्यों आया है। ‘ओह,’ उस आदमी ने जवाब दिया, ‘मेरा परिवार पीढ़ियों से सॉस्टन में रहता आया है। मैं अपने पुराने पारिवारिक घर में वापस आना चाहता था।’
“टॉम कॉर्बेट ने इस मामले में बिलकुल सही बात कही,” मैंने स्वीकार किया। “क्या अलौकिक घटनाओं के कोई और दिलचस्प गवाह हैं?”
“मैं एक बुजुर्ग महिला को घुमाने ले जा रहा था, और दिन का उजाला था। मैं उन्हें टेपेस्ट्री दिखा रहा था, और उसमें इतना मग्न था कि मैंने उनके चेहरे पर आए बदलाव पर ध्यान ही नहीं दिया। जब मैंने उनकी तरफ देखा, तो वे बेहद दयनीय लग रही थीं, मानो बेहोश होने वाली हों। मैंने उनसे पूछा कि क्या मुझे डॉक्टर को बुलाना चाहिए, लेकिन उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि वे ठीक हो जाएंगी।”
“ ‘असल में यही कमरा है,’ उसने समझाया। ‘इसी कमरे में भूत रहते हैं।’”
हम उस प्रेतवाधित शयनकक्ष से निकलकर लंबी गैलरी से होते हुए पुजारी के छिपने के स्थान पर गए, जो दीवार की मोटाई में चतुराई से छिपा हुआ था, मुश्किल से इतना बड़ा था कि उसमें एक आदमी बैठ सके, और बाहरी दुनिया से केवल एक छोटे से गुप्त दरवाजे के माध्यम से ही पहुँचा जा सकता था जिसे छापे के दौरान आसानी से ढका जा सकता था।
मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या उस छिपने की जगह के संबंध में किसी भूतिया घटना को

देखा गया था, क्योंकि उसके आसपास के वातावरण में इतनी त्रासदी और भावनात्मक उथल-पुथल व्याप्त थी।

"सीधे उस छेद के पास नहीं, बल्कि पास में एक कमरा है जहाँ पिछले कुछ वर्षों में कुछ भूतिया अनुभव हुए हैं। वह कमरा सीढ़ियों के ठीक ऊपर है। हमारे एक मित्र, जो एक जाने-माने जेसुइट पादरी हैं, उस कमरे में सो रहे थे, और रात भर उन्हें इतनी बेचैनी हुई, दरवाजे पर दस्तक हुई और बाहर से इतनी आवाजें आईं कि वे कई बार उठकर देखने लगे कि क्या हो रहा है।"

"क्या उसे कुछ मिला या कोई मिला?"

“नहीं, बिलकुल नहीं। वे ऐसा कभी नहीं करते।”

"क्या उस सीढ़ी के आसपास किसी और ने भी कुछ असामान्य अनुभव किया?"

दक्षिण अफ्रीका से एक महिला पहली बार यहाँ आई थीं। वे अचानक आ गईं, इसलिए हमने उन्हें भूतिया कमरे में रखा, लेकिन अगली सुबह उन्होंने बताया कि उनकी रात अच्छी गुज़री और उन्हें ज़रा भी परेशानी नहीं हुई। शायद भूत चला गया था? ‘खैर,’ उन्होंने शेखी बघारते हुए कहा, ‘मुझे हमेशा पता चल जाता है जब आसपास कोई भूत होता है, क्योंकि मुझे बहुत ठंड लगती है और मेरे हाथों पर रोंगटे खड़े हो जाते हैं।’ तो हम भूत की बात भूल गए और उन्हें घर दिखाने लगे। लेकिन जब वे उसी बड़ी सीढ़ी पर पहुँचीं, जो उस कमरे की ओर जाती है जिसके बारे में मैंने अभी बात की है, तो वे अचानक थोड़ा चीख पड़ीं और बोलीं, ‘ओह, इसमें कोई शक नहीं, भूत यहीं है!’ मैंने जल्दी से उनके हाथों को देखा, और सचमुच उनके हाथों पर रोंगटे खड़े थे।

"टॉम कॉर्बेट भी इन्हीं सीढ़ियों से ऊपर गए और उन्हें स्पष्ट रूप से महसूस हुआ कि कोई उनके पीछे आ रहा है, इतना अधिक कि वे उससे बात करने के लिए पीछे मुड़े, लेकिन वहां कोई नहीं था।"

बस, यही बात थी।

भूतिया शयनकक्ष और भूतिया सीढ़ियों के ऊपर मंडराती हुई धूसर महिला।

धार्मिक उत्पीड़न के वर्षों के दौरान, सॉस्टन हॉल कैथोलिक धर्म के अनुयायियों, जिनमें कई पादरी और भिक्षु शामिल थे, के लिए प्रमुख शरणस्थल था। उन दिनों सुधारवादी धर्म के नाम पर अनेक अत्याचार किए गए, और सॉस्टन हॉल का वातावरण उन शहीदों की त्रासदी और पीड़ा से ओतप्रोत है।

फिर भी, यह समझना ज़रूरी है कि मैरी ट्यूडर, जिसे बाद में ब्लडी मैरी के नाम से जाना

गया, ने उस पुराने हवेलीनुमा घर में शरण पाई थी जब हडलस्टन परिवार ने उसे छिपाकर उसकी जान बचाई थी। हो सकता है कि उसकी आत्मा वहाँ वापस खिंची चली आए, भले ही उसकी मृत्यु वहाँ नहीं हुई थी। मुझे नहीं लगता कि ग्रे लेडी महज़ एक व्यक्तित्वहीन, मायावी छवि थी; उसका व्यवहार एक वास्तविक भूत जैसा था।
शायद भविष्य में कभी मुझे बड़े चारपाई वाले बिस्तर पर सोने का सौभाग्य प्राप्त हो, और अगर मुझे अपने बगल में किसी के जोर-जोर से सांस लेने की आवाज सुनाई दे, तो बेहतर होगा कि वह मेरी पत्नी ही हो!

भूतिया मोटरसाइकिल कार्यशाला

जब हमने पहली बार लेइटन बज़र्ड का उच्चारण सुना, तो हमें लगा कि यह कोई अप्रिय पक्षी है। लेकिन यह एक अपेक्षाकृत सुंदर दिखने वाला अंग्रेजी कस्बा निकला, जिसका कोई विशेष महत्व या आकार नहीं था, सिवाय इसके कि यह एक भूतिया घटना का स्थल था जिसकी खबर हमारे इंग्लैंड पहुंचने से कुछ ही समय पहले स्थानीय समाचार पत्रों में छपी थी।
लेइटन बजार्ड ऑब्जर्वर ने सिड मुलार्नी की कार्यशाला में घटित हो रही विचित्र घटनाओं पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की।
जब लेइटन के मोटरसाइकिल डीलर, श्री सिड मुलार्नी ने अपनी कार्यशाला का विस्तार करने के लिए एक विभाजन हटाने का फैसला किया, तो उन्होंने अपनी अपेक्षा से कहीं अधिक जोखिम उठा लिया। क्योंकि अब उन्हें यकीन है कि उन्होंने एक प्रेतात्मा को नाराज कर दिया है।

पड़ोसी रात में उन्हें जगाए रखने वाली अजीब आवाजों के लिए "मुलार्नी के भूत" को दोषी ठहरा रहे थे, और श्री मुलार्नी, जो वास्तव में भूत की शरारतों को देखने का दावा करते हैं, निश्चित हैं कि लेक-स्ट्रीट, लेटन में स्थित इमारत प्रेतवाधित है।
लगभग दो हफ्ते पहले की बात है जब उन्होंने वर्कशॉप में लगी उस दीवार को हटाने का फैसला किया जिसमें विश्व चैंपियन राइडर माइक हेलवुड द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली रेसिंग मोटरसाइकिलें रखी जाती हैं।
श्री मुलार्नी ने बताया कि अगली सुबह वे दरवाजे पर गए, उसे खोला और फर्श पर तीन साइकिलें पड़ी पाईं। ये साइकिलें स्थानीय राइडर डेव विलियम्स द्वारा इस्तेमाल की जाती थीं और इनके फेयरिंग चकनाचूर हो गए थे।
कुछ दिनों बाद श्री मुलार्नी एक रेसिंग गियर बॉक्स पर काम कर रहे थे, और जब उन्हें एहसास हुआ कि देर तक काम किए बिना वे इसे पूरा नहीं कर पाएंगे, तो उन्होंने वहीं रुकने का फैसला किया। और आखिरकार तीन बजे तक ही वे इसे पूरा कर पाए।
जब वह अपने हाथ पोंछ रहा था, तभी अजीबोगरीब चीजें होने लगीं।
“मुझे लगा जैसे कोई चीज मेरे पास से तेजी से गुजरी हो। मैंने पीछे मुड़कर देखा तो दीवार पर लगे हुकों से स्पैनर उड़ गए और एक साइकिल को ढकने वाला तिरपाल हवा में उड़ गया,” उन्होंने बताया।
“इसे देखकर ही आप यकीन करेंगे। मैं बुरी तरह डर गया था। मैंने एक हथौड़ा उठाया, जितनी जल्दी हो सके कमरे से बाहर निकला और सीधे घर की ओर भागा। मेरी पत्नी सो रही थी और मैंने उसे जगाकर इसके बारे में बताया।”
तब से अन्य विचित्र घटनाएं घटित हो रही हैं, और पड़ोसी रात में अजीब आवाजों की शिकायत कर रहे हैं।
लेक-स्ट्रीट में बगल में स्थित कोच एंड हॉर्सेस रेस्टोरेंट की मालकिन श्रीमती सिंथिया एलिस ने कहा कि उन्हें रात में कई बार "अजीबोगरीब धमाकों और खड़खड़ाहट" की आवाजों से नींद से जगाया गया था।
मैंने खिड़की से बाहर देखा, लेकिन वहां कभी कुछ नहीं था।
उन्होंने बताया कि उनका छोटा बेटा स्टीफन सबसे पहले जागा और उसने आवाजें सुनीं।
उन्होंने कहा, "हमने सोचा था कि यह सिर्फ एक बच्चे की कल्पना है, लेकिन जल्द ही हमने अपना विचार बदल दिया।"
"पिछले दो हफ्तों में यहां का माहौल बहुत तनावपूर्ण हो गया है। यह सब बहुत अजीब

है," श्रीमती एलिस ने कहा।
अपने उस अजीब अनुभव के बाद से श्री मुलार्नी को कार्यशाला में कई विचित्र घटनाएँ देखने को मिली हैं। एक सुबह उन्होंने नट-बोल्ट का एक बड़ा बक्सा "इतना भारी कि मैं उसे उठा नहीं सकता था" फर्श पर बिखरा हुआ पाया। तब से उन्होंने पेट्रोल के टैंकों को इधर-उधर पाया है और यहाँ तक कि बड़े-बड़े बोल्ट भी गायब पाए हैं, जिनके बारे में उनका दावा है कि वे उन्हें कभी खो नहीं सकते थे।
मैंने ऑब्जर्वर के संपादक श्री मैक्रीथ से संपर्क किया, जिन्होंने इस सारी जानकारी की पुष्टि की और श्री मुलार्नी के चरित्र और सत्यनिष्ठा के बारे में अपना निजी आकलन दिया, जो कि ए-1 था। इसके बाद मैंने श्री मुलार्नी से अगले दिन दोपहर को उनके घर जाकर मामले की व्यक्तिगत रूप से जांच करने की व्यवस्था की।
एक व्यस्त मुख्य सड़क पर स्थित, मोटरसाइकिल कार्यशाला एक बड़े आँगन के सामने के आधे हिस्से में फैली हुई थी। इसका अधिकांश भाग पुराने लकड़ी के लट्ठों और ईंटों का उपयोग करके पुनर्निर्मित किया गया था। श्री मुलरनी, एक लंबे-चौड़े, हंसमुख व्यक्ति थे, जिनकी बोली में आयरिश लहजे की झलक थी। उन्होंने हमारा गर्मजोशी से स्वागत किया और हमें कार्यशाला का दौरा कराया, जो काफी भीड़भाड़ वाली थी। इसमें तीन कमरे थे, जो रेलगाड़ी के फ्लैट की तरह एक दूसरे से जुड़े हुए थे, और यह सारा स्थान मोटरसाइकिलों और औजारों से खचाखच भरा हुआ था।
“मिस्टर मुलार्नी, असल में हुआ क्या था?” मैंने बातचीत शुरू की।
"शाम को काम खत्म करने के बाद, मैं और मेरा साथी अपने हाथ धोते हैं और सारे औजार वापस बेंच पर रख देते हैं। तभी, कुछ अज्ञात कारणों से, स्पैनर (रिंच) बेंच पर लगे हुक से उछलकर मेरे सामने बेंच पर आ गिरे।"
"तुम्हारा मतलब है, रिंच अपने आप हुक से गिर गए?"
"हाँ।"
“क्या आपने इसे अपनी आँखों से देखा?”
“ओह, जी हाँ, बिल्कुल।”
"दुकान में पर्याप्त रोशनी थी?"
"हां, दुकान में रोशनी थी।"
“तुम्हें क्या लगा कि यह क्या था?”
“खैर, उस समय तो मैंने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया, लेकिन बाद में वर्कशॉप के

पिछले हिस्से में एक आवाज आई, कुछ फर्श पर लुढ़का और मेरे पैर, अंगूठे और आंखों को छू गया, इसलिए मैंने इधर-उधर देखना शुरू किया; वर्कशॉप के दूसरी तरफ कुछ धातु के स्पॉकेट रखे हुए थे। वे एक धुरी बोल्ट पर घूमने लगे। बाद में, रबर फोम का एक बड़ा टुकड़ा दीवार से टूटकर कमरे के बीचोंबीच आ गिरा।"

"अपनी इच्छा से?"

"हाँ।"

"क्या आपको लगा कि यह कुछ असामान्य था?"

"मैंने तब किया था, हाँ। तब हमारे पास एक रेसिंग मोटरसाइकिल थी जो वाटरप्रूफ शीट से ढकी हुई थी, और यह पूरी तरह से ऊपर उठ गई थी—"

"आपका मतलब हवा में है?"

"हां, वह टिका रहा। तब तक मैं दुकान से निकलने के लिए तैयार था।"

"क्या आपको तब लगा कि कोई अलौकिक घटना घट रही थी?"

"मैंने किया। मैंने थोड़ी देर वैन में बैठकर इसके बारे में सोचा, फिर घर जाकर अपनी पत्नी को जगाया। मैंने उसे बताया कि मैंने क्या देखा था, और उसे लगा कि मैंने शराब पी रखी है।"

"उसके बाद और कुछ हुआ क्या?"

जी हां, स्वीडिश मोटरसाइकिल चैंपियन ने अपनी मोटरसाइकिल यहां मरम्मत के लिए छोड़ी थी। उन्होंने बेंच पर कुछ पुर्जे रखे और चाय पीने चले गए। जब वे वापस आए, तो वे पूरी तरह से गायब हो चुके थे और फिर कभी नहीं मिले। उस समय दुकान में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जो उन्हें ले जा सकता था, और हमने दुकान को अच्छी तरह से बंद कर दिया था।

"मुझे भी ऐसा ही अनुभव हुआ," सिड मुलार्नी ने आगे कहा। "हम दो लोग मिलकर एक साइकिल के पुर्जे अलग कर रहे थे। तभी एक बड़ा सा हिस्सा, जिसमें सब कुछ दिखाई दे रहा था, अचानक गायब हो गया।"

"क्या आपने शरारती तत्वों की संभावना की जांच की है?"

"हाँ, बिल्कुल। लेकिन दुकान का इस्तेमाल सिर्फ़ हम दो लोग ही करते हैं। करीब पाँच हफ़्ते पहले, हम दोनों ने मिलकर एक और मोटरसाइकिल के पुर्ज़े अलग-अलग कर दिए थे। हमने कुछ नट-बोल्ट को धोने के लिए एक वाटरप्रूफ पैन में रख दिया था। हमने रात को दुकान बंद कर दी, लेकिन जब हम सुबह लौटे, तो सारे पुर्ज़े कमरे में बिखरे पड़े थे।"

कई शौकिया "भूत-प्रेत खोजकर्ताओं" ने श्री मुलार्नी को अपनी सेवाएं देने की पेशकश की थी, लेकिन उन्होंने उन सभी को ठुकरा दिया क्योंकि दुकान में कुछ बेहद कीमती मोटरसाइकिलें थीं और वे अपनी अलौकिक परेशानियों के अलावा प्राकृतिक तरीकों से चीजों के गायब होने की समस्या नहीं चाहते थे।

अब मुझे यह एहसास हो गया था कि एक शरारती आत्मा, एक भूत, सक्रिय थी, जो गतिविधियों में बाधा डालने और अपनी उपस्थिति की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए काम कर रही थी, जो इस तरह की गड़बड़ी का शास्त्रीय पैटर्न है।

"बताइए, मरम्मत की दुकान बनने से पहले इस जगह पर क्या था?"

“कई साल पहले यहाँ टोकरी बनाने का पुराना कारखाना हुआ करता था, और यहाँ लगभग चौदह लोग काम करते थे। उसके बाद, यह शेड पाँच-छह साल तक पूरी तरह खाली पड़ा रहा। जब हमने यहाँ दुकान खोली, तो यह पुरानी टोकरियों और अन्य सामानों से भरा हुआ था। हमने इसका पुनर्निर्माण किया और इसे कार्यशाला में बदल दिया।”

"मुझे लगता है कि यह घटना दीवार गिराने के बाद ही शुरू हुई?"

“हां, हमने शनिवार शाम को वह दीवार गिरा दी थी। हम रविवार सुबह वापस आए तो कोने में तीन मोटरसाइकिलें पड़ी थीं, मानो किसी ने उन्हें गुस्से में वहां फेंक दिया हो।”

मैंने पूछा, "श्री मुलार्नी, आपके कार्यभार संभालने से पहले क्या यहाँ कभी कोई नाटकीय घटना घटी थी?"

"सालों पहले जब यहां टोकरी बनाने का कारखाना था, तब किसी ने यहां फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। हमें बस इतना ही पता है।"

मैं तीनों कमरों में से तीसरे कमरे में वापस गया और उस जगह का मुआयना किया जहाँ से दीवार हटाई गई थी। वहाँ बची हुई लकड़ी की कड़ियाँ बहुत पुरानी होने के संकेत दे रही थीं, मानो वे वर्तमान शताब्दी से भी कहीं अधिक पुरानी हों।

संभवतः, विभाजन दीवार हटाते समय, सिड मुलरनी ने उस भूत की स्मृति में दखल दिया था जो उस स्थान को छोड़ना नहीं चाहता था। हम तीनों कुछ देर चुप रहे, फिर मैंने उस भूत से विनती की कि वह इस जगह के वर्तमान मालिकों को परेशान करना बंद कर दे। मैंने श्री मुलरनी को अपना कार्ड दिया और उन्हें हिदायत दी कि अगर कोई और गड़बड़ी हो तो वे मुझे तुरंत फोन करें।

उसके बाद के वर्षों में सब कुछ शांत रहा, इसलिए मैं यही मान सकता हूँ कि भूत ने

जगह के नए रूप को स्वीकार कर लिया होगा। फिर, हो सकता है कि आजकल मोटरसाइकिल चलाने वाले ग्राहकों को देखकर उसे बुरा लगा हो। टोकरी बुनना एक सौम्य कला है, और सभ्य लोगों को "मॉड" और "रॉकर्स" से दूर रहना चाहिए। भूतों को भी नहीं।

प्रेतवाधित भिक्षुओं से सामना

जब राजा हेनरी अष्टम ने तलाक न मिलने के परिणामस्वरूप, और साथ ही कई अन्य गंभीर कारणों से, रोम से संबंध तोड़ लिए, तो इंग्लैंड में मठवासी जीवन अचानक रुक गया। मठों और मठों का "धर्मनिरपेक्षीकरण" कर दिया गया, अर्थात् उन्हें सांसारिक घरों में बदल दिया गया, और भिक्षुओं को निकाल दिया गया। कभी-कभी लालच के लिए बदनाम मठाधीश को सार्वजनिक रूप से फांसी दे दी जाती थी। सोलहवीं शताब्दी का पहला आधा भाग त्रासदियों से भरा था और धार्मिक मामलों में आए नए बदलावों की उथल-पुथल में फंसकर कई निर्दोष भिक्षुओं को मृत्यु का सामना करना पड़ा।
निष्कासित भिक्षु या भिक्षुणी और उनके पूर्व निवास के नए मालिकों के बीच का संघर्ष पूरे इंग्लैंड में व्याप्त है, और कई भूत-प्रेत इसी स्थिति से उत्पन्न हुए हैं।
“विघटन की प्रक्रिया” जिसने बेघर कैथोलिक पादरियों का एक नया समूह बनाया, उसने एक बिल्कुल नए प्रकार के प्रेतवादन को भी जन्म दिया। हमारा उद्देश्य धार्मिक विभाजन के परिणामस्वरूप उत्पन्न हुए कुछ कुख्यात भूतों की पड़ताल करना था।
मुझे यह बताते हुए खुशी होनी चाहिए थी कि जब हम सुबह-सुबह साउथेम्प्टन के लिए निकले, तो मौसम एक शानदार अंग्रेजी पतझड़ का दिन था। लेकिन ऐसा नहीं था।

मूसलाधार बारिश हो रही थी, जो कि इंग्लैंड की खासियत है। मुझे दोपहर में सदर्न टीवी पर आना था, और हम साउथेम्प्टन के आधे रास्ते में स्थित विनचेस्टर के प्रसिद्ध पुराने गिरजाघर को देखने का मौका चाहते थे। मेरी इस यात्रा का कारण चर्च में भिक्षुओं के भूतिया जुलूसों को देखने की लगातार मिल रही खबरें थीं, जहां सोलहवीं शताब्दी के बाद से कोई भिक्षु नहीं गया है। अगर कोई विशाल गिरजाघर के मुख्य हॉल में एक खास जगह पर खड़ा होता, तो उसे पारदर्शी भिक्षु गुजरते हुए दिखाई दे सकते थे। वे कभी आपकी ओर ध्यान नहीं देते; वे उस तरह के भूत नहीं थे। बल्कि, वे बीते युग की अलौकिक छाप जैसे लगते थे, और जिन लोगों ने उन्हें अपने अनुष्ठानिक जुलूसों, विशेष रूप से अपने लोगों के अंतिम संस्कार को दोहराते हुए देखा, वे ऐसे मानसिक रूप से सक्षम लोग थे जो परदे को भेद सकते थे। इसके अलावा, मुझे विनचेस्टर में ली गई कुछ तस्वीरों के बारे में एक उल्लेखनीय रिपोर्ट मिली थी। नेवार्क इवनिंग न्यूज ने इस घटना का विवरण दिया:

शौकिया फोटोग्राफर टी.एल. टेलर को लगा कि वह विनचेस्टर कैथेड्रल के अंदर खाली गायक मंडली की सीटों की तस्वीरें ले रहे हैं, लेकिन तस्वीरों में सीटें लोगों के बैठने के साथ दिखाई दीं।

टेलर ने लगभग एक साल पहले गिरजाघर के अंदर दो तस्वीरें ली थीं। पहली तस्वीर में गायक-मंडली की सीटें खाली दिख रही हैं। दूसरी तस्वीर, जो कुछ ही क्षण बाद ली गई थी, उसमें सीटों पर तेरह लोग बैठे हुए हैं, जिनमें से अधिकांश ने मध्ययुगीन पोशाक पहनी हुई है। टेलर का दावा है कि उन्होंने वहां किसी को नहीं देखा था।

टेलर की पत्नी, उनकी 16 वर्षीय बेटी वैलेरी और वैलेरी की एक सहेली ने बताया कि जब उसने तस्वीरें लीं तो वे उसके साथ थीं। उन्होंने शौचालयों में कुछ भी नहीं देखा। वैलेरी ने कहा, "मुझे इससे डर लगता है।"

टेलर, जो 42 वर्षीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हैं और फोटोग्राफी को अपना शौक मानते हैं, इस बात से आश्वस्त हैं कि फिल्म में डबल एक्सपोज़र नहीं हुआ था। उन्होंने बताया कि उनके कैमरे में डबल एक्सपोज़र रोकने वाला उपकरण लगा है और फिल्म बनाने वाली कंपनी ने भी पुष्टि की है कि धुंधले धब्बे खराब फिल्म की वजह से नहीं आए थे।

जैसा कि मैंने घोस्ट हंटर में पहले ही बताया है, मैं साइकिक फोटोग्राफी को बहुत गंभीरता से लेता हूँ। न केवल जॉन मायर्स, बल्कि अन्य लोगों ने भी सबसे सख्त परीक्षण स्थितियों में इसकी प्रामाणिकता साबित की है, जिसमें किसी भी प्रकार की

जालसाजी या धोखे की संभावना को खारिज कर दिया गया है। आखिर कैमरे में मानवीय कमजोरियाँ और भावनाएँ नहीं होतीं। वह जो देखता है, वही देखता है। यदि आकाश में प्रेतवाधित छापें प्रकृति में भावनात्मक रूप से उत्पन्न विद्युत आवेग हैं, तो यह संभव है कि कैमरे के अंदर की संवेदनशील फिल्म इसे रिकॉर्ड कर सकती है।

उन दिनों मैं ज़ीस-आइकॉन सुपर आइकॉन्टा बी मॉडल का कैमरा इस्तेमाल करता था, जिसमें एक ऐसा उपकरण लगा था जिससे डबल एक्सपोज़र असंभव हो जाता था। मैं एगफा रिकॉर्ड फिल्म, साइज़ 120 का इस्तेमाल करता था और फोटोग्राफी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली जगहों पर मिलने वाली रोशनी के अलावा किसी भी तरह की कृत्रिम रोशनी का इस्तेमाल नहीं करता था। मैं फ्लैश या फ्लडलाइट का इस्तेमाल नहीं करता था और हमेशा अपनी फिल्मों को कमर्शियल डेवलपर्स से ही डेवलप करवाता था। अगर मुझे खुद डेवलप करना पड़े तो मुझे खुद डेवलप करना नहीं आता।

जब हम विनचेस्टर पहुँचे, तो ज़ोरदार बारिश हो रही थी। मैं और मेरी पत्नी जल्दी से कार से उतरे और चर्च की ओर भागे। सुबह के ग्यारह बज रहे थे और चर्च लगभग खाली था, सिवाय मुख्य हॉल के आखिरी छोर पर बैठे दो-तीन लोगों के। वेदी के चारों ओर बनी ऊँची खिड़कियों से रोशनी आ रही थी, लेकिन वहाँ किसी भी तरह की कृत्रिम रोशनी नहीं थी, बिजली नहीं थी, बस खिड़कियों और दूर स्थित प्रवेश द्वार से आती हल्की रोशनी थी। मुख्य हॉल के दोनों ओर गायक मंडली की ऊँची लकड़ी की कुर्सियाँ आमने-सामने थीं, और प्रत्येक तरफ तीन पंक्तियाँ थीं। प्रत्येक सीट के सामने डेस्क पर प्रार्थना पुस्तकें रखी थीं। पूरा क्षेत्र सुंदर नक्काशीदार गोथिक लकड़ी के काम से घिरा हुआ था, जिसमें खुली मेहराबें थीं, जिनके माध्यम से मुख्य हॉल का शेष भाग देखा जा सकता था। उन कुर्सियों पर कोई भी व्यक्ति नहीं बैठा था।

उस जगह का सन्नाटा, बाहर हो रही बारिश और सुदूर अतीत का माहौल, इन सबने मिलकर हमें सचमुच दुनियादारी से दूर, एकांत का अहसास कराया। हम दोनों में से किसी को भी ज़रा भी डर नहीं लगा, क्योंकि भूत-प्रेत खोजने वाले डरते नहीं हैं।

मैंने अपना कैमरा एक कुर्सी की रेलिंग पर रखा, उसे सामने वाली पंक्ति में रखी गायक मंडली की कुर्सियों की ओर घुमाया और लगभग दो सेकंड के लिए कैमरा को उसके लकड़ी के सहारे पर स्थिर रखते हुए फोटो खींची। मैंने इस प्रक्रिया को अलग-अलग कोणों से छह बार दोहराया। फिर हम गिरजाघर से निकलकर इंतज़ार कर रही कार में बैठ गए। पूरे प्रयोग में पंद्रह मिनट से ज़्यादा समय नहीं लगा।

अगले दिन जब फ़िल्में प्रयोगशाला से वापस आईं, तो मैंने उन्हें ध्यान से देखा। ली गई छह में से चार में कुछ भी असामान्य नहीं दिखा, लेकिन दो में दिखा। उनमें से एक में स्पष्ट रूप से नकाबपोश भिक्षुओं का एक पारदर्शी समूह या यूँ कहें कि जुलूस दिखाई दे रहा था, जो पीछे से चर्च के फर्श के वर्तमान स्तर से थोड़ा नीचे चल रहे थे। मैंने जाँच की और पाया कि फर्श पहले अपने वर्तमान स्तर से नीचे था, इसलिए वे प्रेतवाधित भिक्षु उस फर्श के स्तर पर चल रहे होंगे जिसे वे जानते थे, न कि हमारे स्तर पर।
मैं खुद को कोई माध्यम होने का दावा नहीं करता, न ही मेरा कैमरा अलौकिक था। फिर भी, विनचेस्टर के प्रेतवाधित भिक्षुओं ने मुझे अपनी तस्वीर खिंचवाने की अनुमति दी!
मेरे टीवी शो के बाद हम साउथेम्प्टन से निकले और सैलिसबरी की ओर चल पड़े। उस पुराने शहर के दक्षिण में, डाउनटन में, बेन्सन हर्बर्ट की "परजीवी प्रयोगशाला" थी जहाँ वे अनोखे उपकरणों की मदद से विभिन्न व्यक्तियों की मानसिक क्षमताओं का परीक्षण करते थे। उनकी एक "ऑपरेटर", ऐनी स्लोग्रोव नाम की एक सुंदर युवती, जादू-टोने में भी रुचि रखती थी और उस इलाके में एक तरह की युवा जादूगरनी थी। उसकी क्षमताओं में भविष्यवाणियाँ शामिल थीं और ऐसा लगता था कि वह अपनी इच्छाशक्ति से प्रकाश की टिमटिमाहट या घड़ी की आवाज़ को नियंत्रित कर सकती थी, उन्हें अपनी इच्छा से धीमा या तेज़ कर सकती थी। एक समर्पित व्यक्ति, बेन्सन हर्बर्ट से मेरा परिचय न्यू फॉरेस्ट की माध्यम और "श्वेत जादूगरनी" सिबिल लीक ने कराया था। हमने उनके एक प्रयोग को देखा, जिसके बाद हम उनकी कार के पीछे-पीछे लगभग दुर्गम ग्रामीण इलाके से होते हुए अपने अगले लक्ष्य, रिंगवुड के मोयल्स कोर्ट की ओर चल पड़े।
मोयल्स कोर्ट में होने वाली भूतिया घटनाओं के बारे में मुझे सिबिल लीक और फेट पत्रिका में छपे एक लेख के माध्यम से पता चला था।
मूल मकान ग्यारहवीं शताब्दी का है और इसका एक हिस्सा निश्चित रूप से ट्यूडर काल का है; मुख्य मकान ज्यादातर सोलहवीं शताब्दी का है, और यह एक बड़े ग्रामीण जागीर का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो इंग्लैंड के दक्षिण में न्यू फॉरेस्ट में अक्सर देखने को मिलता है।
'फेट' लेख की लेखिका लिलियन चैपमैन ने कई साल पहले उस जगह का दौरा किया था, इससे पहले कि उसे उस स्कूल को बेच दिया गया था जिसमें वह अब स्थित है। चैपमैन परिवार ने घर को दयनीय हालत में पाया और वे सोच रहे थे कि क्या इसे पुनर्स्थापित किया जा सकता है, और यदि हाँ, तो कितना खर्च आएगा।

श्रीमती चैपमैन इधर-उधर भटकती रहीं और अंततः दूसरी मंजिल की ओर जाने वाले रास्ते के पास खिड़की की चौखट पर बैठ गईं, जबकि बाकी लोग ऊपर की ओर चले गए। जब वह वहाँ अकेली बैठी आराम कर रही थीं, तो उन्हें अचानक भय और उदासी का अहसास हुआ:

जब मैंने संगीतकारों की गैलरी की ओर जाने वाले दरवाजों की ओर देखा, तो मैं एक धुंधली सी आकृति को पीले रंग के लबादे में अंदर आते देखकर दंग रह गया। ऐसा लग रहा था मानो आकृति से ज़्यादा लबादा हो। लबादे का छोटा सा टुकड़ा उसके हाथों को लगभग ढके हुए था, जो शायद दुख या प्रार्थना में जुड़े हुए थे। जैसे-जैसे वह आकृति मेरी ओर बढ़ती गई, उसके हाथ बार-बार खुलते और जुड़ते रहे। मुझे कोई डर नहीं लगा, बस एक गहरा दुख महसूस हुआ। और मैं कसम खाता हूँ कि जब वह आकृति मेरे पास से गुज़री और सीढ़ियों के अंत तक चली गई, तो मैंने एक हल्की सी आह सुनी। वहाँ से वह सीढ़ियों से नीचे उतर गई और चैपल की ओर वाली खिड़की से ओझल होती हुई प्रतीत हुई।

मैं भी उस जगह पर चुपचाप, आराम से बैठा हूँ। और मुझे ठंडक महसूस हुई और मन में एक अजीब सी उदासी छा गई जिसका कोई तार्किक कारण नहीं था।

चैपमैन परिवार ने घर नहीं खरीदा, बल्कि बाद में हुई नीलामी में मैनर हाउस स्कूल ने उसे खरीद लिया। उस समय श्रीमती चैपमैन को यह जानकारी नहीं थी कि मैनर हाउस की पूर्व मालकिन डेम लिस्ले पर 1685 में पास के विनचेस्टर में कुख्यात "फांसी देने वाले न्यायाधीश" जेफ्रीज़ द्वारा मुकदमा चलाया गया और उन्हें फांसी दे दी गई। उस बुजुर्ग महिला का एकमात्र अपराध यह था कि उन्होंने सेडगेमूर की लड़ाई से भागे दो लोगों को रात भर अपने यहाँ शरण दी थी। असल कारण तो उनका प्यूरिटन धर्म था। जैसा कि श्रीमती चैपमैन ने विस्तार से बताया है, उन्होंने वास्तव में उसी दुर्भाग्यशाली महिला की आत्मा को देखा था।

मैंने विद्यालय की प्रधानाध्यापिका, मिस वी. डी. हंटर से यात्रा की अनुमति मांगी, जो उन्होंने इस शर्त पर दी कि इंग्लैंड में विद्यालय को कोई "प्रचार" नहीं मिलना चाहिए। मैंने किसी भी अंग्रेज पत्रकार को हमारी यात्रा के बारे में न बताने पर सहमति जताई।

जब हम मोयल्स कोर्ट पहुंचे, तब तक पांच बज चुके थे, लेकिन मिस हंटर एक जरूरी काम से निकल चुकी थीं। उनकी जगह, शिक्षिका श्रीमती फिंच ने हमारा स्वागत किया। मैंने पूछा, "यहां होने वाली भूतिया घटनाओं की पृष्ठभूमि क्या है?"

“डेम लिस्ले ने अपने दो दोस्तों को यहाँ तहखाने में छिपाया था,” उसने कहा, “जहाँ से सड़क तक एक सुरंग थी। जासूस इन लोगों पर नज़र रख रहे थे, उन्होंने उनका पता लगा लिया, और उसे पकड़ लिया गया और जज जेफ्रीज़ के सामने मुकदमा चलाया गया। उसका सिर कलम कर दिया गया, और तब से कहा जाता है कि उसकी आत्मा इस घर में भटकती रहती है।”

क्या किसी ने कभी भूत देखा है?

“हम कई ऐसे लोगों से मिले हैं जो सालों पहले यहाँ रहते थे और यहीं अपने परिवार का पालन-पोषण किया था। हम एक ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जिसने घर के द्वार पर भूत को निश्चित रूप से देखा है—और मेरे पास उसकी बात पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं है। यह लगभग पच्चीस साल पहले की बात है, लेकिन हाल ही में एक महिला इस घर में तब आई थी जब हमने इसे अपने कब्जे में लेने से ठीक पहले इसे मकड़ी के जालों से ढका हुआ और बहुत खराब हालत में पाया था। वह यहाँ गलियारे में बैठी और उसने कहा कि उसने भूत को वहाँ चलते हुए देखा था।”

“भूत का वर्णन कैसे किया गया था?”

उन्हें हमेशा भगवा वस्त्र धारण करने वाली महिला के रूप में वर्णित किया जाता रहा है।

क्या भूत कभी घर में किसी को परेशान करता है?

“नहीं, बिलकुल नहीं। इसके विपरीत, हमने हमेशा यही सुना है कि वह एक प्यारी इंसान थीं और उनसे डरने की कोई बात नहीं है। यहाँ टीवी वाले आए थे, लेकिन हम नहीं चाहते कि बच्चे घबराएँ और सच तो यह है कि बड़े बच्चे तो उस भूतिया महिला से मिलने के लिए उत्सुक हैं।”

मैंने श्रीमती फिंच को धन्यवाद दिया और जैसे ही सूरज ढलने लगा, हम एक बार फिर अपने रास्ते पर चल पड़े। हम अंधेरा होने से पहले बोलियू पहुँचने की उम्मीद कर रहे थे। जब हम लगभग खाली न्यू फ़ॉरेस्ट से गुज़रे—जहाँ लोगों की कमी थी, लेकिन जंगली घोड़ों और अन्य जानवरों की भरमार थी—तो हम आसानी से समझ गए कि इंग्लैंड की आज की चुड़ैलें इस प्राकृतिक अभयारण्य को अपना केंद्र क्यों चुनती हैं। यह एक रहस्यमय, बेहद शांत इलाका था, जो बड़े शहरों की पेट्रोल से सनी दुनिया से बहुत दूर था।

हम लगभग छह बजे बोलियू पहुंचे, और हमारे मेजबान, गोर-ब्राउन परिवार, हमारे बारे में पहले से ही थोड़ा चिंतित थे।

बोलियू से मेरा संपर्क वहां पहुंचने से बहुत पहले ही शुरू हो गया था। 'इम्मॉर्टल क्वीन' और 'फ्लावर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की लेखिका एलिजाबेथ बर्ड ने हमें गोर-ब्राउन परिवार से मिलवाया, जो इंग्लैंड में उनके प्रवास के दौरान उनके मेजबान रहे थे। मिस बर्ड हमारे आसपास के मानसिक तत्वों से भलीभांति परिचित थीं, और जब उन्हें पता चला कि हम बोलियू घूमने जा रहे हैं - जिसमें लॉर्ड मोंटेग्यू के स्वामित्व वाला हवेलीनुमा घर, जिसे 'पैलेस हाउस' के नाम से जाना जाता है; गोर-ब्राउन परिवार के स्वामित्व वाला एक छोटा घर "द वाइनयार्ड्स" और, निश्चित रूप से, कभी भव्य रहे एबे और बगीचों के खंडहर शामिल हैं - तो उन्होंने मुझसे एक विशेष कमरे से "द वाइनयार्ड्स" को देखने का आग्रह किया।

जब आप बोलियू जाएँ, तो कृपया मार्गरेट से कहें कि वह आपको 'लाल कमरे'—मेरे कमरे—में ले जाए और आपको वहाँ कुछ देर अकेला छोड़ दे। कमरा नहीं, बल्कि खिड़की से दिखने वाला नज़ारा अनोखा है। अगर मुझे भी ऐसा महसूस होता है, तो आपको भी समय के ठहर जाने का गहरा आभास होना चाहिए। मैंने उस खिड़की से साल के अलग-अलग मौसमों को, दिन के अलग-अलग समयों पर देखा है और हमेशा एक पूर्ण सन्नाटा महसूस किया है... मानो जीवन कहीं रुक गया हो। पेड़ किसी स्टेज सेट की तरह स्थिर हैं, झाड़ियाँ रंगी हुई। कुछ भी पूरी तरह से वास्तविक नहीं लगता। जैसा कि आप जानते हैं, मैं देर से उठता हूँ, लेकिन बोलियू में मैं हमेशा भोर में ही उठ जाता था, जब वह नज़ारा मेरे लिए लगभग अविश्वसनीय था—सिर्फ़ कोहरा नहीं, कुछ और, जिसे मैं केवल स्थायी, कालातीत और अद्भुत रूप से शांत कह सकता हूँ। मुझे अंगूर के बागों की देखभाल करते भिक्षुओं को देखकर आश्चर्य (या भय) नहीं होता। यह बिल्कुल स्वाभाविक लगता। अगर कोई कभी समय के एक छोटे से हिस्से में प्रवेश कर सकता है, तो वह बोलियू ही होगा।

एलिज़ाबेथ बर्ड द्वारा दिए गए दृश्य का सजीव वर्णन बिल्कुल सटीक था। यद्यपि हमारे पहुँचने पर शाम हो चुकी थी, फिर भी मैं नज़ारा और एबे के खंडहरों की परछाईं को स्पष्ट रूप से देख पा रहा था। मेरी पत्नी लंबी यात्रा से काफी थकी हुई थी, इसलिए मैंने उसे आरामदायक अंगीठी के पास बैठकर गर्माहट लेने के लिए छोड़ दिया, जबकि कर्नल गोर-ब्राउन मुझे एबे ले गए, जहाँ मुझे अपने एक मित्र, कैप्टन बी. से मिलना था, जो लंबे समय से बोलियू के निवासी थे। पैलेस हाउस, जो अपेक्षाकृत नया था, भूत-प्रेतों का प्रमुख केंद्र नहीं था।

इसके बगल में लॉर्ड मोंटेग्यू द्वारा एक आधुनिक मोटर संग्रहालय का निर्माण किया गया था, जो एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण बन गया था। मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन मुझे एक प्राचीन चैपल में शौचालय का निर्माण और छत पर इसके उपयोग को दर्शाने वाला एक बड़ा बोर्ड लगा होना थोड़ा अजीब लगता है!

स्वयं एबे का व्यवसायीकरण नहीं हुआ था, बल्कि यह "द वाइनयार्ड्स" और "द स्प्लेंट" नामक जलधारा के बीच स्थित एक शांत भूभाग पर बसा हुआ था, जो हैम्पशायर तट को आइल ऑफ वाइट से अलग करती है। हम यहीं खड़े थे, जबकि कैप्टन अपनी चाबियाँ ढूंढ रहे थे ताकि हम एबे परिसर में प्रवेश कर सकें।

"कैप्टन, यहाँ भूत-प्रेत से जुड़ी घटनाएँ वास्तव में क्या थीं?" मैंने पूछा, जब हम खंडहर हो चुकी मठ की दीवारों के चारों ओर बने कब्रिस्तान में प्रवेश कर रहे थे।

“ब्यूलियू में रहने वाली एक युवती ‘पादरी के दुष्ट द्वार’ कहे जाने वाले छोटे से रास्ते से होते हुए उस जगह की ओर जा रही थी, तभी उसने भूरे रंग का वस्त्र पहने एक आकृति देखी, जिसे उसने आगंतुक समझा। वह ज़मीन पर नज़रें गड़ाए चल रही थी और जब वह उस जगह के पास पहुँची जहाँ उसे लगा कि वह आदमी होगा, तो उसने उससे टकराने से बचने के लिए अपनी नज़रें ऊपर उठाईं—लेकिन वह वहाँ था ही नहीं!”

अब हम मठ के खंडहर हो चुके "गार्थ" या बगीचे में खड़े थे। हमारे चारों ओर मेहराबदार दीवारें थीं जिनमें आले बने हुए थे; हमारे पीछे बोलियू चर्च की मुख्य दीवार थी, जो कभी भिक्षुओं का भोजन कक्ष हुआ करती थी।

मैंने पूछा, "क्या यहाँ किसी ने कुछ देखा है?"

“दरअसल, डोमस कन्वर्सोरम में बने छोटे से फ्लैट में दो महिलाएं रहती थीं। उनमें से एक, जो एक सेवानिवृत्त प्रशिक्षित नर्स थीं और बहुत उच्च कोटि की थीं, ने मुझे बताया कि एक रविवार की सुबह वह अपने फ्लैट के बाहर बने छोटे से चबूतरे पर आईं और उन्होंने देखा कि पाँचवें कोने में एक भिक्षु बैठकर एक शोधपत्र पढ़ रहा था।”

उसने क्या किया?

“उसने एक-दो मिनट तक उसे देखा, फिर दुर्भाग्यवश उसे अपनी केतली के उबलने की आवाज सुनाई दी और उसे अंदर जाना पड़ा। जब वह वापस बाहर आई, तो ज़ाहिर है, वह जा चुका था।”

क्या उसे कभी यह ख्याल आया कि वह हाड़-मांस के अलावा कुछ और भी हो सकता है?

"हां, उसे पता था कि वह हाड़-मांस का इंसान नहीं हो सकता था।"
"क्योंकि बोलियू में कोई भिक्षु नहीं हैं।"
"हाँ।"
क्या वह डरी हुई थी?
"कम से कम नहीं।"
"क्या इस इलाके में भूतों से जुड़ी कोई और घटनाएं हैं?"
कप्तान ने गला साफ किया। "जी हाँ, बूढ़े श्री पोल्स, जो 1886 से 1939 तक यहाँ के पादरी थे, चर्च में भिक्षुओं से मिलने और उन्हें देखने की बात करते थे। यह चर्च आम भिक्षुओं का भोजन कक्ष हुआ करता था और अब हमारे पीछे है। वे उन्हें रोज़ाना बोलते हुए भी सुना करते थे।"
हम वापस चर्च की ओर चले और उसके अंधेरे कक्षों में प्रवेश किया। आंतरिक भाग आधुनिक डिजाइन का था, जो इसके प्राचीन स्वरूप से बिल्कुल मेल नहीं खाता था, लेकिन यह सुरुचिपूर्ण था और वहां मौजूद रहस्यमय उपस्थिति का अहसास अभी भी बना हुआ था।
यह वही स्थान था जहां पादरी की मुलाकात प्रेतवाधित भिक्षुओं से हुई थी।
कप्तान ने कहा, "उसने न केवल उन्हें गाते हुए सुना, बल्कि उन्हें देखा भी। वे वहां मौजूद थे।"
"क्या किसी और ने भी इस चर्च में भूतिया आकृतियाँ देखी हैं?"
"कुछ साल पहले," कैप्टन ने अपनी शांत, सधी हुई आवाज़ में जवाब दिया, मानो वह किसी नए रंगरूट को नई बंदूक की कार्यप्रणाली समझा रहे हों, "मैं यहाँ काम करने वाले एक व्यक्ति के अंतिम संस्कार जुलूस का इंतज़ार कर रहा था, और दो महिलाएँ चर्च में आईं। हम थोड़ी देर बातें करने लगे, और उनमें से एक ने कहा, 'जब मैं लगभग तीस साल पहले अपनी सहेली के साथ इस चर्च में आई थी, तो उसने इसे जैसा था वैसा ही देखा था।'"
मुझे उसकी बात ठीक से समझ नहीं आई और मैंने कहा, 'ओह, मुझे पता है, चर्च को अठारह सौ चालीस में पूरी तरह से बदल दिया गया था।'
"'ओह, नहीं,' उसने कहा, 'मेरा मतलब है—हम दोनों ने इसे देखा था—जैसा यह था, जब यह भिक्षुओं के पास था।'"
मैंने उससे इस बारे में पूछा।

“उसने कहा, ‘हम अंदर आए और हमने देखा कि चर्च को एक भोजन कक्ष की तरह सजाया गया था। हमें थोड़ा आश्चर्य हुआ, लेकिन हमने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया और बाहर चले गए। लेकिन जब हम घर पहुंचे, तो हमने इस बारे में बात की और इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि इसमें कुछ असाधारण बात थी, क्योंकि हमने इसे किसी भी तरह से पैरिश चर्च के रूप में नहीं देखा था। फिर हमने पूछताछ की और, ज़ाहिर है, हमें एहसास हुआ कि हमने अतीत में झांक लिया था।’”

ऐसा प्रतीत होता है कि महिलाएं समय में पीछे चली गई थीं और चार सौ साल पहले ब्यूलियू के भिक्षुओं को रात्रि भोजन करते हुए देख रही थीं!

मैं चर्च के मुख्य भाग के बीच में गया और धीमी आवाज़ में भिक्षुओं को प्रकट होने का निमंत्रण दिया। अंधेरे चर्च में पूरी तरह सन्नाटा छाया हुआ था, क्योंकि अब वह समय बीत चुका था जब आकाश में प्रकाश की एक किरण भी बाकी नहीं रहती थी।

जैसे-जैसे मैं धीरे-धीरे गलियारे से वापस वर्तमान में लौटी, मुझे लगा जैसे ऊपर कहीं से हल्की-हल्की ऑर्गन की आवाज़ सुनाई दी हो। लेकिन शायद यह मेरा वहम ही था। भला कौन कह सकता है? ऐसे माहौल में और अभी-अभी इस बारे में बात करने के बाद, किसी भी तरह के संकेत को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

कुछ लोगों ने बगीचे में प्रेतवाधित भिक्षुओं की आवाज़ें सुनी हैं, जो अपने ही लोगों को दफ़ना रहे थे। अंत्येष्टि संस्कार भिक्षुओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण थे, और राजा हेनरी ने उन्हें उचित तरीके से अंतिम संस्कार किए जाने के विशेषाधिकार से वंचित कर दिया था। मृत भिक्षु कहाँ जाते? मठ ही धरती पर एकमात्र ऐसी जगह थी जिसे वे जानते थे, और इसलिए वे परलोक के भय से वहीं टिके रहे।

यह भी संभव है कि प्रेत-प्रेत भिक्षु इस विचित्र तथ्य को स्वीकार न कर पा रहे हों कि उनका पवित्र कब्रिस्तान, उनकी समाधि, आज तक नहीं मिली! मठ के चारों ओर एक गिरजाघर का प्रांगण था, लेकिन वह बोलियू के लोगों का था और आज भी है। भिक्षुओं का अपना एक अलग भूखंड था और कोई नहीं जानता कि वह कहाँ है। मुझे ऐसा लगता है कि बोलियू में प्रेत-प्रेत भिक्षु तब तक भटकते रहेंगे जब तक कोई उस प्राचीन कब्रिस्तान को खोजकर उसका विधिवत पुनर्पवित्रीकरण नहीं कर देता।

यह विशाल हवेली, जिसे पैलेस हाउस भी कहा जाता है, में मठाधीश का महल भी काफी हद तक समाहित है। यहाँ भिक्षुओं को अक्सर देखा गया है। जनवरी 1964 में जब मैं आर्ट लिंकलेटर के कार्यक्रम में शामिल हुआ, तो न्यूयॉर्क के ब्रोंक्स की रहने वाली

श्रीमती नैन्सी सुलिवन ने मुझसे संपर्क किया, जो कभी पैलेस हाउस में रसोइया के रूप में कार्यरत थीं।

“पैलेस हाउस के चारों ओर एक खाई हुआ करती थी,” उसने बताया, “और ऊपर से नीचे तक एक घुमावदार सीढ़ी थी। ऐसा कहा जाता है कि मैरी क्वीन ऑफ स्कॉट्स उसी सीढ़ी से नीचे उतरी थी, और एक आदमी नाव में खाई में उसका इंतजार कर रहा था, जिससे वह भागने में सफल रही। कुछ लोग कहते हैं कि उसका भूत आज भी उन सीढ़ियों से नीचे उतरता है!”

“नौकरानियों के कमरे सबसे ऊपरी मंजिल पर थे; तब पाँच लड़कियाँ थीं, और हर रात हमें उन सीढ़ियों से किसी के चलने की आवाज़ सुनाई देती थी, हालाँकि हम जानते थे कि ऊपर और नीचे के दरवाजे पूरी तरह से बंद थे। हम बहुत डरे हुए थे, इतना कि हम सब एक ही कमरे में रहने लगे।”

यह कहना मुश्किल है कि क्या यह मैरी स्टुअर्ट का बोलियू से भागना था, या शायद किसी पुराने भूत का। दिलचस्प बात यह है कि कदमों की आवाजें वहां सुनाई दीं जहां किसी को चलते हुए नहीं देखा गया।

अलौकिक घटनाओं की खोज में टेलीविजन कैमरे बोलियू में छा गए हैं। जब सब कुछ शांत हो जाएगा, तो मैं वापस जाकर अपने साथ एक कुशल समाधि माध्यम को लाऊंगा। शायद तब हम सीधे पता लगा सकें कि भिक्षु क्या चाहते हैं।

नेल ग्विन और कैवेलियर का भूत

सेंट एल्बंस से चार मील दक्षिण में और लंदन से लगभग एक घंटे की ड्राइव पर

सैलिसबरी हॉल स्थित है। यह हवेली आकार में छोटी है, लेकिन शायद अधिकांश अन्य हवेली से कहीं अधिक प्राचीन है। संभवतः यह उस समय एक रोमन चौकी का स्थान था जब पास का सेंट एल्बंस एक महत्वपूर्ण रोमन शहर, वेरुलैमियम था। सैक्सन काल से इसका निरंतर विकास हुआ और यह कई चरणों और परिवारों के हाथों से गुजरी। अर्ल ऑफ वारविक, जिन्हें "राजा निर्माता" के रूप में जाना जाता था, चार्ल्स द्वितीय और नेल ग्विन, सर विंस्टन चर्चिल और कई अन्य प्रसिद्ध हस्तियां इस हॉल से जुड़ी हुई हैं।
इसके मालिक, कलाकार वाल्टर गोल्डस्मिथ, जो अपनी पत्नी और बच्चों के साथ वहां रहते थे, ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान विमान कार्यशाला के रूप में उपयोग किए जाने के बाद हवेली को उसकी मूल ट्यूडर भव्यता में बहाल किया।
यह घर एक बहुत पुराने प्राचीर और खाई से घिरा हुआ था, जो आज भी पानी से भरी हुई है। श्री गोल्डस्मिथ ने खाई से कई मध्ययुगीन तलवारें बरामद की थीं, जो निस्संदेह बार्नेट की लड़ाई में मारे गए सैनिकों द्वारा वहाँ छोड़ी गई थीं। यह लड़ाई 1471 में इसी संपत्ति के आसपास लड़ी गई थी। सैनिकों को उस समय हवेली में ठहराया जाता था, जो गृहयुद्ध समाप्त होने के बाद जॉन कट के हाथों में चली गई। कट ने लगभग 1550 में इसका पूरी तरह से पुनर्निर्माण किया, लेकिन अब घर का केवल मध्य भाग ही बचा था, पंख समय के साथ गायब हो गए थे। घर के स्वरूप को नुकसान पहुँचाने के बजाय, इस छोटे आकार ने सैलिसबरी हॉल को और अधिक गर्मजोशी भरा और घर जैसा बना दिया है।
मैं डेली स्केच के एक रिपोर्टर, रॉडनी बर्बेक के साथ सैलिसबरी गया था, जो मुझे भूत-प्रेत की खोज करते हुए देखना चाहता था। हॉल में हमारा स्वागत एक फोटोग्राफर और श्री गोल्डस्मिथ ने किया, जिन्होंने हमें घर घुमाया।
नीचे के बड़े कमरे को क्राउन चैंबर कहा जाता था; इसके एक तरफ एक चिमनी थी, जिसके बगल में एक भारी ओक का दरवाजा था, और ऊपरी मंजिलों तक जाने वाली एक सीढ़ी थी।
गोल्डस्मिथ परिवार लगभग दस वर्षों से यहां रह रहा है, और वे अपने अनदेखे मेहमानों का सहजता से स्वागत करते हैं।
"इस घर में भूत कहाँ-कहाँ देखा गया है, श्रीमान गोल्डस्मिथ?" मैंने पूछा जब हम उस बड़े कमरे में बैठ गए थे।
उन्होंने कहा, “मुख्य दर्ज घटना इसी भव्य हॉल में घटी है, जिसमें आप अभी हैं। यह

घटना सदी के मोड़ पर घटी थी, जब नेल ग्विन के स्वीकृत रूप से मिलती-जुलती एक आकृति यहाँ सीढ़ियों से नीचे आई और सर विंस्टन चर्चिल के सौतेले पिता, श्री कॉर्नवालिस-वेस्ट को दिखाई दी, जो यहाँ हॉल में बैठे थे। वह उस दीवार में गायब हो गई।"

उन्होंने चिमनी के पास स्थित ओक की लकड़ी के दरवाजे की ओर इशारा किया, जो मुझे अत्यंत मजबूत प्रतीत होता था।

मैंने पूछा, "क्या उसे इस बात का एहसास था कि वह हाड़-मांस की बनी कोई चीज नहीं थी?"

"पहले तो उन्हें लगा कि यह उनकी पुरानी आया हैं, जो नेल ग्विन की तस्वीरों और प्रिंटों से बहुत मिलती-जुलती थीं, और वे बहुत चिंतित हो गए क्योंकि उन्हें लगा कि उनके साथ कुछ हो गया है, इसलिए उन्होंने तुरंत अपनी बहन को फोन किया, लेकिन पता चला कि वह पूरी तरह स्वस्थ हैं। फिर उन्हें अचानक याद आया कि लोग हमेशा कहते थे कि उनकी आया, जिसका नाम ओल्ड गर्ली था, नेल ग्विन से कितनी मिलती-जुलती थीं।"

मैं जानना चाहता था, "उसे कैसे पता चला कि यह एक प्रेत था, एक भूत था, न कि कोई व्यक्ति जो बाहर से अंदर आ गया हो?"

श्री गोल्डस्मिथ मेरे प्रमाण मांगने पर जरा भी विचलित नहीं हुए।

श्री गोल्डस्मिथ ने आगे कहा, "याद करने पर, श्री कॉर्नवालिस-वेस्ट को एक बहुत ही असामान्य सुगंध का एहसास हुआ, जिसका कारण वे समझ नहीं पाए। साथ ही, उन्हें यह भी याद आया कि प्रेत ने हल्के क्रीम रंग की पोशाक पहनी हुई थी, जिस पर नीले रंग का कपड़ा लगा हुआ था, जो नेल ग्विन के प्रामाणिक चित्रों में अक्सर पाया जाता है। उन्हें रेशम की सरसराहट की आवाज भी सुनाई दी, जो पूरी तरह से समझ से परे थी।"

मैंने पूछा, "क्या उसे पहले भी मानसिक अनुभव हुए थे?"

श्री गोल्डस्मिथ ने सिर हिलाया। "बिल्कुल नहीं। वह उस तरह का आदमी नहीं था; वह एक गार्ड्स ऑफिसर था, व्यावहारिक और यथार्थवादी।"

"क्या इस घर में किसी और को भी मानसिक अनुभव हुए हैं?"

"जी हां, बहुत से लोग, खासकर बुजुर्ग लोग जिन्होंने या तो अपना बचपन यहीं बिताया है, या पिछली सदी के अंत में, अठारह सौ अस्सी और नब्बे के दशक में इस घर में सेवा

की है। उन्होंने हमें अपने अनुभवों के बारे में लिखकर बताया है, और श्रीमती गोल्डस्मिथ ही वह व्यक्ति हैं जो वास्तव में इस पहलू के बारे में जानती हैं।"
मैंने श्रीमती गोल्डस्मिथ से इस मामले पर बात करने का वादा किया, जो कमरे के एक कोने से धैर्यपूर्वक हमें देख रही थीं। लेकिन सबसे पहले, मैं यह जानना चाहता था कि जब से वह यहाँ रहने आए हैं, क्या उनका खुद कभी कोई वास्तविक अनुभव रहा है।
"मुझे बस एक ही बात नज़र आती है कि घर का माहौल, जो आमतौर पर बहुत खुशनुमा रहता है, काफी बदल जाता है जब मैं घर में या बगीचे में अकेला होता हूँ।"
"आपके विचार से इसका कारण क्या है?"
मुझे नहीं लगता कि घर में किसी बुरी आत्मा का वास है, लेकिन जब घर अपने मूल स्वरूप में लौट आता है, यानी जब परिवार आसपास नहीं होता, तो शायद कुछ अन्य प्रभाव सामने आते हैं। बगीचे के कुछ हिस्सों में एक डरावना वातावरण है, संभवतः बहुत प्राचीन काल से।
मैंने इस स्थान पर लड़ी गई खूनी लड़ाई और गुलाबों के युद्ध की साजिशों के बारे में सोचा, और आसानी से समझ गया कि उस स्थान के अलौकिक वातावरण में उसका कुछ अंश अभी भी मौजूद हो सकता है।
“नेल ग्विन वास्तव में इसी घर में रहती थी, है ना?” मैंने विषय बदलते हुए कहा।
“जी हाँ, उन्होंने ऐसा किया था,” गोल्डस्मिथ ने जवाब दिया। “जब चार्ल्स द्वितीय ने इसे देखा, तब तक यह घर एक खूबसूरत खंडहर बन चुका था। जाहिर है, यह उन्हें बहुत पसंद आया, क्योंकि उन्होंने इसे एक छोटे से ग्रामीण विश्राम स्थल में बदलने की संभावना देखी। उन्होंने पुराने हिस्सों के बचे हुए भाग को गिरा दिया, बीच के हिस्से को रखा और उसे वैसा बना दिया जैसा आप आज देखते हैं। उन्होंने पैसे उधार लिए और इसे अपने और नेल ग्विन के लिए एक छोटे से एकांत स्थान के रूप में बनवाया।”
“तो क्या नेल ग्विन कई वर्षों तक यहाँ रहीं?”
"हां, यह सब रहस्य में डूबा हुआ है, क्योंकि स्वाभाविक रूप से राजा नहीं चाहते थे कि यह बात पूरे देश में फैल जाए, क्योंकि अंग्रेजी जनता ने अभी-अभी बड़े हर्षोल्लास के साथ राजशाही को बहाल किया था, और वह नहीं चाहते थे कि उनके साथ कोई अनावश्यक बदनामी जुड़े।"
“नेल ग्विन की मौत यहाँ नहीं हुई थी, है ना?”
“नहीं, उनकी मृत्यु लंदन में गरीबी में हुई थी। उन्हें लिंकन इन फील्ड्स में दफनाया गया

है, जो आज लंदन शहर या कानूनी जिले में स्थित है।"
"क्या यह उनकी पसंदीदा विश्राम स्थली थी?"
मुझे लगता है ऐसा ही था।
मैं विशाल हॉल में घूमा, फिर सीढ़ियों से ऊपर की मंजिल पर गया। मेरे दाहिनी ओर, पूरी तरह से सुरक्षित कवच का एक सेट सीधा खड़ा था, मानो वह प्रवेश द्वारों की रक्षा कर रहा हो।
श्री गोल्डस्मिथ ने सहज भाव से कहा, "नेल ग्विन ही यहाँ अकेली भूत नहीं है। यहाँ एक ऐसे घुड़सवार का भूत भी है जिसकी प्रामाणिकता पुख्ता है, जिसने एक कमरे में आत्महत्या कर ली थी, जिसे आप अभी देखेंगे।"
इंग्लैंड में "कैवेलियर" शब्द का प्रयोग उन सैनिकों के लिए किया जाता है जो राजशाही विचारधारा और राजा चार्ल्स प्रथम के लिए, ओलिवर क्रॉमवेल की राउंडहेड्स या संसदीय सेना के खिलाफ उस खूनी और लंबे गृहयुद्ध के दौरान लड़ रहे थे, जिसका अंत 1649 में चार्ल्स प्रथम के सिर कलम करने के साथ हुआ था।
"उस लापरवाह व्यक्ति के बारे में क्या? वह कौन था, और उसने आत्महत्या क्यों की?"
"कहा जाता है कि गृहयुद्ध की कई लड़ाइयों में से एक के दौरान उसने यहाँ शरण ली थी, और राउंडहेड्स ने उसका पीछा करते हुए उसे इस घर में धकेल दिया; वह कुछ महत्वपूर्ण रहस्य छिपाए हुए था जिन्हें वह यातना के तहत उजागर करने से डरता था, इसलिए उसने खुद को गोली मार ली।"
श्रीमती ऑड्रे गोल्डस्मिथ, जिनके बाल सुनहरे थे और जो सत्रह वर्षीय बेटे की मां होने के बावजूद अपनी उम्र से कहीं अधिक जवान दिखती थीं, मेरे पास आईं और मैंने उनसे घुड़सवार के भूत के बारे में पूछा।
"मैं यहाँ आठ साल से हूँ। एक रात मैंने उस गलियारे में कदमों की आहट सुनी, जिसके बारे में कहा जाता है कि वहाँ घुड़सवार का भूत रहता है, और तब से मैंने कई बार ये आहटें सुनी हैं।"
मैंने पूछा, "आपने उन्हें आखिरी बार कब सुना था?"
"लगभग दो साल पहले की बात है। वे निश्चित रूप से एक आदमी के भारी कदमों की आवाज थी। उस समय घर में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जो उन कदमों की आवाज उठा सकता था।"
"कहीं वह घुसपैठिया तो नहीं था? क्या आपने जाँच की?"

“हाँ। इसके अलावा, अगर कोई होता तो कुत्ते भौंकते।”
"क्या आपको उस समय कुछ अजीब सा महसूस हुआ?"
“मेरी गर्दन के पिछले हिस्से में झुनझुनी सी महसूस हो रही थी और पूरे शरीर में ठंडक का एहसास हो रहा था। पहली बार जब ऐसा हुआ था तब मुझे ऐसा महसूस नहीं हुआ था।”
"उन रहस्यमय कदमों की आहट के साथ पहले अनुभव की परिस्थितियाँ क्या थीं?"
“पहली बार, लगभग तीन साल पहले, मैं गलियारे के ऊपर वाले कमरे में सो रही थी। उस समय मुझे बहुत तेज सर्दी थी, और मैंने सुबह लगभग दो बजे अपने दरवाजे के पास से किसी के कदमों की आहट सुनी। मैं उस समय पूरी तरह जाग रही थी और पढ़ रही थी, क्योंकि मुझे नींद नहीं आ रही थी। मैंने सोचा कि शायद मेरे पति बाथरूम गए होंगे, जो गलियारे के आखिर में इकलौता कमरा है, लेकिन जब मैंने अगली सुबह उनसे पूछा, तो उन्होंने कहा कि वे पूरी रात बिल्कुल नहीं हिले-डुले।”
मैंने उस रास्ते का मुआयना किया, जिसे हम अमेरिका में गलियारा कहते हैं। यह संकरा और सीधा था, और इसमें चलने वाला कोई भी व्यक्ति बिना देखे न तो छिप सकता था और न ही तेज़ी से निकल सकता था। ज़ाहिर है, गलियारे के अंत में बना बाथरूम हाल ही में बहुत पुरानी चिनाई में बनाया गया था। यह रास्ता पहले घर के एक और हिस्से में जाता था, जिसे लगभग 1819 में गिरा दिया गया था। 1640 के दशक में गृहयुद्ध के समय, यह हिस्सा अभी भी खड़ा था।
श्रीमती गोल्डस्मिथ को सैलिसबरी हॉल में घटी घटनाओं से पहले या बाद में कभी भी कोई मानसिक अनुभव नहीं हुआ था। उन्हें अलौकिक चीजों में कोई दिलचस्पी नहीं थी और वह एक सुव्यवस्थित अंग्रेजी गृहिणी थीं।
मैंने कहा, "मुझे तो ऐसा लगता है कि जब आपने कदमों की आहट सुनी होगी, तो आपने यह देखने की कोशिश की होगी कि वह कौन था।"
“खैर, पहली बार, तीन साल पहले, जब मुझे लगा कि मेरे पति हैं, तो मैंने अपने बिस्तर के पास वाली लाइट पहले से ही जला रखी थी, और मुझे लगा कि जब वह दरवाजे के नीचे से लाइट जलती देखेंगे, तो अंदर आकर मेरा हालचाल पूछेंगे, क्योंकि मुझे सर्दी लगी हुई थी। लेकिन कदमों की आवाज वापस नहीं आई। वे दूर जाकर गायब हो गए। अगर कोई बाथरूम गया होता, तो मुझे उनकी आवाज वापस सुनाई देती।”
“बिल्कुल,” मैंने सिर हिलाते हुए कहा, “और क्या आपने किसी खास समय पर कदमों

की आहट सुनी थी?"
"हां, हमेशा लगभग दो बजे, और हमेशा उसी गलियारे में। हमसे पहले यहां रहने वाले कई परिवारों का भी यही अनुभव रहा है।"
"क्या आपने घर के इस हिस्से में कोई बदलाव किया है?"
"सत्रहवीं शताब्दी के बाद से एकमात्र बदलाव तब हुआ जब हम यहां आए और हमने बाथरूम बनवाया क्योंकि उस समय यहां कोई बाथरूम मौजूद नहीं था। इससे वह मार्ग बंद हो गया जो मूल रूप से घर के पुराने हिस्से में जाता था।"
"क्या ये पदचिह्न बदलाव करने से पहले सुनाई दिए थे, या उसके बाद?"
"जहां तक मेरा सवाल है, बदलाव के बाद। हालांकि, अन्य परिवारों ने बदलाव करने से पहले ही उन्हें यहां सुना है।"
"क्या आपकी प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, आपके द्वारा वर्णित कदमों की आहट के अलावा किसी और ने भी यहां कोई भूतिया अनुभव किया है?"
"जी हां," श्रीमती गोल्डस्मिथ ने कहा। "उन्नीस सौ चौदह में प्राइस नाम के एक परिवार के लिए एक गवर्नेंस यहाँ काम करती थी। मुझे मिस प्राइस नाम की महिला का एक पत्र मिला था। उस समय वह काफी छोटी लड़की थी, लेकिन उसे याद है कि एक रात उसकी गवर्नेंस बहुत डर गई थी क्योंकि उसने सचमुच किसी को दीवार से बाहर आते देखा और वह उसके बिस्तर के पास खड़ा हो गया। वह इतनी डर गई थी कि अगले दिन ही घर छोड़कर चली गई।"
"वह कौन सा कमरा था?"
"जब मैंने कदमों की आहट सुनी, तब मैं उसी कमरे में सो रहा था।"
"क्या उसने इस घटना का विस्तार से वर्णन किया?"
"नहीं, जहाँ तक मुझे पता है, उसने ऐसा नहीं किया।"
"क्या आपको यकीन था कि आपने जो कदमों की आहट सुनी वह एक आदमी की थी?"
"हां, वे एक महिला के लिए बहुत भारी थे। लेकिन मुझे कुछ भी दिखाई नहीं दिया।"
मैं बेडरूम में घूमकर गलियारे में वापस आया और उसके आखिरी छोर पर स्थित बाथरूम तक गया। मौसम असामान्य रूप से ठंडा लग रहा था। बाहर धूप खिली थी और मौसम सुहावना था। इंग्लैंड में इस समय अक्सर होने वाली शुरुआती पतझड़ की नमी के बावजूद, मुझे इस ठंड का कारण समझ नहीं आ रहा था।

“नेल ग्विन के भूत के बारे में क्या? आपने उसे देखा तो नहीं है ना?”
“नहीं, मैंने नहीं देखा,” श्रीमती गोल्डस्मिथ ने उत्तर दिया, “लेकिन मेरे पास एक बूढ़ी औरत का पत्र है जो अठारह सौ नब्बे के दशक में यहाँ अपनी माँ, बड़ी बहनों और भाइयों के साथ रहती थी। उनका परिवार बहुत बड़ा था, और उन्होंने मुझे बताया कि कई बार उनकी माँ को एक युवती मिली, जो लगभग किशोरावस्था में थी, काफी सुंदर थी, पुराने परिधान में सजी हुई थी और उसके कंधों पर नीले रंग का शॉल था, जैसा कि कॉर्नवॉलिस-वेस्ट की कहानी में वर्णित है। पहली बार जब ऐसा हुआ तो उनकी माँ ने सोचा कि उनकी बड़ी बेटियों में से कोई उनके साथ शरारत कर रही है, इसलिए वह उस लड़की के पीछे-पीछे ऊपर की मंजिल तक गईं, जहाँ वह गायब हो गई। फिर उन्होंने सभी कमरों की जाँच की और पाया कि उनका पूरा परिवार गहरी नींद में सो रहा था। ऐसा कई बार हुआ।”
और क्या वह महिला अभी भी जीवित है?
"हां, वह कुछ समय पहले हमसे मिलने आई थी।"
क्या वह एक स्वस्थ दिमाग वाली और संतुलित महिला है?
“ओह, बिल्कुल! मुझे लगता है कि हममें से अधिकांश लोगों की तुलना में कहीं अधिक समझदार और संतुलित हैं,” श्रीमती गोल्डस्मिथ ने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया।
अक्सर, मानसिक घटनाओं का सामना करने पर जानवर अजीब व्यवहार करते हैं। गोल्डस्मिथ परिवार के पास दो बड़े कुत्ते हैं। मैंने सोचा कि क्या कभी इन दोनों जानवरों के व्यवहार में कुछ असामान्य देखा गया है। श्रीमती गोल्डस्मिथ ने सिर हिलाया।
"एक बार जब मैंने बेडरूम में कदमों की आहट सुनी, तो मेरे साथ बिस्तर पर एक कुत्ता था, और वह मेरे पैरों के पास चादर के नीचे था और कुछ भी नहीं सुन सकता था, फिर भी जिस क्षण मैंने कदमों की आहट सुनी, उसने एक दिल दहला देने वाली गुर्राहट की जिसने मुझे कदमों की आहट से भी ज्यादा डरा दिया।"
गोल्डस्मिथ परिवार के दो बेटे हैं, जिनमें से एक मेरे फोन करने के समय घर से बाहर था। लेकिन सत्रह वर्षीय बड़ा बेटा, क्रिस्टोफर, घर में अपने अनुभवों के बारे में मुझसे खुलकर बात करने लगा। वह भूतिया सीढ़ियों से दो मंजिल ऊपर अटारी में बने एक कमरे में सोता है।
"मेरे कमरे में तो कभी कुछ नहीं हुआ, लेकिन मेरे भाई रॉबिन का कमरा मेरे कमरे के बगल में है, और मैंने उसके कमरे में रहते हुए एक बहुत ही असामान्य घटना का अनुभव

किया है।"
आपने वास्तव में क्या देखा या सुना?
"कुछ साल पहले, एक रात, जिस रात मैं उस कमरे में सोई थी, वह एकमात्र रात थी—रॉबिन उस दिन कहीं बाहर गया हुआ था और मैंने सोचा कि क्यों न मैं भी कुछ अलग करने के लिए वहाँ सो जाऊँ—मुझे एक बहुत ही डरावना सपना आया। वह सपना दो आदमियों के बीच एक भयानक लड़ाई के बारे में था।"
"सपनों की बात करें तो," मैंने कहा और श्रीमती गोल्डस्मिथ की ओर लौटते हुए बोला, "क्या आपने भी किसी सपने के बारे में कुछ कहा था? एक बहुत ही असामान्य प्रकार का सपना?"
"हां," क्रिस्टोफर की मां ने कहा। "जिस महिला ने हमें गवर्नेंस और अपने भयानक अनुभव के बारे में लिखा था, वह लगभग छह महीने पहले हमसे मिलने आई थी और अपने साथ एक दोस्त को भी लाई थी जो बचपन में अक्सर हमारे परिवार के साथ रहती थी। उस दोस्त ने हमें बताया कि वह हमेशा इस छोटे से कमरे का इस्तेमाल करती थी—उस समय यह अतिरिक्त कमरा था—और उसे यहां कभी चैन की नींद नहीं आई, बल्कि हमेशा भयानक सपने आते थे, जिनमें दो आदमी दीवार से कमरे में घुस आते थे और लड़ने लगते थे।"
क्या क्रिस्टोफर और उनसे पहले उस कमरे का इस्तेमाल करने वाले लोगों ने बहुत पहले घटी किसी त्रासदी को महसूस किया था? क्या उस घुड़सवार ने खुदकुशी नहीं की थी बल्कि युद्ध में अपनी जान गंवाई थी?
मुझे आश्चर्य होता है कि नेल ग्विन को अपने शांत ग्रामीण निवास स्थान में चल रही इस सारी लड़ाई के बारे में कैसा महसूस हो रहा होगा।
लेकिन भूत तो बेहद स्वार्थी होते हैं और उन्हें दूसरे लोगों की कोई परवाह नहीं होती। यहां तक कि दूसरे भूतों की भी नहीं।

समरसेट, डोरसेट, विल्टशायर—वे भूत जो कभी चलना बंद नहीं करते

जब मैंने पश्चिमी इंग्लैंड की हमारी दो दिवसीय सफारी का मार्ग बताया, तो ड्राइवर ने बस अपना सिर हिलाया और एक उदास मुस्कान दी, ठीक वैसी ही मुस्कान जैसी अंग्रेज़ ड्राइवर तब देते हैं जब वे कहना चाहते हैं कि सर विंस्टन भी ऐसा नहीं कर सकते। मैंने ज़ोर देकर कहा कि हम कर सकते हैं। अगर भूत हमारी रफ़्तार सह सकते हैं, तो हम भी सह सकते हैं।

मैंने मार्क्विस ऑफ बाथ को फोन किया और अगले दिन दोपहर में उनसे मिलने का समय तय किया। इससे पहले कि पर्यटकों की भीड़ उनके शानदार पारिवारिक निवास पर उमड़ पड़े और भूत-प्रेत की खोज लगभग असंभव हो जाए।

लॉन्गलीट नामक यह महल, जाहिर तौर पर भूतों के भरोसे नहीं चल सकता, और इसके खजाने से भरे कमरों और गलियारों में घूमने वाले हजारों आगंतुक इसके रखरखाव में भरपूर योगदान देते हैं।

ठीक दोपहर 12 बजे, हम लॉन्गलीट के आसपास के पार्क में पहुँच गए। लंदन से यहाँ तक पहुँचने में हमें पूरे तीन घंटे लगे, लेकिन हम पहुँच गए। हमने चाय के लिए भी नहीं रुके, और इंग्लैंड में इसे ही ड्राइविंग कहते हैं।

अब हम सैलिसबरी प्लेन के बिल्कुल मध्य में थे, जो सदियों से प्रसिद्ध युद्धक्षेत्र रहा है, और वारमिनस्टर नामक एक कस्बे के पास स्थित था, जिसका नाम भी बिल्कुल उपयुक्त था।

हमारी कार पार्क में प्रवेश करने के बाद, मुख्य घर तक पहुँचने में हमें पूरे दस मिनट लग गए। इस पार्क में रात में खो जाने वाला कोई भी व्यक्ति शायद सुबह होने तक कभी न मिले।

हम आखिरी पहाड़ी पर रुक गए और नीचे मैदान की ओर देखने लगे, जिस पर

लॉन्गलीट नामक शानदार महल खड़ा था, मानो यह अरेबियन नाइट्स की कहानियों के किसी लुभावने दृश्य जैसा लग रहा हो।

इस महल का नाम इसके परिसर से होकर बहने वाली छोटी नदी लॉन्गलीट के नाम पर रखा गया है। यह महल चार सौ वर्षों तक थिन परिवार का निवास स्थान रहा है। इसका निर्माण मूल रूप से 1580 से पहले सर जॉन थिन द्वारा करवाया गया था, जो वर्तमान मार्क्वेस ऑफ बाथ के पूर्वज थे। उनका चित्र—जिसमें एक दृढ़ निश्चयी व्यक्ति को मजबूत माथे और उस समय के विशिष्ट गहरे रंग के परिधान में, ऊंचे कॉलर के साथ दर्शाया गया है—कई अन्य पारिवारिक चित्रों के साथ कई दीर्घाओं और गलियारों में प्रदर्शित है। आकार और भव्यता में वर्साय के समान, लॉन्गलीट परिवार द्वारा वर्षों से एकत्रित कला खजानों से भरा हुआ था। बाद में, मुख्य रूप से चार्ल्स द्वितीय के समय तक, इस विशाल भवन में किए गए अतिरिक्त निर्माणों ने इसे एक अलौकिक रूप दिया है, जो ग्रामीण परिवेश की हरियाली के बीच उत्कृष्ट सभ्यता का एक अद्भुत उदाहरण प्रतीत होता है।

लेकिन लॉन्गलीट का विशाल क्षेत्र ऐसा था कि हमें खुद को केवल उन्हीं क्षेत्रों तक सीमित रखना पड़ा जो भूतिया माने जाते थे।

जब हम पहुँचे, तो लॉर्ड बाथ के मिलनसार जनसंपर्क अधिकारी और उनके तीस वर्षीय बेटे, लॉर्ड क्रिस्टोफर थिन, नीचे की शानदार सीढ़ियों के दाईं ओर स्थित विशाल ड्राइंग रूम-लाइब्रेरी में पहले से ही इंतज़ार कर रहे थे। सबसे विचित्र दृश्य जिसने मेरा ध्यान खींचा, वह था खाली सोडा की बोतलों के ढेर जो एक दीवार के सहारे करीने से रखे हुए थे, लेकिन पर्यटक प्यासे तो होते ही हैं, और वहाँ इतने सारे पर्यटक थे!

जब हम मार्क्विस ऑफ बाथ के आने का इंतज़ार कर रहे थे, तब लॉर्ड थिन ने परिवार की पुरानी आया से हमारा परिचय कराया। वह नर्स कई सालों से बाथ परिवार के बच्चों की देखभाल करती आ रही थी और उसने कई बार भूत देखे थे—या कम से कम उनमें से एक को तो ज़रूर देखा था। अब सत्तर साल की हो चुकीं नर्स मिस मार्क्स महल में कैरोलिन नाम की छोटी बच्ची की कई तस्वीरों को देखती थीं और उनके बारे में बातें करती थीं।

अक्सर, जब वह किसी कमरे में खड़ी होती, तो ऊपर देखती और उसे अपने सामने एक आदमी खड़ा दिखाई देता।

“एक लंबा, विद्वान दिखने वाला आदमी,” नर्स ने कहा, “चल रहा था और ऐसा लग रहा

था जैसे कुछ पढ़ रहा हो। मैंने केवल उसकी पीठ देखी और उसके गले में एक ऊँचा कॉलर था; उसके किनारे साफ़ दिखाई दे रहे थे। मैंने कहा, 'शायद ये दादाजी हैं। क्या हम जल्दी से उनसे बात करें?' हम उसके पीछे कमरे में गए, लेकिन जब हम आखिरी दरवाजे पर पहुँचे, जो बंद था, तो वह वहाँ नहीं था!''

''मैंने इस बारे में कुछ नहीं सोचा; मैंने इसे कई बार देखा, और फिर अंत में, मुझे लगा कि यह कोई इंसान नहीं है। मैंने इस बारे में किसी से बात नहीं की, लेकिन मुझे पता था कि यह मेरे प्रति दोस्ताना व्यवहार करता था। मुझे इस व्यक्ति को देखना अच्छा लगता था, यहाँ तक कि यह पता चलने के बाद भी कि यह सिर्फ एक भूत था।''

''क्या वह सचमुच कभी तुम्हारी आँखों के सामने गायब होकर शून्य में विलीन हो गया था?'' मैंने पूछा।

नर्स ने ज़ोर से सिर हिलाया। "हाँ, वह वहीं था, और जैसे ही मैं दरवाजे पर पहुँची, वह एकदम गायब हो गया। बिल्कुल पिघल गया।"

"क्या उनकी पोशाक में कुछ असामान्य था?"

"जो बात असामान्य थी, वह यह उभरा हुआ कॉलर था। लोग इस तरह के कॉलर नहीं पहनते।"

"तुम्हें क्या लगता है कि यह भूत कौन है?"

"मुझे पता नहीं है।"

शायद मिस मार्क्स को अपने मालिक के परिवार के किसी सदस्य पर भूत होने का आरोप लगाना अपमानजनक लगा हो, लेकिन उनके द्वारा दिया गया विवरण, और हाल ही में घर का दौरा करने वाले भविष्यवक्ता टॉम कॉर्बेट द्वारा दिया गया विवरण, लॉन्गलीट के निर्माता सर जॉन थिन के रूप से काफी हद तक मेल खाता है। यह देखते हुए कि थिन का अपने समय में करियर उतार-चढ़ाव भरा रहा था और वे एक बेहद जिद्दी व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे, यह पूरी तरह से असंभव नहीं लगता कि उनका भूत अभी भी उनके घर में इसलिए देखा जा रहा है क्योंकि वे इसे अपने साथ ले जाना चाहते थे, और अपने से पहले के कई लोगों की तरह इसमें असफल होने पर, इसे जाने देने के बजाय इसके साथ रहने का विकल्प चुना।

मैंने पूछा, "मिस मार्क्स, आपने इस प्रेत को कितनी बार देखा?"

"जब भी मैं शाम को रेड लाइब्रेरी से गुजरता था, लगभग सात से आठ बजे के बीच। तब भी कुछ रोशनी रहती थी।"

मैंने वृद्ध नर्स को धन्यवाद दिया और हमारे साथ आए मार्क्विस ऑफ बाथ का अभिवादन किया। वे हमें ऊपर उस प्रेतवाधित गलियारे में ले गए, जहाँ अब कालीन भी नहीं थे। यह लंबा, संकरा मार्ग थिन परिवार के कुछ सदस्यों के सोने के कमरों के समानांतर चलता है, और यहीं पर भविष्यवक्ता टॉम कॉर्बेट ने भी एक भूत का अनुभव किया था।
मैंने लॉर्ड बाथ से गलियारे के बारे में सवाल किया।
“इसी गलियारे में,” लॉर्ड बाथ ने बोलना शुरू किया, “मेरे पूर्वजों में से एक, द्वितीय विस्काउंट वेमाउथ ने द्वंद्वयुद्ध लड़ा था, क्योंकि उन्हें पता चला था कि उनकी पत्नी, जिनका नाम उनसे शादी से पहले लुईसा कार्टरेट था, उनके प्रति बेवफा थीं। उन्होंने उन्हें ऐसी हालत में पाया कि उन्हें लगा कि जिस आदमी के साथ वह थीं, उससे द्वंद्वयुद्ध करना चाहिए। उन्होंने गलियारे में ही द्वंद्वयुद्ध लड़ा और उस आदमी को मार डाला, जिसके बाद उन्होंने उसे तहखाने में दफना दिया। छह साल पहले जब नीचे बॉयलर लगाया जा रहा था, तब गलती से उनका कंकाल मिल गया।”
"क्या इस मृत प्रेमी के कंकाल से जुड़ी किसी भूतिया घटना की कोई रिपोर्ट मिली है?"
“नहीं, कंकाल के बारे में तो कुछ भी नहीं,” लॉर्ड बाथ ने कहा, “लेकिन लोगों ने लुईसा कार्टरेट का भूत देखा है, जो इस गलियारे में अपने प्रेमी की हत्या होने पर बहुत दुखी हुई थी।”
क्या आपने कभी भूत देखा है?
“नहीं, मुझे डर है कि ऐसा नहीं है। मेरे पास वह शक्ति नहीं है। लेकिन मेरी माँ ने नीचे स्थित लाल पुस्तकालय में भूत देखा था। लेकिन यह वाला नहीं।”
"क्या यहां आने वाले कई आगंतुकों में से किसी ने कभी भूत देखने या किसी असामान्य घटना का अनुभव करने की सूचना दी है?"
"खैर, उन्होंने ऐसा नहीं किया है, लेकिन मुझे यह भी कहना होगा कि आगंतुकों को घर के उस हिस्से में कभी नहीं ले जाया जाता जहां भूत रहते हैं।"
मैंने लुइसा के चित्र को ध्यान से देखा। वह सचमुच किसी द्वंद्वयुद्ध के लिए उपयुक्त थी —मनमोहक युवा चेहरा, खूबसूरत आंखें, हरे रंग की पोशाक में दुबली-पतली।
मैंने मार्क्विस से बात करके एक ट्रान्स मीडियम को साथ लाने का इंतज़ाम किया है ताकि हम लुइसा को उसके पति या प्रेमी, दोनों में से किसी एक के साथ मिलाने की कोशिश कर सकें—जो भी उसे पसंद हो। आखिर एक प्रेत महिला को भी अपना मन बदलने का अधिकार है।

हम भूखे पेट लेकिन इतने शानदार भूतिया घर को देखकर अत्यधिक संतुष्टि के साथ लॉन्गलीट से रवाना हुए।
दो बज चुके थे, और अगर आपने कभी इंग्लैंड के प्रांतों में तय समय के एक मिनट बाद दोपहर का खाना पाने की कोशिश की है, तो आप जानते हैं कि क्या हाल होता है। किसी छोटे चील के बच्चे को गंजे सिर वाले चील से बचाना या मॉस्को में स्टॉक एक्सचेंज खोलना, किसी अंग्रेज सराय मालिक को यह समझाना कहीं ज़्यादा मुश्किल है कि सवा दो बजे खाना परोसना अच्छी मेहमाननवाज़ी के खिलाफ नहीं है। आखिरकार हमें खाना मिल गया, और हम फिर से चल पड़े, इस बार हमारा रास्ता शेरबोर्न नामक कस्बे की ओर था, जो दक्षिण की ओर, डोरसेट के ब्लैक मूर के पास स्थित था।
इस यात्रा का कारण वह जानकारी थी जो मुझे पिछली रात मेरे पुराने मित्र, टेलीविजन स्टार और लेखक माइकल बेंटाइन की पत्नी क्लेमेंटिना बेंटाइन से मिली थी। माइकल और क्लेमेंटिना कई वर्षों तक डोरसेट के होल्वेल मनोर में रहते थे, लेकिन लंदन से दूरी के कारण माइकल के लिए वहां रहना अव्यवहारिक हो गया था। यह मनोर क्लेमेंटिना के परिवार की संपत्ति थी और उनकी दादी मिन्नी गैडेसन ने उन्हें विरासत में दी थी।
बॉर्नमाउथ रोड पर स्थित इस मनोर में एक पुजारी का गुप्त स्थान था और मूल रूप से इसे राजा जॉन के लिए एक शिकारगाह के रूप में बनाया गया था। यह मनोर भूतिया माना जाता था। उस समय के मालिक, जो घर को अपनी जरूरतों के अनुसार पुनर्निर्मित करवा रहे थे, श्री और श्रीमती हैरी डिग्बी थे, जो एक दयालु ग्रामीण जमींदार और उनकी व्यावहारिक पत्नी थीं।
कुछ कठिनाई के साथ हम होल्वेल की ओर बढ़े, लेकिन दोपहर लगभग चार बजे वहाँ पहुँचने में कामयाब रहे। यह घर एक पुराने खाई के पीछे, काफी बड़े भूभाग पर बना हुआ है, और यह उन प्राचीन ग्रामीण घरों में से एक था जो इंग्लैंड के दक्षिणी भाग में अक्सर पाए जाते थे। ऊपर के शयनकक्ष से एक बगीचा दिखाई देता था जिसकी शुरुआत तेरहवीं शताब्दी में राजा जॉन के समय में हुई थी, लेकिन घर का अधिकांश भाग सोलहवीं शताब्दी के ट्यूडर काल का था।
मेरी पत्नी कैथरीन और मैंने अनगिनत तस्वीरें और वीडियो लिए, लेकिन उनमें से किसी में भी भूत नहीं दिखा। लेकिन तब तक घर इतना जर्जर हो चुका था कि कोई भी स्वाभिमानी प्रेत मजदूरों के औजारों से टकराने के डर से उन परिचित रास्तों पर चलने से बचता।

अगली शाम, जब हम एशर, सरे में बेंटाइन परिवार के घर पर उनसे मिलने गए, क्लेमेंटिना द्वारा तैयार किए गए एक शानदार भोजन के बाद, हमने होल्वेल मनोर में रहने के दौरान उनके अनुभवों पर चर्चा करना शुरू किया।

मैंने आखिरकार कहा, "क्लेमेंटिना, तुमने वास्तव में क्या सुना?"

“हाँ, मुझे गलियारे में दादी के कदमों की आहट सुनाई देती थी, और मुझे पूरा यकीन था कि वो उन्हीं के कदम हैं। उनकी मृत्यु से लगभग एक साल पहले, उनकी कूल्हे की हड्डी टूट गई थी, और उन्हें छड़ी के सहारे फिर से चलना सीखना पड़ा था। उनके कदमों की आहट कुछ अलग ही थी। मैं दिन या रात के अजीब-अजीब समय पर यह आवाज़ सुनता था।”

"आपका मतलब है, उनकी मृत्यु के बाद?"

“हां, बिल्कुल। मुझे हमेशा से लगता था कि अगर मैं हिम्मत करके दरवाजे तक दौड़ कर उसे खोल दूं, तो मुझे वह मिल जाएगी।”

"क्या तुमने?"

नहीं, मैं बहुत बड़ा कायर हूँ और मैंने ऐसा कभी नहीं किया।

"लेकिन क्या आपने ये कदमों की आहट एक से अधिक बार सुनी?"

“हाँ, मैं अक्सर उसकी आवाज़ सुनता था। इसका कोई कारण समझ में नहीं आता था। कभी-कभी जब मैं लोगों के साथ होता था, और कभी-कभी अकेले। बेशक, पक्का कहना मुश्किल है, क्योंकि पुराने घर से बहुत चरमराहट और आवाज़ें आती हैं।”

“लेकिन घर छड़ी लेकर नहीं चलता,” मैंने बीच में टोकते हुए कहा।

क्लेमेंटिना हंस पड़ी। "नहीं, यह सच है।"

"क्या होल्वेल मनोर में कोई अन्य घटना घटी है?"

“वैसे, नौकरानियाँ कहती थीं कि उन्हें अक्सर अपने रास्ते में कोई भिक्षु घूमता हुआ मिल जाता था। मुझे नहीं पता कि वे थोड़ी घबराई हुई थीं या उन्होंने सचमुच किसी भिक्षु को देखा था। खैर, वे जोर-जोर से चिल्लाती थीं।”

“माइकल, मुझे पता चला है कि आपका भी एक भिक्षु के साथ अनुभव रहा है। क्या मैं सही हूँ?”

“जी हां, घर की सबसे ऊपरी मंजिल पर। उस समय मुझे साधु के बारे में कुछ भी पता नहीं था। अचानक मुझे बहुत तेज ठंड लगने लगी। फिर, मेरी नजर के कोने से मुझे भूरे रंग का एक वस्त्र दिखाई दिया, और मुझे किसी दूसरे इंसान की मौजूदगी का एहसास

हुआ। मैं वहां से जान बचाकर भागा!"
"क्या होल्वेल के प्रारंभिक इतिहास में कभी वहां भिक्षु रहे हैं?"
इंग्लैंड में जेसुइट्स के उत्पीड़न के दौरान, होल्वेल ने दीवारों में एक पादरी के छिपने का स्थान बनवाया था। क्रॉमवेल के शासनकाल में गृहयुद्ध के दौरान इसका फिर से उपयोग किया गया। कैवेलियर्स ने इसे छिपने के स्थान के रूप में इस्तेमाल किया। मुझे पता चला है कि वर्तमान मालिक इस गुप्त कमरे को ढूंढने और इसे बाथरूम में बदलने की कोशिश कर रहे हैं।
"क्या होल्वेल में कोई और भी असामान्य प्रकृति की चीज है?"
"रात में गलियारे लगातार ठंडे रहते हैं। यह सिर्फ पत्थरों की ठंडक नहीं है। दरअसल, डोरसेट में इस्तेमाल किए गए पत्थर दिन के दौरान बहुत अधिक गर्मी सोख लेते हैं, इसलिए रात में गर्मी होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं होता। मैंने गौर किया है कि रात में बाथरूम जाने के लिए उठते समय—हालांकि मैं यह भी कहना चाहूँगी कि बहुत अनिच्छा से—एक बहुत लंबे गलियारे के अंत में, काफी हिम्मत की जरूरत पड़ती है, क्योंकि ऐसा लगता है जैसे आप बहुत सारे लोगों के बीच से गुजर रहे हों।"
हम होल्वेल मनोर से निकलकर ब्रिस्टल चैनल की ओर वापस चल पड़े, जो कुछ घंटों की दूरी पर था। दरअसल, हमारे ड्राइवर को संदेह था कि हम सोने के समय तक वहाँ पहुँच पाएँगे, लेकिन मुझे पूरा भरोसा था कि हम पहुँच जाएँगे। मेरा शेड्यूल बस एक घंटे आगे-पीछे था, और इसे संभाला जा सकता था। हमारा अगला पड़ाव ग्लास्टनबरी एबे था, जिसे पूरे इंग्लैंड का सबसे पवित्र स्थान कहा जाता है, क्योंकि यहाँ राजा आर्थर और रानी गुइनवेरे की समाधि है, साथ ही वह चमत्कारी वृक्ष भी है जिसे कथित तौर पर अरिमथिया के जोसेफ ने लगाया था। ग्लास्टनबरी में रुकने को दिलचस्प बनाने वाली बात यह थी कि बॉन्ड नामक एक मानसिक शक्ति वाले व्यक्ति ने एबे की पुनः खोज की थी, जो हेनरी अष्टम के शासनकाल में विघटन काल के दौरान जलकर राख हो जाने के बाद पूरी तरह से खंडहर में तब्दील हो गया था। वर्षों तक, भव्य गिरजाघर की दीवारें घास के नीचे दबी रहीं, जब तक कि एक संदेशवाहक, जिसने खुद को "ग्लास्टनबरी के भिक्षुओं में से एक" बताया, ने स्वचालित लेखन के माध्यम से बॉन्ड को बताया कि एबे कहाँ है और वहाँ क्या देखने को मिलेगा। उन्होंने लेआउट का बहुत विस्तृत विवरण दिया, जो विद्वान बॉन्ड के आग्रह पर अंततः एबे की खुदाई के दौरान सही साबित हुआ। ग्लास्टनबरी से हम समुद्र की ओर बढ़ते रहे। सात बजे, यानी दो घंटे की देरी से, हम

आखिरकार अपनी मंज़िल पर पहुँचे, जो बैनवेल नाम का एक छोटा सा कस्बा था, जहाँ एक भूत मेरा इंतज़ार कर रहा था।

यह सब तब शुरू हुआ जब कैलिफोर्निया निवासी डिक सिमोंटन हमसे मिलने आए और उन्होंने हमें बैनवेल एबे में अपने अनुभवों के बारे में बताया। श्री सिमोंटन संचार क्षेत्र में एक कार्यकारी अधिकारी थे और उनकी अवलोकन क्षमता बहुत गहरी थी, इसलिए मैंने उनकी बात ध्यान से सुनी जब उन्होंने हमें एबे की अपनी यात्रा के बारे में बताया, जो उस समय स्टेला और जिम हॉथोर्न की संपत्ति थी, जिन्होंने बाद में इसे बेच दिया। डिक को चैपल का वह क्षेत्र भूतिया सा लगता था, और उन्होंने उस गुंबददार कमरे में खड़े होकर अपने अजीबोगरीब अनुभवों के बारे में बताया।

एब्बे को तीन अपार्टमेंट में विभाजित किया गया था, जिनमें अब क्रमशः अल्बर्ट रसेल, इयान मैकडॉनल्ड और श्री मार्टिन रहते हैं। अल्बर्ट रसेल ने ही मेरे आने के अनुरोध का अत्यंत सौहार्दपूर्ण ढंग से जवाब दिया।

उन्होंने लिखा, "बारह साल पहले, स्थानीय अखबार ने बैनवेल एबे में मौजूद भूतों पर एक लेख प्रकाशित किया था। लेकिन आप जरूर आइएगा।"

इस कस्बे की कई पुरानी इमारतों के बीच से हमें एबे को पहचानने में थोड़ी दिक्कत हुई, लेकिन आखिरकार हम एबे की इमारतों से घिरे प्रांगण में पहुँच गए। श्री रसेल ने हमारा स्वागत किया और हमें एबे के उस हिस्से में ले गए जो उनका था।

रसेल परिवार यहां नौ साल से रह रहा था और जब उन्होंने घर का अपना हिस्सा संभाला, तो उन्हें किसी भी भूतिया घटना के बारे में कुछ भी पता नहीं था।

आंगन के उस पार एक बहुत पुरानी इमारत थी, जो मूल रूप से उस समय कोचवान का घर हुआ करती थी जब यहाँ बिशप रहते थे। श्री रसेल ने इसे कार्यशाला में बदल दिया था। ऊपरी मंजिल तक जाने के लिए एक थोड़ी जर्जर सीढ़ी चढ़नी पड़ती है, जहाँ केवल दो नंगे बिजली के बल्बों से रोशनी होती है। ऊपर की बीम बहुत मजबूत थीं, लेकिन सदियों से धूप में रहने के कारण काली पड़ गई थीं।

हम पूर्व कोच हाउस में खड़े थे, और श्री रसेल ने मुझे एक भयावह अनुभव के बारे में बताना शुरू किया जो छह महीने पहले यहीं उनके साथ घटित हुआ था।

“मैं इस इमारत के एक छोर से अंदर गया और लाइट जला दी। फिर मैं लकड़ी की सीढ़ियों से ऊपर वाले कमरे में चला गया। मैंने उस कमरे में लाइट नहीं जलाई, बल्कि उसमें से होकर गुजरा—जैसा कि आप देख सकते हैं, यह काफी लंबा कमरा है—और

फिर इस कमरे के आखिर वाले कमरे में गया, जहाँ मैंने लाइट जला दी। मैंने अपनी बेंच पर कुछ लकड़ी रखी और उस पर काम करने की तैयारी कर रहा था, तभी मुझे साफ-साफ भारी कदमों की आवाज सुनाई दी जो उसी सीढ़ी से ऊपर आ रही थी जिससे मैं अभी-अभी ऊपर आया था!''

“मैं तुरंत दरवाजे की ओर गया, इस उम्मीद में कि अंधेरे कमरे के दूसरे छोर पर दरवाजे में कोई दिखाई देगा, लेकिन कोई नहीं था, इसलिए मैं तुरंत कमरे से होते हुए सीढ़ियों की ओर चला गया। सीढ़ियों पर कोई नहीं था, और नीचे वाले कमरे में भी कोई नहीं था। मैं सीढ़ियों से नीचे भागा, आंगन में निकला, और मैंने दोनों तरफ और पूरे आंगन में देखा, लेकिन वहां कोई नहीं था। मैं इसका कारण नहीं बता सकता।''

“क्या वे किसी पुरुष के पदचिह्न थे?''

"हां, काफी भारी है।"

"क्या आपको यकीन है कि यह कोई मानव घुसपैठिया नहीं था?"

“असंभव। बाहर कोई कार या अन्य वाहन नहीं था।''

हम आंगन पार करके मुख्य घर में गए, जहाँ हम एक आरामदायक चिमनी के सामने बैठ गए। सितंबर का महीना था, लेकिन आग जल रही थी; यह उन अंग्रेज़ी रातों में से एक थी जब इसकी गर्माहट वाकई बहुत ज़रूरी थी। "मुझे पता चला है कि यहाँ एक भूतिया सीढ़ी है," मैंने कहना शुरू किया।

मुझे बस इतना पता है कि वहाँ एक पत्थर की सीढ़ी है और उसके ऊपर एक पुजारी का छिपने का स्थान है।

क्या आपने इसमें कुछ असामान्य देखा है?

"नहीं, इमारत का वह हिस्सा मेरे पड़ोसी श्री मैकडॉनल्ड का है।"

हम उठे और मैकडॉनल्ड्स से मिलने बगल वाले घर गए, जिन्होंने उत्सुकता और गर्मजोशी से हमारा स्वागत किया। वे रसेल परिवार से कुछ छोटे थे, शायद तीस के दशक के अंत में, और श्री मैकडॉनल्ड उस क्षेत्र से संसद के लिए उदारवादी उम्मीदवार थे।

अब हम उस पुराने चैपल में खड़े थे जो मूल मठ के ऊपर बनाया गया था। इमारत का यह हिस्सा पंद्रहवीं शताब्दी का था।

"तो क्या यह वही वास्तविक गिरजाघर है जिसमें सैकड़ों वर्षों तक पूजा-पाठ किया जाता था?"

“जी हां, बिल्कुल सही,” श्री मैकडॉनल्ड ने कहा और पैनल वाले कमरे के चारों ओर बनी गॉथिक शैली की चर्च की खिड़कियों की ओर इशारा करते हुए कहा, “हमने ऊपरी हिस्से को अपना शयनकक्ष और निचले हिस्से को बैठक कक्ष बना दिया है।”
उदारवादी होने के नाते, इयान मैकडॉनल्ड को चैपल में सोने से जरा भी परेशानी नहीं हुई।
मैंने कहा, "भूत का क्या हुआ?"
“एक बिशप की कहानी प्रचलित है जिनकी मृत्यु यहीं हुई थी और एक अन्य बिशप उनसे मिलने आए थे, जिनकी भी आते ही मृत्यु हो गई थी। कहा जाता है कि ये दोनों बुजुर्ग बिशप समय-समय पर इस मठ में घूमते हैं। मैंने उनमें से किसी को भी कभी नहीं देखा।”
काफी रात हो चुकी थी, और मैं मैकडॉनल्ड्स और रसेल परिवार को आधी रात तक जगाए रखना नहीं चाहता था, क्योंकि आधी रात का समय नजदीक आ रहा था। मुझे लग रहा था कि वे हमें जाते हुए देखकर दुखी होंगे, क्योंकि हमने इतनी दूर एक अनोखी खोज पर आकर इस दूरदराज के स्थान पर मानो एक नई सी उमंग भर दी थी।
हम आगे बढ़ते हुए वेस्टन सुपर मारे नामक एक समुद्रतटीय कस्बे में पहुँचे, जहाँ हमने रात बिताई।
अगली सुबह हमने घर की लंबी यात्रा शुरू की। हमारा पहला पड़ाव बाथ-ब्रिस्टल मार्ग पर स्थित छोटे से कस्बे कीनशॉ में सोलहवीं सदी का एक घर था। एल्सब्रिज नामक यह घर अब काउंटी की एक सामाजिक सेवा एजेंसी के कब्जे में था, लेकिन पहले यह बोलियू के कर्नल और श्रीमती गोर-ब्राउन का था।
पिछले विश्व युद्ध के दौरान, मार्गरेट गोर-ब्राउन यहाँ एक सहायक इकाई की प्रभारी के रूप में रहती थीं, जो ज़रूरतमंद लोगों या युद्ध के कारण बेघर हुए लोगों की सेवा करती थी। तभी उन्होंने घर में कुछ अजीबोगरीब चीज़ देखी, खासकर घर के ठीक बीच में स्थित ऊपरी मंज़िल तक जाने वाली बड़ी सीढ़ी में। उन्हें हर समय ऐसा लगता था कि लोग घर आते हैं, उस सीढ़ी पर ऊपर-नीचे चलते हैं, कुछ दुखी होते हैं और फिर कभी वापस नहीं जाते। उन्हें एक बच्चे के रोने की आवाज़ भी सुनाई देती थी, जबकि वहाँ कोई बच्चा नहीं होता था। मुख्य माली हम्फ्री ने भी ऐसे ही कुछ अजीब अनुभवों को साझा किया। श्रीमती गोर-ब्राउन ने पुराने घर के बारे में पूछताछ की और पता चला कि चार्ल्स प्रथम और संसद की सेनाओं के बीच हुए गृहयुद्ध के दौरान यह घर एक अस्पताल

के रूप में इस्तेमाल किया गया था। उन्हें उन सीढ़ियों पर ऊपर-नीचे जाते हुए जो लोग दिखाई देते थे, वे पास के युद्धक्षेत्र से आए घायल सैनिक थे!

हम अपने अगले पड़ाव, प्राचीन शहर बाथ की ओर बढ़े, जो रोमन काल से ही धनी और प्रसिद्ध लोगों के लिए एक स्पा और मनोरंजन स्थल के रूप में जाना जाता था। हालाँकि, हमें वहाँ आकर्षित करने वाली चीज़ न तो वहाँ का सुहावना मौसम था और न ही वहाँ की प्रसिद्ध रीजेंसी इमारतें। मुझे आकर्षित करने वाली चीज़ अखबार में छपी एक ऐसी खबर थी जिसमें अजीबोगरीब घटनाओं का जिक्र था, जिनमें भूत-प्रेत की घटनाओं के सभी संकेत थे—या यूँ कहें कि भूत-प्रेत जैसी हरकतें करने वाले किसी भूत के। भूत-प्रेत 18वीं सदी के उस सराय में दहशत फैला रहे हैं, जिसे एक भूलभुलैयानुमा जुआघर से पुनर्निर्मित किया गया है।

मेहमानों ने बताया कि एक पार्टी के दौरान उन रहस्यमयी शक्तियों ने कमरे में एक गिलास फेंक दिया (गिलास टूटा नहीं, लेकिन पार्टी खत्म हो गई), एक गुप्त रास्ते से चरमराते कदमों की आहट सुनाई दी (धूल से ढकी फर्श पर भागते हुए मेहमान के अलावा किसी के पैरों के निशान नहीं मिले) और एक बुजुर्ग महिला को बुरी तरह डरा दिया।

उस महिला ने, जिसने कहा कि वह एक आत्मा और एक अभिनेता के बीच अंतर बता सकती है क्योंकि उसका बेटा एक अभिनेता है, ने बताया कि उसने एक भारी जबड़े वाले व्यक्ति को जॉर्जियाई पोशाक और एक लंबी, घनी भूरी विग पहने हुए देखा। गैरिक हेड नामक सराय में ठहरे एक अन्य अतिथि ने भी उस रात्रिकालीन आगंतुक को देखा, जो उस समय एक गुप्त सुरंग में प्रवेश कर रहा था। यह घटना सराय के मालिक के बेटे हेनरी बैरन फॉक्स ने दर्ज कराई, जो एक पूर्व समुद्री कप्तान और रॉयल एयर फोर्स स्क्वाड्रन लीडर थे।

एक अन्य लेख में यह भी बताया गया कि गलियारे की घनी धूल में, जहाँ कदमों की आवाज़ सुनाई दी थी, कोई पदचिह्न नहीं दिखाई दिए! यह मेरे लिए काफी प्रेरणा थी, इसलिए हम गैरिक हेड इन तक गए, जो अब एक सराय नहीं बल्कि एक बार था, जो मुख्य रूप से बगल के थिएटर से जुड़े लोगों और आसपास के अन्य निवासियों को सेवा प्रदान करता था।

एक नए मालिक ने हमारा स्वागत किया, जिनका नाम बिल लाउड था, जो लगभग चालीस वर्ष के थे और मृदुभाषी थे। उन्होंने कुछ समय पहले ही श्री फॉक्स से व्यवसाय

खरीद लिया था।
उस बार में, जो रहस्यमयी घटनाओं का केंद्र था, कई बदलाव किए गए हैं, जिनमें एक दीवार का वह हिस्सा भी शामिल है जहाँ पहले ऊपर जाने वाली सीढ़ियाँ हुआ करती थीं। अठारहवीं शताब्दी में जब जुए के बादशाह ब्यू नैश इस जगह के मालिक थे, तब सराय और बगल के थिएटर को जोड़ने वाले रास्ते अब पहले जैसे नहीं रहे।
ऊपर एक खिड़की थी जिसे बंद रखना किसी तरह मुश्किल था। एक परंपरा थी कि एक महिला ने उस खिड़की से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। वह एक "ग्रे रंग की महिला" थी जिसे कई अभिनेताओं और अभिनेत्रियों ने दर्शकों से काफी ऊपर एक बॉक्स में बैठे देखा था। मैं सोच रहा था कि क्या थिएटर रॉयल का भूत मिस्टर लाउड की परेशानियों के लिए जिम्मेदार था।
बार में आधे लोग बीयर या कोई और पेय पी रहे थे और बिल लाउड उन्हें पेय परोसने के बीच मेरे सवालों के जवाब दे रहे थे।
“जब हम यहाँ आए थे, तब हमने इस भूत के बारे में सुना था और मुझे इस पर यकीन नहीं था। लेकिन पहले दो महीनों के भीतर ही, सबसे पहले कैश काउंटर से गिरकर एक कुर्सी को तोड़ दिया—”
"क्या आपका मतलब है कि यह भारी कैश रजिस्टर अपने आप उड़ गया? क्या आपने इसे देखा?"
“हां, मैंने किया। मैं बार में काम कर रहा था और कैश काउंटर के पास कोई भी नहीं था।”
मैं ध्यान से सुन रहा था।
"इस कैश रजिस्टर का वजन लगभग साठ-सत्तर पाउंड है," श्री लाउड ने जोर देकर कहा।
"और यह सब अच्छी रोशनी में हुआ?"
"ओह, हाँ, रविवार की सुबह सवा बारह बजे। लगभग एक साल पहले की बात है।"
"क्या कुछ और भी असामान्य है?"
बिल लाउड ने एक पल सोचा।
"ओह, हमने रात में आवाजें सुनी हैं, लोगों के चलने की आवाजें, इस तरह की चीजें," उसने अंत में लापरवाही से कहा, मानो अदृश्य लोगों का इधर-उधर घूमना दुनिया की सबसे स्वाभाविक बात हो।

"जब आपने जाँच की तो वहाँ कोई नहीं था?"
"किसी को भी नहीं।"
“क्या आप इसी इमारत में रहते हैं?”
“ओह, हाँ। पिछले दो साल से।”
"उन लगातार सुनाई देने वाली पदचाप के अलावा, क्या आपने कुछ और ऐसा देखा है जिसे आप सामान्य तरीके से समझा नहीं सकते?"
“दो बार जब मैं तहखाने से गुज़रा, तो कोई चीज़ आकर मेरे सिर के पिछले हिस्से को सहलाने लगी। मुझे लगा कि मकड़ी के जाले हैं, लेकिन ज़ाहिर है ऐसा नहीं था। यह सचमुच हास्यास्पद है। और हाँ, तहखाने में भी कभी-कभी इत्र की खुशबू आती है।”
“तो ऐसा लगता है कि आपके पास एक महिला भूत है?”
"जैसा कि आप जानते हैं, यह कभी एक जुआघर हुआ करता था जिसे ब्यू नैश नाम का एक प्रसिद्ध व्यक्ति चलाता था, जिसने बाथ को आज का स्वरूप दिया। यह अठारहवीं शताब्दी की बात है। वह लंदन से सभी रईसों और रईसों को यहाँ बुलाता था ताकि वे यहाँ आकर जुआ खेल सकें।"
“एक बार उस जगह पर झगड़ा हुआ जिसे अब बार कहा जाता है, लेकिन उन दिनों वह एक निजी घर हुआ करता था। मेरा मानना है कि दो आदमियों के बीच एक औरत को लेकर द्वंद्वयुद्ध हुआ और एक आदमी मारा गया। दूसरा आदमी जाहिर तौर पर अपना इनाम लेने के लिए सीढ़ियों से ऊपर भागा। औरत ने उसे आते हुए सुना और अपने शयनकक्ष के दरवाजे पर फांसी लगा ली! यह बिल्कुल सच है; उसने सचमुच फांसी लगा ली थी। मुझे नहीं पता कि उस औरत का भूत इस जगह पर भटकता है या उस मारे गए आदमी का।”
"इस घर में बगल वाले थिएटर से जुड़ने वाला एक दरवाजा हुआ करता था, और थिएटर में एक रहस्यमयी 'धूसर महिला' है।"
"तो क्या आपको लगता है कि उन दोनों के बीच कोई संबंध है?"
“ज़रूर होंगे; इमारतें पहले आपस में जुड़ी हुई थीं।”
"आपके अलावा, क्या किसी और को भी इस इमारत में ऐसे अनुभव हुए हैं?"
"जैसा कि आप जानते हैं, पिछले मकान मालिक, श्री बैरन फॉक्स, अक्सर कदमों की आहट सुनते थे। कई ग्राहकों ने भी ऐसी आवाज़ें सुनी हैं, खासकर कदमों की आहट। मुख्य रूप से बार में, तहखाने में और साथ ही उस आवासीय लाउंज में जो पहले जुआघर

हुआ करता था। हमारे यहाँ एक पत्रकार रुका हुआ था और उसने बहुत कुछ सुना।"
मैंने वादा किया, "मैं इस बारे में पता लगाऊंगा, लेकिन मुझे बताओ, क्या तुम्हें यहां भूत होने से डर लगता है?"
"नहीं, बिलकुल नहीं, यह तो एक दोस्ताना भूत है, असल में - कैश काउंटर को छोड़कर।"
मैंने बिल लाउड से विदा ली और पत्रकार की खबर की जाँच की। यह खबर ब्रिस्टल के वेस्टर्न डेली प्रेस में 5 जुलाई, 1963 को प्रकाशित हुई थी। पत्रकार जॉन डुलर भूतिया आवाज़ें सुनने के लिए सराय में ही रुके थे।
रात में होने वाली तेज़ और रहस्यमयी आवाज़ों की मैं पुष्टि कर सकता हूँ। ऐसा दो महीने पहले हुआ था, जब मैं उस पब में रुका हुआ था, भूत की कहानी सुनने से पहले। पहली मंज़िल के बैठक कक्ष में ऊंघते हुए मैं कई धमाकों से जाग गया। मैंने दस मिनट तक कमरे और बाहर गलियारे में खोजबीन की। लेकिन मुझे कुछ नहीं मिला सिवाय इसके कि आवाज़ें कमरे के एक कोने में लगे पैनल के पीछे से आती हुई प्रतीत हुईं।
बिल लाउड ने टोनी कॉर्नेल के नेतृत्व में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के परामानसिक विज्ञानियों के एक अध्ययन समूह से मदद मांगी। लेकिन भूत-प्रेत अपना कहर बरपाते नहीं थक रहे। एक महीने से भी कम समय पहले, थिएटर रॉयल में एक प्रदर्शन के दौरान मंच की बत्तियाँ मंद पड़ गईं और एक बड़ी घड़ी बज उठी—हालांकि उस समय स्विच के पास कोई नहीं था।
अगर "धूसर महिला" ने ऊपर की खिड़की से कूदकर आत्महत्या की और दूसरी महिला ने अपने दरवाजे से लटककर, तो वे एक ही भूत नहीं हो सकतीं। चूंकि फांसी के सबूत काफी पुख्ता हैं, इसलिए हम यह मान सकते हैं कि पुराने गैरिक हेड इन के गलियारों में वाकई कई प्रेत घूम रहे थे—और उस बदमाश को भी नहीं भूलना चाहिए जिसने यह सब गड़बड़ शुरू की थी!
सेंट फ्रांसिस होटल में शानदार दोपहर के भोजन के बाद हम लंदन की ओर आगे बढ़े। सड़क अब हमें बर्कशायर की पहाड़ियों से होते हुए, मार्लबोरो (चर्चिल परिवार का पैतृक निवास) से गुजरते हुए, केनेट घाटी के किनारे-किनारे टेम्स नदी के पास ग्रेट मार्लो तक ले गई।
यह ट्यूडर काल की सबसे बेहतरीन इमारतों में से एक थी, जिसे बिशम एबे कहा जाता था। यह कभी एक मठ हुआ करता था, लेकिन सोलहवीं शताब्दी के अंत में यह सर

थॉमस होबी और उनकी पत्नी एलिजाबेथ की संपत्ति बन गया। परंपरा के अनुसार, एक दिन एलिजाबेथ लंदन चली गईं, क्योंकि वह भूल गई थीं कि उन्होंने अपने बच्चे को सजा के तौर पर एक कमरे में बंद कर दिया था। जब वह लौटीं, तो बच्चा मर चुका था। कहा जाता है कि उनकी पश्चातापित आत्मा एबे में भटकती है, और उनके आगे एक बर्तन तैरता रहता है जिसमें वह अपने हाथों से अपने बच्चे का खून धोती रहती हैं।
अब यह इमारत शारीरिक मनोरंजन के लिए एक राष्ट्रीय मनोरंजन केंद्र है, और इसमें भव्य चिमनियों और ट्यूडर शैली के हॉल की भरमार है। वार्डन, श्री टेलर, जिन्होंने मुझे इमारत देखने की अनुमति दी थी, हमारे अप्रत्याशित आगमन पर अनुपस्थित थे। ऊपरी मंजिल पर एक कमरा लेने वाली कोषाध्यक्ष, श्रीमती सेसिली डी हावास ने हमें इमारत दिखाई।
कमरे में एक ऐसी दीवार थी जिसमें एक रहस्य छिपा था: लकड़ी के पैनल के पीछे अभी भी मूल ट्यूडर दीवार देखी जा सकती थी। यही वह स्थान था जहाँ लेडी होबी का भूत प्रकट हुआ था। मैंने श्रीमती डी हावास से इस बारे में पूछताछ की।
क्या आपने कभी इस कमरे में कुछ असामान्य देखा है?
"दिन भर लगातार आवाजें आती रहती हैं, कभी-कभी रात में भी, खटखटाने की आवाजें, कभी-कभी बहुत तेज, कभी-कभी मैं 'उनसे' रुकने के लिए कहता हूं, और वे रुक जाते हैं।"
"क्या ये उस तरह की आवाजें हैं जिन्हें प्राकृतिक तरीकों से समझाया जा सकता है?"
मुझे ऐसा नहीं लगता। वे फर्श के नीचे से या दीवारों के पीछे से प्रकट होते हैं।
"क्या यह वही प्रेतवाधित कमरा है जहां भूत समय-समय पर प्रकट होता रहा है?"
"हां यह है।"
श्रीमती डी हावास की उस महिला से कोई मुलाकात नहीं हुई थी। उन्हें बस खटखटाहट की आवाजें सुनाई दे रही थीं। मैंने दीवार और बिस्तर की जांच की। कुछ भी ढीला नहीं था, न फर्श की कोई लकड़ी, न ही कोई ऐसी चीज जिससे चरमराहट की आवाज आती हो या इस तरह की आवाजें उठती हों।
हम आगे बढ़ते गए, हर्ली से आगे, जहाँ "लेडी प्लेस" नाम का एक भूतिया घर है, जिसके बारे में कहा जाता है कि वहाँ एक प्रेतवाधित भिक्षु रहता था, और विंडसर कैसल से आगे, जहाँ भूत हो भी सकते हैं और नहीं भी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि कौन सही है - वह लाइब्रेरियन जो इन सब बातों से इनकार करता है, या वह परंपरा जो

कहती है कि वहाँ कुछ तो है जिसकी जाँच-पड़ताल की जानी चाहिए।
लेकिन यह जानने के लिए दिन का काफी समय बीत चुका था, इसलिए हम जल्दी से लंदन की ओर रवाना हुए और व्हाइट हाउस क्लब में अपने अपार्टमेंट के गर्म, आरामदायक बिस्तरों में जा सो गए।

स्ट्रिप-टीज़ भूत

अगर आपको लगता है कि भूत-प्रेत मध्ययुगीन किलों और आलीशान घरों में ही रहते हैं, तो आप गलत सोच रहे हैं। बेशक, इंग्लैंड में और दुनिया भर में भी कई भूतिया किले और कालकोठरियां हैं। लेकिन भूत-प्रेत जैसी दुखद घटना अजीब जगहों पर भी घटित हो सकती है। उदाहरण के लिए, गार्गोयल को ही ले लीजिए। जो लोग नहीं जानते कि गार्गोयल क्या होता है, तो यह किसी की बुरी सास नहीं है, बल्कि एक पौराणिक जानवर है जिसके बारे में कहा जाता है कि वह पुराने समय में ज़मीन के नीचे रहता था। यह अक्सर गोथिक चर्चों की दीवारों और मीनारों पर दिखाई देता है, जहां यह एक प्रभावशाली सजावट का रूप धारण करता है, शायद श्रद्धालुओं को उन सुखों की याद दिलाने के लिए जो उन्हें सही रास्ते से भटकने पर नहीं मिलेंगे।
लेकिन जिस गार्गोयल की मैं बात कर रहा हूँ, वह लंदन के सोहो नामक इलाके में स्थित एक नाइट क्लब था। जब राजधानी का यह हिस्सा हरा-भरा था, तब शिकारी एक-दूसरे को "सोहो!" कहकर पुकारते थे, ठीक वैसे ही जैसे आज वे "टैली-हो!" या जो भी वे किसी बेचारे लोमड़ी का पीछा करते समय कहते हैं, जिसे मज़ाकिया तौर पर खेल कहा जाता है।

जैसे-जैसे लंदन का विकास हुआ, सोहो शहर के भीतर एक शहर बन गया, जो विशेष रूप से लंदन की ओर आकर्षित होने वाले विदेशियों, विशेषकर इटालियन, स्पैनिश और अन्य विदेशी नागरिकों के बीच लोकप्रिय था। उस समय, असंख्य तहखाने वाले क्लबों में स्ट्रिप-टीज़ नर्तकियों ने वैध "अश्लील" कार्यक्रमों को लगभग बंद करवा दिया था। इन शो में सबसे पुराना और शायद सबसे बेहतरीन शो डीन स्ट्रीट के उस छोटे से घर में शाम को दो बार होता था, जहाँ दो आकर्षण थे—गार्गॉयल नाइट क्लब और नेल ग्विन थिएटर। गार्गॉयल रात दस बजे के बाद वहीं से शुरू होता था जहाँ नेल ग्विन का शो खत्म होता था, और यहाँ 'खत्म होना' शब्द ही महत्वपूर्ण है। दोनों शो में युवतियों का एक समूह होता था जो अलग-अलग रूपों में और अलग-अलग मात्रा में कम कपड़े पहनकर अपने प्राकृतिक आकर्षण का प्रदर्शन करती थीं। इसमें कोई संदेह नहीं था कि अंत कहाँ होगा—केवल यह संदेह था कि वहाँ कैसे पहुँचा जाएगा। जिमी जैकब्स की यह कल्पना, हालांकि, बेहद लोकप्रिय थी, न केवल अमेरिकी पर्यटकों के बीच, बल्कि उन अंग्रेज़ बाहरी लोगों के बीच भी जिन्होंने लंदन के इस बुरे माहौल के बारे में सुना था और अपर रिकेनहैम में अपने दोस्तों को घर जाकर कुछ सुनाना चाहते थे।

गार्गोयल में भूत के बारे में मुझे तब तक पता नहीं था जब तक सबरीना ने मेरा ध्यान इस ओर नहीं दिलाया। खुद भी कुदरत की देन सबरीना एक नाइट क्लब गायिका थी और अलौकिक चीज़ों में उसकी गहरी दिलचस्पी थी। जब वह कुछ साल न्यूयॉर्क में रही, तो मुझे पता चला कि उसके ईस्ट साइड वाले अपार्टमेंट में थोड़ा-बहुत भूतिया सा माहौल था। इससे वह बहुत डर जाती थी, हालाँकि उसने खुद कभी कुछ देखा नहीं था।

गार्गोयल के मालिक जिमी जैकब्स न केवल सहयोग करने के लिए तैयार थे, बल्कि यह भी पता चला कि वे स्वयं एक माध्यम और अध्यात्मवादी थे - सोचिए!

जब हम क्लब पहुँचे, तो दूसरा "घर" अभी-अभी समाप्त हुआ था और इमारत की चौथी मंज़िल पर स्थित आलीशान, लाल गद्दी वाला स्वागत कक्ष रिसेप्शनिस्ट के अलावा खाली था। यहाँ मौज-मस्ती करने के लिए आपको "सदस्य" होना ज़रूरी था, लेकिन अच्छी बात यह थी कि मामूली रकम चुकाकर सदस्यता आसानी से और बिना किसी परेशानी के मिल जाती थी। यह निश्चित रूप से यूनियन लीग क्लब नहीं था।

मैंने श्री जैकब्स से अनुरोध किया कि वे भूतिया घटनाओं के किसी भी प्रत्यक्षदर्शी को उपस्थित होने के लिए कहें, और मेरा इंतज़ार एक लंबी, सांवली महिला कर रही थी, जो अब पूरी तरह से सजी-धजी थी। वह हमें ऊपरी मंजिल पर स्थित लगभग अंधेरे नेल

ग्विन थिएटर में ले गई। उस महिला का नाम चेरी फीनिक्स था, और उसने वैज्ञानिक गवाह के रूप में अपनी इस नई भूमिका को बहुत गंभीरता से निभाया।

“लगभग एक साल चार महीने पहले मैं नेल ग्विन थिएटर क्लब में शामिल हुई थी,” उसने अपने देहाती लहजे में थोड़ी सी बात शुरू की, “और मैं यहाँ लगभग चार महीने से काम कर रही थी, तभी एक दिन मैं पंद्रह मिनट पहले आ गई। सीढ़ियों पर कहीं भी बत्ती नहीं थी और मैं ऊपर जाते समय टटोलती हुई आगे बढ़ी। जैसे ही मैं अपनी ड्रेसिंग टेबल के पास पहुँची, मुझे अजीब सी आवाज़ें सुनाई दीं, जैसे कोई किताब के पन्ने पलट रहा हो। मैंने चारों ओर देखा। पूरा कमरा अँधेरे में था, आसपास कुछ भी नहीं था, फिर भी वहाँ एक भयानक ठंडक का माहौल था। मेरे रोंगटे खड़े हो गए और मुझे लगा कि शायद कोई ऊपर वाले ड्रेसिंग रूम में है, इसलिए मैंने उन दो लड़कियों को यह देखने के लिए बुलाया कि क्या वे वहाँ हैं—बारबरा? इसाबेल?—लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। फिर भी, पन्ने पलटने की आवाज़ आती रही। मैं इतनी डर गई थी कि मैं लगभग पंद्रह मिनट तक वहीं खड़ी रही। आखिरकार एक लड़की अंदर आई और मैंने उसे सब कुछ बताया।”

“ ‘अरे,’ उसने कहा, ‘ये तो कुछ भी नहीं है। ये तो बस नेली है।’”

परंपरा के अनुसार, यह भूत नेल ग्विन का है, जो कई वर्षों तक इस घर में रही थी।

मैंने पूछा, "क्या तुमने इसे सिर्फ एक बार सुना?"

“इस तरह की आवाज़ें तो आती ही हैं, लेकिन और भी चीज़ें होती हैं। अक्सर छत का दरवाज़ा अपने आप खुल जाता है। आम तौर पर कुंडी काफी टाइट होती है और उसे हिलाना मुश्किल होता है। लेकिन इस बार वह अपने आप नीचे खिसक गया और खुल गया। वहाँ आस-पास कोई भी नहीं था।”

"पिछली बार कितने समय पहले हुआ था?"

लगभग छह महीने पहले।

क्या आपने कभी किसी ऐसी उपस्थिति का अनुभव किया है जिसका आप हिसाब नहीं दे सकते?

“हाँ, कभी-कभी गर्मी के मौसम में ड्रेसिंग रूम में बहुत ठंड लगती है, और ऐसा लगता है जैसे कोई ‘अजीब’ चीज़ आप पर छाई हुई है। जैसे कोई धुंध हो। मैंने जंजीरों के खड़कने जैसी आवाज़ें भी सुनी हैं। एक रात, कैबरे खत्म होने के बाद और जब सब लोग घर चले गए, मैं ऊपर अकेली थी और मुझे खड़कने की आवाज़ें सुनाई दीं जैसे कोई पिंजरे में बंद हो और बाहर निकलने के लिए सलाखों को हिला रहा हो! कई बार मैं

सीढ़ियों पर ऊपर-नीचे देखती कि कोई है या नहीं, लेकिन कभी कोई नहीं होता था।"
"क्या आपने कभी यहां कोई भूत देखा है?" मैंने अंत में पूछा, और कान लगाकर किसी अनजानी जंजीर की खड़खड़ाहट सुनने की कोशिश की, लेकिन ऐसा कुछ सुनाई नहीं दिया।
"मैं नहीं, बल्कि मेरी एक दोस्त जो यहाँ काम करती थी, एक दिन गार्गॉयल के रसोईघर में गई और डर के मारे चीखती हुई बाहर आई। उसने एक भूत देखा—एक आकृति की परछाई, जिसने हल्के बैंगनी रंग का वस्त्र पहना हुआ था। उसने अक्सर ऐसी आवाज़ें भी सुनी थीं जो पुकार रही थीं जबकि आसपास कोई नहीं था।"
मैं जानना चाहता था, "किस तरह की आवाजें?"
"कई बार उसने अपना नाम पुकारा जाते सुना। एक महिला द्वारा। उसने सोचा कि यह वही लड़की है जिसके साथ वह कपड़े बदलती थी, लेकिन जब वह नीचे गई तो वहाँ कोई नहीं था। मेरी दोस्त का नाम ट्रेसी यॉर्क है।"
"क्या यहां काम करने से पहले आपको कोई मानसिक अनुभव हुए थे?"
"नहीं, कभी नहीं।"
इसके बाद मैंने टेरी ब्रेंट की ओर रुख किया, जो कोरियोग्राफर और उस रिव्यू में मुख्य भूमिकाओं में से एक थे, एक युवा व्यक्ति जो अपने तीसवें दशक के अंत में थे और भूत-प्रेत के कारोबार को लेकर कुछ हद तक सतर्क थे।
ट्रेसी यॉर्क से जुड़ी घटना के समय वह रसोई के बाहर था।
"उसने इसके बारे में काफी स्पष्ट रूप से बताया। उसने कहा कि वह एक महिला थी, जिसकी उम्र का अंदाजा लगाना मुश्किल था, उसने भूरे रंग की पारंपरिक पोशाक पहनी हुई थी, और पूरी आकृति में एक तरह का धुंधलापन था। वह अचानक प्रकट हुई, खड़ी हुई और मुस्कुराई।"
क्या किसी और ने भी भूत के बारे में शिकायत की है?
"ऊपरी मंजिल पर स्थित ड्रेसिंग रूम का इस्तेमाल करने वाली कई लड़कियों ने, जो इमारत के बाकी हिस्सों से कुछ हद तक अलग-थलग है, मुझे या तो उस प्रेत को देखने या इस तीव्र ठंड का अनुभव करने के बारे में बताया है जिसका वे कोई कारण नहीं बता सकतीं।"
"क्या इन लोगों को पता था कि यह एक बहुत प्राचीन इमारत है और इसके भूतिया होने की अफवाह है?"

टेरी ब्रेंट ने जोर से अपना सिर हिलाया।
“नहीं, उन्हें इसके बारे में पता नहीं होगा। यह ऐसी बात नहीं है जिसके बारे में हम बात करते हैं, खासकर जब कोई लड़की बिल्कुल नई हो, हम नहीं चाहते कि वह डर जाए। हम हमेशा उनके खुद पता चलने का इंतजार करते हैं, और फिर हम उन्हें समझाते हैं।”
"क्या आपने स्वयं यहां कुछ असामान्य अनुभव किया है?"
“एक शाम जब मैं कैबरे करने आया, तो वहाँ की एक युवती, इसाबेल एपलटन, ऊपर वाले उस ड्रेसिंग रूम में तैयार हो रही थी, जो मानो भूतिया गतिविधियों का केंद्र हो। मैं उस थिएटर से अंदर आया जहाँ आप अभी बैठे हैं, और मुझे ऊपर से हँसी की आवाज़ सुनाई दी और मैंने सोचा, अरे, लड़कियाँ आज जल्दी आ गई हैं। तो मैं ऊपर गया और सीढ़ियों के सबसे ऊपर ड्रेसिंग रूम तक पहुँचने से पहले ही मैंने कहा, ‘हेलो, लड़कियों, आज शाम कैसी हैं आप?’”
वह रुका।
“फिर क्या हुआ?” मैंने पूछा।
"जब मैं कोने से मुड़ी और ड्रेसिंग रूम में देखा तो मुझे बहुत आश्चर्य हुआ, मिस एपलटन वहां अकेली थीं। वह हंसी उनकी नहीं थी।"
“उसने इसे कैसे लिया?”
“खैर, तब तक तो मुझे इस पूरे मामले पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं था, जबकि मुझे यकीन है कि वह कुछ हद तक भविष्य देख सकती थी। उसे भी खुशी हुई कि मैंने यह सुना। उसे लगता है कि यह ‘ग्रे रंग की महिला’ थी।”
जिम्मी जैकब्स, काले बालों वाला, कद में छोटा आदमी जो चुपचाप और सोच-समझकर चलता है, अभी-अभी हमारे साथ शामिल हुआ था।
मैंने सोचा कि अब यह पता लगाने का समय आ गया है कि इस इमारत में भूत क्यों है। इसका इतिहास क्या है? श्री जैकब्स ने मुझे ढेर सारी जानकारी दी।
“यह क्लब यूरोप का सबसे पुराना नाइट क्लब है और इसकी स्थापना नोएल कॉवर्ड और उन्नीस सौ बीस के दशक के कलात्मक अभिजात वर्ग ने की थी। नीचे का कमरा हेनरी मैटिस द्वारा डिजाइन किया गया था।”
मैं मन ही मन सोच रहा था कि गार्गॉयल में नीति में जो बदलाव हुए हैं, उनके बारे में संस्थापकों को कैसा महसूस होगा।
श्री जैकब्स ने आगे कहा, “मैं यहाँ लगभग आठ साल पहले आया था। हालाँकि मुझे

हमेशा से ही मानसिक घटनाओं में दिलचस्पी थी, लेकिन मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं एक भूत भी खरीद लूँगा। लेकिन जहाँ हम अभी हैं, उसके ठीक बगल में रॉयल्टी थिएटर हुआ करता था, जो लंदन के सबसे पुराने थिएटरों में से एक था। पिछले विश्व युद्ध में बमबारी से वह नष्ट हो गया था और बाद में उसे गिरा दिया गया था। उसमें हमारे सबसे प्रसिद्ध थिएटर भूतों में से एक, 'ग्रे लेडी' रहती थी, जिसे कई बार मंच के पीछे देखा और सुना गया था।"

"जिस इमारत में हम अभी हैं, वह लगभग 1632 की है और कहा जाता है कि नेल ग्विन यहाँ रहती थीं। जिस कमरे में हम बैठे हैं, उसी में हमने एक बार आत्माओं से संपर्क करने का अनुष्ठान किया था, क्योंकि एक लड़की जो एक रात गलती से यहाँ छूट गई थी, उसने इतना शोर और इंसानी आवाज़ें सुनीं कि उसने खिड़की से कूदने की कोशिश की!"

"क्या उसने ऐसा किया?" मैंने पूछा। मैंने अफवाहें सुनी थीं कि वह भूत उसी का था।

"नहीं, दमकलकर्मी सुबह तड़के यहाँ पहुँचे और उसे छुड़ा लिया। लेकिन मुझे उसकी कहानी में इतनी दिलचस्पी थी कि मैंने साइकिक न्यूज़ के लिए यहाँ एक प्रेतात्माओं से संपर्क करने का आयोजन किया। हमें पता चला कि शाही अस्तबल इस इमारत के तहखाने में हुआ करते थे, लेकिन 'भूरी महिला' के बारे में इससे ज़्यादा कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिली।"

तो फिर उस 'ग्रे लेडी' के बारे में क्या? आपके विचार से वह कौन है?

"मेरे अपने अनुभव से मुझे लगता है कि वह नेल ग्विन नहीं है। वह कोई और है जो नेल ग्विन होने का नाटक कर रही है - एक प्रेतवाधित धोखेबाज।"

आपने बताया कि आपने खुद भूत देखा था। यह कब हुआ था?

"लगभग दो साल पहले," जैकब्स ने कहा, "मैं रिसेप्शन रूम में खड़ा था, जो प्लास्टर-ऑफ-पेरिस की इस दीवार से हमसे अलग था, तभी मुझे लिफ्ट के ऊपर आने की आवाज़ सुनाई दी और मैं उसकी ओर गया। यह असंभव था कि यह बिजली से ही चलती हो, सिवाय इसके कि कोई बटन दबाकर इसे ऊपर लाए, यानी कोई अंदर बैठा हो। मैं इमारत में बिल्कुल अकेला था, सुबह के तीन बज रहे थे, और मैं सोच रहा था कि कहीं कोई यहाँ कुछ भूल तो नहीं गया और उसे लेने वापस नहीं आया। लिफ्ट रुक गई। दरवाजे नहीं खुले। कोई बाहर नहीं निकला। मैंने दरवाजे खोले; अंदर कोई नहीं था। फिर अचानक, मेरे दाहिनी ओर, मुझसे लगभग पाँच गज की दूरी पर, कमरे के उस पार, मैंने

एक धूसर, धुंधली आकृति देखी जो एक छोटी बूढ़ी औरत जैसी लग रही थी, जिसने एक पुराने ज़माने की पोशाक पहनी हुई थी, ऊँची कमर वाली, एक बड़ी फूलों वाली टोपी, उसका चेहरा मुझसे दूसरी ओर मुड़ा हुआ था—और वह फर्श पर ऐसे सरकती हुई लग रही थी जैसे पहियों वाली छोटी गुड़िया। सबसे आश्चर्यजनक बात यह थी कि वहाँ से इत्र की बहुत तेज़, तीखी गंध आ रही थी। कई दिनों तक मेरी नाक में उसकी गंध गूंजती रही। वह गार्डेनिया की खुशबू थी, और उसकी तीव्र सुगंध पूरे कमरे में फैल गई जब वह छोटी सी भूरी महिला मेरे पास से गुजरी और फिर मुझसे कुछ ही गज की दूरी पर गायब हो गई, जो अब लिफ्ट शाफ्ट है।

क्या उसने आपसे बात की?

मुझे ऐसा लगा जैसे वह अपना चेहरा दूसरी तरफ मोड़ रही हो ताकि कोई उसे देख न सके। वह नहीं चाहती थी कि मुझे पता चले कि वह कौन है।

"क्या वह उस रात के बाद वापस आई थी?"

नहीं, अभी तक तो नहीं। लेकिन भूतों के बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता।

क्या रॉयल्टी थिएटर का भूत अपना पुराना घर नष्ट हो जाने के बाद बस बगल वाले घर में आ गया था? वह ज़रूर एक अभिनेत्री रही होगी, क्योंकि जिस कुशलता से उस रहस्यमयी भूत ने कई मौकों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, उससे तो यही लगता है कि उसमें एक ऐसी अभिनय प्रतिभा थी जिसे न तो समय और न ही स्थान कम कर सका। तो अगर आप किसी स्ट्रिप-टीज़ क्लब में शाम को शो देख रहे हों—और अगर आपको कोई अतिरिक्त महिला कपड़ों में दिखाई दे—तो हो सकता है कि वह एक भूत हो!

हॉल प्लेस के भूत

हॉल प्लेस तेरहवीं शताब्दी का एक हवेलीनुमा घर है, जिसका ट्यूडर काल में बड़े पैमाने पर पुनर्निर्माण किया गया था। ऐतिहासिक स्थल या भूतिया घर के रूप में इसकी बहुत कम चर्चा हुई है। पर्यटक इसके खूबसूरत परिसर में उतनी भीड़ नहीं लगाते जितनी कि अन्य सार्वजनिक रूप से खुले भव्य घरों में लगाते हैं। वास्तव में, अगर गहन शोध और ब्रिटिश ट्रैवल एसोसिएशन से मिली जानकारी न होती, तो शायद मैं कभी इस जगह तक न पहुँच पाता। लेकिन यह मेरे लिए भूत-प्रेत की खोज के उस प्रयोग के लिए एकदम सही जगह थी, जिसके बारे में मैं इंग्लैंड आने के बाद से सोच रहा था। मैं एक अनुभवी तांत्रिक या माध्यम को ढूंढना चाहता था और उसे ऐसी जगह ले जाना चाहता था जहाँ वह (या वह) कभी न गया हो; एक ऐसी जगह जिसके बारे में तांत्रिक ने शायद ही कभी सुना हो। हॉल प्लेस लंदन से लगभग एक घंटे की दूरी पर, बेक्सले नामक केंट के एक छोटे से कस्बे में मुख्य सड़क से थोड़ा हटकर स्थित है। यह क्षेत्र ब्लैक प्रिंस, एडवर्ड से जुड़ा हुआ है, और कहा जाता है कि उसका भूत वहाँ देखा गया था, हालाँकि इस बात का कोई ठोस आधार नहीं है। एक परंपरा यह भी है कि लेडी एट-हॉल ने अपने पति को हिरण द्वारा मारे जाते देख इसकी एक मीनार से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। बेक्सले के लाइब्रेरियन, जिनसे मैंने सलाह ली, इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि यह घटना किसी अन्य हवेली में घटी थी, न कि इस हवेली में। खैर, मीनार के आसपास से कराहने और आहें भरने की आवाज़ें आती थीं, और वहाँ एक महिला को "सफेद वस्त्र" में देखा गया था; कहीं से भी आवाज़ें सुनाई देती थीं, और 1931 में एक कैनन विकस्टीड ने घर में भूत भगाने की रस्में निभाईं, जैसा कि 19 अप्रैल, 1950 के स्थानीय समाचार पत्र में बताया गया था, जब पास के लेविशम साइकिक रिसर्च सोसाइटी ने इस मामले में हस्तक्षेप किया। उनके तीन सदस्यों ने हॉल प्लेस में रात बिताई, लेकिन उनकी रिपोर्ट निर्णायक नहीं थी। जाहिर है, भूत खुद को दिखाने के मूड में नहीं थे। फिर मामला शांत हो गया, और हाल के वर्षों में मुझे उस जगह के बारे में कुछ भी पता नहीं चला।
मैंने ब्रिटिश कॉलेज ऑफ साइकिक साइंस के अध्यक्ष ब्रिगेडियर फायरब्रेक से एक विश्वसनीय मानसिक चिकित्सक का सुझाव मांगा, जो समाधि की अवस्था में जाने में सक्षम हो। उन्होंने डगलस जॉनसन का नाम लिया और मैंने उन्हें फोन करके एक निश्चित तारीख को मेरे द्वारा चुने गए स्थान पर हमारे साथ चलने का अनुरोध किया, जिस पर वे तुरंत सहमत हो गए। यात्रा की सुबह तक, मुझे खुद भी नहीं पता था कि हम तीन संभावित स्थानों में से किस स्थान पर जाएंगे, इसलिए विचारों का आदान-प्रदान अत्यंत

कठिन होता। रास्ते भर हमने अपने गंतव्य के बारे में कोई चर्चा नहीं की। मैंने हमें ड्राइव कर रहे मैनिंग रॉस से कुछ खास सड़कों से जाने के लिए कहा, जो हमें अंततः बेक्सली तक ले जाएंगी। जब हम वहां पहुंचे, तभी श्री जॉनसन को पता चला कि हम कहां हैं, और इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ा।

अब इन इमारतों का इस्तेमाल स्कूल के तौर पर किया जाता था, और हमें शाम 4:00 बजे के बाद आना पड़ता था ताकि उन युवाओं को परेशान न करें जो उस समय से पहले ही प्राचीन कमरों और गलियारों में जमा हो जाते हैं।

हम हवेली को चारों ओर से घेरे हुए बगीचे से तेज़ी से गुज़रे और पहली मंज़िल पर स्थित एक विशाल हॉल की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर चढ़ गए। वहाँ हम थोड़ी देर रुके, ताकि डगलस जॉनसन स्थिति को समझ सकें।

मैंने आखिरकार पूछा, "बताओ, जब हम इस इमारत में आए थे, तो क्या तुम्हें कोई मानसिक अनुभूति हुई थी?"

“जी हाँ, मुझे एक घटना याद है,” श्री जॉनसन ने अपनी शांत, सुसंस्कृत आवाज़ में उत्तर दिया। “जब हम इस खूबसूरत भोज कक्ष में जाने वाले गलियारे से गुज़र रहे थे, तो मैंने अपने सामने एक आकृति देखी, और पहले तो मुझे लगा कि वह आप में से ही कोई है। लेकिन फिर मैंने देखा कि उसका सिर मुंडा हुआ था, और मुझे लगता है कि वह एक भिक्षु था और इमारत का यह हिस्सा कभी मठ हुआ करता था या किसी धार्मिक समुदाय से जुड़ा हुआ था।”

"क्या यह आपका भ्रम था, या वह भिक्षु आपको ऐसा लगा जैसे वह ठोस हो?" मैं जानना चाहता था।

"बिल्कुल आपकी तरह ही मजबूत, मिस्टर होल्ज़र," जॉनसन ने जवाब दिया।

“उसने क्या किया? क्या वह बस वहां से गुजर गया या गायब हो गया?”

“उसकी पीठ मेरी तरफ थी। ऐसा लगा जैसे वह इस दरवाजे से अंदर चला गया हो; जब मैं कमरे में पहुंचा, तो मुझे आगे कुछ भी दिखाई नहीं दिया।”

"क्या आपको इस आदमी को यहाँ देखकर अजीब लगा?"

"नहीं, वास्तव में नहीं। मैं अपने पेशे के हिस्से के रूप में कई पुराने घरों में जाता हूं, और मुझे हर तरह के प्रेत-दर्शन दिखाई देते हैं।"

"लेकिन आप एक भिक्षु के लिए तैयार नहीं थे, है ना?"

नहीं, मैं नहीं था।

मैंने बेक्सले से हमारे साथ आए तीस वर्षीय दुबले-पतले व्यक्ति की ओर रुख किया और जॉनसन से उसका परिचय कराया। “हमें सौभाग्य है कि हमारे साथ बेक्सले के लाइब्रेरियन श्री पॉल मॉरिस मौजूद हैं, जो हमारी अभी हुई चर्चा की पुष्टि या खंडन कर सकते हैं।”

मैंने मॉरिस की ओर मुड़कर पूछा, "क्या ऐसा कोई संबंध है जो इस इमारत में एक भिक्षु की उपस्थिति की व्याख्या कर सके?"

“ठीक-ठीक कहना बहुत मुश्किल है,” लाइब्रेरियन ने अपने सतर्क लहजे में कहा। “यह इमारत मठ के विघटन से प्राप्त पत्थरों से बनी है। ऊपर के कमरों में से एक में एक छोटा चैपल है; जैसा कि कई घरों में होता है, यह बहुत संभव है कि किसी न किसी समय भिक्षु इससे जुड़े रहे हों।”

हम सीढ़ियों से चढ़कर दूसरी मंजिल पर गए। हम गलियारे में चल रहे थे और एक कमरे के पास से गुजरने ही वाले थे कि जॉनसन ने हमें रोक दिया और कमरे में प्रवेश करने की जिद करने लगा।

मैंने पूछा, "क्या तुम्हें यहाँ कुछ महसूस हो रहा है?"

“मुझे बहुत दृढ़ता से ऐसा लग रहा है,” उन्होंने कहा। “ट्यूडर काल के बाद के समय का एक आदमी—अठारहवीं शताब्दी का—विग पहने हुए; मोटा, चेहरा कुछ लाल; उसने या तो आत्महत्या कर ली—इस समय मेरा गला भर आया है—हो सकता है उसने फांसी लगा ली हो या फिर उसे लकवा मार गया हो—मुझे लगता है वह बहुत दुखी आदमी था। उसका नाम ग्वाइन जैसा लग रहा था। शायद लाइब्रेरियन इसकी जाँच कर सकते हैं।”

हमने पुराने महल का भ्रमण जारी रखा और पीछे की सीढ़ियों से ऊपर गए, जो जॉनसन के विचार में बाद के बदलावों से काफी हद तक मुक्त थीं, क्योंकि वे आम तौर पर जनता के लिए खुली नहीं रहती थीं। सीढ़ियाँ अटारी तक जाती थीं। हमने अटारी को लगभग उसी मूल अवस्था में पाया, जैसी वह चार सौ साल पहले थी। यहाँ बहुत कम या न के बराबर जीर्णोद्धार हुआ था, और छतों पर पुराने बीम ठीक वैसे ही दिखाई दे रहे थे जैसे ट्यूडर काल में थे।

"यहाँ किसी ने ज़रूर फांसी लगाकर आत्महत्या की होगी," डगलस जॉनसन ने इलाके में इधर-उधर घूमते हुए बुदबुदाया।

हम नौकरों के क्वार्टर में दाखिल हुए, जो लगभग तीन सौ साल पुराना था।

“मुझे लगता है कि यहाँ किसी नौकर ने शहतीर से लटककर आत्महत्या की थी,”

जॉनसन ने घोषणा की और हॉल प्लेस के रहस्यमय भूतों की खोज जारी रखी। हम अब भी उसके पीछे-पीछे संकरे रास्तों से, प्राचीन मेहराबों से गुज़र रहे थे, हवेली की छत के नीचे नौकरों के क्वार्टर की सीमा के भीतर।

“मुझे एक महिला की छवि दिखाई दे रही है,” जॉनसन ने अचानक कहा और रुक गया। “उसने भूरे रंग का गाउन पहना हुआ है, और चेहरे के चारों ओर कुछ सफेद सा है, जो किसी नन के घूंघट जैसा दिखता है, लेकिन वह नन नहीं है। वह बहुत दुखी है, और इधर-उधर घूम रही है, रो रही है, अपने हाथ मल रही है, और वह किसी बच्चे या शिशु के बारे में चिंतित है।”

मैंने जॉनसन से कहा कि वह उसके साथ रुके और किसी तरह का संपर्क स्थापित करने की कोशिश करे। जॉनसन का चेहरा तनावग्रस्त हो गया और उसकी आँखों में एक उदास भाव आ गया।

"इस महिला का एक बच्चा था," उसने अंत में धीरे-धीरे कहा, मानो कोई उसे आदेश दे रहा हो।

“हाँ। आगे बढ़ो!” मैंने आग्रह किया।

“यह बच्ची या तो मर गई या उसकी हत्या कर दी गई—और इससे वह बहुत दुखी थी। वह काफी खूबसूरत महिला थी। मुझे लगता है कि मैं उसे किसी ऐसे व्यक्ति से जोड़ना चाहती हूँ जिसका नाम M अक्षर से शुरू होता हो। शायद उसका अपना नाम ही हो; मुझे पक्का पता नहीं। मैं उसे इन सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए, रोते हुए और हाथ मलते हुए देख सकती हूँ।”

मैंने सुझाव दिया, "चलो उसके पीछे नीचे चलते हैं," और हम तेजी से सीढ़ियों से नीचे उतरे और भूतल पर ट्यूडर शैली के कमरों के एक समूह में पहुँच गए, जिनका उपयोग अब कक्षाओं के रूप में किया जाता है।

जॉनसन अचानक अपनी जगह पर जम गया। हम सब उसके चारों ओर जमा हो गए ताकि उसके कांपते होठों से आ रही धीमी आवाज़ को बेहतर ढंग से सुन सकें। “‘बच्चा मर गया! बच्चा मर गया!’ वह बार-बार कह रही थी। ‘मैं क्या करूँ? मैं क्या करूँ?’ वह इधर-उधर घूम रही थी और चल रही थी।” जॉनसन अब झुक गया। अंत में, वह सीधा खड़ा हो गया।

“हमें उसकी मदद करनी चाहिए,” उसने कहा। “हम उसके लिए मदद मांगेंगे।” एक मिनट का मौन प्रार्थना का दौर चला।

मैंने अंत में कहा, "श्री जॉनसन, क्या आपको अब वह आपके पास महसूस हो रही है?"
“मुझे अभी कुछ देर पहले उसका बहुत नज़दीकी एहसास हुआ,” माध्यम ने उत्तर दिया। “मुझे लगता है कि अब उसे यह एहसास हो रहा है कि इस जगह की ओर आकर्षित होना अनावश्यक है; शायद दूसरी दुनिया से संपर्क हो चुका है—क्योंकि अब पूरा वातावरण हल्का महसूस हो रहा है, और मुझे नहीं लगता कि वह इस समय यहाँ मौजूद है।”
“तो क्या हमारी यहाँ की यात्रा से कुछ लाभ हुआ?” मैंने पूछा।
“मुझे सचमुच ऐसा ही लगता है,” जॉनसन ने बहुत गंभीरता से जवाब दिया। “मुझे खुशी है कि आपने मुझे अपने साथ आने के लिए कहा।”
लाइब्रेरियन पॉल मॉरिस ने खुद को अलग कर लिया। वे इस कहानी की पुष्टि या खंडन नहीं कर सकते थे, लेकिन एक नौकरानी के बच्चे की मृत्यु कोई ऐसी ऐतिहासिक घटना नहीं है जो अभिलेखों में आसानी से मिल जाए। हॉल प्लेस में एक सफेद आकृति देखी गई; कराहने की आवाजें सुनाई दीं। लेडी एट-हॉल की आत्महत्या या काले राजकुमार एडवर्ड के प्रेत का वर्णन, एक नौकरानी की त्रासदी से कहीं अधिक रोमांटिक है। लेकिन मैं बाद वाली संभावना को अधिक मान्य मानता हूँ। स्कूल के किसी भी बच्चे ने अभी तक उस दुखी लड़की को नहीं देखा था। ऐसा लगता है कि वह अपनी गतिविधियाँ टावर क्षेत्र तक ही सीमित रखती है। हमारे आने के बाद से कोई और अजीबोगरीब घटना की सूचना नहीं मिली है। शायद उस लड़की को अपने जैसे लोगों के बीच शांति मिल गई हो, और हॉल प्लेस एक बार फिर केवल जीवित लोगों का हो गया हो।
दो और भूतिया जगहें थीं जहाँ मैं डगलस जॉनसन को ले जाना चाहता था। उनमें से एक है ओल्ड मैनर होटल, मिडहर्स्ट, ससेक्स, एक बहुत पुराना और सुंदर भवन जो कभी एक जागीर का घर हुआ करता था और जिसमें अभी भी मूल संरचना - बीम और दीवारें - बहुत कम बदलावों के साथ दिखाई देती थीं। हालाँकि, एक बे विंडो और एक चौकोर खिड़की के बीच एक बंद दरवाजा था, और यहीं पर एक भूत को देखा गया था। परंपरा के अनुसार, वह भूत एक भिक्षु है, जो जागीर के मालिक की बेटी से छुपकर मिलता था। जाहिर है, उसकी मृत्यु हो गई, और वह इसे सहन नहीं कर सका। नवंबर उसका खास भूतिया महीना है - जब उसे सबसे अधिक बार देखा गया है।
मैंने इस सब के बारे में मैनेजर श्रीमती स्टैकी से पूछताछ की। उन्होंने स्वीकार किया कि इसमें कुछ सच्चाई थी, लेकिन उन्होंने खुद उस प्रेतवाधित भिक्षु को नहीं देखा था।

क्या वह किसी ऐसे व्यक्ति को जानती थी जो ऐसा करता हो? ...तभी मेरी मुलाकात श्रीमती प्रिमरोज़ विथर्स से हुई, जो एक नर्स थीं और पिछले पांच वर्षों से मैनर हाउस होटल में रह रही थीं।

जब मैंने लंदन में उनसे बात की, जहां वह सप्ताहांत में अपने रिश्तेदारों के साथ समय बिताने गई थीं, तो उन्होंने कहा, "वहां एक भूमिगत मार्ग है, और वह कोई साधारण लड़की नहीं है - वह एक नन थी जिससे वह अक्सर मिलने जाता था।"

मैंने मन ही मन कहा, ये सोच भी मत कि ऐसा हो। फिर वही पुरानी बोरली रेक्टरी वाली स्थिति। बालक भिक्षु और कन्या भिक्षुणी की मुलाकात। बस।

मैंने श्रीमती विथर्स से पूछा, "क्या आपने कभी भूत देखा है?"

“हां, मैंने देखा था,” उसने एक सुखद और सहज स्वर में कहा। “पिछले नवंबर में मैंने एक नन को उस सीढ़ी के नीचे देखा था जो मेरे कमरे की ओर जाती है।”

"क्या वह एकमात्र बार था?"

"नहीं, पिछले नवंबर से पहले, यानी उन्नीस सौ बासठ में, मेरे कमरे का दरवाजा - जो शायद उनका ही रहा होगा, मुझे संदेह है - अपने आप खुल गया।"

"आपने क्या किया?"

“स्वाभाविक रूप से, मैं डर गया था। मेरा कुत्ता भी बुरी तरह डर गया था। तभी मैंने उस नन को देखा। मैंने उसका पीछा किया, लेकिन वह कोने से ओझल हो गई।”

मैंने पूछा, "क्या कोई और भी है जिसने उस भिक्षु या भिक्षुणी को देखा हो?"

“मैनेजर मिसेज़ स्टैकी को सब पता है—कई लोग वहाँ होने वाली अजीबोगरीब घटनाओं की शिकायत करते रहते थे। ये सब सिर्फ़ घर के उस हिस्से में होता है जो रसोई के ऊपर, पहली मंज़िल पर है। मुझसे पहले जो उस कमरे में रहती थी, उसने बताया था कि उसे वहाँ रहना बिल्कुल पसंद नहीं था। एक रात, उसका दरवाज़ा भी उसी तरह ज़ोर से खुल गया जैसे मेरे साथ हुआ था। सच में, मैं एक भूतिया कमरे में रहती थी।”

प्रेतवाधित भिक्षु या प्रेतवाधित भिक्षुणी—यदि वे केवल नवंबर में ही प्रकट होते हैं तो वे वर्ष के शेष समय कहाँ बिताते हैं?

शायद डगलस जॉनसन इसका पता लगा सकें, लेकिन ओल्ड मैनर होटल ज्यादा समय तक नहीं टिक पाया, और नई इमारत भूतों को भूत शिकारी की मदद के बिना ही भगा सकती है।

भूतों की तलाश के लिए सबसे संभावित स्थानों में से एक लंदन का ब्लडी टॉवर है।

बेक्सले से लौटते समय जब हम उस विशाल किले के पास से गुज़रे, तो मैंने वहाँ जाकर देखने का फैसला किया।
सबसे पहले मैंने टावर का दौरा करने के लिए उस समय अनुमति मांगी जब आगंतुक मेरे शोध में बाधा न डालें। टावर के गवर्नर, कर्नल बटलर ने अनुमति देने से इनकार कर दिया।
हमें खेद है कि आपके अनुरोध के अनुसार आपको लंदन के एच.एम. टॉवर के निजी दौरे की सुविधा प्रदान करना संभव नहीं है।
साल के इस समय में टावर में प्रतिदिन लगभग 12,000 आगंतुक आते थे, और शाम 6:30 बजे टावर बंद होने के बाद किसी भी इमारत को फिर से खोलना या आगंतुकों को टावर में प्रवेश करने की अनुमति देना संभव नहीं होगा।
इसके अलावा, नियमों के अनुसार टावर के किसी भी हिस्से का व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
अब तक मुझे यह हल्का सा शक होने लगा था कि महारानी के महलों में मेरे प्रवेश पर रोक लगाने के पीछे बताए गए कारणों के अलावा और भी कारण हो सकते हैं—ज़ाहिर है, जहां धुआं होता है, वहां आग भी होती है। शाही परिसर वाकई भूतिया थे और सबूतों को उजागर करना ठीक नहीं था। लेकिन मुझे अभी तक व्हाइट हाउस के लिंकन कक्ष में प्रवेश करने की अनुमति नहीं मिली है, जो खुद भी भूतिया है। मैं कोशिश करता रहूंगा, और शायद कुछ वर्षों में परा मनोविज्ञान के प्रति आधिकारिक रवैया इतना बदल जाए कि एक गरिमापूर्ण जांच का स्वागत किया जाए।
टॉवर के भूत महज़ एक किंवदंती नहीं थे, यह बात वहाँ हुई कई भूतिया घटनाओं के दो वृत्तांतों से स्पष्ट हो जाती है। 1864 में, 60वीं राइफल्स के मेजर जनरल जे. जी. डुंडास टॉवर में तैनात थे। अपने क्वार्टर की खिड़की से बाहर देखते हुए उन्होंने नीचे आँगन में एक गार्ड को देखा, जो उस कक्ष के सामने था जहाँ दुर्भाग्यशाली रानी ऐनी बोलेन ने अपने अंतिम क्षण बिताए थे। गार्ड का व्यवहार विचित्र था—ऐसा लग रहा था जैसे वह किसी "चीज़" को चुनौती दे रहा हो, जो जनरल को एक सफ़ेद रंग की स्त्री आकृति के रूप में दिखाई दी, जो सैनिक की ओर सरकती हुई आ रही थी। जनरल ने उस आकृति को चीरते हुए आगे बढ़े और बेहोश हो गए। जनरल की गवाही और पुष्टि ने ही सैनिक को उस कोर्ट-मार्शल में लंबी जेल की सज़ा से बचाया, जो ड्यूटी के दौरान बेहोश होने के परिणामस्वरूप हुआ था। याद रखिए, वे बहुत कठिन समय थे।

फरवरी 1957 में ही, टावर में तैनात एक वेल्श गार्ड्समैन ने लेडी जेन ग्रे की फांसी की बरसी पर सॉल्ट टावर की ऊपरी दीवारों पर एक भूत देखने की सूचना दी थी। लेडी जेन ग्रे का शासनकाल केवल नौ दिनों का था और उनकी मृत्यु चार सौ वर्ष पहले हुई थी। टावर परिसर के भीतर स्थित सेंट पीटर एड विनकुला चर्च में, बेंचों पर किसी की उपस्थिति, जैसे "दूसरी परछाई", के होने की खबरें आती रही हैं। केवल एक ट्रान्स मीडियम ही इन रिपोर्टों की सत्यता का पता लगा सकता है। शायद अगली बार जब मैं लंदन में आऊं तो किसी ट्रान्स मीडियम को चुपके से अंदर ले आऊं। महारानी को कभी पता न चले।

स्कॉटिश भूत जैसा कुछ नहीं है

स्वाद और व्यक्तित्व की बात करें तो, स्कॉटिश भूत जैसा कोई दूसरा नहीं, या यूं कहें कि उन्हें देखने वाले लोगों जैसा कोई दूसरा नहीं। बर्न्स की धरती पर हमारी यात्रा इस बार छोटी थी, लेकिन इतनी ज़रूर थी कि हमें पता चल गया कि हम वहाँ दोबारा जाना चाहते हैं।

धुंध भरी सुबह में हम प्रेस्टविक हवाई अड्डे पर उतरे और तुरंत आयर शहर के लिए रवाना हो गए, जहाँ हमने स्टेशन होटल में रात बिताई, जो पश्चिमी स्कॉटलैंड के कम प्रसिद्ध होटलों में से एक है। हमारे पहुँचते ही बीबीसी के जैक वेयर हमारा इंटरव्यू लेने आए और मुझे एहसास हुआ कि मैं एक ऐसी जगह पर हूँ जहाँ भूत-प्रेत की खोज को एक सम्मानित पेशा माना जाता है। टेलीविजन कमेंटेटर जैमिसन क्लार्क भी उनके साथ आए और हमने एडिनबर्ग से मेरे द्वारा किए जाने वाले एक टेलीविजन शो के बारे में विस्तार से

बात की; श्री क्लार्क भी उसी समय ग्लासगो में होंगे। स्प्लिट-स्क्रीन और बीसवीं सदी के अन्य चमत्कारों के ज़रिए थोड़ा सा जादू देखने का मज़ा ही कुछ और है!

लेकिन हम आयर सिर्फ स्टेशन होटल में उदास रहने या इन प्यारे स्कॉट्स से बात करने के लिए नहीं आए थे। उस दोपहर हमारा मकसद कल्ज़ीन कैसल जाना था, जिसका उच्चारण कोलीन होता है, सिवाय उन लोगों के जो सैसनाच या उससे भी बदतर, यांकी हों। हमने एक ड्राइवर वाली कार किराए पर ली, क्योंकि यहाँ बाईं ओर गाड़ी चलती है, और पश्चिमी स्कॉटलैंड की तटीय पहाड़ियों से होते हुए कल्ज़ीन के लिए निकल पड़े। कुछ ही देर बाद हम औपचारिक उद्यानों में प्रवेश कर गए और धीरे-धीरे ढलान वाली सड़क पर सवार होकर उस चट्टान की ओर बढ़े जिस पर आयरशायर तट पर समुद्र से सीधे ऊपर की ओर कल्ज़ीन कैसल स्थित है।

अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में रॉबर्ट एडम द्वारा निर्मित, यह महल कैनेडी परिवार, अर्ल्स ऑफ कैसिलिस और मार्क्विसेस ऑफ एइल्सा से जुड़ा रहा है, जिनके चित्र पूरे महल में देखे जा सकते हैं। आजकल, इसका प्रबंधन स्कॉटलैंड के राष्ट्रीय ट्रस्ट द्वारा एक संग्रहालय के रूप में किया जाता है। इसका मुख्य टावर चट्टान से चार मंजिला भव्यता से ऊपर उठता है, और ऊपरी मंजिलों में से एक में एक अपार्टमेंट है जो ब्रिटेन की ओर से कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में जनरल आइजनहावर को दिया गया था। वे समय-समय पर अपने परिवार के साथ वहां ठहरते थे।

कल्ज़ीन के प्रशासक, कमांडर जॉन हिकली ने हमारा हार्दिक स्वागत किया।

"मुझे खेद है कि हम इस महल में किसी पालतू भूत को नहीं रखते," उन्होंने क्षमा याचना करते हुए कहा, जब श्रीमती हिकली हमें चाय परोस रही थीं।

मैंने उन्हें आश्वस्त किया कि हमें यह यात्रा उतनी ही अच्छी लगी। न तो कमांडर और न ही श्रीमती हिकली ने इस अपेक्षाकृत आधुनिक महल में कोई भूत देखा था, और न ही किसी नौकर ने किसी असामान्य आगंतुक के बारे में शिकायत की थी। लेकिन मार्गरेट पेनी नाम की एक ब्रिटिश पर्यटक, जो कल्ज़ीन घूमने आई थीं, कुछ हद तक भाग्यशाली थीं—अगर भूत देखना भाग्य कहलाता है तो।

9 अगस्त, 1962 की एसोसिएटेड प्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, श्रीमती पेनी अन्य पर्यटकों की तरह ही महल में घूम रही थीं, तभी उनका सामना भूत से हुआ।

श्रीमती पेनी ने कहा, "जब मैं हाल ही में कल्ज़ीन कैसल घूमने गई थी, तो वह एक गलियारे से गुज़री और मुझसे बोलीं, 'आज बारिश हो रही है।'"

श्रीमती पेनी ने कहा कि भूत के बाल काले थे और वह बहुत सुंदर था।
"हालांकि जब मेरी उससे मुलाकात हुई तब दोपहर के लगभग पांच बजे थे, फिर भी वह शाम की पोशाक में लग रही थी।"
“खैर, मैंने उसे रास्ता देने के लिए खुद को गलियारे में सटा लिया और उससे कहा, ‘जब तुम मेरी तरह मोटी हो तो निकलने के लिए ज्यादा जगह नहीं होती।’”
श्रीमती पेनी ने बताया कि लड़की ने उनकी ओर बहुत उदास होकर देखा और उत्तर दिया, "मुझे आजकल किसी कमरे की आवश्यकता नहीं है।"
श्रीमती पेनी ने कहा कि उसके बाद उनका पूरा दाहिना हिस्सा ठंडा पड़ गया।
"अचानक मुझे एहसास हुआ कि वह मेरे बगल से होकर गुजरी थी।"
क्या वह कैनेडी परिवार की उन महिलाओं में से एक थीं जिनका अंत क्लाइड नदी के किनारे बसे उस सुनसान घर में दुखद रूप से हुआ था? जब तक मैं भविष्य में किसी माध्यम को कल्ज़ीन नहीं ले आता, तब तक हम केवल अनुमान ही लगा सकते हैं।
पास ही स्थित एक और भूतिया महल ने मेरा ध्यान आकर्षित किया क्योंकि इसके वर्तमान निवासी मैरीलैंड के बाल्टीमोर के ब्रिटिश कुलीन वर्ग से थे। सर एड्रियन और लेडी नाओमी डनबर को मोचरम पार्क की जर्जर जागीर और महल विरासत में मिला था, क्योंकि वे 1953 में मरने वाले अंतिम ब्रिटिश बैरोनेट के सबसे करीबी चचेरे भाई थे। अमेरिकियों को वह घर जर्जर हालत में मिला और संपत्ति से होने वाली आय भी बहुत कम थी। फिर भी, उन्होंने कुछ हिस्सों की मरम्मत करवाकर उसमें रहना शुरू कर दिया और जीवन में अपनी नई स्थिति को संभालने की कोशिश करने लगे।
जब 1953 के अंत में नए मालिक अपना नया घर संभालने के लिए पहुंचे, तो विगटाउनशायर के किर्ककोवन गांव के लोग सोच रहे थे कि अमेरिकी उस भूत को कैसे स्वीकार करेंगे। यह मोचरम पार्क की "श्वेत महिला" थी, जिसके बारे में कहा जाता था कि वह लेडी जैकोबिना डनबर की आत्मा थी, जिन्होंने 1789 में छठे बैरोनेट से शादी की थी, और जिनका चित्र 1953 से कुछ साल पहले पुराने घर के मलबे में मिला था। एडिनबर्ग स्थित स्कॉटलैंड की राष्ट्रीय गैलरी अब रेबर्न की इस बहुमूल्य पेंटिंग की मालिक है। दसवें बैरोनेट, सर जेम्स डनबर, जिनकी मृत्यु 1953 की शुरुआत में हुई थी, के नौकर हमेशा शिकायत करते थे कि भूतिया चित्र हमेशा टेढ़ा ही पाया जाता था, चाहे वे इसे कितनी भी बार सीधा कर लें, मानो कोई किसी बात की ओर ध्यान आकर्षित करने की कोशिश कर रहा हो!

कई वर्षों तक डनबार परिवार के ड्राइवर रहे एल्गिन फ्रेजर ने दो बार "सफेद महिला" को अपने बिस्तर के पास खड़े देखा।
शायद दीमक से नष्ट होने के खतरे में पड़ी उस बहुमूल्य पेंटिंग को बचाए जाने से भूत का क्रोध शांत हो गया था। इसके बाद कोई और गड़बड़ी नहीं देखी गई, और जब मैंने अमेरिकी मूल की लेडी डनबर से भूत के बारे में पूछा, तो उन्होंने बाल्टीमोर के लहजे में कहा, "बकवास। यह सब बस कल्पना है।"
किसी भूत को काल्पनिक कहना तो बड़ी बात है! खासकर जब कोई अमेरिकी ऐसा कहे।
जब हम एडिनबर्ग पहुँचे, तो वीकली स्कॉट्समैन के डोनाल्ड मैकडोनाल्ड पहले से ही हमारा इंतज़ार कर रहे थे ताकि हम स्कॉटलैंड के लोगों को अपनी कहानी सुना सकें। फिर, केनेथ मैक्रेज़ भी आए और उन्होंने हमें हाइलैंड के भूतों के बारे में अपने अनुभव बताए—जिनके बारे में हम अगली बार स्कॉटलैंड जाने पर और जानकारी जुटाएँगे। और एक साथी लेखक, मैकडोनाल्ड रॉबर्टसन ने हमें स्कॉटलैंड के भूतों पर अपनी इंडेक्स-कार्ड फ़ाइल दी। दुर्भाग्य से, इनमें से कुछ ही मामले इतने हाल के थे कि उनकी ठीक से जाँच की जा सके, लेकिन श्री रॉबर्टसन के नेक काम के प्रति उत्साह ने इसकी भरपाई कर दी।
उस शाम हम एडिनबर्ग के उपनगर रॉसलिन गए, जहाँ हमने प्रसिद्ध स्कॉटिश माध्यम ऐनी डोनाल्डसन से मुलाकात की। उन्होंने हमें काफी अच्छी तरह से बातचीत करने का मौका दिया, हालाँकि प्राप्त अधिकांश सामग्री निजी या व्यक्तिगत प्रकृति की थी।
अगले दिन हम स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के बीच स्थित सीमावर्ती क्षेत्र के लिए सुबह-सुबह निकल पड़े, जो परंपरागत रूप से एक जंगली इलाका रहा है और जिसका युद्ध और संघर्ष से लंबा संबंध रहा है। कई घंटों तक अंधेरी, बिना निशान वाली सड़कों पर गाड़ी चलाने के बाद, जहां केवल भेड़ें ही पहाड़ियों पर चरती नज़र आती थीं, हम अंततः हर्मिटेज कैसल पहुंचे, जो डी सोलियस परिवार से जुड़ा एक प्राचीन मध्ययुगीन किला है और तेरहवीं शताब्दी का है। यहीं पर 1566 में सीमा पर हुए एक हमले में घायल हुए अर्ल ऑफ बोथवेल से उनकी प्रेमिका, मैरी क्वीन ऑफ स्कॉट्स, मिलने आई थीं।
सीमा पर एक प्रमुख स्थान पर स्थित, इस किले में एक तहखाना है जिसमें कई दुश्मनों को भूख से मरने के लिए छोड़ दिया गया था। उनके अवशेष कभी नहीं निकाले गए। यह बर्बर प्रथा मध्य युग में आम थी, और इस मामले में हर्मिटेज कोई अनोखा किला नहीं है।

इस प्रसिद्ध खंडहर को देखने का हमारा कारण केवल दर्शनीय स्थलों की सैर करना नहीं था। महल के शुरुआती मालिकों में से एक, लॉर्ड सोलियस, एक काला जादूगर था और उसने कई अत्याचार किए थे जिनके दस्तावेजी प्रमाण मौजूद हैं। बाद में उसके शत्रुओं ने उसे पकड़ लिया और अत्यंत भयावह तरीके से उसकी हत्या कर दी। तब से यह कहा जाता है कि उसकी आत्मा इस घटना की वर्षगांठ पर लौटकर दीवारों और खंडहर कक्षों, विशेष रूप से नीचे स्थित प्राचीन रसोईघर को व्याकुल करती है।

जे. आर. विल्सन, जो अब किले के संरक्षक हैं, ने माहौल बनाने के लिए खुशी-खुशी हमारे लिए बैगपाइप बजाया, लेकिन उन्होंने कभी कोई भूत न तो देखा था और न ही सुना था।

उन्होंने कहा, "मुझे बस इतना पता है कि कुछ कुत्ते महल में नहीं जाते। कुछ समय पहले एक महिला यहाँ आई थी, और उसका कुत्ता महल के पास जाने से बिल्कुल मना कर दिया, जोर-जोर से भौंकने लगा और टस से मस नहीं हुआ।"

लेकिन कुछ कुत्ते ऐसे भी थे जो सचमुच किले की दीवारों के अंदर चले गए थे। संभवतः वे कुत्ते भूतों पर विश्वास नहीं करते थे।

एडिनबर्ग में होलीरूड पैलेस के पीछे, जो स्कॉटलैंड की रानी मैरी और अन्य स्कॉटिश सम्राटों का निवास स्थान था, एक छोटा सा साधारण सा घर है जिसका अनोखा नाम क्रॉफ्ट-एन-रीघ है। यह घर कभी मैरी के सौतेले भाई और उनकी अनुपस्थिति में स्कॉटलैंड के रीजेंट रहे जेम्स, अर्ल ऑफ मोरे की संपत्ति था। घर को तीन अपार्टमेंट में विभाजित किया गया था, जिनमें से एक श्रीमती क्लाइन का है। लेकिन कई साल पहले यह होलीरूड पैलेस के वार्डन का आधिकारिक निवास था। वार्डन मुख्य मार्गदर्शक होता था जो सभी पर्यटक यातायात का प्रभारी होता था। पूर्व वार्डन डेविड ग्राहम अब पास के पोर्टोबेलो में अपने घर में सेवानिवृत्त हो चुके हैं, लेकिन चौदह साल पहले इस छोटे से घर में उनका एक बेहद अनोखा अनुभव हुआ था।

उन्होंने कहा, "मुझे याद है, हम बारह लोग एक प्रेतात्माओं से संपर्क करने के लिए इकट्ठा हुए थे, और हमारे साथ हेलेन डंकन थीं, जो अब जीवित नहीं हैं, और वे हमारी माध्यम थीं। हम क्रॉफ्ट-एन-रीघ की सबसे ऊपरी मंजिल पर चुपचाप बैठे थे, और आगे की घटनाओं का इंतजार कर रहे थे।"

उन्हें ज़्यादा देर इंतज़ार नहीं करना पड़ा। उनकी अचंभित आँखों के सामने एक आकृति प्रकट हुई और तुरंत पहचान ली गई: स्वयं मैरी क्वीन ऑफ स्कॉट्स, जो भावनात्मक

उथल-पुथल के क्षणों में कई बार इस घर में आ चुकी थीं। पल भर में ही वह वहाँ से चली गईं।
श्री ग्राहम याद करते हैं कि कई मौकों पर उन्होंने सोलहवीं सदी के कपड़े पहने एक छोटे कद के आदमी का भूत देखा था। वह आदमी बार-बार कहता था, "मैं फ्रांसीसी हूँ।" ग्राहम ने इस पर तब तक ध्यान नहीं दिया जब तक कि उन्हें गलती से पता नहीं चला कि यह घर एक ऐसे वास्तुकार द्वारा बनाया गया था जिसका नाम भी फ्रेंच था!

भूत और आरामदायक

भूत क्या होते हैं, यह तो आप अब तक जान ही चुके होंगे, और मेरे जिन पाठकों को gemütlichkeit शब्द से परिचित नहीं हैं, उन्हें बता दें कि यह एक जर्मन शब्द है जिसका अर्थ है "सुखद, आरामदेह जीवन शैली"। जब हम हैम्बर्ग पहुंचे, तो हमें gemütlichkeit की उम्मीद नहीं थी, जो कि वैसे भी ज्यादातर स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रिया जैसे दक्षिणी देशों में ही पाई जाती है। लेकिन हमने रेडियो और टेलीविजन जगत के लोगों में मानसिक विषयों में सच्ची रुचि देखी, हालांकि जर्मनों का एक बड़ा हिस्सा इस बात से अनजान था कि एंग्लो-सैक्सन दुनिया में छठी इंद्रिय के अनुभवों का कितनी गंभीरता से अध्ययन किया जाता था। बेशक, एक छोटा, बेहद बुद्धिमान अल्पसंख्यक समूह सम्मानजनक आधार पर शोध स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। हालांकि, फ्रीबर्ग में हैंस बेंडर और उनकी पैरासाइकोलॉजिकल प्रयोगशाला अद्वितीय थी। हैम्बर्ग में, हम अलौकिक बोध पर पुस्तकों के लेखक और अनुवादक एरिख मारिया कोर्नर और "हैम्बर्ग के द्रष्टा" कहे जाने वाले माध्यम मिलो रेनेल्ट से मिले। लेकिन, लोगों

के बात करने में हिचकिचाहट के कारण, हमें भूतिया घरों के बारे में कोई सुराग नहीं मिल सका, जबकि ऐसे घर निश्चित रूप से बहुत सारे होंगे।

जब हम ऑस्ट्रिया के वियना पहुँचे, तो हालात कुछ बेहतर थे। एक तो, मेरे प्रिय मित्र तुरहान बे ने मुझे मौजूदा शोधों से अवगत रखा था, और डेन्यूब नदी के किनारे बसे इस शहर में पहुँचते ही हम ऑस्ट्रियाई मानसिक अनुसंधान समिति की अध्यक्ष काउंटेस ज़ोए वासिलको-सेरेकी से मिलने गए। उन्होंने हमें ऑस्ट्रिया की स्थिति से अवगत कराया, जहाँ प्रेस परा-मनोवैज्ञानिक अध्ययनों की रिपोर्टिंग के किसी भी गंभीर प्रयास के प्रति खुले तौर पर शत्रुतापूर्ण और उपहासपूर्ण रवैया अपना रहा था। मैं स्वयं ऑस्ट्रियाई मूल का एक अमेरिकी हूँ, इसलिए अगले दिन जब मैंने टेलीविजन और रेडियो वालों से बात की तो स्थानीय भाषा का उपयोग मेरे लिए बहुत मददगार साबित हुआ। मुझे जल्दी ही पता चल गया कि रेडियो वालों ने मुझसे कोई वास्ता नहीं रखा, क्योंकि एक स्थानीय जादूगर ने जिम्मेदार निर्माताओं को यह विश्वास दिला दिया था कि सभी मानसिक अनुभव बकवास हैं और वह उन्हें अपनी इच्छा से दोहरा सकता है। ऑस्ट्रियाई टीवी के नवगठित मुख्यालय में मुझे कुछ अधिक खुले विचारों वाला रवैया देखने को मिला, जो हमारे मुख्यालय से लगभग दस साल पीछे था, लेकिन सद्भावना से भरा हुआ था और कम बजट और दबावों जैसी बड़ी बाधाओं के बावजूद काम कर रहा था। अंततः, कैसर नाम का एक पत्रकार कैथरीन और मेरे साथ भूत-प्रेत की खोज में जाने और बिना किसी पूर्वाग्रह या तोड़-मरोड़ के निष्पक्ष रिपोर्टिंग करने के लिए सहमत हो गया। मुझे कहना होगा कि उसने अपना वादा निभाया।

20 अगस्त 1964 को, कैसर और एक कैमरामैन हमें हमारे होटल से लेने आए और हम इंपीरियल कैसल गए, जो वियना के बिल्कुल मध्य में स्थित इमारतों का एक विशाल समूह था। वहाँ हम पैदल चलकर महल के सबसे पुराने हिस्से, जिसे अमालिएनबर्ग के नाम से जाना जाता है, में गए। मेरे पास बस इतनी ही जानकारी थी कि उस क्षेत्र में एक भूत देखा गया था।

कैसर ने तुरंत ही गेट पर खड़े पुलिस अधिकारी की ओर मुड़कर उससे पूछा कि क्या वह किसी भूत के बारे में जानता है।

“भूत?” अधिकारी ने कुछ हैरानी से पूछा और अपना सिर खुजाया। “मुझे तो किसी भूत का पता नहीं।” उन्होंने सुझाव दिया कि हम बर्गहॉप्टमैन, यानी गवर्नर से मिलने चलें। गवर्नर लगभग चालीस वर्ष के एक सज्जन थे जिनका नाम न्युंटेफेल था, जिसका अर्थ है

नौ शैतान। नरक के समान बिल्कुल नहीं, उन्होंने हमें अपने कार्यालय में आमंत्रित किया और सम्मानपूर्वक सुना, जब कैसर ने मेरे बारे में उन्हें बताया। यह देखते हुए कि हम कट्टर कैथोलिक वियना में, एक उच्च सरकारी अधिकारी के कार्यालय में थे, मैंने उनके साहस की प्रशंसा की। लेकिन फिर कैसर ने मुझसे निजी तौर पर स्वीकार किया था कि उन्होंने टेलीपैथी की एक ऐसी घटना का अनुभव किया था जिसे वे नकार नहीं सकते थे। उनकी खुले विचारों वाली सोच दिखावटी नहीं बल्कि सच्ची थी।

अंत में राज्यपाल ने कहा, "मुझे खेद है, लेकिन मैं इस पद पर केवल पाँच वर्षों से हूँ। मुझे भूतों के बारे में कुछ भी नहीं पता। लेकिन यहाँ एक पुराना कर्मचारी है जो शायद आपकी मदद कर सके।"

मेरा दिल घबराने लगा था और मैंने खुद को टेलीविजन पर उपहास का पात्र बनते देखा। "प्लीज, लड़कों," मैंने अपने ऊपर बैठे दोस्तों से धीमी आवाज़ में कहा, "हमारी थोड़ी मदद करो।"

श्री न्यूंटेफेल ने फोन किया और श्री संडे से बात करने को कहा। थोड़ी देर का विराम हुआ। फिर उन्होंने कहा, "ओह, मैं समझ गया। आपका मतलब है कि श्री संडे शुक्रवार को नहीं होंगे?" मैंने सोचा, काला शुक्रवार! लेकिन तभी राज्यपाल का चेहरा खिल उठा। श्री संडे एक पल में आ जाएंगे।

बाद के वर्षों में वह व्यक्ति शांत और मृदुभाषी क्लर्क निकला। उसने लगभग अपना पूरा वयस्क जीवन यहीं काम किया था। "जी हाँ," उसने सिर हिलाया। "यहाँ सचमुच एक भूत है; लेकिन अमालिएनबर्ग में नहीं। आइए, मैं आपको दिखाता हूँ कहाँ है।"

जब उन्होंने बोलना शुरू किया, तब सन्नाटा छा गया था, मानो किसी भूत के चलने की आवाज़ सुनाई दे रही हो। कैसर ने मुझे प्रशंसा और हैरानी भरी नज़रों से देखा। वह और उनका कैमरामैन पहले ही उठ खड़े हुए थे। गवर्नर के साथ, हम संडे के पीछे-पीछे कई सीढ़ियाँ चढ़े-उतरे, गलियारों से गुज़रे, दुर्गंधयुक्त हॉल से होते हुए महल के पिछले हिस्से में एक सीढ़ी से ऊपर गए।

चलते हुए राज्यपाल ने मुझसे माफी मांगते हुए कहा, "मैं खुद कभी यहां नहीं आया।" उन्होंने आगे कहा, "दरअसल, मुझे तो पता भी नहीं था कि यह हिस्सा मौजूद है।"

ये क्या हो रहा है! मैंने सोचा। ये तो बहुत बड़ा घर है।

अब हम एक मार्टरल के सामने खड़े थे, जो दीवार में निर्मित और धातु की जाली से सुरक्षित, एक विशिष्ट ऑस्ट्रियाई शैली की पवित्र कुंवारी कन्या की वेदी थी। बाईं ओर वे

सीढ़ियाँ थीं जिनसे हम ऊपर आए थे, और दाईं ओर एक और छोटी सीढ़ी थी, जो एक लकड़ी के दरवाजे से बंद थी।
“हम कहाँ हैं?” कैसर ने पूछा।
"यह बैरोनेस वेसेरा का निजी अपार्टमेंट है," संडे ने कहा।
बैरोनेस वेसेरा क्राउन प्रिंस रुडोल्फ की प्रेमिका थीं, जो प्रसिद्ध मेयरलिंग त्रासदी के केंद्रीय पात्र थे, जिसके परिणामस्वरूप एक बड़ा राष्ट्रीय घोटाला हुआ जिसने 1880 के दशक के ऑस्ट्रिया को हिलाकर रख दिया था।
संडे ने बताया, “युवराज ने यह फ्लैट इसलिए किराए पर लिया था ताकि वे अपनी प्रेमिका से एकांत में मिल सकें। इमारत के नक्शे में इन सीढ़ियों का कोई निशान नहीं है।”
“इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं!” राज्यपाल ने राहत की सांस ली।
गणतंत्र द्वारा राजशाही को उखाड़ फेंकने के बाद से, हाल के वर्षों में महल का एक हिस्सा स्पष्ट रूप से निजी नागरिकों को किराए पर दिया गया था, और महल के अधिकारियों ने तब से उस हिस्से पर बहुत कम ध्यान दिया था।
मैंने पूछा, "क्या यहाँ किसी ने भूत देखा है?"
संडे ने सिर हिलाया। “एक जैगर ने कुछ साल पहले, साम्राज्य के शासनकाल में, यहाँ एक श्वेत महिला को देखने की सूचना दी थी।” जैगर टायरोलियन या अन्य अल्पाइन रेजिमेंट का सैनिक होता है। संडे ने आगे कहा, “फिर वहाँ गार्डिस्ट बेरन है, जिसने इस श्वेत महिला को यहीं, वर्जिन मैरी की वेदी के पास देखा था। वास्तव में, कई नौकरों ने भी उसे देखा है।”
मैंने पूछा, "यह सब कब से शुरू हुआ—मेरा मतलब है, उसे कब से देखा जा रहा है?"
"ज्यादा समय पहले की बात नहीं है," संडे ने जवाब दिया, "लगभग अस्सी साल पहले की बात है।"
रुडोल्फ और वेसेरा की मृत्यु के बाद, मैंने सोचा। बिल्कुल! यही उनका घर था, एकमात्र ऐसी जगह जहाँ वे छुपकर मिल सकते थे। इतिहासकारों में यह आवाज़ें तेज़ हो रही हैं कि मेयरलिंग की आत्महत्या आत्महत्या नहीं, बल्कि एक तरह की हत्या थी।
क्या बैरोनेस वेसेरा की बेचैन आत्मा संतुष्टि की मांग कर रही थी या क्या वह प्रेत उसकी पश्चाताप भरी छवि थी, जो मंदिर में प्रार्थना कर रही थी, और उस त्रासदी के लिए क्षमा मांग रही थी जो उसने की थी?

रविवार को हम संकरे गलियारे से आगे बढ़ते हुए महल के सबसे पुराने हिस्से में पहुँचे। मोटी दीवारें और छोटी-छोटी खिड़कियाँ किसी किले की याद दिलाती थीं, न कि हैब्सबर्ग साम्राज्य के किसी दर्शनीय स्थल की।

उन्होंने कहा, "कुछ समय पहले, डॉ. शेफर के एक मरीज ने, जिनका क्लिनिक यहीं था, एक कैपुचिन भिक्षु को गलियारे से गुजरते हुए देखा।"

मैंने पूछा, "एक भिक्षु यहाँ क्या कर रहा होगा?"

“प्रारंभिक दिनों में, सम्राट अपनी निजी जरूरतों के लिए यहाँ कुछ भिक्षुओं को रखते थे। इसी स्थान पर किले में एक कैपुचिन मठ बनाया गया था।”

हमने कुछ देर इंतजार किया, लेकिन कोई कैपुचिन नहीं आया। शायद वे सभी शाही तहखाने में व्यस्त थे, जहाँ कैपुचिन पादरी पचास सेंट प्रति व्यक्ति के हिसाब से पर्यटकों को भव्य शाही ताबूत दिखाने का अच्छा-खासा कारोबार करते हैं।

मैंने कैसर की ओर देखा, और उसके चेहरे पर विचारमग्न भाव था।

हम टीवी स्टूडियो लौट आए और कुछ फुटेज फिल्माए, जिसमें मुझे भूतिया घरों की तस्वीरों के साथ दिखाया गया। फिर एक रिपोर्टर ने मेरे संवाद लिख लिए, और अगले दिन, जैसा कि उनकी प्रथा है, दैनिक समाचार रील कमेंटेटर ने हमारी भूतिया खोज की कहानी लगभग सात मिलियन ऑस्ट्रियाई लोगों को पढ़कर सुनाई, जिन्हें इससे पहले कभी भी मानसिक अनुसंधान के बारे में नहीं बताया गया था।

घटनाओं की श्रृंखला कभी-कभी कई कड़ियों से मिलकर बनी होती है। न्यूयॉर्क में एक दोस्त के दोस्त ने मुझे हर्टा फिशर से मिलवाया, जो एक माध्यम और रहस्यवाद की छात्रा थीं, जिन्होंने बदले में मुझे सुझाव दिया कि जब मैं वियना में होऊं तो एडिथ रीडल से संपर्क करूं।

श्रीमती रीडल ने हमें दक्षिणी ऑस्ट्रिया के उन दो भूतिया किलों में ले जाने की पेशकश की, जहाँ मैं जाना चाहता था। दरअसल, वियना पहुँचने से पहले ही उन्होंने मेरी मदद कर दी थी। स्थानीय समाचार पत्र 'वोक्सब्लाट' ने हमारे आगमन से दो सप्ताह पहले मेरी गतिविधियों के बारे में एक बेहद तोड़-मरोड़ कर पेश की गई रिपोर्ट प्रकाशित की थी। श्रीमती रीडल ने मुझे वह रिपोर्ट भेजी ताकि मैं उचित कार्रवाई कर सकूँ।

मैंने फोन उठाया और वोल्क्सब्लाट को डायल किया।

मैंने जर्मन में कहा, "कृपया 'जिम्मेदार संपादक' से बात कीजिए।" ऑस्ट्रियाई अखबारों में "जिम्मेदार संपादक" नियुक्त होते हैं, जो आमतौर पर छोटे-मोटे क्लर्क होते हैं, और

जब भी अखबार में कोई मानहानिकारक लेख प्रकाशित होता है, तो उन्हें ही दोष लेना पड़ता है।

"हैलो," फोन के दूसरी तरफ से एक मधुर और कोमल आवाज सुनाई दी।

मैंने जवाब दिया, "हेलो, आप भी! क्या आपने हाल ही में हैंस होल्ज़र, द घोस्ट हंटर के बारे में कोई लेख प्रकाशित नहीं किया था?"

“हां, हां,” आवाज ने कहा। “हमने कर दिखाया।”

मैंने मधुर स्वर में कहा, "ठीक है, मैं ही वह व्यक्ति हूँ, और मैं आप पर पाँच मिलियन शिलिंग का मुकदमा कर रहा हूँ।"

दूसरी तरफ से एक गहरी सांस लेने की आवाज आई। “रुको!” आवाज ने विनती की। “चलिए, हम इस बारे में बात कर लेते हैं।”

अगले दिन दोपहर को तुरहान बे हमें अखबार के संपादकीय कार्यालय तक ले गए और पास के एक कैफे में हमारे लौटने का इंतज़ार करने लगे। मेरी प्रकाशक से तीन बजे की मुलाकात तय थी। तीन बजकर पंद्रह मिनट पर मैंने रिसेप्शनिस्ट को याद दिलाया कि समय बहुत महत्वपूर्ण है। पाँच मिनट बाद भी कोई बात नहीं हुई, तो मैंने अपना कार्ड एक नोट के साथ अंदर भेज दिया: "माफ़ कीजिए, मैं इंतज़ार नहीं कर सकता—मैं अपने वकील के पास जा रहा हूँ, जिनसे आपको आगे की जानकारी मिलेगी।"

“एस.ओ.बी.” कहने से पहले ही प्रकाशक दौड़ता हुआ आ गया। मैं उसके दफ्तर पहुँचा, जहाँ उसके संपादक और हैनेस वाल्टर नाम का एक पत्रकार भी मेरे साथ आ गया। इस बात पर सहमति बनी कि मैं मानहानि का मुकदमा कर सकता हूँ। लेकिन वे एक दूसरा लेख छापने को तैयार थे, जो कहीं अधिक विस्तृत था और जिसमें मानहानिकारक सामग्री बिल्कुल नहीं थी। क्या मैं इससे सहमत होता?

मैं हमेशा अपराधियों को दूसरा मौका देने में विश्वास रखता हूँ। कुछ हफ़्ते बाद जब मैंने वह लेख पढ़ा, तो मुझे एहसास हुआ कि मुझे मुकदमा करना चाहिए था। मुख्य रूप से श्री वाल्टर की सोच का नतीजा होने के बावजूद, उसमें कई इशारे थे, हालांकि उसमें मेरी गतिविधियों का कुछ हद तक सटीक वर्णन था। ऑस्ट्रियाई टीवी तब केवल दस साल पुराना था, लेकिन वहाँ का प्रेस कई सौ साल पुराना है—फिर भी सार्वजनिक रूप से मुझे जो एकमात्र उचित व्यवहार मिला, वह घरों की स्क्रीन पर ही था। जैसा कि कई देशों में होता है, पत्रकार अक्सर अपने पाठकों की बुद्धिमत्ता को कम आंकते हैं। यही एक कारण है कि इतने सारे टीवी सेट बिके हैं।

श्रीमती रीडल पचास के दशक के उत्तरार्ध या साठ के दशक के आरंभिक वर्ष की एक सुसंस्कृत महिला थीं, जो कई भाषाएँ बोल सकती थीं और बौद्धिक जिज्ञासा से परिपूर्ण थीं। कुलीन हंगेरियन वंश की होने के कारण, उनका विवाह मैनर्स चॉकलेट फैक्ट्री के मालिकों में से एक से हुआ था और वे डोर्नबाख के उपनगर में एक विशाल विला में रहती थीं।

पहले तो वह हमें अपनी कार में बर्गनलैंड प्रांत ले जाने वाली थीं, लेकिन जब तुरहान बे ने साथ आने की पेशकश की, तो हमने उनकी बड़ी कार ले ली। हम चारों ने मिलकर एक शानदार टीम बनाई और कई क्षेत्रों में आपसी संबंध खोजे। मैं एडिथ रीडल की माध्यमता के बारे में और अधिक जानना चाहता था, इसलिए मैंने उनसे अपने बारे में सब कुछ बताने को कहा।

हम दक्षिण की ओर बढ़ रहे थे, ऑस्ट्रिया का वह हिस्सा जिसे 1919 में मिला लिया गया था और जो कई सदियों तक हंगरी का प्रांत रहा था, हालांकि इस क्षेत्र के लोग हमेशा से जर्मन और हंगेरियन दोनों भाषाएँ बोलते थे। जल्द ही हमने वियना के विशाल महानगर को पीछे छोड़ दिया और दक्षिणी राजमार्ग पर विएनर न्यूस्टाड के आसपास के पहाड़ों की ओर तेज़ी से बढ़ने लगे, जो एक महत्वपूर्ण औद्योगिक शहर था। यहाँ से हम एक कम इस्तेमाल होने वाली सड़क पर मुड़ गए और बुर्गेनलैंड, या महलों की भूमि में उतरने लगे।

मैंने पूछा, "श्रीमती रीडल, मुझे बताइए, आपने अपने बारे में पहली बार कुछ असामान्य कब महसूस किया—मेरा मतलब है, मानसिक शक्तियों का होना?"

अच्छी अंग्रेज़ी में बोलते हुए, बीच-बीच में कुछ जर्मन या फ्रेंच शब्द भी बोलती हुई, वह चंचल छोटी बच्ची बेझिझक अपने बारे में बातें करने लगी। उसने जवाब दिया, "जब मैं सिर्फ़ तीन साल की थी, तब मुझे अपना पहला अनुभव हुआ। मैं अपने कमरे में थी, तभी मैंने अपनी खिड़की के बाहर धुआँ उठता देखा, मानो आग लगी हो। यह तो बस मेरा भ्रम था—असल में कोई धुआँ नहीं था।"

“‘हम युद्ध में उतर जाएंगे!’ मैं चिल्लाया और अपनी माँ के पास भागा। ज़रा सोचिए, एक छोटा बच्चा युद्ध के बारे में बात कर रहा है। मुझे यकीनन उस शब्द का अर्थ नहीं पता था जिसका मैं इस्तेमाल कर रहा था!”

“अद्भुत,” तुरहान बे ने कहा, और मैं उनसे सहमत थी। मैंने इससे पहले कभी इतनी कम उम्र में मानसिक अनुभवों के बारे में नहीं सुना था।

"तीस साल बाद, उस घर पर बम गिरा, और सचमुच उसी जगह से धुआं उठा जहां मैंने उसे बचपन में देखा था, और घर जलकर राख हो गया।"
मैंने पूछा, "आखिरी बार आपको मानसिक दृष्टि से कोई असामान्य अनुभव कब हुआ था?" ग्रामीण इलाका धीरे-धीरे और अधिक देहाती होता जा रहा था और अब हमें कम ही कारें दिखाई दे रही थीं।
“मैं सत्रह साल का था। मेरा एक चचेरा भाई हंगेरियन हुस्सार रेजिमेंट में सेवारत था, और हमारी शादी तय हो चुकी थी। पहला विश्व युद्ध पहले ही शुरू हो चुका था, लेकिन उसने मोर्चे पर सेवा नहीं की। वह देश के अंदरूनी हिस्से में, हाइडेनशाफ्ट के पास तैनात था।”
“ ‘मुझे मोर्चे पर लड़ने में कोई आपत्ति नहीं है,’ वह अक्सर मुझसे कहते थे। ‘मैं दुश्मन से नहीं डरता। मुझे बस किसी तरह कोहरे से डर लगता है।’”
“कोहरा?” मैंने कहा। “हंगरी में एक हुसार अधिकारी के लिए कोहरे की चिंता करना अजीब बात है। यहाँ तो ज़्यादा कोहरा नहीं होता, है ना?”
“नहीं, मुझे समझ नहीं आ रहा था कि कोहरे से उसे डरने की क्या ज़रूरत है। खैर, क्रिसमस आया और मैंने उसे एक कार्ड भेजा, जिस पर एक देवदूत बना हुआ था। बिना ज़्यादा सोचे-समझे, मैंने देवदूत के प्रभामंडल में ‘शांति’ शब्द लिख दिया और कार्ड अपने मंगेतर को भेज दिया।”
बाद में मुझे इस बात का पछतावा हुआ—आखिरकार, एक सैनिक के लिए जीत की कामना करनी चाहिए, शांति की नहीं—मैं कार्ड वापस चाहता था, क्योंकि यह पूरा विचार मुझे परेशान कर रहा था। मुझे कार्ड वापस मिल गया—लेकिन उस पर किसी अनजान व्यक्ति के हाथ से लिखा हुआ था, 'सेवा के दौरान शहीद, 22 दिसंबर।'
“मुझे समझ नहीं आ रहा था कि हाइडेनशाफ्ट में युद्ध के दौरान उसकी मृत्यु कैसे हो सकती है, जहाँ सैकड़ों मील के दायरे में कोई दुश्मन नहीं था। मुझे बहुत बुरा लगा। मैं भी मरना चाहती थी। मैं अपने कमरे में गई और बत्तियाँ बुझा दीं; मैं जल्दी सोना चाहती थी। मैं अभी सोई नहीं थी—असल में, पूरी तरह जाग रही थी—तभी मुझे अपने पास एक तरह की रोशनी दिखाई दी, और उस चमकदार घेरे में मैंने एक चट्टान, एक पेड़ और पेड़ के नीचे किसी चीज़ का चूर्ण-चूर्ण देखा, जिसे करीब से देखने की हिम्मत मुझमें नहीं थी। उस पल मुझे पता चला कि या तो मैं उसके साथ मृत्यु को प्राप्त हो जाऊँ, या जीवित रहूँ। बहुत कम उम्र होने के कारण, मेरी जीवन शक्ति प्रबल हुई। जैसे ही मैंने

जीवितों की दुनिया में रहने का फैसला किया, वह दृश्य धीरे-धीरे धुंधला होता गया। लेकिन मैं अब भी सोच रही थी कि वह जहाँ तैनात था, वहाँ उसकी मृत्यु कैसे हो सकती है। वह दृश्य तुरंत वापस आ गया, लेकिन मेरी देखने की शक्ति कमजोर हो रही थी; शायद उत्तेजना मुझ पर हावी हो गई थी। खैर, मैं उसे स्पष्ट रूप से नहीं देख पा रही थी।"
अगली सुबह मैंने अपने माता-पिता को घटना के बारे में बताया। माँ और पिताजी ने एक-दूसरे को देखा। माँ ने कहा, 'उसे बता देना ही बेहतर है,' लेकिन पिताजी ने सिर हिला दिया। एक साल बीत गया, लेकिन मैं अपने मंगेतर को कभी नहीं भूली।
एक दिन मैंने अपने पिता के अध्ययन कक्ष में कुछ कागजात व्यवस्थित करने में उनकी मदद की। जब मैं उनकी मेज पर रखे कागजात छांट रही थी, तभी मेरी नज़र काले बॉर्डर वाले एक पत्र पर पड़ी। मुझे लगा कि यह मेरे मंगेतर फ्रांसिस से संबंधित है। मैंने अपने पिता से पूछा कि क्या मैं इसे ले जा सकती हूँ, और अपने कामों में व्यस्त होने के कारण उन्होंने सहमति में सिर हिलाया।
"मैं तुरंत अपने कमरे में गई और काले बॉर्डर वाला पत्र खोला। यह फ्रांसिस के एक दोस्त का पत्र था, और उसने परिवार को बताया कि मेरे मंगेतर की मृत्यु कैसे हुई। वह इतालवी मोर्चे की ओर एक टोही मिशन पर एक छोटा विमान उड़ा रहा था, लेकिन अचानक घने कोहरे के कारण उसे रुकना पड़ा। घने कोहरे में, उसने अपनी ऊंचाई का गलत अनुमान लगाया और एक चट्टान से टकरा गया। विमान के टुकड़े-टुकड़े हो गए और बाद में उसका शव एक पेड़ के नीचे मिला। बिल्कुल वैसा ही जैसा मैंने अपने सपने में देखा था!"
मैंने कहा, "मुझे लगता है कि आपने मुझे पूर्वाभास से जुड़े कुछ चौंकाने वाले अनुभवों के बारे में बताया था - आने वाली आपदा की चेतावनी देने की आपकी क्षमता के बारे में।"
"ऐसा अक्सर होता है," श्रीमती रीडल ने जवाब दिया। "उदाहरण के लिए, पिछले युद्ध के दौरान, एक बार जब मेरे बच्चे ला ऑन थेयर में स्कूल में पढ़ रहे थे, तो मैं कई बच्चों और कुछ माताओं के साथ स्कूल बस से उनसे मिलने गई। मैं ड्राइवर के पीछे बैठी थी, तभी अचानक हमारे इलाके में होने वाले तूफ़ान में से एक आ गया। अचानक, मैंने ड्राइवर से चिल्लाकर कहा, 'रुको, तुरंत रुको!'"
"वह रुका और पीछे मुड़ा। 'क्या तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है? क्या बात है?' उसने पूछा। उसके बोलने से पहले ही एक विशाल पेड़ सड़क पर गिर गया और उस जगह पर जा गिरा जहाँ अगर मैंने बस को न रोका होता तो वह होती।"

“एक और अवसर पर, पिछले युद्ध के बाद, मेरी बेटी और मुझे ग्रामीण इलाके में स्थित मिस्टेलबाख में एक शादी में आमंत्रित किया गया था। उस समय अपनी कार का उपयोग करना संभव नहीं था, ट्रेनें अभी तक नहीं चल रही थीं, और परिवहन काफी आदिम था।

“दो समूह थे: एक हमारी शादी का दल था, दूसरा एक अंतिम संस्कार का दल था जो उसी दिशा में जा रहा था। परिवहन बस से हो रहा था। हमारे नंबर पुकारे गए, और हम बस में चढ़ने ही वाले थे, तभी मैंने अपनी बेटी को पुकार कर कहा, ‘वापस आ जाओ, यह हमारी बस नहीं है।’”

"हमारा पूरा समूह वापस मुड़ गया और मुझसे पूछा गया कि मैंने उन्हें वापस क्यों बुलाया, जबकि स्पष्ट रूप से हमारे नंबर बुलाए जा चुके थे।"

“मैं उन्हें बता नहीं सका। मुझे कभी पता नहीं चलता कि मैं ये सब क्यों करता हूँ। मुझे बस इतना पता है कि मुझे ये करना ही है।”

“इसी बीच, दूसरे पक्ष के लोग, जो उस अंतिम संस्कार में जा रहे थे, हमारी जगह बस में चढ़ गए। मैंने कहा, ‘बस को अगली बार हमें लेने के लिए वापस आना है।’”

“क्या सच में?” मैंने पूछा।

“बस को आधे घंटे में वापस आना था। तीन घंटे बीत गए और बस नहीं आई। फिर खबर आई—एक दुर्घटना हो गई थी। मेरी चेतावनी से हम बच गए, लेकिन अंतिम संस्कार में शामिल लोग बुरी तरह घायल हो गए।”

"आपको ये चेतावनी देने वाली चमक कितनी बार दिखाई दी हैं?"

"पिछले पांच वर्षों में शायद बीस बार।"

"आपमें यह महसूस करने की क्षमता भी है कि वस्तुएं और लोग कहां सुरक्षित हो सकते हैं, क्या यह सही नहीं है?"

“जी हां,” श्रीमती रीडल ने सिर हिलाया। “जैसा कि आप जानती हैं, मेरे पति के पास दुर्लभ पुस्तकों का एक अनमोल संग्रह है। जब युद्ध छिड़ा, तो उन्होंने सबसे कीमती पुस्तकों को देश के किसी सुरक्षित स्थान पर भेजने का फैसला किया। लेकिन जैसे ही पुस्तकें वहां उतारी गईं, मुझे ड्राइवर को उन्हें वापस लाने का आदेश देना पड़ा। मुझे वह जगह बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं लगी। हम एक गिरजाघर गए और उन्हें वहां छिपाने की कोशिश की, लेकिन फिर भी मेरे मन में एक आभास हुआ कि वह जगह सुरक्षित नहीं है। आखिरकार, हमने दूसरी गिरजाघर में पुस्तकें उतार दीं। पादरी को पहले ही वियना

के एक पुस्तक विक्रेता की कुछ पुस्तकें मिल चुकी थीं और उन्होंने मुझे भी अपनी पुस्तकें उसमें जोड़ने के लिए आमंत्रित किया। लेकिन मैंने विनम्रता से मना कर दिया। इसके बजाय, मैं इधर-उधर तब तक खोजती रही जब तक मुझे वह जगह नहीं मिल गई जिसे मेरी अंतरात्मा ने मुझे घर में एकमात्र सुरक्षित स्थान बताया: शौचालय!"
"पुजारी ने इस पर कैसी प्रतिक्रिया दी?"
"खैर, उन्हें यह पसंद नहीं आया। उन्होंने मुझसे विरोध किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। आखिरकार, घर आग में जलकर राख हो गया, सिवाय शौचालय के, और युद्ध के अंत में हमारी किताबें सुरक्षित थीं!"
"क्या आपने अपने इस उपहार को अपने व्यक्तित्व के एक हिस्से के रूप में स्वीकार कर लिया है?"
"बिल्कुल। ज़रा सोचिए कि इससे मुझे अब तक कितना फायदा हो चुका है।"
अब हम उस सीमावर्ती क्षेत्र में पहुँच चुके थे जहाँ आज का हंगरी ऑस्ट्रिया से मिलता है, और हमें सावधान रहना था कि कहीं हम गलती से गलत रास्ते पर चलकर लौह पर्दे को पार न कर लें। ज़मीन हरी-भरी और उपजाऊ थी और सड़क सुंदर पहाड़ियों के बीच से गुज़र रही थी, जिन पर कभी-कभी प्राचीन महल या किले बने होते थे, जो इस बात का स्पष्ट प्रमाण थे कि इस देश को अपना नाम - किलों की भूमि - कैसे मिला।
हमारा गंतव्य फोरचेंस्टाइन था, जो एक विशाल पहाड़ी की चोटी पर स्थित भव्य इमारतों का एक पीले रंग का परिसर था, जो आसपास के परिदृश्य से सीधा ऊपर उठता हुआ प्रतीत होता था। जैसे-जैसे हम पहाड़ी पर चढ़ते गए, हमें उसकी मीनारें अपनी ओर बुलाती हुई दिखाई देने लगीं।
कुछ ही देर बाद, हम भव्य किले के पास पहुँचे और तुरहान ने गाड़ी खड़ी कर दी। यह एस्टरहाज़ी परिवार के सबसे बड़े किलों में से एक था, और ऐसे कई किले थे, क्योंकि यह परिवार कई शताब्दियों तक हंगरी और दक्षिण-पूर्वी ऑस्ट्रिया में धनी और शक्तिशाली रहा था। हालाँकि कम्युनिस्टों ने हंगरी में एस्टरहाज़ी की ज़मीनें छीन ली हैं, फिर भी यह परिवार ऑस्ट्रिया में विशाल जागीरों पर अपना नियंत्रण बनाए हुए है, और संभवतः आगे भी बनाए रखेगा। फोरचेंस्टीन को एक संग्रहालय के रूप में चलाया जाता था। इसकी किलेबंदी, लंबी, मेहराबदार दीर्घाएँ और कमरे, चित्रों का शानदार संग्रह और एक छोटी सेना को सुसज्जित करने के लिए पर्याप्त मध्यकालीन और सत्रहवीं शताब्दी के हथियार इसे मध्य यूरोप के इस हिस्से में एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण बनाते हैं।

हालाँकि इसकी शुरुआत चौदहवीं शताब्दी में हुई थी, लेकिन इसे वास्तव में तुर्की युद्धों के समय ही महत्व मिला, जब अर्धचंद्र और तारा सचमुच बहुत करीब थे।
उस दौरान पूरे राज्य के लिए न्याय न्यायालय भी यहीं लगता था और प्रांगण में ही फांसी की सजाएं दी जाती थीं।
हम सामने की खाई को पार करके, एक लकड़ी के पुल से होते हुए बाहरी आंगन में पहुंचे।
"इस महल में तरह-तरह की आवाजें और तरह-तरह की हलचलें होती रहती हैं," श्रीमती रीडल ने समझाया।
“यहाँ एक कुआँ है, जो चार सौ बीस फीट गहरा है, जिसे तुर्की के युद्धबंदियों ने खुदवाया था। कुआँ बनकर तैयार हो जाने पर, युद्धबंदियों को उसमें फेंक दिया गया था। मुझे यकीन है कि उनमें से कुछ अभी भी जीवित हैं।”
"आपको कैसे मालूम?"
"कुएं के आसपास कई लोगों ने आहें भरने की आवाज सुनी है।"
तुरहान बे, जो आधे तुर्की और आधे ऑस्ट्रियाई थे, मुस्कुराए। उन्होंने कहा, "मैं यहां शांति के राजदूत के रूप में आया हूं।"
"साथ ही जंजीरों के खड़कने की आवाज भी आ रही थी," श्रीमती रीडल ने आगे कहा।
"क्या आपको यहां कभी कुछ असामान्य महसूस हुआ?"
श्रीमती रीडल ने जवाब दिया, “मैं पहले भी एक बार यहाँ आ चुकी हूँ, और जब भी मुझे अकेले रहने का मौका मिलता था, समूह के बाकी लोगों से दूर, जिन्हें घुमाया जा रहा था, तो मुझे किसी की मौजूदगी का एहसास होता था। कोई मुझसे कुछ कहना चाहता था, शायद मुझसे मदद की गुहार लगाना चाहता था। लेकिन गाइड हमें आगे ले गया, और मैं पता नहीं लगा पाई कि वह कौन था।”
अगर कोई एक चीज़ है जो मुझे बेहद नापसंद है, तो वो है किसी भी तरह के गाइडेड टूर। मैं स्थानीय गाइड के पास गया और उससे प्राइवेट टूर के लिए कहा। उसने ज़ोर देकर कहा कि मैं एक दर्जन टिकट खरीदूँ, जो कि सबसे कम संख्या थी जितने लोगों को वो घुमा सकता था। हम सब एक साथ निकल पड़े, चार इंसान और आठ भूत। कम से कम मैंने आठ भूतों के लिए पैसे तो दे दिए।
अब हम भीतरी आंगन में चले गए, जहां प्रवेश द्वार के मेहराब के नीचे एक भरा हुआ मगरमच्छ लटका हुआ था, जिसने हमें उन दिनों की याद दिला दी जब एस्टरहाज़ी

परिवार के लोग दुनिया भर में शिकारी हुआ करते थे।
"माना जाता है कि इससे बुरी आत्माएं भाग जाती हैं," श्रीमती रीडल ने टिप्पणी की।
“मुझे लगता है कि उनका अंतरात्मा उन्हें कचोट रहा होगा,” मैंने गंभीर स्वर में कहा। उन दिनों हंगरीवासी क्रूरता में तुर्कों के बराबर ही थे।
हम पॉल एस्टरहाज़ी के स्मारक के पास से गुज़रे, जिस पर जंजीरों में जकड़े तुर्की युद्धबंदियों को दर्शाने वाली नक्काशी बनी हुई थी, और फिर किले में प्रवेश किया। हमारे गाइड ने हमें सीढ़ियों से छत पर ले गए, जो झाड़ियों और घास से ढकी हुई थी।
अचानक, श्रीमती रीडल ने मेरा हाथ पकड़ लिया। "वहाँ, मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं उस जगह की ओर खिंची चली जा रही हूँ। यहाँ किसी ने बहुत कष्ट सहा है।"
हम वापस उसी रास्ते पर लौटे और उसके बताए हुए दिशा-निर्देश का अनुसरण किया। यहाँ ज़मीन खुदी हुई थी और एक छोटा सा रास्ता दिखाई दे रहा था, जो किले की ओर नीचे जाता था।
मैंने अपने गाइड से पूछा, "इसके नीचे क्या है?"
“कालकोठरी,” उसने जवाब दिया। वह भूतों पर विश्वास नहीं करता था। उसे सिर्फ पर्यटकों पर विश्वास था।
हम जल्दी से टावर में नीचे उतरे। गहरे तहखाने में जाने वाले द्वार पर पहुँचकर हम रुक गए। श्रीमती रीडल अब गहरी भावनाओं से कांप रही थीं।
"ऊपर किसी ने मेरी स्कर्ट पकड़ ली," उसने कहा और उस छत की ओर इशारा किया जिसे हम अभी-अभी छोड़कर आए थे, "जैसे कि वह खुद पर ध्यान आकर्षित करने की कोशिश कर रही हो।"
मैंने धुंधली रोशनी वाले तहखाने में नीचे देखा। हम सभी को एक अजीब सी सिहरन महसूस हुई। यहीं पर महल का मालिक अपने दुश्मनों को भूख से मरने के लिए फेंक देता था। एक बार वह महल से बाहर गया था और उसका प्रशासन अपनी पत्नी रोज़ाली को सौंप दिया था। उसने उसके कुछ मेहमानों के साथ दुर्व्यवहार किया और उसके लौटने पर उसने उसे भी इसी तहखाने में मरने के लिए फेंक दिया।
ऐसा कहा जाता था कि उसका भूत महल में भटकता था, हालांकि उसके पति ने, पश्चाताप या भूत के भय से ग्रस्त होकर, पास की एक पहाड़ी पर रोसैली को समर्पित एक चैपल का निर्माण करवाया था।
मैंने श्रीमती रीडल से पूछा, "आपको यहां कैसा महसूस हो रहा है?"

“एक महिला बहुत ऊँची जगह से यहाँ नीचे गिर गई। मुझे उसका बहुत गहरा एहसास हो रहा है।”
"उससे क्या चाहिए?"
श्रीमती रीडल एक पल के लिए चुप रहीं, फिर कांपती हुई आवाज में बोलीं, "मुझे लगता है कि वह चाहती हैं कि हम उनके लिए प्रार्थना करें।"
गाइड के बताए रास्ते पर चलते हुए, हम सीढ़ियों की एक और सीढ़ी चढ़कर एस्टरहाज़ी परिवार के निजी चैपल में पहुँचे। बारह टिकट लिए हुए व्यक्ति के लिए वहाँ कोई भी दरवाजा बंद नहीं था।
श्रीमती रीडल ने झटपट गैलरी की रेलिंग पकड़ ली और पूरी श्रद्धा से प्रार्थना करने लगीं। नीचे, चैपल में, कई मोमबत्तियों की रोशनी टिमटिमा रही थी।
कुछ क्षणों के बाद, एडिथ रीडल सीधी खड़ी हो गईं। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि अब उन्हें राहत महसूस हो रही है।"
हमने इमारत का निरीक्षण जारी रखा। गाइड ने सहज भाव से कहा, "यह फांसी कक्ष है," और फांसी की कुर्सी और तलवार की ओर इशारा किया। फिर गाइड, जिसका नाम लेटनर था, हमें कैदियों के कुएं के पास ले गया और उसमें जलती हुई मशाल डालकर उसकी अपार गहराई दिखाई। मशाल को तल तक पहुंचने में कई सेकंड लगे। उसने कहा, "इसे तेरह वर्षों में पांच हजार तुर्कों ने बनाया था।"
श्रीमती रीडल कुएं के मुहाने के पास गईं, फिर पीछे हट गईं। "भयानक," उन्होंने बुदबुदाते हुए कहा। "मैं इसके पास नहीं जा सकती।"
मुझे आश्चर्य हुआ कि मारे गए तुर्कों में से कितने लोग अभी भी इस गहरी खाई में फंसे हुए हैं।
बाहर धूप खिली हुई थी और दक्षिणी ऑस्ट्रिया की मशहूर सुहावनी गर्मियों की दोपहरों में से एक थी।
हम रोसैली को समर्पित चैपल के पास से गुज़रे, लेकिन मन ही मन हम जानते थे कि इससे कोई खास लाभ नहीं हुआ। संभवतः हमारी यात्रा ने प्राचीन बर्गफ्राउ की व्यथित आत्मा को पहाड़ी की चोटी पर बने उस आत्मप्रशंसा से कहीं अधिक शांति प्रदान की थी।
हमने नक्शे देखे, क्योंकि हमारा अगला गंतव्य, बर्नस्टीन, पश्चिम की ओर लगभग तीस मील या उससे अधिक दूर था। हम घने जंगलों से होते हुए, शांत छोटे-छोटे गांवों से गुज़रे

जहाँ दूर-दूर तक कोई टीवी एंटीना नज़र नहीं आ रहा था, और रेल की पटरियाँ ऐसी थीं जिन पर सालों से कोई ट्रेन नहीं चली थी। मौसम ठंडा और अंधेरा होता जा रहा था, और बर्नस्टीन का अभी भी कोई अता-पता नहीं था!

मुझे यह सोचने लगा कि कहीं हमने गलत मोड़ तो नहीं ले लिया, तभी अचानक सड़क के मोड़ के पीछे से हमें महल उभरता हुआ दिखाई दिया।

फ़ोर्चेंस्टाइन जितना भव्य न होते हुए भी, बर्नस्टीन अपने छोटे लेकिन सुसंस्कृत पार्क में मौजूद अपनी शालीनता और पुनर्जागरणकालीन स्वरूप से प्रभावित करता है। पास ही में स्मारागड नामक अर्ध-कीमती पत्थरों की एक खान थी, और नीचे की मंजिल पर एक दुकान है जहाँ ये पत्थर प्रदर्शित किए जाते हैं। यह एक प्रकार का जंगली पन्ना था, बेशक असली पन्ने जितना कीमती नहीं, लेकिन अपने गहरे हरे रंग और छटाओं के कारण बेहद खूबसूरत था।

बर्नस्टीन महल तेरहवीं शताब्दी का है और ऑस्ट्रियाई और हंगेरियन रईसों के बीच लगातार स्वामित्व बदलता रहा है। 1892 से यह हंगेरियन "मैग्नेट" या अभिजात वर्ग के काउंट्स अल्मासी के स्वामित्व में था।

हम बिल्कुल ही अनुचित समय पर पहुँचे। काउंट के पास कई किराएदार थे, जिनसे बड़े घर के रखरखाव का खर्च चलता था, और रात के खाने का समय भी करीब था। फिर भी, हम उन्हें अपनी बातों से मनाकर उस भूतिया गलियारे में ले जाने में कामयाब रहे। 11 नवंबर, 1937 को, साठ वर्ष से अधिक आयु के लंबे-चौड़े कद के काउंट अल्मासी अपनी लाइब्रेरी में बैठे थे, तभी उनके एक मेहमान ने उनसे एक विशेष पुस्तक मांगी। लाइब्रेरी तक पहुंचने के लिए इमारत के सामने वाले हिस्से से जुड़ने वाले एक संकरे, लंबे गलियारे से होकर गुजरना पड़ता है।

“मैं पुस्तकालय से निकला, टॉर्च लेकर गलियारे में चला—मुझे रात में मुख्य बत्तियाँ जलाना पसंद नहीं है—खैर, जब मैं इस गलियारे में पहुँचा, तो टॉर्च की रोशनी में मुझे एक महिला की आकृति दिखाई दी जो उस स्थान पर स्थापित लकड़ी की मैडोना की मूर्ति के सामने घुटनों के बल बैठी थी। इसे 1914 में मेरी माँ ने वहाँ स्थापित किया था जब मेरे दोनों भाई और मैं युद्ध में गए हुए थे। मैंने अक्सर 'बर्नस्टीन की श्वेत महिला' के बारे में सुना था, इसलिए मैं तुरंत समझ गया कि मैं एक भूत देख रहा हूँ। मेरा पहला आभास यह था कि वह प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी एक कठोर रेखाओं वाली आकृति जैसी दिखती थी। उसने 15वीं शताब्दी की हंगेरियन कुलीन महिला की पोशाक पहनी

हुई थी, सिर पर एक महिला का मुकुट था और माथे पर एक बड़ा पन्ना-हरा पत्थर था जो उसके चारों ओर एक धुंधली, हरी रोशनी बिखेर रहा था। उसने अपने हाथ अपने बाएँ गाल के नीचे मोड़ रखे थे।"

मैंने पूछा, "उसे देखकर तुमने क्या किया?"

"मुझे गलियारे की बत्ती जलाने का समय मिल गया था," काउंट ने उत्तर दिया, "ताकि वह दो रोशनी के बीच रहे, एक मेरी टॉर्च की और दूसरी ऊपर लगी बिजली की बत्ती की। गलती की कोई गुंजाइश नहीं थी, मैंने उसे साफ-साफ देखा। फिर अचानक ही वह गायब हो गई।"

मैंने पूछा, "काउंट अल्मासी नाम के इस भूत के बारे में क्या परंपरा है?"

"खैर, वह एक इतालवी महिला, कैथरीन फ्रेशोबाल्डी थीं—जो फ्लोरेंस के एक ऐसे परिवार से थीं जो आज भी मौजूद है—जिसका ज़िक्र दांते के इन्फर्नो में मिलता है। उन्होंने एक हंगरी के रईस, काउंट उजलॉकी से शादी की, जो एक बहुत पुराने हंगरी परिवार से थे। उनके पति बोस्निया के आखिरी राजा थे। वह परिवार विलुप्त हो गया। वह बिना किसी कारण के बहुत ईर्ष्यालु थे, और इसलिए उन्होंने उन्हें मार डाला; एक मत के अनुसार, चाकू मारकर; दूसरे मत के अनुसार, दीवार में चुनवाकर। यही कहानी है।"

"क्या किसी और ने बर्नस्टीन की श्वेत महिला को देखा है?"

"कई लोगों ने। जब मैं छोटा था, मुझे याद है कि हर साल कोई न कोई उसे देखता था। जब मैं सेना में था, उन्नीस सौ दस और उन्नीस सौ तेरह के बीच, उसे कई बार देखा गया। उन्नीस सौ इक्कीस में उसे फिर से देखा गया जब उस साल के अल्पकालिक ऑस्ट्रो-हंगेरियन अभियान के दौरान बर्नस्टीन में हंगेरियन कब्ज़ा करने वाली सेना तैनात थी—और उस प्रेत जैसी महिला ने उन्हें भगा दिया! फिर, ज़ाहिर है, उन्नीस सौ सैंतीस में, जैसा कि मैंने आपको बताया, और वह आखिरी बार था जब मैंने उसे देखा था।"

"मुझे यह भी लगता है कि आपके एक दोस्त ने उसे अफ्रीका के कैमरून में देखा था? इसका इससे क्या संबंध है?"

काउंट अल्मासी हँसे। "खैर, वो तो एक अलग ही कहानी है। मेरा एक सेना का दोस्त—मैं उसे ज़्यादा अच्छे से नहीं जानता था, उससे मेरी मुलाकात 1916 में हुई थी, और उसने 1937 में ऑस्ट्रिया छोड़ दिया और कैमरून में एक खेत खरीद लिया। वह एक अमीर आदमी बन गया। 1946 में उसके साथ एक अजीब घटना घटी।"

"एक प्रेत जो बर्नस्टीन की श्वेत महिला से बहुत मिलता-जुलता था (हालांकि वह हमारे भूत के बारे में बिल्कुल भी कुछ नहीं जानता था) उसे दिखाई दिया और उससे इतालवी में बात की।"

“उन्नीस सौ चौवन में वह मुझसे उस भूत की कहानी की सच्चाई जानने के लिए मिलने आया था जो उसने उसे सुनाई थी। भूत का दावा था कि वह प्रसिद्ध श्वेत महिला है और उसने ऑस्ट्रिया आने का फैसला किया ताकि पता चल सके कि क्या सच में ऐसा कोई भूत मौजूद है।”

“अद्भुत,” मैंने कहा। “मैं केवल यही अनुमान लगा सकता हूँ कि कैमरून में दिखाई देने वाला वह प्रेत एक काल्पनिक दृश्य था, जब तक कि, निश्चित रूप से, आपका भूत अब इस महल से बंधा हुआ न हो।”

काउंट ने एक पल सोचा। अंत में उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है ऐसा ही हो। यह एक हवादार पुराना किला है और अफ्रीका इससे कहीं ज्यादा गर्म है।"

भूतिया स्विट्जरलैंड

भला कौन सोचेगा कि भौतिक सुख-सुविधाओं के प्रतीक माने जाने वाले स्विट्जरलैंड का संबंध भूतों की दुनिया से है? लेकिन सच तो यह था कि वहां भी भूत देखे या सुने गए थे। वैसे, स्विस लोग उनके बारे में बात करने से कतराते थे। उन्हें और कोई पर्यटक आकर्षण नहीं चाहिए। लेकिन फिर भी मुझे पता चल गया।

उदाहरण के लिए, राजधानी बर्न में लक्ज़मबर्ग दूतावास वाला एक घर है, जो कई सालों से अशांत रहा है। फिर स्विट्जरलैंड के जर्मन और फ्रांसीसी हिस्सों की सीमा पर स्थित

फ़्राइबर्ग के पास ओरॉन कैसल में "हरी महिला" का साया है। और ल्यूसर्न में, एमरब्रुक नामक उपनगर में एक प्रसिद्ध भूत-प्रेत का साया है।

वास्तव में, मुझे ऐसा लगता है कि जर्मनिक देशों में भूतों की तुलना में अधिक प्रेतवाधित आत्माएं पाई जाती हैं - शायद इसका कुछ संबंध राष्ट्रीय चरित्र से है - जबकि एंग्लो-सैक्सन प्रेतलोक मौन पीड़ाओं के प्रति अधिक संवेदनशील है।

भूत-प्रेत की घटनाओं को जन्म देने वाली घटना, यानी किसी इंसान के साथ दुर्व्यवहार जिसके परिणामस्वरूप दुखद मृत्यु होती है, स्विट्जरलैंड में भी उतनी ही आम है जितनी अन्य देशों में। यह सच है कि लगभग 1800 ईस्वी से नेपोलियन के समय से ही स्विस लोग शांति में हैं, लेकिन मध्य युग में हिंसक संघर्ष हुए थे और सुंदर स्विस पहाड़ों और घाटियों में स्थित कई महल मृत्यु, विनाश और कुकर्मों के गवाह रहे हैं।

मैंने स्विस सोसाइटी फॉर साइकिक रिसर्च के अध्यक्ष, पेशे से मनोचिकित्सक डॉ. हंस नाएगेली-ओसजोर्ड से संपर्क किया, जिन्होंने कृपा करके अपनी फाइलें मेरे लिए खोल दीं। ज्यूरिख के बाहरी इलाके में एक घर था जिसके बारे में भूत-प्रेत का इतिहास रहा है। चूंकि मैं पहले से ही ज्यूरिख में था, क्या मुझे इस बारे में पता लगाने में कोई आपत्ति होगी? वे उसी शाम अपने कार्यालय समय के बाद मुझसे वहां मिलने वाले थे।

रात के नौ बज रहे थे जब मैं ज्यूरिख के पीछे वाली खड़ी पहाड़ी पर होएंगर स्ट्रीट स्थित घर की ओर गाड़ी से निकला। मेरा ड्राइवर दो बार रास्ता भटक गया, लेकिन दिशा का मेरा अंतर्ज्ञान आखिरकार मुझे बता गया कि मुख्य सड़क से थोड़ा पीछे बना हुआ, विशाल, चौकोर देहाती घर, जो गर्मी की रात में बेहद डरावना सा दिखाई देता था, वही घर होना चाहिए जहाँ हम जाना चाहते थे। और मैंने कभी किसी टैक्सी ड्राइवर को इतनी तेज़ी से गायब होते नहीं देखा जितना इस ड्राइवर को प्रवेश द्वार पर छोड़ने के बाद हुआ। यह मकान सत्रहवीं शताब्दी का है। समय-समय पर इसकी मरम्मत होती रही और यह एक भव्य ग्रामीण मकान बन गया था, जैसा कि लोकतांत्रिक स्विट्जरलैंड में देखने को नहीं मिलता, लेकिन इंग्लैंड के ग्रामीण इलाकों में अक्सर देखने को मिलता है। कर्नल और श्रीमती रेगर के स्वामित्व वाला यह मकान ज्यूरिख के चहल-पहल भरे यातायात से दूर एक शांत द्वीप जैसा था।

मुझे यह स्पष्ट कर देना चाहिए कि श्रीमती रेगर के नाम की वर्तनी अलग थी, लेकिन मैं उनकी निजता की रक्षा करना चाहता हूं क्योंकि उनके पति सेना में एक उच्च अधिकारी थे और स्विट्जरलैंड में भूत और सेनापति का कोई मेल नहीं होता।

बाहर अब घोर अंधेरा था, सिवाय प्रवेश द्वार के ऊपर एक सुनसान लालटेन के। मैं तीन-चार सीढ़ियाँ चढ़कर घंटी बजाई, जिसकी आवाज़ मुझे घर के अंदर तक सुनाई दी। फिर कदमों की आहट सुनाई दी और दरवाज़ा खुल गया। श्रीमती रेगर नीचे मेरा इंतज़ार कर रही थीं, हालाँकि बड़े घर में उनके अपने कमरे ऊपर की दो मंज़िलों पर थे।

लगभग चालीस वर्ष की एक महिला, थोड़ी मोटी, उसकी आँखें किसी माध्यम की तरह गहरी थीं और उसकी आवाज़ में भावुकता झलकती थी। वह मुझे जल्दी से लकड़ी की सीढ़ियों से ऊपर अगली मंजिल पर ले गई और वहाँ से एक ऐसे अपार्टमेंट में ले गई जो प्राचीन वस्तुओं और उत्तम फर्नीचर से भरा हुआ था।

"इस घर में कौन-कौन सी घटनाएं प्रकट होती हैं?" मैंने आरामदेह कुर्सियों पर बैठते ही पूछा।

श्रीमती रेगर ने जर्मन भाषा में समझाया, "घर में तीन मंजिलें हैं, और तीसरी मंजिल के ऊपर एक अटारी है। इस अटारी में एक खिड़की है, जो मुख्य सड़क की ओर खुलती है, और वह बंद नहीं होना चाहती।"

"खिड़की बंद नहीं रहना चाहती?" मैंने थोड़ा आश्चर्यचकित होकर पूछा। मुझे कभी पता नहीं था कि खिड़कियों की अपनी मर्जी भी होती है।

श्रीमती रेगर ने गंभीरता से सिर हिलाया। "हमने उस खिड़की को कितनी ही बार बंद किया है—फिर भी जब हम दोबारा वहाँ से गुज़रते हैं, तो वह खुली ही मिलती है, जबकि उसे खोलने के लिए कोई भी ऊपर नहीं गया होता। कुछ समय तक हम एक-दूसरे पर ऐसा करने का आरोप लगाते रहे, लेकिन हर कोई उस समय ऊपर होने से इनकार करता रहा।"

मैं श्रीमती रेगर के पीछे-पीछे अटारी तक गया, जो छत की पुरानी लकड़ी की कड़ियों के नीचे एक दुर्गंधयुक्त, सीलन भरी जगह थी, जहाँ निराशा और हताशा का माहौल छाया हुआ था, ऐसा मुझे लग रहा था। खिड़की फिर से खुली हुई थी। मैंने उसे खोलकर देखा और वह आसानी से बंद हो गई। गलती से खुलने का तो सवाल ही नहीं था।

श्रीमती रेगर ने मुझे फिर से सीढ़ियों से नीचे आने का इशारा किया और हम एक छोटे से, अच्छी रोशनी वाले कमरे में दाखिल हुए, जो कई सालों से नौकरानी के कमरे के रूप में इस्तेमाल होता आ रहा था। मैंने श्रीमती रेगर से कमरे के बारे में कुछ सवाल पूछे।

"सालों से कई नौकरानियां इस कमरे में सो चुकी हैं और रह चुकी हैं। उनमें से एक, सोलह साल की लीज़ल नादोमा नाम की लड़की, एक रात सोने जा रही थी, तभी

अचानक उसने बिस्तर और दीवार के बीच एक आदमी को खड़ा देखा। उसने बताया कि उस आदमी ने ड्राइवर जैसी टोपी पहन रखी थी और उसके हाथ में मोमबत्ती थी। स्वाभाविक रूप से लड़की घबरा गई। वह चिल्लाई और दौड़कर मेरे कमरे में आई और मुझे उस घुसपैठिए के बारे में बताया।''

"क्या आपको उसके कमरे में कोई मिला?"

‘‘नहीं, वहाँ कोई नहीं था। कोई भी इतनी जल्दी सीढ़ियों से नीचे नहीं भाग सकता था। लेकिन डेढ़ साल बाद, उसी कमरे में सोने वाली एक और नौकरानी ने भी इस प्रेत को देखा। उसने भी उसके द्वारा पहनी गई अजीब टोपी पर ज़ोर दिया।''

इस कमरे के ठीक सामने गलियारे के पार हम एक और छोटे कमरे में दाखिल हुए, जिसका इस्तेमाल रेगर परिवार के कभी-कभार आने वाले मेहमानों के लिए अतिथि कक्ष के रूप में किया जाता था। इस कमरे का भूतिया इतिहास रहा है। यहाँ किसी ने भूत तो नहीं देखा था, लेकिन कई लोगों ने शिकायत की थी कि अतिथि कक्ष में रहने के दौरान वे बहुत दुखी और बेहद घबराए हुए महसूस करते थे। श्रीमती रेगर ने आगे कहा, "यहाँ कभी किसी को चैन की नींद नहीं आई।"

‘‘ऊपर अगली मंजिल पर आइए,'' उसने कहा, और हम एक बार फिर सीढ़ियों से तीसरी मंजिल पर चढ़ गए। घर के पिछले हिस्से में हम एक कमरे में दाखिल हुए, जिसका इस्तेमाल कई सालों तक नौकरानी के कमरे के रूप में भी किया जाता था।

श्रीमती रेगर ने टिप्पणी करते हुए कहा, "यहाँ एलिजाबेथ नाम की एक नौकरानी सोती थी। जब उसने भूत देखा तब वह उन्नीस साल की थी। वही आदमी उसे दिखाई दिया और उसने कहा कि उसने एक बेरेट पहन रखी थी।"

भूत ने जो भी अजीबोगरीब टोपी पहन रखी थी, वह हमारे समय में इतनी विचित्र रही होगी कि उसने कई लोगों का ध्यान आकर्षित किया होगा!

श्रीमती रेगर के आठ वर्षीय बेटे को भी घर में कई डरावने अनुभवों का सामना करना पड़ा। एक रात वह अटारी के एक छोटे से कमरे में सो रहा था, लेकिन उसे चैन नहीं मिला। आखिरकार, उसकी माँ उसे नीचे अपने शयनकक्ष में ले गई। लेकिन लड़के की मुसीबतें अभी खत्म नहीं हुई थीं।

श्रीमती रेगर ने बताया, ‘‘अचानक उसने खिड़की के पर्दों के बीच से एक आदमी को निकलते देखा और उसने बताया कि उसने एक खास तरह की टोपी पहन रखी थी। मेरे बेटे को नौकरानियों द्वारा सुनाई गई कहानियों के बारे में कुछ भी पता नहीं था, क्योंकि

स्वाभाविक रूप से हम ऐसी बातें बच्चों से छिपाते हैं ताकि उन्हें डरा न दें। दो रात बाद, वही प्रेत उसके बिस्तर पर बैठा था।"

अन्य नौकरों ने घर के तहखाने में भूत को देखने की सूचना दी, और उन्होंने उसका वर्णन लगभग पैंतीस वर्ष के व्यक्ति के रूप में किया, जो हमेशा स्विस डेस्ली कप्पे, या किनारे वाली टोपी पहने रहता था।

मैंने श्रीमती रेगर से घर के इतिहास के बारे में पूछताछ की। पता चला कि यह सत्रहवीं शताब्दी में एक सैन्य अस्पताल था, जहाँ घायल सैनिकों को लाया जाता था और संभवतः उनकी मृत्यु भी यहीं होती थी। उस समय भी स्विट्जरलैंड में कैंटन के बीच या बाहरी लोगों के साथ युद्ध चल रहे थे, और पर्यवेक्षकों द्वारा वर्णित टोपी वास्तव में उस काल के अनुरूप है।

मैंने पूछा, "क्या यहां किसी और को भी कोई असामान्य अनुभव हुआ?"

"हाँ, एक सिलाई करने वाली महिला यहाँ काम करने आई थी," श्रीमती रेगर ने उत्तर दिया, "और वह उस कमरे में गई जो अब मेरा शयनकक्ष है। इससे पहले कि वह खुद दरवाजा खोल पाती, उसने देखा कि किसी ने उसके लिए दरवाजा खोल दिया। कमरे में कोई नहीं था। उसने यह भी बताया कि उसने एक सफ़ेद बालों वाले, बूढ़े आदमी को सीढ़ियों से ऊपर आते देखा और वह उसकी आँखों के सामने ही गायब हो गया।"

क्या रेगर के घर के गलियारों में दो भूत घूम रहे थे? वाकई, वह घर काफी चहल-पहल वाला था। इसी समय, दरवाज़े की घंटी बजी और श्रीमती रेगर ने स्विस सोसाइटी फॉर साइकिक रिसर्च के अध्यक्ष डॉ. नाएगेली-ओसजोर्ड को अंदर आने दिया, जो चालीस के दशक के उत्तरार्ध या पचास के दशक के आरंभिक आयु वर्ग के एक जीवंत व्यक्ति थे। हम दूसरी मंजिल पर स्थित बड़े बैठक कक्ष में लौट आए।

मैंने पूछा, "डॉ. नाएगेली, आपने स्वयं इस घर की जाँच की है। क्या आपको यहाँ कभी कोई अलौकिक अनुभव हुआ है?"

"जी हां," डॉक्टर ने जवाब दिया, "एक दिन मैं भोजन कक्ष में बैठा था और हमारी संस्था के एक सदस्य की मृत्यु पर शोक संदेश लिख रहा था, जिनकी अभी-अभी मृत्यु हुई थी। मैंने लिखा, 'वह संशयवादी थे,' लेकिन श्रीमती रेगर ने मुझे सुधारते हुए कहा कि वह व्यक्ति मानसिक मामलों में विश्वास करने वाला था, और मैंने मन ही मन चाहा कि काश इसे परखने का कोई तरीका होता।"

"फिर क्या हुआ?"

“ठीक इसी क्षण, यहाँ एक घड़ी जो तीस वर्षों से नहीं चल रही थी, अचानक अपने आप चलने लगी। यह लगभग दो मिनट तक चली, फिर रुक गई। जो बात इसे और भी उल्लेखनीय बनाती है, वह यह है कि हमारा एक समझौता था। उनकी मृत्यु से बहुत पहले, उन्होंने और मैंने सहमति जताई थी कि यदि संभव हुआ तो वे मृत्यु के बाद हमसे संपर्क करने का प्रयास करेंगे।”

मैंने कहा, "ज़ाहिर है उसने किया था," और डॉक्टर ने सिर हिलाया।

मैंने मेज़बान और डॉक्टर को धन्यवाद दिया और ज़्यूरिख़ लौटने लगी। लकड़ी की सीढ़ियों से उतरते हुए मेरे मन में यह सवाल उठ रहा था कि क्या चौड़ी टोपी वाले उस भूत को कभी शांति मिली होगी। श्रीमती रेगर एक माध्यम हैं, इसलिए भूत जो भी संदेश देना चाहता, वह कभी न कभी उन तक ज़रूर पहुँच जाता, फिर भी श्रीमती रेगर को ऐसा कोई आभास नहीं हुआ। शायद उस दुखी सैनिक को सचमुच नहीं पता था कि वह उस घर की ओर क्यों खिंचा चला जा रहा है, क्योंकि उसकी मृत्यु तर्क शक्ति के बिना हुई थी?

“एक और सवाल,” मैंने कहा, जैसे ही मेरे लिए भारी ओक का दरवाजा खुला और ठंडी रात की हवा अंदर आने लगी। “आप ऊपर वाले उस भूतिया कमरे का इस्तेमाल अब किसलिए कर रहे हैं?”

“ओह, वह कमरा,” श्रीमती रेगर ने हल्के से जवाब दिया। “यह स्विस सोसाइटी फॉर साइकिक रिसर्च का कार्यालय है।”

“इससे तो तुम्हारे भूत को बहुत आसानी हो जाएगी, है ना?” मैंने कहा।

श्रीमती रेगर थोड़ी अनिश्चितता से हंसीं और अपने कंधे के ऊपर से पीछे मुड़कर देखा।

एक भूत की डायरी

आम तौर पर लोग स्विस लोगों को गंभीर, व्यावहारिक और दिवास्वप्न देखने वाले या रहस्यवाद में लिप्त न होने वाले मानते हैं। विशेषकर जर्मन मूल के स्विस लोगों को। फिर भी, ज्यूरिख के पास ही मुझे आधुनिक मानसिक अनुसंधान के सबसे आश्चर्यजनक मामलों में से एक मिला, आश्चर्यजनक इसलिए क्योंकि उस किसान ने, जिसके साथ यह सब हुआ था, एक पल-पल का रिकॉर्ड रखा था।

पॉल ल्यूथोल्ड लगभग चालीस वर्ष की आयु का एक व्यक्ति था, जिसका व्यक्तित्व सौम्य था और शैक्षणिक पृष्ठभूमि भी ठीक-ठाक थी। संभवतः वह अन्य देशों के अधिकांश किसानों से अधिक पढ़ा-लिखा था, लेकिन दर्शनशास्त्र या रहस्यवाद के क्षेत्र में वह ज्ञान और विद्वता से कोसों दूर था। उसकी पत्नी और दो बच्चे थे—एक बेटा, जो अब सत्रह वर्ष का था, और एक बेटी, जो उससे कुछ वर्ष छोटी थी।

मास्चवांडन नामक छोटे से गाँव की एक संकरी गली में स्थित, घर, अस्तबल, कुछ एकड़ ज़मीन और घर के ठीक सामने अस्तबलों में रखे गए लगभग दो दर्जन मवेशियों से युक्त, ल्यूथोल्ड फार्म पर जीवन साल दर साल सामान्य और नियमित रूप से चलता रहा। यह सिलसिला 1960 के अंत तक जारी रहा। 1960 की ठंडी, उमस भरी शरद ऋतु में, ल्यूथोल्ड परिवार और उनका घर स्विस मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के इतिहास में एक अनोखी भूतिया घटना का केंद्र बन गया।

उस समय के पात्रों में पॉल ल्यूथोल्ड (अड़तालीस वर्ष), श्रीमती ल्यूथोल्ड (सैंतालीस वर्ष), उनकी दस वर्षीय बेटी एलिजाबेथ, तेरह वर्षीय पुत्र पॉल और अठारह वर्षीय नौकरानी एल्फी शामिल थीं, जो मानसिक रूप से कुछ हद तक विकलांग थी, जो इस तरह के मामलों में एक महत्वपूर्ण पहलू है। इसके अलावा एंजेलो नाम का एक इतालवी कारीगर भी था, जो उन रहस्यमय घटनाओं के दौरान खेत में केवल कुछ समय के लिए ही मौजूद था।

ल्यूथोल्ड के घर के ठीक बगल में आइचेनबर्गर परिवार का घर स्थित है। पचास वर्षीय श्री आइचेनबर्गर एक सक्रिय अध्यात्मवादी थे, जो स्विट्जरलैंड में एक दुर्लभ बात है। उनकी पैंतालीस वर्षीय पत्नी एक सरल महिला थीं, जिन्हें इस विषय में कोई रुचि नहीं थी, और उस समय उनके चार बच्चे थे जिनकी उम्र तीन से नौ वर्ष के बीच थी।

शुरू में, इन अजीब घटनाओं ने ल्यूथोल्ड परिवार को केवल उलझन में डाल दिया और उन्हें कुछ भी असामान्य होने का संदेह नहीं हुआ। लेकिन जब घर और अस्तबल के अंदर और आसपास वस्तुओं के हिलने-डुलने, गायब होने और फिर से प्रकट होने और अन्य

स्पष्ट रूप से शरारती हरकतों के लिए किसी मानवीय शक्ति का पता नहीं चला, तो ल्यूथोल्ड को एहसास हुआ कि वह एक भूत-प्रेत के शिकार हैं और उन्होंने घटनाओं को नोट करना शुरू कर दिया।

12 नवंबर, 1960 और 20 अगस्त, 1961 के बीच, उन्होंने अपनी "भूतिया डायरी" में कम से कम 104 अलग-अलग प्रविष्टियाँ कीं। ये प्रविष्टियाँ संक्षिप्त, सटीक और बिना किसी तर्कसंगत व्याख्या के थीं। उन्होंने इसे दूसरों के चिंतन के लिए छोड़ दिया। उनकी पहली प्रविष्टि 12 नवंबर, 1960 की है:

12 नवंबर, शाम 6 बजे। धातु का बना दूध का बड़ा डिब्बा पश्चिम दिशा में 3 गज खिसक गया है। उसी समय खिड़की पर पत्थर फेंके जा रहे हैं—वहाँ कोई नहीं है।

13 नवंबर, शाम 6 बजे। 18 लीटर दूध से भरा दूध का डिब्बा गायब हो गया। हमें वह अस्तबल के एक दूर कोने में फिर से मिला।

14 नवंबर, शाम 6 बजे। पड़ोसी आइचेनबर्गर का छाता स्टैंड गायब हो जाता है और सीढ़ियों पर आमतौर पर रखा रहने वाला खुरचनी बाहर दीवार के सहारे पड़ा हुआ मिलता है।

उसी दिन, आधे घंटे बाद। अस्तबल से दो जूते गायब हो गए और बाद में आलू के रैक के पीछे चारागाह में मिले। पड़ोसी श्रीमती आइचेनबर्गर हमारा सूअरों का चारा रखने वाला बाल्टी लेकर आईं, जो उन्हें तहखाने में उनके छाता स्टैंड के बगल में मिला था! मेरी पत्नी ने सूअरों को मुश्किल से दस मिनट पहले ही चारा खिलाया था और बाल्टी को अस्तबल में ही छोड़ दिया था। वह तहखाने तक कैसे पहुँची?

अब हर दिन कुछ न कुछ गायब हो जाता है, अपनी सामान्य जगह से हटकर किसी अनजान जगह पर फिर से प्रकट हो जाता है। किसान के दैनिक कार्यों में अत्यंत आवश्यक दुहने के उपकरण जैसी चीजें भी अपनी सही जगह पर नहीं होतीं और इससे खेत का सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है।

दो साइकिलों के टायरों में अचानक हवा निकल गई। यह एक और असुविधा थी, क्योंकि स्विस लोग साइकिलों का खूब इस्तेमाल करते हैं। ऐसी ज़्यादातर घटनाएं शाम 6:00 या 7:00 बजे के आसपास होती हैं। ल्यूथोल्ड ने शरारती तत्वों की हर संभावना का जायज़ा लिया। उनके अपने परिवार और घरवाले हमेशा अहम समय पर मौजूद रहते थे। गाँव छोटा है और आस-पास मंडरा रहे अजनबियों की नज़र से बचना नामुमकिन था, कम से कम इतनी बार तो नहीं।

ल्यूथोल्ड के घर में भूत-प्रेत संबंधी या अन्य रहस्यमय गतिविधियों के लिखित नोट्स का ध्यानपूर्वक अध्ययन करते हुए, मुझे एहसास हुआ कि इस मामले की जांच करना निश्चित रूप से ज़रूरी है। इसलिए, मैंने किसान को फोन किया और हमने अगली दोपहर मिलने का समय तय किया। स्विस टेलीविजन नेटवर्क ने मेरे काम में काफी दिलचस्पी दिखाई थी, हालांकि उन्होंने माशवांडेन मामले या किसी अन्य मानसिक जांच के बारे में कभी नहीं सुना था। एक अमेरिकी ने ही इस पूरे मामले को उनके ध्यान में लाया और अनिच्छा से ही सही, प्रोडक्शन हेड जैकब फिशर मेरे साथ एक टीम भेजने के लिए सहमत हो गए।

"लेकिन हम इसके लिए भुगतान नहीं करेंगे, आप समझ रहे हैं ना," उन्होंने सावधानीपूर्वक स्विस मितव्ययिता के साथ कहा।

अगली दोपहर, मैं और मेरी पत्नी दो टेलीविजन समाचार रिपोर्टरों के साथ एक स्टेशन वैगन में सवार हुए, जिनमें से एक कैमरा संभाल रहा था और दूसरा ध्वनि उपकरण। हम ज्यूरिख के बाहरी इलाके से होते हुए, कुछ पहाड़ियों को पार करते हुए शहर के पश्चिम में खुले मैदान में निकल पड़े। हमें माशवांडेन पहुँचने में एक घंटे से अधिक समय लगा, यह एक ऐसा गाँव है जहाँ बहुत कम लोग, विशेषकर अमेरिकी, जाते हैं। जब हम ल्यूथोल्ड फार्महाउस पहुँचे, तो हमारा इंतज़ार हो रहा था। जब टेलीविजन वाले अपना उपकरण लगाने लगे, तो मैंने बिना समय गंवाए पॉल ल्यूथोल्ड से उनके घर में घटी भूतिया घटनाओं में से सबसे यादगार घटना के बारे में पूछा।

“मैं और मेरी पत्नी घर के अंदर थे। अचानक दरवाजे पर दस्तक हुई, ऐसा लगा जैसे किसी कठोर वस्तु से दस्तक दी गई हो। मेरी पत्नी रसोई में थी। उसने अपना काम छोड़कर बाहर देखा। बाहर कोई नहीं था। थोड़ी देर बाद फिर दस्तक हुई। नौकरानी नीचे अपने कमरे में थी और उसने भी किसी को नहीं देखा। मेरी पत्नी वापस अपने काम पर चली गई। थोड़ी देर बाद तीसरी बार दस्तक हुई। इस बार वह सतर्क हो गई और दरवाजे के पास खड़ी रही। दस्तक की आवाज सुनते ही वह तुरंत बाहर कूद गई।”

मैंने पूछा, "क्या उसने कुछ देखा या किसी को देखा?"

"उसने लगभग एक गज लंबा लकड़ी का एक टुकड़ा लगभग एक फुट की ऊंचाई से जमीन पर गिरते हुए देखा।"

"आपका मतलब है कि लकड़ी का एक टुकड़ा अपने आप हवा में घूम रहा है?"

“हां। लकड़ी की छड़ी हवा में अपने आप लटकी हुई थी। कोई उसे फेंककर भाग नहीं

सकता था। और तो और, दिन का उजाला था।"
मैंने लकड़ी की छड़ी का निरीक्षण किया। यह लकड़ी का एक भारी टुकड़ा था, जिसका वजन शायद आधा पाउंड होगा।
"यह सब कैसे शुरू हुआ, श्रीमान ल्यूथोल्ड?" मैंने पूछा, और उन्होंने अपनी डायरी निकाली और मुझे उसमें लिखी एक प्रविष्टि दिखाई:
18 नवंबर, शाम 5:15 बजे। दूध के डिब्बे का ढक्कन खलिहान के अंदर घास के मैदान पर पड़ा मिला। पंद्रह मिनट पहले मैंने इसे अस्तबल में वहीं छोड़ दिया था।
उन्होंने आगे कहा, "अगले दिन, ढक्कन फिर से कूड़ेदान में मिला।"
"बहुत सुंदर," मैंने कहा। "क्या मैं किताब देख सकता हूँ?" प्रविष्टियाँ एक के बाद एक व्यवस्थित और नैदानिक ढंग से दर्ज थीं, जैसे किसी चिकित्सा इतिहास में होती हैं। बस फर्क इतना था कि मरीज़ का कोई ज़िक्र नहीं था।
19 नवंबर, सुबह 5 बजे। मैंने साइडर प्रेस का मोटर प्लग में लगाया और उसे अपने दूध दुहने के काम में लगा दिया। अचानक, खलिहान के बीचोंबीच एक ज़ोरदार आवाज़ आई। दूध दुहने की बाल्टी पानी के कुंड में तैर रही थी। मैंने साइडर प्रेस को देखने का फैसला किया। तहखाने में पहुँचते ही मुझे मोटर से अजीब सी आवाज़ सुनाई दी। मैंने देखा कि प्लग निकला हुआ था और केबल लगभग चार गज पीछे खींची हुई थी।
उस दिन भूत के लिए काफी व्यस्त दिन था। सुबह 7:30 बजे, ल्यूथोल्ड ने अपना पहला भोजन समाप्त किया और अस्तबल में लौट आया।
मैंने बत्ती जलाई और बिना पिसे हुए मक्के से भरा एक डिब्बा लाकर खलिहान के अंदर, अस्तबल की ओर जाने वाले दरवाजे के सामने रख दिया। नौकरानी एल्फी, चारा रसोई में थोड़ी दूर दुहने के उपकरण धो रही थी। मैं थोड़ी देर के लिए बाथरूम गई, और जब लौटी तो देखा कि बत्ती बुझी हुई है और बिना पिसे हुए मक्के का डिब्बा गायब है। मुझे वह खलिहान के बीचोंबीच उल्टा पड़ा मिला, और उसके बगल में एक झाड़ू पड़ी थी, जो पहले वहाँ नहीं थी।
लेकिन उस व्यस्त सुबह की कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। आधे घंटे बाद, श्रीमती ल्यूथोल्ड खलिहान में आईं और उनकी घड़ी के बारे में पूछा।
"यह हमेशा वहीं रहता है," ल्यूथोल्ड ने कुछ चिढ़कर जवाब दिया, "खिड़की के कुंडी पर, जहाँ मैं मवेशियों को साफ करते समय इसे हमेशा लटकाता हूँ।"
नहीं, उसकी पत्नी ने जवाब दिया और घड़ी और चेन को उसकी आँखों के सामने लटका

दिया। उसने उन्हें अभी-अभी अस्तबल के सामने एक दूध के डिब्बे के ऊपर पाया था। उसी शाम उनकी एक गाय बच्चे को जन्म देने वाली थी। इसलिए, इस अवसर पर सभी उपलब्ध सहायकों का उपस्थित होना आवश्यक था। लेकिन भूत-प्रेत उन्हीं के बीच मौजूद था।

रात के 9 बजे। प्रसव में सहायता के लिए निम्नलिखित लोग उपस्थित थे: स्कूल शिक्षक स्ट्रिकलर, मैक्स स्टुडर जूनियर, वर्नर सीडलर, मेरी पत्नी, नौकरानी एल्फी, मेरा बेटा पॉल और मैं अस्तबल में थे। दुहने वाली मशीन का नल हमारी आँखों के सामने से गायब हो गया! हमने उसे ढूंढा और आखिरकार रबर के निप्पल रखने वाले एल्यूमीनियम के शेल्फ में छिपा हुआ पाया। मेरी पत्नी ने एल्फी को घर में ताला लगाने के लिए भेजा, जबकि हम सब यहाँ थे। नौकरानी लौटी, चाबी गायब थी। बाद में हमें वह बाहर खिड़की की चौखट पर मिली। हमने उसे अंदर ताले में ही छोड़ दिया था।

आधी रात तक सब कुछ शांत हो गया था। बछड़ा पैदा हो चुका था और ल्यूथोल्ड परिवार सोने चला गया। लेकिन अजीबोगरीब घटनाएँ रुकी नहीं थीं। सूअरबाड़े की तरफ से एक तेज़ सीटी की आवाज़ आ रही थी। यह आवाज़ समय-समय पर दिशा बदलती रहती थी। घर के सामने कुछ लोग अभी भी जाग रहे थे, उन्होंने भी इसे सुना। नौकरानी एल्फी ने आवाज़ों की शिकायत की। जैसे ही वह घर से बाहर निकली, सीटी की आवाज़ बंद हो गई। रात के 2:00 बजे तक आखिरकार सब कुछ शांत हो गया।

मैंने श्री ल्यूथोल्ड से वह राखदान दिखाने को कहा जिसमें दूध की बोतल का ढक्कन मिला था और वह आलू का डिब्बा भी दिखाने को कहा जिसमें वह बाद में मिला। आलू के डिब्बे का ढक्कन लगभग बीस पाउंड का था। दूध की बोतल का एल्युमिनियम का ढक्कन उसके अंदर रखने वाले व्यक्ति में काफी ताकत होनी चाहिए थी। उसे खोलने के लिए दो लोगों को खींचना पड़ा।

कुछ दिनों तक सब कुछ शांत रहा। फिर रहस्यमयी घटनाएं दोबारा शुरू हो गईं।

1 दिसंबर, शाम 6:30 बजे। मैं दूध दुहने के काम के लिए अस्तबल का दरवाजा खोलता हूँ। सब कुछ सामान्य है। कुछ देर बाद मेरी पत्नी आती है और वही दरवाजा खोलती है। इस बार बाहर से दरवाजे पर एक घास का कांटा टिका हुआ है। "बिल्ली के लिए प्लेट कहाँ है?" मेरी पत्नी जानना चाहती है। "हमेशा की तरह दूध के डिब्बे के बगल में," मैं जवाब देता हूँ। लेकिन ऐसा नहीं है। मेरी पत्नी को प्लेट कूड़े के ढेर के ऊपर मिलती है। लाइट अपने आप जलती-बुझती है।

स्वयं-स्वयं जलने-बुझने वाली बत्तियाँ भूत-प्रेतों से जुड़ी पुरानी घटनाएँ हैं। मेरे एक पुराने मामले, रॉकलैंड काउंटी भूत मामले में, मैंने इसी तरह की घटनाओं की रिपोर्ट की थी, जिससे उस समय डेंटन वॉकर के घर में ठहरे एक ब्रॉडवे संगीतकार का मानसिक संतुलन बिगड़ गया था।

जाहिर है, स्विस भूत ने अस्तबल में लगी रोशनी की उपयोगिता का पता लगा लिया था, क्योंकि इसके बाद बिजली के उपकरणों से जुड़ी घटनाओं की एक श्रृंखला घटित हुई।

2 दिसंबर, सुबह 5:15 बजे। लाइट थोड़ी देर के लिए अपने आप बंद हो जाती है। बिल्ली के लिए रखी प्लेट फिर से गायब हो जाती है और कल की तरह कूड़े के ढेर पर मिलती है। मैं उसे वापस कूड़े के ढेर पर रख देता हूँ। अचानक, खलिहान की लाइट अपने आप जल जाती है। वहाँ कोई नहीं है जिसने लाइट जलाई हो।

वह दिन ल्यूथोल्ड परिवार के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हुआ, क्योंकि उसी दिन उनके शांत वातावरण में पहली बार एक अनोखी दृश्य घटना घटी। दरवाजे पर दस्तक और उसके बाद श्रीमती ल्यूथोल्ड द्वारा हवा में लटकी लकड़ी की छड़ी की खोज की घटना, जिसका वर्णन पहले किया जा चुका है, उसी दिन सुबह लगभग 10:15 बजे हुई थी।

स्विट्ज़रलैंड के छोटे कस्बों और गांवों में शनिवार का दिन आमतौर पर शांत रहता था। लेकिन इस बार ऐसा नहीं था। ल्यूथोल्ड की डायरी आगे लिखती है:

3 दिसंबर, सुबह 7:35 बजे। अचानक खलिहान की बत्ती जल उठी। मैं देखने गया तो पाया कि घास के गोदाम की बत्ती भी जल रही है। मैंने दोनों बत्तियाँ बुझाईं और अस्तबल की ओर चल पड़ा। तभी मुझे घास के गोदाम में खटखटाहट की आवाज़ सुनाई दी। मैं देखने गया, पर वहाँ कोई नहीं था। बाहर उजाला हो रहा था, इसलिए मैंने अस्तबल की बत्ती भी बुझा दी, पर अचानक वह फिर से जल उठी। मैं खाद बाँटने में व्यस्त था। मैं अंदर गया और बत्ती फिर से बुझा दी। थोड़ी देर बाद वह फिर से जलने लगी। उस समय ट्रैक्टर चालक वर्नर फ्री वहाँ से गुज़र रहा था। उसने बत्ती जलते हुए देखी। ज़ाहिर है, वहाँ कोई नहीं था जो ऐसा कर सकता था।

4 दिसंबर, सुबह 8 बजे। खलिहान में बत्तियाँ अपने आप जल उठीं। एल्फी अस्तबल के सामने खड़ी थी और उसने पूछा कि क्या सब शांत है। अब 8:30 बज रहे थे। मैंने मज़ाक में कहा, "भूत चला गया।" कुछ ही सेकंड में अस्तबल की बत्ती फिर से जल उठी, हालाँकि अंदर घुसकर ऐसा करने की किसी की कोई मंशा नहीं थी।

एक समय में, चार बत्तियाँ एक साथ जल रही थीं, हालाँकि इसके लिए किसी मानवीय हस्तक्षेप को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता था। कई हफ्तों तक ल्यूथोल्ड परिवार भूत-प्रेत द्वारा बत्तियाँ चालू-बंद करने के खेल से परेशान रहा।

“आखिरकार एक दिन मैंने कहा,” ल्यूथोल्ड ने समझाया, “यह अजीब बात है कि बत्तियाँ अपने आप जलती तो हैं, लेकिन कभी बुझती नहीं हैं। मैंने अभी अपनी बात खत्म ही की थी कि मैं अस्तबल में घोर अंधेरे में खड़ा था—बत्ती बंद हो चुकी थी।”

“जैसे कि भूत सुन रहा हो?” मैंने कहा।

ल्यूथोल्ड ने सिर हिलाया और थोड़ा शर्मिंदा होकर मुस्कुराया। "लेकिन हफ्ते के अंत में स्थिति वास्तव में और खराब हो गई," उसने कहा और मुझे 8 दिसंबर की प्रविष्टि दिखाई।

8 दिसंबर, सुबह 7:40 बजे। एल्फी मुर्गियों को दाना चुगने जाती है, लेकिन दाना रखने वाला बर्तन गायब है। आखिरकार उसे वह खलिहान के दरवाजे के सामने मिलता है। सजावट के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले छह कद्दू आंगन में बिखरे पड़े हैं। खरगोशों का पिंजरा खुला है और दो खरगोश बाहर दौड़ रहे हैं। खरगोशों के दाने की ट्रे गायब है। बाद में मेरी पत्नी को वह गाड़ी घर में एक ठेले पर मिलती है।

जाहिर है, भूत को न सिर्फ इंसानों से बल्कि पालतू जानवरों से भी नफरत थी। अगले दिन हालात और भी बदतर हो गए।

9 दिसंबर, सुबह 7:30 बजे। मुर्गियों का दाना रखने वाला बर्तन फिर गायब है। बिल्ली की प्लेट फिर कूड़े के ढेर पर पड़ी है। एल्फी दूसरे बर्तन में नया दाना तैयार करती है, उसे थोड़ी देर के लिए सीढ़ियों पर रखती है और रसोई में चली जाती है। कुछ ही सेकंड बाद जब वह वापस आती है, तो नया दाना भी गायब होता है। वह मुझे इसके बारे में बताने आती है। मैं उसके साथ वापस जाता हूँ और देखता हूँ कि दाना सीढ़ियों के पीछे एक बोरी से ढका हुआ छिपा हुआ है।

ल्यूथोल्ड परिवार गुस्से से उबलने लगा था। श्रीमती ल्यूथोल्ड ने उस छुपकर रहने वाले भूत को पकड़ने का फैसला किया। उन्होंने मुर्गी के दाने का बर्तन घर के दरवाजे के पास खिड़की की चौखट पर रखा और उसमें एक नायलॉन की डोरी बाँध दी, जिसके दूसरे सिरे पर एक छोटी घंटी थी। उन्होंने उसे प्रवेश द्वार से दूर जाने वाले गलियारे में रख दिया। उन्हें लगा कि इस तरह बर्तन की कोई भी हलचल सुनाई देगी।

सुबह 9:30 बजे तक बर्तन दोनों दिशाओं में दो बार हिल चुका था, फिर भी इसमें किसी

मानवीय हस्तक्षेप का पता नहीं चल सका!
उसी दोपहर भूत ने उनके साथ एक नया ही खेल खेला। जब श्रीमती ल्यूथोल्ड दोपहर करीब 2:00 बजे खलिहान में दाखिल हुईं, तो उन्होंने देखा कि तरह-तरह के जूते इधर-उधर बिखरे पड़े थे, और उनमें से एक में मवेशियों की चार रसीदें थीं, जिन्हें श्री ल्यूथोल्ड ने उसी सुबह एक ऊंचे शेल्फ पर रखा था। ऐसा लगता है कि अगले कुछ दिनों में भूत ने अपनी हरकतें और तेज कर दीं। अब वह सिर्फ किसी के न देखने पर चीजों को हिलाने से संतुष्ट नहीं था, बल्कि लोगों की मौजूदगी में भी ऐसा करने लगा।
10 दिसंबर, सुबह 9:30 बजे। घास के गोदाम में बत्ती अपने आप जल जाती है। मुर्गियों के दाने का खोया हुआ बर्तन आखिरकार पुराने अस्तबल के दरवाजे के पास मिल जाता है। शाम 6:30 बजे खलिहान में बत्ती जलती है, लेकिन वहां कोई नहीं होता। मैं उसे बुझा ही रहा था कि एल्फी अंदर आती है और मुझे बताती है कि दुहने वाला ब्रश गायब है। हम हर जगह ढूंढते हैं, लेकिन कुछ नहीं मिलता। तभी मेरी नज़र उस छाते पर पड़ती है जो आमतौर पर घर के दरवाजे के सामने होता है, सूअर के बाड़े की खिड़की की चौखट पर लटका हुआ! एल्फी उसे उतारकर घर के प्रवेश द्वार के पास रख देती है, और हम दुहने वाले ब्रश की तलाश जारी रखते हैं। अचानक, छाता पुराने अस्तबल के पास ज़मीन पर हमारे सामने पड़ा मिलता है! खलिहान की बत्तियां तीन बार जलती हैं और मुझे उन्हें बुझाना पड़ता है। ज़ाहिर है, उस समय वहां कोई नहीं होता।
आप सोच रहे होंगे कि गायब हुआ दुहने वाला ब्रश कहाँ गया? अगली सुबह, रविवार को ही, श्रीमती ल्यूथोल्ड सूअरों को दाना खिला रही थीं। दाने की एक थैली में उन्हें कुछ सख्त और ठोस सा महसूस हुआ, जो सूअरों के दाने जैसा नहीं था। आपने सही अनुमान लगाया। यह दुहने वाला ब्रश था। ल्यूथोल्ड परिवार ब्रश वापस पाकर खुश था, लेकिन उनकी खुशी मुर्गियों के दाने के बर्तन के गायब होने से धूमिल हो गई। अगर सूअर नहीं तो मुर्गियों को ही भूत सता रहा था!
श्री ल्यूथोल्ड ने गंभीर स्वर में कहा, "मुझे वह सुबह अच्छी तरह याद है। मैं पौने आठ बजे के आसपास अस्तबल में खड़ा था, तभी बत्ती बुझी और फिर जल उठी, और थोड़ी देर बाद ही घास के ढेर में किसी चीज के जोर से खटखटाने की आवाज आई, और उसी समय खलिहान में बत्ती जल उठी! मुझे समझ नहीं आ रहा था कि पहले कहां जाऊं।"
जिन लोगों को शक था कि सीधी-सादी नौकरानी एल्फी इन शरारतों को अंजाम दे रही है, उन्हें यह एहसास नहीं था कि वह जानबूझकर इनमें शामिल नहीं थी। वह खुद घर के

अन्य लोगों के साथ इन शरारतों का शिकार थी।
उदाहरण के लिए, बारह दिसंबर को उसने दूध की गाड़ी को खलिहान के उस कोने में रख दिया जहाँ वह आमतौर पर खड़ी रहती थी। लेकिन कुछ ही मिनटों बाद, उसने उसे मुर्गीघर के सामने पाया।
उसी दिन, पॉल ल्यूथोल्ड का फिर से भूत से सामना हुआ। "सुबह के नौ बजकर पंद्रह मिनट हो रहे थे और मैं सीढ़ियों से ऊपर जा रहा था। अचानक मेरे सामने फल रखने वाले कमरे की खिड़की ज़ोर से बंद हो गई। न तो हवा का कोई झोंका था, न ही हवा का कोई बहाव।"
मैंने कहा, "आपकी पत्नी ने गायब हो रही सेब की चटनी के बारे में कुछ बताया था। यह दिलचस्प लग रहा है। आखिर हुआ क्या था?"
"तेरह दिसंबर को," ल्यूथोल्ड ने अपनी डायरी से याद करते हुए जवाब दिया, "मेरी पत्नी ने गरम सेब की चटनी को ठंडा करने के लिए घर के दरवाजे के पास वाली खिड़की की चौखट पर रख दिया। मैं दोपहर करीब साढ़े चार बजे खेतों से घर लौटा और यह देखकर हैरान रह गया कि घर के सामने वाले आंगन में पुराने अस्तबल की चौखट पर सेब की चटनी रखी थी। मैं रसोई में गया और एल्फी से पूछा कि उन्होंने सेब की चटनी कहाँ रखी है। 'अरे, रसोई की खिड़की पर, बिलकुल।' मैंने चुपचाप उसे दिखाया कि वह अब कहाँ है। उसने सिर हिलाया और चटनी उठाकर वापस रसोई की खिड़की की चौखट पर रख दी। कुछ मिनट बाद, हमने देखा कि वह अभी भी वहीं है या नहीं। वह वहीं थी, लेकिन जहाँ हमने उसे रखा था, वहाँ से लगभग एक फुट खिसक गई थी।"
लेकिन यह तो बस शुरुआत थी। दिनभर अजीबोगरीब घटनाएं होती रहीं। दुहने वाली मशीन के कुछ हिस्से गायब हो जाते और अजीब-अजीब जगहों पर फिर से दिखाई देते। बत्तियाँ अपने आप जलती-बुझती रहीं, मानो किसी इंसान ने उन्हें छुआ ही न हो। ये स्विच बड़े, काले चीनी मिट्टी के बने हैं और इमारत की दीवारों पर कंधे की ऊंचाई पर लगे हैं। बत्तियों को अलग-अलग जलाने या बुझाने का कोई और तरीका नहीं है।
शाम 7:45 बजे, भोजन के समय, पूरा परिवार और नौकर घर के मुख्य कमरे में थे। खलिहान और अन्य इमारतें सुरक्षित रूप से बंद थीं। अचानक, खलिहान और मुर्गीघर की बत्तियाँ अपने आप जल उठीं। अगली सुबह, अजीबोगरीब घटनाओं की लंबी सूची में एक और अप्रत्याशित घटना जुड़ गई।
14 दिसंबर, सुबह 6:50 बजे। मुर्गीघर से निकलते ही मुझे दूसरे बाड़े की तरफ से घंटी

की तेज़ आवाज़ सुनाई दी, जो लगभग आधे मिनट तक बजती रही। लेकिन, ज़ाहिर है, वहाँ कोई घंटी नहीं थी।

श्रीमती ल्यूथोल्ड ने अपने पति से कहा, "यह हद से ज्यादा हो रहा है। हमें इसके बारे में कुछ करना होगा।"

उसने मुर्गी के दाने का बर्तन उठाया और उसे वापस सीढ़ियों पर रख दिया, जहाँ से वह कुछ दिन पहले गायब हो गया था। फिर उसने बर्तन में एक नायलॉन की डोरी बाँधी, जिसके दूसरे सिरे पर एक छोटी घंटी थी; उसने डोरी को दरवाजे की ओर जाने वाले गलियारे में रख दिया और दरवाजा लगभग बंद कर दिया, लेकिन पूरी तरह नहीं। इस तरह, अगर कोई डोरी को खींचे तो वह आसानी से हिल सकती थी।

फिर परिवार ने नाश्ता किया। दस मिनट बाद उन्होंने रस्सी को देखा। वह कम से कम एक फुट बाहर की ओर खिंची हुई थी और बर्तन से लगभग दो इंच की दूरी पर कटी या फटी हुई थी। बर्तन खुद उस पायदान से एक पायदान नीचे था जिस पर श्रीमती ल्यूथोल्ड ने उसे रखा था!

कभी-कभी भूत कृपा कर देता था: उसी दिन, सुबह लगभग 8:00 बजे, नौकरानी एल्फी लकड़ी लाने के लिए एक बाल्टी लेकर निकली। जैसे ही वह खरगोश के पिंजरे के पास से गुजरी, तहखाने, घास के गोदाम और मुर्गीघर में बत्तियाँ जल उठीं। एल्फी ने जल्दी से बाल्टी नीचे रख दी और जाँच करने लगी। जब वह उसे वापस उठाने लौटी, तो वह गायब हो गई थी। वह लकड़ी के ढेर के सामने, कुछ दूरी पर खड़ी थी—जहाँ उसकी ज़रूरत थी!

ल्यूथोल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, बेटी एलिजाबेथ को भी अपने हिस्से के अनुभव प्राप्त हुए:

14 दिसंबर, शाम 5:30 बजे। एलिजाबेथ घर के ऊपरी हिस्से में व्यस्त थी। तभी उसे बाहर किसी चीज़ के गिरने की आवाज़ सुनाई दी। वह तुरंत नीचे भागी और देखा कि छह सजावटी कद्दू आंगन में इधर-उधर बिखरे पड़े थे, यहाँ तक कि सुअर के बाड़े तक भी। एक घंटे बाद जब वह घर से बाहर निकली, तो उसने देखा कि कालीन साफ करने वाला डंडा और झाड़ू किसी तरह घर के अंदर से निकलकर दरवाजे के बाहर लटके हुए थे! और यह सिलसिला चलता रहा। हर दिन कुछ न कुछ अपनी जगह बदलता रहता था। मुर्गी के दाने का बर्तन, या जूते, या दूध का डिब्बा। बत्तियाँ खुशी-खुशी जलती-बुझती रहती थीं। कोई न कोई दरवाजे पर दस्तक देता, पर बाहर कोई नहीं होता था। कोई

दस्तक देकर गायब नहीं हो सकता था—घर और खलिहान के बीच का आँगन और गाँव की गली में आसानी से किसी के आने-जाने की जाँच की जा सकती थी। दूध की गाड़ी गायब होती और फिर दिखाई देती। शौचालय की खिड़की कब्ज़े से उखड़कर ज़मीन पर पड़ी होती। गोबर इकट्ठा करने वाला फावड़ा खलिहान के सामने से शौचालय के अंदर चला जाता। सूअरबाड़े का गेट किसी अनदेखे हाथ से खुल जाता और सूअर मुर्गीघर के चारों ओर घूमने लगते। बत्तियाँ जलती-बुझती रहती थीं। यहाँ तक कि क्रिसमस भी इन गतिविधियों को रोक नहीं पाया।

24 दिसंबर, दोपहर 3 बजे। मैं और मेरा चचेरा भाई अर्नेस्ट गौत्शी अस्तबल में बातें कर रहे थे, तभी अचानक दोपहर के बीचोंबीच बत्ती जल उठी। शाम 5:30 बजे, मैं गायों को चारा देने के लिए खलिहान में गया, तभी मैंने देखा कि पुराने खलिहान में बत्तियाँ अपने आप जल उठी हैं। मैं तुरंत वापस गया और देखा कि कुत्ता बत्ती के स्विच पर बुरी तरह भौंक रहा है! मैं घर गया यह देखने के लिए कि कोई बाहर है या नहीं, लेकिन कोई भी एक पल के लिए भी बाहर नहीं निकला था। मेरा बेटा पॉल मेरे साथ खलिहान में लौटा। आधे घंटे पहले उसी ने कुत्ते को बाहर बाँधकर छोड़ा था। अब वह खलिहान के अंदर बँधा हुआ है, और खलिहान का दरवाजा कसकर बंद है। कुत्ता अंदर कैसे आया?

जाहिर है, अब उस प्रेत ने अपना ध्यान कुत्ते की ओर मोड़ना शुरू कर दिया था।

25 दिसंबर, सुबह 7:30 बजे। कुत्ता अस्तबल में बंद पाया गया। जबकि आधे घंटे पहले ही एल्फी ने उसे खाना खिलाने के बाद बाहर खुले में घूमने के लिए छोड़ दिया था।

2 फरवरी, सुबह 5 बजे। मैं अस्तबल गया और मेरा कुत्ता, जो खलिहान में सो रहा था, मेरे पीछे-पीछे अस्तबल में आ गया। वह शोर मचाने लगा और एक बछड़ा डर गया, इसलिए मैंने कुत्ते से कहा, "तुरंत बाहर जाओ!" जैसे ही मैं उसे बाहर निकालने के लिए खलिहान का दरवाजा खोलने के लिए मुड़ा, मैंने देखा कि वह पहले से ही खलिहान के बाहर था। उसके लिए दरवाजा किसने खोला? मैंने नहीं।

बच्चों का ध्यान भी उस अप्रिय आत्मा की ओर आकर्षित हुआ। उसी दिन, 2 फरवरी को, ल्यूथोल्ड ने अपनी डायरी में लिखा:

2 फरवरी, शाम 6:15 बजे। तीन स्लेज, जो सामान्यतः खलिहान के कोने में ढेर करके रखी जाती हैं, खाद के कुंड के पार पाई जाती हैं।

ल्यूथोल्ड परिवार ने अपने इस अनदेखे "आगंतुक" को सहजता से स्वीकार कर लिया, और हमेशा यही उम्मीद करते रहे कि यह जिस तरह आया था उसी तरह चला जाएगा।

उनके आध्यात्मिक पड़ोसी ने ज़ोर देकर कहा कि "लियो भूत," जैसा कि उन्होंने इसे नाम दिया था, किसी न किसी तरह एल्फी से जुड़ा हुआ है। ल्यूथोल्ड परिवार ने इस बात को तुरंत खारिज कर दिया, क्योंकि वे नौकरानी की ईमानदारी और इसमें उसकी कोई संलिप्तता न होने की पुष्टि करने की पूरी स्थिति में थे। हालांकि, यह घटना बिना रुके जारी रही।

14 मार्च, सुबह 6 बजे। भोजन कक्ष की खिड़की कब्ज़े से उखड़ी हुई मिली और घर के सामने एक गमले में पड़ी हुई पाई गई। सुबह 7:30 बजे। मेरी चप्पल खलिहान से गायब हो गई और अस्तबल के दूसरे हिस्से में जूतों की अलमारी के नीचे मिली।

29 मार्च, सुबह 7:30 बजे। कुत्ता आंगन में लेटा हुआ था। कुछ मिनट बाद उसे पुराने अस्तबल में बंद कर दिया गया। घर में सभी से पूछताछ की गई और सबकी मौजूदगी का पता लगाया गया। किसी ने भी ऐसा नहीं किया होगा। शाम 7 बजे, एल्फी और मैंने चार बाल्टियों में मलाई निकाली और उन्हें सुअरबाड़े के दरवाजे के पास रख दिया। रात 9 बजे हमें चारों बाल्टियाँ दरवाजे के ठीक सामने मिलीं।

एल्फी की शादी अप्रैल में हुई थी और संभवतः उसकी "अप्रतिबद्ध" ऊर्जा अब भूत-प्रेत संबंधी गतिविधियों में उपयोग करने के लिए स्वतंत्र नहीं थी। लेकिन माशवांडेन का भूत मानसिक शोधकर्ताओं द्वारा निर्धारित मानक नियमों का पालन नहीं करता था। एल्फी के होने या न होने के बावजूद, गड़बड़ी जारी रही।

9 अगस्त, सुबह। अपने जूते साफ करते समय, मुझे भीतरी तलवे के नीचे एक छोटी सी टाई पिन मिली, जिसे मैंने तीन महीने से नहीं देखा था।

10 अगस्त, शाम 5:30 बजे। खनिज नमक की बोरी में एक कांटा फंसा रह गया। उसे निकालने के लिए दो आदमियों की जरूरत पड़ी। आधे घंटे पहले वही कांटा अभी भी खलिहान में ही था।

19 अगस्त, सुबह 4:45 बजे। इतालवी मजदूर एंजेलो का एक जूता खो गया। उसे वह खलिहान के अंदर तीन गज की दूरी पर मिला और उसके ऊपर एक भारी पिचफोर्क रखा हुआ था।

कुछ और हफ्तों तक इसी तरह की घटनाएं होती रहीं, फिर धीरे-धीरे ल्यूथोल्ड फार्म के आसपास फिर से शांति छा गई।

मैंने घर, अस्तबल और खलिहान का चारों ओर जायजा लिया। मैंने परिवार के सभी सदस्यों से बात की, सिवाय उस इतालवी व्यक्ति के, जिसने उनके जीवन में बहुत कम

समय बिताया था, और एल्फी के, जो बहुत पहले वैवाहिक जीवन के सुख के लिए चली गई थी।

मैंने पूछा, "क्या घर में किसी की हिंसक मौत हुई थी?"

पॉल ल्यूथोल्ड सीनियर ने कुछ देर सोचा। "लगभग दस साल पहले हमारे यहाँ एक इतालवी कर्मचारी काम करता था। उसे अपनी मोटरसाइकिल पर बहुत गर्व था, लेकिन वह उसका बीमा नहीं करवा सकता था। एक दिन उसने कुछ दोस्तों के साथ छुट्टियाँ मनाने इटली लौटने का फैसला किया। जल्दी निकलने के लिए वे सुबह करीब तीन बजे निकलेंगे। पिछली रात मेरी माँ ने उसे चेतावनी दी, 'सावधान रहना, और कहीं तुम सिर खुजा कर घर न लौट आओ।' उसने कंधे उचकाते हुए जवाब दिया, 'अगर मैं मर भी जाऊँ, तो भी कोई फर्क नहीं पड़ता।'"

अगली सुबह वह एक घंटा देरी से निकला। जब वह सेंट गोटहार्ड पहुँचा, तो उसकी मोटरसाइकिल में खराबी आ गई। बाकी साथी आगे निकल गए और पहाड़ की चोटी पर उसका इंतज़ार करने का वादा किया। वह एक गैराज में गया और अपनी मोटरसाइकिल ठीक करवाई, क्योंकि वह अपने साथियों को याद करने के लिए दृढ़ था। अगर वह वहीं रुक जाता तो बेहतर होता, क्योंकि कुछ ही समय बाद एक चट्टान सड़क पर गिर गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

"और आपको लगता है कि शायद उसी की आत्मा इन सब का कारण बन रही है?" मैंने पूछा।

"नहीं, मुझे नहीं पता," ल्यूथोल्ड ने मुझे आश्वस्त करते हुए कहा। "मैं तो बस यह सोच रहा हूँ कि यह कौन कर रहा है।"

मुझे लगा कि ल्यूथोल्ड को अपने पड़ोसियों पर कुछ शक था। क्या कोई सक्रिय अध्यात्मवादी ऐसी घटनाओं को अंजाम दे सकता है? मैंने उसे आश्वस्त किया कि वह अध्यात्मवादी तो नहीं है, लेकिन शायद कोई काला जादूगर हो सकता है।

घर या खेत में किसी की भी हिंसक मौत नहीं हुई थी। लेकिन फिर, हो सकता है कि उस जगह पर कोई पुराना घर रहा हो जिसके बारे में हमें कुछ भी पता नहीं है। ल्यूथोल्ड के बच्चे अब किशोरावस्था से आगे निकल चुके हैं, जहां उनकी अप्रयुक्त ऊर्जा ने इस घटना को घटित करने में योगदान दिया हो सकता है।

मेरा अनुमान है कि एल्फी और बच्चे दोनों ही उस ऊर्जा का स्रोत थे। जब एल्फी चली गई और केवल बच्चे ही घर में रह गए, तो ये घटनाएँ धीरे-धीरे गायब हो गईं। तब से ये

घटनाएँ दोबारा नहीं हुईं। इनके दोबारा होने की संभावना भी नहीं है, जब तक कि कोई और अनजाने में ऐसी ऊर्जा का स्रोत बनकर घर में न आ जाए। इन गड़बड़ियों के पीछे छिपी हुई आत्मा शायद अभी भी कहीं मंडरा रही हो, बेकाबू होकर, किसी और मौके की प्रतीक्षा कर रही हो। अगर ऐसा हुआ, तो श्री ल्यूथोल्ड यकीन मानिए कि भूत शिकारी भी वहाँ मौजूद होगा!

जुमेल हवेली के भूत

न्यूयॉर्क में अपने घर लौटते ही मेरी दोस्त एलिजाबेथ बर्ड ने फोन करके पूछा कि क्या मैंने वह कब्र खुलवा ली है या नहीं।
मुझे इसके बारे में पता नहीं था, लेकिन मुझे आपको शुरुआत में ही सब कुछ बता देना चाहिए। दरअसल, इसकी शुरुआत 11 जनवरी, 1964 को न्यूयॉर्क जर्नल-अमेरिकन में जोन हनौर द्वारा लिखे गए एक लेख से हुई, जिसमें न्यूयॉर्क के जुमेल मेंशन में होने वाली भूतिया घटनाओं को सार्वजनिक रूप से सामने लाया गया था।
एजकोम्ब एवेन्यू और 164वीं स्ट्रीट स्थित पी.एस. 164 से फील्ड ट्रिप पर आए युवाओं का कहना है कि पिछले बुधवार को एक लंबी, भूरे बालों वाली बुजुर्ग महिला बालकनी पर आईं और उन्हें चुप रहने को कहा।
यह विवरण श्रीमती जुमेल पर लागू होता है।
क्या ऐसा हो सकता था?
160वीं स्ट्रीट और एजकोम्बे स्थित हवेली की क्यूरेटर श्रीमती एम्मा बिंगे कैंपबेल का कहना है कि नहीं।

“मैं भूतों पर विश्वास नहीं करती,” उसने कहा, “लेकिन यह बहुत अजीब था। घर बंद था और खाली था।”
“हम यह जानते हैं। वहां कोई महिला हो ही नहीं सकती थी।”
लेकिन कई बच्चे इस बात पर जोर देते हैं कि उन्होंने उसे देखा और सुना था।
"सुबह 11 बजे से कुछ ही पहले का समय था, जो उस घर के खुलने का समय था जिसका निर्माण 1765 में हुआ था।"
श्रीमती कैंपबेल ने कहा, "जब मैं बच्चों के पास यह समझाने के लिए आई कि उन्हें दूसरे माली जॉन डफी के 11 बजे दरवाजे खोलने का इंतजार करना होगा, तो लड़कियों में से एक जानना चाहती थी कि वह लंबी महिला जो उन्हें शोर मचाने के लिए डांटने के लिए बालकनी पर आई थी, उन्हें अंदर क्यों नहीं जाने दे रही थी।"
"घर में ऐसी कोई महिला—या कोई और—हो ही नहीं सकती थी।"
"बच्चों द्वारा वर्णित महिला श्रीमती जुमेल से मिलती-जुलती थी, जिनके बारे में कुछ लोगों का मानना था कि उन्होंने 1832 में घर में अपने पति की हत्या कर दी थी और फिर अगले वर्ष आरोन बर्र से शादी कर ली थी।"
लेकिन बच्चों को यह पता नहीं होना चाहिए था, न ही उन्हें यह पता होना चाहिए था कि वह कैसी दिखती थी।
"वे यह भी नहीं जान सकते थे कि जिस बालकनी पर वह प्रेत प्रकट हुआ था, वह श्रीमती जुमेल और बर्र के शयनकक्षों को अलग करती थी।"
एलिज़ाबेथ बर्ड उस समय एक पत्रिका के लिए मैनहट्टन के भूतों पर एक कहानी लिख रही थीं और हमने मिलकर इस मामले की पड़ताल करने का फैसला किया। सबसे पहले हमने सरकारी स्कूल के अधिकारियों से संपर्क किया और बच्चों से बात करने की अनुमति प्राप्त की। यह स्कूल अश्वेत बच्चों के लिए था, जो अपनी उम्र के अन्य बच्चों की तरह ही होशियार, समझदार या कम होशियार निकले। शिक्षिका ने उन सभी बच्चों को इकट्ठा किया जिन्हें वह पहले जुमेल हवेली ले गई थीं और हमने उनसे अलग-अलग और साथ में पूछताछ की। उनकी कहानी में कोई बदलाव नहीं आया। वह महिला अचानक बालकनी पर प्रकट हुई और उसने उन्हें चुप रहने को कहा।
मैं जानना चाहता था, "वह कैसे गायब हो गई?"
एक युवक ने कुछ देर सोचा, फिर हिचकिचाते हुए कहा, "वह मानो धीरे से घर के अंदर चली गई।"

मैंने लड़की से पूछा, "क्या तुमने बालकनी के दरवाजे खुलते देखे?"
“नहीं, महोदय,” उसने दृढ़ता से उत्तर दिया।
"तो क्या वह दरवाजे से अंदर चली गई?"
"उसने किया।"
जिस पोशाक को भूत द्वारा पहने जाने का वर्णन किया गया है, वह वास्तव में मौजूद है - लेकिन इसे हवेली में ऊपर सावधानीपूर्वक रखा गया है और इसे प्रदर्शन पर नहीं रखा गया था, न ही यह आम जानकारी है, खासकर ग्यारह साल की स्कूली छात्राओं के बीच।
जब हम पहुँचे तो वहाँ खाना पकाने की क्लास चल रही थी और लड़कियों ने खुशी-खुशी हमें अपने बनाए पकवानों के नमूने दिखाए। हमने फिलहाल मना कर दिया और हवेली की क्यूरेटर, श्रीमती कैंपबेल से मिलने चले गए। यह ऊर्जावान महिला अमेरिकन क्रांति की बेटियों के लिए बनी हवेली की देखभाल करती हैं, जिनके संरक्षण में न्यूयॉर्क शहर ने संग्रहालय को सौंपा है।
"क्या यहां भूत-प्रेत का जिक्र पहली बार हो रहा है?" मैं यह जानना चाहता था।
श्रीमती कैंपबेल ने अपना सिर हिलाया। “ये लीजिए,” उन्होंने कहा और अपने कार्यालय की अलमारियों में से एक से एक भारी किताब उतारी। “विलियम हेनरी शेल्टन की कृति, द जुमेल मेंशन, पृष्ठ दो सौ सात और दो सौ आठ में यहाँ पहले देखे गए भूतों का वर्णन है।”
क्या आपने कभी कुछ देखा या सुना है?
“नहीं, अभी तक तो नहीं, लेकिन दूसरों ने सुना है। एक जर्मन नर्स थी जो 1865 में यहाँ रहती थी—उसे तब भी अजीब आवाज़ें सुनाई देती थीं। कई आगंतुकों ने यहाँ आने पर ऐसे कदमों की आहट सुनी है जब आसपास कोई नहीं होता था। श्रीमती जुमेल का भूत इस कमरे के दरवाजे पर एक सेवानिवृत्त गार्ड को दिखाई दिया था।”
“आप मुझसे इस मामले की जांच कैसे करवाना चाहेंगे?” मैंने पूछा, और तुरंत एक तारीख तय हो गई। लेकिन पहले, मैंने ऐतिहासिक घर की भौतिक बनावट से परिचित होना उचित समझा। मैं इसकी भव्य उपस्थिति से तुरंत प्रभावित हो गया। जॉन केंट टिल्टन ने लिखा:
मैनहट्टन के सबसे ऊंचे स्थान पर स्थित मॉरिस-जुमेल मेंशन देश के सबसे प्रसिद्ध पुराने ऐतिहासिक भवनों में से एक है। न्यू एम्स्टर्डम के समय में डचों द्वारा इस इलाके को मूल

रूप से हार्लेम हाइट्स कहा जाता था और फिर अंग्रेजों के स्वामित्व के दौरान इसका नाम बदलकर माउंट मॉरिस कर दिया गया, जिसके बाद इसे वाशिंगटन हाइट्स के वर्तमान नाम से जाना जाने लगा।

जिस जमीन पर यह पुराना महल स्थित है, वह मूल रूप से 1700 में जान कीर्सन नामक एक डच किसान को न्यू हार्लेम के "सामान्य जंगल की आधी मॉर्गन भूमि" के हिस्से के रूप में दी गई थी।

लेफ्टिनेंट कर्नल रोजर मॉरिस ने 1765 में यह संपत्ति खरीदी थी। नए मालिक का जन्म 1728 में इंग्लैंड में हुआ था और वे अठारह वर्ष की आयु में ब्रिटिश सेना में कैप्टन के पद के साथ अमेरिका आए थे।

यहीं पर मॉरिस परिवार, अपने चार बच्चों के साथ, अपनी गर्मियां बिताता था, और क्रांति शुरू होने तक एक ब्रिटिश जमींदार और परिवार के विशिष्ट घरेलू जीवन का आनंद लेता था।

युद्ध की शुरुआत में कर्नल मॉरिस इंग्लैंड भाग गए, जहां वे ढाई साल तक रहे।

अगस्त 1776 में, युद्ध की शुरुआत में ही, माउंट मॉरिस पर अमेरिकी सैनिकों ने कब्ज़ा कर लिया और जनरल हीथ और उनके साथियों को वहाँ ठहराया गया। लॉन्ग आइलैंड की विनाशकारी लड़ाई के बाद, जनरल वाशिंगटन हार्लेम हाइट्स में पीछे हट गए और उस स्थान को अपना मुख्यालय बना लिया। वाशिंगटन द्वारा इस स्थान को छोड़ने का निर्णय लेने के बाद, ब्रिटिश सेना ने वहाँ प्रवेश किया और मॉरिस मेंशन में जनरल सर हेनरी क्लिंटन और उनके अधिकारी, और समय-समय पर हेसियन सैनिक, सात वर्षों तक ब्रिटिश कब्जे के दौरान रहे।

अगले पच्चीस वर्षों के दौरान इसे कई बार बेचा और पुनर्विक्रय किया गया और इसने अपने विविध इतिहास में कई बदलाव देखे। कैलमैट हॉल के रूप में पुनर्निर्वाचित, यह कुछ समय के लिए एक सराय के रूप में इस्तेमाल किया गया और अल्बानी जाने वाली स्टेजकोचों के लिए एक पड़ाव था। यह एक अज्ञात किसान का घर था जब राष्ट्रपति वाशिंगटन ने अपने पुराने मुख्यालय का दौरा किया और अन्य लोगों के साथ-साथ अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों, जॉन एडम्स, अलेक्जेंडर हैमिल्टन, हेनरी नॉक्स और उनकी पत्नियों को रात्रिभोज पर आमंत्रित किया।

यह इलाका स्टीफन जुमेल और उनकी उत्साही और महत्वाकांक्षी पत्नी के लिए गर्मियों के दिनों में व्हाइटहॉल स्ट्रीट स्थित अपने घर से ड्राइव करके घूमने का एक पसंदीदा

स्थान था। श्रीमती जुमेल पास के पुराने मॉरिस मेंशन से इतनी मोहित हो गईं कि उन्होंने अपने पति को 1810 में इसे अपने घर के लिए 10,000 डॉलर में खरीदने के लिए राजी कर लिया, जिसमें मूल भूखंड का बचा हुआ 35 एकड़ जमीन भी शामिल थी।
पुराना मकान तेजी से जर्जर हो रहा था, तभी श्रीमती जुमेल ने पूरे जोश के साथ उसका जीर्णोद्धार और साज-सज्जा शुरू की और जब यह पूरा हुआ तो यह देश के सबसे खूबसूरत मकानों में से एक बन गया। जुमेल परिवार ने हवेली को उन्नीसवीं सदी के शुरुआती दौर की शैली में पुनर्स्थापित किया, जब संघीय प्रभाव प्रचलन में था।
श्रीमती जुमेल ने पहली शादी, कुछ लोगों के अनुसार धोखे से, धनी फ्रांसीसी स्टीफन जुमेल से की थी। स्टीफन जुमेल कभी सैंटो डोमिंगो में एक बड़े बागान के मालिक थे, जहाँ से उन्हें विद्रोह के समय भागना पड़ा था। अमेरिका पहुँचने पर वे अपेक्षाकृत गरीब थे, लेकिन जल्द ही उन्होंने शराब व्यापारी के रूप में नई संपत्ति अर्जित कर ली और 1832 में उनकी मृत्यु के समय, उनकी पत्नी अमेरिका की सबसे धनी महिलाओं में से एक बन गईं। एक साल बाद उन्होंने अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति आरोन बर्र से शादी कर ली। हालाँकि, यह दूसरी शादी अल्पकालिक रही और तलाक में समाप्त हो गई। श्रीमती जुमेल का 93 वर्ष की आयु में 1865 में निधन हो गया।
मॉरिस-जुमेल हवेली मध्य-जॉर्जियाई वास्तुकला शैली की है। इसके अग्रभाग में चार स्तंभ हैं, जो दो मंजिला ऊँचाई के हैं और शीर्ष पर एक चबूतरा है।
बाहरी भाग सफेद रंग से रंगा हुआ है। जुमेल परिवार द्वारा जोड़े गए उत्तर-औपनिवेशिक विशेषताओं में से एक भव्य मुख्य प्रवेश द्वार है, जिसके दोनों ओर रोशनदान और अंडाकार आकार का चबूतरा है।
आंतरिक भाग में, मेहराबों वाला विशाल केंद्रीय हॉल 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध और 19वीं शताब्दी के आरंभिक फर्नीचर से सुसज्जित है। प्रवेश द्वार के बाईं ओर छोटा बैठक कक्ष या चाय कक्ष है जहाँ 1833 में विधवा जुमेल और आरोन बर्र का विवाह समारोह संपन्न हुआ था, जब दुल्हन 58 वर्ष की थी और दूल्हा उससे 20 वर्ष बड़ा था।
हॉल के उस पार भव्य जॉर्जियाई शैली का भोजन कक्ष है जहाँ कई प्रसिद्ध व्यक्ति भव्य रात्रिभोज पार्टियों के लिए एकत्रित होते थे।
हॉल के पीछे की ओर विशाल अष्टकोणीय ड्राइंग रूम है।
चौड़ी सीढ़ियाँ ऊपरी मंजिल पर स्थित विशाल हॉल तक जाती हैं, जो जुमेल परिवार के निजी सामान से सुसज्जित है। यहाँ श्रीमती जुमेल और उनकी दत्तक पुत्री मैरी एलिजा

(जिनका विवाह नेल्सन चेज़ से हुआ था) के युवा पुत्र और पुत्री का एक सामूहिक चित्र भी है।
उत्तर-पश्चिम के शयनकक्ष में जुमेल परिवार का फर्नीचर है, जिसमें नक्काशीदार चार-पायों वाला बिस्तर भी शामिल है।
पुराने समय में तीसरी मंजिल के कमरों का उपयोग संभवतः अतिरिक्त अतिथि कक्षों के रूप में किया जाता था, क्योंकि नौकरों के क्वार्टर तब रसोई के साथ तहखाने में स्थित थे।
19 जनवरी, 1964 को, बेट्सी जुमेल के ऊपरी मंजिल पर स्थित पुराने बैठक कक्ष में कुछ लोग एकत्रित हुए। न्यूयॉर्क हिस्टोरिकल सोसाइटी और डॉटर्स ऑफ द अमेरिकन रिवोल्यूशन के कुछ सदस्य, जर्नल-अमेरिकन के लेखक नैट एडम्स और वर्ल्ड-टेलीग्राम के हैरी अल्टशुलर उपस्थित थे, जो बाद में शामिल हुए। मेरे साथ एथेल मेयर्स थीं, जिन्हें उस सर्दी की दोपहर में यह नहीं बताया गया था कि हम कहाँ जा रहे हैं, और जेसिका रसेल गेवर थीं, जो मेरी सचिव के रूप में काम कर रही थीं और साथ ही साथ हमारे काम पर एक पत्रिका लेख भी लिख रही थीं।
हमारे पहुँचते ही एथेल जुमेल के शयनकक्ष में बार-बार अंदर-बाहर आ-जा रही थी, मानो कोई उसे ऐसा करने के लिए मजबूर कर रहा हो। जैसे ही वह गलियारे के उस पार वाले कमरे की ओर बढ़ी, उसका कंधा झुक गया और एक हाथ ऐसे लटक गया जैसे उसकी कमर में चोट लगी हो!
"मुझे अपने बाएं हिस्से में अजीब सा महसूस हो रहा है," एथेल ने आखिरकार कहा, और उसकी आवाज में किसी और की आवाज की झलक दिखाई देने लगी थी।
हम वापस उस शयनकक्ष में गए जो आम तौर पर जनता के लिए बंद रहता है। एक तरफ नेपोलियन प्रथम की संपत्ति रहा एक विशाल नक्काशीदार चौपाया बिस्तर है, और कमरे में जगह-जगह उस काल की छोटी कुर्सियाँ रखी हैं। एक कोने में एक बड़ा दर्पण है।
“मामला उलझा हुआ है,” एथेल ने कहा, और खुद भी उलझन में लग रही थी। “यहाँ एक से ज़्यादा परेशान लोग हैं। मुझे तो ऐसा लग रहा है जैसे तीन लोग शामिल हैं। बीमारी भी हुई है और मन में भी बदलाव आया है। किसी के साथ नाइंसाफी हुई है।”
अचानक, एथेल ने नेपोलियन के बिस्तर पर बैठे एक आदमी की ओर मुड़कर कहा, "कोई चाहता है कि तुम बिस्तर से उठ जाओ," और बोलने में उसे कठिनाई महसूस हुई।

जैसे किसी मकड़ी ने काट लिया हो, वह युवक झट से बिस्तर से उठ खड़ा हुआ। कोई भूत उसे हिला नहीं सकता था।

मेरे हाथ पर हाथ रखने के बावजूद एथेल फिर से उठने की कोशिश करने लगी। "मुझे फिर से उस दूसरे कमरे में जाना है," वह बुदबुदाई और चल पड़ी, मैं उसके पीछे-पीछे चल रहा था। वह ऐसे चल रही थी मानो किसी बाहरी शक्ति ने उसे अपने वश में कर लिया हो। श्रीमती जुमेल की तस्वीर के सामने, वह अचानक घुटनों के बल गिर पड़ी।

“मैं यहाँ कभी आगे नहीं बढ़ पाती… मैं जब भी वहाँ जाती हूँ गिर जाती हूँ।” उसने अपने ऊपर लगी बड़ी तस्वीर की ओर इशारा करते हुए लगभग चिल्लाकर कहा, “मेरा नाम उस तस्वीर पर नहीं है। मैं चाहती हूँ कि मेरा नाम वहाँ हो!”

क्यूरेटर श्रीमती कैंपबेल ने घबराहट में मुझे एक तरफ ले जाकर कहा, "यह बहुत अजीब बात है कि वह ऐसा कह रही हैं। देखिए, बहुत समय पहले उस तस्वीर पर उनका नाम हुआ करता था। लेकिन जब बेट्सी जुमेल जीवित थीं, तब वह तस्वीर इस जगह पर नहीं थी।"

मैंने उन्हें धन्यवाद दिया और एथेल मेयर्स को वापस दूसरे कमरे में उनकी कुर्सी पर ले गई।

“हेनरी… और एक जोहान… यहीं कहीं…,” गहरी समाधि में जाते हुए वह बुदबुदाई। उसके होठों से कर्कश आवाजें निकल रही थीं। पहले तो वे समझ से बाहर थीं। धीरे-धीरे मैं उन्हें समझने लगा। समाधि की आधी अवस्था में पहुँचकर वह बिस्तर पर लेट गई। मैंने अपनी कुर्सी उसके सिर के पास रख दी। बाकी लोग सुनने के लिए उत्सुक थे और कमरे में एक अजीब सी खामोशी छाई हुई थी, जो केवल समाधि में लीन माध्यम के कोमल शब्दों से ही टूट रही थी।

“तुम्हें लगता है मैं मर गया हूँ…” अब एक कर्कश, पुरुष आवाज ने कहा।

“नहीं, मैं आपसे बात करने, आपकी मदद करने आया हूँ,” मैंने जवाब दिया।

“चले जाओ,” उस प्रेत जैसी आवाज ने कहा, “चले जाओ!”

मैंने पूछा, "आप पुरुष हैं या महिला?"

जवाब में एक कड़वी हंसी सुनाई दी।

“वाह… हा!” अंततः आवाज ने कहा।

"आपका क्या नाम है?"

“सब लोग जानते हैं कि मैं कौन हूं।”

“मुझे नहीं पता। आपका नाम क्या है?” मैंने दोहराया।
मुझे सोने दो।
क्या कोई बात आपको परेशान कर रही है?
कुछ पल सन्नाटा छा गया, फिर आवाज थोड़ी धीमी हो गई। "तुम कौन हो?"
मैं तुम्हारा दोस्त हूँ, तुम्हारी मदद करने आया हूँ।
“मुझसे कोई बात नहीं करता। उन्हें लगता है कि मैं मर गया हूँ।”
“तुम्हारे साथ असल में क्या हुआ?”
“वे मुझे ले गए,” आवाज ने दुख भरे स्वर में कहा। “मैं अभी मरा नहीं हूँ। वे मुझे क्यों ले गए?”
अब माध्यम का शरीर अत्यधिक व्याकुलता के कारण कांपने लगा, जबकि मैंने वातावरण को शांत करने के लिए मधुर शब्द कहे। अचानक, माध्यम के माध्यम से बोलने वाला भूत गायब हो गया, और उसकी जगह एथेल के नियंत्रक अल्बर्ट की स्पष्ट, सीधी-सादी आवाज़ सुनाई दी। मैंने अल्बर्ट से सम्मोहित माध्यम के माध्यम से यह बताने को कहा कि वह भूत कौन था।
“मुझे नाम तो सुनाई नहीं दे रहा, लेकिन एक मजबूत शरीर और गोल चेहरा दिखाई दे रहा है। वह शिकायत कर रहा है कि उसे मृत घोषित कर दिया गया था, जबकि वास्तव में वह मरा नहीं था। मेरा मानना है कि वह इस घर का मालिक है और घर उसी के नाम पर है। इस घर में बहुत ईर्ष्याएं हैं। एक कलाकार भी है जिस पर संदेह है।”
क्या यहाँ कोई महिला है?
"एक ऐसी महिला जिसकी इच्छा पूरी नहीं हुई और जो खिड़की से कूदकर आत्महत्या करना चाहती है।"
मैंने पूछा, "क्यों?"
प्रेम में नाकाम और संदेह के घेरे में।
बाद में मैंने श्रीमती कैंपबेल से इस बारे में पूछा। उन्होंने कुछ देर सोचा, फिर निम्नलिखित तथ्यों की पुष्टि की: परिवार के किसी सदस्य से संबंध रखने वाली एक युवा नौकरानी ने खिड़की से कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश की।
मैंने अल्बर्ट से और सवाल किया। "क्या इस घर में कोई बेचैन महिला है?"
“हाँ, बिल्कुल सही। तस्वीर वाली। उसका अंतरात्मा उसे कचोटता है।”
"किस बारे में?"

अब उस माध्यम ने दर्द से कराहते हुए अपनी कमर पकड़ ली। अल्बर्ट ने कहा, "मुझे धमकी दी जा रही है। मुझे लगता है कि इस खुलासे से लोग परेशान हो जाएंगे।"
"लेकिन जब तक मुझे यह पता नहीं चलेगा कि उसे यहां कौन रोके हुए है, मैं उसे कैसे रिहा कर सकता हूं?"
“इसका संबंध उनके पति की मृत्यु से है। उनका ताबूत में गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी।”
मैंने उनसे और सवाल पूछने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने हमारी बात बीच में ही काट दी। अब उस माध्यम को छोड़ना ही था।
कुछ ही देर में एथेल मेयर्स होश में आ गईं। उन्हें समाधि की अवस्था के बारे में बहुत कम याद था, लेकिन उनकी दिव्य दृष्टि की अनुभूति कुछ समय तक बनी रही। मैंने उनसे बिस्तर पर लेटे व्यक्ति के बारे में पूछा।
“मुझे शुरुआती अक्षर J मिलता है,” उसने जवाब दिया और अपनी कमर को रगड़ा।
मैंने श्रीमती कैंपबेल की ओर रुख किया। "श्रीमती जुमेल के दोषी अंतरात्मा की कहानी के बारे में क्या?"
“खैर,” क्यूरेटर ने जवाब दिया, “अपने पति की मृत्यु के बाद, उन्होंने कुछ समय तक इस घर में रहने से इनकार कर दिया था। उन्हें हमेशा इस बात का अपराधबोध रहता था।”
हम एक कोने में खड़े थे जहाँ से माध्यम हमें सुन नहीं सकता था। “स्टीफन जुमेल की मौत एक गाड़ी दुर्घटना में लगी चोट से खून बहने के कारण हुई। श्रीमती जुमेल ने कथित तौर पर उनकी पट्टी फाड़ दी और उन्हें मरने दिया। इतना तो हम जानते हैं।”
श्रीमती कैंपबेल स्वाभाविक रूप से बेट्सी जुमेल और उनके जीवन की विशेषज्ञ हैं और उन्हें कई ऐसी अंतरंग जानकारियाँ पता हैं जो आम जनता या उन शोधकर्ताओं को भी अज्ञात हैं जिनकी घर और उसकी पृष्ठभूमि में विशेष रुचि नहीं है।
शाम के साढ़े पांच बज रहे थे और हम घर से निकल पड़े, जिसे उस समय के बाद रात के लिए बंद कर दिया जाना चाहिए।
अगली सुबह अखबारों में दो खबरें छपीं। एक, जो काफी हद तक सटीक थी, जर्नल में, और दूसरी टेलीग्राम में एक बेतुकी खबर, जिसे एक ऐसे व्यक्ति ने लिखा था जो जांच कक्ष के बाहर खड़ा था और उसने बहुत कम, या शायद कुछ भी नहीं सुना था।
कई सप्ताह बीत गए और भूत-प्रेत की खोज में मुझे पूरे देश का भ्रमण करना पड़ा। तभी

मुझे श्रीमती कैंपबेल का फोन आया।
“क्या आपको पता है कि 22 मई स्टीफन जुमेल की पुण्यतिथि है?” मुझे नहीं पता था और मुझे यकीन था कि शायद खुद उनके और स्वर्गीय श्री जुमेल के अलावा किसी और को भी नहीं पता होगा। उन्होंने यह बात मानी और सुझाव दिया कि हम उस तारीख को इस मामले पर फिर से विचार करें। मुझे हमेशा से लगता है कि पुण्यतिथियां हत्या के मामलों को सुलझाने के लिए अच्छा समय होती हैं, इसलिए मैं तुरंत सहमत हो गया।
इस बार, द न्यू यॉर्क टाइम्स की रिपोर्टर ग्रेस ग्लूएक को आमंत्रित किया गया था, और उस गर्म मई की दोपहर की कार्यवाही के जो नोट्स उन्होंने लिए थे, उसके लिए मैं उनका आभारी हूं।
वहाँ किंग फीचर्स के महाप्रबंधक फ्रैंक मैकलेर्न, जर्नल के साहित्यिक आलोचक क्लार्क किन्नार्ड, रीडर्स डाइजेस्ट के जॉन एलन और बॉब ओ'ब्रायन, द विलेजर की संपादक एमेलाइन पेज, लेखिकाएँ एलिजाबेथ बर्ड और बेवर्ली बैलिन, सीबीएस के एड जॉयस और न्यूयॉर्क हिस्टोरिकल सोसायटी के कई सदस्य भी उपस्थित थे, जो संभवतः वहाँ पर्यवेक्षकों के रूप में मौजूद थे और ज़रूरत पड़ने पर इतिहास को फिर से लिखने के लिए तैयार थे—क्योंकि प्रसिद्ध आरोन बर्र इसमें शामिल हो सकते थे!
एथेल मेयर्स को उस तारीख के महत्व के बारे में कुछ भी नहीं बताया गया था, और न ही मैंने उनके साथ पहले séance के परिणामों पर चर्चा की थी।
हम सब फिर से ऊपर वाले बेडरूम में इकट्ठा हुए और एड जॉयस ने नेपोलियन के बिस्तर के सामने अपना टेप रिकॉर्डर लगा दिया, जबकि एथेल बिस्तर पर बैठी थी और मैं उसके बगल में एक कुर्सी पर। मेरे बाईं ओर, टाइम्स की युवती बैठ गई। कुल मिलाकर कमरे में पच्चीस बेचैन लोग थे, जो कही गई हर बात को ध्यान से सुन रहे थे और चुप रहने के लिए कहे जाने पर सम्मानपूर्वक मौन धारण कर रहे थे। कुछ ही मिनटों में, एथेल गहरी समाधि में चली गई, और उसके स्वरयंत्रों से एक पुरुष की आवाज़ सुनाई दी।
"आप कौन हैं?" मैंने पूछा, जैसा कि मैं आमतौर पर तब पूछता हूं जब कोई अज्ञात व्यक्ति किसी माध्यम से आता है।
“जे सुइस स्टीफन,” आवाज ने कहा।
"क्या आप अंग्रेज़ी बोलते हैं?"
जवाब में उस माध्यम ने अपने शरीर को पकड़ लिया और कराहते हुए बोली, "डॉक्टर! डॉक्टर! डॉक्टर कहाँ हैं?"

मैंने पूछा, "तुम्हें क्या तकलीफ हो रही है?"
अब आवाज दृढ़ और चुनौती भरी थी। "मैं जीवित हूँ, मैं जीवित हूँ... मुझे मत ले जाओ।"
“क्या आपका एक्सीडेंट हो गया? आपको क्या हुआ?”
उसने मुझे धोखा दिया।
“आपको किसने धोखा दिया?”
“मैं सांस नहीं ले पा रहा हूँ... वो कहाँ है? उसने मुझे धोखा दिया। उसे देखो!”
मैंने कहा, "उसकी चिंता मत करो, वह मर चुकी है।"
“लेकिन मैं जीवित हूँ!” मंत्रमुग्ध आवाज ने बोलना जारी रखा।
“एक अर्थ में, आप वही हैं। लेकिन आप इस दुनिया से विदा भी हो चुके हैं।”
“नहीं—उन्होंने मुझे तब कब्र में डाल दिया जब मैं मरा भी नहीं था।”
मैं जानना चाहता था, "तुम्हें चोट कैसे लगी?"
भूत ने गुस्से से घुरघुराते हुए कहा, "क्या फर्क पड़ता है—मैं तो मर चुका हूँ। तुमने ही तो कहा था।"
मैंने जवाब दिया, "मैंने यह नहीं कहा कि तुम 'मर गए' हो।"
आवाज फिर से गुस्से से भर गई। “उसने इसे लिया, उसने इसे लिया—उस औरत ने। उसने मेरी जान ले ली। यहाँ से चले जाओ।”
"मैं आपका दोस्त हूँ।"
“मेरा कोई दोस्त नहीं है... वो आरोन...”
“एरोन? क्या वह तुम्हारी मौत में शामिल था?”
“वह वेश्या... उसे पकड़ो! मैं तुम्हें बता रही हूँ, उन्होंने मुझे जिंदा दफना दिया था।”
"कब की बात है ये?"
“बहुत ठंड थी। उसने मुझे मूर्ख बना दिया, बिल्कुल मूर्ख!”
"उसने वह कैसे किया?"
"जितने समय मैंने उससे प्यार किया, उसने मुझे हर बार धोखा दिया।"
"मेरी आपकी मदद करने की इच्छा है।"
"मेरा खून बह रहा है।"
"यह कैसे हो गया?"
“पिचफोर्क . . . वैगन . . . घास . . .”

“क्या यह एक दुर्घटना थी, हाँ या ना?”
मैं उस पर गिर गया।
"तुम कांटेदार पेड़ पर गिर पड़े?"
“नेपोलियन के बिस्तर पर फैले खून के इस मंजर को देखो…”
मैंने जोर देकर पूछा, "उस त्रिशूल का क्या हुआ?"
"घास के ढेर में एक लड़का था, और उसने मुझे धक्का देकर नीचे गिरा दिया।"
क्या आप इस लड़के को जानते थे?
“हाँ... मुझे उसे दे दो। वह एक सभ्य महिला बनना चाहती थी। मैंने यह देखा था। मैं इतना मूर्ख नहीं था कि इसे न देख पाऊं।”
"घर पहुंचने पर क्या हुआ?"
उसने मुझसे कहा कि मैं मरने वाला हूँ।
क्या आपने डॉक्टर से सलाह ली थी?
"हाँ।"
“क्या घाव पर पट्टी नहीं बंधी थी?”
“वे मुझे जिंदा बाहर ले गए। मैं एक जिंदा इंसान था जिसे उन्होंने कब्र में डाल दिया। मैं उस कब्र से मुक्त होना चाहता हूँ!”
"क्या आप चाहते हैं कि मैं आपको मुक्त कर दूं?"
"भगवान आपका भला करे!"
“तुम्हारी नफरत ही तुम्हें यहाँ रोके रखती है। तुम्हें माफ करना होगा।”
उसने मेरे साथ ऐसा किया।
फिर मैंने उस भूत से विनती की कि वह अपने परिवार के पास चला जाए और अपनी यादों को भुला दे। “क्या तुम्हें एहसास है कि कितना समय बीत चुका है? सौ साल!”
"सौ साल!"
अभी भी सम्मोहित अवस्था में डूबी हुई वह माध्यम, अपने हाथों में अपना सिर छिपाकर बोली: "मैं पागल हो गई हूँ!"
“इस घर से चले जाओ और वापस मत आना।”
“मैरी, मैरी…!”
मैरी जुमेल की बेटी का नाम था, यह तथ्य उस समय माध्यम को ज्ञात नहीं था।
“जाओ और मैरी से मिलो!” मैंने आदेश दिया और अल्बर्ट, जो नियंत्रक था, से उस दुखी

व्यक्ति को रास्ता खोजने में मदद करने के लिए कहा।
जैसे ही जुमेल का भूत हमें छोड़कर गया, कोई और उस माध्यम के शरीर में प्रवेश कर गया, या ऐसा ही प्रतीत हुआ, क्योंकि वह उठकर बैठ गई और संदेह भरी नज़रों से हमारी ओर देखने लगी: "तुम कौन हो?"
मैंने जवाब दिया, "मैं दोस्त हूं, मदद करने आया हूं।"
मैंने तुम्हें नहीं बुलाया था।
“मेरा नाम होल्ज़र है और मैं आपसे मिलने आया हूँ। अगर आपके पास कोई उल्लेखनीय नाम है, तो कृपया हमें बताएं।”
"बाहर निकलो वरना मैं पुलिस को बुला लूंगी! यह मेरा घर है।"
अब उस सम्मोहित माध्यम के चेहरे पर सचमुच गुस्सा झलक रहा था।
मैं बार-बार पहचान पत्र मांगती रही। आखिरकार, तिरस्कारपूर्ण होंठ खुले और ठंडे स्वर में आवाज आई, "मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति की पत्नी हूँ! मेरे घर से निकल जाओ!"
मैंने श्रीमती कैंपबेल से बात की और पता चला कि बेट्सी जुमेल अक्सर इसी तरह अपनी पहचान बताती थीं। एक बार, आरोन बर्र से तलाक के काफी समय बाद, न्यूयॉर्क की भीड़भाड़ वाली सड़कों से गाड़ी चलाते हुए उन्होंने चिल्लाकर कहा, "संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति की पत्नी के लिए रास्ता बनाइए!"
मैंने पूछा, “क्या आपने इससे पहले किसी और से शादी नहीं की थी? आपके पति की मृत्यु कैसे हुई?”
“हरामखोर!” फुफकार सुनाई दी।
मैंने विनम्रतापूर्वक कहा, "आप सौ साल पहले मर चुकी हैं, महोदया।"
“तुम कप्तान के केबिन में उठने वाली लहर की तरह हो,” उसने कुछ रहस्यमय ढंग से जवाब दिया। बाद में मैंने इसकी पुष्टि की। जुमेल से शादी के दौरान एक समुद्री कप्तान उसके पसंदीदा प्रेमियों में से एक था।
“क्या तुमने अपने पति की हत्या की?” मैंने पूछा और एहतियात के तौर पर थोड़ा पीछे हट गई।
"तुम्हें मेरी नौकरानियों के साथ रसोई में होना चाहिए," उसने तिरस्कारपूर्वक उत्तर दिया, लेकिन मैंने आरोप दोहराया और कहा कि उसके पति ने दावा किया था कि उसने उसकी हत्या की है।

“मैं मदद के लिए पुकारूंगी,” उसने जवाब दिया।
“कोई मदद नहीं मिलेगी। पुलिस तुम्हारा पीछा कर रही है!” मैंने कहा।
मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति की पत्नी हूँ!
“अगर तुम मुझे बताओगे कि तुमने क्या किया, तो मैं तुम्हारी मदद करूंगा। क्या तुमने उसकी मौत का कारण बनाया?”
“रेंगने वाले चूहे... उन्होंने मुझे काट लिया। मैं कहाँ हूँ?”
आप दो दुनियाओं के बीच फंसे हुए हैं। क्या आप मदद चाहते हैं?
“जोसेफ कहाँ है?”
“तुम्हें यह घर छोड़ना होगा। तुम्हारे पति ने तुम्हें माफ कर दिया है…”
मैं उन्हें बहुत पसंद करता था!
"चले जाओ, और तुम स्टीफन जुमेल को फिर से देखोगे।"
“मैंने सिर्फ गाड़ी पर प्रतीक चिन्ह लगाया था! बस इतना ही किया। वह एक महान व्यक्ति थे।”
मुझे ऐसा लगा कि वह मिस्टर जुमेल को बिल्कुल पसंद नहीं करती थी। लेकिन ऐसा होता है, भूतों के साथ भी।
मैंने अंततः उसे जुमेल के साथ जाने के लिए मनाने की कोशिश छोड़ दी और दूसरा तरीका आजमाया...
“जाओ और अमेरिका के उपराष्ट्रपति से मिलो। वह तुम्हारा इंतजार कर रहे हैं।” मुझे आश्चर्य हुआ कि यह भी कारगर नहीं हुआ।
“वह दुष्ट है, बहुत दुष्ट,” उसने कहा।
मैं असमंजस में पड़ गया और मैंने पूछा, "आप किससे जुड़ना चाहते हैं?"
“मैरी।”
फिर उसका नाम पुकारो और वह तुम्हारे पास आ जाएगी और तुम्हें अपने साथ ले जाएगी।
"कोई अपराध नहीं, कोई अपराध नहीं।"
“तुम्हें क्षमा कर दिया गया है। मैरी तुम्हें यहाँ से ले जाएगी।”
मैंने अल्बर्ट, जो नियंत्रक था, से आकर काम शुरू करने में हमारी मदद करने के लिए कहा, लेकिन जाहिर तौर पर मैडम का मन बदल गया: "यह मेरा घर है। मैं यहीं रहूंगी।"
“यह अब तुम्हारा घर नहीं है। तुम्हें जाना होगा!”

संघर्ष जारी रहा। उसने क्रिस्टोफर को पुकारा, लेकिन मुझे यह नहीं बताया कि क्रिस्टोफर कौन था।
अंत में उसने स्वेच्छा से कहा, "वह एकमात्र ऐसा व्यक्ति है जिस पर मैंने कभी भरोसा किया है।"
मैंने दोहराया, ‘‘अभी भी देर नहीं हुई है। आप अपने प्रियजनों से मिल सकते हैं।’’
अलविदा।
मैंने अल्बर्ट को बुलाया, जिसने तुरंत स्थिति संभाल ली। जैसे ही उसने माध्यम के स्वर यंत्रों पर पूरी तरह से नियंत्रण पा लिया, उसने कहा, "वह अब मानसिक रूप से ठीक नहीं है। आपको उससे दोबारा बात करनी पड़ सकती है।"
क्या वह जुमेल की मौत की दोषी है?
‘‘हां। यह तय किया गया था।’’
‘‘उसे धक्का देने वाला लड़का कौन था?’’
‘‘घर का एक भरोसेमंद आदमी। उसने उसे ऐसा करने को कहा था।’’
‘‘स्टीफन जुमेल के बारे में क्या?’’
"उनकी मानसिक स्थिति बेहतर है।"
‘‘क्या ऐसा कुछ और भी है जो हमने नहीं बताया? यह क्रिस्टोफर कौन है जिसका उसने जिक्र किया?’’
‘‘एक समुद्री कप्तान। उसने उसे प्रोविडेंस में दफनाया।’’
श्रीमती कैंपबेल ने बाद में बेत्सी के जीवन में समुद्री कप्तान की महत्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि की। वहाँ ब्राउन नाम का एक और व्यक्ति भी था।
"क्या आरोन बर्र ने जुमेल को दफनाने में मदद की थी?"
‘‘यह सच है। बर्र का मानना था कि श्रीमती जुमेल के पास वास्तव में जितनी संपत्ति थी, उससे कहीं अधिक थी।’’
‘‘उस डॉक्टर का क्या हुआ जिसने उसे जिंदा दफनाया था? क्या उसका नाम पता है?’’
खून बहना नहीं रोका जा सका।
क्या आरोन बर्र इस अपराध में शामिल था?
उन्हें इस बात का पूरा एहसास है कि वे दोषी हैं। उनकी मानसिक क्षमताएं अभी भी पूरी तरह से बरकरार हैं।
फिर मैंने नियंत्रक से घर में शांति बनाए रखने और माध्यम को उसके अपने शरीर में

वापस लाने में मदद करने के लिए कहा।
कुछ मिनट बाद, एथेल मेयर्स फिर से पहले जैसी हो गई, उसे पिछले एक घंटे में झेली गई भयावह घटना के बारे में कुछ भी याद नहीं था, और इससे उसे कोई नुकसान भी नहीं हुआ था।
जुमेल की मृत्यु 1832 में हुई थी और जहाँ तक मुझे पता चला है, भूतों से जुड़ी पहली घटनाएँ 1865 की हैं। सवाल यह था: क्या उनके अवशेषों से उनकी मृत्यु के तरीके के बारे में कोई सुराग मिल सकता है? यदि उनकी मृत्यु ताबूत में दम घुटने से हुई थी, तो क्या उनकी हड्डियों की स्थिति से ऐसा संकेत नहीं मिलता?
मैंने इस मामले में दो चिकित्सकों से पूछताछ की, जिनकी राय अलग-अलग थी। एक का मानना था कि अब तक कुछ भी नहीं बचा होगा; दूसरे का मानना था कि इस मामले की जांच करना उचित होगा।
मुझे भी यही लगा था। हालांकि, मॉट स्ट्रीट पर पुराने कैथोलिक कब्रिस्तान में स्टीफन जुमेल की कब्र को दोबारा खोलने के लिए मेरी अर्जी को टाल दिया गया। जिला अटॉर्नी के कार्यालय ने मुझे मुख्य चिकित्सा परीक्षक डॉ. हेल्परन के पास भेजा, जिन्होंने कहा कि जांच करने का कोई फायदा नहीं होगा। जब मैंने जोर दिया, तो मुझे ओल्ड सेंट पैट्रिक चर्च के कार्यालयों के पास भेज दिया गया, जिनके पास नाममात्र का अधिकार क्षेत्र था।
क्या आपने कभी न्यूयॉर्क शहर में किसी कब्र को दोबारा खोलने की कोशिश की है? यकीन मानिए, नई कब्र खोदना कहीं ज्यादा आसान है!

न्यूयॉर्क भूतों से भरा पड़ा है

मैनहट्टन की सड़कों या उसके उपनगरों के पार्कों में भूत उसी नियमितता से विचरण करते हैं जैसे वे मध्यपश्चिम के एकांत फार्महाउसों या अंग्रेजी हवेली में करते हैं। मेट्रो और शोरगुल वाली बसें भी इन प्रेतों पर कोई बुरा प्रभाव नहीं डालतीं, ऐसा लगता है कि उनके सूक्ष्म मन में कुछ और ही विचार चल रहे हैं।

वेस्ट एटी-सेवंथ स्ट्रीट पर एक भूरे पत्थर के मकान से ज़्यादा साधारण और क्या हो सकता है? कई साल पहले, श्रीमती विलियम डीगेल्डर्न अपने पति, अपने छोटे बच्चे और अपनी सास श्रीमती वर्म के साथ उसी ब्लॉक के एक पुराने मकान में रहने आईं। यह मकान 1894 में बना था और इसमें पाँच मंजिलें हैं जो उस समय की सुरुचिपूर्ण शैली में भारी लकड़ी की सीढ़ियों से जुड़ी हुई हैं। यह मकान 1925 तक एक ही परिवार की संपत्ति रहा, फिर एक कलाकार के हाथों में चला गया, उसके बाद श्री जुड के पास और फिर डीगेल्डर्न परिवार के पास। डीगेल्डर्न परिवार की जानकारी के अनुसार, इससे पहले किसी ने भी इस मकान के बारे में कुछ भी असामान्य नहीं बताया था। श्रीमती वर्म को यूरोप में कुछ मानसिक अनुभव हुए थे, लेकिन उनकी बहू पर छठी इंद्री का कोई प्रभाव नहीं था।

1962 की गर्मियों में जब श्रीमती डीगेल्डर्न नए घर में आईं, तो वे व्यस्तता से काम कर रही थीं और नीचे प्रवेश द्वार की ओर पीठ करके खड़ी थीं। शाम ढल रही थी, लगभग दोपहर का समय था, तभी अचानक उन्हें महसूस हुआ कि कोई उन्हें देख रहा है। यह एक ऐसा अनिश्चित एहसास था कि आप अकेले नहीं हैं।

"तुमने क्या किया?" मैंने पूछा, जब हम नीचे वाले कमरे में बने अंगीठी के सामने बैठे थे। मैंने चारों ओर देखा तो मुझे पहली मंजिल की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर एक युवती खड़ी दिखाई दी, जो मुझे बहुत गंभीरता से देख रही थी। वह लगभग सोलह वर्ष की लग रही थी, उसके सुनहरे बाल चोटी में बंधे थे और उसने नीले रंग की पोशाक पहनी हुई थी - आजकल की कोई चीज़ नहीं, बल्कि ऐसी पोशाक जो पिछली शताब्दी में महिलाएं पहनती होंगी।

“फिर तुमने क्या किया?”

“वह वहाँ लकड़ी की रेलिंग पर हाथ रखे, बिना हिले-डुले खड़ी थी। मैं उठा और उसकी ओर बढ़ा। लेकिन जैसे ही मैं उसके बिल्कुल करीब पहुँचा, वह मेरी आँखों के सामने ही ओझल हो गई।”

“क्या आपने कभी कुछ देखा है, श्रीमती वर्म?” मैंने उस बुजुर्ग महिला से पूछा।

"देख तो नहीं सकती, लेकिन कई बार किसी की मौजूदगी का एहसास जरूर हुआ है। और पिछले क्रिसमस पर, जब हम नीचे डाइनिंग रूम में खाना खा रहे थे, तो मुझे अपने कंधे पर किसी का हाथ महसूस हुआ, मानो कोई मेरा ध्यान खींचने की कोशिश कर रहा हो! कई बार मुझे ऐसा लगता है कि कोई बिना कुछ बोले मेरे पास से गुजर जाता है—फिर भी, मुझे हवा का झोंका महसूस होता है।"

“और आप, महोदय?” मैंने पति की ओर मुड़कर पूछा। “क्या आपने कभी कुछ असामान्य देखा है?”

“नहीं, कुछ नहीं,” उसने लापरवाही से जवाब दिया, “लेकिन मुझे कुछ आवाजें सुनाई देती हैं—अजीबोगरीब आवाजें जिन्हें मैं आसानी से समझा नहीं सकता।”

आजकल न्यूयॉर्क में जिस तरह के हालात हैं, वेस्ट साइड किसी युवा लड़की के भूत के लिए उपयुक्त जगह नहीं है, लेकिन फिर भी आपको वहीं रहना होगा।

श्रीमती रोज़ मार्गोलीज़ उस समय फ़्लोरिडा में रह रही थीं, लेकिन कुछ साल पहले उन्होंने ब्रुकलिन के स्नाइडर एवेन्यू में अपना घर बनाया था। यह इलाका मुख्य रूप से छोटे घरों से भरा हुआ था। छोटे से घर के इस हिस्से में स्थित अपार्टमेंट की मरम्मत का समय आ गया था और मकान मालिक श्रीमती मार्गोलीज़ के घर की छत की मरम्मत करवा रहे थे। लेकिन जैसा कि अक्सर होता है, काम करने वाले कारीगरों ने छत में कुछ बड़े-बड़े छेद छोड़ दिए। श्रीमती मार्गोलीज़ बहुत दुखी और निराश थीं, खासकर इसलिए क्योंकि मकान मालिक ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से आश्वासन दिया था कि काम ठीक से किया जाएगा। वह वहीं बैठी अपने बैठक कक्ष की छत में बने छेदों को निहार रही थीं।

“फिर क्या हुआ?” मैंने उस गुस्सैल महिला से पूछा, जिसे वह घटना अच्छी तरह याद थी।

शाम ढलते-ढूंढते मुझे दरवाजे पर दस्तक सुनाई दी। मैंने अंदर आने को कहा, लेकिन पहले तो कुछ सुनाई नहीं दिया। फिर मुझे अपने मकान मालिक की आवाज़ सुनाई दी —पर वो आवाज़ कुछ अजीब सी थी, मानो बहुत दूर से आ रही हो। मैं उन्हें अंदर आने देने के लिए उठा, लेकिन दरवाजे तक पहुँचने से पहले ही मैंने एक काली परछाई को दरवाजे से अंदर आते देखा—एक आदमी की आकृति वाली परछाई। यह बस एक पल के लिए ही रही, फिर मैं दरवाजे तक पहुँच गया और उसे खोल दिया। मेरे मकान मालिक अंदर आ गए। उन्होंने मुझे बताया कि छत का काम पूरा करने के लिए मजदूर अगली सुबह वापस आएंगे।

मैंने पूछा, "क्या उसमें कुछ असामान्य था?"
“हाँ, ऐसा ही था। फिर से ऐसा लगा जैसे वो मुझसे लाखों मील दूर हो। उसके जाने के बाद, मैं वहीं बैठकर इसके बारे में सोचता रहा। उसी शाम अधीक्षक मुझसे मिलने आया। उसके पास दुखद खबर थी। मकान मालिक को उसी दोपहर दिल का दौरा पड़ा था और उनकी तुरंत मृत्यु हो गई थी।”
1964 में, मैनहट्टन के ग्रीनविच विलेज इलाके में चार्ल्स स्ट्रीट पर मुझे मिस बॉयड से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मिस बॉयड एक भूतनी थीं। लेकिन मैं आपको समझाता हूँ। बैरी गाउंट एक अंग्रेज़ फ़ैशन डिज़ाइनर और अभिनेता थे, जो हाल ही में हमारे बीच आए थे। हालाँकि वे पूरी तरह से अंग्रेज़ थे, लेकिन उन्हें भूतों के बारे में कुछ भी पता नहीं था। वे कुछ हफ़्ते पहले ही चार्ल्स स्ट्रीट पर एक छोटे से भूतल के अपार्टमेंट में रहने आए थे और भूत उनके दिमाग में दूर-दूर तक नहीं थे।
हमारी साझा मित्र, लेखिका एलिजाबेथ बर्ड ने मुझे बताया कि पुराने घर की हालत ठीक नहीं है और मुझसे पूछा कि क्या मैं कृपया इसे ठीक करने की कोशिश करूँगी।
यह सन् 1964 की हैलोवीन की रात थी, जब कैथरीन और मैं सिबिल लीक के साथ उस भूतिया अपार्टमेंट में गए, जो एक अंग्रेज महिला जादूगरनी थी और एक कुशल ट्रान्स मीडियम भी थी। अंगीठी में आग की लपटें उठ रही थीं, पिछवाड़े में तेज़ हवा चल रही थी, और अगर सेसिल बी. डेमिल ने भी भूत-प्रेत की खोज का आयोजन किया होता, तो इससे बेहतर माहौल और कोई नहीं हो सकता था।
“मुझे इस जगह के भूतिया होने के बारे में पहली बार सितंबर के मध्य में पता चला, जब बैरी गाउंट के घर एक मेहमान आई हुई थी। वह एड्रियाना डी सोला नाम की एक मैक्सिकन महिला थी और दस दिनों के लिए यहाँ रहने आई थी। लेकिन तीसरी या चौथी रात को बिस्तर पर उसकी बांह पर ज़ोरदार धक्का लगने से उसकी नींद खुल गई। उसी समय उसे लगा कि वह फूट-फूट कर रो रही है, और वह बहुत रोई, हालाँकि वह आमतौर पर रोने वाली नहीं है। उसे यहाँ बहुत गहरा दुख हुआ।”
“यहाँ किसी को बहुत चोट लगी थी और उसे इसका एहसास हुआ। कुछ रातों बाद, उसे फिर से धक्का लगने से नींद से जगाया गया, मानो कोई उसे जगाने की कोशिश कर रहा हो। फिर से, उसे बेकाबू होकर रोना पड़ा।”
"हालांकि, उसने अपने मेज़बान को इसके बारे में न बताने का फैसला किया। वह यहाँ कुछ ही समय से था और वह उसे परेशान नहीं करना चाहती थी।"

“और आपका क्या कहना है, बैरी?” मैंने पूछा। “आपको अपने घर में कुछ असामान्य कब नज़र आया?”

बैरी गाउंट अपने बीसवें दशक के मध्य या अंत में एक शांत स्वभाव का व्यक्ति था, और वह आसानी से उन्माद का शिकार नहीं होता था।

“एक रात करीब एक बजे मैं घर पहुंची और मुझे रोने की आवाज सुनाई दी—मेरी दोस्त मिस डी सोला फूट-फूट कर रो रही थीं। उनके जाने के बाद से मेरे साथ भी अजीबोगरीब घटनाएं घटने लगी हैं। एक रात मुझे नींद नहीं आई। मैं जाग उठी और मुझे लगा जैसे कोई और मुझे देख रहा हो। मुझे एक अजीब तरह का धुंध दिखाई दिया, लेकिन मैंने उसे नजरअंदाज कर दिया और वापस सो गई। एक बार मुझे लगा जैसे कमरे में कोई मौजूद है। मैंने इस बारे में मिस बर्ड से बात की और आखिरकार उन्होंने मुझे एड्रियाना के यहां के अनुभवों के बारे में बताया।”

“कुछ घंटे पहले कुछ हुआ था, है ना?” मैंने पूछा। एलिजाबेथ बर्ड ने मुझसे कहा था कि हमें तुरंत आना चाहिए।

“कल रात मैं पौने चार बजे जाग गया, मुझे यकीन था कि मैं अकेला नहीं था। यहाँ आने से पहले तक मैं हमेशा अच्छी नींद सोता था और आधी रात को नहीं जागता था। लेकिन आजकल मुझे यहाँ बिल्कुल नींद नहीं आती।”

न तो बैरी गाउंट और न ही एलिजाबेथ बर्ड को घर के इतिहास के बारे में कोई जानकारी थी। बैरी को यह अपार्टमेंट एक दोस्त से मिला था और उन्होंने इसके बारे में कोई पूछताछ नहीं की थी।

फिर मैंने सिबिल लीक से, जो बैंगनी मोजे और लबादे सहित चुड़ैलों के सबसे अच्छे परिधान में सजी-धजी आई थी, उस जगह के पास बिस्तर पर बैठने के लिए कहा, जहां बैरी ने धुंधले बादल को देखा था।

"किसी ने यहां मुर्गियां पाली हैं," सिबिल ने धीरे-धीरे समाधि की अवस्था में जाते हुए कहा।

“यहाँ हमारे साथ हमेशा एक महिला रहती है,” उसने लड़खड़ाती आवाज़ में कहा, जो अब उसकी अपनी नहीं लग रही थी। “उसका नाम बॉयड है! बी-ओ-वाई-डी।”

मुझे ऐसा माध्यम पसंद है जो सब कुछ स्पष्ट रूप से समझा दे। लेकिन सिबिल तो पूरी तरह से ब्रिटिश है।

"मुर्गियां, मुर्गियां—मुझे नहीं पता कि ये मुर्गियां यहां क्यों हैं।"

"मिस बॉयड कैसी दिखती हैं?"
"उसने गुलाबी रंग की सूती पोशाक पहनी है, जिसमें हाई नेक और लंबी आस्तीन हैं।"
"उससे क्या चाहिए?"
वह यहाँ रहना चाहती है।
"क्यों?"
“क्योंकि वह यहीं रहती थी। उसका घर। यहीं उसकी मृत्यु हुई। हालांकि, इस कमरे में नहीं। इस कमरे में मुर्गियाँ हैं। वह कुछ खोज रही है। कुछ ऐसा जो उसने यहीं खो दिया। मुझे लगता है कि एक स्पेनिश लड़की उसे पसंद नहीं करती थी। उसके साथ यहाँ कोई विदेशी भी था। ऑस्टा। आ-उस-ता। आय-उ-स्ता।”
मैंने मिस बॉयड से कहा कि वह अपने धक्कों और आंसुओं से बैठक में अशांति न फैलाएं, फिर मैंने सिबिल लीक की ओर मुड़कर पूछा कि मिस बॉयड इस कमरे में क्या ढूंढ रही हैं।
कुछ पल की झिझक के बाद सिबिल ने मंत्रमुग्ध होकर जवाब दिया, "यह एक कागज़ है। इसका इस घर से कुछ लेना-देना है।"
“यह सब कब हुआ था?”
“अठारह सौ छियासी।”
क्या वह इस घर की मालकिन थी?
"नहीं।"
“घर का मालिक कौन था?”
“वाई-वाई-वाई-वाई-वाई. वाई-वाई-वाई-वाई-वाई-वाई.”
माध्यम से ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे वह कोई नाम दोहरा रहा हो जो वह सुन रही थी।
मैंने पूछा, "क्या इस व्यक्ति का कोई पहला नाम था?"
“उसने उसे श्री अनुस्सी कहकर पुकारा,” माध्यम ने उत्तर दिया।
वह इतनी दुखी क्यों है?
उसे अखबार चाहिए।
मैंने कहा, “शांति से जाओ, तुम्हारी दुखद यादें तुम्हें कभी यहाँ वापस न खींच लाएँ। तुम्हारे प्रियजन परलोक में तुम्हारा इंतजार कर रहे हैं। शांति से जाओ।”
हमें पूरा विश्वास था कि हमने मिस बॉयड को परलोक भेज दिया है, इसलिए हमने सिबिल लीक को समाधि से बाहर निकाला और अक्टूबर की ठंडी रात में बाहर निकल

गए, क्योंकि हैलोवीन की पूर्व संध्या सुबह की धुंध में गायब हो रही थी।
लेकिन मिस बॉयड इतनी जल्दी संतुष्ट होने वाली नहीं थीं। कुछ रातों बाद, बैरी की नींद तब खुली जब उसने कमरे के बीचोंबीच इंद्रधनुष जैसी रोशनी देखी, जिसका कोई स्पष्टीकरण नहीं था।
लगभग उसी समय, रेडियो स्टेशन WINS से एक कॉल आया, जिसमें मुझसे पूछा गया कि क्या मैं किसी अच्छी जगह के बारे में जानता हूँ जहाँ वे मेरे साथ आ सकें, और इसी से मुझे बैरी गाउंट के अपार्टमेंट की याद आ गई। मैंने फिर से सिबिल लीक को फ़ोन किया—जादू से नहीं—और हम चार्ल्स स्ट्रीट स्थित उस जगह पर इकट्ठा हुए। हम सब से मेरा मतलब है एलिजाबेथ बर्ड, मिस्टर गाउंट, सिबिल और बोस्टन के वेस्टिंगहाउस के स्क्वॉयर रशनेल, स्टेन बर्नार्ड और श्रीमती बर्नार्ड, पॉल रोहरर, "कॉन्टैक्ट" के एम.सी. और निर्माता और मैं। यह दिसंबर 1964 की एक रविवार रात थी, और पुराने फायरप्लेस में फिर से आग ज़ोरों से जल रही थी।
मैंने बैरी गाउंट से अपार्टमेंट में देखी गई धुंधली आकृति के बारे में पूछताछ की। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने भी चौदह वर्ष की आयु में, ठीक उसी समय जब उनके पिता की मृत्यु हुई थी, ऐसी ही धुंधली आकृति देखी थी।
इन दोनों बैठकों के बीच एलिजाबेथ बर्ड हॉल ऑफ रिकॉर्ड्स गई थीं, जहाँ न्यूयॉर्क शहर अपनी सीमाओं के भीतर सभी इमारतों और ज़मीनों के रिकॉर्ड रखता है। मेरे द्वारा सुझाए गए तरीके से कई किताबों का अध्ययन करने के बाद, उन्हें पता चला कि चार्ल्स स्ट्रीट पर स्थित घर वास्तव में कई वर्षों से बॉयड परिवार का था! 1827 में सैमुअल बॉयड उस ज़मीन के मालिक के रूप में दर्ज हैं जिस पर यह घर बना है, 1850 में जॉन टी. बॉयड का नाम आता है, और 1861 में यह घर उनके वारिसों के हाथों में चला गया।
“हमें आत्माओं से संपर्क करने के दौरान मिस बॉयड का पहला नाम नहीं पता चला,” एलिजाबेथ बर्ड ने कहा, “लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह घर बताए गए वर्ष, अठारह सौ छियासी में बॉयड परिवार के स्वामित्व में था, और उन दिनों कई लोग अपने पिछवाड़े में मुर्गियाँ पालते थे। अठारह सौ छियासी में, विलियम बॉयड नाम का एक वकील यहाँ रहता था। अभिलेख इसकी पुष्टि करते हैं। मैरी बॉयड ठीक बगल में रहती थी। जहाँ तक मकान मालिक अनुस्सी का संबंध है, इस घर से मोएसलिन (उच्चारण मुस्लिन) नाम का एक व्यक्ति जुड़ा हुआ था। उसने और उसकी पत्नी एम्मा ने अठारह सौ छियासी में यह घर मैरी बॉयड को किराए पर दिया था।”

"बेहद दिलचस्प," सिबिल ने कहा, जिसके लिए यह सब बिल्कुल नई बात थी।
हमारी पिछली प्रेतात्माओं से संपर्क करने की रस्म के बाद से, बैरी को कुछ और असामान्य अनुभव हुए थे। कई बार जब वह और मिस बर्ड टेलीफोन पर बात कर रहे थे, तो दोनों को बैरी गाउंट की आवाज़ के ऊपर गहरी साँस लेने की आवाज़ साफ़ सुनाई दी, मानो कोई दूसरा व्यक्ति उनके पास साँस ले रहा हो। "मैंने भारी साँसें सुनीं," एलिज़ाबेथ ने पुष्टि की, "लेकिन मैंने सोचा कि बैरी को सर्दी लग रही है।" हालाँकि, ऐसा नहीं था।
अब समय आ गया था कि सिबिल को सम्मोहन की अवस्था में डाला जाए, ताकि यह देखा जा सके कि मिस बॉयड आज हमसे क्या कहना चाहती हैं।
कुछ ही क्षणों में, सिबिल का अपना व्यक्तित्व गायब हो गया, और उसकी जगह मैं एक अजनबी से बात कर रहा था।
“चले जाओ!” उस अजीब सी आवाज ने कहा। “यह मेरा घर है!”
"आपका क्या नाम है?"
“बॉयड। मिस बॉयड।”
"आपका प्रथम नाम?"
“मैरी एलिजाबेथ बॉयड।” बिना किसी झिझक के यही जवाब दिया गया।
"हम आपकी कैसे मदद कर सकते हैं?"
आवाज लगभग रोते हुए थी। "वह अखबार ढूंढो। मेरे घर पर।"
“यह लेख किसने लिखा?”
“मेरे पिता।”
आपके पिता का नाम क्या है?
“बिली। बिली बॉयड।”
“कागज कहाँ रखा था?”
“मुझे नहीं पता! मुसली ने घर ले लिया था। वह हमें पसंद नहीं करता था। पिताजी पर उसका बहुत सारा पैसा बकाया था।”
“मुसली कहाँ रहता था?”
"यहाँ।"
वह क्या काम करता था?
उन्होंने चीजें खरीदीं—घर, जमीन।

“आपके पिता का पेशा क्या है?”
“बहुत सारे कागजात। काम-काज।”
“उनका कार्यालय कहाँ था?”
“इस गली में। नंबर 37।”
मैंने सोचा, बिलकुल बगल में। कितना सुविधाजनक! लेकिन उस समय भी, कई बार लोगों के कार्यालय उनके घरों के पास ही होते थे।
“पिताजी ने हस्ताक्षर कर दिए। उन्हें मेरे घर की जरूरत नहीं है…”
क्या आपके कोई भाई या बहन थे?
“वे सब मर चुके हैं। जेन—जेन की मृत्यु हो गई।”
क्या वह शादीशुदा थी?
"हाँ।"
“उसके पति का नाम?”
“स्टीफन मुस्लिन।”
“तो क्या वह आपका रिश्तेदार था?”
“मेरा घर,” वह रोते हुए बोली, और मैंने उसे शांत किया।
“तो जिस व्यक्ति ने तुम्हारा घर छीना, वह तुम्हारा बहनोई था। उसका पेशा क्या था?”
“जमीन खरीदी।”
“आप जिस स्पेनिश महिला की बात कर रहे थे, वह कौन है?”
उपहास भरी हंसी। "यहीं रुका रहा।"
“उसे यहाँ कौन लाया?”
“म्यूसली।”
वह कौन थी?
"एक मित्र।"
“उसका नाम?”
“एलेक्सी।”
“उसका पेशा क्या था?”
मैंने उपहास भरी हंसी से जवाब दिया। शब्दों की जरूरत नहीं थी।
"अगर हमें वो कागज मिल जाए, तो आप क्या करेंगे?"
"यहां रहते हैं।"

फिर मैंने समझाया कि काफी समय बीत चुका है, कागजात मिल गए हैं और घर फिर से कानूनी रूप से उसका हो गया है। मैंने ऐसा उसके भ्रमित मन को शांत करने के लिए किया। मैंने सुझाव दिया, "जाओ और अपने पिता के पास जाओ, जो तुम्हारा इंतजार कर रहे हैं। अस्सी साल बीत चुके हैं।"

फिर मैंने सिबिल लीक को समाधि से बाहर निकाला। वह ठीक थीं, हालांकि थोड़ी थकी हुई थीं। अस्सी साल का सफर लंबा हो सकता है। उन्हें कुछ भी याद नहीं था।

मैंने तुरंत एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण बात की ओर ध्यान दिलाया: एलिजाबेथ बर्ड ने अपने शोध पर चर्चा करते हुए केवल मैरी बॉयड का ही ज़िक्र किया था। लेकिन समाधि की अवस्था में, मिस बॉयड ने सिबिल लीक के माध्यम से बोलते हुए खुद को मैरी एलिजाबेथ बॉयड बताया। हमें पता चला कि अभिलेखों में उनका नाम मैरी ई. बॉयड दर्ज था। लेकिन न तो सिबिल को और न ही मुझे, दूसरे séance से पहले इस बात की कोई जानकारी थी!

“विलियम बॉयड ब्लॉक 611 में रहते थे—यानी यही घर,” एलिजाबेथ बर्ड ने कहा, “और मैरी बॉयड बगल वाले घर नंबर 612 में रहती थीं! इसलिए उन्हें लगभग 1886 के आसपास यहाँ से स्थानांतरित किया गया होगा—उनका अपने पिता के घर में वापस जाना समझ में आता है।”

फिर उसने आगे कहा, “उस स्पेनिश महिला के बारे में—” और मुझे अचानक उस घुसपैठिए की याद आ गई जिसका वर्णन भूत ने व्यंग्य भरे लहजे में किया था।

“विलियम बॉयड और इसाबेला हैविलैंड के बीच एक अदालती मामला दर्ज है। क्या वह वही महिला हो सकती है? खैर, 1887 में इसाबेला इस घर की पूरी तरह मालिक थी। यह रिकॉर्ड में दर्ज है।”

जब हम घर से निकले, तो हमने बैरी गाउंट को मिस बॉयड के बारे में बताया, लेकिन मुझे लगा कि यह महज़ एक औपचारिकता थी। मिस बॉयड अपनी मुर्गियों को बहुत पीछे छोड़कर अपने पिता बिली के साथ उस दुनिया में चली गई थीं, जहाँ ज़मीन के अनुदान का कोई खास महत्व नहीं होता।

इस सबका क्या मतलब है?

चूंकि आप यह उपसंहार पढ़ रहे हैं, आप इस बिंदु तक एक लंबा सफर तय कर चुके हैं —किताब के शुरू से लेकर अब तक। इन सबका क्या अर्थ है, उन अनेक लोगों के सच्चे अनुभवों का जो आप जैसे हैं, और कुछ जो आपसे बिलकुल अलग हैं?

मुझे पूरा विश्वास है कि इसका अर्थ यह है कि वास्तव में एक और दुनिया मौजूद है जहाँ जीवन मानसिक आधार पर चलता रहता है। मुझे पूरा विश्वास है कि ऐसे प्रमाण हैं जो मानव व्यक्तित्व में एक गैर-भौतिक घटक की वैज्ञानिक स्वीकृति को पुष्ट करते हैं, एक ऐसा घटक जो मृत्यु से परे है।

यदि मैं आपको इन सिद्धांतों पर विचार करने के लिए प्रेरित कर सकूँ, तो मैंने अपना काम कर दिया है। आस्था, विश्वास या रिवाज़ के चलते नहीं, बल्कि इसलिए कि आप मेरे प्रमाण को ठोस मानते हैं, और यह आप पर प्रभाव डालता है। यह आपके दृष्टिकोण को बदल देता है। जीवन शाश्वत है। नैतिक मूल्य शारीरिक मृत्यु के बाद भी बने रहते हैं। सभी मनुष्यों, सभी जानवरों और सभी पौधों के जीवन का सम्मान किया जाना चाहिए। हमारे कर्म हमारे साथ नहीं मरते। हम हमेशा उनके प्रति सचेत रहते हैं, चाहे वे अच्छे हों या बुरे। तो फिर, पृथ्वी पर अपने इस भौतिक जीवन को यथासंभव अच्छा, नैतिक और सुंदर क्यों न बनाएं? यदि कोई एक चीज़ है जिसे आप वास्तव में अपने साथ ले जा सकते हैं, तो वह यही है।

मेरी क्या भूमिका है?

अगर ऊपर वाले चाहेंगे तो मैं उन सभी को अच्छी खबर सुनाऊंगा जो सुनना और खुद फैसला करना चाहते हैं। एक अच्छी कहानी सुनाना और तथ्यों को खुद बोलने देना, सबसे आक्रामक बिक्री तकनीक से कहीं अधिक प्रभावी है।

जनसंचार माध्यम, किताबें, समाचार पत्र, टेलीविजन और रेडियो मेरे उपकरण हैं।

यदि आपके पास मेरी फाइलों में योगदान करने के लिए कोई सामग्री है, तो कृपया मुझे अवश्य लिखें।

अगर आपको किसी अदृश्य शक्ति से परेशानी हो, तो मुझे बताएं। शायद मैं आपकी मदद कर सकूं।
यह भी याद रखें कि यहां से वहां की दूरी बहुत कम है।

हंस होल्ज़र